e-assuring INDIA

India's №1 E-Commerce Govt. Company

50वीं वार्षिक रिपोर्ट
50th Annual Report
2014-15

स्वर्ण जयंती वर्ष
50 एमएसटीसी
1964 - 2014

एम एस टी सी
लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)

एम एस टी सी
MSTC

MSTC
LIMITED
(A GOVT. OF INDIA ENTERPRISE)

GOLDEN YEARS
50 MSTC
1964 - 2014

ई-गवर्नेंस के जरिए ई-कॉमर्स, अर्थनीति एवं पर्यावरण को प्रोत्साहन

Promoting e-commerce, economy & environment through e-governance

माननीय इस्पात एवं खदान मंत्री
श्री नरेन्द्र सिंह तोमर
Hon'ble Minister of Steel and Mines
Shri Narendra Singh Tomar

माननीय इस्पात राज्यमंत्री
श्री विष्णु देव साई
Hon'ble Minister of State for Steel
Shri Vishnu Deo Sai

सचिव (इस्पात) **श्री जी मोहन कुमार**
(दिनांक 31.08.2014 तक)
Secretary (Steel) **Shri G Mohan Kumar**
(Upto 31.08.2014)

सचिव (इस्पात) **श्री राकेश सिंह**
(दिनांक 30.09.2015 तक)
Secretary (Steel) **Shri Rakesh Singh**
(Upto 30.09.2015)

सचिव (इस्पात) **डॉ. अनुप के. पुजारी**
(दिनांक 01.10.2015 से)
Secretary (Steel) **Dr. Anup K Pujari**
(From 01.10.2015)

श्री एस. के. त्रिपाठी, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, एमएसटीसी, श्री सुनील बरथवाल, संयुक्त सचिव, इस्पात मंत्रालय एवं श्री ए. के. बसु, निदेशक (वित्त) एमएसटीसी की उपस्थिति में माननीय इस्पात एवं खदान मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर को लाभांश चेक प्रस्तुत किया जा रहा है

Shri S. K. Tripathi, CMD, MSTC presenting dividend cheque to Hon'ble Minister of Steel and Mines Shri Narendra Singh Tomar in presence of Shri Sunil Barathwal, Joint Secretary, Mnistry of Steel and Shri A.K. Basu, Director (Finance) MSTC

50 वार्षिक रिपोर्ट
Annual Report

विषय सूची
Contents

निदेशक मंडल / Board of Directors	2
दृष्टि एवं ध्येय / Vision & Mission	4
अध्यक्षीय भाषण / Chairman's Statement	6
निदेशक मंडल की रिपोर्ट / Directors' Report	8
लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट / Auditors' Report	88
कैग रिपोर्ट / CAG Report	129
तुलन पत्र / Balance Sheet	188
लाभ-हानि खाता / Profit & Loss Accounts	189
वित्तीय विवरणों से संबंधित टिप्पणियां / Notes to Financial Statements	190
नगद प्रवाह ब्यौरा / Cash Flow Statement	215
समेकित वार्षिक लेखा / Consolidated Annual Accounts	217

निदेशक मंडल / Board of Directors

श्री एस. के. त्रिपाठी
अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक
Shri S. K. Tripathi
Chairman cum Managing Director

श्री लोकेश चंद्र
आई.ए.एस.
(दिनांक 23.10.2014 तक)
Shri Lokesh Chandra, I.A.S.
(Upto 23.10.2014)

श्रीमती उर्विला खाती
(दिनांक 24.10.2014 से 21.12.2014 तक)
Smt. Urvilla Khati
(from 24.10.2014 to 21.12.2014)

श्री सुनील बरथवाल
आई.ए.एस.
(दिनांक 22.12.2014 से 13.08.2015 तक)
Shri Sunil Barathwal, I.A.S.
(from 22.12.2014 to 13.08.2015)

श्री एन. सी. झा
Shri N. C. Jha

श्री सूरज भान
Shri Suraj Bhan

श्री ए. के. बसु
Shri A. K. Basu

श्री बी. बी. सिंह
Shri B. B. Singh

श्री ए. के. गोयल
Shri A. K. Goyal

श्रीमती मॉली तिवारी
Smt. Molly Tiwari

प्रबंधन दल / Management Team

श्री एस. अम्बष्ठ
मुख्य सतर्कता अधिकारी
Shri S. Ambastha
Chief Vigilance Officer

श्री एस.एस.चौधुरी
सीजीएम (एचआरएम)
Shri S. S. Chaudhuri
CGM (HRM)

श्री तापस बसु
जीएम (सीपी)
Shri Tapas Basu
GM (CP)

श्री आर.के.चौधुरी
जीएम (एफ एण्ड ए)
Shri R.K.Chaudhuri
GM (F&A)

श्री सी.आर.गिरि
जीएम (सिस्टम्स)
Shri C. R. Giri
GM (Systems)

श्रीमती एस.आर्या
जीएम (मार्केटिंग)
Smt. S. Arya
GM (Marketing)

श्री डी पी बहुगुणा
जीएम (एनआरओ)
Shri D. P. Bahuguna
GM (NRO)

श्री सुब्रत कुमार राय
जीएम (कंपनी सचिव)
Shri Subrata Kumar Ray
GM & Company Secretary

श्री एम.पी.श्रीवास्तव
जीएम (सीसी)
Shri M. P. Shrivastava
GM (CC)

लेखा परीक्षक
राय एंड कं.
सनदी लेखापाल

Auditors
Ray & Co.
Chartered Accountants

बैंकर्स

एचडीएफसी बैंक
बैंक ऑफ इंडिया
इंडियन बैंक
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया
भारतीय स्टेट बैंक
पंजाब नेशनल बैंक
यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया

Bankers

HDFC Bank
Bank of India
Indian Bank
Union Bank of India
State Bank of India
Punjab National Bank
United Bank of India

रजिस्ट्रार एवं ट्रांसफर (अंतरण) एजेंट:
सी बी मैनेजमेंट सर्विसेज (प्रा.) लिमिटेड
पी-22, बोंडेल रोड, कोलकाता-700 019

Registrar and Transfer Agents :
C B Management Services (P) Ltd.
P-22, Bondel Road, Kolkata - 700 019

सचिवालय लेखा परीक्षक
सौम्य ज्योति सील, अभ्यासरत कंपनी सचिव

Secretarial Auditors
Saumayo Jyoti Seal, Practising Company Secretary

पंजीकृत एवं प्रधान कार्यालय
225-सी, आचार्य जगदीश चंद्र बोस रोड,
कोलकाता-700 020
दूरभाष : (+91 33) 2290 0964, 22877557/0568/9627
फैक्स : (+91 33) 2287 8547, 2240 4176
ई-मेल : mstcindia@mstcindia.co.in

Registered & Head Office
225-C, Acharya Jagadish Chandra Bose Road,
Kolkata - 700 020
Phone : (+91 33) 2290 0964, 22877557/0568/9627
Fax : (+91 33) 2287 8547, 2240 4176
e-mail : mstcindia@mstcindia.co.in

दृष्टि एवं ध्येय

दृष्टिकोण

ट्रेडिंग व्यवसाय में विशेष रूप से इस्पात उद्योग के क्षेत्र में प्रभावी बी2बी संस्थान बन कर उभरना

मिशन

एमएसटीसी जिन पदार्थों का व्यापार करता है उनके लिए बाजार को संगठित एवं विस्तार देने की कोशिश करेगा, जहां तक संभव होगा ई-कॉमर्स के माध्यम से पारदर्शिता के साथ व्यवसाय करेगा।

लक्ष्य

(क) देशी और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्रोतों से इस्पात उद्योग के लिए थोक कच्चा माल पर विशेष बल के साथ एक विविधीकृत व्यापार संस्था के रूप में उभरना और इस संदर्भ में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार घरानों के साथ क्रमिक रूप से संयुक्त रूप से गंठबंधन बनाना, भंडारण पद्धति एवं लॉजिस्टिक का विकास करना।

(ख) सरकार और निजी दोनों क्षेत्रों के संगठनों के स्क्रैप और उद्भूत गौण माल, भंडार जो सेवा योग्य न हो इत्यादि के निपटारा के लिए योजना बनाना और आयोजित करना तथा ई-नीलामी को लोकप्रिय बनाना।

(ग) उपरोक्त क्षेत्रों के साथ-साथ प्राइम प्रोडक्ट के ट्रांजसक्शनल विक्रय में ई-कॉमर्स/ई-ट्रांजक्शन प्रोत्साहित करना।

(घ) लगाई गई पूंजी पर इष्टतम आय और कुल लागत पर 15 प्रतिशत आय प्राप्त करने के लिए उपरोक्त कार्य करना।

(ङ) ग्राहकों, प्रिंसिपलों और अन्य व्यापार प्रतिष्ठानों को त्वरित और दक्ष संव्यवहार देकर ग्राहक की संतुष्टि सुनिश्चित करना।

(च) एक सक्षम, प्रतिबद्ध और अभिप्रेरित कार्यस्थल का विकास करना और कायम रखना।

(छ) उपर्युक्त लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए संयुक्त उद्यम को प्रोत्साहित करना है। यह संयुक्त उद्यम माईनिंग, लॉजस्टिक, वेयरहाऊसिंग, बिक्री की वस्तुओं में मूल्य संयोजन के क्षेत्र में विशिष्ट डोमेन एक्सपर्ट के साथ किया जाना है।

Vision & Mission

VISION

To emerge as a dominant B2B player in the area of trading with particular emphasis on Steel Industry.

MISSION

MSTC will endeavour to organize and expand a market for various commodities handled by it making transactions as transparent as possible through extensive use of e-commerce.

OBJECTIVES

a) To emerge as a diversified trading house with particular emphasis on bulk raw materials for steel industry sourced both indigenously and internationally and towards this end gradually build up tie-ups with international trading houses, develop warehousing system and logistics.

b) To plan and organise disposal of scrap and secondary arisings, unserviceable stores, etc. of organisations, both in the public sector and private sector and to popularise e-auction.

c) To promote e-commerce / e-transactions in above areas and also in transactional sale of prime products.

d) To undertake these activities so as to ensure an optimum return on capital employed and to attain a return of 15% on the net worth.

e) To ensure customers' satisfaction by providing prompt and efficient dealing with customers, principals and other business associates.

f) To develop and maintain a competent, dedicated and motivated workforce.

g) To achieve the aforesaid objectives, promote joint ventures with selected domain experts in the area of mining, logistics, warehousing, value addition to the merchandise etc.

एमएसटीसी आज

एमएसटीसी ने 9 सितम्बर 2014 को अपने अस्तित्व के 50 वर्ष पूरे कर लिए एवं अपने 51वें वर्ष पर उत्तरोत्तर वृद्धि की लंबी यात्रा के सफर के उपरान्त अपनी स्थिति को मजबूत कर दिया है। एमएसटीसी ने अपना विकास प्रारम्भ से छोटी सी सरणीबद्ध ट्रेडिंग कम्पनी से एक विशाल बी 2 बी सेक्टर क रूप में अपनी पहचान बना लिया है।

एमएसटीसी आज विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, केंद्र सरकार/राज्य एवं निजी क्षेत्र की कम्पनियों को नवीन दृष्टिकोण के कच्चे माल के समर्थन और ई–कॉमर्स सेवाओं के लिए इस्पात और पेट्रो रसायन क्षेत्र को अपनी सेवाएं दे रही है। कोयला ब्लॉक का सफलतापूर्वक ई–ऑक्शन ने एमएसटीसी को आज कल की तुलना में और भी बेहतर स्थिति में खड़ा किया है।

एमएसटीसी आज इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन श्रेणी–ख मिनी रत्न की सार्वजनिक क्षेत्र की अनुसूची 'बी' कम्पनी है।

1964 में लघु ट्रेडिंग कम्पनी के रूप में महज रु. 6 लाख रुपये की छोटी–सी पूंजी से हुआ था, विगत 51 वर्षों में यह एक वृहत बहु उत्पाद विविध कम्पनी के रूप में विकास किया है। एमएसटीसी ने 51 वर्ष की अपनी यात्रा में तीन बाद बोनस शेयर जारी किया है। इसने प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कर के अलावा सरकारी कोष में पर्याप्त लाभांश का भुगतान किया है।

एमएसटीसी कच्चे माल की औद्योगिक उपयोग के लिए स्क्रैप का पुनश्चक्रण में सुविधा प्रदान करता है जिससे लागत खर्च में कमी आती है, ऊर्जा तथा प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण होता है और अंततः पर्यावरण की रक्षा होती है इस तरह सरकार के 'स्वच्छ भारत' मिशन में सहयोग कर रहे हैं।

एमएसटीसी पर्यावरण तथा प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा करने, गरीबों एवं समाज के वंचित श्रेणियों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है।

एक लंबी छलांग लगाती हुई एमएसटीसी संयुक्त उद्यम के जरिए श्रेडिंग संयंत्र की स्थापना की प्रक्रिया प्रारम्भ कर चुकी है, जो भारत में अपने आप में प्रथम होगा और विशेष इस्पात के पुनश्चक्रण के मामले में काफी दूर तक जाने साथ इस तरह की सामग्रियों के आयात का प्रतिस्थापन का विकल्प बनेगा।

एमएसटीसी आज अपने 51वें वर्ष के अवसर पर कंपनी के प्रति विश्वास जताने के लिए देश के नागरिकों, सरकार, शेयरधारकों के प्रति आभार व्यक्त करती है। 51वें वर्ष पर हम नैतिक व्यापार सिद्धांतों, सुशासन, मजबूत प्रबंधन क्षमताओं तथा सामाजिक उत्थान, वित्तीय लेनदेन में पारदर्शिता तथा ईमानदारी के प्रति प्रतिबद्धता को पुनः दोहरती है।

MSTC Today

MSTC has completed 50 years of its existence on 9th September 2014 and on its 51st year has consolidated its position after traversing a long journey of rise and rise. MSTC has achieved its growth from being a small canalized trading company into e-commerce giant in B2B sector.

MSTC today is catering its services to steel and petrochemical sector for raw material support and e-commerce services with innovated approach to various PSUs, Central Govt./State and private sector companies. Successful e-auction of coal block is another feather in MSTC's cap and MSTC today stands taller than yesterday.

MSTC today is category-I Mini Ratna Public Sector schedule 'B' company under the administrative control at Ministry of Steel, Govt. of India.

Incorporated in 1964 as small trading company with a meagre capital of Rs 6 lakhs, in last 51 years it has grown into a large multi product diversified company. Within the journey of 51 years, MSTC has issued bonus shares thrice. It has paid substantial dividends to the exchequer apart from direct and indirect tax.

MSTC facilitates in recycling of scrap for industrial use of raw materials and thereby reduces input cost, conserve energy and natural resources and ultimately protects the environment and, therefore, contributing to "Swachh Bharat" Mission of the Government.

MSTC is committed to protection of environment, natural resources, uplift of the poor and under privileged class under its CSR and Sustainability Development initiatives.

Taking a leap forward MSTC is poised for setting up shredding plant through JV route will be one of its own kind in India and go a long way in recycling special steels besides substituting imports for such materials.

MSTC today on its 51st year acknowledges the gratitude to the people of the country, the Govt., the stakeholders for reposing faith in the company. On the 51st year we confirm our commitment to ethical business principles, good governance, strong management capabilities and social uplift, transparency and fairness in all kind of transactions.

अध्यक्षीय संबोधन | CHAIRMAN'S STATEMENT

प्रिय शेयरधारकगण,

एक बार फिर, मैं अपकी कम्पनी की 50वीं वार्षिक आम सभा की अध्यक्षता करते हुए स्वयं को विशेषाधिकृत महसूस करता हूँ और आप सभी का वार्षिक सभा के इस विशेष अवसर पर स्वागत करता हूँ।

जैसा कि आपलोगों ने बोर्ड की रिपोर्ट एवं वित्तीय विवरण से महसूस किया होगा कि आपकी कम्पनी ने वर्ष 2014-15 के दौरान बहुत ही अच्छा प्रदर्शन किया है। पीबीटी ₹ 13,147 लाख एवं पीएटी ₹ 9,099 लाख पर स्थिर है। आपके निदेशकों नें शेयर के अंकित मूल्य का 207 प्रतिशत लाभांश की सिफारिश की है।

बड़े स्तर पर, भारतीय अर्थव्यवस्था ने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है और इस्ताप उद्योग भी नकारात्मक था जिसका एमएसटीसी के वित्तीय स्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। जैसा कि मैंने विगत वार्षिक आम सभा में उल्लेख किया था कि हमलोगों ने भारत में इस्पात उद्योगों के लिए कच्चे सामग्रियों की सोर्सिंग के कारोबार हेतु अपने जोखिम को बहुत हद तक कम किया है।

आपकी कम्पनी ई-कामर्स में स्टैण्डएलोन बी2बी सेवा प्रदाता के रूप में अपना नेतृत्व बनाए रखा है। अब यह महसूस किया गया है कि बड़े संगठन प्रणाली में स्वच्छता एवं पारदर्शिता के साथ सेवा की गुणवत्ता को तरजीह दे रहे हैं। यही कारण है कि एमएसटीसी ई-कामर्स सेवा प्रदाता के रूप में संभावित विकल्प हो रही है जब कि कतिपय छोटे सेवा प्रदाता जो मामूली सेवा प्रभार पर कार्य को लेने के लिए तैयार है। एमएसटीसी ज्यादातर सरकारी विभागों से नामांकन के आधार पर एसाइनमेंट पाने में सफल रही। जैसा कि आप को अवगत होगा कि एमएसटीसी ने डीएलोकेटेड कोयला ब्लॉक्स का ई-ऑक्शन संचालित किया था जिसके परिणामस्वरूप राष्ट्रीय कोष को वृहत लाभ आर्जित हुआ। मेजबान राज्य ₹ 2.35 लाख करोड़ का राजस्व 30 वर्षों में वसूल करेगा। इसके अतिरिक्त आंध्र में रेड

Dear Shareholders,

Once again, I feel myself privileged to preside over the 50th Annual General Meeting of your Company and welcome each of you on this special occasion of annual meeting.

As you have observed from the Board's Report and Financial Statements, your company has done extremely well during the year 2014-15. The PBT stands at ₹ 13,147 Lakh and PAT at ₹ 9,099 Lakh. Your directors have recommended a dividend of 207% of the face value of shares.

At macro level, Indian economy has not performed well and the steel industry was even negative which impacted MSTC's financials adversely. As I mentioned in my last AGM, we have drastically reduced our exposure to the business of raw material sourcing to steel industries in India.

Your company maintained its leadership as a standalone B2B service provider in e-Commerce. It is now felt that major organisations are preferring quality of service along with fairness and transparency in the system. This has resulted in MSTC being potential choice as e-commerce service provider than some of the small players who are ready to take up jobs at miniscule service charge. MSTC was also successful in getting assignment on nomination basis from most of the Govt. Departments. You may be aware that MSTC conducted the e-auction of deallocated coal blocks which resulted into huge profit to the national fund. Revenue of ₹ 2.35 Lakh Crore for host states will be realized in 30 years. In addition e-auction of Red Sander in Andhra and e-auction of timber in Kerala have been huge success.

सैंडर के ई-ऑक्शन एवं केरल में टिम्बर के ई-ऑक्शन में भी बड़ी सफलता मिली है।

विगत वर्ष अर्थात वित्तीय वर्ष 2013-14, हमलोगों ने पर्याप्त परिचालन लाभ अर्जित किया है। तथापि, हमे वर्ष 2008-09 में किये गये स्वर्ण के निर्यात से बिक्री प्रक्रिया की गैर वसूली के कारण बकाया राशि के बाबत बड़ी राशि प्रदान करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

जहाँ हमने विगत वर्ष हानि दर्ज किया था आपके पूर्ण समर्थन ने एमएसटीसी को भावनात्मक रूप से सुदृढ़ कम्पनी बना दिया है। कम्पनी के प्रबन्धन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए पुरस्कार के रूप में निदेशक मंडल ने प्रत्येक शेयर धारकों हेतु बोनस शेयर 1:1 की दर बोनस शेयर आवंटित करने का प्रस्ताव रखा है, अतिरिक्त शेयर शेयरधारकों को आवंटित किया जाएगा। प्रारम्भ से यह तीसरी बार है कि एमएसटीसी बोनस शेयर जारी कर रही है और अंतिम इश्यू मात्र वित्तीय वर्ष 2012-13 में जारी किया गया था।

आपकी कम्पनी ने विगत वर्ष के दौरान मानव दिनों का कोई रिकार्ड नहीं रखा है एवं औद्योगिक संबंध अत्यंत सौहार्दपूर्ण बने हुए हैं। हम सर्वश्रेष्ठ निगमित अभिशासन का अनुसरण करते हैं एवं डीपीई द्वारा जारी स्वयं आकलन मानदंड के आधार पर निगमित अभिशासन में "उत्कृष्ट" की ग्रेडिंग प्राप्त किया है।

मैं आपको आश्वस्त करता हूँ कि हमलोग व्यवसाय करने के लिए अत्यधिक पारदर्शी मार्ग से हरसंभव प्रयास कर रहे हैं ताकि आप एवं अन्य स्टेकधारकों का मूल्य बना रहे, वर्षों से हमारे द्वारा अर्जित संपत्ति की सुरक्षा हो सके तथा वर्ष दर वर्ष कम्पनी की वित्तीय स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाये रखा जा सके।

इस कंपनी के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक एवं हमारे कार्यकारी निदेशकों तथा कर्मचारियों पर विश्वास रखने के लिए मैं आप सभी का शुक्रगुजार हूँ। मैं भारत सरकार, हमारे ग्राहकों तथा बैंकरों, जो हमारे मूल्यवान हिस्सेदार हैं, द्वारा दिए गये समर्थन के प्रति उनका भी आभार व्यक्त करता हूँ। कंपनी की ओर से मैं वादा करता हूँ कि मजबूत तरीके से कंपनी के विकास के लिए हमलोग समुचित कमद उठाने का क्रम जारी रखेंगे।

दुर्गापूजा एवं दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

धन्यवाद

जयहिंद!

कोलकाता

एस.के. त्रिपाठी
14 सितम्बर, 2015
अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक

Last year i.e. FY 2013-14, we earned a substantial operational profit. However we were compelled to provide a substantial amount against an outstanding due to non recovery of sale proceeds from export of gold, made in the year 2008-09.

Your unstinted support in the last year where we recorded loss has made MSTC an emotionally stronger company. As a reward to your commitment to the company's management, Board of Directors propose to allot bonus shares @ of 1:1, i.e. for each share held, an additional share shall be allotted to the shareholders. This is the third time since inception that MSTC is issuing bonus share and the last issue was only in FY 2012-13.

Your company has no record of man days lost during the year and industrial relations remained extremely cordial. We follow best Corporate Governance practices and have achieved "excellent" grading in Corporate Governance on the basis of self assessment criteria issued by DPE.

I can assure you that we are doing everything possible to do business in most transparent way, create values for you and other stakeholders, protect the wealth created by us over the years and keep the company in sound financial health year after year.

I acknowledge humbly your trust reposed on me as CMD and CEO of this company and our functional directors and the employees. I also acknowledge the support of Govt. of India, our customers and bankers who are our valuable stakeholders. I promise you, on behalf of the company that we would continue to take appropriate efforts to keep the company going and growing on sustained basis.

Best wishes for Durga Puja and Deepavali.

Thanking you,

Jai Hind!

Kolkata

S. K. Tripathi
14th September, 2015
Chairman cum Managing Director

बोर्ड की रिपोर्ट

सेवा में,

शेयरधारकगण,

एमएसटीसी लिमिटेड

आपके निदेशक मंडल को 31 मार्च, 2015 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी के कारोबार और प्रचालन से संबंधित 50वीं वार्षिक रिपोर्ट और उसके साथ लेखा परीक्षित लेखे और लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता हो रही है।

क) एजेंसी व्यवसाय

इस साल एजेंसी व्यवसाय की कुल राशि **रु. 19,95,312 लाख** है। पिछले वर्ष 2013-14 में **रु. 18,43,318** लाख थी। वर्ष 2013-14 के समानांतर वर्ष 2014-15 का ब्रेक अप नीचे दिया जा रहा है :-

व्यापार क्षेत्र	*व्यवसाय की मात्रा (रु. लाख में)*	
	2014-15	2013-14
स्क्रैप और मैंगनीज ओर आदि की बिक्री	7,28,350	5,63,282
कोयले की बिक्री	6,13,644	5,71,612
आयरन ओर	6,53,318	7,08,424
कुल (क)	19,95,312	18,43,318

ख) ई-प्रोक्योरमेंट

व्यापार क्षेत्र	*व्यवसाय की मात्रा (रु. लाख में)*	
	2014-15	2013-14
ई-प्रोक्योरमेंट (ख)	3,02,422	96,207
कुल (क+ख)	22,97,734	19,39,525

BOARD'S REPORT

To
The Shareholders
MSTC Limited

Directors are pleased to present the 50th Annual Report on the business and operation of the Company together with audited accounts and auditors report for the year ended 31st March 2015.

A) AGENCY BUSINESS

This year the total volume of Agency Business stands at ₹ 19,95,312 Lakh against ₹ 18,43,318 Lakh in 2013-14. Break-up for the year 2014-15 vis-à-vis 2013-14 is as follows:

Business Segment	*Volume of Business (₹ in Lakh)*	
	2014-15	**2013-14**
Sale of Scrap & Manganese Ore etc.	7,28,350	5,63,282
Sale of Coal	6,13,644	5,71,612
Iron ore	6,53,318	7,08,424
Total (A) :	**19,95,312**	**18,43,318**

B) e- PROCUREMENT

Business Segment	*Volume of Business (₹ in Lakh)*	
	2014-15	**2013-14**
e-Procurement (B)	3,02,422	96,207
Total (A+B)	**22,97,734**	**19,39,525**

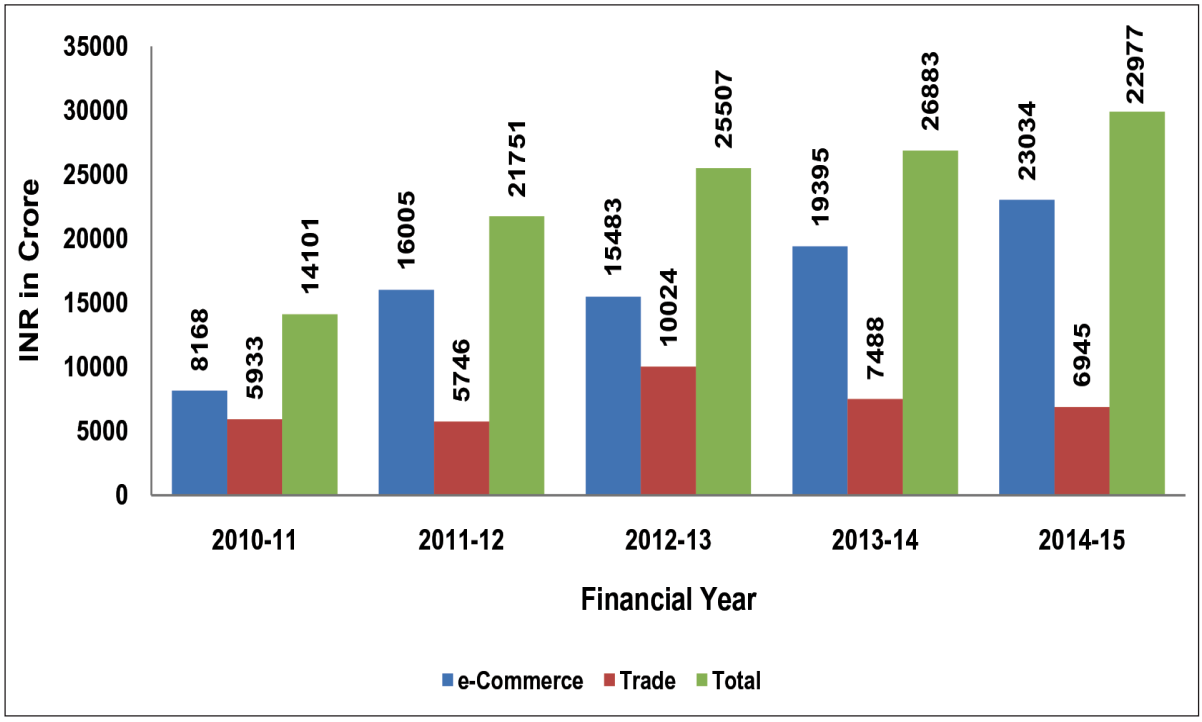

ग) व्यापार

वर्ष 2013-14 में रु. 7,48,815 लाख की तुलना में इस वर्ष व्यापार प्रभाग के व्यवसाय की कुल मात्रा रु. 6,94,521 लाख है। वर्ष 2014-15 के साथ वर्ष 2013-14 का ब्रेक अप नीचे दिया गया है :

व्यापार क्षेत्र	*व्यवसाय की मात्रा (रु. लाख में)*	
	2014-15	**2013-14**
निम्नोक्त सामग्री का प्रोक्योरमेंट		
आयातित सामग्रियाँ	1,60,334	314580
स्वदेशी सामग्रियाँ	5,34,187	4,34,235
कुल (ग)	**6,94,521**	**7,48,815**
महायोग (क+ख+ग)	**29,92,255**	**26,88,340**

कंपनी की वित्तीय झलकियाँ

पिछले वर्ष रु. 7,003 लाख की हानि की तुलना में करोपरांत लाभ रु. 9,099 लाख दर्ज किया गया है।

वर्ष 2014-15 एवं 2013-14 के लिए कंपनी के वित्तीय परिणाम नीचे दिए जा रहे हैं :-

(रु. लाख में)

	2014-15	**2013-14**
व्यवसाय की मात्रा	29,92,255	26,88,340
कर पूर्व लाभ (हानि)	13,147	(10,737)
कर	4,048	(3,734)
करोपरांत लाभ	9,099	(7,003)
प्रदत्त पूंजी (इक्विटी)	880	880
आरक्षित	68,543	61,721
लाभांश (%)	207	-
प्रति शेयर आय (रु.) *(अंकित मूल्य रु. 10/-)*	103	-
प्रति कर्मचारी पीबीटी	42.86	

लाभांश

निदेशकों ने 31 मार्च, 2015 को समाप्त वर्ष के लिए 207% की दर से लाभांश का अनुमोदन किया है। "रिकार्ड तिथि" को सदस्यों के रजिस्टर में जिन शेयरधारकों के नाम दर्ज रहेंगे सिर्फ उन्हें ही लाभांश का भुगतान किया जाएगा।

आरक्षित निधि

31 मार्च, 2014 को कंपनी की सामान्य आरक्षित निधि रु. 61,721 लाख थी। वर्ष 2014-15 के लिए लाभांश पर विचार किए जाने के उपरांत लाभ एवं हानि खाते से रु. 6,906 लाख की राशि सामान्य आरक्षित निधि में स्थानांतरण किया गया है तथा 31 मार्च, 2015 को सामान्य आरक्षित निधि रु. 68,543 लाख है।

C) TRADING

The performance of Trading Division shows a total volume of business of ₹ 6,94,521 Lakh, against ₹ 7,48,815 Lakh in 2013-14. Break-up for the year 2014-15 vis-à-vis 2013-14 is as follows :

Business Segment	***Volume of Business (₹ in Lakh)***	
	2014-15	**2013-14**
Procurement of:		
Imported materials	1,60,334	314580
Indigenous materials	5,34,187	4,34,235
Total: (C)	**6,94,521**	**7,48,815**
Grand Total (A+B+C)	**29,92,255**	**26,88,340**

FINANCIAL HIGHLIGHTS OF THE COMPANY

Profit after tax stands at ₹ 9,099 Lakh as against a loss of ₹ 7,003 Lakh last year.

Financial results of the company for the year 2014-15 and 2013-14 are given below : -

(₹ in Lakh)

	2014-15	**2013-14**
Volume of Business	29,92,255	26,88,340
Profit(Loss) before tax	13,147	(10,737)
Tax	4,048	(3,734)
Profit after tax	9,099	(7,003)
Paid up capital (Equity)	880	880
Reserves	68,543	61,721
Dividend (%)	207	–
Earning per share (₹) *(Face value ₹ 10/-)*	103	–
PBT Per Employee	42.86	–

DIVIDEND

The Directors have recommended a dividend of @207% for the year ended 31st March, 2015. Dividend shall be paid to the shareholders whose names will appear in the register of the members on "record date".

RESERVES

General Reserves of the Company stood at ₹ 61,721 Lakh as on 31st March, 2014. During the year ₹ 6,9,06 Lakh have been transferred to General Reserve from profit & Loss Account. After considering dividend for 2014-15 and as on 31st March, 2015 the General Reserves stand at ₹ 68,543 Lakh as on 31st March 2015.

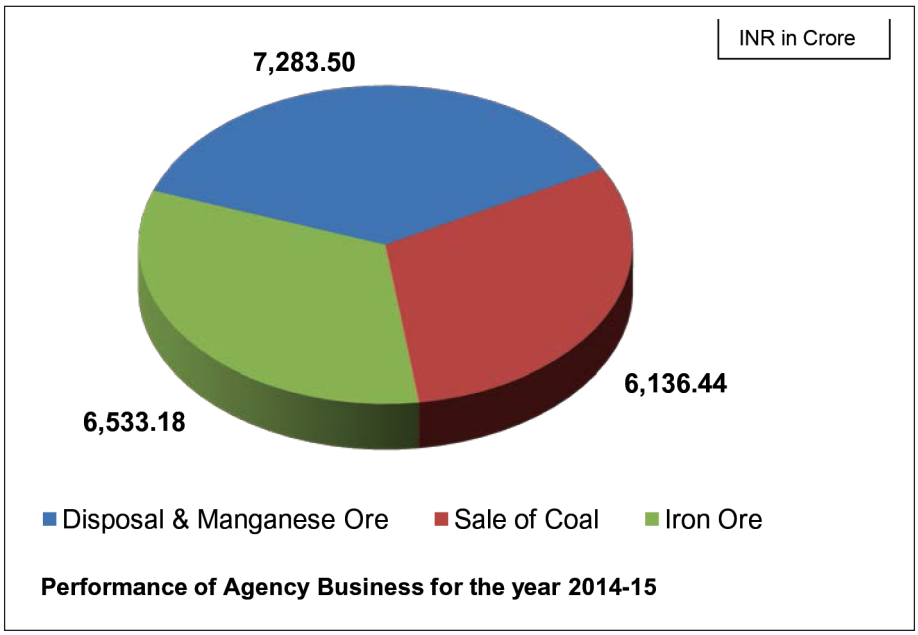

वार्षिक विवरणी का निष्कर्ष

कंपनी (प्रबंधन एवं प्रशासन) नियम 2014 के नियम 12(I) तथा धारा 134(3)(ए), वित्त वर्ष 2014-15 के लिए एमजीटी-9 प्रारूप में वार्षिक प्रतिवेदन का निष्कर्ष इस प्रतिवेदन के साथ निर्धारित प्रारूप में परिशिष्ट V के रूप में संलग्न किया गया है।

सिस्टम प्रभाग

एमएसटीसी की आईटी संरचना देश में अत्यधिक आधुनिक और ई-कॉमर्स व्यवसाय को सुरक्षित और पारदर्शी तरीके से करने में सक्षम है।

एमएसटीसी का आईटी विभाग नवीनतम शक्तिशाली आईबीएम पावर सीरिज 740 सर्वर से सुसज्जित है, यह अधिक भार वहन करने की क्षमता रखता है और हजारों समवर्ती उपयोगकर्त्ता को सेवा प्रदान कर सकता है। यह सर्वर ऊर्जा के स्तर पर काफी सक्षम है, जिससे ऊर्जा की बचत होगी।

कोलकाता डाटा सेंटर के तर्ज पर समान रूप से मुंबई डिजास्टर रिकवरी साईट की भी स्थापना की गई है।

एमएसटीसी सूचना सुरक्षा के प्रति सचेत है। अधिकतम सुरक्षा प्राप्त करने के लिए फायरवाल, इंस्ट्रूशन प्रिवेंशन सिस्टम (आईपीएस), मैनेज्ड डिस्ट्रिब्यूटेड डिनायल ऑफ सर्विस (एमएमडीओएस) आदि की स्थापना करके सुरक्षा में कोई कमी नहीं रखी है।

एसएसएल एन्क्रिप्शन

एसएसएल (सिक्योर सॉकेट लेयर) यह वेब सर्वर एवं ब्राउजर के बीच एक गूढ़ संबंध स्थापित करने के लिए एक मानक सुरक्षा तकनीक है। यह लिंक वेब सर्वर एवं ब्राउजरों के बीच आदान-प्रदान होने वाले सभी आंकड़ों को असार्वजनिक एवं मौलिक रखने की सुनिश्चितता प्रदान करती है।

सभी नेटवर्क उपकरणों मसलन, राउटर्स एवं स्वीच सीआईएससीओ से हैं और यह आईपीवी6 में जाने के लिए पूर्णतः तैयार है। सुरक्षा यंत्र जैसे फायरवाल एवं आईपीएस अनाधिकृत अनुचित हस्तक्षेप को रोकने के लिए लगाया गया है।

EXTRACT OF ANNUAL RETURN

In compliance of section 134(3)(a), and Rule 12(1) of the Company's (Management and Administrative) Rules 2014, extract of Annual Report is format MGT-9 for the financial year 2014-15 has been enclosed with this report as Annexure V in the prescribed format.

SYSTEM DIVISION

MSTC's IT infrastructure is by far the most sophisticated in the country to take up ecommerce services in a secure and transparent manner.

MSTC's IT Department is equipped with the latest powerful IBM Power Series 740 Servers having robust processing power and can serve thousands of concurrent users. The servers are highly energy efficient leading to saving of power.

Mumbai Disaster Recovery site is also having a similar set up as in Kolkata Data Center.

MSTC is concerned with information security issues and has left no stone unturned to achieve maximum security by installing Firewall, Intrusion Prevention System (IPS), Managed Distributed denial of Service (MDDOS), etc.

SSL ENCRYPTION :

SSL (**Secure Sockets Layer**) is the standard security technology for establishing an **encrypted** link between a web server and a browser. This link ensures that all data passed between the web server and browsers remain private and integral.

All network equipments like routers, switches are from CISCO and are totally ready for IPV6 migration. Security Appliances like Firewalls, IPS are in place to prevent unauthorized intrusion.

एमएसटीसी आवधिक गहन और कमजोर परीक्षण के माध्यम से सुरक्षा सुनिश्चित करता है।

आवधिक एप्लिकेशन सुरक्षा टेस्टिंग प्रणाली एसटीक्यूसी द्वारा संचालित है, जो कि भारत सरकार का आनुषांगिक विभाग है।

एमएसटीसी अपने व्यवसायिक परिचालन पूर्ण समर्पित 100 एमबीपीएस आईएलएल के जरिए करती है एवं विभिन्न प्रदाता से गृहित एक अतिरिक्त आईएलएल कनेक्टिविटी भी है। एमएसटीसी ने अपने क्षेत्रों एवं शाखाओं को वीपीएन के जरिए जोड़ दिया है। यह केंद्रीय आतंरिक एप्लिकेशनों को इसके अतिरिक्त सक्षमता प्रदान किया जिससे सभी द्वारा ज्यादा सुरक्षित तरीके से इस्तेमाल होगा। यूजर्स सिस्टम को बाहरी स्पैम एवं वायरस से सुरक्षा प्रदान करने के लिए एक यूटीएम की स्थापना की गई है।

एमएसटीसी एक आंतरिक परिपूर्ण ई-प्रोक्योरमेंट समाधान विकसित कर चुकी है। इस ई-प्रोक्योरमेंट प्रणाली में सीवीसी दिशानिर्देशावलियां, आईटी अधिनियम 2000 एवं वर्ष 2008 में किए गए इसके संशोधन का पालन किया गया है, इस सेवा को एसटीक्यूसी द्वारा अभिप्रमाणित किया गया है।

एमएसटीसी ई-कॉमर्स को सीएमएमआई लेवल-3 के रूप में भी अभिप्रमाणित किया गया है एवं प्रशंसा प्राप्त हुई है।

एमएसटीसी सर्वर कोलकाता में वर्ष भर अनवरत कार्यशील है। सिस्टम विभाग वृत्तिक योग्यता से सुसज्जित है, जो कि लगातार अपने ज्ञान को अद्यतन तकनीक के साथ उन्नत करते रहते हैं।

एमएसटीसी का सिस्टम विभाग एसटीक्यूसी द्वारा आईएसओ 27001:2005 से प्रमाणित है।

एमएसटीसी का ई-कॉमर्स विभाग भी आईएसओ 9001:2008 गुणवत्ता प्रमाणित है।

वर्ष 2014-15 में महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

एमएसटीसी ने कोयला मंत्रालय के लिए कोयला खदान के आबंटन को सफलतापूर्वक संपादित किया है।

एमएसटीसी ने आंध्र प्रदेश सरकार की ओर से लगभग 4000 एमटी रेड संडर वुड का भी वैश्विक ई-निविदा-सह-ई-नीलामी बिक्री का भी संचालन किया है। इस नीलामी में भारत के अलावा चीन, जापान, सिंगापुर, दुबई इत्यादि के बोलीदाताओं ने भाग लिया। इस बिक्री प्रक्रिया से आंध्र प्रदेश सरकार को रु. 87,931 लाख अर्जित हुए। इस ई-लेनदेन के लिए भी एप्लीकेशन का विकास आंतरिक रूप से किया गया है।

स्क्रैप की ई-नीलामी के लिए एमएसटीसी ने मोबाइल बोली प्रणाली का विकास किया है, जिसे फरवरी, 2015 में कार्यान्वित किया गया है।

मानव संसाधन विकास (एचआरडी)

एमएसटीसी लिमिटेड ने हमेशा अपनी श्रमशक्ति को अत्यंत महत्त्वपूर्ण संसाधन के रूप में विचार किया है। संगठन से सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि होने के कारण कंपनी ने कार्यपालक एवं कनिष्ठ कम्प्यूटर सहायक कैडर दोनों के प्रवेश स्तर पर भर्ती अभियान चलाया है। वर्ष के दौरान 18 कर्मचारियों की नियुक्ति सम्पन्न की गई।

आईटी उन्मुखी कंपनी होने के नाते, एचआरडी के लिए कर्मचारियों का प्रशिक्षण हमेशा प्रमुख वरीयता दी गई है। मानव संसाधान विभाग कार्यपालकों के प्रशिक्षण पर बल दिया है एवं कंपनी के लिए अहम भूमिका निभाने के लिए उन्हें सक्षम बनाया है। इस प्रयास के तहत कंपनी ने भविष्य के लिए मार्ग प्रशस्त करने के मद्देनजर अधिकारी वर्ग हेतु भविष्य की आगामी योजना तैयार करने के लिए

MSTC ensures security through periodical penetration and vulnerability testing.

Periodical Application Security Testing is conducted by STQC, a Govt. of India Department.

MSTC conducts its business through a dedicated 100 Mbps ILL and has also a standby ILL connectivity taken from a different provider. MSTC has connected its regions and branches through VPN which enabled the centralized internal applications to be used by all in a more secured manner. Moreover an UTM has been installed for protecting the users systems from outside spams and viruses.

MSTC has developed an in-house complete e-Procurement solution. General Financial Rules, CVC guidelines, IT Act 2000 and its Amendment of 2008 have been adhered to in this e-Procurement Application and the said service has been certified by STQC.

MSTC e-Commerce has been appraised upto CMMI Level-3.

MSTC server in Kolkata is manned round-the-clock throughout the year. The Systems dept. is well equipped with qualified professionals whose skills are continuously upgraded with training on latest technology.

MSTC's System Department is ISO 27001:2005 certified from STQC.

MSTC e-commerce division is also ISO 9001:2008 Quality certified.

MAJOR ACHIEVEMENTS IN 2014-15 :

MSTC has successfully executed Coal Mine Allocation for Ministry of Coal.

MSTC also conducted global e-tender-cum-e-auction sale of about 4000 MT Red sander wood on behalf of Andhra Pradesh Govt. Bidders participated from China, Japan, Singapore, Dubai etc besides India. The Government of Andhra Pradesh earned about ₹ 87,931 Lakh as sale proceeds. Application for these e-transactions was also developed in-house.

MSTC has developed Mobile Bidding System for e-auction of scrap which has been implemented in February 2015.

HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (HRD)

MSTC Limited has always considered its human resource as the most important resource. With the increase in the number of employees retiring from the organization, the company has undertaken recruitment at the entry level of both executive and Junior Computer Assistant cadres. 18 employees were recruited during the year.

Being an IT oriented company, training of employees has remained a major priority for HRD. Human Resource Department emphasized on training executives and enabling them to take up higher roles in the company. In this endeavor the company had also undertaken a study on Succession

अध्ययन कार्य भी सम्पन्न किया है। कंपनी ने विभिन्न विषयों में 56 कार्यपालकों को प्रशिक्षित किया है। 56 व्यक्तियों में से 12 व्यक्तियों को सामाजिक प्रबंधन विकास कार्यक्रम तथा 25 व्यक्तियों को दक्षता विकास से संबंधित आईटी/ई-कॉमर्स में प्रशिक्षित किया है। वर्ष के दौरान क्रमागत परिकल्पना पर एक अध्ययन शुरू किया गया था एवं जनवरी 2015 में उसे सम्पन्न किया गया। वर्ष 2014-15 के लिए मा.सं. का एमओयू लक्ष्य भी सफलतापूर्वक हासिल कर लिया गया।

कमजोर वर्गों का कल्याण

कंपनी अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवारों के लिए समय-समय पर राष्ट्रपति की ओर से जो सरकारी नीतियां और प्रक्रिया की घोषणा आरक्षण, छूट, रियायत इत्यादि के संबंध में की जाती है, उसको आत्मसात की है।

कमजोर वर्गों की नियुक्ति एवं पदोन्नति के मामले में निर्देशों का पालन किया गया है। वर्ष के दौरान गठित सभी विभागीय पदोन्नति कमिटियों एवं चयन कमिटियों (नियुक्ति के मामले में) में एससी/एसटी समुदाय का प्रतिनिधित्व था। वर्ष भर के दौरान नियुक्त किए गए 18 व्यक्तियों में से 5 ओबीसी, 2 एससी व्यक्तियों को लिया गया; 1 पीडब्ल्यूडी (वीएच) व्यक्ति को भी शामिल किया गया।

वर्ष के दौरान कंपनी के 4 एससी, 4 एसटी एवं 3 ओबीसी कर्मचारियों को आंतरिक एवं संस्थानिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों दोनों के लिए प्रायोजित किया गया था।

इसके साथ ही एमएसटीसी एससी/एसटी इम्पलाइज काउंसिल, जिसका प्राथमिक कार्य इस कंपनी के इस वर्ग के कर्मचारियों के हित की रक्षा करना है, को भी सभी तरह का सहयोग और सहायता दी गई।

ऑन लाइन कार्य निष्पादन मूल्यांकन प्रणाली

कार्यनिष्पादन के मूल्यांकन एवं प्रबंधन प्रणाली में पारदर्शिता एवं तत्परता लाने के लिए कंपनी ने कार्यपालक से डीजीएम स्तर तक हेतु अपनी ऑनलाइन कार्यनिष्पादन मूल्यांकन प्रणाली का शुभारम्भ किया है।

नारी सशक्तिकरण

एमएसटीसी फोरम ऑफ वुमेन इन पब्लिक सेक्टर (डब्ल्यूआईपीएस) का आजीवन नैगमिक सदस्य है। वर्ष के दौरान, डब्ल्यूआईपीएस द्वारा आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए कई महिला कर्मचारियों को नामित किया गया था। इसके अलावा, हमारे एक कार्यपालिका डब्ल्यूआईपीएस की अध्यक्षा, पूर्वी क्षेत्र के रूप में पूरी सक्रियता के साथ शामिल है।

एमएसटीसी के सभी कार्यालयों में आंतरिक शिकायत कमिटी का गठन किया गया है। इस तरह के कार्यकलाप से जुड़ी हुई एक बाहरी महिला सदस्य को ऐसे प्रत्येक कार्यालय में कमिटी की सदस्या के रूप में नामांकित किया गया है। सावधिक बैठक के अलावा कमिटियों द्वारा शिकायत निवारण, जागरूकता कार्यक्रमों इत्यादि का भी परिचालन किया जाता है।

कार्यस्थल पर महिला के साथ यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध एवं निवारण) अधिनियम, 2013 की धारा 22 के अंतर्गत प्रकटीकरण

कार्यस्थल पर महिला के साथ यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध एवं निवारण) अधिनियम, 2013 की जरूरतों के अनुसार उसके तर्ज पर कंपनी ने यौन

Planning for Officer Category with a view to lay down future road map. The company trained 56 numbers of executives in various topics. Out of 56, 12 persons were trained in Socio Management Development Program and 25 persons were trained in Skill Development relating IT/e-commerce. During the year a study on Successive Planning was undertaken and the same was completed in January, 2015. The MOU targets for HR for the year 2014-15 were successfully achieved.

WELFARE OF WEAKER SECTIONS :

The Company has duly observed the Presidential Directives issued from time to time in regard to reservation, relaxation, concession, etc. for the SC/ST/OBC/PWD candidates pertaining to the policies and procedures of the Government.

The directives in matters concerning recruitment and promotion regarding the weaker sections have been duly complied with. All Departmental Promotion Committees and Selection Committees (in case of recruitment) constituted during the year had representatives of SC/ST community. Out of 18 no of persons recruited during the year, 5 OBC, 2 SC persons were taken, of which 1 belong to PWD (VH).

During the year, 4 SC, 4 ST and 3 OBC employees of the Company were sponsored for training programmes, both In-House and Institutional training programmes.

In addition, all possible cooperation and assistance was provided to the MSTC SC/ST Employees' Council, which function primarily to safeguard the interest of the reserved section of employees of the Company.

ONLINE PERFORMANCE APPRAISAL SYSTEM :

The Company has launched its Online Performance Appraisal System for executives up to DGM level for bringing transparency and promptness to the systems of Performance evaluation and Management.

EMPOWERMENT OF WOMEN :

MSTC is a Corporate Life Member of Forum of Women in Public Sector (WIPS). During the year, several women employees were nominated in the programmes organized by WIPS. Besides, one of our executives is actively involved as the President, ER of WIPS.

Internal Complaints Committees have been constituted in all the offices of MSTC. An external lady member connected with such activities has been nominated as a committee member at each such office. Besides periodical meetings and Complaint redressal, awareness programs, etc. are also conducted by the Committees.

Disclosure under section 22 of the Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act, 2013.

The Company has in place an Anti Sexual Harassment Policy in line with the requirements of The Sexual Harassment of

उत्पीड़न विरोधी नीति तैयार की है। यौन उत्पीड़न से संबंधित शिकायतों के निवारण के लिए आंतरिक शिकायत कमिटी (आईसीसी) का गठन किया गया है। इस नीति के दायरे में सभी कर्मचारी (स्थाई, अनुबंध, अस्थाई, प्रशिक्षु) आते हैं।

प्रत्येक कैलेंडर वर्ष के दौरान प्राप्त एवं निवारण की जा चुकी यौन उत्पीड़न शिकायतों का संक्षिप्त ब्यौरा नीचे उल्लेखित है।

* प्राप्त शिकायतों की सं.:1

* निवारण की गई शिकायतों की सं.:1

Women at the Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act, 2013. Internal Complaints Committee (ICC) has been set up to redress complaints received regarding sexual harassment. All employees (permanent, contractual, temporary, trainees) are covered under this policy.

The following is a summary of sexual harassment complaints received and disposed off during each calendar year.

* No of complaints received: 1

* No of complaints disposed off: 1

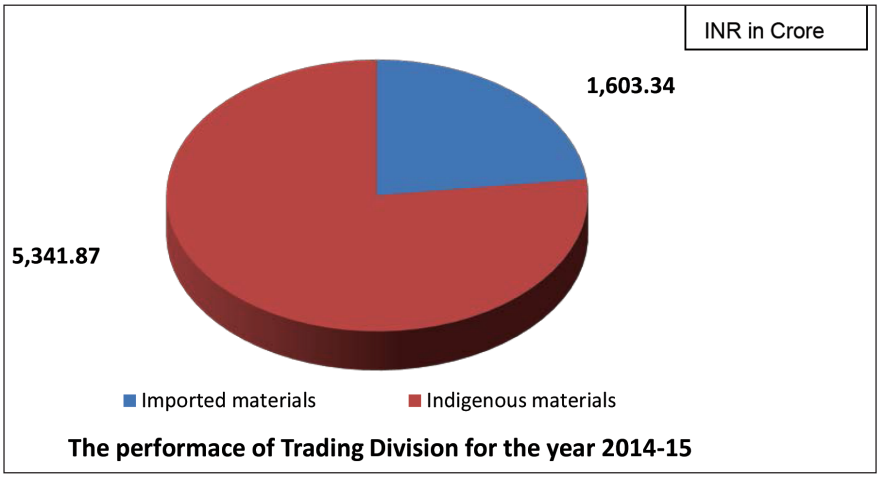

(एचआरएम विभाग)

(HRM DEPARTMENT)

दिनांक 31.03.2014 की स्थिति के अनुसार एमएसटीसी की जनशक्ति

MANPOWER STATISTICS OF MSTC AS ON 31-03-2014

	एचओ HO	ईआरओ ERO	एनआरओ NRO	डब्ल्यूआरओ WRO	एसआरओ SRO	बैंगलोर BLR	वाइजैग VIZ	भोपाल BHPL	बड़ौदा VADODARA	हैदराबाद HYD	BHU	लखनऊ LKNO	कुल TOTAL	1.4.14 को कुल TOTAL AS ON 1.4.14
कार्यपालक/EX	75	9	19	17	8	13	10	2	9	4	2	2	170	170
गैर-कार्यपालक/NEX	49	12	19	13	12	8	12	3	8	0	0	1	137	148

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़े वर्ग/शारीरिक रूप से विकलांगों/भूतपूर्व सैनिक (31.03.2015 की स्थिति)

SC/ST/OBC/PHYSICALLY HANDICAPPED/EX-SERVICEMEN STATUS AS ON 31-03-2015

ग्रुप **GROUP**	कुल **TOTAL**	एससी (%) **SC (%)**	एसटी (%) **ST (%)**	ओबीसी (%) **OBC (%)**	शारीरिक विकलांग (%) **PHYSICALLY HANDICAPPED (%)**	भूतपूर्व सैनिक (%) **EX-SERVICEMEN (%)**
अ/A	170	26(15.29)	11(6.47)	37(21.76)	3(1.76)	शून्य/NIL
ब/B	39	9(23.07)	1(2.56)	शून्य/NIL	2(5.12)	शून्य/NIL
स/C	86	19(22.09)	3(3.48)	17(19.76)	3(3.48)	शून्य/NIL
द/D	12	4(33.33)	1(8.33)	1(8.33)	शून्य/NIL	शून्य/NIL
कुल/TOTAL	**307**	**58(18.89)**	**16(5.21)**	**55(17.91)**	**8(2.6)**	**शून्य/NIL**

31.03.2015 को पुरुष/महिला की स्थिति / MALE/FEMALE AS ON 31-03-2015

	पुरुष / MALE	महिला / FEMALE	कुल / TOTAL
कार्यपालक / EX	139	31	170
गैर-कार्यपालक / NEX	115	22	137
कुल / TOTAL	254	53	307

लोक शिकायत निवारण तंत्र

जन साधारण की शिकायतों की सहूलियत के लिए एक लिंक में पिरोने के लिए एक विशेष कॉरपोरेट पोर्टल **www.mstcindia.co.in** तैयार किया गया है, जहां पर क्रेता/प्रिंसिपल अपनी शिकायतों के दर्ज करा सकते हैं एवं उन शिकायतों में ऑनलाइन निगरानी रखी जाती है। इस पोर्टल के तहत शिकायतकर्त्ताओं को एक यूनिक सिस्टम जनित कोड प्रदान किया जाता है, जिसके जरिए वे अपनी शिकायतें ऑनलाइन पंजीकृत कर सकते हैं उसकी स्थिति से अवगत हो सकते हैं। वे ऑनलाइन पंजीकृत शिकायत की प्रगति को भी देख सकते हैं। कुछ शिकायतें डाक द्वारा भी केंद्रीय शिकायत प्रकोष्ठ में प्राप्त होती है।

विभिन्न प्रकार की शिकायतों की समुचित निगरानी एवं तत्काल निपटान के लिए सभी क्षेत्रीय एवं शाखा कार्यालयों में शिकायत प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। दर्ज की गई किसी भी शिकायतों पर अविलम्ब कार्रवाई की जाती है एवं एक पखवाड़े के अंदर मामले के निपटान/समाधान के लिए सम्पूर्ण प्रयास किए जाते हैं। शिकायतों के तेजी से निपटान के लिए क्षेत्रीय/शाखा कार्यालयों द्वारा नियमित रूप से कार्यवाही की जाती है।

GRIEVANCE REDRESSAL MECHANISM

An exclusive corporate portal **www.mstcindia.co.in** has been set up integrating a link to facilitate the Public Grievances, where the Buyer/ Principal can register their grievances and those are monitored online. The portal provides for a unique system generated code for the complainants to lodge and view the progress of the grievances registered online. Some of the grievances are also received at the Central Grievance Cell by post.

For proper monitoring and quick redressal of various grievances, Grievance Cells have been constituted at all Regional and Branch Offices. Any grievances lodged are attended immediately and utmost efforts are taken to settle/ resolve the cases within a fortnight. Regular follow-ups are also done with Regions/ Branches for expediting settlement.

The Grievance Cells meet at periodical intervals to review case which are pending for more than three months. Quarterly and

माननीय विद्युत राज्य मंत्री, श्री पीयुष गोयल, कोयला ब्लॉक की नीलामी प्रक्रिया का उद्घाटन करते हुए। इस अवसर पर श्री अनिल स्वरूप, सचिव (कोयला) भारत सरकार एवं श्री एस. से. त्रिपाठी, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, एमएसटीसी भी उपस्थित थे

Hon'ble Minister of State for Power, Shri Piyush Goyal, inaugurating coal block auction in presence of Shri Anil Swarup, Secretary (Coal) Govt. of India and Shri S. K. Tripathi, CMD, MSTC

तीन महीने से अधिक समय से लंबित मामले की समीक्षा के लिए शिकायत प्रकोष्ठ आवधिक बैठक करती है। प्राप्त/प्रवृत्त/लंबित शिकायतों की स्थिति पर तिमाही एवं मासिक रिपोर्ट प्रशासनिक मंत्रालय में निर्धारित प्रारूप में प्रस्तुत किए जाते हैं।

इसके अलावा मंत्रालय से प्राप्त निर्देशों के अनुसार कंपनी ने एक सेंट्रलाइज्ड ग्रिवेंस रिड्रेसल मेकानिज्म सिस्टम (सीपीजीआरएमएस) का भी गठन किया है, जिसकी देख-रेख नामित अधिकारियों द्वारा की जाती है। शिकायतों के उचित एवं प्रभावी तरीके ऑनलाइन निपटान के लिए यह मानदंड अपनाया गया है। आज तक, सीपीजीआरएमएस में एक (1) शिकायत दर्ज की गई थी तथा जिससे संबंधित जवाब निर्धारित समय के अंदर उच्च प्राधिकारी को दे दी गई है।

सेवोत्तम शिकायत नागरिक सुविधा की प्रगति संबंधी जानकारी भी हमने हमारी कॉरपोरेट वेबसाइट पर जारी किया है।

कर्मचारियों द्वारा प्राप्त शिकायतों पर विभागीय प्रधान तथा क्षेत्रीय/शाखा प्रबंधक द्वारा कार्रवाई भी की जाती है। दैनदिन कार्यालय संचालन में कर्मचारियों से प्राप्त विभिन्न औपचारिक/गैर-औपचारिक शिकायतों पर विभागीय प्रधान, स्टॉफ यूनियन जैसे जहां उचित समझा जाता है, से परामर्श करके मानव संसाधन विभाग निपटाता है।

दिनांक 01.04.14 से 31.03.15 तक की अवधि के लिए सार्वजनिक शिकायतों का ब्यौरा

01.04.14 को शेष बची हुई शिकायतें	2014-15 में पंजीकृत शिकायतें	2014-15 में पंजीकृत की गई शिकायतें	01.04.15 को शेष बची हुई शिकायतें
3	24	22	5

सूचना अधिकार अधिनियम 2005

एमएसटीसी ने एक अपील प्राधिकारी, मुख्य सावर्जनिक सूचना अधिकारी (सीपीआईओ) को प्रधान कार्यालय में नामित किया है। प्रत्येक क्षेत्रीय/शाखा कर्यालय में भी एक पीआईओ और एक एपीआईओ आरटीआई के तहत प्राप्त आवेदनों को प्रभावशाली-प्रकमण के लिए नामित किया गया है। सूचना अधिकार अधिनियम 2005 के तहत प्राप्त आवेदन सूचना अधिकार अधिनियम 2005 के प्रावधान के अनुकूल निपटाए गए हैं। सभी तिमाही रिपोर्ट को ऑनलाईन प्रस्तुत किया गया। वर्ष 2014-15 के दौरान कुल 47 आवेदनों/अनुरोधों को प्राप्त किया गया है और उनमें से 46 आवेदनों/अनुरोधों का निष्पादन किया गया है और शेष 01 प्रक्रियाधीन है।

राजभाषा

एमएसटीसी राजभाषा त्रिमास का उद्घाटन 15 सितम्बर 2014 को किया गया था। इस अवधि के दौरान हिंदी प्रतियोगिताएं और कार्यशालाओं का आयोजन प्रधान कार्यालय तथा क्षेत्रीय एवं शाखा कार्यालयों में किया गया। कुल 20 अधिकारीगण/कर्मचारीगण को हिंदी प्रतियोगिताओं एवं हिंदी परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने के लिए पुरस्कार से सम्मानित किया गया। जनवरी-मई 2015 सत्र के लिए कुल 05 अधिकारियों/कर्मचारियों को हिंदी शिक्षण योजना, राजभाषा विभाग, भारत सरकार द्वारा संचालित हिंदी परीक्षाओं के लिए नामित किया गया। तिमाही रिपोर्ट एवं वार्षिक रिपोर्ट मंत्रालय को भेजी गई। हिन्दी रिपोर्ट ऑन-लाइन भी जमा की जा रही है। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (टीओएलआईसी) की बैठकों में नियमित रूप उपस्थिति दर्ज की गई है।

Monthly Reports on the status of grievances received/ disposed/pending are being forwarded to the Administrative Ministry in the formats prescribed.

Moreover the company has also instituted a Centralized Grievance Redressal Mechanism System (CPGRMS) as per instructions received from the Ministry which is monitored by the officials nominated for the purpose. These measures provide for a prompt and effective redress of grievances online. Till date, one (1) grievance was registered on CPGRMS and that was subsequently replied to the higher authority within the scheduled time frame.

The development of Sevottam complaint Citizen's Charter has been put in place in our corporate website also.

Grievances received from the employees are taken care of by the HODs' and Regional/ Branch Managers. Moreover the HR Dept. attends to various formal/ informal grievances received from employees in day to day running of the office in consultation with the HOD's and Staff Union, wherever necessary.

Statement of Public Grievances for the period of 01.04.14 to 31.03.15

Grievances outstanding as on 01.04.14	Grievances registered in 2014-15	Grievances redressed in 2014-15	Grievances outstanding as on 01.04.15
3	24	22	5

RIGHT TO INFORMATION ACT 2005

MSTC nominated an Appellate Authority, a Chief Public Information Officer (CPIO) in the Head office. Every region/ branch has PIO and an APIO as well for effectively processing the RTI applications received at various locations of the company. Provisions of Right to Information Act 2005 have been duly complied for processing the applications/requests received under RTI Act 2005. All the quarterly reports have been submitted on-line. During the year 2014-15, total 47 applications/requests have been received and out of those 46 applications/requests have been disposed and remaining 01 is under process.

OFFICIAL LANGUAGE

Rajbhasha Trimas was inaugurated on 15 September 2014. During this period, Hindi competitions and Hindi workshops were organized in Head office and in regional and branch offices. Total 20 officers/employees were awarded prizes for winning in Hindi competitions and for passing Hindi examinations. Total 05 officers/employees were nominated for the Hindi examination conducted by Hindi Teaching Scheme, Official Language Deptt. Govt. of India for January-May 2015 session. Quarterly reports and annual report were sent to the Ministry. Hindi reports are being submitted on-line also. Town Official Language Implementation Committee (TOLIC) meetings were attended regularly.

दिनांक 26.3.2015 को आयोजित इस्पात मंत्रालय की राजभाषा कार्यान्वयन कमिटी (ओएलआईसी) बैठक में शामिल हुए। ओएलआईसी की बैठक की व्यवस्था कार्यालय में भी की गई। राजभाषा अधिनियम के अनुसार प्रधान कार्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय एवं शाखा कार्यालयों में निरीक्षण किया गया था। मंत्रालय द्वारा निरीक्षण के समय सभी कागजात उपलब्ध कराए गए। 10 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रोत्साहन प्रदान किया गया था।

एमएसटीसी, प्रधान कार्यालय ने डब्ल्यूआरओ (मुम्बई), एनआरओ (नई दिल्ली) तथा शाखा कार्यालय (बंगलोर) का निरीक्षण किया। राजभाषा कार्यान्वयन हेतु निगरानी की गई। समय-समय पर राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) के कार्यान्वयन के लिए परिपत्र जारी किए गए। प्रधान कार्यालय के विभागों तथा पूर्वी क्षेत्रीय कार्यालय का निरीक्षण किया गया था।

राजाभाषा विभाग के आईएसओ 9001:2008 प्रमाण-पत्र का नवीकरण किया गया।

प्रधान कार्यालय एवं क्षेत्रीय और शाखा कार्यालयों के कम्प्यूटरों में यूनिकोड स्थापित किया गया।

राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के अधीन जारी कागजातों को हिंदी में अनुवाद किया गया। आवश्यकतानुसार अंग्रेजी से हिंदी एवं हिंदी से अंग्रेजी अनुवाद उपलब्ध कराया जाता है। वार्षिक प्रतिवेदन तथा एमओयू का हिंदी संस्करण भी प्रस्तुत किया गया। राजभाषा अधिनियम का अनुपालन किया गया। इस्पात मंत्रालय एवं इसकी हिंदी सलाहकार समिति राजभाषा अधिनियम के कार्यान्वयन के संबंध में अपने दिशा-निर्देश हमेशा प्रदान किए।

सतर्कता

एमएसटीसी लिमिटेड का सतर्कता विभाग कंपनी के सभी क्षेत्रों के कार्यकलाप के परिचालन में निष्पक्षता, ईमानदारी एवं कुशलता सुनिश्चित करने के लिए भ्रष्टाचार रोधी कार्यप्रणाली की संस्थापन के लिए पूरी तरह से प्रयासरत है। व्यवसायिक लेनदेन में मानव हस्तक्षेप कम करने के उद्देश्य से भ्रष्टाचार के क्षेत्र की पहचान के लिए इसकी ढांचा को कार्यकारी बनाया गया है। इसके लिए, कर्मचारियों में नैतिक औचित्य तथा नीतिपरक व्यवसायिक व्यवहार कायम रखने के लिए मुख्य सतर्कता आयोग के दिशा निर्देशों के अधीन भ्रष्टाचार पर शून्य सहनशीलता की नीति कठोर रूप से अपनाई गई है। एमएसटीसी सतर्कता विभाग आईएसओ

Official Language Implementation Committee (OLIC) meeting of Ministry of Steel held on 26.3.2015 was attended. OLIC meetings were arranged in the office. As per the Official Language Act, inspection was done in Head office and regional and branch offices. All materials for inspection were made available at the time of inspection done by the Ministry. Incentive was provided to 10 officers and employees.

MSTC, Head Office inspected WRO(Mumbai), NRO(New Delhi) and branch office(Bangalore). Monitoring for implementation of Official Language was done. Circular for implementation of section 3(3) of Official Language Act 1963 was issued from time to time. Departments of Head office and Eastern Regional office were inspected.

Re-certification of ISO 9001:2008 of Official Language Department was done.

Unicode was installed in the computers of head office and regional/ branch offices.

Documents coming under section 3(3) of Official Language Act were translated in Hindi. Translations from English to Hindi and vice versa have been provided as and when required. Hindi version of Annual report and MOU were also submitted. Official Language Act has been complied with. Ministry of Steel and its Hindi Salahkar Samity continuously provided their guidance about implementation of Official Language Act.

VIGILANCE

The Vigilance Department of MSTC Limited has been striving hard to institutionalize the anti-corruption practices to ensure fairness, integrity and efficiency in all the fields of activities of the Company. Its' set-up has been operative to identify the zone of corruption in order to diminish the human intervention in the business transactions. For this, the Policy of Zero Tolerance on Corruption under the Guidelines of Chief Vigilance Commission is strictly followed so as .to uphold the ethical business practices vis-à-vis moral uprightness amongst the personnel. MSTC Vigilance Department complies with the

श्री अनिल स्वरूप, सचिव (कोयला) भारत सरकार संवाद माध्यम के साथ कोलया ब्लॉक की नीलामी प्रक्रिया के बारे में परिचर्चा करते हुए
Shri Anil Swarup, Secretary (Coal) Govt. of India explaining the coal block auction procedure to the media

9001:2008 गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली का अनुपालन करता है तथा लाभदायक तकनीक के इस्तेमाल द्वारा भ्रष्टाचार को दूर करने के लिए प्रभावशाली सुरक्षात्मक मानदंड अपनाने तथा संस्थान के कार्यप्रणाली में पारदर्शिता एवं जवाबदेही को बढ़ाने के प्रति बल दिया गया।

एमएसटीसी का व्यवसायिक क्रियाकलापों का परिचालन अपनी निजी आईटी ढांचा यानी ई-नीलामी, ई-रिवर्स नीलामी एवं ई-प्रोक्योरमेंट का ई-कॉमर्स परिचालन द्वारा किया जाता है, जिसे मानक जांच एवं गुणवत्ता अभिप्राणन (एसटीक्यूसी) प्रमाणित वेब पोर्टल के जरिए किया जाता है, जिसमें केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) के दिशानिर्देश अनुपालन किया जाता है। कारटेल फारमेशन को रोकने के लिए पारदर्शिता तथा निष्पक्षता सुनिश्चित करने हेतु इसके सॉफ्टवेयर में कई तरह के सन्निहित प्रावधान हैं। ई-नीलामी, ई-बिक्री, ई-प्रोक्योरमेंट प्रणाली को इस तरह से अभिकल्पित की गई है कि एक नीलामी के दौरान बिक्रेता, एमएसटीसी के कर्मचारीगण, बोलीदातागण तथा अन्य कोई भी व्यक्ति अपने प्रतियोगी बोलीदातादाओं के विवरण को नहीं देख पाएंगे।

वर्ष के दौरान, एमएसटीसी का सतर्कता विभाग ने प्रतिष्ठान के कार्यकलापों में सुधार लाने के लिए कई तरह के कदम उठाएं हैं। प्राप्त हुई पंद्रह शिकायतों के खिलाफ कार्यवाही की गई एवं प्रणालीगत सुधार के लिए संबंधित छोर से आवश्यक सलाह दी गई। सीवीसी/इस्पात मंत्रालय (एमओएस) द्वारा जारी दिशानिर्देशों के आधार पर सतर्कता विभाग द्वारा उठाए गए कदमों में बिल ट्रैकिंग सिस्टम का कार्यान्वयन शामिल है, जिसका इस्तेमाल पोर्टल पर ठेकेदारों की लंबित बिलों के दर्शाने, एमएसटीसी की निजी ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल के जरिए सभी विभागों एवं शाखाओं में रु. 50,000 से अधिक की खरीददारी, नियुक्ति के नियमों की समीक्षा, एपीएआर के सम्पूर्ण प्रकटीकरण का कार्यान्वयन, एपीएआर की ऑनलाइन लेखन, एपीएआर की प्रतिकूल रिपोर्ट के प्रत्युत्तर में अभ्यावेदन करने का अवसर, एक प्रतिष्ठान में जोखिम की रूपरेखा तैयार करने, पारदर्शिता सूचकांक के घटकों को तैयार करने में किया जा सकता है। वर्ष 2014-15 के

ISO 9001-2008 Quality Management System wherein the emphasis has been put to have in place the effective preventive measures through the use of leveraging technology so that the transparency and accountability in the functioning of the Company is ensured.

The business activities of MSTC are run by its own IT Infrastructure viz. e-Commerce operations of e-auction, e-reverse auction and e-Procurement operations, which are carried out by Standardisation Testing and Quality Certification (STQC) certified Web Portal in compliance with the Central Vigilance Commission (CVC) Guidelines. Its software has several in-built provisions which prevent cartel formation and ensure transparency and fairness. The system of e-auction. e-sale, e-procurement is designed in such a way that during the run of e-auction no one like the Seller, Staff of MSTC, the Bidder and so on is in any way able to view the details of the competing bidders.

During the year, MSTC Vigilance Department has taken various initiatives to improve the functioning of activities in the organization. The actions, against as many as fifteen numbers of complaints received, have been taken and necessary advices for systemic improvement have been intimated to the respective ends. On the basis of the directives issued by CVC/Ministry of Steel (MOS), the initiatives undertaken by Vigilance Division include implementation of Bill Tracking System which can be utilized for the display of pending bills of contractors on the portal, professing purchases above ₹ 50,000, in all departments & branches through MSTC's own e-Procurement Portal, review of recruitment rules, implementation of full disclosure of Annual Performance Appraisal Report (APAR), online writing of APAR, opportunity

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री ए. के. त्रिपाठी एमएसटीसी प्रधान कार्यालय में माननीय इस्पात एवं खदान राज्यमंत्री श्री विष्णु देव साई के समक्ष प्रस्तुतिकरण देते हुए

CMD, Shri S. K. Tripathi making a presentation before Hon'ble Minister of State for Steel & Mines, Shri Vishnu Deo Sai on his visit to MSTC head office

श्री एस. के. त्रिपाठी, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक सतर्कता अध्ययन परिवृत्त, हैदराबाद द्वारा आयोजित सम्मेलन में परिचर्चा करते हुए परिलक्षित
Shri S. K. Tripathi, CMD, speaking at a conference organised by Vigilance Study Circle, Hyderabad

दौरान दस औचक एवं नियमित निरीक्षण किया गया। ऐसे निरीक्षण का मुख्य केंद्र बिंदू है भ्रष्टाचार के संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान करना, प्रणाली/प्रक्रिया को सरल बनाना तथा परिचर्चा के जरिए कर्मचारियों में भ्रष्टाचार रोधी मुद्दों/सतर्कता पर जागरूकता फैलाना है।

सेवा वितरण प्रणाली को ज्यादा पारदर्शी बनाने के लिए एमएसटीसी सीपीजीआरएमएस (सेंट्रलाइज्ड पब्लिक ग्रिवांस रीड्रेसल एण्ड मोनिटरिंग सिस्टम) लिंक प्रदान करती है एवं सार्वजनिक प्रोक्योरमेंट में भ्रष्टाचार को रोकने के लिए इंटिग्रिटी पैक्ट कार्यान्वित किया गया है। एमएसटीसी की व्हीसल ब्लोअर पॉलिसी बेहतर विश्वास हासिल करने के लिए सभी कर्मचारियों के लिए अवसर प्रदान करता है। प्रशासन में नागरिक (सेवोत्तम) पहुंचने तथा सीधे सीवीओ तक शिकायत करने के लिए एक सतर्कता पेज भी दर्शाया गया है। सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई), भारत सरकार के निगमित अभिशासन दिशानिर्देशों का अनुपालन किया गया एवं बोर्ड के सभी सदस्यों एवं नामित सेवा प्रबंधक के लिए आचार संहिता का उल्लेख किया गया है। व्यवसायिक लेनदेन के विश्लेषण तथा एमएसटीसी के वर्तमान कार्यकलापों को ध्यान में रखते हुए प्रतिष्ठान का एमएसटीसी जोखिम रूपरेखा तैयार किया जा रहा है। एमएसटीसी द्वारा पारदर्शिता अभ्यास धरातल तक पहुंचने के लिए पारदर्शिता सूचकांक में संशोधन किया जा रहा है।

केंद्रीय सतर्कता आयोग, नई दिल्ली के दिशा निर्देशों के अनुसार एमएसटीसी सतर्कता विभाग ने दिनांक 27.10.2014 से 01.11.2014 तक एमएसटीसी के विभिन्न कार्यालयों में "सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया।" इस अवसर पर "भ्रष्टाचार से मुकाबला-तकनीक की शक्ति" विषय पर अखिल भारतीय आधार पर कर्मचारियों के बीच निबंध एवं नारा लेखन प्रतियोगिता का

to make representation in response to the adverse report in APARs, devising risk profile of an organization, framing the constituents of transparency index etc. During the year 2014-15, ten surprise and routine inspections have been carried out. The major focus of such inspections has been on identifying vulnerable areas of corruption, streamlining of system/procedure and awareness on vigilance/anti-corruption issues amongst the employees through interactions.

MSTC provides a link to CPGRMS (Centralized Public Grievance Redressal and Monitoring System) to make the service delivery system more transparent. Integrity Pact has been implemented to prevent corruption in public procurement. The Whistle Blower Policy of MSTC provides opportunity to all employees for access in good faith. Citizens in Administration (Sevottam) and also a Vigilance page for lodging complaints directly to CVO. Corporate Governance Guidelines by Department of Public Enterprises (DPE), Govt. of India, have been complied with and Code of Conduct for all Board members and designated service management has been laid down. MSTC Risk Profile of the organization is being prepared keeping in mind the present activities of MSTC and analysis of the business transactions. Transparency Index is being revised for accessing the degree of transparency practiced by MSTC.

MSTC Vigilance Department organized "Vigilance Awareness Week" in various offices of MSTC from 27.10.2014 to 01.11.2014 as per the directives received from the Central Vigilance Commission, New Delhi. To mark the occasion, MSTC Vigilance conducted Essay Competition and Slogan

आयोजन किया। कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करने हेतु श्रेष्ठ प्रविष्टि के लिए कर्मचारियों को पुरस्कृत किया गया। इसके अलावा, सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2014 प्रसंग के अनुरूप प्रधान कार्यालय, कोलकाता में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया था। इस कार्यशाला में अध्यक्ष एवं मुख्य प्रबंध निदेशक, कार्यकारी निदेशकगण, विभागीय प्रधान एवं कंपनी के कर्मचारी/अधिकारीगण ने हिस्सा लिया। श्री ए. के. सिन्हा, इंडीपेंडेंट एक्सटर्नल मोनिटर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे एवं जमीनी स्तर पर भ्रष्टाचार तथा आईटी द्वारा उस पर काबू पाने के विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। सतर्कता एवं भ्रष्टाचार रोधी मानदंडों के प्रति सभी को अवगत कराने के लिए मुख्यालय के साथ क्षेत्रीय/शाखा कार्यालयों के विशिष्ट सार्वजनिक स्थानों पर उपयुक्त बैनर प्रदर्शित किए गए। सतर्कता जागरूकता सप्ताह का पालन करने के लिए एक पुस्तिका का भी लोकापर्ण किया गया। इस पुस्तिका में भ्रष्टाचार की चुनौती का सामना करने के साथ प्रशासन में वर्गीकरण के प्रत्येक स्तर पर जवाबदेही देने के लिए परिपूर्ण ई-कॉमर्स समाधान विकसित करने में एमएसटीसी की भूमिका को प्रदर्शित किया गया। कंपनी के अंदर एवं बाहर काफी संख्या में इस पुस्तिका की प्रतिलिपियां वितरित की गई।

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की टिप्पणी

कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143(3)(बी) के अनुरूप कंपनी के वार्षिक लेखा पर सीएजी की टिप्पणी को निदेशक मंडल की रिपोर्ट के अंश के रूप में माना जाएगा।

निदेशक मंडल का उत्तरदायित्व

कंपनी (संशोधन) अधिनियम, 2013 की धारा 134(5) के प्रावधानों के अपेक्षानुसार, निदेशक मंडल ने बताया है कि:-

वार्षिक लेखा तैयार करते वक्त प्रयोजनीय लेखा मानकों को पूरी तरह से अनुपालन किया गया है एवं जहां इन मानकों से हटकर कार्रवाई की गई है, वहां उसके साथ समुचित स्पष्टीकरण दिए गए हैं।

Writing was organized amongst the employees on all-India basis on the theme “Combating Corruption-Technology as an Enabler”. Prizes were distributed to the employees for the best entries to motivate them for their active participation. In addition, a workshop was organized at HO, Kolkata in consonance with the theme for Vigilance Awareness Week-2014, which was attended by CMD, functional Directors, HODs & employees/officers of the company. Shri A.K.Sinha, External Independent Monitor was the Chief Guest & addressed the grass root level of corruption and its mitigation by embracing IT. Suitable banners were displayed at conspicuous public places in the premises of the Headquarters as well as Regional/Branch offices to sensitize one and all on the vigilance and anti-corruption measures. A brochure was unveiled to commemorate the occasion of Vigilance Awareness Week, highlighting the role played by MSTC in developing end-to-end e-commerce solutions that can provide the accountability at every level of hierarchies in administration as well as address the challenge of corruption. Copies of brochure have been widely circulated within and outside the Company.

COMMENTS BY COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA (CAG)

Comments of CAG on the Annual accounts of company in terms of section 143(3)(b) of the Companies Act, 2013, shall be deemed as part of Directors’ Report.

Directors Responsibility Statement

As required under the provisions of Section 134(5) of the Companies (Amendment) Act, 2013, Board of Directors state that:

In the preparation of annual accounts the applicable accounting standards have been followed along with proper explanation relating to material departures.

मुख्यालय में आजोयित सतर्कता परिचर्चा बैठक के दौरान क्षेत्रीय/शाखा के मुख्य अधिकारियों के साथ श्री एस. अम्बस्था, मुख्य सतर्कता अधिकारी
Shri S. Ambastha, CVO, with the nodal officers of Region/Branch during a Vigilance Interactive Meeting organised at head office

निदेशकों ने इस तरह की लेखा नीतियों को चुना है, उनका बराबर अनुसरण किया है एवं इस तरह के निर्णय लिए हैं, और प्राक्कलन तैयार किए हैं, यो युक्तिपूर्ण हैं और तर्कसंगत हैं एवं जिनसे कंपनी के 31.03.2015 तक के कार्यकलापों की एवं वित्त वर्ष 2014-15 में कंपनी के लाभ की सही और सटीक तस्वीर प्रकट होती है।

निदेशकों ने कंपनी की परिसम्पत्तियों की सुरक्षा के वास्ते एवं धोखाधड़ी एवं अन्य अनियमिताओं को रोकने व पकड़ने हेतु कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुरूप उचित लेखा प्रतिवेदन के रखरखाव हेतु उचित एवं पर्याप्त ध्यान रखा है।

निदेशकों ने 31 मार्च, 2015 को समाप्त वर्ष के लिए जारी कारोबार के आधार पर वार्षिक लेखा तैयार किया है।

निदेशकों ने प्रयोज्य सभी कानूनी प्रावधानों के अनुपालन को सुनिश्चित करते हुए उचित प्रणाली तैयार की है तथा वे सभी प्रणाली उचित एवं प्रभावी ढंग से कार्य किया है।

लेखा परीक्षक

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(5) के अनुपालन के तहत, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक ने वर्ष 2014-15 के लिए मेसर्स राय एण्ड कंपनी, सनदी लेखापाल को कंपनी के संवैधानिक लेखा परीक्षक के रूप में नियुक्त किया है। लेखा परीक्षक का प्रतिवेदन कंपनी के वार्षिक लेखों के साथ संलग्न कर दिया गया है। लेखा परीक्षकों की टिप्पणियों/अवलोकनों पर प्रबंधन के जवाब को निदेशकों के प्रतिवेदन के अनुलग्नक VIII में दिया गया है।

निदेशकगण

वर्तमान में एमएसटीसी लि. के निदेशक मंडल में श्री एस के त्रिपाठी, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, श्री ए के बसु, निदेशक (वित्त) एवं श्री बी बी सिंह, निदेशक (वाणिज्यिक) शामिल हैं, जो कि पूर्णकालिन निदेशक हैं। श्री लोकेश चंद्रा, आईएएस, संयुक्त सचिव, इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार दिनांक 24.10.2014 से सरकारी नामित निदेशक नहीं है। श्री लोकेश चंद्रा के स्थान पर श्रीमती उर्विला खाती, संयुक्त सचिव को दिनांक 24.10.2014 से सरकार नामित निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया। इस्पात मंत्रालय ने श्रीमती उर्विला खाती के स्थान पर श्री श्री सुनील बरथवाल, संयुक्त सचिव, एमओएस को दिनांक 22.12.2014 से सरकार नामित निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया। श्री सूरज भान, आर्थिक सलाहकार, इस्पात मंत्रालय सरकार द्वारा नामित द्वितीय निदेशक हैं। श्री ए के गोयल, भूतपूर्व सदस्य रेलवे बोर्ड तथा श्री एन.सी. झा, भूतपूर्व सीएमडी, कोल इंडिया लिमिटेड, बोर्ड में दो स्वतंत्र निदेशक हैं।

सचिवीय लेखा परीक्षा

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 204 के अनुसार सौमायो ज्योति सील, अभ्यासरत कंपनी सचिव को वर्ष 2014-15 के लिए कंपनी का सचिवीय लेखा परीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है। सचिवीय लेखा परीक्षा की निर्धारित रिपोर्ट इस प्रतिवेदन के अनुलग्नक VII के रूप में संलग्न है।

Directors have selected such accounting policies and applied them consistently and made judgments and estimates that are reasonable and prudent so as to give a true and fair view of the state of affairs of the company as at 31.03.2015 and of the profit of the company for the financial year 2014-15.

Directors have taken proper and sufficient care for the maintenance of adequate accounting records in accordance with the provisions of the Companies Act, 2013 for safeguarding the assets of the Company and for preventing and detecting frauds and other irregularities.

Directors have prepared the annual accounts for the year ended 31st March, 2015 on a going concern basis.

Directors had devised proper systems to ensure compliance with the provisions of all applicable laws and that such systems were adequate and operating effectively.

AUDITORS

Pursuant to Section 143(5) of the Companies Act, 2013, the Comptroller and Auditor General of India, has appointed M/s. Ray & Co, Chartered Accountants, as Statutory Auditors of the Company for the year 2014-15. The report of the Auditors is attached to the annual accounts of the Company. Management replies on the comments/observations of the Auditors are placed at annexure VIII to Directors Report.

DIRECTORS

Board of Directors of MSTC Ltd. presently consists of Shri S.K. Tripathi, Chairman-cum-Managing Director, Shri A.K. Basu, Director (Finance) and Shri B.B. Singh, Director (Commercial), who are whole time directors. Shri Lokesh Chandra, IAS Joint Secretary, Ministry of Steel, Government of India ceased to be Govt. nominee director w.e.f 24.10.2014. Smt. Urvilla Khati, Joint Secretary had been appointed in place of Shri Lokesh Chandra w.e.f. 24.10.2014. Ministry of Steel appointed Shri Sunil Barthwal, Joint Secretary, MOS, as Govt. nominee director in place of Smt Urvilla Khati w.e.f. 22.12.2014. Shri Suraj Bhan, Economic Adviser, Ministry of Steel is second Government nominee director. Shri A. K. Goyal, former Member Railway Board and Shri N.C. Jha, ex-CMD, Coal India Ltd., are two independent directors in the Board

SECRETARIAL AUDIT

In compliance with section 204 of the Companies Act, 2013, Saumayo Jyoti Seal, practising company secretary has been appointed as the Secretarial Auditor for the year 2014-15. Report of the Secretarial Auditor as prescribed is enclosed as annexure VII to this report.

संबंधित पार्टी लेनदेन

कंपनी (लेखा) अधिनियम, 2014 की धारा 8(2) के अनुसार प्रपत्र एओसी-2 में धारा 188(1) में उल्लिखित संबंधित पार्टियों के साथ संविदाओं का विवरण इस प्रतिवेदन के अनुलग्नक III के रूप में संलग्न है।

अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक एवं दो कार्यकारी निदेशकगण धारा 2(75) के साथ धारा 2(76) के अधीन वर्णित संबंधित पार्टी के रूप में मुख्य प्रबंधकीय कार्मिक (केएमपी) हैं। उनका नियोजन भारत सरकार द्वारा निर्णित शर्तों के अधीन अनुबंधकीय नियोजन के अंतर्गत किया गया है। क्रमशःअध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक एवं निदेशक (वाणिज्य) हमारी सहायिकी कंपनी यानी फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड (एफएसएनएल) में अध्यक्ष एवं नामित निदेशक हैं।

एफएसएनएल के बिक्रय एजेंट के रूप में एमएसटीसी कार्य करती है, जो एमएसटीसी के लिए एक सामान्य व्यवसायिक कार्य है तथा अन्य कंपनियों के लिए साधारण तौर पर लागू सेवा दर भी वसूलती है। एमएसटीसी गोदाम के प्रबंधन के लिए एफएसएनएल को संरक्षक सेवा शुल्क का भुगतान कर चुकी है जो एफएसएनएल के लिए सामान्य व्यवसायिक कार्य है।

नैगमिक सामाजिक दायित्व

सामाजिक विकास के लिए कंपनी गंभीर रूप से प्रतिबद्ध है। कंपनी अधिनियम, 2013 के तर्ज पर तथा डीपीई के दिशानिर्देशों के अनुसार कंपनी की एक सीएसआर कमिटी है, जो सरकार के दिशानिर्देशों तथा कंपनी की सीएसआर नीति के अनुसार कार्य करती है। कंपनी की सीएसआर पॉलिसी बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया गया है एवं वह कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

कंपनी (निगमित सामाजिक दायित्व नीति) नियम, 2014 की धारा 8 के अंतर्गत आवश्यक निगमित सामाजिक दायित्व पर वार्षिक प्रतिवेदन अनुलग्नक VI के रूप में संलग्न है।

निगमित अभिशासन

निगमित अभिशासन एवं प्रबंधन के विचार-विमर्श का ब्यौरा और व्याख्या अनुलग्नक II में प्रस्तुत किया गया है और वह इस वार्षिक प्रतिवेदन का हिस्सा है। निगमित अभिशासन प्रतिवेदन में अनुलग्नक के रूप में अनुपालन लेखा परीक्षण रिपोर्ट संलग्न है।

बोर्ड की बैठक की संख्या

वित्त वर्ष 2014-15 के दौरान बोर्ड की चार बैठकें हुईं। इसका सम्पूर्ण ब्यौरा इस प्रतिवेदन के अनुलग्नक II के अधीन उपलब्ध है।

निदेशकों की स्वतंत्रता का विवरण

बोर्ड के सभी स्वतंत्र निदेशकों ने कंपनी नियम, 2013 के नियम 149(7) के अनुसार स्वतंत्रता का विवरण दाखिल किया है।

RELATED PARTY TRANSACTIONS

Pursuant to Rule 8(2) of Companies (Accounts) Rules, 2014 the particulars of contracts with related parties referred in section 188(1) in Form AOC- 2 are enclosed as annexure III to this report.

CMD and two functional directors are Key Managerial Personnel (KMP) under section 2(75) as well as related party as defined under 2(76). They are employed under contractual employment under terms decided by Government of India. CMD and Director (Commercial) are also Chairman and nominated director respectively in subsidiary company i.e. Ferro Scrap Nigam Limited (FSNL).

MSTC functions as selling agent to FSNL which is a normal course of business for MSTC and charges service charges at a rate which is normally charged to other companies MSTC has paid custodian service charges for warehouse management to FSNL which is a normal course of business for FSNL.

CORPORATE SOCIAL RESPONSIBILITY

Company is seriously committed to social uplift. In line with the Companies Act, 2013 and also DPE guidelines, Company has a CSR Committee which functions as per Govt. guidelines and Company CSR policy. CSR Policy of the Company has been approved by the Board and is hosted on the website of the Company.

Annual Report on Corporate Social Responsibility as required under Rule 8 Companies (Corporate Social Responsibility Policy) Rules, 2014 is placed as Annexure VI.

CORPORATE GOVERNANCE

Separate details on Corporate Governance and Management Discussion and Analysis are attached herewith as Annexure-II and form part of this Annual Report. Compliance Audit Report is placed as annexure to Corporate Governance Report.

NUMBER OF MEETINGS OF THE BOARD

Board met four times during the FY 2014-15. Details are available under Annexure II of this report.

STATEMENT OF INDEPENDENCE OF DIRECTORS

All independent directors in the Board have submitted Statement of Independence in compliance of section 149(7) of the Companies Act, 2013.

बोर्ड की कमिटियां

एमएसटीसी ने लेखा परीक्षक कमिटी, पारिश्रमिक कमिटी, शेयर अंतरण कमिटी तथा निगमित सामाजिक दायित्व कमिटी के रूप में बोर्ड की चार कमिटियां गठित की है।

पारिश्रमिक कमिटी

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 178 के साथ पठित कंपनी (बोर्ड की बैठक एवं उसके अधिकार) नियम, 2014 के अनुसार कंपनी के पास एक नामांकन एवं पारिश्रमिक कमिटी की अपेक्षा है। भारत सरकार की एक कंपनी होने के नाते निदेशक का नामांकन/नियुक्ति भारत सरकार द्वारा की गई है। हालांकि, पारिश्रमिक कमिटी का भी गठन कंपनी के लागू डीपीई के निगमित अभिशासन (सीजी) के अनुसार किया गया है।

निगमित सामाजिक दायित्व (सीएसआर) कमिटी

कंपनी (सीएसआर पॉलिसी) नियम 2014 के नियम 5 के साथ पठित धारा 135(1) के अनुसार बोर्ड की सीएसआर कमिटी का गठन किया गया है।

उपरोक्त उल्लिखित कमिटियों का विस्तृत विवरण इस प्रतिवेदन के अनुलग्नक II में वर्णित है।

स्टेकहोल्डर की संबंध कमिटी

शेयरधारकों की संख्या एक हजार से कम होने की वजह से अधिनियम की धारा 178(5) के अधीन स्टेकहोल्डर की संबंध कमिटी का गठन कंपनी के लिए लागू नहीं है। हालांकि, शेयर अंतरण कमिटी का गठन किया गया है।

सहायक कंपनी - फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड

फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड कंपनी की 100% सहायिकी कंपनी है। दो वर्षों का परिचालन परिणाम नीचे दिया जा रहा है :-

(रु. लाख में)

	2014-15	2013-14
कुल राजस्व	27578	23788
कर से पूर्व लाभ/(हानि)	2536	1243
करोपरांत लाभ/(हानि)	1710	842

कंपनी (लेखा) नियम के नियम 5 के साथ पठित कंपनी अधिनियम की धारा 129 के अनुसार प्रपत्र एओसी-1 में अनुलग्नक IV के रूप में सहायिकी कंपनी से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की गई है।

समेकित वित्तीय विवरण धारक कंपनी, एमएसटीसी लिमिटेड के वित्तीय विवरण के साथ संलग्न है।

COMMITTEES OF THE BOARD

MSTC has constituted four committees of the Board viz, Audit Committee, Remuneration Committee, Share Transfer Committee and Corporate Social Responsibility Committee.

REMUNERATION COMMITTEE

Pursuant to section 178 of the Company's Act, 2013, read with Rule 6 of the Company's (Meeting of Board and its powers) Rules, 2014, Company is supposed to have a Nomination and Remuneration Committee. Being a Govt. of India Company, the nomination/appointment of director is made by Govt. of India. However, Remuneration Committee is in place which is also in compliance of Corporate Governance(CG) guidelines by DPE which apply to the Company.

CORPORATE SOCIAL RESPONSIBILITY (CSR) COMMITTEE

In compliance of section 135(1) read with Rule 5 of the Company's (CSR Policy) Rules 2014, Company has constituted CSR Committee of the Board.

Details of the above Committees are mentioned under Annexure II of this report.

STAKEHOLDERS' RELATIONSHIP COMMITTEE

Constitution of Stakeholder's Relationship Committee as provided under section 178(5) of the Act do not apply to the Company as number of shareholders is below one thousand. However, share transfer committee is in place.

SUBSIDIARY COMPANY – FERRO SCRAP NIGAM LIMITED

Ferro Scrap Nigam Limited is the 100% subsidiary of the Company. The Operational result of two years is given below:

(₹ in Lakh)

	2014-15	**2013-14**
Total Revenue	27,578	23,788
Profit/(Loss) Before Tax	2,536	1,243
Profit/(Loss) After Tax	1,710	842

The detailed information relating to the subsidiary company is placed as annexure IV in form AOC-1 in compliance of section 129 of the Companies Act, read with Rule 5 of Companies (Account) Rules.

Consolidated Financial Statement has been attached to with the Financial Statement of the holding company, MSTC Ltd.

प्रगति मैदान, नई दिल्ली में एमएसटीसी के स्टॉल का परिदर्शन करते हुए मंत्रालय के अधिकारियों के साथ श्री एस. के. त्रिपाठी, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, एमएसटीसी

Shri S. K. Tripathi, CMD, MSTC with Ministry officials who visited MSTC stall at Pragati Maidan, New Delhi

आभार ज्ञापन

निदेशक मंडल, वर्ष के दौरान कंपनी को दिए गए उनके मूल्यवान सहयोग एवं मार्ग दर्शन के लिए माननीय केन्द्रीय इस्पात मंत्री, सचिव (इस्पात), अपर सचिव एवं एफए (इस्पात) एवं इस्पात मंत्रालय के अन्य अधिकारियों, रक्षा मंत्रालय, कोयला मंत्रालय एवं विभिन्न केन्द्रीय सरकारी मंत्रालयों, सभी राज्य सरकारों, विभिन्न केंद्र एवं राज्य सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, निजी कंपनियों, बैंकरों, हमारे प्रिंसिपल एवं अन्य लोगों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करता है। निदेशकगण अपने ग्राहकों और आपूर्तिकर्ताओं द्वारा साल-दर-साल कंपनी के प्रति दिखाए गए भरोसे एवं विश्वास के लिए उनका आभारी हैं।

आपके निदेशकगण कर्मचारियों की लगनशीलता और परिश्रम की भी हार्दिक सराहना करते हैं, जिसकी बदौलत पिछले कीर्तिमानों को पीछे छोड़ते हुए और आगे बढ़ना संभव हुआ है।

निदेशक मंडल के लिए तथा उनकी ओर से

(एस के त्रिपाठी)
अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक

ACKNOWLEDGEMENT

The Board of Directors wish to place on record their gratitude to the Hon'ble Union Minister of Steel, Secretary (Steel), Additional Secretary and FA (Steel), and other officials of the Ministry of Steel, Defence Ministry, Coal Ministry and various other Central Government Ministries, all State Governments, various Central and State public sector undertakings, private companies, the bankers, our principals and others for their valuable assistance and guidance extended to the Company during the year. The Directors express their gratitude to all stake holders, customers and suppliers for the trust and confidence reposed by them on your Company year after year.

Your Directors also place on record the appreciation of the sincere efforts made by employees which has resulted in excellent performance of the Company.

For & on behalf of Board of Directors

(S. K. Tripathi)
Chairman-cum- Managing Director

अनुलग्नक : I

निदेशक मंडल की रिपोर्ट का अनुलग्नक

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134 के साथ पठित कंपनी (लेखा) नियम, 2014 के नियम 8(3) के अनुसार ऊर्जा संरक्षण, तकनीकी समाविष्ट, विदेशी विनिमय आय एवं खर्चों का विवरण।

ऊर्जा संरक्षण तथा तकनीकी समाविष्ट

कंपनी ने अपने सर्वर को नवीनतम आईपीवी6 में उन्नत किया है जिसमें काफी कम मात्रा में विद्युत की खपत होती है एवं ऊर्जा का संरक्षण होता है। सूचना प्रौद्योगिकी उन्मुखी कंपनी होने के नाते, तकनीकी सुधार एमएसटीसी में एक नियमित प्रक्रिया है तथा आपकी कंपनी द्वारा इस लक्ष्य को पूरी तरह से हासिल किया गया है।

विदेशी मुद्रा आय एवं खर्च

मालों के आयात व अन्य मद में कुल विदेशी मुद्रा खर्च वर्ष 2013-14 में रु. 3,14,594 **लाख** की तुलना में वर्ष 2014-15 में रु. 1,60,348 **लाख** हुए। वर्ष 2014-15 के दौरान कंपनी ने विदेशी मुद्रा में रुपये रु. 13 लाख अर्जित की। विगत वर्ष यानी 2013-14 में विदेशी मुद्रा की आय रु. 1.00 लाख थी।

अनुलग्नक: II

निगमित अभिशासन

निगमित अभिशासन पर एसएसटीसी की नीति

कंपनी के उद्देश्यों को हासिल करने के वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रभावशाली निगमित अभिशान के अभ्यास आपकी कंपनी का बुनियादी प्रबंधन सिद्धांत है।

साझेदारों द्वारा कंपनी के प्रबंधन पर बताए गए भरोसे को बरकरार रखने के उद्देश्य से एमएसटीसी अपने प्रबंधन के हर स्तर पर पारदर्शिता और अखंडता के लिए प्रयत्नशील रहता है।

निगमित अभिशासन के अनिवार्य दिशा-निर्देशों के अनुपालन के अलावा एमएसटीसी व्यवसाय के दौरान उच्च मूल्य मानदंड, मूल्य प्रतिबद्धता, पारदर्शिता तथा वाणिज्यिक संविदाओं के बीच उचित तत्परता एवं सर्वोत्तम कार्य प्रणाली के अनुसरण की अभिलाषा रखता है, जिससे निगमित अभिशासन प्रणाली को सर्वोत्तम तरीके से लागू किया जा सके। निगमित अभिशासन के लिए केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्रों के उपक्रम के लिए कारपोरेट अभिशासन की ओर से मई, 2010 में जो दिशा-निर्देश दिए गए हैं, उनका अनुपालन वर्ष 2014-15 में किया गया तथा भविष्य में भी किया जाएगा। तिमाही रिपोर्ट समय पर प्रस्तुत किया गया है एवं स्वमूल्यांकन के अनुसार डीपीई के निगमित अभिशासन दिशा-निर्देशों के अनुपालन में वर्ष 2014-15 के लिए एमएसटीसी उत्कृष्ट श्रेणी में है।

निदेशक मंडल

गठन

वर्तमान में एमएसटीसी लि. के निदेशक मंडल में श्री एस के त्रिपाठी, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, श्री ए के बसु, निदेशक (वित्त) एवं श्री बी बी सिंह, निदेशक (वाणिज्यिक) शामिल हैं, जो कि पूर्णकालिन निदेशक हैं। श्री लोकेश चंद्रा, आईएएस संयुक्त सचिव, इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार दिनांक 24.10.2014 से सरकारी नामित निदेशक पद पर नहीं है। लोकेश चंद्र के स्थान पर श्रीमती उर्विला खाती, संयुक्त सचिव दिनांक 24.10.2014 से नियुक्त की गई। इसके अतिरिक्त भारत सरकार, इस्पात मंत्रालय के एक आदेश के अनुसार श्रीमती उर्विला खाती के स्थान पर दिनांक 22.12.2014 से श्री सुनील बर्थवाल सरकारी नामित निदेशक के रूप में नियुक्त किए गए हैं। श्री सूरज भान, आर्थिक

Annexure: I

ANNEXURE TO DIRECTORS REPORT

Particulars of conservation of energy, technology absorption, foreign exchange earnings and outgo as per section 134 of the Companies Act, 2013, as read with Rule 8(3) of the Companies (Accounts) Rules, 2014.

CONSERVATION OF ENERGY AND TECHNOLOGY ABSORPTION

Company has upgraded its Server to the latest IPV6 which consumes much less electrical power and conserves energy. Being IT oriented company, technological upgradation is a continuous process in MSTC and has been fully achieved by your Company.

FOREIGN EXCHANGE EARNINGS & OUTGO

The total foreign exchange outgo during the year 2014-15 for import of goods and others was ₹ 1,60,348 **Lakh** as against ₹ 3,14,594 **Lakh** in the year 2013-14. The company has earned ₹ 13 Lakh in foreign exchange during the year 2014-15. In the previous year i.e. 2013-14, the foreign exchange earning was ₹ **1.00 Lakh**.

Annexure: II

CORPORATE GOVERNANCE

MSTC's Policy on Corporate Governance

Effective corporate governance practices to provide for an environment in achieving the objectives of the company have been the basic management philosophy of your company.

All out efforts are made for transparency and integrity at all levels of management in order to retain confidence reposed in its management by the stakeholders.

MSTC aspires to follow high ethical standards, commitment to values while doing business, maintain transparency, conduct due diligence in commercial contracts and follows best governing practices. The guidelines on Corporate Governance for Central Public Sector Enterprises as issued on May 2010, have been complied with in the year 2014-15 and shall be complied with in future also. The quarterly reports have been submitted on time and as per self-evaluation format, MSTC is in "excellent" category in compliance of Corporate Governance guidelines of DPE for the year 2014-15.

BOARD OF DIRECTORS

Composition

Board of Directors of MSTC Ltd. presently consists of Shri S.K. Tripathi, Chairman-cum-Managing Director, Shri A.K. Basu, Director (Finance) and Shri B.B. Singh, Director (Commercial), who are whole time Directors. Shri Lokesh Chandra, IAS Joint Secretary, Ministry of Steel, Government of India ceased to be Govt. nominee director w.e.f 24.10.2014. Smt. Urvilla Khati, Joint Secretary has been appointed in place of Shri Lokesh Chandra w.e.f. 24.10.2014. Further vide an order from Govt. of India, Ministry of Steel Shri Sunil Barthwal has been appointed as Govt. nominee director w.e.f.

श्री एस. के. त्रिपाठी, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, एमएसटीसी की अध्यक्षता में जारी वार्षिक व्यवसाय समीक्षा बैठक

Annual Business Review meeting under progress being presided over by Shri S. K. Tripathi, CMD, MSTC

सलाहकार, इस्पात मंत्रालय सरकार द्वारा नामित द्वितीय निदेशक हैं। श्री एन.सी. झा, भूतपूर्व सीएमडी (कार्यकारी), कोल इंडिया लिमिटेड तथा श्री ए. के. गोयल, रेलवे बोर्ड के भूतपूर्व सदस्य बोर्ड के दो स्वतंत्र निदेशक हैं।

नव नियुक्त निदशकों का संक्षिप्त परिचय

श्री लोकेश चंद्रा

श्री लोकेश चंद्र, आईएएस, इस्पात मंत्रालय में संयुक्त सचिव थे।

श्रीमती उर्विला खाती

श्रीमती उर्विला खाती, इस्पात मंत्रालय में संयुक्त सचिव हैं।

श्री सुनील बरथवाल

श्री सुनील बर्थवाल, आईएएस, इस्पात मंत्रालय में संयुक्त सचिव हैं।

निदेशकों को पारिश्रमिक

स्वतंत्र निदेशक किसी पारिश्रमिक के अधिकारी नहीं हैं। वे केवल बैठक के लिए प्राप्त शुल्क के अधिकारी हैं। बैठक शुल्क सरकारी निदेशक को नहीं दिया जाता है। अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक एवं दो अन्य कार्यकारी निदेशक सरकार द्वारा जारी पूर्णकालिक कर्मचारी सेवा शर्तों के अनुरूप पारिश्रमिक पाने के अधिकारी हैं। पारिश्रमिक कमिटी सरकारी दिशानिर्देशों के अनुसार पूर्णकालिक निदेशकों को देय परफॉरमेंस रिलेटेड पे सुनिश्चित करती है।

वर्ष 2014-15 के दौरान अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक एवं दो कार्यकारी निदेशक ने वेतन एवं भत्ता के रूप में रु. 94 लाख का पारिश्रमिक प्राप्त किया, जिनमें से पीएफ के लिए कंपनी का योगदान रु. 7 लाख एवं चिकित्सा व्यय की प्रतिपूर्ति के लिए रु. 2 लाख का है। कंपनी की ओर से अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, निदेशक (वित्त) एवं निदेशक (वाणिज्यिक) को कार भी दिए गए हैं। वे डीपीई के दिशा-निर्देशों एवं बोर्ड की पारिश्रमिक कमिटी के अनुमोदन के अनुरूप परफॉरमेंस

22.12.2014, in place of Smt Urvilla Khati. Shri Suraj Bhan, Economic Advisor, Ministry of Steel, is the second Government nominee director. Shri N.C. Jha former CMD (Acting), Coal India Ltd and Shri A.K. Goyal, former member, Railway Board are two independent directors in the Board.

Brief information of the newly appointed directors

Shri Lokesh Chandra

Shri Lokesh Chandra, IAS, was Joint Secretary in the Ministry of Steel.

Smt. Urvilla Khati

Smt. Urvilla Khati, is Joint Secretary, in the Ministry of Steel.

Shri Sunil Barthwal

Shri Sunil Barthwal, IAS, is Joint Secretary in the Ministry of Steel.

REMUNERATION TO THE DIRECTORS

Independent Directors are not entitled to any remuneration other than sitting fees for attending Board and Board Committee Meeting. Sitting fees are not given to Government Directors. CMD, and other two functional directors, being in whole time employment, are entitled to remuneration as per the terms of the appointment issued by Govt. The Remuneration Committee determines the Performance Related Pay payable to whole time directors in line with Govt. guideline.

Remuneration received by CMD and two functional directors as salary and allowances is ₹ 94 Lakh, Company's contribution to PF is ₹ 7 Lakh and reimbursement of medical expenses is

रिलेटेड पे (पीआरपी) के भी अधिकारी हैं।

निदेशकों की उपस्थिति का रिकॉर्ड

वित्तीय वर्ष 2014-15 में हुई एमएसटीसी लि. के निदेशक मंडल की बैठकों में निदेशकों की उपस्थिति का रिकार्ड नीचे दर्शाया गया है। वर्ष के दौरान हुई बोर्ड की सभी बैठकों में सीएमडी उपस्थित थे।

बोर्ड बैठक सं.	बोर्ड बैठक की तिथि	श्री एन.सी. झा	श्री ए.के. गोयल	श्री सूरज भान	श्री डी.पी. सिंह
261	10.04.2014	अनु.	उप.	उप.	उप.
262	30.07.2014	उप.	उप.	उप.	x
263	17.10.2014	उप.	उप.	उप.	x
264	08.12.2014	उप.	उप.	उप.	x

बोर्ड बैठक सं.	बोर्ड बैठक की तिथि	श्री एस.के. त्रिपाठी	श्री ए.के. बसु	श्री बी.बी सिंह	श्री लोकेश चंद्र	श्रीमती उर्विला खाती
261	10.04.2014	उप.	उप.	उप.	उप.	x
262	30.07.2014	उप.	उप.	उप.	उप.	x
263	17.10.2014	उप.	उप.	उप.	x	x
264	08.12.2014	उप.	उप.	उप.	x	उप.

उप. - उपस्थित, अनु - अनुपस्थित एवं x - कार्यालय में नहीं

अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, निदेशक (वित्त) एवं निदेशक (वाणिज्य) ने 12 सितम्बर, 2014 को आयोजित विगत एजीएम में उपस्थित थे।

हमारे निदेशक अन्य कंपनियों में निदेशक के पद पर

श्री एस के त्रिपाठी, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, एमएसटीसी, फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड, एमएसटीसी की पूर्णस्वामित्व वाली सहायक कंपनी के भी अध्यक्ष हैं। श्री बी बी सिंह, निदेशक (वाणिज्यिक), एमएसटीसी, फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड (एफएसएनएल), एमएसटीसी की सहायक कंपनी, में एमएसटीसी के नामित निदेशक हैं। श्री सूरज भान, सरकार के नामित निदेशक, एमएसटीसी, श्री ए. के. बसु, निदेशक (वित्त), एमएसटीसी एवं श्री ए. के. गोयल, स्वतंत्र निदेशक, एमएसटीसी अन्य किसी भी कंपनी के निदेशक नहीं है। श्री सुनील बरथवाल, संयुक्त सचिव, एमओएस सरकार के नामित निदेशक, जो स्टील ऑथरिटी ऑफ इंडिया (सेल) तथा हिन्दुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड (एचएससीएल) के सरकार के एक नामित निदेशक हैं।

निदेशक मंडल की समितियाँ

एमएसटीसी ने निदेशक मंडल की चार समितियाँ बनायी है। यह कमिटियां हैं लेखा परीक्षण समिति, पारिश्रमिक समिति, शेयर अंतरण समिति एवं सीएसआर समिति।

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 178 के साथ पठित कंपनी (बोर्ड की बैठक एवं उसकी शक्ति) नियम 2014 के नियम 6 के अनुसार कंपनी के पास एक नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति होनी चाहिए। भारत सरकार की एक कंपनी होने के नाते, निदेशक के नामांकन/नियुक्ति भारत सरकार द्वारा की जाती है। हालांकि, वर्तमान पारिश्रमिक समिति जो कंपनी के लिए प्रयोज्य डीपीई के सीजी दिशानिर्देशों का भी अनुपालन करती है।

कंपनी (सीएसआर नीति) नियम, 2014 के नियम 5 के साथ पठित धारा

₹ 2 Lakh for the year 2014-15. CMD, D(F) and D(C) are also provided car by the Company. They are also entitled to Performance Related Pay (PRP) as per DPE Guidelines and as recommended by Remuneration Committee of the Board.

DIRECTORS' ATTENDANCE RECORD

Record of Attendance of the Directors during the Board Meetings of MSTC Ltd held in the F.Y. 2014-15 is placed below. CMD was present in all the Board Meetings during the year.

Board Meeting No.	Board Meeting Date	Shri N.C.Jha	Shri A.K. Goyal	Shri Suraj Bhan	Shri D.P. Singh
261	10.04.2014	a	p	p	p
262	30.07.2014	p	p	p	x
263	17.10.2014	p	p	p	x
264	08.12.2014	p	p	p	x

Board Meeting No.	Board Meeting Date	Shri S.K. Tripathi	Shri A.K. Basu	Shri B.B. Singh	Shri Lokesh Chandra	Smt. Urvilla Khati
261	10.04.2014	p	p	p	p	x
262	30.07.2014	p	p	p	p	x
263	17.10.2014	p	p	p	x	x
264	08.12.2014	p	p	p	x	p

p – present, a – absent and x – not in office

CMD, Director (Finance) and Director (Commercial) attended the last AGM held on 12th September 2014.

Directorship Held By The Directors

Shri S.K. Tripathi, CMD, MSTC is also Chairman of Ferro Scrap Nigam Ltd., subsidiary of MSTC. Shri B.B. Singh, Director (Commercial), MSTC, is also MSTC nominee director in Ferro Scrap Nigam Ltd. Shri Suraj Bhan, Government Nominee Director, MSTC, Shri A. K. Basu, Director(Finance), MSTC and Shri A. K. Goyal, Independent Director of MSTC are not holding directorship in any other company. Shri Sunil Barthwal, Joint Secretary, MOS, is a Govt. nominee director who is also a Govt. nominee director in Steel Authority of India Limited (SAIL) and Hindustan Steelworks Construction Limited (HSCL).

Committees of the Board

MSTC has constituted four committees of the Board viz, Audit Committee, Remuneration Committee, Share Transfer Committee and CSR Committee.

Pursuant to section 178 of the Companies Act, 2013, read with Rule 6 of the Companies (Meeting of Board and its Powers) Rules, 2014, Company is supposed to have a Nomination and Remuneration Committee. Being a Govt. of India Company, the nomination/appointment of director is made by Govt. of India. However, Remuneration Committee is in place which is also in compliance of CG guidelines by DPE which applies to the Company.

135(1) के अनुपालन के अनुसार कंपनी बोर्ड की सीएसआर समिति गठित की है। उपरोक्त उल्लेखित समिति का विस्तृत विवरण इस प्रतिवेदन के अनुलग्नक II में दिया गया है।

शेयरधारकों की संख्या एक हजार से कम होने के कारण कंपनी अधिनियम की धारा 135(5) के अधीन प्रावधानों के अनुसार स्टेकहोल्डर की संबंध समिति का गठन कंपनी के लिए प्रयोज्य नहीं है। हालांकि, शेयर अंतरण समिति का गठन किया गया है।

i) लेखा परीक्षण समिति

श्री एन. सी. झा, स्वतंत्र निदेशक, लेखा परीक्षण समिति के अध्यक्ष हैं। श्री ए के गोयल, स्वतंत्र निदेशक एवं श्री सूरज भान, सरकार के नामित निदेशक इस समिति के सदस्य हैं।

लेखा परीक्षण समिति डीपीई द्वारा जारी लेखा समिति से संबंधित निगमित अभिशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करती है।

वित्त वर्ष 2014-15 में एमएसटीसी लिमिटेड की लेखा परीक्षण समिति की बैठकों में निदेशकों की उपस्थिति

बैठक की सं.	बैठक की तारीख	श्री एन.सी. झा	श्री सूरज भान	श्री ए.के. गोयल
33	02.07.2014	उप.	उप.	उप.
34	18.10.2014	उप.	उप.	उप.
35	28.01.2015	उप.	उप.	उप.

ii) पारिश्रमिक समिति

श्री एन.सी. झा, स्वतंत्र निदेशक इस समिति के अध्यक्ष हैं। श्री ए. के. गोयल, स्वतंत्र निदेशक एवं श्री सूरज भान सरकार द्वारा नामित निदेशक इसके सदस्य हैं। यह समिति मई 2010 में जारी निगमित अभिशासन पर डीपीई के दिशा-निर्देशों के अनुसार कार्य करती है एवं निदेशकों के साथ-साथ पूर्णकालीन कर्मचारियों के लिए पीआरपी की सिफारिश करती है। यह कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 178 के साथ पठित कंपनी

In compliance of section 135(1) read with Rule 5 of the Companies (CSR Policy) Rules 2014, Company has constituted CSR Committee of the Board. Details of the above Committee are mentioned under Annexure II of this report.

Constitution of Stakeholder's Relationship Committee as provided under section 135(5) of the Act do not apply to the Company as number of shareholders is below one thousand. However, share transfer committee is in place.

i) Audit Committee

Audit Committee comprises of Shri N.C. Jha, independent director, as chairman with Shri A. K Goyal, independent director and Shri Suraj Bhan, Government nominee director as members.

The Audit Committee complies with the guidelines issued by DPE on Corporate Governance relating to Audit Committee.

ATTENDANCE OF THE DIRECTORS IN THE AUDIT COMMITTEE MEETINGS OF MSTC LTD HELD IN THE F.Y. 2014-15

Meeting No.	Meeting Date	Shri N.C. Jha	Shri Suraj Bhan	Shri A.K. Goyal
33	02.07.2014	p	p	p
34	18.10.2014	p	p	p
35	28.01.2015	p	p	p

ii) Remuneration Committee

The committee has been constituted with Shri N.C.Jha, independent director as chairman, Shri A.K.Goyal, independent director, as member and Shri Suraj Bhan, Government nominee director, as member. The committee functioning as per DPE guidelines on Corporate Governance issued in May 2010 and recommends PRP to whole time employees including directors. This complies with section 178

कंपनी की जारी वार्षिक साधारण बैठक का एक दृश्य
Annual General Meeting of the company in progress

श्री ए. के. बसु, निदेशक (वित्त) यूनियन के साथ वेतन निर्धारण अनुबंध के निष्पादन के अवसर पर परिलक्षित। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिकारीकगण एवं कर्मचारी भी उपस्थित थे

Shri A. K. Basu, Director (Finance), at the conclusion of wage negotiation agreement with the union. Senior officers and members of the staff are also seen

(बोर्ड की बैठक एवं उसकी शक्ति) नियम, 2014 के नियम 6 का अनुपालन करती है।

भारत सरकार की एक कंपनी होने के नाते नामांकन/नियुक्ति भारत सरकार द्वारा की जाती है। कर्मचारियों का पारिश्रमिक डीपीई, भारत सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार तय की जाती है। चूंकि वित्त वर्ष 2013-14 में कंपनी को हानि हुई थी इसलिए परफॉर्मेंस रिलेटेड पे (पीआरपी) की कोई गुंजाइश नहीं थी एवं पारश्रमिक कमिटी की कोई बैठक नहीं हुई।

iii) शेयर हस्तांतरण समिति

शेयर धारकों को अच्छी सेवाएं प्रदान करने हेतु मंडल ने एक शेयर हस्तांतरण समिति गठित की है। इसमें श्री ए के बसु, निदेशक (वित्त) और श्री बी बी सिंह, निदेशक (वाणिज्यिक) शामिल हैं। यह समिति डुप्लीकेट एवं विभाजित शेयर प्रमाण पत्र जारी करने का निर्णय भी लेती है।

iv) सीएसआर समिति

बोर्ड द्वारा सीएसआर समिति का गठन किया गया है जिसमें स्वतंत्र निदेशक श्री ए. के. गोयल इसके अध्यक्ष तथा निदेशक (वित्त) एवं निदेशक (वाणिज्य) इसके सदस्य हैं। यह समिति कंपनी के सीएसआर कार्यकलापों की निगरानी करती है।

आचार संहिता

डीपीई द्वारा निगमित अभिशासन के लिए दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुकूल एमएसटीसी ने निदेशक मंडल एवं एमएसटीसी के नामित वरिष्ठ प्रबंधन के लिए एक आचार संहिता बनायी है। यह आचार संहिता कंपनी के वेबसाइट **www.mstcindia.co.in** पर उपलब्ध है। बोर्ड के सभी सदस्य और नामित वरिष्ठ प्रबंधक कार्मिकों ने इस आचार संहिता के अनुपालन की सहमति दी है। इससे संबंधित मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) द्वारा हस्ताक्षरित घोषणा इस रिपोर्ट के अंत में संलग्न किया गया है।

जोखिम प्रबंधन नीति

निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित कंपनी की एक **जोखिम प्रबंधन नीति** है, जिसकी समीक्षा बोर्ड द्वारा समय-समय पर की जाती है।

of the Companies Act, 2013 read with Rule 6 of the Companies (Meeting of Board and its Powers) Rules, 2014.

Being a Government of India Company nomination/ appointment is made by Government of India. Remuneration of the employees is as per DPE, Government of India guidelines. Since company incurred loss in FY- 2013-14 and there was no scope for Performance Related Pay (PRP) no meeting of the Remuneration Committee was held.

iii) Share Transfer Committee

In order to render better services to the shareholders Board has constituted a share transfer committee comprising of Shri A.K. Basu Director (Finance) and Shri B.B. Singh Director (Commercial). This committee also decides on issue of duplicate and split share certificates.

iv) CSR Committee

CSR Committee is constituted by Board with an independent director, Shri A.K. Goyal as Chairman and Director(Finance) and Director(Commercial) as members. Committee monitors the CSR activities of the Company.

Code of Conduct

A Code of Conduct for all Board members and designated senior Management of MSTC Ltd. has been laid down in accordance with the Guidelines on Corporate Governance by DPE. The Code of Conduct is available on the website of the company **www.mstcindia.co.in** All Board members and designated senior Management personnel have affirmed compliance with the Code of Conduct. A declaration signed by the Chief Executive Officer (CEO) to this effect is enclosed at the end of this report.

Risk Management Policy

Company has a **Risk Management Policy** approved by the Board of Directors which is reviewed from time to time by the Board.

धोखाधड़ी रोकथाम नीति

निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित कंपनी की एक **धोखाधड़ी रोकथाम नीति** है, जिसकी समीक्षा बोर्ड द्वारा समय-समय पर की जाती है। संबंधित नीतियां कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

चौकसी तंत्र

ह्वीसल ब्लोयर नीति

निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित कंपनी की एक **ह्वीसल ब्लोयर नीति** है, जिसकी समीक्षा बोर्ड द्वारा समय-समय पर की जाती है। संबंधित नीतियां कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

निदेशक मंडल को दी गई सूचना

- वार्षिक प्रचालन योजना तथा बजट और कोई अद्यतन सूचना।
- पूंजीगत बजट और कोई अद्यतन सूचना।
- कंपनी तथा इसके प्रचानल प्रभागों अथवा कारोबार सेगमेन्टों का वित्तीय परिणाम।
- बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति तथा अन्य समितियों की बैठकों के कार्यवृत्त।
- मुख्य वित्तीय अधिकारी तथा कंपनी सचिव की नियुक्ति अथवा हटाने सहित बोर्ड स्तर से एक श्रेणी नीचे के स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों की भर्ती और पारिश्रमिक से संबंधित जानकारी।
- कारण बताओं, डिमांड प्रॉसिक्यूशन नोटिस तथा पेनाल्टी नोटिस जो कि विषय की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण हैं।
- घातक अथवा गंभीर दुर्घटनाएँ, खतरनाक घटनाएँ, कोई भौतिक बहिस्राव अथवा प्रदूषण समस्या।
- कंपनी के लिए अथवा कंपनी द्वारा वित्तीय बाध्यताओं में कोई महत्त्वपूर्ण चूक अथवा कंपनी द्वारा बेचे गए सामान के लिए काफी मात्रा में भुगतान प्राप्त नहीं होना।

Fraud Prevention Policy

Company has a **Fraud Prevention Policy** approved by the Board of Directors which is reviewed from time to time by the Board. The policy is available at the company website.

Vigil Mechanism

Whistle Blower Policy

Company has a **Whistle Blower Policy** approved by the Board of Directors which is reviewed from time to time by the Board. The policy is available at the company website.

Information Placed Before The Board Of Directors

- Annual operating plans and budgets and any updates.
- Capital budgets and any updates.
- Financial results for the company and its operating divisions or business segments.
- Minutes of meetings of audit committee and other committees of the board.
- The information on recruitment and remuneration of senior officers just below the board level, including appointment or removal of Chief Financial Officer and the Company Secretary.
- Show cause; demand prosecution notices and penalty notices which are materially important.
- Fatal or serious accidents, dangerous occurrences, any material effluent or pollution problems.
- Any material default in financial obligations to and by the company, or substantial non-payment for goods sold by the company.

श्री प्रबीर कुमार, पीडीसीए-1, अपने एमएसटीसी, मुख्यालय के दौरा के दौरान श्री ए. के. बसु, निदेशक (वित्त), श्री बी. बी. सिंह, निदेशक (वाणिज्य) तथा वरिष्ठ अधिकारियों से परिचर्चा करते हुए

Shri Prabir Kumar, PDCA-1, interacting with Shri A. K. Basu, Director (Finance), Shri B. B. Singh, Director (Commercial) and senior officers during his visit to MSTC Head Office

- किसी निर्णय अथवा आदेश जो कंपनी के आचरण के संबंध में निंदा प्रस्ताव पारित कर सकता है अथवा दूसरे उपक्रम के बारे में प्रतिकूल विचार ले सकता है जिसका कंपनी पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है सहित संभावित जो अथवा काफी संख्या में उत्पाद देयता दावों से संबंधित कोई मुद्रा।
- किसी संयुक्त उद्यम अथवा सहयोग करार का ब्यौरा।
- ऐसे लेन-देन जिनमें सदभाव, ब्राण्ड साम्या अथवा बौद्धिक सम्पत्ति के लिए काफी भुगतान किया जाना है।
- महत्त्वपूर्ण श्रम समस्याएं और उसका प्रस्तावित समाधान। वेतन समझौता हस्ताक्षरित करने, स्वैच्छिक सेवा निवृत्त योजना का कार्यान्वयन आदि जैसे मानव संसाधन/औद्योगिक संबंधों में कोई महत्त्वपूर्ण विकास।
- निवेश, सहायक कंपनियों, परिसम्पत्तियों जो कारोबार के समान्य रूप में नहीं हैं, के भौतिक स्वरूप की बिक्री।
- विदेशी मुद्रा एक्सपोजर का तिमाही ब्यौरा और विदेशी मुद्रा दर के प्रतिकूल उतार चढ़ाव, यदि भौतिक हो, के जोखिम को सीमित करने के लिए प्रबंधन द्वारा उठाए गए कदम।
- किसी विनियामक, सांविधिक का अनुपालन नहीं करना और शेयरधारक सेवा जैसे लाभांश का भुगतान प्राप्त नहीं होना, शेयर हस्तांतरण में विलम्ब आदि।

प्रबंधन विमर्श एवं विश्लेषण

1. कंपनी का व्यवसाय

एमएसटीसी लि. के दो प्रमुख व्यवसाय क्षेत्र हैं - पहला ई-कॉमर्स और दूसरा ट्रेडिंग। ई-कॉमर्स में एक सेवा प्रदाता के रूप में यह एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है तथा इस क्षेत्र में यह सबसे अग्रणी है। मक्केलों को पारदर्शी, उचित एवं निरंतर सेवाएं प्रदान करने जैसी वजह से इसे मुख्य रूप से केंद्र/पीएसयू/राज्य सरकार के विभाग तथा यहां तक कि निजी प्रतिष्ठानों में भी सेवा प्रदान करने का गौरव प्राप्त है।

- Any issue, which involves possible public or product liability claims of substantial nature, including any judgment or order which, may have passed strictures on the conduct of the company or taken an adverse view regarding other enterprises that can have negative implications on the company.
- Details of any joint venture or collaboration agreement.
- Transactions that involve substantial payment towards goodwill, brand equity, or intellectual property.
- Significant labour problems and their proposed solutions. Any significant development in Human Resources/ Industrial Relations Front like signing of wage agreement, implementation of Voluntary Retirement Scheme etc.
- Sale of material nature, of investments, subsidiaries, assets, which is not in normal course of business.
- Quarterly details of foreign exchange exposures and the steps taken by management to limit the risks of adverse exchange rate movement, if material.
- Non-compliance of any regulatory, statutory requirements and shareholders service such as non-payment of dividend, delay in share transfer etc.

MANAGEMENT DISCUSSION AND ANALYSIS

1. Company's Business

MSTC has two core business segments namely e-commerce & trading. It plays a very important role as a service provider in e-commerce and is a market leader in this sector. It has the distinction of serving majority of Central/PSUs/State Govt. Department and a few Private Institutions for providing transparent, fair & seamless e-Commerce services to its clients.

ट्रेड फेयर में एनआरओ कर्मचारियों के साथ एमएसटीसी के वाणिज्यिक पुस्तिका का लोकापर्ण करते हुए श्री एस. के. त्रिपाठी, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, एमएसटीसी
Shri S. K. Tripathi, CMD, MSTC with NRO employees at unveiling of e-commerce brochure of MSTC at Trade Fair

एमएसटीसी एमप्लाइज रिक्रिएशन क्लब के वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए श्री ए. के. बसु, निदेशक (वित्त), श्री बी. बी. सिंह, निदेशक (वाणिज्य), श्री एस. अम्बस्था, मुख्य सतर्कता अधिकारी
Shri A. K. Basu, Director (Finance), Shri B. B. Singh, Director (Commercial), Shri S. Ambastha, CVO, inaugurating annual cultural function of MSTC Employees Recreation Club

ई-कॉमर्स व्यवसाय

ई-कॉमर्स व्यवसाय में अग्रेषण ई-ऑक्शन एवं ई-रिवर्स ऑक्शन शामिल हैं। अग्रेषण ई-ऑक्शन में रद्दी, परित्यक्त मदों, पुराने संयंत्र एवं मशीनरी, अधिशेष भंडारों, लैंड पार्सल, एनपीए इत्यादि के लिए सेलिंग एजेंसी का व्यवसाय हैं तथा खनिज जैसे कोयला, लिगनाइट, बारईट, क्रोम ओर, आयरन ओर तथा सामग्रियां जैसे कच्चा पेट कोक, मानव केश के लिए ई-बिक्री है।

ई-प्रोक्योरमेंट में, एमएसटीसी गुणवत्ता सम्पन्न जरूरतों के लिए अनिवार्य एसटीक्यूसी प्रमाणपत्र द्वारा ई-टेंडर एवं ई-रिवर्स ऑक्शन सेवाएं प्रदान करती है। यद्यपि, एमएसटीसी ने वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान अच्छी शुरुआत की थी, परंतु आने वाले वर्षों में और भी महत्त्वपूर्ण वृद्धि के लिए पूरी तरह से तैयार।

वित्तीय वर्ष 2014-15 के दौरान कंपनी के कुल व्यवसाय का करीब 77 प्रतिशत (वर्ष 2013-14 में 72 प्रतिशत) ई-कॉमर्स से है तथा इस क्षेत्र में व्यापार वृद्धि की असीम संभावना है। कुल परिचालनगत आय में इसकी हिस्सेदारी 79 प्रतिशत (वर्ष 2013-14 में 56 प्रतिशत) की है।

ट्रेडिंग व्यवसायः

वित्तीय वर्ष 2014-15 के दौरान व्यवसाय की कुल मात्रा का 23 प्रतिशत (वर्ष 2013-14 में 28 प्रतिशत) ट्रेडिंग व्यवसाय का है। एसएसटीसी फेसिलिटेटर का काम करता है और मुख्य रूप से क्रेता की ओर से सेकेंडरी इस्पात उत्पादक एवं पेट्रोकेमिकल उद्योग के लिए कच्चे माल की प्राप्ति का वित्त पोषण करता है। इस कार्य के लिए एमएसटीसी प्रतिशत के आधार पर मार्क अप प्राप्त करता है। यह व्यवसाय कंपनी के कुल परिचालन से आय में 21 प्रतिशत (वर्ष 2013-14 में 44 प्रतिशत) का योगदान किया।

2. ई-कॉमर्स व्यवसाय

व्यवसाय के इस क्षेत्र में एमएसटीसी सेलिंग एजेंसी व्यवसाय, ई-सेल्स एवं ई-प्रोक्योरमेंट के लिए सेवा प्रदाता के रूप में काम करता है।

सेलिंग एजेंसी व्यवसाय

इस पोर्टफोलियो में एसएसटीसी रद्दी एवं अप्रयुक्त मदों के निपटान के लिए बिक्रय एजेंट के रूप में काम करता है तथा नीलामी की कैटलॉग को तैयार करने से लेकर डिलीवरी ऑर्डर को जारी करने के लिए निरंतर सेवाएं देती है। इस क्षेत्र में कुछ उभरते हुए अवसर हैं जैसे एनपीए, लैंड पार्सलों, पोर्ट लैंड की लीजिंग, कृषि वन उत्पाद, एफएम चैनलों तथा स्पेक्ट्रम आदि की ई-नीलामी।

E-Commerce Business

e-Commerce business consists of forward e-Auction and e-Reverse auction. Forward e-Auction is considered as Selling Agency Business for scraps, condemned items, old plant & machinery, surplus stores, land parcels, NPAs etc and e-sales for minerals like coal, lignite, barytes, chrome ore, iron ore and also commodities like raw pet coke, human hair to name a few.

In e-procurement, MSTC provides e-Tender and e-Reverse auction services backed by mandatory STQC certificate for quality requirements. Although, MSTC made a modest beginning in FY 2013-14 but it is poised for a significant big growth in the upcoming years.

e-Commerce business constitutes about **77% (72% in 2013-14)** of the total volume of business of the company during FY 2014-15 and has the potential to grow exponentially. It contributed **79% (56% in 2013-14)** of the total operational income.

TRADING BUSINESS

In trading business, which constituted **23%** (28% in 2013-14)of the total volume of business during FY 2014-15, MSTC acts as a facilitator for procurement of raw material for secondary steel producers and petrochemical industry on behalf of buyers and charge mark-up on percentage basis.

This business contributed **21% (44% in 2013-14)** of the total operational income of the company.

2. E-Commerce Business

In this segment of business, MSTC acts as service provider for selling agency business, e-sales and e-procurement.

Selling Agency Business

In this portfolio, MSTC acts as selling agent for disposal of scrap and obsolete items and offers seamless services from preparation of the auction catalogue to the issuance of delivery order. Some of the emerging opportunities in this segment are e-auction of NPAs, land parcels, leasing of Port Land, agri forest produce, FM channels and spectrum etc.

ई-सेल्स

व्यवसाय के इस पोर्टफोलियो के अंतर्गत, मुख्य उत्पाद यानी कोयला, लिग्नाइट, आयरन ओर, क्रोम ओर, मैंग्नीज ओर, बारईट, रॉक फॉस्फेट, चाय, कच्चा पेट कोक्ड इत्यादि तथा मानव केश की भी बिक्री स्वविकसित एक विशेषताप्राप्त एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर की मदद से ई-नीलामी द्वारा की जाती है।

वित्तीय वर्ष 2014-15 के दौरान, एमएसटीसी ने पहली बार लाल सैंडर की लकड़ी (एक वन उत्पाद) को ई-बिक्री में शामिल किया है, जो वन उत्पादों यानी लकड़ी, जब्त लाल सैंडर, साल के बीज, लकड़ी के कुंदे, मसाले इत्यादि की अत्यंत जरूरी ई-नीलामी का मार्ग प्रशस्त करेगी। पारदर्शी एवं निष्पक्षता के साथ एमएसटीसी ने इस्पात, सीमेंट तथा ऊर्जा क्षेत्र तथा राज्य स्वामित्व वाले प्रतिष्ठानों को कोयला खदान ब्लॉकों की सफलतापूर्वक नीलामी कर इतिहास रचा है। देश में पहली बार केरल राज्य में वन की लकड़ियों तथा चंदन की लकड़ियों की बिक्री के लिए ई-नीलामी की भी शुरुआत की है।

एनटीपीसी लिमिटेड की दो इकाइयों की ओर से बुक बिल्डिंग विधि के जरिए एमएसटीसी ने देश में पहली बार ताप विद्युत संयंत्र से निकलने वाले फ्लाई ऐश की ई-नीलामी का संचालन किया। ₹ 3,50,000 लाख की विद्युत प्रणाली विकास निधि के इस्तेमाल कर देश में अप्रयुक्त मानक गैस आधारित विद्युत संयंत्रों के पुनरुत्थान के लिए ई-रिवर्स नीलामी के संचालन हेतु ऊर्जा मंत्रालय ने एमएसटीसी लिमिटेड को नियुक्त किया है।

ई-प्रोक्योरमेंट

एमएसटीसी ने ई-प्रोक्योरमेंट से संबंधित सभी गतिविधियों को शामिल करते हुए एक अद्योपांत पैकेज समाधान तैयार किया है। इसमें ई-निविदा एवं ई-रिवर्स नीलामी दोनों के लिए मांग पत्र तैयार करने से लेकर क्रय आदेश जारी करना तक शामिल है। एमएसटीसी ई-प्रोक्योरमेंट में व्यापक व्यावसायिक संभावनों का लाभ उठाने के लिए पूरी तरह से तैयार है तथा केंद्र सरकार/पीएसयू में संभावित ग्राहकों को अपने क्षेत्र बनाने का प्रयास कर रही है।

E-Sales

Under this portfolio of business, the prime products such as coal, lignite, iron ore, chrome ore, manganese ore, barytes, rock phosphate, tea, raw pet coked etc and also human hair are sold by way of e-auction through a specialized application software developed in-house.

During FY 2014-15, MSTC added e-sales of Red sanders wood (a forest produce) for the first time which may pave way for much needed e-auction of forest products such as timber, confiscated Red Sander, Sal Seeds, logs, spices, etc. MSTC created history by successfully auctioning coal mining blocks to Steel, Cement and Power sector and state owned entities in a transparent and fair manner. Also introduced e-auction for sale of Forest timber and sandal wood in the state of Kerala for the first time in the country.

MSTC conducted e-auction of Fly-ash emanating from Thermal Power Plant for the first time in the country through Book Building method on behalf of two units of NTPC Ltd. Ministry of Power engaged MSTC Ltd. to conduct e-reverse auction for revival of underutilized Standard Gas Based Power plants in the country utilizing Power system Development Fund of ₹ 3,50,000 Lakh.

E-Procurement

MSTC offers end-to-end solution for e-procurement starting from raising of indents to issuance of Letter of Indent/Purchase Order for both e-tender and e-reverse auction. MSTC is fully geared up to tap the immense business potential in e-procurement and trying to rope in potential customers in Central Govt. /PSUs.

प्रगति मैदान में एमएसटीसी स्टॉल के दौरे पर आए श्री निकुंज श्रीवास्तव, राज्यमंत्री के व्यक्तिगत सचिव के साथ एक मुद्दे पर परिचर्चा करते हुए श्री एस. के. त्रिपाठी, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, एमएसटीसी। इस अवसर पर श्री मयुख बहादुरी, सीएमडी, एचएससीएल भी मौजूद थे

Shri S. K. Tripathi, CMD, MSTC explaining a point to Shri Nikunj Srivastava, PS to MoS, who visited MSTC stall at Pragati Maidan in presence of Shri Mayukh Bhaduri, CMD, HSCL

यहां यह उल्लेख करना प्रासंगिक है कि सीवीसी के दिशा-निर्देशों तथा आईटी अधिनियम 2000 तथा उसके संशोधन के अनुसार एसटीक्यूसी की अनिवार्य आवश्यकताओं को एमएसटीसी पूरी तरह से सम्पूर्ण करती है तथा सिस्टम जीएफआर के नियमों के बिल्कुल अनुकूल है।

पैकेज को एमएसटीसी द्वारा स्वयं विकसित किया गया है तथा इसमें सरल प्रचालन का प्रावधान साथ ही साथ इसे मक्केल द्वारा जैसे एवं जब आवश्यकता के अनुसार अनुकूल बनाया जा सकेगा।

एमएसटीसी आयतित खनिजों जैसे थर्मल कोयला, कोकिंग कोल, रॉक फॉस्फेट की ई-रिवर्स नीलामी आरम्भ करने के अग्रिम चरण में है, जो ई-प्रोक्योरमेंट व्यवसाय में नए अवसर प्रदान करेगा।

ई-कॉमर्स के क्षेत्र में एमएसटीसी के सभी मक्केल को अनवरत सेवाएं प्रदान करने के लिए सक्रिय रूप हैं :-

i) एमएसटीसी एकल सेवा प्रदाता है तथा किसी भी ई-कॉमर्स क्रियाकलापों के लिए बाहरी एजेंसी की सेवा प्राप्त नहीं करती है।

ii) संबंधित क्षेत्र में डोमेन ज्ञान रखने वाले उच्च उत्प्रेरित प्रोग्रामरों एवं अभियंताओं की एक दल द्वारा आंतरिक रूप से इस्तेमाल किए जाने वाले सॉफ्टवेयर पोर्टलों को विकसित एवं आवश्यकता के अनुसार अनुकूल बनाया गया है।

ई-कॉमर्स की बुनियादी ढांचा

एमएसटीसी का ई-कॉमर्स प्रभाग आईबीएम निर्मित नवीनतम पी सीरिज (आई/पीवी-6) सर्वर से सुसज्जित है। यह सर्वर प्रतिबिम्ब सहित एक साथ 10,000 कॉनकरेंट हीट ले सकता है। यह मुंबई में डिजास्टर रिकवरी सर्वर के रूप में काम करता है। इस प्रभाग को आईएसओ 9001:2008 से प्रमाणित किया गया है और प्रणाली आईएसओ 27001:2005 से प्रमाणित है।

It is relevant to mention here that the mandatory requirements of STQC Certificate as per CVC guidelines and IT Act 2000 & its amendment are fully met by MSTC and the system is in conformity with GFR norms.

The package has been developed in-house and will provide ease of operation as well as customization as and when needed by the clients.

MSTC is in the advanced stage of commencing e-reverse auction of imported minerals such as thermal coal, coking coal, rock phosphate which will open window of opportunity in e-procurement business.

The enabling factors for providing seamless services to all MSTC's clients in e-Commerce segment are :-

i) MSTC is standalone service provider and does not outsource any of the e-commerce activities to outside agency.

ii) The development of application software portals, customization is done in-house by team of highly motivated programmers and engineers having domain knowledge in respective areas.

E-Commerce Infrastructure :

MSTC e-commerce division is equipped with latest P series (IPV6) server of IBM make capable of taking 10,000 concurrent hits with a mirror image server acting as a disaster recovery server located at Mumbai. The division is accredited with ISO 9001:2008 and the system has the ISO 27001:2005 certification.

एक क्षेत्र में सर्वोच्च व्यवसाय करने के लिए श्री एस. के. त्रिपाठी, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, एमएसटीसी से ट्रॉफी ग्रहण करते हुए श्री डी. पी. बहुगुणा, महाप्रबंधक (एनआरओ) साथ में अन्य अधिकारीगण

Shri D. P. Bahuguna, GM (NRO) alongwith other officers of NRO, receiving trophy from Shri S. K. Tripathi, CMD, MSTC for highest volume of business in a region

भोपाल की एक प्रदर्शनी में एमएसटीसी स्टॉल
MSTC Stall at an exhibition in BHOPAL

एमएसटीसी स्टॉल में विशिष्ट अतिथिगण
Distinguished guests at the MSTC stall

ग्राहकों को अत्याधिक पारदर्शी एवं निष्पक्ष पद्धति से सेवा सुनिश्चित करने के लिए एमएसटीसी ई-कॉमर्स सिस्टम ने सीवीसी के नवीनतम दिशा-निर्देशों एवं आईटी अधिनियम 2000 और उसमें हुए संशोधन का पालन किया है।

एमएसटीसी ने अपने क्षेत्रीय/शाखा कार्यालयों के साथ तत्काल संचार के लिए वीपीएन नेटवर्क कार्यान्वित किया है।

सीवीसी के दिशा-निर्देशों के अनुसार एसटीक्यूसी द्वारा निर्धारित अवधि पर सिस्टम प्रभाग की परीक्षा की जाती है। एसटीक्यूसी भारत के सूचना तकनीकी एवं संचार मंत्रालय के तहत एक स्वतंत्र थर्ड पार्टी एजेंसी है। ऊपर उल्लिखित सभी पहलुओं ने सिस्टम को अनमोल, अद्यतन और सर्वोत्कृष्ट बनाया है।

एमएसटीसी ने अपने प्रिंसिपल एवं ग्राहकों को ई-कॉमर्स सेवा उपलब्ध कराने हेतु ई-कॉमर्स मॉड्युल (एमएसटीसी ई-कॉमर्स एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर) बनाया है। इस एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर को आंतरिक व्यवस्थाओं के माध्यम से बनाया गया है। विभिन्न प्रिन्सिपलों की जरुरतों के अनुसार समय समय पर इसका कॉस्टोमाइजेशन किया जाता है। एमएसटीसी ने इसके लिए पेटेंट प्राप्त किया एवं भारत सरकार के कॉपी राइट के उप-रजिस्टर द्वारा पंजीकृत है।

एमएसटीसी सीवीसी परिपत्र सं. 1-1-2012 दिनांक 12.01.2012 के आदेश के अनुसार ई-प्रोक्योरमेंट की गुणवत्ता जरूरतों के लिए एसटीक्यूसी प्रमाणपत्र हासिल करने वाली पहली कंपनी है।

एमएसटीसी को अपने ई-कॉमर्स सॉफ्टवेयर के विकास के लिए सीएमएमआई इंस्टीट्यूट, कारनेज मेलन, यूएसए से सीएमएमआई लेवल 3 पर मूल्यांकन प्राप्त हुआ है। सीएमएमआई लेवल 3 का वर्णन निम्नानुसार है :-

परिपक्वता लेवल 3 पर मूल्यांकन का अर्थ है संगठन एक परिभाषित स्तर पर कार्य निष्पादन कर रही है। इस लेवल पर, प्रक्रिया विशेषता प्राप्त एवं ज्ञात हैं तथा मानकों, विधियों, उपकरणों एवं तरीकों में वर्णित है। संस्थान की मानक प्रक्रिया, जो परिपक्वता लेवल 3 का आधार है, संस्थापित एवं समय-समय पर उन्नत किया गया है।

कुल ई-कॉमर्स व्यवसाय का प्रभागवार ब्यौरा नीचे दिया गया है:

एजेंसी व्यवसाय

स्क्रैप का निपटान

वर्ष 2014-15 के दौरान, कुल व्यवसाय की मात्रा **₹ 3,26,703** लाख है, जबकि पिछले वर्ष यह आंकड़ा ₹ 3,24,695 लाख था।

MSTC e-commerce system complies with latest CVC guidelines and Information Technology Act 2000 & its subsequent amendments to ensure services to customers in a most transparent and fair manner.

MSTC has implemented VPN network for quick communication across its Regional/Branch offices.

As per the CVC guidelines, the system is periodically audited by STQC, and independent third party agency under Ministry of Communication and Information Technology, Government of India. All the aforesaid features make the system an unique, state-of-the-art and par excellence.

MSTC developed e-Commerce Modules (MSTC e-commerce application Software) for providing e-commerce services to its principals and customers. This Application Software designed in house is being customized from time to time to suit the requirement of various principals. A patent to the effect has been earned by MSTC and registered by the Deputy Registrar of Copyrights, Government of India.

MSTC is the first company to have obtained STQC certification for quality requirement of e-procurement as per the mandate of CVC circular no: 1-1-2012 dated 12-01-2012.

MSTC has been appraised at CMMI Level 3 from CMMI Institute, Carnagie Mellon, USA for its e-commerce Software Development expertise. CMMI Level 3 states as follows :-

“An appraisal at maturity level 3 indicates the organization is performing at a “defined” level. At this level, processes are well characterized and understood and are described in standards, procedures, tools and methods. The organization’s set of standard process which is the basis for maturity level 3, is established and improved over time.”

Total e-commerce business is given as under :

Agency Business :

Scrap Disposal

During the year 2014-15, the total volume of business achieved is **₹ 3,26,703** Lakh against previous year’s achievement of ₹ 3,24,695 Lakh.

ई-सेल्स

वर्ष 2014-15 के दौरान, कुल ई-सेल्स व्यवसाय **₹ 16,68,610 लाख** है। पिछले वर्ष **₹ 15,18,623 लाख** था। यह विगत वर्ष की तुलना में **9.88 प्रतिशत** अधिक है। कोयला, लिग्नाइट, कच्चा पेट कोक, बारईट, अन्य खनिज, मानव केश, चाय इत्यादि की बिक्री की मात्रा नीचे दी गई है :

(₹ लाख में)

उत्पाद	2014-15	2013-14
कोल	**6,13,644**	5,71,612
लिग्नाइट	**23,855**	47,616
आयरन ओर	**6,53,318**	7,08,424
मैंगनीज ओर	**13,011**	12,272
मानव केश	**17,711**	24,050
चाय	**6,059**	13,204
क्रोम ओर	**58,108**	84,024
रा पेट कोक	**55,284**	56,539
रॉक फॉस्फेट	**10,780**	-
बाराइट ओर	-	882
लाल सैंडर्स	**87,931**	-
कोयला ब्लॉक	**86,200**	-
कृषि, वन उत्पाद एवं अन्य	**5,613**	-
नैप्था	**15,420**	-
लैंड पार्सल/सम्पत्ति	**20,476**	-
फ्लाई ऐश	**1,200**	-
कुल	**16,68,610**	**15,18,623**

ई-प्रोक्योरमेंट

ई-प्रोक्योरमेंट में कंपनी काफी ऊंची छलांग लगाई है, वित्त वर्ष 2014-15 में कंपनी का व्यवसाय **₹ 3,02,422 लाख** था। जबकि, पिछले वर्ष के दौरान व्यवसाय **₹ 96,207 लाख** था। सीवीसी दिशा-निर्देशों के अनुसार ई-प्रोक्योरमेंट के लिए अनिवार्य एसटीक्यूसी प्रमाणपत्र हासिल करने के उपरांत, एमएसटीसी ने खरीददारी के लिए इलेक्ट्रॉनिक तरीके के अपनाने की सरकारी कंपनियों की बढ़ती प्रचलन के अवसर का भरपूर लाभ उठाने के लिए पूरी तरह से कूद पड़ी।

अर्जित सेवा शुल्क **₹ 206 लाख** था। जबकि, पिछले वर्ष के दौरान यह राशि **₹ 59 लाख** था। कम मात्रा में सेवाएं शामिल होने की वजह से अन्य ई-कॉमर्स व्यवसाय की तुलना में औसतन सेवा आय साधारणतः कम है। मक्केलों से ज्यादा मात्रा में व्यवसाय सुनिश्चित होने से ऊपर उल्लेखित आंकड़े कई गुना बढ़ेगी।

संक्षेप में, एमओयू में निर्धारित लक्ष्य (उत्कृष्ट) ई-कॉमर्स व्यवसाय के कुल मात्रा के लिए ₹ 16,800 करोड़ की तुलना में एमएसटीसी ने **₹ 22,97,734 लाख** का आंकड़ा प्राप्त किया, जो एमओयू लक्ष्य से **36.77 प्रतिशत** अधिक है एवं पिछले वर्ष के संबंधित आंकड़ों की तुलना में **18.47 प्रतिशत** अधिक है।

यहां यह उल्लेख करना प्रासंगिक है कि ई-कॉमर्स सेवा शुल्क की आय में वर्ष 2013-14 में **₹ 12,004 लाख** से वित्तीय वर्ष 2014-15 के दौरान **₹ 13,291 लाख** की वृद्धि व्यवसाय के आयतन में वृद्धि के समानुपातिक नहीं

e-Sales

The total e-sales business during 2014-15 was **₹ 16,68,610 Lakh** as against the corresponding figure of **₹ 15,18,623 Lakh**; an increase of **9.88%** over previous year. The volume of sales of coal, lignite, raw pet coke, barytes, other minerals, human hair, tea, etc., are given as under :

(₹ in Lakh)

Item	2014-15	2013-14
Coal	**6,13,644**	5,71,612
Lignite	**23,855**	47,616
Iron Ore	**6,53,318**	7,08,424
Manganese Ore	**13,011**	12,272
Human Hair	**17,711**	24,050
Tea	**6,059**	13,204
Chrome Ore	**58,108**	84,024
Raw Pet Coke	**55,284**	56,539
Rock Phosphate	**10,780**	-
Baryte Ore	**-**	882
Red Sanders	**87,931**	**-**
Coal Block	**86,200**	**-**
Agri, Forest Produce & Others	**5,613**	**-**
Naphtha	**15,420**	**-**
Land Parcel/Property	**20,476**	**-**
Flyash	**1,200**	**-**
Total	**16,68,610**	**15,18,623**

e-Procurement

Taking a big leap forward in e-procurement, the volume of business in FY 2014-15 was **₹ 3,02,422 Lakh** as against corresponding figure of **₹ 96,207 Lakh** during last year. After obtaining the mandatory STQC certificate for e-procurement as per CVC guidelines, MSTC went full steam for capitalizing the opportunity of growing tendency of Govt. companies in switching over to electronic mode for the purchases.

The service charge earned was **₹ 206 Lakh** as against corresponding figure of **₹ 59 Lakh** in the previous year. The percentage service income is usually less compared to other e-commerce business due to less content of services involved. This figure is stated to raise manifold as we secure more volume of business from clients.

In nutshell, against the MOU target (excellent) of ₹ 16,800 Crore for total volume of e-Commerce business, MSTC achieved a figure of **₹ 22,97,734 Lakh**, which is an increase of **36.77%** over MOU target and an increase of **18.47%** as compared to the corresponding figure of last year.

It is pertinent to mention here the increase in e-Commerce service charge income from **₹ 12,004 Lakh** in 2013-14 to **₹ 13,291 Lakh** during FY 2014-15 is not commensurate with the increase in volume of business. This is attributable to stiff

है। इसका कारण बाजार में चल रही कठोर प्रतिस्पर्धा एवं मुवक्किलों द्वारा सेवा शुल्क की दर में कटौती करने की निरंतर मांग है।

यद्यपि, भविष्य में व्यापक संभावनाएं तथा तुलनात्मक तौर पर कम जोखिम भरा व्यवसाय होने की वजह से दीर्घ काल में ई-कॉमर्स व्यवसाय ही एमएसटीसी का मुख्य आधार बना रहेगा।

ट्रेडिंग व्यवसाय

ट्रेडिंग टॉप लाईन एवं बॉटम लाइन दोनों के लिए उल्लेखनीय योगदान करती है। सेकेंड्री इस्पात उत्पादों एवं पेट्रोकेमिकल उद्योग की ओर से एसएसटीसी कच्चे मालों की खरीददारी के लिए वित्त पोषण करती है। एमएसटीसी के व्यवसाय का मुख्य आधार है ट्रेडिंग। एमएसटीसी एक फेसिलेटेटर के रूप में काम करता है अथवा क्रय-विक्रय मोड में तथा सेकेंडरी इस्पात उत्पादक तथा उससे संबंधित उद्योगों की ओर से कच्चे माल के क्रय का वित्त पोषक के रूप में कार्य करता है। इस क्षेत्र से वर्ष के दौरान अर्जित सेवा शुल्क ₹ 3,488 लाख था।

आयात के लिए एमएसटीसी अपनी उचित उद्यम के पश्चात चयनित क्रेताओं की ओर से विदेशी आपूर्तिकर्ता पर एवं क्रेता के स्पेशिफिकेशन के अनुसार कच्चे माल की आपूर्ति के लिए रिस्क मैनेजमेंट पॉलिसी (आरएमपी) के नियमानुसार तथा कीमत और सुपुर्दगी शर्त पर क्रेता की सहमति से एल/सी खोलती है। सामग्री को 'हाई-सी' सेल के आधार पर क्रेता को बेचा जाता है, जिसे एमएसटीसी के पास बंधक रखा जाता है और सामग्री का मालिकाना क्रेता के पास होता है। आयतित सामग्री या देशीय स्रोत से प्राप्त सामग्री को एमएसटीसी की कस्टडी में क्रेता की जगह पर रखा जाता है। इसके लिए एक कस्टोडियन की नियुक्ति के माध्यम से क्रेता की जमीन पर रखा जाता है और एमएसटीसी, कस्टोडियन और क्रेता के बीच एक तीन तरफा करार होता है।

competition in the market and clients' insistence for reduction in the service charge rate.

However, e-commerce business remains to be mainstay of MSTC in the long run due to its immense potential in future and comparatively less risk involved in the business.

Trading Business

Trading contributes significantly to both top line and bottom line. MSTC provides finance for the procurement of raw materials on behalf of the secondary steel producers and petrochemical industry. Trading has been the mainstay of MSTC's business. MSTC acts in a facilitator mode or purchase-sale mode and finances the procurement of raw materials on behalf of primarily the secondary steel producers and its allied industries. Service charge earned from this segment was ₹ 3,488 Lakh during the year.

For imports, MSTC opens L/C on overseas supplier on behalf of buyers who are selected after their due diligence and as per Risk Management Policy (RMP) norms for supply of raw materials as per the buyers' specification and consent for price and delivery terms. The material is sold to buyers on 'High-Sea' sale basis wherein the material is pledged to MSTC and the ownership rests with the buyers. The materials thus sourced through import or from domestic sources are kept in the custody of MSTC at the premise of buyers through a custodian appointed for this purpose after signing a tripartite agreement between MSTC, the custodian and the buyers. The buyers are allowed to lift the material against their requirement on payment under 'Cash & Carry' basis.

स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत एमएसटीसी द्वारा निर्मित शौचालय

Toilet block constructed by MSTC under Swachh Bharat Mission

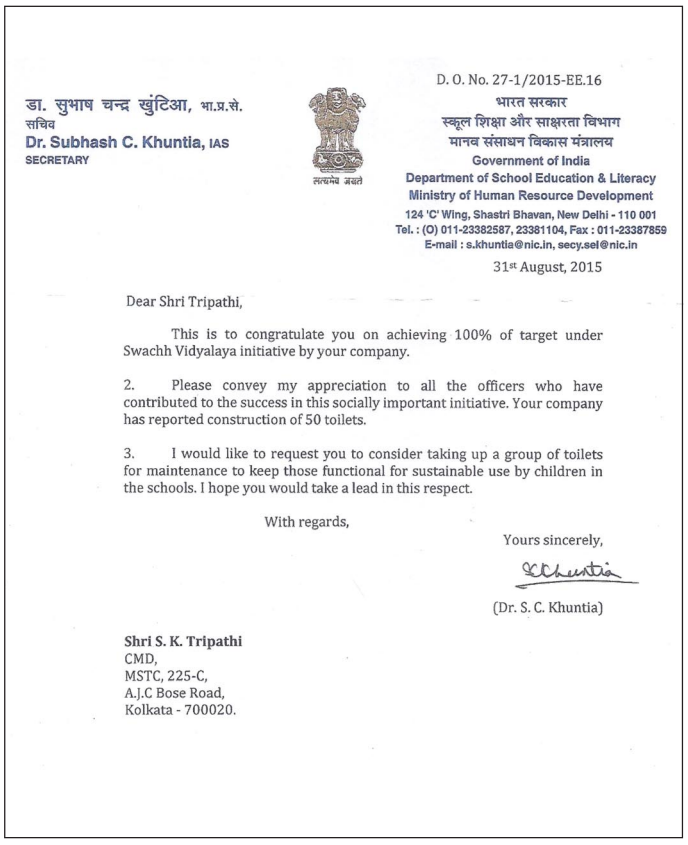

डा. सुभाष चन्द्र खुंटिआ, भा.प्र.से.
सचिव
Dr. Subhash C. Khuntia, IAS
SECRETARY

D. O. No. 27-1/2015-EE.16
भारत सरकार
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
Government of India
Department of School Education & Literacy
Ministry of Human Resource Development
124 'C' Wing, Shastri Bhavan, New Delhi - 110 001
Tel. : (O) 011-23382587, 23381104, Fax : 011-23387859
E-mail : s.khuntia@nic.in, secy.sel@nic.in

31st August, 2015

Dear Shri Tripathi,

This is to congratulate you on achieving 100% of target under Swachh Vidyalaya initiative by your company.

2. Please convey my appreciation to all the officers who have contributed to the success in this socially important initiative. Your company has reported construction of 50 toilets.

3. I would like to request you to consider taking up a group of toilets for maintenance to keep those functional for sustainable use by children in the schools. I hope you would take a lead in this respect.

With regards,

Yours sincerely,

(Dr. S. C. Khuntia)

Shri S. K. Tripathi
CMD,
MSTC, 225-C,
A.J.C Bose Road,
Kolkata - 700020.

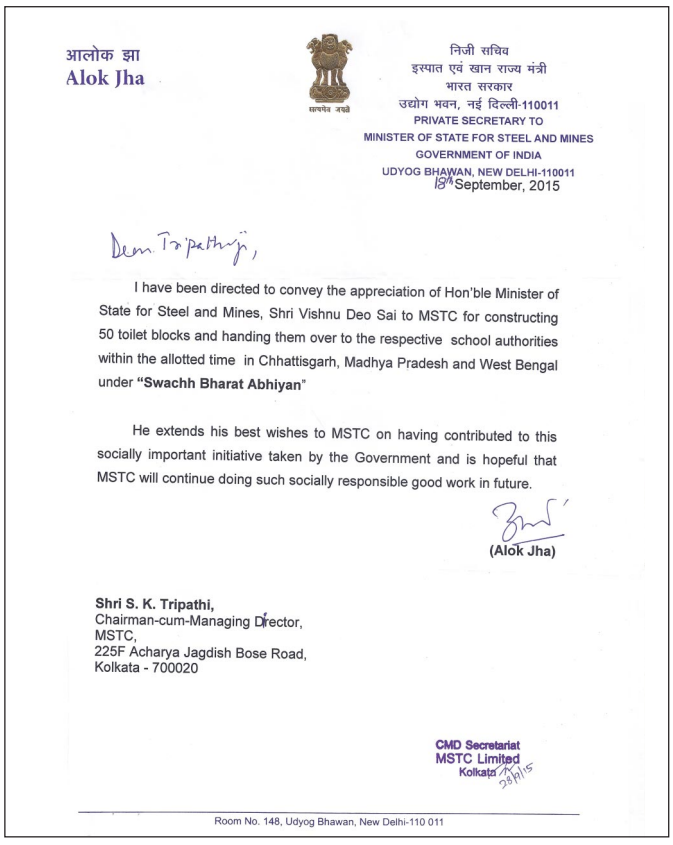

आलोक झा
Alok Jha

निजी सचिव
इस्पात एवं खान राज्य मंत्री
भारत सरकार
उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011
PRIVATE SECRETARY TO
MINISTER OF STATE FOR STEEL AND MINES
GOVERNMENT OF INDIA
UDYOG BHAWAN, NEW DELHI-110011

18th September, 2015

Dear Tripathiji,

I have been directed to convey the appreciation of Hon'ble Minister of State for Steel and Mines, Shri Vishnu Deo Sai to MSTC for constructing 50 toilet blocks and handing them over to the respective school authorities within the allotted time in Chhattisgarh, Madhya Pradesh and West Bengal under **"Swachh Bharat Abhiyan"**

He extends his best wishes to MSTC on having contributed to this socially important initiative taken by the Government and is hopeful that MSTC will continue doing such socially responsible good work in future.

(Alok Jha)

Shri S. K. Tripathi,
Chairman-cum-Managing Director,
MSTC,
225F Acharya Jagdish Bose Road,
Kolkata - 700020

CMD Secretariat
MSTC Limited
Kolkata
28/9/15

Room No. 148, Udyog Bhawan, New Delhi-110 011

स्वच्छ भारत मिशन के अधीन शौचालय निर्माण का लक्ष्य हासिल करने पर प्रशंसा पत्र
Appreciation Letters for meeting Toilet construction target under Swachh Bharat Mission

क्रेता को भुगतान करके 'कैश एंड कैरी' आधार पर अपनी आवश्यकता के अनुसार सामग्री उठाने की अनुमति होती है।

थर्मल कोल का आयात

भारत के विभिन्न ऊर्जा क्षेत्र में बढ़ती हुई आयातित थर्मल कोल की पूर्ति के आशय से एमएसटीसी ने थर्मल कोल की आपूर्ति के व्यवसाय में संबंधित क्रेताओं को डोर डिलीवरी के आधार पर कदम रखा है। एमएसटीसी अपने व्यावसायिक सहयोगियों (जिनका चयन एमएसटीसी द्वारा वार्षिक आधार पर खुले टेंडर के माध्यम से किया जाता है) के माध्यम से बैक-टू-बैक के आधार पर थर्मल कोल की आपूर्ति के लिए क्रेताओं द्वारा जारी टेंडरों में शामिल होता है। एमएसटीसी ने **₹ 4,42,399 लाख** कीमत का **8.66** मीलियन एम टी आयातित थर्मल कोल की सफलतापूर्वक आपूर्ति की, जो पिछले वर्ष के दौरान की गई आपूर्ति 2.11 मीलियन टन से बहुत अधिक है।

आयातित थर्मल कोयले की मांग और आपूर्ति के बीच की दूरी को मिटाने के लिए एक अभिनव समाधान के तौर पर एमएसटीसी ने भारत में क्रेताओं की ओर से आयातित थर्मल कोयले की रिवर्स ई-ऑक्शन मॉडल विकसित किया है। इस समाधान के अंतर्गत भारतीय ग्राहक द्वारा दिए गए कोल स्पेसिफिकेशन के अनुसार एमएसटीसी रिवर्स ई-ऑक्शन संचालन करेगा। विदेशी आपूर्तिकर्ता (खदान मालिक) जो एमएसटीसी के साथ पंजीकृत होगा वे ई-ऑक्शन में डोर डेलिवरी के आधार पर एल-1 अथवा एफओबी आधार पर होने के लिए बोली लगाएगी। एमएसटीसी सुपुर्द किए गए कोयले के प्रति टन पर मार्क अप चार्ज करेगा । हालांकि आर्डर की कमी के कारण इस प्रक्रिया अभी प्रारम्भ नहीं हुई है।

वित्त वर्ष 2014-15 में ट्रेडिंग प्रभाग का कुल व्यवसाय **₹ 6,94,521 लाख** है। जबकि एमओयू लक्ष्य (उत्कृष्ट) **₹ 7,51,000 लाख** का था। लक्ष्य की तुलना में वास्तविक व्यवसाय 91.74 प्रतिशत है।

Import of Thermal Coal

In order to meet the ever increasing demand of imported thermal coal by the various power utilities in India, MSTC has stepped up the effort to garner business for supplying thermal coal to such buyers on door delivery basis. MSTC participates in the tenders floated by the buyers for supply of thermal coal through its business associates (empanelled annually through an open tender by MSTC) on back-to-back basis. MSTC had supplied successfully **8.66** million MT of imported thermal coal valued at **₹ 4,42,399 Lakh** which is much more than 2.11 million MT supplied in the previous year.

Taking an innovative solution for import of thermal coal to meet demand supply gap MSTC has developed a reverse e-auction model for imported thermal coal on behalf of the buyers in India. In this solution MSTC will conduct e-reverse auction as per the coal specification provided by Indian buyers. The foreign suppliers (Mine owners) who will be registered with MSTC will participate in the e-auction and bid to become L-1 on Door Delivery basis or on FOB basis. MSTC will charge its mark-up on per ton of coal delivered. This however is yet to take off due to lack of orders

The total performance of Trading Division during FY 2014-15 stands at **₹ 6,94,521 Lakh** as against MOU Target (excellent) of **₹ 7,51,000 Lakh** which is 91.74% of Target.

संवृद्धि एवं भावी विकास के लिए नए क्षेत्र की तलाश

1. एमएसटीसी प्रथम ऑटो श्रेडिंग प्लांट की स्थापना करने की महत्वाकांक्षी परियोजना पर लगातार कार्य कर रही है। इसके लिए कच्चे माल हेतु परित्यक्त ऑटोमोबाइलों एवं ह्वाईट गुड्स इत्यादि की आवश्यकता है। मंत्रालय की सहायता से एमएसटीसी 12वीं पंच वर्षीय परियोजना में इस परियोजना को शीघ्रता से शुरू करने का प्रयास कर रही है।

2. अन्य विकसित एवं विकासशील देशों में लागू नियमों के अनुसार वाहनों की वैधता समय के समाप्त होने पर स्क्रैपिंग की अनिवार्यता को प्रोत्साहित करने के कानून लागू करने के लिए एमएसटीसी सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारी उद्योग मंत्रालय, सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैनुफैक्चरर्स (एसआईएएम) तथा इस तरह के अन्य निकायों से चर्चा शुरू कर चुकी है। केरल सरकार ने अपने राज्य में प्रथम ऑटो श्रेडिंग प्लांट की स्थापना के लिए एमएसटीसी से संपर्क किया है। चर्चा जारी है एवं इस संबंध में अंतिम निर्णय यथा शीघ्र लिए जाने की संभावना है।

3. एमएसटीसी विभिन्न क्षेत्रों जैसे कोयला ब्लॉक की नीलामी, लाल सैंडर वुड की नीलामी, चंदन लकड़ी की नीलामी तथा मानव केश, विभिन्न खनिजों, कृषि एवं वन उत्पाद, एनपीए इत्यादि में ई-कॉमर्स व्यवसाय को विस्तारित करने का कठोर प्रयास कर रही है। इसके अलावा एमएसटीसी अपने ई-कॉमर्स की उपस्थिति को अन्य विविध क्षेत्रों यानी ई-रिटेल व्यवसाय के साथ भारतीय डाक एवं उसके लॉजिस्टिक की सहायक सेवाओं में विस्तारित करने प्रयास कर रही है। इसके लिए प्रारम्भिक चर्चा आरम्भ हो चुकी है।

4. औद्योगिक/अभियांत्रिकी मालों के लिए विशेष कर इस्पात उत्पादों के लिए बी2बी मोड में ई-शॉपिंग मॉल के लिए एक पोर्टल जारी करने का प्रयास जारी है। इसके लिए कार्य अग्रिम चरण पर है।

5 एमएसटीसी अपने मुवक्किलों को उनकी खरीददारी हेतु सम्पूर्ण समाधान के लिए ई-प्रोक्योरमेंट सेवाओं की शुरुआत की है। इसके अलावा, थर्मल कोयले की आयात के लिए ई-रिवर्स ऑक्शन पोर्टल विकसित किया गया है, जिसके जरिए आसान, झंझट से मुक्त एवं किफायती तरीके से कोयले आयात किया जाएगा।

6. विदेशों में अपनी उपस्थिति कायम करने के लिए एमएसटीसी ने वैश्विक योजना बनाई है। ई-कॉमर्स सेवाओं के लिए एमएसटीसी बांगलादेश, श्रीलंका, भूटान, नेपाल, मारीशस, अफ्रीका एवं लैटिन अमेरिका देशों को लक्ष्य बना सकती है। इस उद्यम के तहत एमएसटीसी ने अपने ई-कॉमर्स पोर्टल के जरिए थर्मल कोयले, कोकिंग कोयले इत्यादि जैसे अपने उत्पादों की बिक्री तथा उनके उत्पादों तथा सेवाओं की अधिप्राप्ति के लिए मोजैम्बिक आधारित कंपनी के साथ चर्चा शुरू की जा चुकी है।

भावी योजनाएं

ई-कॉमर्स के क्षेत्र में त्वरित विकास करते हुए एमएसटीसी देश की अकेली ई-कॉमर्स की अग्रणी कंपनी बनी है। ई-कॉमर्स का दायरा बढ़ाते हुए उसके सामने जो भी संभावनाएं आती है, उसे एमएसटीसी लेने के लिए तैयार है। एमएसटीसी नई एवं विविधता पूर्ण व्यवसाय कर रहा है। इसमें कृषि उत्पाद मसलन चाय, सागो, गोरगां नट (मखाना) एवं वन उत्पाद मसलन तेंदु पत्ता, टिंबर, शाल सीड तथा मानव केश, फ्लाई ऐश आदि शामिल है। इसके अतिरिक्त एमएसटीसी ने जमीन, एपार्टमेंट, बैंक का एनपीए एवं डीआरटी के तहत आस्तियां आदि का व्यवसाय भी हाथ में लिया है।

Diversification for growth and future developments :

1. MSTC is consistently pursuing the ambitious project of setting up of a first Auto Shredding Plant in India for which input raw materials like condemned automobiles, white goods etc are required. MSTC with the help of the Ministry is making great efforts to expedite this project within the 12th Five year Plan.

2. MSTC is already in talks with the Ministry of Road Transport and Highways, Ministry of Heavy Industries, Society of Indian Automobile Manufacturers (SIAM) and other such bodies for enactment of a Law for incentivizing compulsory scrapping of End of Life Vehicles as existing in other developed and developing countries. Also Kerala Government has approached MSTC for setting up the First Auto Shredding Plant in Kerala. The talks are underway and a final decision in this regard may be expected in due course of time.

3. MSTC has also diversified its e-Commerce activities in various domains like Coal Block Auctions, red sander wood auctions, sandal wood auctions and human hair, various minerals, agri and forests produce, NPAs etc. In addition MSTC is further looking forward to expand its e-Commerce presence into various other arenas like e-Retail business along with India Post and its logistic services support. Initial discussion for the same has begun.

4. Plans are afoot to float a portal for e-shopping mall in B2B mode for industrial/engineering goods particularly steel products to start with. Work for the same is in advanced stage.

5. MSTC has launched e-procurement services providing end-to-end solution to the clients for their purchases. In addition, it has developed e-reverse auction portal for imported Thermal Coal which will make import of coal easy, hassle free and economical.

6. MSTC has plans to go global in its stride to make its presence in overseas countries. It may target countries like Bangladesh, Sri Lanka, Bhutan, Nepal, Mauritius, African & Latin American countries for e-commerce services. In this venture, MSTC has already initiated discussion with a Mozambique based company for selling their products like thermal coal, coking coal etc. and procurement of their products and service through our e-commerce portal.

Future Outlook :

Growing rapidly in the e-commerce space, MSTC has become a major standalone e-commerce service provider in the country. It is poised to grab every opportunity that comes in its way spreading its wings in e-commerce. MSTC is attempting new & diverse lines of business such as tea, sago, gorgon nut (makhana) in agri-products, tendu leaves, timber, sal seed in forest products, human hair, fly ash etc. Apart from this, MSTC has also undertaken the e-auction of land, apartment, banks, NPAs and also assets under DRT etc.

श्री एस. के. त्रिपाठी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एमएसटीसी से अधिकतम लाभ एवं सर्वश्रेष्ठ कार्यनिष्पादन के लिए ट्रॉफी प्राप्त करते हुए वडोडरा के भूतपूर्व शाखा प्रबंधक श्री सूर्यकांत एवं वर्तमान शाखा प्रबंधक श्री बी. मजूमदार। इस अवसर पर श्री ए. के. बसु, निदेशक (वित्त) एवं श्री बी. बी. सिंह, निदेशक (वाणिज्य) भी उपस्थित थे

Shri Suryakant, former Branch Manager and Shri B. Mazumdar, present Branch Manager, Vadodara, receiving trophy for maximum profit and best performance from Shri S. K. Tripathi, CMD, MSTC. Shri A. K. Basu, Director (Finance) and Shri B. B. Singh, Director (Commercial) are also present

ई-रद्दी रीसाइक्लिंग प्लांट की स्थापना का प्रस्ताव भी एक व्यवसायिक अवसर है जिसके लिए एमएसटीसी का प्रयास जारी है। बोर्ड ने प्रस्तावित ऑटो श्रेडिंग प्लांट के साथ ई-वेस्ट रिसाइक्लिंग प्लांट को शामिल करने की संभावना तलाशने के कार्य को अनुमोदित कर दिया है, जिसके जरिए ई-वेस्ट में व्याप्त मूल्यवान धातुओं को निकालने एवं बरामद भी किया जा सकता है।

एमएसटीसी खनन ब्लॉकों (कोयला एवं गैर-कोयला दोनों), खनिजों, कृषि एवं वन उत्पाद की ई-नीलामी तथा ई-प्रोक्योरमेंट पर ध्यान देने के साथ उपलब्ध संभावनाओं का दोहन करने के लिए तेजी से ई-कॉमर्स व्यवसाय का विस्तार कर रही है। हालांकि, वैश्विक आर्थिक दशा चिंताजनक होने की वजह से एमएसटीसी की ट्रेडिंग व्यवसाय की गति धीमी है।

इस्पात उत्पादों पर ज्यादा ध्यान देने के साथ औद्योगिक/अभियांत्रिकी सामानों की ई-रीटेल व्यवसाय के फैलते व्यवसाय में अपनी उपस्थिति दर्ज करने के लिए, छोटे शहरों तथा ग्रामीण क्षेत्र में आईपी की पहुंच तथा लॉजिस्टिक में आईपी की मजबूत पकड़ का लाभ उठा कर ई-कॉमर्स को बढ़ावा देने के लिए एमएसटीसी इंडिया पोस्ट (आईपी) के साथ हाथ मिलाने के अग्रिम चरण पर है।

एमएसटीसी का कई उल्लेखनीय कदम :

1. रु. 3,500 करोड़ के ऊर्जा प्रणाली विकास निधि का इस्तेमाल कर देश में इस्तेमाल नहीं हुए एवं लंबित गैस आधारित ऊर्जा संयंत्रों के पुनर्जीवित करने के लिए ई-रीवर्स नीलामी के संचालन के लिए ऊर्जा मंत्रालय ने एमएसटीसी को नियुक्त किया है। यह ऊर्जा उत्पादनकारियों को सेवा ऋणों के लिए तथा परिचालन व्यय को पूरा करने में सक्षम बनाएगा। इसके अलावा, उपभोक्ता भी प्रतिस्पर्धात्मक शुल्कों तथा विद्युत की नियमित रूप से उपलब्धता से लाभान्वित होंगे।

A proposal for setting up of an e-Waste recycling Plant is also a business opportunity that MSTC is looking into. The Board has recommended to explore the possibility of inclusion of e-Waste recycling plant with the proposed Auto Shredding Plant which can also extract & recover precious metals present in the e-Waste.

MSTC is increasing the e-commerce Business exponentially to exploit the available potential with a focus on e-auction of mining blocks (both coal & non-coal), minerals, agri & forest produce and e-procurement. However, it is going slow in the Trading business as the global economy continues to be grim.

To tap the emerging business in e-Retail Business in industrial/ engineering goods with an emphasis in steel products, MSTC is at an advanced stage of joining hands with India Post (IP) to promote e-commerce taking advantage of IPs strength in logistics and it's outreach in smaller cities and rural sector.

Some of the major opportunities MSTC is pursuing are:

1. Ministry of Power has engaged MSTC to conduct e-Reverse auction for revival of under-utilized and Stranded Gas Based power plants in the country utilizing Power System Development Fund of ₹ 3,500 Crore. This will enable the power producers to service debts and meet operational expenses. Besides, this will benefit consumers with competitive tariffs and greater availability of power.

2. एमएसटीसी ने सफलतापूर्वक पारदर्शी एवं निष्पक्ष रूप से 29 कोयला खदान ब्लॉकों की नीलामी की है एवं 38 (कुल 67) कोयला खदान ब्लॉकों को इस्पात, सीमेंट एवं ऊर्जा क्षेत्र तथा राज्य के स्वात्वाधिकार वाले प्रतिष्ठानों क्रमशः आबंटन किया है। इसकी सहायता से 30 वर्षों में विभिन्न राज्य सरकारों को रु. 3.35 लाख करोड़ का राजस्व अर्जित होगा। यह संग्रहण से अधिक है जो ऊर्जा क्षेत्र के लिए आरक्षित कोयला ब्लॉकों की ई-रीवर्स नीलामियों के परिणाम स्वरूप कम विद्युत शुल्क के रूप में आम जनता एवं उद्योग के लिए उपलब्ध होगा। 204 ब्लॉकों की नीलामी की जाएगी।

3. एमएसटीसी ने आंध्रप्रदेश सरकार के साथ उसके सभी विभागों के लिए फारवर्ड एवं रिवर्स ई-ऑक्शन के लिए माइलस्टोन करार हस्ताक्षर किया है। पहली बार रु. 856 करोड़ मूल्य की लाल सैंडर लकड़ी की बहु-मुद्रा में वैश्विक ई-निविदा-सह-ई-नीलामी निष्पादित की गई, जो जनवरी, 15 में समपन्न पहली नीलामी की आरक्षित राशि के दोगुना था। इस तरह के अवसर की खोज अन्य राज्यों में भी की जा रही है। राज्य में व्यवसायिक अवसर का लाभ उठाने के लिए एमएसटीसी ने तेलेंगाना राज्य के साथ भी इस तरह का अनुबंध करने जा रही है।

4. केरल राज्य में जंगल की लकड़ियों एवं चंदन की लकड़ियों की बिक्री के लिए ई-नीलामी की शुरुआत कर देश में पहली बार दिनांक 31.3.15 तक राज्य के लिए रु. 73 करोड़ का राजस्व अर्जन किया है। इसके असंगठित क्षेत्र के व्यवसाय में शामिल स्थानीय कलाकारों, हस्तशिल्पकारों तथा लोगों को काफी लाभ पहुंचा।

5. एमएसटीसी ने एनटीपीसी लिमिटेड की दो इकाइयों की ओर से देश में पहली बार ताप विद्युत संयंत्र से निकलने वाली फ्लाई-ऐश की ई-नीलामी का संचालन किया। इससे एनटीपीसी को राजस्व प्राप्ति के मामले में उल्लेखनीय लाभ हुआ। इसके अलावा, अपशिष्ट उत्पाद के रूप में परिचित फ्लाई-ऐश का वाणिज्यिक रूप से इस्तेमाल से पर्यावरण में सुधार होगा तथा स्थानीय लोगों को इसके जरिए सीमेंट की ईंटों के निर्माण का व्यवसायिक अवसर प्राप्त होगा साथ में सीमेंट उद्योग को काफी लाभ

2. MSTC has successfully auctioned 29 and allotting 38 (total 67) coal mining blocks to steel, cement & power sector and state owned entities respectively in a transparent & fair manner. This will fetch ₹ 3.35 Lakh Crore revenue to various state governments in a span of 30 years. This is over and above the accrual that will be available to the public and industry in the form of lower electricity tariff as a result of e-Reserve auctions of coal blocks reserved for power sector. There are 204 blocks to be auctioned.

3. MSTC has signed a milestone agreement with Andhra Pradesh Govt. for providing both forward and reverse e-auction for all its departments. A first time global e-tender-cum-e-auction in multi-currency of Red sander Wood valued at ₹ 856 Crore which was double the reserve price in the 1st auction concluded in Jan '15. Similar opportunities are being pursued in other states too. MSTC is signing a similar agreement with Govt. of Telangana to tap business in the state.

4. Introduction of e-auction for sale of Forest timber and Sandal Wood in the state of Kerala for the first time in the country yielding revenue to the state of ₹ 73 Crore till 31.3.15. This has immensely benefited the local artisans, craftsmen and people involved into business in unorganized sector.

5. MSTC conducted e-auction of Fly-ash emanating from Thermal Power plant for the first time in the country on behalf of two units of NTPC Ltd. This has given considerable benefit in terms of revenue to NTPC. Besides this, the commercial utilization of Fly-ash which is a waste product will improve the environment and

एमएसटीसी इमप्लाइज रिक्रिएशन क्लब द्वारा आयोजित पिकनिक का आनंद उठाते हुए अपने परिवार के सदस्य के साथ एमएसटीसी के कर्मचारीगण

Employees of MSTC along with families enjoying picnic organised by MSTC Employees' Recretation Club

मिलेगा जो सीमेंट के निर्माण के लिए 30-40 प्रतिशत फ्लाई-ऐश का इस्तेमाल कर रही है।

6. भारत सरकार की ओर से खनिजों की बिक्री ई-ऑक्शन के माध्यम से करने की ताजा पहल ने एमएसटीसी के लिए अवसर का एक-नया द्वार खोला है। उड़ीसा माइनिंग कारपोरेशन (ओएमसी) के साथ क्रोम ओर लाम्प के ई-ऑक्शन का अनुबंध हुआ है। भविष्य में आयरन ओर, मैंगनीज ओर तथा राज्य के अन्य खनिजों के लिए भी रास्ता बन सकता है।

7. एमएसटीसी के लिए प्रवर्तन निदेशालय के साथ उनके द्वारा जब्त की गई अचल सम्पत्तियों की बिक्री के लिए बिक्रय एजेंट के रूप में कार्य करने के लिए एक अनुबंध पर भी चर्चा जारी है।

8. एमएसटीसी प्रथम चरण में उत्पादकों के स्थल पर अथवा महानगर की बड़ी मंडियों में फल और सब्जियों के ई-ऑक्शन के लिए उपयुक्त साझेदार के साथ सॉफ्टवेयर परियोजना की संभावना की तलाश कर रही है। दूसरे चरण मे उसके भंडारण एवं परिवहन की लॉजिस्टिक तैयार करेगी।

9. एमएसटीसी ई-वेस्ट के पुनश्चक्रण में प्रमुख भूमिका निभाती है और अपने ग्राहकों के लिए कचड़ा से कंचन पैदा करती है। एमएसटीसी यथाशीघ्र ही ई-वेस्ट पुनश्चक्रण इकाई की स्थापना की संभावना की भी तलाश कर रही है।

10. ई-प्रोक्योरमेंट एवं ई-रिवर्स नीलामी एक और संभावनापूर्ण क्षेत्र है, इस क्षेत्र में व्यवसाय पाने के लिए एमएसटीसी त्वरित कदम उठा रही है।

11. ट्रेडिंग व्यवसाय के क्षेत्र में, चूंकि यह क्षेत्र जोखिमों से भरा हुआ है इसलिए एमएसटीसी फेसिलेटेटर मोड में व्यवसाय संवृद्धि में रुचि नहीं रखती है। इसलिए एमएसटीसी ऐसी कुछ ही चुनी हुई कंपनियों के साथ व्यवसाय करेगी, जिनकी साख तथा विगत निष्पादन अच्छी है। एमएसटीसी वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के जरिए खाद्यान्नों के अलावा आयरन ओर, उर्वरक एवं रॉक फॉस्फेट इत्यादि के लिए ट्रेडिंग व्यवसाय के वैकल्पिक तरीके की खोज का प्रयास जारी रखेगी।

12. एमएसटीसी विनिर्माण के क्षेत्र में निकट भविष्य की संभावित समांकलन पहले के तहत स्क्रैप श्रेडिंग प्लांट लगाकर प्रवेश करना चाहती है। इसके अलावा, एमएसटीसी ई-कॉमर्स एवं ट्रेडिंग में अपनी मुख्य दक्षता का लाभ उठाने के लिए एकीकृत पोत रीसाइक्लिंग यार्ड की स्थापना की संभावना की भी तलाश कर रही है।

13. सीएसआर गतिविधियों के तहत एमएसटीसी डीपीई के दिशा-निर्देशों के अनुकूल परियोजनाएं हाथ में लेती है। स्वच्छ विद्यालय अभियान के तहत पश्चिम बंगाल, मध्यप्रदेश तथा छत्तीसगढ़ में शौचालयों के निर्माण के लिए 37 स्कूलों का चयन किया गया है।

14. राजस्थान सरकार ने रॉयल्टी संग्रहण ठेका, एक्सेस रॉयल्टी कलेक्शन कंट्रैक्ट (ईआरसीसी), प्रोस्पेक्टिव लाइसेंस-सह-माइनिंग लीज (पीएल कम एमएल) तथा लघु खनिजों के लिए खदान पट्टे पर देने के लिए ई-नीलामी हेतु एमएसटीसी को नियुक्त करने पर अपनी सहमति जताई है।

15. एम पी स्टेट माइनिंग कॉर्पोरेशन ने बिल्डिंग सह-ई-कॉमर्स सेवाओं के लिए एमएसटीसी को आमंत्रित किया है। एमपीएसएमसी लि. ने रॉक फॉस्फेट एवं अन्य प्रमुख खनिजों की ई-नीलामी की इच्छा जताई है।

सचेतक अभियुक्ति :

प्रबंधन विमर्श तथा विश्लेषण कंपनी की आंकलन, प्रक्षेपित तथा आंकलन के तहत अभियुक्ति है। वास्तविक परिणाम ऐसी परिक्षेपना से भिन्न हो सकती है तथा यह आर्थिक स्थिति तथा संबंधित देशीय एवं अंतर्देशीय बाजार में उद्योग

provide business opportunity for the local people in building cement bricks out of it including cement industry who are using 30-40% of Fly-ash for cement making.

6. The recent initiative of the Government for sale of minerals through e-auction has also opened window of opportunity for MSTC and it has signed agreement with Odisha Mining Corporation (OMC) for e-auction of chrome ore lump which may usher in a similar opportunity for iron ore, manganese ore and other minerals in the State.

7. An agreement is also underway with the Enforcement Directorate for MSTC to act as a selling agent to sell their confirmed attached immovable properties through our e-auctions.

8. MSTC is exploring possibility of taking software projects in alliance with a suitable partner for e-auction for fruit & vegetable either at big Mandi in metropolitan city or at the growers site in the first phase and thereafter, logistics for its storage & transportation in second phase.

9. MSTC plays a major role in recycling of e-waste and helps create wealth from the waste for its customers. MSTC is exploring the possibility to set up e-waste recycling unit at the earliest.

10. E-procurement and E-reverse auction is another potential area in which MSTC is making a rapid stride to grab the business.

11. In trading business, MSTC is not very upbeat to increase business in a facilitator mode as this business is fraught with risks. Hence, MSTC will have business with few selected parties having good credibility and past performance. MSTC will renew its effort to pursue alternate mode of trading business for iron ore, fertilizer and rock phosphate etc. besides food grains through Ministry of Commerce & Industries.

12. MSTC seeks to diversify into manufacturing by setting up a scrap shredding plant as a forward integration drive in future. In addition, MSTC is also exploring the possibility of setting up an Integrated Ship recycling Yard leveraging our core competence in e-commerce and trading.

13. Under CSR activity, MSTC takes up projects as per the DPE guidelines. In connection with Swachh Vidyalaya Abhiyan, 37 schools located in West Bengal, Madhya Pradesh and Chhattisgarh have been selected for the construction of toilets.

14. Govt. of Rajasthan has agreed to appoint MSTC for e-Auction of Royalty Collection Contract, Excess Royalty Collection Contract (ERCC), Prospective License-cum-Mining Lease (PL cum ML) and Mining Lease for minor minerals.

15. MP State Mining Corporation invited MSTC for providing competency building cum-e-commerce services. MPSMC Ltd. intends to e-auction Rock phosphate and other major minerals.

Cautionary Statement :

Statements under "Management Discussion and Analysis" are on company's estimates, projections and estimates. Actual results may materially differ from such projections and

मांग पर निर्भर करती है। प्रक्षेपण तथा आंकलन को सरकार के विनियम, जिसमें वित्तीय रेगुलेशन तथा अन्य आकस्मिक कारक हैं, भी प्रभावित कर सकती है।

प्रचालन एवं निष्पादन से संबंधित वित्तीय मानदंडों पर विचार-विमर्श

कार्यनिष्पादन

क) एजेंसी व्यवसाय

इस साल एजेंसी व्यवसाय की कुल राशि रु. 19,95,312 लाख है। पिछले वर्ष 2013-14 में रु. 18,43,318 लाख थी। वर्ष 2014-15 के समानांतर वर्ष 2013-14 का विवरण नीचे दिया जा रहा है:

व्यापार क्षेत्र	व्यवसाय की मात्रा (रु. लाख में)	
	2014-15	2013-14
स्क्रैप और मैंगनीज की बिक्री	7,28,350	5,63,282
कोयले की बिक्री	6,13,644	5,71,612
आयरन ओर	6,53,318	7,08,424
कुल (क)	**19,95,312**	**18,43,318**

depend on economic condition and industry demand in the relevant domestic and international market. Government regulations including fiscal regulations and other incidental factors may also affect the projections and estimates.

DISCUSSION ON FINANCIAL PARAMETERS WITH RESPECT TO OPERATIONS AND PERFORMANCE

PERFORMANCE

A) AGENCY BUSINESS

This year the total volume of Agency Business stands at ₹ 19,95,312 **Lakh** against **₹ 18,43,318 Lakh** in 2013-14. Break-up for the year 2014-15 vis-à-vis 2013-14 is as follows:

Business Segment	Volume of Business (₹ in Lakh)	
	2014-15	2013-14
Sale of Scrap & Manganese	7,28,350	5,63,282
Sale of Coal	6,13,644	5,71,612
Iron ore	6,53,318	7,08,424
Total (A) :	**19,95,312**	**18,43,318**

एमएसटीसी इमप्लाइज रिक्रिएशन क्लब द्वारा आयोजित रक्त दान शिविर में रक्त दान करते हुए कर्मचारीगण
Employees donating blood in blood donation camp organised by MSTC Employees' Recreation Club

ख) ई-प्रोक्योरमेंट

व्यापार क्षेत्र	व्यापार की मात्रा (रु. लाख में)	
	2014-15	2013-14
ई-प्रोक्योरमेंट (ख)	3,02,422	96,207
कुल (क+ख)	**22,97,734**	**19,39,525**

ग) व्यापार

इस साल विपणन विभाग के व्यवसाय की कुल राशि **रु. 6,94,521 लाख** है। पिछले वर्ष 2013-14 में **रु. 7,48,815 लाख** थी। वर्ष 2013-14 के समानांतर वर्ष 2014-15 का विवरण नीचे दिया जा रहा है:-

व्यापार क्षेत्र	व्यवसाय की मात्रा (रु. लाख में)	
	2014-15	2013-14
निम्नोक्त सामग्रियों का प्रोक्योरमेंट		
आयतित सामग्रियां	1,60,334	3,14,580
स्वदेशी सामग्रियां	5,34,183	4,34,235
कुल (ग)	**6,94,521**	**7,48,815**
महायोग (क+ख+ग)	**29,92,255**	**26,88,340**

सॉट (SWOT) विश्लेषण

शक्ति और कमजोरियां

एमएसएसटी की शक्तियां स्क्रैप और अधिशेष मदों के व्यवसाय, प्राथमिक उत्पाद की ई-बिक्री एवं कच्चे उत्पादों के साधन के लिए ठोस अनुभव पर निर्भर करती है। अनुभवी कर्मचारी वर्ग, सुसज्जित अद्यतन अवसंरचना, विवेकपूर्ण निर्धारित पॉलिसी सभी मिलकर एमएसटीसी को एक दक्ष सेवा प्रदाता बनाया है।

अद्यतन अवसंरचना के साथ एमएसटीसी के योग्य कार्यपालक द्वारा ई-कॉमर्स सेवा को हैंडल किया जाता है। सिस्टम में आईटी एक्ट, 2000 एवं इसके अनुवर्ती संशोधन तथा सीवीसी के दिशा निर्देश द्वारा अनिवार्य अद्यतन विशेषताएं हैं तीसरी पार्टी एजेंसी एसटीक्यूसी, संचार तथा सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन एक विभाग, भारत सरकार द्वारा समय-समय पर लेखा परीक्षा की जाती है। एमएसटीसी एसटीक्यूसी के दिशानिर्देशों के लिए अनुपालन प्रमाणपत्र हासिल करने वाली देश की एक मात्र कंपनी है, जो ई-प्रोक्योरमेंट सेवा प्रदाता के रूप में सेवा प्रदान करने के लिए वित्त मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार आवश्यक मानदंडों में से एक मानदंड है।

एमएसएसटी की ई-कॉमर्स सेवा के लिए 20000 से ज्यादा ग्राहक हैं, जिनके लिए निरंतर सेवा उपलब्ध कराई जाती है। देश के कोने-कोने में प्रत्येक ग्राहकों को कम समय में दक्ष सुगम सेवाएं प्रदान की जाती है। एमएसटीसी का अस्तित्व भारत के प्रायः सभी शहरों में है एवं अपने ग्राहकों को दक्षता के साथ अल्प समय में परेशानी से मुक्त आरामदायक सेवा प्रदान करती है।

आयात क्षेत्र में, बहुत सारे बड़े उद्योग कच्चे माल सोर्सिंग के लिए एमएसटीसी पर निर्भर करता है। इसका कारण है कि विदेशी आपूर्तिकर्ताओं, बैंकरों, अन्य स्टेक होल्डरों एवं ग्राहकों के साथ उत्तम व्यावसायिक संबंध।

कमजोरी के बगैर कोई व्यवसायिक मॉडल नहीं हो सकता है, जो कम उत्पाद ज्ञान (चूंकि एमएसटीसी विभिन्न प्रकार के उत्पादों का लेनदेन करती है),

B) e-PROCUREMENT

Business Segment	Volume of Business (₹ in Lakh)	
	2014-15	2013-14
e-Procurement **(B)**	3,02,422	96,207
Total (A+B)	**22,97,734**	**19,39,525**

C) TRADING

The performance of marketing Division shows a total volume of business of **₹ 6,94,521 Lakh** against **₹ 7,48,815** Lakh in 2013-14. Break-up for the year 2014-15 vis-à-vis 2013-14 is as follows :

Business Segment	Volume of Business (₹ in Lakh)	
	2014-15	2013-14
Procurement of :		
Imported materials	1,60,334	3,14,580
Indigenous materials	5,34,183	4,34,235
Total: (C)	**6,94,521**	**7,48,815**
Grand Total (A+B+C)	**29,92,255**	**26,88,340**

SWOT ANALYSIS

Strengths & Weaknesses

MSTC's strength lies in substantial experience in dealing with scrap, surplus items, e-sale of prime products and sourcing of raw-materials. The experienced people, equipped with latest infrastructure, transparency, prudentially laid down policies together make MSTC an efficient service provider.

The e-commerce service is handled by well competent persons and backed by state of the art infrastructure. The system has the latest features as mandated by CVC guidelines & IT Act 2000 and its subsequent amendments and is being audited periodically by third party agency namely STQC, a Dept. Under Ministry of Communications and IT, Govt. of India .Shortly, MSTC is the only company in the country to have achieved the compliance certificate from STQC for its guidelines which is one of the essential criteria as per the Ministry of Finance notification for serving as e-procurement service provider.

MSTC has largest client base of 20000 plus for e-commerce services which depicts its customer orientation & seamless services being made available to them. MSTC's presence at almost all cities in India provides comforts in terms of efficient, less time consuming hassle free services available to its customers.

In the import segment, many big industries have relied upon MSTC for sourcing of raw-materials due to excellent business relationship with overseas suppliers, bankers, other stake holders and buyers.

There can be no business model without weaknesses which can be attributed to low product knowledge (since MSTC

सामग्रियों की कीमत में उतार-चढ़ाव तथा ग्राहक कंपनियों के कम राजस्व निर्भर व्यवसाय पर आश्रित है। ट्रेडिंग व्यवसाय के लिए अन्य के आश्रित होने की वजह से भी कमजोरी हो सकती है। ट्रेडिंग व्यवसाय के लिए अवसंरचना की कमी और एक्जिम व्यवसाय के लिए कैनालाइजिंग एजेंटों की शून्य स्थिति की कमजोरियां हो सकती है। ट्रेडिंग व्यवसाय में यह हमारे साथी जैसे एमएमटीसी, एसटीसी आदि के विपरीत है। एमएसटीसी में 307 कर्मचारी हैं, जिसके लिए सीधे आयात, निर्यात या देशीय व्यापार में शामिल होने के लिए सुसज्जित नहीं हैं।

संभावनाएं एवं संकट

विविध वस्तुओं विशेषकर खनिज, कृषि उत्पाद तथा वन उत्पादों के ई-कॉमर्स के लिए व्यापक संभावनाएं हैं। कंपनी के लिए स्क्रैप, लौह एवं इस्पात संसाधन में रण-नीतिक वायदा एकीकरण, लॉजिस्टिक में संयुक्त उद्यम, ई-रद्दी पुनर्चक्रण कार्यकलाप कुछ उद्भव्य संभावनाएं हैं। ई-प्रोक्योरमेंट एवं कृषि उत्पाद की ई-मार्केटिंग में भी एमएसटीसी के लिए पर्याप्त संभावनाएं हैं। सरकार द्वारा विभिन्न राज्यों में खनिज के अवैध खनन के प्रतिबंध की संभावना एवं ई-ऑक्शन के माध्यम से खानों के उपज की बिक्री के लिए उद्भूत सहमति एमएसटीसी के व्यवसाय के लिए अच्छा है।

आज के दिन में कोई भी व्यवसाय आशंकारहित नहीं है। एमएसटीसी के लिए चेतावनी विषय है आयात और निर्यात पर भारत सरकार की नीति, अन्य ट्रेडिंग कंपनियों की ओर ग्राहकों का पलायन अथवा सीधे आयात करना, छोटी कंपनियों द्वारा कम प्रभार शुल्क का प्रस्ताव देना। बहरहाल, एमएसटीसी इस तरह की आशंकाओं के प्रति सतर्क है और इन आशंकाओं के निवारण के लिए पद्धतियां हमेशा बनाती रहती है।

तकनीकी विकास की वजह से स्क्रैप का सेकेंडरी उद्भवन कम हो गया है, जिसकी वजह से एजेंसी व्यवसाय के क्षेत्र में व्यवसाय की मात्रा कम हुई है।

ई-कॉमर्स की छोटी कंपनियों के पास अपर्याप्त संरचना है और उनके सिस्टम में सुरक्षा की व्यवस्थाएं कम हैं। ऐसी छोटी कंपनियां कुकुरमुत्ते की तरह उग आए हैं और असंगत कम सेवा प्रभार दर पर व्यवसाय प्राप्त कर रहे हैं।

मौजूदा ग्राहक एमएसटीसी को सेवा प्रभार कम करने के लिए दबाव डाल रहे हैं, जिससे व्यवसाय बॉटम लाइन हिट हो सकता है जब तक समग्र व्यवसाय में आनुपातिक वृद्धि न हो। इसके अलावा, ग्राहकों खुद ही निविदा में भाग ले रहे हैं, जिससे असामान्य स्थिति में एमएसटीसी के लिए टेंडर पाने की संभावना कम हो जाता है।

जोखिम और सरोकार

एजेंसी व्यवसाय

सेलिंग एजेंसी व्यवसाय में पारंपरिक जोखिम है। क्योंकि प्रिंसिपल किसी भी समय अपना माल खुद बेचने का निर्णय ले सकता है। प्रिंसिपल टेंडर का सहारा ले रहे हैं और छोटी कंपनियां कम सेवा प्रभार मांग रही हैं क्योंकि उनकी संरचना में निवेश कम है और सवीसी के दिशा-निर्देश और आईटी एक्ट, 2000 के प्रति उनका कोई दायित्व नहीं है। बहरहाल, गुणवत्ता और पारदर्शिता की वजह से एमएमटीसी इस क्षेत्र में अपने अधिकांश व्यवसाय को कायम रखे हुए हैं।

सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम होने के नाते एमएसटीसी के लिए यह अनिवार्य है कि वह सीवीसी के दिशा-निर्देशों का आईटी एक्ट, 2000 के निर्देशों का तथा एसटीक्यूसी के लेखा परीक्षण की आवश्यकताओं से संबंधित दिशा-निर्देशों का

deals with various types of products), volatility in price of materials and less revenue dependent business of the customer companies. Weaknesses may also be attributed to dependence of others for trading business. Also MSTC has nil status of canalizing agent for Exim business unlike our peer companies such as MMTC, STC, etc. have in trading business. MSTC has a small work force of 307 employees spread across the country and therefore is not equipped to indulge in direct export/ import or domestic trade.

Opportunities & Threats

Opportunity seems to be quite substantial for e-commerce business of various commodities particularly in minerals, agricultural and forest products. Strategic forward integration in processing of scrap, iron & steel, joint venture in logistics, e-waste recycling are some of the emerging opportunities for the company. There also exist ample opportunities for MSTC in e-Procurement and e-Marketing of agri-products. The likely ban in illegal mining of various minerals in the states by the Government and the consensus emerging for sale of mines' produce through e-auction augers well for MSTC business.

Any business, now a days is not without threat. For MSTC, threat is Government policy on import and export, customers shifting to other trading companies or choosing to make direct imports, small players coming in and offering lesser service charges. However, MSTC is aware of such threats and always makes strategies to come out of these threats.

Technological development has reduced secondary arising of scrap leading to lower trading volume in agency business segment.

Small players in e-commerce space having scanty infrastructure and less security features in their system are mushrooming and eating away business on their strength of unreasonably lower service charges rates.

Existing customers are forcing MSTC to reduce service charge which may hit bottom-line unless there is commensurate increase in overall volume of business. Besides this, customers are also resorting to tenders in which case MSTC's chance to win the tender gets diminished mainly due to skewed and non levels playing field conditions.

RISKS AND CONCERNS

Agency Business

Selling agency business has inherent risk since principal can any time decide to do the selling job themselves. Of late, principals are resorting to tendering and small players are quoting very less rate of service charge owing to their less investment in infrastructure and nil obligations towards CVC guidelines and IT Act, 2000. However, because of quality and transparency, MSTC has retained most of the business in this segment.

Being a PSU, MSTC has to follow all the guidelines issued by CVC, regulation of IT Act 2000 and other audit requirements of STQC for which, MSTC has to invest huge amount towards Systems infrastructure, whereas, the private players are not

पालन करें। इसके लिए एमएसटीसी को सिस्टम की संरचना में बड़ी राशि का निवेश करना पड़ता है। लेकिन निजी कंपनियों के ऊपर इस तरह का कोई प्रतिबंध नहीं। अगर सरकारी विभाग तथा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम अपने टेंडर दस्तावेज में सेवा प्रदाता के लिए सीवीसी के दिशा-निर्देशों के पालन की अनिवार्यता का प्रावधान नहीं करते हैं तो एमएसटीसी के लिए आदेश पाना क्रमशः कठिन होता जाएगा। क्योंकि निजी कंपनियों के पास अपर्याप्त संरचना है और उनके लिए कम सेवा दर पर काम करना मुमकिन हो जाता है।

ट्रेडिंग व्यवसाय (आयात एवं निर्यात)

इस क्षेत्र में मुख्यतः उद्योगों के लिए आयात या देशीय स्त्रोतों से कच्चे माल की व्यवस्था करने का कार्य करता है। सामग्रियां एमएसटीसी के प्रतिभूत में रहता है तथा भुगतान के आधार पर सुपुर्दगी की जाती है। ग्राहकों के नियत उत्पादन में परिवर्तन एवं बाजार में अस्थिरता के कारण उनके द्वारा बनाए गए समय सारणी के अनुसार सामग्रियों को न उठाने की जोखिम रहता है।

जोखिम, आंतरिक नियंत्रण प्रणाली एवं उनकी उपयुक्तता

वर्ष 2008-09 में जोखिम प्रबंधन नीति को एमएसटीसी में लागू किया गया। 1 अप्रैल, 2013 में यह नीति को संशोधित किया गया है। एमएसटीसी यह सुनिश्चित करती है कि कंपनी की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली जोखिम लेने की क्षमताओं के भीतर एवं इसे और बेहतर एवं प्रभावी बनाने हेतु अधिक सुरक्षा उपायों को शामिल कर रही है।

मेसर्स एच.पी. झुंझुनवाला एंड कं., सनदी लेखापाल को इस वर्ष के लिए कंपनी की आंतरिक लेखा परीक्षण के लिए नियुक्त किया गया था और उनके प्रतिवेदन को प्रबंधन के समक्ष नियमित अंतराल पर रखा जाता है एवं महत्वपूर्ण मुद्दों का संक्षिप्त विवरण को लेखा समिति के समक्ष रखा जाता है। समिति आंतरिक नियंत्रण प्रणाली के कार्यों की समीक्षा करती है और समिति की अनुशंसाओं को निदेशक मंडल के समक्ष पेश किया जाता है और वे निदेशक मंडल के विचार के अनुसार लागू करते हैं। लेखा समिति विभिन्न वित्तीय विवरणों का भी जोखिम विश्लेषण एवं नियंत्रण के लिए कार्य करती है।

ऊर्जा एवं संसाधनों का संरक्षण

एमएसटीसी मुख्यतः विभिन्न ग्राहकों के लिए स्क्रैप सामग्री विशेषतः फेरस स्क्रैप तथा इन स्क्रैप की रीसाइक्लिंग के लिए व्यापार करता है। इस तरह एमएसटीसी प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, प्रदूषण कम करने में, दोबारा इस्तेमाल के योग्य फेरस स्क्रैप के पुनः चक्रण द्वारा ऊर्जा के संरक्षण के क्षेत्र में काम करता है एवं ग्राहक द्वारा प्रक्रिया के बाद पुनः व्यवहार के लिए विभिन्न प्रकार के स्क्रैप की नीलामी करती है।

मानव संसाधन के विकास पर सूचनाएं, औद्योगिक संबंध और निगमित सामाजिक दायित्व का उल्लेख निदेशक मंडल की रिपोर्ट में किया गया है।

एमएसटीसी द्वारा नियोजित ऑटो श्रेडिंग संयंत्र भारत में अपने तरह का प्रथम संयंत्र होगा। यह आईएफ एवं ईएएफ रूटों के इस्तेमाल द्वारा भारत में सेकेंडरी स्टील के निर्माण को बढ़ावा देगी। इस प्रक्रिया में कम ऊर्जा की खपत होती है एवं बीएफ एवं कनवर्टरों इत्यादि के प्रयोग करने की प्रथमिक प्रक्रिया की तुलना में कम प्रदूषण फैलाती है।

under any such obligation. Therefore, unless Government Departments and PSUs insist upon fulfillment of criteria in line with CVC guidelines by the service providers in the tender documents, it would be increasingly difficult for MSTC to get orders, since private players, having scanty infrastructure, can afford to quote very low service charge.

Trading Business (import & export)

This segment mainly functions as sourcing of raw materials for industries either through import or domestically. The materials remain pledged to MSTC and delivery is given to the customer on payment basis. There is an inherent risk of not lifting material as per schedule by the customers mainly due to change in their production schedule and volatility in the market.

RISKS, INTERNAL CONTROL SYSTEMS AND THEIR ADEQUACY

Risk Management Policy in MSTC was introduced in the year 2008-09. The policy has been revised since 1st April, 2013. MSTC makes it certain that the internal control system functions within the risk appetite of the company and is being fine tuned to include more safeguards for being more effective.

M/s. H.P. Jhunjhunwala & Co., chartered accountants was assigned with the internal audit function of the company for the year and their reports are put up to the management at regular intervals and summarized statement of important issues are placed before the Audit Committee. The committee analyses the functions of the internal control system and recommendations of the committee are put up to the Board and those are implemented as per the considerations of the Board. Audit Committee also considers various financial statements for risk analysis and control.

CONSERVATION OF ENERGY AND RESOURCES

MSTC works primarily in the field of procurement of scrap materials, especially ferrous scraps from different consumers and trading of those scraps for recycling. Thus, MSTC works for the conservation of the natural resources, reduction in pollutants, conservation of energy by recycling ferrous scraps into a re-useable form. MSTC is in a way recycling company that consolidates facilities and auctions scrap of various types for reuse after processing by its buyers.

Information on development of HR, Industrial Relations and Corporate Social Responsibility is mentioned in the Directors' Report.

Auto Shredding Plant being planned by MSTC will be first of its kind in India, will promote Secondary Steel making in India using IF and EAF routes. These processes consume less energy and pollute less than primary process of utilizing BFs and Convertors etc.

The productivity under this route is also much higher than the conventional methods.

इस रूट के अधीन उत्पादकता भी पारम्परिक विधि की तुलना में अधिक है।

निगमित अभिशासन के दिशा-निर्देशों के अनुसार अन्य उद्घोषणाएं

1. व्यापारियों के साथ व्यावसायिक लेन-देन से संबंधित ऐसा कोई विशेष मामला नहीं हैं, जो कंपनी के हित में द्वंद्व की संभावना हो।
2. कंपनी की ओर से अनअनुपालन का मामला नहीं देखा गया है और न ही इसकी कोई सूचना है। सांविधिक प्राधिकरण द्वारा विगत तीन वर्षों में भारत सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के मामलों के संबंध में न कोई कठोर पत्राचार किया है और न ही कोई दंड दिया है और न ही कोई मामला दर्ज है।
3. भारत सरकार द्वारा दिशा निर्देशित एवं निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित व्हिसल ब्लोअर पॉलिसी कंपनी ने लागू किया है। लेखा परीक्षण समिति के समक्ष किसी भी व्यक्ति के पहुंच को इंकार नहीं किया गया है और कंपनी ने व्हिसल ब्लोअर से व्यक्तिगत हानि से बचाव किया है।
4. निगमित अभिशासन दिशा-निर्देशों का अनुपालन किया गया है तथा निगमित अभिशासन पर एक पृथक प्रतिवेदन वार्षिक प्रतिवेदन में अनुलग्नक के रूप में संलग्न किया गया है।
5. वर्तमान वर्ष तथा पिछले 3 वर्षों के दौरान कंपनी द्वारा अध्यक्षीय सभी दिशा-निर्देशों का अनुपालन किया गया है।
6. लेखा पुस्तिकाओं में व्यय के किसी भी मदों को नामे नहीं किया गया है, जो व्यवसायिक उद्देश्य के लिए नहीं है।
7. ऐसे कोई भी व्यय नहीं किया गया है, जो निदेशक मंडलों तथा शीर्ष प्रबंधन के लिए व्यक्तगित प्रकृति के हैं।
8. प्रशासनिक व्यय कुल व्यय का 2% है।
9. वित्तीय परिणाम कंपनी की वेबसाइट यानी www.mstcindia.co.in पर उपलब्ध है। समय-समय पर उसे निगमित विज्ञापनों के जरिए भी प्रकाशित किया गया है।

निदेशक मंडल के लिए तथा उनकी ओर से

(एस.के. त्रिपाठी)
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक

FURTHER DISCLOSURES AS PER CORPORATE GOVERNANCE GUIDELINES

1. There is no materially significant related party transaction that may have potential conflict with the interest of the company.
2. No non-compliance by the company has been observed / reported. No statutory authority has issued any strictures or levied penalty or any matted related to any guidelines issued by the Government during last three years.
3. Company has formulated a whistle blower policy in line with Government guidelines duly approved by Board. No person has been denied personal access to Audit Committee and company has protected whistle blower from adverse personal action.
4. Corporate Governance guidelines have been complied with and a separate report on Corporate Governance is placed as Annexure to Annual Report.
5. All Presidential guidelines have been complied with by the Company for the year and also during last 3 years.
6. No items of expenditure have been debited in books of accounts, which are not for the purpose of business.
7. No expenses are incurred which are personal in nature for the Board of Directors and Top Management.
8. Administrative expenses are 2% of total expenses.
9. The financial results are available in the website of the company i.e. www.mstcindia.co.in. From time to time they are also published in corporate advertisements.

For & on behalf of Board of Directors

(S. K. Tripathi)
Chairman-cum-Managing Director

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का प्रमाणीकरण

मैं यह घोषणा करता हूँ कि कंपनी के निदेशक मंडल ने 27 जून, 2008 को अपनी 229वीं बैठक में निदेशक मंडल के सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन के लिए भारी उद्योग एवं सार्वजनिक उपक्रम मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रसारित व्यवसायिक आचार संहिता एवं मूल्यों के मॉडल कोड को ग्रहण किया है एवं सभी बोर्ड सदस्य एवं सभी वरिष्ठ प्रबंधकों ने इस वर्ष के लिए इस आचार संहिता के अनुपालन की पुष्टि की है।

कृते एवं निदेशक मंडल की ओर से

(एस.के. त्रिपाठी)
अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक

CMD'S CERTIFICATION

I declare that the Model Code of Business Conduct and Ethics for Board Members and Senior Management issued by the Government of India, Ministry of Heavy Industries and Public Enterprises was adopted by the Board of Directors of the company in its 229th meeting held on 27-06-08 and all the Board Members and Senior Management have affirmed compliance with the Code of Conduct for the current year.

For & on behalf of Board of Directors

(S. K. Tripathi)
Chairman-cum-Managing Director

CS SAUMAYO JYOTI SEAL
Phone : 9038065836
8100909418

City off :
49A,Nirmal Chandra Street, Kolkata
Rege.off :
324, Bunokalitala, Chinsurha,
Hooghly-712101, W.B.

निगमित अभिशासन अनुपालन प्रमाणपत्र

कॉरपोरेट आईडेंटिफिकेशन नंबर : **U27320WB1964GOI026211**

अधिकृत पूंजी : रु. **50,00,00,000/-**

सेवा में,
एमएसटीसी के सदस्यगण
225/सी, ए जे सी बोस रोड
कोलकाता-700020

मैंने केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के लिए निगमित अभिशासन पर सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) दिशानिर्देश 2010 में किए गए निर्धारण के अनुरूप निगमित अभिशासन की शर्तों के अनुपालन के अभिप्रमाणन के उद्देश्य के लिए समाप्त वर्ष 31 मार्च, 2015 हेतु एमएसटीसी के सभी सम्बद्ध रिकार्डों की जांच की। मैंने सभी सूचनाएं एवं व्याख्या प्राप्त किये जो प्रमाणीकरण के उद्देश्य हेतु मेरे ज्ञान एवं विश्वास से आवश्यक थे।

निगमित अभिशासन की शर्तों के अनुपालन का दायित्व प्रबंधन का है। मेरी जांच केवल प्रक्रिया और उसके अनुपालन तक सीमित थी, जिसे कंपनी में निगमित अभिशासन के लिए अपनाया गया था।

प्रस्तुत किए गए रिकार्डों एवं व्याख्या तथा सूचनाओं की जांच के आधार पर मैं यह प्रमाणित करता हूँ कि कम्पनी ने समुचित रिकार्डों का अनुरक्षण किया है तथा प्रथम तिमाही में लघु विलम्ब के अलावा 31 मार्च, 2015 को समाप्त वर्ष हेतु केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों हेतु निगमित अभिशासन पर डीपीई दिशानिर्देश 2010 में निर्धारित निगमित अभिशासन की शर्तों का अनुपालन किया है।

SAUMAYO JYOTI SEAL * COMPANY SECRETARY : CP-11169 * KOLKATA

Saumayo Jyoti Seal

सौम्यो ज्योति सील
पेशेवर कम्पनी सचिव
सी.पी. नं. : 11169

स्थान : कोलकाता
दिनांक : 29/6/2015

ई-मेल : seal.saumayo@gmail.com

CS SAUMAYO JYOTI SEAL
Phone : 9038065836
8100909418

City off :
49A,Nirmal Chandra Street, Kolkata
Rege.off :
324, Bunokalitala, Chinsurha,
Hooghly-712101, W.B.

CORPORATE GOVERNANCE COMPLIANCE CERTIFICATE

CORPORATE IDENTIFICATION NUMBER : **U27320WB1964GOI026211**

Authorized Capita : **Rs. 50,00,00,000/-**

To
The Members of
MSTC Ltd.
225/C, A J C Bose Road
Kolkata - 700 020

I have examined all the relevant records of MSTC Ltd. for the year ended 31st March, 2015 for the purpose of certifying compliance of the conditions of Corporate Governance as stipulated in Department of Public Enterprises (DPE) Guideline 2010 on Corporate Governance for Central Public Sector Enterprises. I have obtained all the information and explanations which to the best of my knowledge and belief were necessary for the purpose of certification.

The compliance of Corporate Governance is the responsibility of the management. My examination was limited to the procedure and implementation process adopted by the Company for ensuring the compliance of conditions of Corporate Governance.

On the basis of my examination of the records produced and the explanations and information furnished, I certify that the Company has maintained proper records and compiled with the conditions of Corporate Governance as stipulated in DPE Guidelines 2010 on Corporate Governance for Central Public Sector Enterprises for the financial year ending 31st March, 2015, except marginal delay in one quarter.

SAUMAYO JYOTI SEAL
Practicing Company Secretary
C.P. No. : 11169

Place : Kolkata
Date : 29/6/2015

e-mail : seal.saumayo@gmail.com

अनुलग्नक-III

प्रपत्र सं. एओसी-2

(कम्पनीज (लेखा) नियम, 2014 के अधिनियम की धारा 134 की उप-धारा (3) के खंड (एच) एवं नियम 8(2) के तहत)

कम्पनीज अधिनियम, 2013 की धारा 188 की उप-धारा (1) में संदर्भित सम्बद्ध पार्टियों से कम्पनी द्वारा शामिल ठेका/व्यवस्थाओं के विवरण की प्रकटीकरण हेतु फार्म जिसमें शामिल है उसके तीसरे प्रावधान के अधीन कतिपय आर्म्स लेंथ ट्रांजेक्शन।

1. ठेकेदारों या व्यवस्थापकों या लेनेदेन के विवरण आर्म्स लेंथ आधार पर नहीं। (यह भाग कम्पनी हेतु लागू नहीं है)

   (क) सम्बद्ध पार्टियों के नाम एवं सम्बन्ध का स्वरूप

   (ख) ठेकों/व्यवस्थाओं/लेनदेन का स्वरूप

   (ग) ठेकों/व्यवस्थाओं/लेनदेन की अवधि

   (घ) ठेका या व्यवस्था या लेनदेन सहित मूल्य, यदि कोई है, की मुख्य शर्तें

   (ङ) ऐसे ठेकों या व्यवस्थाओं या लेनदेन में शामिल होने का औचित्य

   (च) बोर्ड द्वारा अनुमोदन की तारीखें

   (छ) अग्रिम के रूप में चुकता की गई राशि, यदि कोई है:

   (ज) साधारण सभा में पारित की गई विशेष प्रस्ताव की तारीख जो धारा 188 के पहले नियम के अधीन अपेक्षित है।

2. आर्म्स लेंथ आधार के अनुसार सामग्री ठेका या व्यवस्था या लेनदेने के विवरण

   (क) सम्बद्ध पार्टी का नाम एवं संबंध का स्वरूप

   फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड (एफएसएनएल), एक 100% सहायक कम्पनी।

   (ख) ठेकाओं/व्यवस्थाओं/लेनदेन का स्वरूप :

   अभिरक्षा सेवाएं :

   (i) सहायक कम्पनी, फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड (एफएसएनएल) नियंत्रक कम्पनी को सामान्य सेवा प्रभार में वेयरहाउस/स्टॉकयार्ड प्रबंधन हेतु अभिरक्षा सेवाएं प्रदान करती है।

   विक्रय एजेंसी:

   (ii) एमएसटीसी लिमिटेड (नियंत्रक कम्पनी) सहायक कम्पनी, फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड (एफएसएनएल) द्वारा उत्पन्न स्क्रैप एवं अधिशेष सामग्रियों के निपटान हेतु बिक्री एजेंसी के रूप में कार्य करती है।

   (ग) ठेका/व्यवस्था लेने की अवधि:

   अभिरक्षा सेवाएं :

   त्रिपक्षीय समझौता के स्वरूप में एफएसएनएल एवं तीसरी पार्टियों के साथ लगभग 20 संविदायें हैं।

   संविदाओं की अवधि 1 वर्ष है।

   विक्रय एजेंसी :

   एमएसटीसी ने अनवरत आधार पर एफएसएनएल के साथ विक्रय एजेंसी समझौता किया है।

   (घ) मूल्य, यदि कोई है, सहित ठेका या व्यवस्था या लेनदेन की मुख्य शर्तें

   (i) अभिरक्षा सेवाएं :

   ग्राहकों द्वारा एमएसटीसी को प्रतिज्ञित कच्चे सामग्रियों के भंडारन करने हेतु अभिरक्षा सेवाओं के लिए एमएसटीसी के नाम में एफएसएनएल एक इन्वॉयस जारी करता हैं।

   (ii) विक्रय एजेंसी:

   एमएसटीसी एफएसएनएल के स्क्रैप एवं अधिशेष सामग्रियों के निपटान हेतु ई-ऑक्शन संचालित करता है।

   (ङ) बोर्ड द्वारा अनुमोदित तारीखें, यदि कोई है :

   लागू नहीं है।

   (च) अग्रिम के रूप में चुकता की गयी राशि, यदि कोई है :

   कोई अग्रिम चुकता नहीं किया गया है.

कृते एमएसटीसी लिमिटेड

एस.के. त्रिपाठी

अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक

Annexure–III

FORM NO. AOC – 2

(Pursuant to clause (h) of sub-section (3) of section 134 of the Act and Rule 8(2) of the Companies (Accounts) Rules, 2014)

Form for disclosure of particulars of contracts/ arrangements entered into by the company with related parties referred to in sub-section (1) of section 188 of the Companies Act, 2013 including certain arms length transactions under third proviso thereto

1. Details of contracts or arrangements or transactions not at arm's length basis (This part is not applicable to the company)

   (a) Name(s) of the related party and nature of relationship

   (b) Nature of contracts/arrangements/transactions

   (c) Duration of the contracts/arrangements/transactions

   (d) Salient terms of the contracts or arrangements or transactions including the value, if any

   (e) Justification for entering into such contracts or arrangements or transactions

   (f) Date(s) of approval by the Board

   (g) Amount paid as advances, if any:

   (h) Date on which the special resolution was passed in general meeting as required under first proviso to section 188

2. Details of material contracts or arrangement or transactions as arm's length basis

   (a) Name(s) of the related party and nature of relationship:

   Ferro Scrap Nigam Limited (FSNL), a 100% subsidiary company.

   (b) Nature of contracts/arrangements/transactions :

   Custodial Service :

   (i) Subsidiary company, Ferro Scrap Nigam Limited (FSNL) renders custodian services for warehouse/ stockyard management at normal service charge to the holding company.

   Selling Agency :

   (ii) MSTC Limited (holding company) functions as selling agency for disposal of scrap and surplus materials generated by the subsidiary company, Ferro Scrap Nigam Limited (FSNL)

   (c) Duration of the contracts/arrangements/transactions:

   Custodial Service :

   There are approx, 20 contracts with FSNL and third parties in nature of tripartite agreement.

   Duration of the contracts is 1 year.

   Selling Agency :

   MSTC has Selling Agency agreement with FSNL on continuous basis.

   (d) Salient terms of the contracts or arrangements or transactions including the value, if any :

   (j) Custodial Services :

   FSNL raises an invoice in the name of MSTC for custodial services for storing raw materials pledged to MSTC by customers.

   (ii) Selling Agency :

   MSTC conducts e-auction for disposal of scrap and surplus materials of FSNL.

   (e) Date(s) of approval by the Board, if any :

   Not Applicable

   (f) Amount paid as advances, if any :

   No advances have been paid.

FOR MSTC LIMITED

S.K.Tripathi

Chairman cum Managing Director

अनुलग्नक-IV

प्रपत्र सं. एओसी-1

1.	क्र.सं.	1
2.	सहायक कंपनी का नाम:	फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड
3.	सम्बद्ध सहायक कंपनी हेतु रिपोर्टिंग अवधि, यदि नियंत्रक कम्पनी की रिपोर्टिंग अवधि से अलग है।	लागू नहीं
4.	विदेशी सहायक कंपनी के मामले में वित्तीय वर्ष की अंतिम तारीख को रिपोर्टिंग मुद्रा एवं विनिमय दर :	लागू नहीं
5.	शेयर पूंजी:	₹ 2,00,00,000
6.	आरक्षित एवं अधिशेष :	₹ 1,57,16,45,000
7.	कुल परिसम्पत्तियां :	₹ 3,01,82,30,000
8.	कुल दायित्व :	₹ 1,42,63,78,000
9.	निवेश :	शून्य
10.	टर्नओवर	₹ 2,75,78,38,000
11.	कर-निर्धारण पूर्व लाभ :	₹ 25,36,40,000
12.	कर का प्रावधान :	₹ 8,26,88,000
13.	कर-निर्धारण उपरान्त लाभ :	₹ 17,09,52,000
14.	प्रस्तावित लाभांश :	लागू नहीं
15.	शेयरधारकों का % :	100%

टिप्पणी:

विवरण के अंत में निम्नलिखित सूचनाएं दी गई हैं.

1. सहायक कंपनी का नाम जिसका परिचालन अभी प्रारम्भ होना है
2. सहायक कंपनी जो वर्ष के दौरान लिक्यूइडेटेड हो चुकी है या बिक्री हो गयी है।

Annexure–IV

FORM NO. AOC – 1

1.	Sl. No.	1
2.	Name of the Subsidiary :	Ferro Scrap Nigam Limited
3.	Reporting period for the subsidiary concerned, if different from the holding company's reporting period :	N.A.
4.	Reporting currency and Exchange rate as on the last date of the Financial Year in the case of foreign subsidiaries :	N.A.
5.	Share Capital :	₹ 2,00,00,000
6.	Reserves & Surplus :	₹ 1,57,16,45,000
7.	Total Assets :	₹ 3,01,82,30,000
8.	Total Liabilities :	₹ 1,42,63,78,000
9.	Investments :	NIL
10.	Turnover	₹ 2,75,78,38,000
11.	Profit before taxation :	₹ 25,36,40,000
12.	Provision for taxation :	₹ 8,26,88,000
13.	Profit after taxation :	₹ 17,09,52,000
14.	Proposed Dividend :	N.A.
15.	% of shareholding :	100%

Notes :

The following information shall be furnished at the end of the statement.

1. Name of subsidiaries which are yet to commence operations.
2. Name of subsidiaries which have been liquidated or sold during the year.

अनुलग्नक- V

प्रपत्र सं. एमजीटी-9

वार्षिक रिटर्न का सारांश

31 मार्च, 2015 को समाप्त वित्तीय वर्ष

[कम्पनीज अधिनियम, 2013 की धारा 92(3) एवं कम्पनीज (प्रबंधन एवं प्रशासन) नियम, 2014 का नियम 12(1) के तहत]

I. पंजीयन एवं अन्य विवरण :

i) सीआईएन :	U27320WB1964GOI026211
ii) पंजीयन की तारीख :	09/09/1964
iii) कम्पनी का नाम :	एमएसटीसी लिमिटेड
iv) कम्पनी की श्रेणी/उप-श्रेणी :	शेयरों द्वारा कम्पनी लिमिटेड/ सरकारी कम्पनी
v) पंजीकृत कार्यालय का पता एवं सम्पर्क विवरण :	225/सी, आचार्य जगदीश बोस रोड, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, भारत-700020
vi) क्या यह सूचीबद्ध कम्पनी है हाँ/ नहीं	नहीं
vii) रजिस्ट्रार एवं ट्रान्सफर एजेंट, यदि कोई है, का नाम, पता एवं सम्पर्क विवरण	सी बी मैनेजमेंट सर्विसेज (पी) लिमिटेड सीआईएन : U74140WB1994PTC062959 पी-22, बोंडेल रोड कोलकाता- 700019 दूरभाष, सं. : 401167002280 फैक्स: 40116739 ई-मेँल :rta@cbmsl.com

Annexure–V

Form No. MGT-9

EXTRACT OF ANNUAL RETURN as on the financial year ended on 31st March, 2015

[Pursuant to section 92(3) *of the Companies Act, 2013* and rule 12(1) of the Companies (Management and Administration) Rules, 2014]

I. REGISTRATION AND OTHER DETAILS :

i) CIN :	U27320WB1964GOI026211
ii) Registration Date	09/09/1964
iii) Name of the Company	MSTC Limited
iv) Category / Sub-Category of the Company	Company limited by shares/ Government Company
v) Address of the registered office and contact details	225/C, Acharya Jagadish Bose Road Kolkata, West Bengal, India – 700 020
vi) Whether listed company Yes / No	No
vii) Name, Address and Contact details of Registrar and Transfer Agent, if any	C B Management Services (P)Limited CIN : U74140WB1994PTC062959 P-22, Bondel Road Kolkata – 700019 Telephone No: 401167002280 Fax: 40116739 e-mail : rta@cbmsl.com

II. कम्पनी की प्रमुख व्यावसायिक गतिविधियाँ

कम्पनी के कुल टर्नओवर का 10% या अधिक सभी व्यवसायी गतिविधियों का योगदान नीचे दिया गया है :-

क्र.सं.	मुख्य उत्पादों/सेवाओं का नाम	उत्पाद/सेवाओं का एनआईसी कोड	कम्पनी के कुल टर्नओवर का %
1	एजेंसी व्यापार	लागू नहीं	67.12
2	ई-प्रोक्योरमेंट	लागू नहीं	31.86
3	ट्रेडिंग	लागू नहीं	1

III. नियंत्री, सहायक एवं सहयोगी कम्पनियों का ब्यौरा

क्र.सं.	कम्पनी का नाम एवं पता	सीआईएन/जीएलएन	नियंत्री/ सहायक/ सहयोगी	धारित शेयरों का %	लागू धारा
1.	फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड	U27102CT1989GOI00548	सहायक	100	2(87)

IV. शेयर धारण करने की पद्धति (कुल इक्वीटी के प्रतिशत के अनुसार इक्वीटी शेयर पूंजी का ब्रेकअप)

i) श्रेणीवार शेयर होल्डिंग

शेयर धारकों की श्रेणी	वर्ष के प्रारम्भ में धारित शेयरों की संख्या				वर्ष के अंत में धारित शेयरों की संख्या				वर्ष के दौरान % परिवर्तन
	डीमेट	भौतिक	कुल	कुल शेयर का %	डीमेट	भौतिक	कुल	कुल शेयरों का %	
क. प्रोमोटर्स									
(1) भारतीय									
ए) व्यक्तिगत/एचयूएफ									
बी) केन्द्रीय सरकार		**भौतिक**	7906400	89.85		**भौतिक**	7906400	89.85	अपरिवर्तित
सी) राज्य सरकारे									
डी) निगम निकाय									
ई) बैंक/वित्तीय संस्थान									
एफ) कोई अन्य									
उप-योग (ए)(1):-									
(2) विदेश									
ए) एनआरआई -व्यक्तिगत									
ल) अन्य- व्यक्तिगत									
ल) निकाय निगम									
व) बैंक/ वित्तीय संस्थान									
श) कोई अन्य:.									
उप-योग (ए) (2):-									
प्रोमोटर का कुल शेयरहोल्डिंग (ए)= (ए)(1)+(ए)(2)		**भौतिक**	7906400	89.85		**भौतिक**	7906400	89.85	अपरिवर्तित

II. PRINCIPAL BUSINESS ACTIVITIES OF THE COMPANY

All the business activities contributing 10 % or more of the total turnover of the company shall be stated :

Sl. No.	Name and Description of main products / services	NIC Code of the Product/ service	% to total turnover of the company
1	Agency Business	NA	67.12
2	e-procurement	NA	31.86
3	Trading	NA	1

III. PARTICULARS OF HOLDING, SUBSIDIARY AND ASSOCIATE COMPANIES

Sl. No.	Name and Address	CIN/GLN	Holding/ Subsidiary/ Associate	% of shares held	Applicable Section
1.	FERRO SCRAP NIGAM LIMITED	U27102CT1989GOI00548	SUBSIDIARY	100	2(87)

IV. SHARE HOLDING PATTERN (Equity Share Capital Breakup as percentage of Total Equity)

i) Category-wise Share Holding

Category of Shareholders	No. of Shares held at the beginning of the year				No. of Shares held at the end of the year				% Change during the year
	Demat	Physical	Total	% of Total	Demat	Physical	Total	% of Total	
A. Promoters									
(1) Indian									
a) Individual /HUF									
b) Central Govt.		**Physical**	7906400	89.85		**Physical**	7906400	89.85	No change
c) State Govt.(s)									
d) Bodies Corp.									
e) Banks / FI									
f) Any Other….									
Sub-total (A) (1):-									
(2) Foreign									
a) NRIs - Individuals									
b) Other – Individuals									
c) Bodies Corp.									
d) Banks / FI									
e) Any Other….									
Sub-total (A) (2):-									
Total shareholding of Promoter (A)= (A)(1)+(A)(2)		**Physical**	7906400	89.85		**Physical**	7906400	89.85	No change

शेयरधारकों की श्रेणी	वर्ष के प्रारम्भ में धारित शेयरों की संख्या				वर्ष के अंत में धारित शेयरों की संख्या				वर्ष के दौरान परिवर्तित %
	डीमेट	भौतिक	कुल	कुल शेयरों का %	डीमेट	भौतिक	कुल	कुल शेयरों का %	
बी. सार्वजनिक शेयरधारिता									
1. **संस्थान**									
ए) म्यूचुअल फंड्स									
बी) बैंक/वित्तीय संस्थान									
सी) केन्द्रीय सरकार									
डी) राज्य सरकार									
ई) वेंचर केपिटल फंड्स									
एफ) इंश्योरेन्स कम्पनियां									
जी) एफआईआई									
एच) विदेश वेंचर कैपिटल फंड्स									
i) अन्य (निर्दिष्ट)									
उप-योग (बी)(1) :			0	0			0	0	
2. गैर-संस्थान									
ए) निकाय निगम									
i) भारतीय									
ii) समुद्रीयपार		**भौतिक**	282750	3.21		**भौतिक**	279950	3.18	(0.93)
बी) व्यक्तिगत		**भौतिक**	2000	0.02		**भौतिक**	2000	0.02	अपरिवर्तित
i) व्यक्तिगत शेयरधारक रु. 1 लाख तक नमिनल शेयर केपिटल धारित कर रहे हैं।		**भौतिक**	382300	4.31		**भौतिक**	382300	4.34	(0.70)
ii) व्यक्तिगत शेयर धारक रु. 1 लाख से अधिक नमिनल शेयर केपिटल धारित कर रहे हैं।		**भौतिक**	229350	2.61		**भौतिक**	382300	4.34	(0.70)
सी) अन्य (निर्दिष्ट)									
उप-योग (बी)(2) :									
कुल सार्वजनिक शेयरधारिता (बी)=(बी)(1)+(बी)(2)		**भौतिक**	893600	10.15		**भौतिक**	382300	4.34	(0.70)
सी. जीडीआर एवं एडीआर हेतु अभिरक्षा द्वारा धारित शेयर									
कुल योग (ए+बी+सी)		**भौतिक**	8800000	100		**भौतिक**	8800000	100	अपरिवर्तित

Category of Shareholders	No. of Shares held at the beginning of the year				No. of Shares held at the end of the year				% Change during the year
	Demat	Physical	Total	% of Total	Demat	Physical	Total	% of Total	
B. Public Shareholding									
1. **Institutions**									
a) Mutual Funds									
b) Banks / FI									
c) Central Govt									
d) State Govt(s)									
e) Venture Capital Funds									
f) Insurance Companies									
g) FIIs									
h) Foreign Venture Capital Funds									
i) Others (specify)									
Sub-total (B)(1) :			**0**	**0**			**0**	**0**	
2. Non-Institutions									
a) Bodies Corp.									
i) Indian									
ii) Overseas		**Physical**	**282750**	**3.21**		**Physical**	**279950**	**3.18**	**(0.93)**
b) Individuals		**Physical**	**2000**	**0.02**		**Physical**	**2000**	**0.02**	**No change**
i) Individual shareholders holding nominal share capital upto Rs. 1 lakh		**Physical**	**382300**	**4.31**		**Physical**	**382300**	**4.34**	**(0.70)**
ii) Individual shareholders holding nominal share capital in excess of Rs. 1 lakh		**Physical**	**229350**	**2.61**		**Physical**	**382300**	**4.34**	**(0.70)**
c) Others (specify)									
Sub-total (B)(2) :									
Total Public Shareholding (B)=(B)(1)+(B)(2)		**Physical**	**893600**	**10.15**		**Physical**	**382300**	**4.34**	**(0.70)**
C. Shares held by Custodian for GDRs & ADRs									
Grand Total (A+B+C)		**Physical**	**8800000**	**100**		**Physical**	**8800000**	**100**	**No change**

ii) प्रोमोटरों का शेयर होल्डिंग

क्र.सं.	शेयरधारकों का नाम	वर्ष के प्रारम्भ में शेयर होल्डिंग			वर्ष के अंत में शेयर होल्डिंग			
		शेयरों की संख्या	कम्पनी के कुल शेयरों का प्रतिशत	कुल शेयरों का प्रतिज्ञित / भारित शेयरों का प्रतिशत	शेयरों की संख्या	कम्पनी के कुल शेयरों का प्रतिशत	कुल शेयरों का प्रतिज्ञित / भारित शेयरों का प्रतिशत	वर्ष के दौरान धारित शेयरों में परिवर्तित प्रतिशत
1.	भारत के राष्ट्रपति	7906300	89.84		7906300	89.84		
2.	श्री बी बी सिंह *	20	0		20	0		
3.	श्री ए के बासु *	20	0		20	0		
4.	श्री सुब्रत कुमार राय *	20	0		20	0		
5.	श्री सुरज भान *	20	0		20	0		
6.	श्री एस.के. त्रिपाठी *	20	0		20	0		
	योग	**7906400**			**7906400**			

* भारत के राष्ट्रपति के नॉमिनी के रूप में

(iii) प्रमोटरों के शेयर होल्डिंग में परिवर्तन (कृपया निर्दिष्ट करें, यदि कोई परिवर्तन नहीं है): अपरिवर्तित

क्र. सं.		वर्ष के प्रारम्भ में शेयर होल्डिंग		वर्ष के दौरान संचयी शेयर होल्डिंग	
		शेयरों की संख्या	कम्पनी के कुल शेयरों का प्रतिशत	शेयरों की संख्या	कम्पनी के शेयरों का कुल प्रतिशत
	वर्ष के प्रारम्भ में				
	वर्ष के दौरान शेयर धारित प्रमोटरों में तारीख वार वृद्धि/ह्रास वृद्धि/ह्रास हेतु कारणों को निर्दिष्ट करें (यथा -आवंटन/हस्तांतरण/ बोनस/उद्यम इक्विटी आदि):			**अपरिवर्तित**	
	वर्ष के अंत में				

(iv) शीर्ष के दस शेयर धारकों का शेयर होल्डिंग पैटर्न (निदेशक, प्रमोटर्स एवं जीडीआर तथा एडीआर के धारकों के अलावा) : अपरिवर्तित

क्र. सं.	प्रत्येक शीर्ष के 10 शेयर धारकों हेतु	वर्ष के प्रारम्भ में शेयर होल्डिंग		वर्ष के दौरान संचयी शेयर होल्डिंग	
		शेयरों की संख्या	कम्पनी के कुल शेयरों का प्रतिशत	शेयरों की संख्या	कम्पनी के कुल शेयरों का प्रतिशत
	वर्ष के प्रारम्भ में	314950	3.59	314950	3.59
	वर्ष के दौरान शेयर धारकों में तारीख वार वृद्धि/वृद्धि वृद्धि/ह्रास हेतु कारण निर्दिष करें (यथा-आवंटन/हस्तांतरण बोनस/उद्यम इक्विटी आदि):	अप्रयोज्य	अप्रयोज्य	अप्रयोज्य	अप्रयोज्य
	वर्ष के अंत में (या पृथक तारीख को, यदि वर्ष के दौरान पृथक किया गया है)	अप्रयोज्य	अप्रयोज्य	अप्रयोज्य	अप्रयोज्य

ii) Shareholding of Promoters

Sl No.	Shareholder's Name	Shareholding at the beginning of the year			Share holding at the end of the year			
		No. of Shares	% of total Shares of the company	%of Shares Pledged / encumbered to total shares	No. of Shares	% of total Shares of the company	%of Shares Pledged / encumbered to total shares	% change in share holding during the year
1.	President of India	7906300	89.84		7906300	89.84		
2.	Shri B B Singh *	20	0		20	0		
3.	Shri A K Basu *	20	0		20	0		
4.	Shri Subrata Kumar Ray *	20	0		20	0		
5.	Shri Suraj Bhan *	20	0		20	0		
6.	Shri S.K. Tripathi *	20	0		20	0		
	Total	**7906400**			**7906400**			

* As nominee of President of India

(iii) Change in Promoters' Shareholding (please specify, if there is no change): NO CHANGE

Sl. No.		Shareholding at the beginning of the year		Cumulative Shareholding during the year	
		No. of shares	% of total shares of the company	No. of shares	% of total shares of the company
	At the beginning of the year				
	Date wise Increase / Decrease in Promoters Share holding during the year specifying the reasons for increase / decrease (e.g. allotment/transfer/bonus/ sweat equity etc) :			No Change	
	At the End of the year				

(iv) Shareholding Pattern of top ten Shareholders (other than Directors, Promoters and Holders of GDRs and ADRs): No Change

Sl. No.		Shareholding at the beginning of the year		Cumulative Shareholding during the year	
	For Each of the Top 10 Shareholders	No. of shares	% of total shares of the company	No. of shares	% of total shares of the company
	At the beginning of the year	314950	3.59	314950	3.59
	Date wise Increase / Decrease in Share holding during the year specifying the reasons for increase / decrease (e.g. allotment / transfer / bonus / sweat equity etc):	NA	NA	NA	NA
	At the End of the year (or on the date of separation, if separated during the year)	NA	NA	NA	NA

(v) निदेशकों का शेयरहोल्डिंग एवं प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक

क्र सं.		वर्ष के प्रारम्भ में शेयर होल्डिंग		वर्ष के दौरान संचयी शेयर होल्डिंग	
	प्रत्येक निदेशकों एवं केएमपी हेतु	शेयरों की सं.	कम्पनी के कुल शेयरों का प्रतिशत	शेयरों की संख्या	कम्पनी के कुल शेयरों का प्रतिशत
	वर्ष के प्रारम्भ में	100	0	100	0
	वर्ष के दौरान धारित शेयरों में तारीख वार वृद्धि/ह्रास वृद्धि/ह्रास हेतु कारणों को निर्दिष्ट करें (यथा : आवंटन/हस्तांतरण/बोनस उद्यमी इक्विटी आदि :	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
	वर्ष के अंत में	100	0	100	0

V. ऋणभार

बकाया/अर्जित ब्याज सहित कम्पनी का ऋणभार परन्तु भुगतान हेतु बकाया नहीं है (रु. लाख में)

	सुरक्षित ऋण जमा को छोड़कर	असुरक्षित ऋण	जमा	कुल ऋणभार
वित्तीय वर्ष के प्रारम्भ में ऋणभार				
i) प्रमुख राशि	71802	14416	7889	86218
ii) बकाया ब्याज परन्तु चुकता नहीं किया गया				
iii) अर्जित ब्याज परन्तु बकाया नहीं।		7889		7889
योग (i+ii+iii)	**71802**	**22305**		**94107**
वित्तीय वर्ष के दौरान ऋणभार में परिवर्तन				
संयोजन	12515	9957		22472
कटौती				
शुद्ध परिवर्तन				
वित्तीय वर्ष के अंत में ऋणभार				
i) प्रमुख राशि	84227	24362		108589
ii) बकाया ब्याज परन्तु चुकता नहीं किया गया	90	11		101
iii) अर्जित ब्याज परन्तु बकाया नहीं।		7889		7889
योग i+ii+iii)	84317	32262		116579

(v) Shareholding of Directors and Key Managerial Personnel: NO CHANGE

Sl. No.	For Each of the Directors and KMP	Shareholding at the beginning of the year		Cumulative Shareholding during the year	
		No. of shares	% of total shares of the company	No. of shares	% of total shares of the company
	At the beginning of the year	100	0	100	0
	Date wise Increase / Decrease in Share holding during the year specifying the reasons for increase / decrease (e.g. allotment / transfer / bonus/ sweat equity etc) :	NA	NA	NA	NA
	At the End of the year	100	0	100	0

V. INDEBTEDNESS

Indebtedness of the Company including interest outstanding/accrued but not due for payment **(₹ in lakhs)**

	Secured Loans excluding deposits	Unsecured Loans	Deposits	Total Indebtedness
Indebtedness at the beginning of the financial year				
i) Principal Amount	71802	14416		86218
ii) Interest due but not paid				
iii) Interest accrued but not due		7889		7889
Total (i+ii+iii)	**71802**	**22305**		**94107**
Change in Indebtedness during the financial year				
Addition	12515	9957		22472
Reduction				
Net Change				
Indebtedness at the end of the financial year				
i) Principal Amount	84227	24362		108589
ii) Interest due but not paid	90	11		101
iii) Interest accrued but not due		7889		7889
Total (i+ii+iii)	84317	32262		116579

VI. निदेशकों एवं प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक का पारिश्रमिक

ए. प्रबंध निदेशक, पूर्ण कालिक निदेशकों और/या प्रबंधक :

(₹ लाख में)

क्र.सं.	पारिश्रमिक का ब्यौरा	प्रबंध निदेशक/पूर्णकालिक निदेशक/प्रबंधक के नाम	कुल राशि
		1. श्री एस.के. त्रिपाठी (अध्यक्ष सह प्रबंधक निदेशक) 2. श्री ए.के. बसु निदेशक (वित्त) 3. श्री बी.बी. सिंह निदेशक (वाणिज्यिक) 4. श्री सुब्रत कुमार राय (कम्पनी सचिव)	
1.	सकल वेतन		94
	(क) आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 17(1) में शामिल प्रावधानों के अनुसार वेतन		
	(ख) आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 17(2) के अधीन अनुलाभ का मूल्य		
	(ग) आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 17(3) के अधीन वेतन के स्थान पर लाभ		
2.	विकल्प स्टॉक		शून्य
3.	स्वेट इक्विटी		शून्य
4.	कमिशन		शून्य
	- लाभ के प्रतिशत के अनुसार		
	- अन्य		
	विशिष्ट		
5	अन्य, कृपया निर्दिष्ट करें		
	सीपीएफ हेतु कम्पनी का सहयोग		7
	चिकित्सा व्यय की प्रतिपूर्ति		2
	कुल (ए)		**103**
	अधिनियम के अनुसार सीलिंग		

बी. अन्य निदेशकों का पारिश्रमिक :

क्र.सं.	पारिश्रमिक का ब्यौरा	निदेशकों का नाम		कुल राशि
		श्री एन.सी. झा	श्री ए.के. गोयल	
	3. स्वतंत्र निदेशकगण			
	बोर्ड/कमिटी कमिटी में शामिल होने के लिए शुल्क	70,000	70,000	1,40,000
	कमिशन			
	अन्य, कृपया निर्दिष्ट करें			
	कुल (1)	**70,000**	**70,000**	**1,40,000**
	4. गैर कार्यपालक निदेशकगण			शून्य
	बोर्ड /कमिटी में शामिल होने के लिए शुल्क			
	कमिशन			
	अन्य, कृपया निर्दिष्ट करें			
	कुल (2)			
	कुल (बी)=(1+2)	**1,40,000**	**1,40,000**	**1,40,000**
	कुल प्रबंधकीय पारिश्रमिक			
	अधिनियम के अनुसार सम्पूर्ण सीलिंग			

VI. REMUNERATION OF DIRECTORS AND KEY MANAGERIAL PERSONNEL

A. Remuneration to Managing Director, Whole-time Directors and/or Manager : (₹ in lakhs)

Sl. No.	Particulars of Remuneration	Name of MD/WTD/ Manager	Total Amount
		1. Shri S.K.Tripathi (Chairman cum Managing Director) 2. Shri A.K.Basu Director (Finance) 3. Shri B.B.Singh Director (Commercial) 4. Shri Subrata Kumar Ray (Company Secretary)	
1.	Gross salary		94
	(a) Salary as per provisions contained in section 17(1) of the Income-tax Act, 1961		
	(b) Value of perquisites u/s 17(2) Income-tax Act, 1961		
	(c) Profits in lieu of salary under section 17(3) Income-tax Act, 1961		
2.	Stock Option		NIL
3.	Sweat Equity		NIL
4.	Commission - as % of profit - others, specify…		NIL
5	Others, please specify		
	Company's Contribution to CPF		7
	Reimbursement of Medical expenses		2
	Total (A)		**103**
	Ceiling as per the Act		

B. Remuneration to other directors :

Sl. No.	Particulars of Remuneration	Name of Directors		Total Amount
		Shri N.C.Jha	Shri A.K.Goyal	
	3. Independent Directors			
	Fee for attending board / committee meetings	70,000	70,000	1,40,000
	Commission			
	Others, please specify			
	Total (1)	**70,000**	**70,000**	**1,40,000**
	4. Other Non-Executive Directors			NIL
	Fee for attending board / committee meetings			
	Commission			
	Others, please specify			
	Total (2)			
	Total (B)=(1+2)	**1,40,000**	**1,40,000**	**1,40,000**
	Total Managerial Remuneration			
	Overall Ceiling as per the Act			

सी. प्रबंध निदेशक/प्रबंधक/पूर्णकालिक निदेशक के अलावा प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक का परिश्रमिक (₹ लाख में)

क्र.सं.	परिश्रमिक का ब्यौरा	प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक			
		सीईओ	कंपनी सचीव	सीएफओ	योग
1.	सकल वेतन (क) आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 17(1) में शामिल प्रावधानों के अनुसार (ख) आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 17(2) के अंतर्गत पूर्वअपेक्षिता का मूल्य (ल) आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 17(3) के अधीन वेतन के स्थान पर लाभ		21		21
2.	स्टॉक विकल्प				
3.	स्वेट इक्विटी				
4.	कमिशन - लाभ के प्रतिशत के अनुसार -अन्य, निर्दिष्ट करें:				
5.	अन्य, कृपया निर्दिष्ट करें				
	योग		**21**		**21**

VII. जुर्माना/सजा/अपराध का प्रशमन : शून्य

ए. प्रबंध निदेशक, पूर्ण कालिक निदेशकों और/या प्रबंधक का पारिश्रमिक : (₹ लाख में)

प्रकार	कम्पनी अधिनियम की धारा	संक्षिप्त विवरण	जुर्माना/ सजा/ मिश्रित शुल्क का विवरण	प्राधिकारी आरडी/ एनसीएलटी /कोर्ट	यदि कोई अपील किया गया (विवरण का उल्लेख करें)
क. कम्पनी					
जुर्माना					
सजा					
कम्पाउण्डिंग					
ख. निदेशक					
जुर्माना					
सजा					
कम्पाउंडिंग					
ग. अन्य दोषी अधिकारी					
जुर्माना					
सजा					
कम्पाउंडिंग					

C. Remuneration to Key Managerial Personnel other than MD/Manager/WTD

(₹ in lakhs)

Sl. No.	Particulars of Remuneration	Key Managerial Personnel			
		CEO	Company Secretary	CFO	Total
1.	Gross salary (a) Salary as per provisions contained in section 17(1) of the Income-tax Act, 1961		21		21
	(b) Value of perquisites u/s 17(2) Income-tax Act, 1961				
	(c) Profits in lieu of salary under section 17(3) Income-tax Act, 1961				
2.	Stock Option				
3.	Sweat Equity				
4.	Commission - as % of profit - others, specify…				
5.	Others, please specify				
	Total		**21**		**21**

VII. PENALTIES / PUNISHMENT/ COMPOUNDING OF OFFENCES : NIL

A. Remuneration to Managing Director, Whole-time Directors and/or Manager :

(₹ in lakhs)

Type	Section of the Companies Act	Brief Description	Details of Penalty / Punishment / Compounding fees imposed	Authority [RD / NCLT / COURT]	Appeal made, if any (give Details)
A. COMPANY					
Penalty					
Punishment					
Compounding					
B. DIRECTORS					
Penalty					
Punishment					
Compounding					
C. OTHER OFFICERS IN DEFAULT					
Penalty					
Punishment					
Compounding					

अनुलग्नक-VI

सीएसआर गतिविधियों पर वार्षिक प्रतिवेदन

1. **कम्पनी की सीएसआर नीति का संक्षिप्त रूपरेखा :**

(क) कम्पनी ने कम्पनीज अधिनियम 2013 के अनुसार सीएसआर एवं स्थायी विकास नीति का गठन किया है जो बोर्ड के विधिवत संगठित सीएसआर द्वारा संस्तुति एवं बोर्ड द्वारा अनुमोति है। नीति कम्पनी की वेबसाइट : www.mstcindia.co.in पर उपलब्ध है।

(ख) नीति का लक्ष्य शिक्षा प्रन्नोति, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, विभिन्न रूप से विकलांग लोगों को प्रोत्साहित आदि कर जरूरतमंद एवं वंचित नागरिकों को संस्कृति का देखभाल के प्रति प्रेरित करना हैं।

(ग) बोर्ड चेयरमैन के रूप में स्वतंत्र निदेशक के साथ सीएसआर कमिटी का गठन करेगा। नोडल अधिकारी कमिटी द्वारा लिये गये निर्णय को कार्यान्वित करेगा। कम्पनी सचिव कमिटी के भी सचिव होंगे।

(घ) कमिटी बजट, लिये जाने वाले प्रोजेक्ट, एवं कार्यान्वित की पद्धति को अनुमोदित करेगी। कमिटी एवं बोर्ड सुनिश्चित करेगा कि चालू वर्ष हेतु बजट विगत 3 वर्षों के औसत शुद्ध लाभ के कम से कम 2 प्रतिशत से कम नहीं हो।

(ङ) कार्यकलाप में कम्पनी के सीएसआर नीति के अनुलग्नक के अधीन आच्छादित सभी गतिविधियां जिसमें शामिल होगा इंटर एलिया, कम्पनी अधिनियम 2013 की अनुसूची VII के अधीन प्रदत्त मदें एवं डीपीई दिशा-निर्देश। इसके अतिरिक्त कमिटी/बोर्ड द्वारा सरकारी दिशानिर्देश अनुदेश पर विचार किया जाएगा।

(च) एमएसटीसी अन्य पीएसयू, सरकारी एजेंसी, एनजीओ, यदि अपेक्षित हो, प्रोजेक्ट के मेरिट के आधार पर संयुक्त प्रोजेक्ट को भी प्रोत्साहित करेगा।

2. **सीएसआर कमिटी का गठन:**

कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 135 एवं सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) दिशानिर्देश (जो सभी केन्द्रीय पीएसयू हेतु लागू है) के तहत बोर्ड स्तर सीएसआर कमिटी का गठन किया है जिसमें श्री ए.के. गोयल, स्वतंत्रण निदेशक, चेयरमैन के रूप में, श्री ए. के बसु, निदेशक (वित्त) एवं श्री बी.बी. सिंह, निदेशक (वाणिज्यिक) सदस्य के रूप में शामिल है। यह कमिटी कम्पनी की सीएसआर नीति के अनुसार कम्पनी की गतिविधियों का नजर रखेगी। कम्पनी के पदस्त अधिकारी कम्पनी द्वारा लिये गये निर्णय को कार्यान्वित करेंगे।

3. **विगत तीन वित्तीय वर्ष (2011-12, 2012-13, 2013-14) हेतु कम्पनी का औसत शुद्ध लाभ :**

औसत शुद्ध लाभ रु. 59.69 करोड़ है।

4. **वर्ष 2014-15 हेतु निर्धारित सीएसआर व्यय बजट (उपरोक्त मद 3 में राशि का दो प्रतिशत) :**

रु. 1.2 करोड़

ह/-
(ए.के. गोयल)

Annexure–VI

ANNUAL REPORT ON CSR ACTIVITIES

1. **Brief outline of the Company's CSR Policy :**

   (A) Company has formulated a CSR and Sustainable Development Policy in line with the Companies Act 2013 which has been recommended by duly constituted CSR Committee of the Board and approved by the Board. The policy is available at Company's website www.mstcindia.co.in

   (B) The vision of the Policy is to inculcate culture of care of the underprivileged and distressed citizen by promoting education, healthcare & hygiene, encouragement of differently abled persons, etc.

   (C) Board shall constitute a CSR Committee with an independent director as Chairman. Nodal officers shall implement the decisions taken by the Committee. Company Secretary shall be secretary to the Committee.

   (D) The Committee shall recommend budget, the projects to be taken up, and the method of implementation. The Committee and the Board shall ensure that at least 2% of the average net profit of preceding 3 years is the budget for the current year.

   (E) Activities shall include all activities covered under Annexure to the CSR Policy of the Company which includes inter alia, items as provided under schedule VII of the Companies Act 2013 and DPE guidelines. Additionally any Govt. guideline instructions shall be considered by the Committee/Board.

   (F) MSTC shall also encourage collaborative projects with other PSUs, Govt. agencies, NGOs, if required, on the basis of merit of the project.

2. **Composition of the CSR Committee :**

   Pursuant to section 135 of the Companies Act, 2013 and Department of Public Enterprises(DPE) guidelines(which apply to all Central PSUs), a Board level CSR committee has been constituted with Shri A. K. Goyal, independent director, as chairman, Shri A. K. Basu, Director(Finance) and Shri B. B. Singh, Director(Commercial) as members. This committee oversees the CSR activities of the Company as per Company's CSR policy. Designated officers of the Company implement the decisions taken by the Committee.

3. **Average net profit of the company for last three financial years(2011-12, 2012-13, 2013-14) :** Average net profit is ₹ 59.69 crore.

4. **Prescribed CSR expenditure budget for 2014-15(two percent of the amount as in item 3 above)** : **₹ 1.2 crore.**

5. वित्तीय वर्ष 2014-15 के दौरान सीएसआर का विवरण

(क) वित्तीय वर्ष में खर्च हुई कुल राशि : रु. 1.28 करोड़ (बजट का 107 प्रतिशत)

(ख) बची राशि, यदि कोई है : शून्य

(ग) वित्तीय वर्ष के दौरान खर्च राशि का तरीका निम्न रूप में विवरणीत है :

1	2	3	4	5	6	7	8
क्र. सं.	सीएसआर प्रोजेक्ट सक्रिय चिह्नित गतिविधियां	प्रोजेक्ट जिस सेक्टर में प्रोग्राम आच्छादित है	प्रोजेक्ट या (बजट) 1. लोकल एरिया या अन्य 2. राज्य या जिला निर्दिष्ट करें जहाँ प्रोजेक्ट या प्रोग्राम कार्य में शामिल किया गया है	आउटले राशि अवधि तक प्रोजेक्ट या प्रोग्राम वार	समेकित व्यय रिपोर्टिंग	प्रोजेक्ट या प्रोग्राम पर व्यय राशि सब हेड : (1) प्रोजेक्ट या प्रोग्राम पर व्यय (2) ओवरहेड	व्यय राशि:- सीधे या कार्यान्वित एजेंसी के जरिए
1.	स्वच्छ विद्यालय अभियान के अंतर्गत स्कूल में टॉयलेट ब्लॉक्स का निर्माण	स्वास्थ्य एवं स्वच्छता	1. छत्तीसगढ़ के जासपुरजिला (24 अदद) एवं 2. मध्य प्रदेश का मोरेना (10 प्रदेश)	रु. 1.2 करोड़	रु. 1.20 करोड़	1. सीधे - रु. 1.20 करोड़ (2) ओवरहेड -शून्य	कार्यान्वित एजेंसी हिन्दुस्तान प्रीफेब लि., भारत सरकार का एक उपक्रम
2.	ग्रामीण सड़क का निर्माण (अवशेष भुगतान)	ग्रामीण परिवहन संरचना	हुगली जिला, पश्चिम बंगाल	शून्य	रु. 0.08 करोड़	1. सीधे - रु. 0.08 करोड़ 2. ओवरहेड शून्य	कार्यान्वित एजेंसी मेसर्स हिन्दुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लि. (एचएससीएल), भारत सरकार का एक उपक्रम

6. यह उल्लेख किया गया है कि सीएसआर नीति का कार्यान्वयन एवं निगरानी कम्पनी के सीएसआर उद्देश्य एवं नीति के अनुपालन में है।

एस.के. त्रिपाठी
(अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक)

ह/-
ए.के. गोयल
(चेयरमैन सीएसआर कमिटी)

5. Details of CSR spent during the financial year 2014-15

(a) Total amount spent for the financial year: ₹ 1.28 crore (107 % of budget)

(b) Amount unspent, if any : Nil

(c) Manner in which the amount spent during the financial year is detailed below :

1	2	3	4	5	6	7	8
Sl. No.	CSR project or activity identified	Sector in which the project is covered	Projects Or programs 1. Local area or other 2. Specify the state & district where projects or programs were undertaken	Amount outlay (budget) project or program wise	Cumulative expenditure up to the reporting period	Amount spent on the projects or programs Sub heads : 1. Direct expenditure on projects or programs 2. Overheads	Amount spent Direct or through implementing agency
1.	Construction of toilet blocks in schools under Swachh Vidyalaya Abhiyan	Health and Sanitation	1. Jashpur district of Chhattisgarh (24 Nos.) & 2. Morena of Madhya Pradesh (10 Nos.)	₹ 1.2 crore	₹ 1.2 crore	1. Direct - ₹ 1.2 crore 2. Overheads-NIL	Implementing Agency M/s. Hindustan Prefab Ltd., a Govt. of India undertaking
2.	Construction of rural road (Balance Payment)	Rural Transport infrastructure	Hooghly District, West Bengal	NIL	₹ 0.08 crore	1. Direct - ₹ 0.08 crore 2. Overhead-NIL	Implementing Agency M/s. Hindustan Steelworks Construction Ltd. (HSCL), a Govt. of India undertaking

6. It is stated herewith that the implementation and monitoring of CSR Policy is in compliance with CSR Objective and Policy of the Company.

S. K. Tripathi
(Chairman cum Managing Director)

A. K. Goyal
(Chairman CSR Committee)

अनुलग्नक-VII

CS SAUMAYO JYOTI SEAL
Phone : 9038065836
8100909418

City off :
49A,Nirmal Chandra Street, Kolkata
Rege.off :
324, Bunokalitala, Chinsurha,
Hooghly-712101, W.B.

प्रपत्र-एमआर-3

सचिवीय लेखा परीक्षा प्रतिवेदन

31 मार्च 2015 को समाप्त हुए वित्त वर्ष हेतु

(कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 204 (1) एवं कंपनी (प्रबंधकीय कार्मिक की नियुक्ति एवं पारिश्रमिक) नियम, 2014 के नियम सं. 9 के तहत)

सेवा में,
सदस्यगण
एमएसटीसी लि.,

मैंने एमएसटीसी लि. (तत्पश्चता कंपनी के रूप में उल्लिखित) द्वारा किए गए अच्छे निगमित कार्यों के वैधानिक प्रावधानों और उसके अनुपालन की सचिवीय लेखा परीक्षा की है। सचिवीय लेखा परीक्षा वैधानिक अनुपालन के नियमों के अनुसार उचित कारणों का मूल्यांकन की गयी, जिसके अनुसार मैं अपने विचार व्यक्त कर रहा हूँ।

एमएसटीसी लि. की पुस्तकों, दस्तावेज मिनट पुस्तिका, प्रपत्रों एवं दाखिल रिटर्न व अन्य अभिलेखों जिन्हें कम्पनी ने तैयार किया है उनकी जांच और कंपनी के अधिकारियों, एजेंटों व अधिकृत प्रतिनिधियों जिन्होंने लेखा परीक्षा के दौरान कंपनी का प्रतिनिधित्व किया, उनसे मिली जानकारियों और प्रबंधन द्वारा दी गयी जानकारी व अपनी जांच के आधार पर मैं यहां कंपनी के 31 मार्च, 2015 को समाप्त हुए वित्त वर्ष के लेखा परीक्षा अवधि के बारे में अपनी राय व्यक्त कर रहा हूँ। आमतौर पर कंपनी ने यहां के सूचीबद्ध वैधानिक प्रावधानों का अनुपालन किया। कंपनी ने बोर्ड की प्रक्रिया और अनुपालन की पद्धति का यहां दी गयी रिपोर्ट में उल्लेख के अनुसार पालन किया।

मैंने कंपनी की पुस्तकों/बुक्स, कागजात, मिनट पुस्तिका, प्रपत्रों, दाखिल रिटर्न व अन्य अभिलेखों को जिन्हें एमएसटीसी लि. ने 31 मार्च 2015 को समाप्त हुए वित्त वर्ष के लिए तैयार किया व जिन्हें मुझे उपलब्ध कराया गया। उनकी इन लागू प्रावधानों के अनुसार मैंने जांच की।

i. कंपनी अधिनियम 2013 (अधिनियम) और उसमें तैयार नियम जैसे लागू हों :

ii. सिक्यूरिटीज कांट्रेक्ट (रेगुलेशन) अधिनियम 1956 ('एससीआरए') व वहां बने नियम

iii. डिपजिटरी एक्ट 1996 एवं नियमन तथा उसमें तैयार किए गए उप कानूनों के अनुसार

लागू नहीं

SAUMAYO JYOTI SEAL * KOLKATA * COMPANY SECRETARY : CP-11169

ई-मेल : seal.saumayo@gmail.com

Annexure–VII

CS SAUMAYO JYOTI SEAL
Phone : 9038065836
8100909418

City off :
49A,Nirmal Chandra Street, Kolkata
Rege.off :
324, Bunokalitala, Chinsurha,
Hooghly-712101, W.B.

FORM NO. MR-3

SECRETARIAL AUDIT REPORT

FOR THE FINANCIAL YEAR ENDED 31ST MARCH, 2015

(Pursuant to Section 204 (1) of the companies act, 2013 and rule No. 9 of the Companies (Appointment and Remuneration of Managerial Personal) Rules, 2014)

To
The Members,
MSTC Ltd.

I have conducted the secretarial audit of the compliance of applicable statutory provision and the adherence to good corporate practices by MSTC Limited (hereinafter called the company). Secretarial Audit was conducted in a manner that provides me a reasonable basis for evaluating the corporate conducts/statutory compliances and expressing my opinion thereon.

Based on my verification of the MSTC Limited's books, paper, minute books, forms, and return filed and other records maintained by the company and also the information provided by the company, its officers, agents and authorized representative during the conduct of secretarial audit and as per the explanations given to me and the representation made by the management, I hereby report that in my opinion, the company has, during the audit period covering the financial year ended on 31st March, 2015 generally compiled with the statutory provisions listed hereunder and also that company has proper Board process and compliance mechanism in place to the extent, in the manner and subject to the reporting made hereinafter :

I have examined books, papers, minute books, forms and returns filed and other records made available to me and maintained by the MSTC Limited for the financial year ended on 31st March, 2015 according to the applicable provision of :

i. The Companies Act, 2013 ('the Act') and the rules made there under, as applicable :

ii. The Securities contract (Regulation) Act, 1956 ('SCRA') and the rules made there under

iii. The Depository Act, 1996 and the regulation and Bye-laws framed there under.

NOT APPLICABLE

SAUMAYO JYOTI SEAL * KOLKATA * COMPANY SECRETARY : CP-11169

Saumyajyoti Seal

e-mail : seal.saumayo@gmail.com

iv. विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम 1999 और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश. प्रत्यक्ष समुद्रीयपार निवेश और विदेशी वाणिज्यिक लेनदारी के तहत बने नियम कानून।

अप्रायोज्य

v. भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड अधिनियम, 1992 ('सेबी अधिनियम') के अंतर्गत निर्धारित निम्नलिखित नियमावली एवं दिशा-निर्देश

क. भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (पर्याप्त शेयरों के अधिग्रहण व खरीद) नियम, 2011

अप्रायोज्य

ख. भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (भीतरी ट्रेडिंग पाबंदी) नियम, 1992;

अप्रायोज्य

ग. भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (पूंजी एवं प्रकटीकरण आवश्यकताओं का मुद्दा) नियम, 2009 एवं

अप्रायोज्य

vi. प्रबंधन द्वारा किये गये अभ्यावेदन के अनुसार कम्पनी हेतु प्रायोज्य अन्य कानून

मैंने निम्न प्रायोज्य खंडों के अनुपालन की भी जांच की :

i. अधिनियम एवं नियमों के अंतर्गत निर्दिष्ट बोर्ड एवं साधारण सभाओं के सम्बन्ध में इंस्टीट्यूट ऑफ कम्पनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया के सचिवीय मानक 1 जुलाई, 2015 से बाध्यतामूल्क किये गये हैं। तथापि वर्ष 2014-15 के दौरान भी इंस्टीट्यूट द्वारा जारी सचिवीय मानक, जो बाध्यतामूलक नहीं है, के साथ अनुपालन किया गया है।

ii. कंपनी द्वारा बीएसई व नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लि. के साथ किए गये सूचीबद्धता संबंधी समझौते

प्रयोज्य नहीं

समीक्षा की अवधि में कंपनी ने मुझे दी गई जानकारी व सप्ष्टीकरण तथा प्रबंधन द्वारा दी गयी जानकारी के अनुसार आमतौर पर अधिनियम के प्रावधान, नियमों, नियमनों, दिशा-निर्देशों आदि का पालन किया जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है। तथापि, कंपनी रजिस्ट्रार के समक्ष कंपनी के कुछ प्रपत्र निर्धारित तिथि के बाद जमा किये।

मैं और जानकारी देना चाहता हूँ कि

कंपनी के निदेशकों के बोर्ड का गठन समुचित रूप से कार्यकारी निदेशकों, गैर कार्यकारी निदेशकों व स्वतंत्र निदेशकों के समुचित संतुलन के साथ हुआ। निदेशकों के बोर्ड में परिवर्तन जो इस अवधि के दौरान हुए वे अधिनियम के अनुपालन के साथ हुए। बोर्ड की सभी बैठकों के बारे में सभी निदेशकों को पर्याप्त कम से कम 7 दिन पहले नोटिस दी गयी। बैठक के मुद्दे व विस्तृत टिप्पणी अग्रिम रूप से भेज गए और बैठक के मुद्दों के बारे में सूचनाएं देने, स्पष्टीकरण आदि की प्रक्रिया अपनायी गयी, जिससे बैठक में सार्थक भागीदारी हो सके।

प्रबंधन द्वारा उपलब्ध कराई गयी जानकारी के अनुसार बोर्ड की बैठकों में आम सहमति से निर्णय लिए गए।

मैं आगे प्रबंधन की तरफ से मुझे दिये गए स्पष्टीकरण एवं किए गये प्रतिनिधित्व के अनुसार प्रतिवेदन करता है तथा मेरा जवाब उस पर निर्भर है, उस पर मेरे विश्वास के अनुसार कंपनी ने अपने आकार व परिचालन के अनुसार सभी लागू कानूनों, नियमनों, दिशा-निर्देशों आदि को लागू करने की उपयुक्त पद्धति व प्रक्रिया अपनाया है।

मैं यह भी कहना चाहता हूं कि लेखा परीक्षा की अवधि में ऐसी कोई निर्दिष्ट घटना/कार्रवाई नहीं हुई जिसका कंपनी मामलो, उपरोक्त कानूनो, नियमों, नियमाकों, मानकों, जैसा कि ऊपर उल्लेख है, को लागू करने में कोई असर पड़ा है।

यह रिपोर्ट मेरे द्वारा नीचे दी गई टिप्पणी के साथ पढ़ी जाए।

टिप्पणी:

1. सचिवीय रिकार्ड रखने की जिम्मेदारी कंपनी प्रबंधन की है और मेरा कार्य इन सचिवीय रिकार्डों पर आधारित लेखा परीक्षा पर विचार व्यक्त करता है।

2. सचिवीय रिकार्डों की सत्यता से जुड़े उपयुक्त आश्वासन की दिशा में मैंने ऑडिट कार्य व प्रक्रिया का पालन किया। लेखा परीक्षा इस आधार पर की गई है कि सचिवीय रिकार्डों की जांच के आधार पर सुनिश्चित हो और लेखा परीक्षा में सही तथ्य परिलक्षित हो। मैंने जो प्रक्रिया व पद्धति अपनायी उस आधार पर मेरे विचार व्यक्त करने के पर्याप्त आधार है।

3. मैंने कंपनी के वित्तीय रिकार्डों और खाता-बही की सत्यता व उपयुक्तता की जांच नहीं की।

4. जब भी जरूरत पड़ी मैंने कंपनी के प्रतिनिधियों से नियमों नियामकों, घटनाओं आदि के बारे में जारी ली।

5. निगमित व अन्य लागू कानूनों, नियमों नियमनों, मानकों के अनुपालन की जिम्मेदारी प्रबंधन की है। मेरी जांच इनकी परीक्षण प्रक्रिया के जांच के आधार पर रही।

6. सचिवीय लेखा परीक्षा प्रतिवेदन न तो कंपी भविष्य की संभाव्यता का न तो आश्वासन है औ न ही कंपनी मामलों में प्रबंधन के आचरण की दक्षता या प्रभाविकता का।

SAUMAYO JYOTI SEAL * KOLKATA * COMPANY SECRETARY : CP-11169

सीएस सौम्यो ज्योति सील
एसीएस : 30311
सी.पी. नं. : 11169

स्थान: कोलकाता
दिनांक : 29.6.2015

iv. Foreign Exchange Management Act, 1999 and the rules and regulations made there under to the extent of Foreign Direct Investment, Overseas Direct Investment and External Commercial borrowing :

NOT APPLICABLE

v. The following regulations and guidelines prescribed under the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (SEBI Act') :

a. The securities and exchanges Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 2011 :

NOT APPLICABLE

b. The Securities and exchanges Board of India (Prohibition of Insider Trading) Regulation, 1992;

NOT APPLICABLE

c. The Securities and exchanges Board of India (issue of Capital and disclosure Requirements) Regulation, 2009; and

NOT APPLICABLE

v. Other laws applicable to the company as per the representations made by the Management.

I have also examined compliance with the applicable clauses of the following :

i. Secretarial Standards of the Institute of Company Secretaries of India with respect Board and general meetings specified under the Act and Rules have been made mandatory from 1st July, 2015. However, even during the year 2014-2015, the Secretarial Standards as issued by the Institute, which were not mandatory, have been complied with

ii. The Listing agreements entered into by company with BSE limited and National Stock Exchange of India limited.

NOT APPLICABLE

During the period under review and as per the explanations and clarifications given to me and the representation made by management, the company has generally complied with the provision of the Act, Rules, Regulations, Guidelines, etc. mentioned above. However, with respect to filing of forms to Registrar of Companies some forms were filed after the due dates.

I further report that

The Board of Directors of the company is duly constituted with proper balance of Executive Directors, Non-Executive Directors and Independent directors. The Changes in the composition of the Board of Directors that took place during the period under review were carried out in compliance with the provision of the Act. Adequate notices were given to all directors of at least sevent days in advance in case of all Board Meetings. Agenda and detailed notes on agenda were sent in advance and a system exists for seeking and obtaining further information and clarifications on the agenda items before the meeting and for meaningful participation at the meeting.

Decisions at the board meeting, as represented by the management, were taken unanimously.

I further report as per the explanation given to me and the representation made by the Managment and relied upon by me, there are adequate systems and processes in the company commensurate with the size and operations of the company to the monitor and ensure compliance with applicable laws, rules, regulations and guidelines.

I further report that during the audit period, no such specific events/actions having a major bearing on the company's affairs in pursuance of the above referred laws, rules, regulations, guidelines, standards, etc. referred to above, have taken place.

This report is to be read with my note appended below of even date.

NOTE :

1. Maintenance of secretarial records is the responsibility of Management and my assignment is to express an opinion on these secretarial records based on my audit.
2. I have followed the audit practices and process as were appropriate to obtain reasonable assurance about the correctness of the contents of the Secretarial records. The verification was done on test basis to ensure that correct facts are reflected in secretarial records. I believe that the process and practices, I followed provide a reasonable basis for my opinion.
3. I have not verified the correctness and appropriateness of financial records and Books of Accounts of the company.
4. Whereever required, I have obtained the management representative about the compliance of laws, rules and regulations and happening of events etc.
5. The Compliance of the provision of corporate and other applicable laws, rules, regulation, standards is the responsibility of management. My examination was limited to the verification of procedure on test basis.
6. The secretarial audit report is neither an assurance as to the future viability of the company nor of the efficacy or effectiveness with which the management has conducted the affirs of the company.

CS SAUMAYO JYOTI SEAL

Place : Kolkata

ACS : 30311

Date : 29.6.2015

C. P. No. : 11169

निदेशक मंडल की रिपोर्ट का अनुलग्नक-VIII/ए
Annexure-VIII/A to Directors' Report

31मार्च, 2015 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए एमएसटीसी लिमिटेड के एकल वित्तीय विवरण पर सांविधिक लेखा परीक्षक की टिप्पणियों/अवलोकनों पर प्रबंधन का उत्तर

Management Replies to Comments/Observations of the Statutory Auditors on the stand alone Financial Statement of MSTC Ltd. for the financial year ending 31st March, 2015

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पैरा सं. Auditors' Report Para No.	टिप्पणियाँ/अवलोकन योग्य मत Comments / observations QUALIFIED OPINION	प्रबंधन के उत्तर Management's Replies
i.	निर्यात पर विदेशी मुद्रा के उतार-चढाव पर लाभ/हानि लेखे पर नोट के नोट सं. 15 (ए) पर संदर्भ आमंत्रित किए जाते हैं, जिसे एएस-II के अनुसार लेखाबद्ध नहीं किया गया है। यदि एएस-II का अनुपालन कंपनी करती तो मुद्रा लाभ वर्ष के दौरान रु. 35551 लाख बढ़ जाता (संचयी रु. 26074 लाख दिनांक 31.03.2015 तक)। इसके परिणामस्वरूप व्यापार प्राप्त रु. 26074 लाख कम बताया गया है। करार के अनुसार, उपर्युक्त से संबंधित विदेशी मुद्रा का लाभ/हानि उस रकम तक संबद्ध आपूर्तिकर्त्ताओं पर डाल दिया गया है, जो उन्हें देय है। इस प्रकार व्यापार देय को रु. 25683 लाख कम बताया गया है और उपर्युक्त लाभ के शुद्ध प्रभाव के कारण वर्ष के लिए कंपनी का शुद्ध लाभ रु. 53 लाख कम दिखाया गया है (संचयी रु. 391 लाख दिनांक 31.03.2015 तक)	सामान्य स्वर्ण आभूषणों के निर्यात हेतु प्राप्य राशि पर मुद्रा विनिमय की दर में उतार-चढ़ाव के कारण लाभ के मार्जिन तक ही खाते पर ही सिर्फ प्रभाव पड़ा है। उनकी वसूली में अनिश्चितता के कारण, जो विचाराधीन भी है, प्रभाव (लाभ) को खाते में नहीं दिखाया गया है एवं वह लेखा नीति की पैरा 1.13 के अनुसार भी है।
	Reference is invited to Note No. 15 (a) of Notes to Accounts, Gain / Loss on Foreign Exchange Fluctuation on exports are not accounted for as per AS-11. Had the Company complied with AS-11, exchange gain would have increased by ₹ 3555 lacs for the year (cumulative ₹ 26074 lacs upto 31.03.2015). Consequently Trade Receivables are understated by ₹ 26074 lacs. As per agreement, exchange gain / loss relating to above is passed on to associate suppliers upto the amount payable to them. Thus Trade Payables are understated by ₹ 25683 lacs and net effect of the above gain leads to understatement of profit of the Company ₹ 53 lacs for the year (cumulative ₹ 391 lacs upto 31.03.2015).	The impact in the books arises only to the extent of mark up (profit margin on the amount of exchange fluctuation on receivables against export of plain gold jewellery. Due to uncertainty in their realization, which is also subjudice, the impact (gain) has not been taken in books and the same is also in line with para 1.13 of the Accounting Policy.
ii.	व्यापार से प्राप्य लंबित पुष्टीकरण/शेष राशि के मिलान तथा वर्तमान देयताएं तथा मिलान से उत्पन्न हो सकने वाले परिणामी समायोजन, जो शेष राशि के मिलान के उत्पन्न हो सकता है के विषय के संबंध में टिप्पणी सं. 28 के लिए संदर्भ आमंत्रित किया गया है।	कोई टिप्पणी नहीं
	Reference is invited to Note no. 28 of Notes on Account relating to pending confirmation / reconciliation of balances of Trade Receivables and Trade Payables and its consequential adjustment that may arise on reconciliation.	No Comment.

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पैरा सं. Auditors' Report Para No.	टिप्पणियाँ/अवलोकन योग्य मत Comments/ observations QUALIFIED OPINION	प्रबंधन के उत्तर Management's Replies
iii.	जैसा कि लेखा पर टिप्पणी की टिप्पणी सं. 15 (बी) में बताया गया है, व्यापार प्राप्य में वर्ष 2008-09 में 46 पार्टियों से जुड़े स्वर्ण अलंकार के निर्यात के लिए रु. 59863 लाख शामिल है, जिसकी वसूली विभिन्न स्तरों पर कानूनी विवाद के अधीन है। सीबीआई एवं ईडी दिनांक 26.10.2010 से मामले की जांच कर रही है। ईसीजीसी के समक्ष रु. 45075 लाख का दावा प्रस्तुत किया गया है परंतु ईसीजीसी द्वारा दावे को नकार दिया गया। कंपनी ने ईसीजीसी के खिलाफ उनके द्वारा बीमाकृत क्रेताओं के विरुद्ध बकाया राशि के लिए राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (एनसीडीआरसी) के पास मामला दायर किया। आयोग ने दिनांक 16.04.2014 को दिए आदेश में कहा कि इस मामले पर राय देने का न्यायाधिकार क्षेत्र उनका नहीं है। कंपनी ने इस मामले को मंत्री स्तर पर ले गई तथा माननीय सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष इस आदेश के खिलाफ संविधिक अपील दायर किया। मामले न्यायालय के समक्ष अब भी लंबित है। कंपनी ने यूएई, सिंगापुर तथा कुवैत में विदेशी क्रेताओं के खिलाफ 46 कानूनी मामले दायर किया है। सभी 46 मामले का निर्णय एमएसटीसी के पक्ष में दिया गया एवं सभी निष्पादनाधीन है। परंतु इनके तहत अब तक कोई रकम वसूल नहीं हुई है। एक सहायिका मेसर्स उस्मा ज्वेलरी एंड पैकेजिंग एक्सपोर्ट्स (प्रा.) लि. ने रु. 12400 लाख कीमत की भू संपत्ति (सरकारी पंजीकृत मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा वर्ष 2014 में मूल्यांकन) गिरवी रखी है। उक्त गिरवी पर रखी संपत्ति की बिक्री/अंतरण के लिए मुंबई उच्च न्यायालय में एक रिट याचिका दायर किया गया है। मामले की जांच कर रही सीबीआई एवं ईडी ने रु. 24040 लाख की संपत्तियां तथा परिसंपत्तियां (जिसमें रु. 12400 लाख की भूमि एवं रु. 3979 की चल संपत्ति शामिल है) जब्त की है। एमएसटीसी ने रु. 900 लाख की रकम के अंतरण के लिए सीबीआई न्यायालय को अनुरोध किया था, यह राशि पिछले वर्ष के दौरान प्राप्त हो गई। सीबीआई/ईडी द्वारा चल संपत्ति के रूप में जब्त की गई रु. 3079 लाख की शेष रकम के अंतरण के लिए आवेदन दाखिल किया है। हालांकि, पिछले वर्षों के दौरान किए गए रु. 900 लाख के प्रावधान के अतिरिक्त वर्ष के दौरान अशोध्य एवं संदिग्ध ऋण के रूप में रु. 22678 लाख की रकम के लिए एक प्रावधान किया गया। हमें उपरोक्त व्यापार प्राप्य रकम की वसूली के प्रति संदेह है, जो 6 वर्षों से भी अधिक समय से बकाया है तथा हमारे विचार से रु. 35385 लाख की राशि हेतु एक और प्रावधान किया जाना चाहिए। इस वजह से हानि को कम दिखाया गया तथा प्रावधान में भी रु. 35385 लाख की कमी है।	वर्ष 2008-09 में स्वर्ण अंलकार के निर्यात के खाते में रु. 59863 लाख का कुल प्राप्य है। क्रेताओं से एकदम वसूली नहीं होने की स्थिति में उपरोक्त बकाया के तहत समायोजन के लिए ईएमडी के साथ एसोसियेट्स से रु. 2990 लाख की कुल राशि रखी गई। सीबीआई/ईडी ने अन्य विषयों के एसोसियेट्स से रु. 3979 लाख कीमत की चल संपत्तियां वसूल की है, जिसके अंतरण के लिए एमएसटीसी ने सीबीआई न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है तथा इसके तहत दिनांक 31.03.2014 तक रु. 900 लाख की राशि प्राप्त हुई है। एक प्राप्य क्रय अनुबंध के अधीन रु. 16916 लाख की कीमत का प्राप्य स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक (एससीबी) के पास बिक्री कर दी गई है तथा जिसके लिए एससीबी के पास एमएसटीसी के प्रति कोई वैध दावा नहीं है। इसके अलावा, मेसर्स उस्मा ज्वेलर्स एंड पैकेजिंग एक्सपोर्ट्स प्रा. लि., एक एसोसियेट्स, ने विदेशी क्रेताओं के भुगतान में चूक को पूरा करने के लिए एमएसटीसी के पास भू संपत्ति गिरवी रखी है, जिसका वर्तमान मूल्य रु. 12400 लाख है। उक्त संपत्ति की बिक्री की जा सकती है एवं उससे प्राप्त रकम को विदेशी क्रेताओं के ऊपर उल्लेखित बकायों के प्रति समायोजित किया जा सकता है। उपरोक्त परिस्थितियों पर विचार करने के उपरांत, कुल शेष बकाया अनाच्छादित रकम रु. 23578 लाख है। एमएसटीसी द्वारा ईसीजीसी के समक्ष किए गए दावे (जिसकी वसूली के लिए एनसीडीआरसी के समक्ष मामला दायर किया गया है) ऊपरोक्त रु. 23578 लाख से कहीं ज्यादा है। मामले को सिविल कोर्ट अथवा अन्य किसी भी समुचित फोरम में दाखिल करने के एनसीडीआरसी द्वारा दिनांक 16.4.2014 को दिए गए निर्णय के खिलाफ कंपनी ने सर्वोच्च न्यायालय में एक संविधिक अपील दायर किया है तथा वह अब तक लंबित है। न्यायालय के हस्तक्षेप के बगैर विवाद के निपटान के लिए सरकारी नीति के अनुसार समाधान के लिए इस मामले के संबंध में सरकार के साथ भी सामंजस्य की कायम है। एमएसटीसी को ईसीजीसी से सम्पूर्म बीमा दावा प्राप्त होने की उम्मीद है। उपरोक्त के मद्देनजर, रु. 23578 लाख के पहले से किए गए प्रावधान के अलावा खाते में अन्य कोई प्रावधान की आवश्यकता नहीं है।

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पैरा सं. Auditors' Report Para No.	टिप्पणियाँ/अवलोकन योग्य मत Comments/ observations QUALIFIED OPINION	प्रबंधन के उत्तर Management's Replies
	As stated in Note no.15(b) of Notes on Account, Trade Receivables includes ₹ 59863 lacs for export trade receivable of gold jewellery done in the year 2008-09 involving 46 parties and recovery of which are under litigation at various levels. CBI and ED have been investigating the matter since 26.10.2010. Claims have been lodged with ECGC for ₹ 45075 lacs but the claims have been repudiated by the ECGC. The Company has initiated the cases against ECGC for the dues against buyers insured by them with National Consumer Disputes Redressal Commission (NCDRC) who has ordered the Company vide order on 16.04.2014 that it has no jurisdiction to judge the matter. The Company has taken up the matter at Ministry level and has filed statutory appeal to Hon'ble Supreme Court against this order. The matter is still pending before the Court. The company has filed 46 legal cases against the foreign buyers in UAE, Singapore and Kuwait. All the 46 judgments have been awarded in favour of MSTC and all the same are under execution. Till now no money has been recovered against these awards. One of the Associates, namely, M/s Ushma Jewellery & Packaging Exports (P) Ltd has mortgaged landed property worth ₹ 12400 lacs (valuation in 2014 by Govt. Registered valuer). A writ petition for sale/transfer of the said mortgaged property has been filed at the Mumbai High Court. CBI and ED investigating the matter have seized assets and properties worth ₹ 24040 lacs (including land valued ₹ 12400 lacs & liquid assets worth ₹ 3979 lacs). MSTC have approached CBI court requesting for permission to transfer of an amount of ₹ 900 lacs which had been received during the previous year. Applications are being made for transfer of remaining amount seized by CBI/ED in the form of liquid assets worth ₹ 3079 lacs. However, a provision has been made for an amount of ₹ 22678 lacs as bad and doubtful debts during the year in addition to ₹ 900 lacs provisions made during earlier years. We are doubtful about the recovery of the above Trade Receivables which are due for more than 6 years and in our opinion, a further provision should be made for ₹ 35385 lacs. This has resulted in overstatement of profit and also understatement of provision by ₹ 35385 lacs.	There is total receivable of ₹ 59863 lacs on account of export of gold jewellery in the year 2008-09. A total amount of ₹ 2990 lacs retained from Associates including EMD is available for adjustment against above dues in case of ultimate non-realization from buyers. CBI/ED inter alia recovered liquid assets worth ₹ 3979 lacs from the Associates for transfer of which MSTC has approached CBI court and against this an amount of ₹ 900 lacs has already been received. Receivables worth ₹ 16916 lacs have already been sold to Standard Chartered Bank (SCB) under a Receivable Purchase Agreement and for which SCB do not have any valid claim on MSTC. Further, M/s. Ushma Jewellery and Packaging Exports Pvt. Ltd., one of the associates have mortgaged landed properties to MSTC to cover the default against the foreign buyers, the value of which is around ₹ 12400 lacs. The said properties can be sold and proceeds there from can be adjusted against aforesaid dues of foreign buyers. After considering above, the net amount of dues remaining uncovered is ₹ 23578 lacs. MSTC's claim with ECGC (for recovery of which cases had been filed in NCDRC) is much more than aforesaid amount of ₹ 23578 lacs. The Company has filed a statutory appeal in the Supreme Court against the NCDRC order dated 16.4.2014 referring the matter to Civil Court or any other appropriate forum and the same is still pending. The matter is also being simultaneously followed up with the Govt. for settlement as per the Govt.'s policy to settle the dispute without intervention of Court. MSTC is hopeful to realize the full insurance claim from ECGC. In view of above, no further provision is required to be made in the books further to the provision of ₹ 23578 lacs already made.

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पैरा सं. Auditors' Report Para No.	टिप्पणियाँ/अवलोकन योग्य मत Comments/ observations QUALIFIED OPINION	प्रबंधन के उत्तर Management's Replies
iv.	वित्त वर्ष 2008-09 के दौरान सामग्री की आपूर्ति के लिए सेसा इंटरनेशनल लिमिटेड (सेसा) से रु. 6055 लाख की व्यापार प्राप्य की रकम से संबंधित लेखें के नोट के अंतर्गत नोट सं. 15 (सी) के उल्लेखानुसार जिसके विरुद्ध कंपनी द्वारा पंचाट प्रक्रिया प्रारंभ की गई है, जो प्रगति पर है। एमएसटीसी के खाते से त्रुटिवश रु. 3656 लाख की राशि नामे किए जाने के खिलाफ कंपनी ने इंडिनय ओवरसीज बैंक (आईओबी) के विरुद्ध कलकत्ता उच्च न्यायालय में एक मामला भी दायर किया है। बंदरगाह में पड़ी हुई पूरी सामग्री के स्टॉक रु. 102 लाख में बिक्री कर दी गई, जिसे न्यायालय के आदेश के अनुसार रिसीवर के पास रखा गया है। हमें उक्त व्यापार प्राप्य की राशि की वसूली के प्रति संदेह है। हालांकि, कंपनी ने पिछले वर्ष के दौरान रु. 3000 लाख का प्रावधान किया है तथा हमारे विचार से शेष राशि रु. 2953 लाख के लिए भी प्रावधान किया जाना आवश्यक है। परिणामस्वरूप लाभ अधिक बताया गया है एवं रु. 2953 लाख का कम प्रावधान बताया गया है। As stated in Note No. 15 (c) of Notes on Account relating to Trade Receivables amounting to ₹ 6055 lacs from Sesa International Ltd. (Sesa) for supply of materials during the F.Y. 2008-09 against which arbitration proceeding has been initiated by the Company and is in progress. The Company has also filed a suit in Calcutta High Court against Indian Overseas Bank (IOB) for their wrong debit to MSTC account for an amount of ₹ 3656 lacs. Stock of entire material lying at port was sold at ₹ 102 lacs which are kept with the receiver as per Court order. We are doubtful about the recovery of the above Trade Receivables. However, the Company has made a provision for ₹ 3000 lacs during the previous year and in our opinion further provision should be made for the balance amount of ₹ 2953 lacs. This has resulted in overstatement of profit and understatement of provision by ₹ 2953 lacs.	एमएसटीसी ने रु. 3656 लाख के दावे के साथ आईओबी के खिलाफ कलकत्ता उच्च न्यायालय में एक मामला दायर किया है, जो एमएसटीसी के बैंक खाते में त्रुटिवश नामे की गई सामग्रियों के मूल्य एवं कानूनी व्यय के दर्शाता है, जिसके लिए लंदन न्यायालय द्वारा दस्तावेज असंगत पाए गए परंतु आईओबी आपूर्तिकर्त्ता के बैंक को समय उसे वापस करने में असफल रही। इसके लिए दस्तावेज की जांच सम्पूर्ण कर ली गई है एवं आईओबी कोई भी स्वीकारयोग्य दस्तावेज प्रस्तुत करने में असफल रहा, जिससे यह प्रमाणित हो सके कि उनके पास एमएसटीसी के निर्देशानुसार दस्तावेज धारित था। इस मामले की सुनवाई यथाशीघ्र शुरू होगी। एमएसटीसी को अपने पक्ष में राय मिलने की उम्मीद है। अतएवं इस चरण में किसी भी प्रावधान की जरूरत नहीं है। MSTC has filed a Suit in Calcutta High Court against IOB claiming ₹ 3656 lacs representing the value of materials and legal expenses wrongfully debited to MSTC Bank Account for which documents, were found to be discrepant by the London Court but IOB defaulted in returning the same to the supplier's bank on time. Inspection of documents has since been completed for the same and IOB has failed to produce any acceptable document proving that they were holding back the documents under MSTC's instruction. Hearing against the suit is to commence shortly. MSTC is hopeful that the judgment will come in its favour. Hence no provision is required to be made at this stage.
v.	व्यापार प्राप्य में शामिल है मेसर्स बालाजी इंडस्ट्रिज लिमिटेड (जेबीआईएल) से रु. 12546 लाख की बकाया राशि जिसके लिए पिछले तीन वर्षों से सामग्रियां पड़ी हुई है। दिनांक 31.03.2014 तक ब्याज के साथ मूल धन के वर्ष 2017-18 तक वार्षिक किस्तों में भुगतान तथा उसके उपरांत किस्तों में ब्याज के भुगतान के मैत्रीपूर्ण तरीके से निपटान के लिए कंपनी द्वारा दायर समापन याचिका के खिलाफ माननीय उच्च न्यायालय कलकत्ता ने दिनांक 14.07.2014 को राय दी। जेबीआईएल को वर्ष 2014-15 के लिए प्रति महीना न्यूनतम रु. 200 लाख का भुगतान करना था परंतु कंपनी ने वर्ष 2014-15 के	मेसर्स जय बालाजी इंडस्ट्रिज लिमिटेड के खिलाफ दायर मामले के समापन के न्यायालय के आदेश के अनुसार उन्हें वित्त वर्ष 2014-15 में रु. 2000 लाख का भुगतान करना था परंतु वे सिर्फ रु. 340 लाख का भुगतान किया। वित्त वर्ष 2015-16 के दौरान जुलाई तक उन्होने रु. 212 लाख का भुगतान किया। इस्पात बाजार की विपरीत दशा के चलते उनके संयंत्र कम उत्पादन क्षमता के साथ परिचालित है। इस्पात बाजार में सुधार होने के साथ भुगतान की स्थिति में भी सुधार होने की उम्मीद है। पार्टी पर दवाब कायम करने के उद्देश्य से समापन याचिका के पुनः प्रवर्तन के लिए आवेदन दाखिल किया गया है। स्वतंत्र जांच एजेंसी द्वारा किए गए अनुमापी आंकलन में भौतिक स्टॉक को बुक स्टॉक के अनुरूप पाया गया। एमएसटीसी को सम्पूर्ण बकाया राशि की वसूली की उम्मीद है।

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पैरा सं. Auditors' Report Para No.	टिप्पणियाँ/अवलोकन योग्य मत Comments/ observations QUALIFIED OPINION	प्रबंधन के उत्तर Management's Replies
	दौरान सिर्फ रु. 340 लाख का भुगतान किया। न्यायालय में प्रतिबद्धता जताने के वाबजूद भुगतान में इस आवर्ती विफलता के कारण रकम वसूली के अवसर संदिग्ध है। गिरवी रखे गए स्टॉक के वसूली योग्य मूल्य पर विचार किए जाने के उपरांत, हमारे विचार से वर्ष के दौरान रु. 6273 लाख का प्रावधान किया जाना चाहिए। इसके फलस्वरूप लाभ अधिक एवं एवं रु. 6273 लाख का प्रावधान कम दर्शाया गया है।	
	Trade Receivable includes ₹ 12546 lacs due from M/s. Jai Balaji Industries Limited (JBIL) for which material lying un-lifted for last three years. The Hon'ble High Court Calcutta has given judgement on 14.07.2014 against winding up petition filed by the Company for amicable settlement with payment of principal alongwith interest till 31.03.2014 payable in annual instalments upto 2017-18 and further interest to be paid in instalments thereafter. JBIL was to pay ₹ 2000 lacs with a minimum of ₹ 200 lacs per month for the year 2014-15 but the company paid only ₹ 340 lacs during 2014-15. Due to such recurring defaults in payment despite commitment in Court, the chance of recovery is doubtful. After considering the realizable value of pledged stock, in our opinion provision should be made of ₹ 6273 lacs during the year. This has resulted in overstatement of profit and understatement of provision by ₹ 6273 lacs.	As per the court order on the winding up case filed against M/s. Jai Balaji Industries Ltd, they were to pay ₹ 2000 lacs in FY 2014-15 but they have paid only ₹ 340 lacs. During FY 2015-16 they have paid ₹ 212 lakhs till July. Their plant is in operation although at a lower capacity due to prevailing adverse steel market condition. Payment position is expected to improve with the improvement in the steel market. In order to put pressure on the party, application has been made for revival of winding up petition. Volumetric Assessment conducted by independent Inspection Agency found physical stock is in agreement with book stock. MSTC is hopeful to realize the entire outstanding.
vi	व्यापार से प्राप्य में शामिल है इंडो अमेरिकल इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (आईएईएल) से रु. 796 लाख की बकाया राशि। निपटान की शर्तों तथा माननीय उच्च न्यायालय, कलकत्ता के दिनांक 10.02.14 के आदेश के अनुसार आईएईएल को प्रति महीने रु. 80 लाख का भुगतान करना था, परंतु जनवरी 2015 भुगतान से बंद है। रु. 960 लाख के किस्तों में भुगतान के तहत वर्ष के लिए कंपनी को रु. 720 लाख का भुगतान प्राप्त हुआ है। फलस्वरूप, वर्ष के दौरान रु. 240 लाख का भुगतान नहीं हुआ एवं माननीय उच्च न्यायालय, कलकत्ता के निपटान के आदेश की अवहेलना की गई। कंपनी ने आईएईएल के खिलाफ समापन याचिका के पुनः प्रवर्तन के लिए कंपनी ने कार्रवाई शुरू की है। हमारे विचार से बकाया राशि की वसूली संदिग्ध है। फलवस्वरूप वर्ष के दौरान पूरी बकाया राशि यानी रु. 796 लाख के लिए प्रावधान किया जाना चाहिए। इसके फलस्वरूप लाभ अधिक एवं एवं रु. 796 लाख का प्रावधान कम दर्शाया गया है।	कंपनी द्वारा दायर समापन मामले के तहत कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार पार्टी ने दिसम्बर, 2014 तक मासिक किस्तों का भुगतान किया है। पार्टी पर दवाब बनाने के लिए न्यायालय के समक्ष दायर किए गए निपटान के नियमों के अनुसार समापन याचिका के पुनः प्रवर्तन के एि एक आवेदन दायर किया गया है। पार्टी अपने बैंक (एसबीआई) से अनुमति प्राप्त कर सम्पत्ति की बिक्री द्वारा पूरी रकम का भुगतान करने की योजना बनाई है, जिसमें कुछ समय लगेगा। उपरोक्त के मद्देनजर, बकाया राशि की वसूली संदिग्ध है कहना जल्दीबाजी होगी तथा इसके लिए पुस्तिका में प्रावधान की आवश्यकता है।
	Trade receivables include ₹ 796 lacs due from Indo American Electricals Limited (IAEL). As per the terms of settlement and order of Hon'ble High Court, Calcutta dt. 10.02.14, IAEL has to pay	Till December, 2014 the party has paid monthly installments as per the order of the Calcutta High Court against the winding up case filed by the Company. In order to put pressure on the party, an application has been made for revival of the

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पैरा सं. Auditors' Report Para No.	टिप्पणियाँ/अवलोकन योग्य मत Comments/ observations QUALIFIED OPINION	प्रबंधन के उत्तर Management's Replies
	₹ 80 lacs per month, but stopped payment since January 2015. The Company has received ₹ 720 lacs during the year against installment payable of ₹ 960 lacs, thereby default in payment of ₹ 240 lacs during the year, violating the settlement order as per Hon'ble High Court, Calcutta. The Company initiated action to revive winding up petition against IAEL. In our opinion the recovery of outstanding amount is doubtful, therefore provision for full outstanding amount i.e. ₹ 796 lacs should be made during the year. This has resulted in overstatement of profit and understatement of provision by ₹ 796 lacs.	winding up petition as per terms of settlement filed before the Court. The party has planned to pay the entire amount by sale of a property on obtaining permission from their bank (SBI) which will take some time. In view of the above, it is premature to state that recovery of outstanding is doubtful and therefore provision needs to be made in the books for the same.
1बी.	**अन्य नियामक आवश्यकता** OTHER REGULATORY REQUIREMENT	
	कंपनी ने वर्ष के दौरान अपनी स्थाई संपत्ति की भौतिक जांच नहीं की है। प्रबंधन द्वारा वर्ष के दौरान कोई भी भौतिक जांच नहीं किए जाने की वजह से भौतिक जांच रिकार्ड के साथ पुस्तिका रिकार्ड के बीच किसी भी तरह की असंगति पाई जाने पर हम उस पर टिप्पणी करने में असमर्थ हैं।	जून, 2015 में स्थाई सम्पत्तियों की जांच की गई है तथा कोई भी बड़ी असंगति नहीं पाई गई है।
	The Company has not physically verified its Fixed Assets during the year. We are unable to comment on material discrepancies, if any, in book record with physical verification record as no physical verification have been conducted during the year by the management	Fixed Assets have already been verified in the month of June, 2015 and no major discrepancy could be found.
iv i)	विविध देनदारों के तहत गिरवी रखे गए स्टॉक के आंतरिक नियंत्रण में त्रुटी है। Weakness in internal control of pledged stock against Sundry Debtors	स्टॉक की निगरानी एवं सावधिक भौतिक जांच की एक नियमित प्रणाली है। हालांकि, इस प्रणाली को और मजबूत करने की आवश्यकता है There is a regular system of monitoring and periodical physical verification of stock. However, the system is being strengthened further.
iv ii)	ई-कॉमर्स व्यवसाय के लिए क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा तैयार बिलिंग में कमजोरी है, सफलतापूर्वक समपन्न ई-नीलामी के मामले में, जहां क्रेताओं ने सिर्फ प्रिंसिपलों को बयाना राशि जमा (ईएमडी) का भुगतान किया है तथा तदुपरांत सामग्री उठाने में विफल रहे, ईएमडी जब्त की गई है अथवा नहीं संबंधी सूचना के अभाव में कंपनी इसके सेवा शुल्क बिल बनाने की स्थिति में नहीं है। वर्ष के दौरान जब्त किए गए ईएमडी की संख्या की निगरानी एवं उस पर बिल बनाने के कोई भी नियंत्रण बिंदू नहीं है। Weakness in billing made by regional offices against e-Commerce business,in case of successfully completed E-Auction, wherein the buyers had made payment of Earnest Money Deposit (EMD) only to the principals, and	सफल बोलीदाता द्वारा सामग्री के मूल्य के भुगतान में विफल होने के फलस्वरूप ईएमडी के जब्त किए जाने के संबंध में प्रिंसिपलों से पुष्टीकरण की प्राप्ति पर ही केवल सेवा शुल्क बिलों के अग्रसरित किया जा सकता है। Service charge bills can be raised only on receiving confirmation from the principals regarding forfeiture of EMD consequent upon the failure of the successful bidder to pay for the material value

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पैरा सं. Auditors' Report Para No.	टिप्पणियाँ/अवलोकन योग्य मत Comments/ observations QUALIFIED OPINION	प्रबंधन के उत्तर Management's Replies
	thereafter defaulted in lifting of material, the Company is not in a position to raise its service charge bill due to lack of information as to whether EMD has been forfeited or not. Moreover there are no control points to track number of EMD's forfeited during the year and billing thereon.	
iv iii)	समझौते के ज्ञापन की निगरानी में कमजोरी है, त्रिपक्षीय समझौते एवं सेलिंग एजेंट समझौते को मूल समझौते की अवधि समाप्त होने से पहले नियमित रूप से नवीकरण नहीं किया जाता है। Weakness in monitoring of Memorandum of Agreement, Tripartite Agreement and Selling Agency Agreement as they are not regularly renewed prior to the expiry of the original Agreement.	साधारण तौर पर समझौते के ज्ञापन को उनकी अवधि समाप्त होने से पहले नवीकरण किया जाता है। कई बार ग्राहकों से वांछित दस्तावेज के प्राप्त नहीं होने की वजह से नवीकरण में विलम्ब हो जाता है। In general the Memorandum of Agreements are renewed well before their expiry. Some times renewal get delayed due to non-receipt of required documents from the customers.
ix	लेखा की टिप्पणियों की टिप्पणी सं. 5(ए) एवं 5(बी) में किए गए उल्लेख के अनुसार इंडियन ओवरसीज बैंक के रु. 138 लाख एवं स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक के रु. 14362 लाख की प्राप्त ऋण के अलावा कंपनी बैंकों के बकाया राशि की चुकौती में विफल नहीं हुई है। वित्तीय संस्थानों तथा डिबेंचर धारकों के प्रति कंपनी की कोई भी रकम बकाया नहीं है। The Company has not defaulted in repayment of dues to banks except for the loan from Indian Overseas Bank ₹ 138 lacs and Standard Chartered Bank ₹ 14362 lacs as mentioned in Note No. 5(a) and 5(b) of the Notes on Account. The Company did not have any amount outstanding to the financial institutions and debenture holders;	दोनों मामले विचाराधीन है एवं लेखाओं की टिप्पणी की टिप्पणी सं. 5 में उसे समुचित रूप से दर्शाया गया है। Both the matters are subjudice and have been adequately disclosed in Note No.5 of the Notes on Accounts.

निदेशक मंडल के लिए तथा उनकी ओर से
For and on behalf of the Board of Directors

श्री ए. के. बसु, निदेशक (वित्त)
A. K. Basu, Director (Finance)

निदेशक मंडल की रिपोर्ट का अनुलग्नक-VIII/बी
Annexure-VIII/B to Directors' Report
वित्त वर्ष 2014-15 के लिए समेकित वित्तीय विवरण पर सांविधिक लेखा परीक्षकों की टिप्पणियों/अवलोकनों पर प्रबंधन का उत्तर
Management Replies to Comments/Observations of the Statutory Auditors on the Consolidated Financial Statements of for the financial year 2014-15

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पैरा सं. Auditors' Report Para No.	टिप्पणियाँ/अवलोकन योग्य मत Comments / observations QUALIFIED OPINION	प्रबंधन के उत्तर Management's Replies
i.	निर्यात पर विदेशी मुद्रा के उतार-चढाव पर लाभ/हानि लेखे पर नोट के नोट सं. 15 (ए) पर संदर्भ आमंत्रित किए जाते हैं, जिसे एएस-II के अनुसार लेखाबद्ध नहीं किया गया है। यदि एएस-II का अनुपालन कंपनी करती तो मुद्रा लाभ वर्ष के दौरान रु. 35551 लाख बढ़ जाता (संचयी रु. 26074 लाख दिनांक 31.03.2015 तक)। इसके परिणामस्वरूप व्यापार प्राप्त रु. 26074 लाख कम बताया गया है। करार के अनुसार, उपर्युक्त से संबंधित विदेशी मुद्रा का लाभ/हानि उस रकम तक संबद्ध आपूर्तिकर्त्ताओं पर डाल दिया गया है, जो उन्हें देय है। इस प्रकार व्यापार देय को रु. 25683 लाख कम बताया गया है और उपर्युक्त लाभ के शुद्ध प्रभाव के कारण वर्ष के लिए कंपनी का शुद्ध लाभ रु. 53 लाख कम दिखाया गया है (संचयी रु. 391 लाख दिनांक 31.03.2015 तक)	सामान्य स्वर्ण आभूषणों के निर्यात हेतु प्राप्य राशि पर मुद्रा विनिमय की दर में उतार-चढ़ाव के कारण लाभ के मार्जिन तक ही खाते पर ही सिर्फ प्रभाव पड़ा है। उनकी वसूली में अनिश्चितता के कारण, जो विचाराधीन भी है, प्रभाव (लाभ) को खाते में नहीं दिखाया गया है एवं वह लेखा नीति की पैरा 1.13 के अनुसार भी है।
	Reference is invited to Note No. 15 (a) of Notes to Accounts, Gain / Loss on Foreign Exchange Fluctuation on exports are not accounted for as per AS-11. Had the Company complied with AS-11, exchange gain would have increased by ₹ 3555 lacs for the year (cumulative ₹ 26074 lacs upto 31.03.2015). Consequently Trade Receivables are understated by ₹ 26074 lacs. As per agreement, exchange gain / loss relating to above is passed on to associate suppliers upto the amount payable to them. Thus Trade Payables are understated by ₹ 25683 lacs and net effect of the above gain leads to understatement of profit of the Company ₹ 53 lacs for the year (cumulative ₹ 391 lacs upto 31.03.2015).	The impact in the books arises only to the extent of mark up (profit margin on the amount of exchange fluctuation on receivables against export of plain gold jewellery. Due to uncertainty in their realization, which is also subjudice, the impact (gain) has not been taken in books and the same is also in line with para 1.13 of the Accounting Policy.
ii.	व्यापार से प्राप्य लंबित पुष्टीकरण/शेष राशि के मिलान तथा वर्तमान देयताएं तथा मिलान से उत्पन्न हो सकने वाले परिणामी समायोजन, जो शेष राशि के मिलान के उत्पन्न हो सकता है के विषय के संबंध में टिप्पणी सं. 28 के लिए संदर्भ आमंत्रित किया गया है।	कोई टिप्पणी नहीं
	Reference is invited to Note no. 28 of Notes on Account relating to pending confirmation / reconciliation of balances of Trade Receivables and Trade Payables and its consequential adjustment that may arise on reconciliation.	No Comment.

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पैरा सं. Auditors' Report Para No.	टिप्पणियाँ/अवलोकन योग्य मत Comments/ observations QUALIFIED OPINION	प्रबंधन के उत्तर Management's Replies
iii.	जैसा कि लेखा पर टिप्पणी की टिप्पणी सं. 15 (बी) में बताया गया है, व्यापार प्राप्य में वर्ष 2008-09 में 46 पार्टियों से जुड़े स्वर्ण अलंकार के निर्यात के लिए रु. 59863 लाख शामिल है, जिसकी वसूली विभिन्न स्तरों पर कानूनी विवाद के अधीन है। सीबीआई एवं ईडी दिनांक 26.10.2010 से मामले की जांच कर रही है। ईसीजीसी के समक्ष रु. 45075 लाख का दावा प्रस्तुत किया गया है परंतु ईसीजीसी द्वारा दावे को नकार दिया गया। कंपनी ने ईसीजीसी के खिलाफ उनके द्वारा बीमाकृत क्रेताओं के विरुद्ध बकाया राशि के लिए राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (एनसीडीआरसी) के पास मामला दायर किया। आयोग ने दिनांक 16.04.2014 को दिए आदेश में कहा कि इस मामले पर राय देने का न्यायाधिकार क्षेत्र उनका नहीं है। कंपनी ने इस मामले को मंत्री स्तर पर ले गई तथा माननीय सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष इस आदेख के खिलाफ संविधिक अपील दायर किया। मामले न्यायालय के समक्ष अब भी लंबित है। कंपनी ने यूएई, सिंगापुर तथा कुवैत में विदेशी क्रेताओं के खिलाफ 46 कानूनी मामले दायर किया है। सभी 46 मामले का निर्णय एमएसटीसी के पक्ष में दिया गया एवं सभी निष्पादनाधीन है। परंतु इनके तहत अब तक कोई रकम वसूल नहीं हुई है। एक सहायिका मेसर्स उस्मा ज्वेलरी एंड पैकेजिंग एक्सपोर्ट्स (प्रा.) लि. ने रु. 12400 लाख कीमत की भू संपत्ति (सरकारी पंजीकृत मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा वर्ष 2014 में मूल्यांकन) गिरवी रखी है। उक्त गिरवी पर रखी संपत्ति की बिक्री/अंतरण के लिए मुंबई उच्च न्यायालय में एक रिट याचिका दायर किया गया है। मामले की जांच कर रही सीबीआई एवं ईडी ने रु. 24040 लाख की संपत्तियां तथा परिसंपत्तियां (जिसमें रु. 12400 लाख की भूमि एवं रु. 3979 की चल संपत्ति शामिल है) जब्त की है। एमएसटीसी ने रु. 900 लाख की रकम के अंतरण के लिए सीबीआई न्यायालय को अनुरोध किया था, यह राशि पिछले वर्ष के दौरान प्राप्त हो गई। सीबीआई/ईडी द्वारा चल संपत्ति के रूप में जब्त की गई रु. 3079 लाख की शेष रकम के अंतरण के लिए आवेदन दाखिल किया है। हालांकि, पिछले वर्षों के दौरान किए गए रु. 900 लाख के प्रावधान के अतिरिक्त वर्ष के दौरान अशोध्य एवं संदिग्ध ऋण के रूप में रु. 22678 लाख की रकम के लिए एक प्रावधान किया गया। हमें उपरोक्त व्यापार प्राप्य रकम की वसूली के प्रति संदेह है, जो 6 वर्षों से भी अधिक समय से बकाया है तथा हमारे विचार से रु. 35385 लाख की राशि हेतु एक और प्रावधान किया जाना चाहिए। इस वजह से हानि को कम दिखाया गया तथा प्रावधान में भी रु. 35385 लाख की कमी है।	वर्ष 2008-09 में स्वर्ण अंलकार के निर्यात के खाते में रु. 59863 लाख का कुल प्राप्य है। क्रेताओं से एकदम वसूली नहीं होने की स्थिति में उपरोक्त बकाया के तहत समायोजन के लिए ईएमडी के साथ एसोसियेट्स से रु. 2990 लाख की कुल राशि रखी गई। सीबीआई/ईडी ने अन्य विषयों के एसोसियेट्स से रु. 3979 लाख कीमत की चल संपत्तियां वसूल की है, जिसके अंतरण के लिए एमएसटीसी ने सीबीआई न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है तथा इसके तहत दिनांक 31.03.2014 तक रु. 900 लाख की राशि प्राप्त हुई है। एक प्राप्य क्रय अनुबंध के अधीन रु. 16916 लाख की कीमत का प्राप्य स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक (एससीबी) के पास बिक्री कर दी गई है तथा जिसके लिए एससीबी के पास एमएसटीसी के प्रति कोई वैध दावा नहीं है। इसके अलावा, मेसर्स उस्मा ज्वेलर्स एंड पैकेजिंग एक्सपोर्ट्स प्रा. लि., एक एसोसियेट्स, ने विदेशी क्रेताओं के भुगतान में चूक को पूरा करने के लिए एमएसटीसी के पास भू संपत्ति गिरवी रखी है, जिसका वर्तमान मूल्य रु. 12400 लाख है। उक्त संपत्ति की बिक्री की जा सकती है एवं उससे प्राप्त रकम को विदेशी क्रेताओं के ऊपर उल्लेखित बकायों के प्रति समायोजित किया जा सकता है। उपरोक्त परिस्थितियों पर विचार करने के उपरांत, कुल शेष बकाया अनाच्छादित रकम रु. 23578 लाख है। एमएसटीसी द्वारा ईसीजीसी के समक्ष किए गए दावे (जिसकी वसूली के लिए एनसीडीआरसी के समक्ष मामला दायर किया गया है) ऊपरोक्त रु. 23578 लाख से कहीं ज्यादा है। मामले को सिविल कोर्ट अथवा अन्य किसी भी समुचित फोरम में दाखिल करने के एनसीडीआरसी द्वारा दिनांक 16.4.2014 को दिए गए निर्णय के खिलाफ कंपनी ने सर्वोच्च न्यायालय में एक संविधिक अपील दायर किया है तथा वह अब तक लंबित है। न्यायालय के हस्तक्षेप के बगैर विवाद के निपटान के लिए सरकारी नीति के अनुसार समाधान के लिए इस मामले के संबंध में सरकार के साथ भी सामंजस्य की कायम है। एमएसटीसी को ईसीजीसी से सम्पूर्म बीमा दावा प्राप्त होने की उम्मीद है। उपरोक्त के मद्देनजर, रु. 23578 लाख के पहले से किए गए प्रावधान के अलावा खाते में अन्य कोई प्रावधान की आवश्यकता नहीं है।

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पैरा सं. Auditors' Report Para No.	टिप्पणियाँ/अवलोकन योग्य मत Comments/ observations QUALIFIED OPINION	प्रबंधन के उत्तर Management's Replies
	As stated in Note no.15(b) of Notes on Account, Trade Receivables includes ₹ 59863 lacs for export trade receivable of gold jewellery done in the year 2008-09 involving 46 parties and recovery of which are under litigation at various levels. CBI and ED have been investigating the matter since 26.10.2010. Claims have been lodged with ECGC for ₹ 45075 lacs but the claims have been repudiated by the ECGC. The Company has initiated the cases against ECGC for the dues against buyers insured by them with National Consumer Disputes Redressal Commission (NCDRC) who has ordered the Company vide order on 16.04.2014 that it has no jurisdiction to judge the matter. The Company has taken up the matter at Ministry level and has filed statutory appeal to Hon'ble Supreme Court against this order. The matter is still pending before the Court. The company has filed 46 legal cases against the foreign buyers in UAE, Singapore and Kuwait. All the 46 judgments have been awarded in favour of MSTC and all the same are under execution. Till now no money has been recovered against these awards. One of the Associates, namely, M/s Ushma Jewellery & Packaging Exports (P) Ltd has mortgaged landed property worth ₹ 12400 lacs (valuation in 2014 by Govt. Registered valuer). A writ petition for sale/transfer of the said mortgaged property has been filed at the Mumbai High Court. CBI and ED investigating the matter have seized assets and properties worth ₹ 24040 lacs (including land valued ₹ 12400 lacs & liquid assets worth ₹ 3979 lacs). MSTC have approached CBI court requesting for permission to transfer of an amount of ₹ 900 lacs which had been received during the previous year. Applications are being made for transfer of remaining amount seized by CBI/ED in the form of liquid assets worth ₹ 3079 lacs. However, a provision has been made for an amount of ₹ 22678 lacs as bad and doubtful debts during the year in addition to ₹ 900 lacs provisions made during earlier years. We are doubtful about the recovery of the above Trade Receivables which are due for more than 6 years and in our opinion, a further provision should be made for ₹ 35385 lacs. This has resulted in overstatement of profit and also understatement of provision by ₹ 35385 lacs.	There is total receivable of ₹ 59863 lacs on account of export of gold jewellery in the year 2008-09. A total amount of ₹ 2990 lacs retained from Associates including EMD is available for adjustment against above dues in case of ultimate non-realization from buyers. CBI/ED inter alia recovered liquid assets worth ₹ 3979 lacs from the Associates for transfer of which MSTC has approached CBI court and against this an amount of ₹ 900 lacs has already been received. Receivables worth ₹ 16916 lacs have already been sold to Standard Chartered Bank (SCB) under a Receivable Purchase Agreement and for which SCB do not have any valid claim on MSTC. Further, M/s. Ushma Jewellery and Packaging Exports Pvt. Ltd., one of the associates have mortgaged landed properties to MSTC to cover the default against the foreign buyers, the value of which is around ₹ 12400 lacs. The said properties can be sold and proceeds there from can be adjusted against aforesaid dues of foreign buyers. After considering above, the net amount of dues remaining uncovered is ₹ 23578 lacs. MSTC's claim with ECGC (for recovery of which cases had been filed in NCDRC) is much more than aforesaid amount of ₹ 23578 lacs. The Company has filed a statutory appeal in the Supreme Court against the NCDRC order dated 16.4.2014 referring the matter to Civil Court or any other appropriate forum and the same is still pending. The matter is also being simultaneously followed up with the Govt. for settlement as per the Govt.'s policy to settle the dispute without intervention of Court. MSTC is hopeful to realize the full insurance claim from ECGC. In view of above, no further provision is required to be made in the books further to the provision of ₹ 23578 lacs already made.

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पैरा सं. Auditors' Report Para No.	टिप्पणियाँ/अवलोकन योग्य मत Comments/ observations QUALIFIED OPINION	प्रबंधन के उत्तर Management's Replies
iv.	वित्त वर्ष 2008-09 के दौरान सामग्री की आपूर्ति के लिए सेसा इंटरनेशनल लिमिटेड (सेसा) से रु. 6055 लाख की व्यापार प्राप्य की रकम से संबंधित लेखें के नोट के अंतर्गत नोट सं. 15 (सी) के उल्लेखानुसार जिसके विरुद्ध कंपनी द्वारा पंचाट प्रक्रिया प्रारंभ की गई है, जो प्रगति पर है। एमएसटीसी के खाते से त्रुटिवश रु. 3656 लाख की राशि नामे किए जाने के खिलाफ कंपनी ने इंडिनय ओवरसीज बैंक (आईओबी) के विरुद्ध कलकत्ता उच्च न्यायालय में एक मामला भी दायर किया है। बंदरगाह में पड़ी हुई पूरी सामग्री के स्टॉक रु. 102 लाख में बिक्री कर दी गई, जिसे न्यायालय के आदेश के अनुसार रिसीवर के पास रखा गया है। हमें उक्त व्यापार प्राप्य की राशि की वसूली के प्रति संदेह है। हालांकि, कंपनी ने पिछले वर्ष के दौरान रु. 3000 लाख का प्रावधान किया है तथा हमारे विचार से शेष राशि रु. 2953 लाख के लिए भी प्रावधान किया जाना आवश्यक है। परिणामस्वरूप लाभ अधिक बताया गया है एवं रु. 2953 लाख का कम प्रावधान बताया गया है। As stated in Note No. 15 (c) of Notes on Account relating to Trade Receivables amounting to ₹ 6055 lacs from Sesa International Ltd. (Sesa) for supply of materials during the F.Y. 2008-09 against which arbitration proceeding has been initiated by the Company and is in progress. The Company has also filed a suit in Calcutta High Court against Indian Overseas Bank (IOB) for their wrong debit to MSTC account for an amount of ₹ 3656 lacs. Stock of entire material lying at port was sold at ₹ 102 lacs which are kept with the receiver as per Court order. We are doubtful about the recovery of the above Trade Receivables. However, the Company has made a provision for ₹ 3000 lacs during the previous year and in our opinion further provision should be made for the balance amount of ₹ 2953 lacs. This has resulted in overstatement of profit and understatement of provision by ₹ 2953 lacs.	एमएसटीसी ने रु. 3656 लाख के दावे के साथ आईओबी के खिलाफ कलकत्ता उच्च न्यायालय में एक मामला दायर किया है, जो एमएसटीसी के बैंक खाते में त्रुटिवश नामे की गई सामग्रियों के मूल्य एवं कानूनी व्यय के दर्शाता है, जिसके लिए लंदन न्यायालय द्वारा दस्तावेज असंगत पाए गए परंतु आईओबी आपूर्तिकर्त्ता के बैंक को समय उसे वापस करने में असफल रही। इसके लिए दस्तावेज की जांच सम्पूर्ण कर ली गई है एवं आईओबी कोई भी स्वीकारयोग्य दस्तावेज प्रस्तुत करने में असफल रहा, जिससे यह प्रमाणित हो सके कि उनके पास एमएसटीसी के निर्देशानुसार दस्तावेज धारित था। इस मामले की सुनवाई यथाशीघ्र शुरू होगी। एमएसटीसी को अपने पक्ष में राय मिलने की उम्मीद है। अतएवं इस चरण में किसी भी प्रावधान की जरूरत नहीं है। MSTC has filed a Suit in Calcutta High Court against IOB claiming ₹ 3656 lacs representing the value of materials and legal expenses wrongfully debited to MSTC Bank Account for which documents, were found to be discrepant by the London Court but IOB defaulted in returning the same to the supplier's bank on time. Inspection of documents has since been completed for the same and IOB has failed to produce any acceptable document proving that they were holding back the documents under MSTC's instruction. Hearing against the suit is to commence shortly. MSTC is hopeful that the judgment will come in its favour. Hence no provision is required to be made at this stage.
v.	व्यापार प्राप्य में शामिल है मेसर्स बालाजी इंडस्ट्रिज लिमिटेड (जेबीआईएल) से रु. 12546 लाख की बकाया राशि जिसके लिए पिछले तीन वर्षों से सामग्रियां पड़ी हुई है। दिनांक 31.03.2014 तक ब्याज के साथ मूल धन के वर्ष 2017-18 तक वार्षिक किस्तों में भुगतान तथा उसके उपरांत किस्तों में ब्याज के भुगतान के मैत्रीपूर्ण तरीके से निपटान के लिए कंपनी द्वारा दायर समापन याचिका के खिलाफ माननीय उच्च न्यायालय कलकत्ता ने दिनांक 14.07.2014 को राय दी। जेबीआईएल को वर्ष 2014-15 के लिए प्रति महीना न्यूनतम	मेसर्स जय बालाजी इंडस्ट्रिज लिमिटेड के खिलाफ दायर मामले के समापन के न्यायालय के आदेश के अनुसार उन्हें वित्त वर्ष 2014-15 में रु. 2000 लाख का भुगतान करना था परंतु वे सिर्फ रु. 340 लाख का भुगतान किया। वित्त वर्ष 2015-16 के दौरान जुलाई तक उन्होने रु. 212 लाख का भुगतान किया। इस्पात बाजार की विपरीत दशा के चलते उनके संयंत्र कम उत्पादन क्षमता के साथ परिचालित है। इस्पात बाजार में सुधार होने के साथ भुगतान की स्थिति में भी सुधार होने की उम्मीद है। पार्टी पर दवाब कायम करने के उद्देश्य से समापन याचिका के पुनः प्रवर्तन के लिए आवेदन दाखिल किया गया है। स्वतंत्र जांच एजेंसी द्वारा किए गए अनुमापी आंकलन में भौतिक स्टॉक को बुक स्टॉक के अनुरूप पाया गया। एमएसटीसी को सम्पूर्ण बकाया राशि की वसूली की उम्मीद है।

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पैरा सं. Auditors' Report Para No.	टिप्पणियाँ/अवलोकन योग्य मत Comments/ observations QUALIFIED OPINION	प्रबंधन के उत्तर Management's Replies
	रु. 200 लाख का भुगतान करना था परंतु कंपनी ने वर्ष 2014-15 के दौरान सिर्फ रु. 340 लाख का भुगतान किया। न्यायालय में प्रतिबद्धता जताने के वाबजूद भुगतान में इस आवर्ती विफलता के कारण रकम वसूली के अवसर संदिग्ध है। गिरवी रखे गए स्टॉक के वसूली योग्य मूल्य पर विचार किए जाने के उपरांत, हमारे विचार से वर्ष के दौरान रु. 6273 लाख का प्रावधान किया जाना चाहिए। इसके फलस्वरूप लाभ अधिक एवं एवं रु. 6273 लाख का प्रावधान कम दर्शाया गया है।	
	Trade Receivable includes ₹ 12546 lacs due from M/s. Jai Balaji Industries Limited (JBIL) for which material lying un-lifted for last three years. The Hon'ble High Court Calcutta has given judgement on 14.07.2014 against winding up petition filed by the Company for amicable settlement with payment of principal alongwith interest till 31.03.2014 payable in annual instalments upto 2017-18 and further interest to be paid in instalments thereafter. JBIL was to pay ₹ 2000 lacs with a minimum of ₹ 200 lacs per month for the year 2014-15 but the company paid only ₹ 340 lacs during 2014-15. Due to such recurring defaults in payment despite commitment in Court, the chance of recovery is doubtful. After considering the realizable value of pledged stock, in our opinion provision should be made of ₹ 6273 lacs during the year. This has resulted in overstatement of profit and understatement of provision by ₹ 6273 lacs.	As per the court order on the winding up case filed against M/s. Jai Balaji Industries Ltd, they were to pay ₹ 2000 lacs in FY 2014-15 but they have paid only ₹ 340 lacs. During FY 2015-16 they have paid ₹ 212 lakhs till July. Their plant is in operation although at a lower capacity due to prevailing adverse steel market condition. Payment position is expected to improve with the improvement in the steel market. In order to put pressure on the party, application has been made for revival of winding up petition. Volumetric Assessment conducted by independent Inspection Agency found physical stock is in agreement with book stock. MSTC is hopeful to realize the entire outstanding.
vi	व्यापार से प्राप्य में शामिल है इंडो अमेरिकल इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (आईएईएल) से रु. 796 लाख की बकाया राशि। निपटान की शर्तों तथा माननीय उच्च न्यायालय, कलकत्ता के दिनांक 10.02.14 के आदेश के अनुसार आईएईएल को प्रति महीने रु. 80 लाख का भुगतान करना था, परंतु जनवरी 2015 भुगतान से बंद है। रु. 960 लाख के किस्तों में भुगतान के तहत वर्ष के लिए कंपनी को रु. 720 लाख का भुगतान प्राप्त हुआ है। फलस्वरूप, वर्ष के दौरान रु. 240 लाख का भुगतान नहीं हुआ एवं माननीय उच्च न्यायालय, कलकत्ता के निपटान के आदेश की अवहेलना की गई। कंपनी ने आईएईएल के खिलाफ समापन याचिका के पुनः प्रवर्तन के लिए कंपनी ने कार्रवाई शुरू की है। हमारे विचार से बकाया राशि की वसूली संदिग्ध है। फलवस्वरूप वर्ष के दौरान पूरी बकाया राशि यानी रु. 796 लाख के लिए प्रावधान किया जाना चाहिए। इसके फलस्वरूप लाभ अधिक एवं एवं रु. 796 लाख का प्रावधान कम दर्शाया गया है।	कंपनी द्वारा दायर समापन मामले के तहत कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार पार्टी ने दिसम्बर, 2014 तक मासिक किस्तों का भुगतान किया है। पार्टी पर दवाब बनाने के लिए न्यायालय के समक्ष दायर किए गए निपटान के नियमों के अनुसार समापन याचिका के पुनः प्रवर्तन के एि एक आवेदन दायर किया गया है। पार्टी अपने बैंक (एसबीआई) से अनुमति प्राप्त कर सम्पत्ति की बिक्री द्वारा पूरी रकम का भुगतान करने की योजना बनाई है, जिसमें कुछ समय लगेगा। उपरोक्त के मद्देनजर, बकाया राशि की वसूली संदिग्ध है कहना जल्दीबाजी होगी तथा इसके लिए पुस्तिका में प्रावधान की आवश्यकता है।

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पैरा सं. Auditors' Report Para No.	टिप्पणियाँ/अवलोकन योग्य मत Comments/ observations QUALIFIED OPINION	प्रबंधन के उत्तर Management's Replies
	Trade receivables include ₹ 796 lacs due from Indo American Electricals Limited (IAEL). As per the terms of settlement and order of Hon'ble High Court, Calcutta dt. 10.02.14, IAEL has to pay ₹ 80 lacs per month, but stopped payment since January 2015. The Company has received ₹ 720 lacs during the year against installment payable of ₹ 960 lacs, thereby default in payment of ₹ 240 lacs during the year, violating the settlement order as per Hon'ble High Court, Calcutta. The Company initiated action to revive winding up petition against IAEL. In our opinion the recovery of outstanding amount is doubtful, therefore provision for full outstanding amount i.e. ₹ 796 lacs should be made during the year. This has resulted in overstatement of profit and understatement of provision by ₹ 796 lacs.	Till December, 2014 the party has paid monthly installments as per the order of the Calcutta High Court against the winding up case filed by the Company. In order to put pressure on the party, an application has been made for revival of the winding up petition as per terms of settlement filed before the Court. The party has planned to pay the entire amount by sale of a property on obtaining permission from their bank (SBI) which will take some time. In view of the above, it is premature to state that recovery of outstanding is doubtful and therefore provision needs to be made in the books for the same.
1बी.	**अन्य नियामक आवश्यकता** OTHER REGULATORY REQUIREMENT	
	कंपनी ने वर्ष के दौरान अपनी स्थाई संपत्ति की भौतिक जांच नहीं की है। प्रबंधन द्वारा वर्ष के दौरान कोई भी भौतिक जांच नहीं किए जाने की वजह से भौतिक जांच रिकार्ड के साथ पुस्तिका रिकार्ड के बीच किसी भी तरह की असंगति पाई जाने पर हम उस पर टिप्पणी करने में असमर्थ हैं।	जून, 2015 में स्थाई सम्पत्तियों की जांच की गई है तथा कोई भी बड़ी असंगति पाई नहीं गई है।
	The Holding Company has not physically verified its Fixed Assets during the year. We are unable to comment on material discrepancies, if any, in book record with physical verification record as no physical verification have been conducted during the year by the management	Fixed Assets have already been verified in the month of June, 2015 and no major discrepancy could be found.
iv i)	विविध देनदारों के तहत गिरवी रखे गए स्टॉक के आंतरिक नियंत्रण में त्रुटी है। Weakness in internal control of pledged stock against Sundry Debtors	स्टॉक की निगरानी एवं सावधिक भौतिक जांच की एक नियमित प्रणाली है। हालांकि, इस प्रणाली को और मजबूत करने की आवश्यकता है There is a regular system of monitoring and periodical physical verification of stock. However, the system is being strengthened further.
iv ii)	ई-कॉमर्स व्यवसाय के लिए क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा तैयार बिलिंग में कमजोरी है, सफलतापूर्वक संपन्न ई-नीलामी के मामले में, जहां क्रेताओं ने सिर्फ प्रिंसिपलों को बयाना राशि जमा (ईएमडी) का भुगतान किया है तथा तदुपरांत सामग्री उठाने में विफल रहे, ईएमडी जब्त की गई है अथवा नहीं संबंधी सूचना के अभाव में कंपनी इसके सेवा शुल्क बिल बनाने की स्थिति में नहीं है। वर्ष के दौरान जब्त किए गए ईएमडी की संख्या की निगरानी एवं उस पर बिल बनाने के कोई भी नियंत्रण बिंदू नहीं है।	सफल बोलीदाता द्वारा सामग्री के मूल्य के भुगतान में विफल होने के फलस्वरूप ईएमडी के जब्त किए जाने के संबंध में प्रिंसिपलों से पुष्टीकरण की प्राप्ति पर ही केवल सेवा शुल्क बिलों के अग्रसरित किया जा सकता है।

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पैरा सं. Auditors' Report Para No.	टिप्पणियाँ/अवलोकन योग्य मत Comments/ observations QUALIFIED OPINION	प्रबंधन के उत्तर Management's Replies
	Weakness in billing made by regional offices against e-Commerce business,in case of successfully completed E-Auction, wherein the buyers had made payment of Earnest Money Deposit (EMD) only to the principals, and thereafter defaulted in lifting of material, the Company is not in a position to raise its service charge bill due to lack of information as to whether EMD has been forfeited or not. Moreover there are no control points to track number of EMD's forfeited during the year and billing thereon.	Service charge bills can be raised only on receiving confirmation from the principals regarding forfeiture of EMD consequent upon the failure of the successful bidder to pay for the material value
iv iii)	समझौते के ज्ञापन की निगरानी में कमजोरी है, त्रिपक्षीय समझौते एवं सेलिंग एजेंट समझौते को मूल समझौते की अवधि समाप्त होने से पहले नियमित रूप से नवीकरण नहीं किया जाता है।	साधारण तौर पर समझौते के ज्ञापन को उनकी अवधि समाप्त होने से पहले नवीकरण किया जाता है। कई बार ग्राहकों से वांछित दस्तावेज के प्राप्त नहीं होने की वजह से नवीकरण में विलम्ब हो जाता है।
	Weakness in monitoring of Memorandum of Agreement, Tripartite Agreement and Selling Agency Agreement as they are not regularly renewed prior to the expiry of the original Agreement.	In general the Memorandum of Agreements are renewed well before their expiry. Some times renewal get delayed due to non-receipt of required documents from the customers.
ix	लेखा की टिप्पणियों की टिप्पणी सं. 5(ए) एवं 5(बी) में किए गए उल्लेख के अनुसार इंडियन ओवरसीज बैंक के रु. 138 लाख एवं स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक के रु. 14362 लाख की प्राप्त ऋण के अलावा कंपनी बैंकों के बकाया राशि की चुकौती में विफल नहीं हुई है। वित्तीय संस्थानों तथा डिबेंचर धारकों के प्रति कंपनी की कोई भी रकम बकाया नहीं है।	दोनों मामले विचाराधीन है एवं लेखाओं की टिप्पणी की टिप्पणी सं. 5 में उसे समुचित रूप से दर्शाया गया है।
	The Group has not defaulted in repayment of dues to banks except in case of Holding Company for the loan from Indian Overseas Bank ₹ 138 lacs and Standard Chartered Bank ₹ 14362 lacs as mentioned in Note No. 5(a) and 5(b) of the Notes on Account. The Group did not have any amount outstanding to the financial institutions and debenture holders;	Both the matters are subjudice and have been adequately disclosed in Note No.5 of the Notes on Accounts.

निदेशक मंडल के लिए तथा उनकी ओर से
For and on behalf of the Board of Directors

श्री ए. के. बसु, निदेशक (वित्त)
A. K. Basu, Director (Finance)

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों का प्रतिवेदन

एमएसटीसी लिमिटेड के सदस्यों के प्रति,
स्टैंडएलोन वित्तीय विवरण का प्रतिवेदन

हमने एमएसटीसी लि. ('दि कंपनी') के स्टैंडएलोन वित्तीय विवरण का अंकेक्षण किया है जिसमें 31 मार्च, 2015 को समाप्त हुए वित्त वर्ष का तुलन-पत्र, लाभ-हानि के विवरण, नकद प्रवाह और महत्वपूर्ण लेखा नीतियों व विवरणयोग्य सभी जानकारियां भी शामिल है।

स्टैंड एलोन वित्तीय विवरण के लिए प्रबंधन का दायित्व

कंपनीज के निदेशक मंडल इस स्टैंडएलोन वित्तीय विवरण के तैयार करने के संबंध में कंपनीज अधिनियम, 2013 ('अधिनियम') की धारा 134(5) में दिये गए विषयों के लिए जिम्मेवार है जो भारत में साधारणतया स्वीकृत लेखा सिद्धांतों सहित कम्पनीज (लेखा) नियम, 2014 की नियम 7 के साथ पठित अधिनियम की धारा के अंतर्गत विशिष्ट लेखा मानक के संबंध में वित्तीय स्थिति, वित्तीय कार्यकलाप एवं नकद प्रवाह की सत्य एवं स्पष्ट दृष्टिकोण देता है। इस जिम्मेदारियों में शामिल है। कम्पनी की परिसम्पत्तियों की सुरक्षा एवं धोखाधड़ी एवं अन्य अनियमिताओं को रोकना एवं पता लगाना ; उपयुक्त लेखा नीतियां का चयन एवं लागू करना, निर्णय लेना एवं अनुमान लगाना जो तर्क संगत औव चातुर्यपूर्ण हो; एवं पर्याप्त भीतरी वित्तीय नियंत्रण की डिजाइन, क्रियान्वयन एवं रखरखाव, जो लेखा रिकार्डों की सत्यता एवं पूरा करने को सुनिश्चित करने के लिए प्रभाशाली रूप से परिचालित हो रहे थे, वित्तीय विवरणों को तैयार करने से सम्बद्ध एवं तैयार करना, जो सही एवं साफ-सुथरी छवि देता है एवं ठोस झूठे वक्तव्यों से मुक्त हो, चाहे वह गलती से हो या धोखाघड़ी से।

लेखा परीक्षक की जिम्मेदारी

हमारा दायित्व स्टैंडएलोन वित्तीय विवरण पर अपने अंकेक्षण के अनुसार विचार व्यक्त करना है।

हमने अधिनियम के प्रावधानों, लेखा एवं अंकेक्षण मानकों तथा उन विषयों को जो अधिनियम के प्रावधानों एवं उसमें निहित नियमों के अंतर्गत अंकेक्षण रिपोर्ट में शामिल करने के लिए अपेक्षित है को शामिल किया है।

हमने अपना अंकेक्षण अधिनियम की धारा 143(10) के अंतर्गत निर्दिष्ट अंकेक्षण मानकों के अनुसार संचालित किया है। उन मानकों में इस बात की जरूरत है कि हम नैतिक जरूरतों व प्लानों को पूरा करें, ताकि इस संबंध में उचित आश्वास प्राप्त हो सके कि वित्तीय विवरण ठोस झूठे वक्तव्यों से मुक्त है।

अंकेक्षण प्रक्रिया पद्धति में वित्तीय विवरणों में राशि के बारे में अंकेक्षण साक्ष्य एवं प्रकटीकरण प्राप्त करना शामिल किया जाता है। वित्तीय विवरण चुनी गई प्रक्रियाएं लेखा परीक्षकों के निर्णय पर निर्भर करता है, जिसमें वित्तीय विवरणों व झूठे वक्तव्यों के जोखिम का आकलन भी शामिल है। चाहे वह धोखाधड़ी से हो या फिर गलती से। उन जोखिमों का आकलन करने में लेखा परीक्षक आंतरिक नियंत्रण पर विचार करता है, जो अंकेक्षण पद्धति की डिजाइन करने के लिए वित्तीय विवरणों का कंपनी द्वारा तैयार करना तथा साफ-सुथरा प्रस्तुत करना जुड़ा होता है, परंतु इसके कंपनी के आंतरिक नियंत्रण को प्रभावशाली बनाने पर विचार

INDEPENDENT AUDITORS' REPORT

To the Members of MSTC LIMITED

Report on the Standalone Financial Statements

We have audited the accompanying standalone financial statements of MSTC LIMITED ("the Company"), which comprise the Balance Sheet as at 31st March, 2015, the Statement of Profit and Loss, the Cash Flow Statement for the year then ended, and a summary of significant accounting policies and other explanatory information.

Management's Responsibility for the Standalone Financial Statements

The Company's Board of Directors is responsible for the matters stated in Section 134 (5) of the Companies Act, 2013 ("the Act") with respect to the preparation of these standalone financial statements that give a true and fair view of the financial position, financial performance and cash flows of the Company in accordance with the accounting principles generally accepted in India, including the Accounting Standards specified under Section 133 of the Act, read with Rule 7 of the Companies (Accounts) Rules, 2014. This responsibility also includes maintenance of adequate accounting records in accordance with the provisions of the Act for safeguarding the assets of the Company and for preventing and detecting frauds and other irregularities; selection and application of appropriate accounting policies; making judgements and estimates that are reasonable and prudent; and design, implementation and maintenance of adequate internal financial controls, that were operating effectively for ensuring the accuracy and completeness of the accounting records, relevant to the preparation and presentation of the financial statements that give a true and fair view and are free from material misstatement, whether due to fraud or error.

Auditor's Responsibility

Our responsibility is to express an opinion on these standalone financial statements based on our audit.

We have taken into account the provisions of the Act, the accounting and auditing standards and matters which are required to be included in the audit report under the provisions of the Act and the Rules made thereunder.

We conducted our audit in accordance with the Standards on Auditing specified under Section 143(10) of the Act. Those Standards require that we comply with ethical requirements and plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatement.

An audit involves performing procedures to obtain audit evidence about the amounts and the disclosures in the financial statements. The procedures selected depend on the auditor's judgement, including the assessment of the risks of material misstatement of the financial statements, whether due to fraud or error. In making those risk assessments, the auditor considers internal financial control relevant to the Company's preparation of the financial statements that give a true and fair view in order to design audit procedures that are appropriate in the circumstances, but not for the purpose of expressing an opinion on whether the Company has in place

व्यक्त करने के लिए उद्देश्य के लिए नहीं । इस्तेमाल की गई लेखा नीतियों की उपयुक्तता तथा प्रबंधन द्वारा किए गए लेखा अनुमान का औचित्य और साथ ही साथ वित्तीय विवरणों के समय प्रस्तुतकरण का मूल्यांकन भी अंकेक्षण में शामिल होते हैं।

हमें विश्वास है कि हमे जो अंकेक्षण साक्ष्य प्राप्त हुआ है यह हमारे अंकेक्षण मत के लिए पर्याप्त और उचित आधार प्रदान करता है।

योग्य राय के आधार

i. लेखा पर श्द्धष्टव्यों की नोट सं. 15 (क) की ओर संदर्भ आमंत्रित किया जाता है, निर्यात पर विदेशी मुद्रा में उतार-चढ़ाव पर लाभ/हानि एएस-11 के अनुसार लेखांकित नहीं किया गया है। यदि कंपनी एएस-11 का पालन करती तो वर्ष का विनियम लाभ ₹ 3555 लाख बढ़ जाता (दिनांक 31.03.2015 तक संचयी ₹ 26074 लाख)। फलस्वरूप ब्यापार प्राप्त ₹ 26074 लाख कम दिखाया गया है। करार के अनुसार, उपर्युक्त के संबंधित विनिमय लाभ/हानि को सहयोगी आपूर्तिकर्त्ता को उन्हें देय रकम तक पास कर दिया जाता है। इस प्रकार व्यापार देय ₹ 25683 लाख तक कम दिखाया गया है एवं उपर्युक्त लाभ का शुद्ध प्रभाव से कंपनी के शुद्ध लाभ वर्ष हेतु ₹ 53 लाख तक कम दिखाया गया है (दिनांक 31.03.2015 तक संचयी ₹ 338 लाख)।

ii. व्यापार से प्राप्य एवं व्यापार के लिए देय की शेष राशि के मिलान/लंबित पुष्टीकरण से संबंधित नोट सं. 28 तथा मिलान से उत्पन्न होने वाले अनुवर्ती समायोजन हेतु संदर्भ आमंत्रित किया जाता है।

iii. लेखा पर द्रष्टव्यों की नोट सं. 15(ख) के उल्लेखानुसार, वर्ष 2008-09 में किए गए स्वर्ण अलंकार के निर्यात के लिए ₹ 59863 लाख की राशि व्यापार से प्राप्य के रकम में शामिल है, जिसमें 46 पार्टियां शामिल हैं तथा उस रकम की वसूली मुकदमा के विभिन्न स्तर के अधीन है। सीबीआई एवं ईडी दिनांक 26.10.2010 से मामले की जांच कर रही है। ईसीजीसी के पास ₹ 45075 लाख का दावा पेश किया गया है, परंतु उस दावे को ईसीजीसी द्वारा अस्वीकार कर दिया गया। कंपनी ने ईसीजीसी द्वारा बीमाकृत क्रेताओं से बकाया राशि प्राप्ति के लिए ईसीजीसी के खिलाफ नेशनल कंजूमर डिस्प्यूट्स रिड्रेसल कमिशन (एनसीडीआरसी) में मामला दर्ज किया, जिन्होंने कंपनी को दिनांक 16.04.2014 को जारी आदेश में कहा है कि यह मामला न्याय के अधिकार क्षेत्र में नहीं है। कम्पनी ने मामले को मंत्रालय स्तर पर ले गयी है एवं इस आदेश के विरुद्ध माननीय सर्वोच्च न्यायालय के पास वैधानिक अपील दायर किया है।

कंपनी ने यूएई,. सिंगापुर एवं कुवैत में विदेशी क्रेताओं के खिलाफ 46 मुकदमा दर्ज किया है। इनमें से सभी 46 मामलों का निपटारा एमएसटीसी के पक्ष में हो चुका है, जिसके निष्पादन के अधीन है। परंतु अब तक इन अवार्डों के विरुद्ध कोई भी रकम की वसूली नहीं हुई है।

मेसर्स उष्मा ज्वेलरी एंड पैकेजिंग एक्सपोर्ट्स (प्रा.) लि. नामक एक सहयोगी ने ₹ 12400 लाख कीमत की भूमि संपत्ति (सरकारी पंजीकृत मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा वर्ष 2014 में मूल्यांकन किया गया) गिरवी रखी है। मुंबई उच्च न्यायालय में गिरवी रखी गई उक्त संपत्ति की बिक्री/हस्तांतरण के लिए एक रिट याचिका दायर की गई है। सीबीआई एवं ईडी ने मामले की जांच कर रही एवं ₹ 24040 लाख (इसमें भूमि मूल्य ₹ 12400 लाख एवं चल

an adequate internal financial controls system over financial reporting and the operating effectiveness of such controls. An audit also includes evaluating the appropriateness of the accounting policies used and the reasonableness of the accounting estimates made by the Company's Directors, as well as evaluating the overall presentation of the financial statements.

We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our qualified audit opinion on the standalone financial statements.

Basis for Qualified Opinion

i. Reference is invited to Note No. 15 (a) of Notes on Account, Gain / Loss on Foreign Exchange Fluctuation on exports are not accounted for as per AS-11. Had the Company complied with AS-11, exchange gain would have been increased by ₹ 3555 lacs for the year (cumulative ₹ 26074 lacs upto 31.03.2015). Consequently Trade Receivables are understated by ₹ 26074 lacs. As per agreement, exchange gain / loss relating to above is passed on to associate suppliers upto the amount payable to them. Thus Trade Payables are understated by ₹ 25683 lacs and net effect of the above gain leads to understatement of profit of the Company by ₹ 53 lacs for the year (cumulative ₹ 391 lacs upto 31.03.2015).

ii. Reference is invited to Note no. 28 of Notes on Account relating to pending confirmation / reconciliation of balances of Trade Receivables and Trade Payables and its consequential adjustment that may arise on reconciliation.

iii. As stated in Note no. 15(b) of Notes on Account, Trade Receivables includes ₹ 59863 lacs for export trade receivable of gold jewellery done in the year 2008-09 involving 46 parties and recovery of which are under litigation at various levels. CBI and ED have been investigating the matter since 26.10.2010. Claims have been lodged with ECGC for ₹ 45075 lacs but the claims have been repudiated by the ECGC. The Company has initiated the cases against ECGC for the dues against buyers insured by them with National Consumer Disputes Redressal Commission (NCDRC) who has ordered the Company vide order on 16.04.2014 that it has no jurisdiction to judge the matter. The Company has taken up the matter at Ministry level and has filed statutory appeal to Hon'ble Supreme Court against this order. The matter is still pending before the Court.

The Company has filed 46 legal cases against the foreign buyers in UAE, Singapore and Kuwait. All the 46 judgements have been awarded in favour of MSTC and all the same are under execution. Till now no money has been recovered against these awards.

One of the associates, namely, M/s Ushma Jewellery & Packaging Exports (P) Ltd. has mortgaged landed property worth ₹ 12400 lacs (valuation done in 2014 by Govt. Registered valuer). A writ petition for sale/transfer of the said mortgaged property has been filed at the Mumbai High Court. CBI and ED investigating the matter have seized assets and properties worth ₹ 24040 lacs (including land valued ₹ 12400 lacs and liquid assets

सम्पत्ति ₹ 3979 लाख शामिल है) की संपत्तियां एवं परिसंपत्तियां जब्त की है। वर्ष के दौरान ₹ 900 लाख की रकम के हस्तांतरण की अनुमति के लिए एमएसटीसी ने सीबीआई न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। ₹ 3079 लाख की चल सम्पत्ति के रूप में सीबीआई/ईडी द्वारा जब्त की शेष राशि के हस्तांतरण के लिए आवेदन दाखिल किया जा रहा है।

हालांकि, पूर्ववर्ती वर्ष के दौरान किए गए ₹ 900 लाख के प्रावधान के अलावा इस वर्ष के दौरान अशोध्य एवं संदिग्ध कर्ज के रूप में ₹ 22678 लाख की राशि का प्रावधान किया गया है। हमलोग उन व्यापार से प्राप्य रकम की वसूली के प्रति संदिग्ध हैं जो 6 वर्षों से भी ज्यादा अवधि से बकाया है तथा हमारे विचार से ₹ 35385 लाख का और एक प्रावधान किया जाना चाहिए। इसके फलस्वरूप, हानि कम दिखाई गई एवं रु. 35385 लाख का भी प्रावधान कम दिखा गया।

iv. व्यापार प्राप्यों से संबंधित लेखों पर द्रष्टव्य के नोट सं. 15 (सी) के मद्देनजर, जो कि वित्त वर्ष 2008-09 के दौरान सामानों की आपूर्ति के लिए ₹ 6055 लाख की रकम सेसा इंटरनेशनल लि. (सेसा) से बकाया है, जिसके खिलाफ कंपनी द्वारा पंचाट प्रक्रिया शुरू की गयी है वह प्रगति पर है। कंपनी ने इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) के विरुद्ध भी एमएसटीसी के खाते में ₹ 3656 लाख की राशि के उनके गलत डेबिट करने के बाबत कलकत्ता उच्च न्यायालय में मामला दायर किया है। बंदरगाह में पड़े हुए सम्पूर्ण माल ₹ 102 लाख में बिक्री किया गया, न्यायालय के आदेशानुसार स्टॉक को रीसिवर के पास रखी गई है। हमलोग उन व्यापार से प्राप्य रकम की वसूली के प्रति संदिग्ध हैं। यद्यपि, कंपनी ने विगत वर्ष के दौरान ₹ 3000 लाख का एक प्रावधान किया है एवं हमारे विचार में चूंकि ₹ 2953 लाख की शेष रकम का आगे प्रावधान करना चाहिए। इसके परिणास्वरूप लाभ में ₹ 2953 लाख अधिक व प्रावधान में इतने ही कम दर्ज हुए है।

v. मेसर्स बालाजी इंडस्ट्रीज लिमिटेड (जेबीआई) से विगत तीन वर्षों से बिना उठाई गई पड़ी हुई सामग्रियों के लिए व्यापार प्राप्य में ₹ 12546 लाख शामिल है। माननीय उच्च न्यायालय, कलकत्ता ने कम्पनी द्वारा 2017–18 तक वार्षिक किस्मों में भुगतानयोग्य 31.03.2014 तक ब्याज के साथ मूलधन के भुगतान एवं तदुपरांत आगे किश्तों में चुकता की जानेवाली ब्याज के साथ आपसी समझौते के लिए दाखिल वाईडिंग अप याचिका के बाबत फैसाल दिया है। जेबीआईएल को वर्ष 2014–15 हेतु प्रति माह न्यूनतम ₹ 200 लाख के साथ ₹ 2000 लाख चुकता करना था परन्तु कम्पनी ने वर्ष 2014–15 के दौरान मात्र ₹ 340 लाख चुका किया है। न्यायालय में प्रतिबद्धता के बावजूद बारम्बार भुगतान नहीं होने के कारण, वसूली की उम्मीद संदिग्ध है। प्रतिज्ञित स्टॉक के वसूलीयोग्य मूल्य के विचार करने के उपरान्त हमारे विचार में वर्ष के दौरान ₹ 6273 लाख का प्रावधान करना चाहिए। इसके फलस्वरूप ₹ 6273 लाख का लाभ में अधिक एवं प्रावधान में कम दर्ज हुए हैं।

vi. इंदो अमेरिकन इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (आईएईएल) से व्यापार प्राप्य ₹ 796 लाख शामिल है। समझौते एवं माननीय उच्च न्यायालय, कलकत्ता के आदेश दि. 10.02.14 के आदेश के अनुसार, आईएईएल को प्रति माह ₹ 80 लाख चुकता करना है, परन्तु जनवरी, 2015 से भुगतान बंद है। कम्पनी ने ₹ 960 लाख के भुगतानयोग्य किश्तों के बाबत वर्ष के दौरान ₹ 720 लाख प्राप्त किया है, इस तरह से वर्ष के दौरान ₹ 240 लाख का भुगतान नहीं हुआ है जो माननीय उच्च न्यायालय, कलकत्ता के अनुसार समझौता आदेश का उल्लंघन करना

worth ₹ 3979 lacs). MSTC have approached CBI court requesting for permission to transfer of an amount of ₹ 900 lacs which had been received during the previous year. Applications are being made for transfer of remaining amount seized by CBI/ED in the form of liquid assets worth ₹ 3079 lacs.

However, a provision has been made for an amount of ₹ 22678 lacs as bad and doubtful debts during the previous year in addition to ₹ 900 lacs provision made during the earlier years. We are doubtful about the recovery of the above Trade Receivable which are due for more than 6 years and in our opinion, a further provision should be made for ₹ 35385 lacs. This has resulted in overstatement of profit and also understatement of provision by ₹ 35385 lacs.

iv. As stated in Note No. 15(c) of Notes on Account relating to Trade Receivables amounting to ₹ 6055 lacs from Sesa International Ltd (Sesa) for supply of materials during the F.Y. 2008-09 against which arbitration proceeding has been initiated by the Company and is in progress. The Company has also filed a suit in Calcutta High Court against Indian Overseas Bank (IOB) for their wrong debit to MSTC account for an amount of ₹ 3656 lacs. Stock of entire material lying at port was sold at ₹ 102 lacs which are kept with the receiver as per Court order. We are doubtful about the recovery of the above Trade Receivables. However, the Company has made a provision for ₹ 3000 lacs during the previous year and in our opinion further provision should be made for the balance amount of ₹ 2953 lacs. This has resulted in overstatement of profit and understatement of provision by ₹ 2953 lacs.

v. Trade Receivable includes ₹ 12546 lacs due from M/S. Jai Balaji Industries Limited (JBIL) for which material lying un-lifted for last three years. The Hon'ble High Court, Calcutta has given judgment on 14.07.2014 against winding up petition filed by the Company for amicable settlement with payment of principal alongwith interest till 31.03.2014 payable in annual installments upto 2017-18 and further interest to be paid in installments thereafter. JBIL was to pay ₹ 2000 lacs with a minimum of ₹ 200 lacs per month for the year 2014-15 but the company paid only ₹ 340 lacs during 2014-15. Due to such recurring defaults in payment despite commitment in Court, the chance of recovery is doubtful. After considering the realizable value of pledged stock, in our opinion provision should be made of ₹ 6273 lacs during the year. This has resulted in overstatement of profit and understatement of provision by ₹ 6273 lacs.

vi. Trade receivables include ₹ 796 lacs due from Indo American Electricals Limited (IAEL). As per the terms of settlement and order of Hon'ble High Court, Calcutta dt. 10.02.14, IAEL has to pay ₹ 80 lacs per month, but stopped payment since January 2015. The Company has received ₹ 720 lacs during the year against installment payable of ₹ 960 lacs, thereby default in payment of ₹ 240 lacs during the year, violating the settlement order as per Hon'ble High Court, Calcutta. The Company initiated action to revive winding up petition against IAEL.

है। कम्पनी ने आईएईएल के बाबत वाइंडिंग अप याचिका के पुनर्विचार हेतु कार्रवाई किया है। हमारे विचार में बकाया की वसूली संदिग्ध है। अतएव, वर्ष के दौरान संपूर्ण बकाया राशि ₹ 796 लाख का प्रावधान करना चाहिए। इसके परिणामस्वरूप ₹ 796 लाख का लाभ में अधिक एवं प्रावधान में कम दर्ज हुए है।

योग्य विचार

हमारे विचार एवं प्राप्त सर्वाधिक सूचनाओं तथा हमें दिए गए व्याखाओं के अनुसार, पैराग्राफ (i) से (vi) में विवरणित विषयों के प्रभाव को छोड़ कर, योग्यताप्राप्त विचार हेतु आधार है, जिसका समग्र प्रभाव लाभ के ₹ 45354 लाख के अधिक विवरण है, उपरोक्त स्टैंडएलोन वित्तीय विवरण अपेक्षित पद्धति में अधिनियम द्वारा आवश्यक जानकारी देता है एवं भारत में सामान्यतया स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के साथ 31 मार्च, 2015 को कम्पनी के कार्यों की स्थिति एवं उसका लाभ तथा समाप्त वर्ष की तारीख को नकद प्रवाह की सत्य एवं स्पष्ट तस्वीर प्रस्तुत करता है।

बल देनेवाले मामले

हमने नीचे दिए गए वित्तीय विवरणों के टिप्पणी में ध्यान आकर्षण किया है।

क) लेखा टिप्पणी की टिप्पणी सं. 15(डी) में दिये गये अनुसार, हल्दिया पेट्रोकेमिल्स लि. द्वारा सामग्रियों की प्रतिज्ञित स्टॉक का अनाधिकृत उठाना कम्पनी के प्रतिज्ञित स्टॉक यंत्र की निगरानी में कमी दर्शाता है एवं बकाए राशि के रूप में ऋण की वसूली की अनिश्चितता प्रतिज्ञित स्टॉक द्वारा वापस नहीं होती है एवं सहमति भुगतान निर्धारण बहुत दीर्घ है।

ख) लेखा टिप्पणी की टिप्पणी सं. 15(ई) में दिये गये अनुसार, भुगतान अनुसूची के अनुसार मेसर्स एसपीएस स्टील रोलिंग मिल्स को वित्तीय वर्ष 2014-15 के दौरान ₹ 1650 लाख चुकता करना अपेक्षित था जिसके बाबत उन्होंने मात्र ₹ 1200 लाख चुकता किया है। परिणामस्वरूप पंचाट आदेश के अनुसार ₹ 450 लाख भुगतान नहीं हुआ है।

ग) लेखा टिप्पणी के टिप्पणी सं. 7 में दिये गये अनुसार, कुल जमा बयाना राशि में से ₹ 76070 लाख जो कम्पनी द्वारा ठेका/नीलाम के पूरा होने पर वापसीयोग्य दायित्व को दर्शाता है, ₹ 144 लाख हेतु पार्टीवार विवरण कम्पनी द्वारा हमे प्रदान नहीं किया जा सका।

घ) लेखा टिप्पणी के टिप्पणी सं. 9(बी) में दिये गये अनुसार, लेखा मानक 6 के अनुसार बेहतर प्रतिनिधित्व हेतु रिटेनडाउन वेल्यू पद्धति से स्ट्रेट लाइन पद्धति से मूल्यह्रास गणना में परिवर्तन की वजह से संचित मूल्यह्रास ₹ 359 लाख कम दर्शाया गया है।

हमरे विचार इन मामलों में परिपक्व नहीं है।

अन्य विधिक एवं नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट

1. अधिनियम की धारा 143 (5) के अधीन भारत के नियंत्रक एवं महालेखाकार के निर्देश के अनुसार में लेखा परीक्षक के रिपोर्ट में शामिल किये जानेवाले अन्य मामलों के सम्बन्ध में एवं कम्पनी के खाते एवं रिकार्ड्स की हमारी जांच का आधार भारत में सामान्यतय स्वीकृत सिद्धातों के अनुसार एवं हमें दी गई जानकारी एवं व्याखान के अनुसार सम्पन्न किया गया। हमलोगों ने कैग के निर्देशों में निर्दिष्ट विषयों पर अनुलग्नक ए में दिए हैं।
2. अधिनियम की धारा 143 के उप-धारा (11) के अर्थों में भारत के केन्द्र सरकार द्वारा जारी कम्पनी (अंकेक्षण की रिपोर्ट) आदेश, 2015

In our opinion the recovery of outstanding amount is doubtful, therefore provision for full outstanding amount i.e. ₹ 796 lacs should be made during the year. This has resulted in overstatement of profit and understatement of provision by ₹ 796 lacs.

Qualified Opinion

In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, except for the effects of the matter described in paragraph (i) to (vi) of Basis for Qualified Opinion, the overall effect of which is overstatement of profit by ₹ 45354 lacs, the aforesaid standalone financial statements give the information required by the Act in the manner so required and give a true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India, of the state of affairs of the Company as at 31st March, 2015, and its profit and its cash flows for the year ended on that date.

Emphasis of matters :-

We draw attention to the following matters in the Notes to the financial statements :

a) As stated in Note no. 15(d) of Notes on Account, Unauthorized lift of pledged stock of materials by Haldia Petrochemicals Ltd. indicates lacuna in supervision of pledged stock mechanism of the company and the uncertainty of recovery of debts as outstanding amount is not backed by pledged stock and the agreed payment schedule is very long.

b) As stated in Note No. 15(e) of Notes on Account, as per the payment schedule M/s SPS Steel Rolling Mills was required to pay ₹ 1650 lacs during the FY 2014-15 against which they have paid only ₹ 1200 lacs. As a result, defaulted in paying ₹ 450 lacs as per Arbitration order.

c) As stated in Note No. 7 of Notes on Account, out of total Earnest Money Deposits amounting to ₹ 76070 lacs which represent a liability repayable on completion of a contract/ auction by the Company, party-wise detail for ₹ 144 lacs could not be provided to us by the Company.

d) As stated in Note No 9 (b) of Notes on Account, according to Accounting Standard 6, there is change in depreciation calculation method from written down value method to straight line method for better representation, due to which accumulated depreciation has been reduced by ₹ 359 lacs.

Our opinion is not modified in respect of these matters.

Report on Other Legal and Regulatory Requirements

1. With respect to the other matters to be included in the Auditor's Report in terms of the directions of the Comptroller and Auditor General of India (CAG) under Section 143(5) of the Act, and on the basis of our examination of the books and records of the company carried out in accordance with the generally accepted principles in India and according to the information and explanations given to us, we give in the Annexure A, statement on the matters specified in the directions of CAG.
2. As required by the Companies (Auditor's Report) Order, 2015 ("the Order") issued by the Central Government of

('आदेश') द्वारा अपेक्षित अनुसार, हमने उक्त आदेश के पैराग्राफ 3 एवं 4 में निर्दिष्ट मामलों पर अनुलग्नक बी में एक विवरण दिये हैं।

3. अधिनियम की धारा 143(3) द्वारा अपेक्षित अनुसार, हम रिपोर्ट देते हैं कि

(ए) हमने सभी स्पष्टीकरण एवं सूचनाएं प्राप्त की हैं, जो हमारे सर्वोत्तम जानकारी तथा विश्वास के अनुसार हमारी लेखा-परीक्षा के लिए आवश्यक थे।

(बी) उपरोक्त पैराग्राफ योग्य विचार के आधार पर विवरणित विषय के प्रभाव को छोड़कर, हमारे विचार में विधि के अनुसार अपेक्षित समुचित लेखा के खाता कम्पनी द्वारा रखा गया है जैसा कि उन खातों की हमारी जांच से प्रतीत होता है।

(सी) इस रिपोर्ट के साथ संव्यवहृत तुलना-पत्र, लाभ व हानि खाता तथा नकद प्रवाह लेखों के अनुरूप है।

(डी) उपरोक्त पैराग्राफ योग्य विचार हेतु विवरणित विषय के आधार पर प्रभाव को छोड़कर, हमारे विचार में उपरोक्त स्टैंडएलोन वित्तीय विवरण कम्पनीज (एकाउण्ट्स) नियम, 2014 के नियम 7 के साथ पठित अधिनियम की धारा 133 के अधीन निर्दिष्ट लेखा मानकों के साथ अनुपालन किया गया है।

(ई) उपरोक्त पैराग्राफ योग्य विचार हेतु विवरणित विषय के आधार पर, हमारे विचार में, कंपनी के कार्यकलाप पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

(एफ) उपरोक्त पैराग्राफ योग्य विचार हेतु लेखा के रखरखाव हेतु सम्बद्ध योग्यता एवं उससे सम्बद्ध अन्य मामले मूल्यांकन हेतु लिये गये हैं।

(जी) कम्पनी (अंकेक्षण एवं अंकेक्षक) नियम, 2014 के नियम 11 के अनुसार लेखा परीक्षक रिपोर्ट में शामिल किये जाने वाले अन्य मामलों के सम्बन्ध में हमारे विचार में एवं हमारी जानकारी तथा हमे दिये गये व्याख्यान के अनुसार दिये गये हैं :

i. कम्पनी ने लंबित मामलों के अपने वित्तीय स्थिति पर पड़ने वाले प्रभाव वित्तीय विवरण में खुलासा किया है-वित्तीय विवरण हेतु संदर्भ टिप्पणी सं. 30

ii. कम्पनी ने डेरिवेटिव कांट्रैक्ट्स सहित ऐसा कोई दीर्घ कालीन ठेका नहीं किया है जिससे कोई सामाग्रिक नुकसान हुआ हो।

iii. कम्पनी द्वारा निवेशक एडुकेशन एवं सुरक्षा निधि स्थानांतरण की जानेवाली अपेक्षित ट्रांसफेरिंग राशि में विलम्ब के निम्नलिखित घटना है:

स्वरूप	घोषणा की तारीख	अंतरण की निर्धारित तारीख	अंतरण की तारीख	राशि (रु. लाख में)
बिनादावा लाभांश	15.09.2007	20.10.2014	22.11.2014	6.53

वास्ते राय एंड कं.
सनदी लेखाकार
एफआरएन 313124ई

सीए एस पी बसु
साझेदार
मो. नं. 050209

स्थान : कोलकाता
दिनांक : 17.07.2015

India in terms of sub-section (11) of Section 143 of the Act, we give in the Annexure B a statement on the matters specified in paragraphs 3 and 4 of the said order.

3. As required by Section 143 (3) of the Act, we report that:

a. We have sought and obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit.

b. Except for the effects of the matter described in the Basis for Qualified Opinion paragraph above, in our opinion, proper books of account as required by law have been kept by the Company so far as it appears from our examination of those books.

c. The Balance Sheet, the Statement of Profit and Loss, and the Cash Flow Statement dealt with by this Report are in agreement with the books of account.

d. Except for the effects of the matter described in the Basis for Qualified opinion paragraph above, in our opinion, the aforesaid standalone financial statements comply with the Accounting Standards specified under Section 133 of the Act, read with Rule 7 of the Companies (Accounts) Rules, 2014.

e. The matter described in the Basis for Qualified Opinion paragraph above, in our opinion, may have an adverse effect on the functioning of the Company.

f. The qualification relating to the maintenance of accounts and other matters connected therewith are as stated in the Basis for Qualified Opinion paragraph above.

g. With respect to the other matters to be included in the Auditor's Report in accordance with Rule 11 of the Companies (Audit and Auditors) Rules, 2014, in our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us:

i. The Company has disclosed the impact of pending litigations on its financial position in its financial statements – Refer Note no. 30 to the financial statements

ii. The Company did not have any such long-term contracts including derivative contracts for which there were any material foreseeable losses.

iii. Following are the instances of delay in transferring amounts, required to be transferred, to the Investor Education and Protection Fund by the Company.

Nature	Date of Declaration	Due Date of transfer	Transferred on	Amount (₹ in lacs)
Unclaimed Dividend	15/09/2007	20/10/2014	22/11/2014	6.53

For Ray & Co.
Chartered Accountants
FRN. 313124E

CA. S P Basu
Partner
M no. 050209

Place : Kolkata
Date : 17.07.2015

अनुलग्नक–ए / Annexure-A

कम्पनी अधिनियम 2013 की धारा 143 (5) के अधीन निर्देश
Directions under section 143(5) of the Companies Act 2013

क्र.सं. Sl. No.	निर्देश Direction	अंकेक्षक का उत्तर Auditor's Reply
1.	कंपनी परिसम्पत्तियां (अमूर्त आस्तियां तथा भूमि) एवं देनदारियों (प्रतिबद्ध एवं सामान्य आरक्षण सहित) के मूल्यांकन के अर्थों में विनिवेश की पूरी स्थिति रिपोर्ट हेतु चनयनित किया जाता है तो विनिवेश पद्धति एवं वर्तमान स्तर के साथ जांच की जा सकती। If the Company has been selected for disinvestment a complete status report in terms of valuation of Assets (including intangible assets and land) and Liabilities (including Committed & General Reserves) may be examined including the mode and present stage of disinvestment process.	हमलोगों ने जानकारी दी है कि अंकेक्षण के वर्ष के दौरान विनिवेश हेतु कम्पनी का चयन नहीं किया गया है। We are informed that the Company has not been selected for disinvestment during the year of audit.
2.	कृपया रिपोर्टकरें कि क्या कोई ऋण/कर्ज/ब्याज के त्याग देने/राइट ऑफ के कोई मामला है, यदि है, तो उसका कारण एवं शामिल राशि उल्लेख करें । Please report whether there are any cases of waiver/ write off of debts/loan/interest etc. If yes, the reason there for and amount involved	वर्ष के दौरान प्रोजेक्ट के कार्यान्वयन में अनिश्चितता के कारण ऑटो–श्रेडिंग प्लांट की संस्थापना हेतु डीपीआर आदि को तैयार करने के लिए रु. 112.69 लाख की वर्क–इन–प्रोग्रेस पूंजी का राइट ऑफ किया गया है–वित्तीय विवरण का संदर्भ टिप्पणी सं. 9(एफ) During the year there is a write off of Capital Work-In-Progress amounting to ₹ 112.69 lacs representing expenses for preparation of DPR, etc for setting up of Auto-Shredding Plant due to uncertainty in implementation of the project - Refer Note no. 9(f) to the financial statements
3.	क्या थर्ड पार्टी के पास पड़ी इन्वेन्टरी एवं सरकार या अन्य अथॉरिटी से उपहार स्वरूप प्राप्त आस्थियों का समुचित रिकार्ड रखा गया है। Whether proper records are maintained for inventories lying with third parties & assets received as gift from Government or other authorities	कम्पनी ने थर्ड पार्टियों के पास पड़ी इन्वेंटरीज का समुचित रिकार्ड रखा है। कम्पनी ने सरकार या किसी अथॉरिटी से उपहार के रूप में कोई सम्पत्ति प्राप्त नहीं किया है। The Company has maintained proper records for inventories lying with third parties. The Company has not received any assets as gift from Govt. or any other authorities.
4.	लंबित कानूनी /पंचाट मामलो का आयु वार एक रिपोर्ट के साथ विलंब होने के कारण तथा सभी कानूनी मालमे (विदेश एवं स्थानीय) पर खर्च हेतु निगरानी तंत्र का अस्तित्व/प्रभाव दिया जा सकता है। A report on age-wise analysis of pending legal/ arbitration cases including the reasons of pendency and existence/effectiveness of a monitoring mechanism for expenditure on all legal cases (foreign and local) may be given	कम्पनी का इन–हाउस में कानूनी प्रकोष्ट जो कम्पनी द्वारा/विरुद्ध दायर सभी मामलों की निगरानी करता है। यह ऐसे सभी मामले (विदेशी एवं स्थानीय) पर खर्च की निगरानी रखते हैं। सभी कानूनी मामले (विदेशी एवं स्थानीय) 10 वर्षों से अधिक से पुराने मामले को छोड़ कर जो प्रभावी पाये जाते हैं के लिए निगरानी तंत्र मौजूद है। सभी मेजर लंबित कानूनी/पंचाट मामले का आयु वार विश्लेषण के साथ प्रबंधन द्वारा प्रमाणित लंबित होने का कारण अनुलग्नक सी में दिये गये हैं। The age-wise analysis of all major pending legal/arbitration cases including the reasons of pendency as certified by the Management are given in Annexure C. There exist in-house legal cell of the Company which monitors all the legal/arbitration cases filed against/by the Company. It also monitors expenditure on all such cases filed (foreign and local). There exist monitoring mechanism generally in all legal cases (foreign and local) which is found to be effective except for some old cases which are more than 10 years.

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों के प्रतिवेदन का अनुलग्नक-बी

आज की तारीख तक हमारे रिपोर्ट के "अन्य विधिक एवं विनियामक अपेक्षिता" अनुभाग के अधीन पैराग्राम 2 के संदर्भ में।

I. (क) कम्पनी ने सामान्यतया समुचित रिकार्ड रखे हैं जिसमें इसकी स्थाई परिसंपत्तियाँ की स्थित एवं मात्रात्मक विवरण सहित पूरे विवरण दर्शाए गए हैं।

(ख) कम्पनी ने वर्ष के दौरान अपने स्थायी परिसम्पत्तियों का कोई भौतिक सत्यापन नहीं किया है। हम सामग्री विषमताओं पर कोई टिप्पणी करने में समर्थ नहीं है, यदि कोई, बुक रिकार्ड में भौतिक सत्यापन रिकार्ड के साथ होती है चूंकि प्रबन्धन द्वारा वर्ष के दौरान कोई भौतिक सत्यापन संचालित नहीं किया गया।

II. ए. प्रबन्धन द्वारा वर्ष के दौरान इन्वेंटरियों का सत्यापन किया गया। हमारे विचार में, सत्यापना की आवृत्ति समुचित है।

बी. प्रबन्धन द्वारा अनुसरित इन्वेंटरियों के भौतिक सत्यापन की प्रक्रिया उचित है एवं कम्पनी के आकार एवं इसके व्यवसाय के स्वरूप के संबंध में समुचित है।

सी. कम्पनी इन्वेंटरियों का समुचित रिकार्ड रख रहा है। भैतिक स्टॉक्स एवं बुक रिकाड्र्स के बीच सत्यापन पर पायी गई विषमताएं वास्तविक नहीं थे।

III. कंपनी ने कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 189 के अधीन रखे गये रजिस्टर में आच्छादित कंपनियों, प्रतिष्ठानों या अन्य पार्टियों को और से न तो कोई सुरक्षित या असुरक्षित ऋण लिया है न ही दिया है। इसलिए, आदेश के खंड 3(ए) एवं 3 (बी) के प्रावधान लागू नहीं है।

IV. कंपनी के पास कोई लिखित आंतरिक नियंत्रण मैनुअल उपलब्ध नहीं है। तथापि, समूह द्वारा अपनायी गई आंतरिक नियंत्रण प्रक्रिया धारित कंपनी के निम्न निर्दिष्ट जैसा क्षेत्रों को छोड़ कर पर्याप्त हैं।

i) विविध देनदारों के विरुद्ध प्रतिज्ञित स्टॉक के आंतरिक नियंत्रण में कमजोरी

ii) क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा ई-कामर्स व्यवसाय के बाबत, ई-ऑक्शन सफलतापूर्वक पूरा होने के मामले में, बिलिंग करने में कमजोरी, जिसमें क्रेताओं ने प्रधानों को मात्र जमा बयाना राशि (ईएमडी) भुगतान किया है, और तदुपरान्त सामग्रियों को नहीं उठाया है, कंपनी जानकारी के अभाव में कि ईएमडी जब्त किया गया है नहीं अपना सेवा प्रभार बिल बनाने की स्थिति में नहीं होती है। इसके अलावा वर्ष के दौरान जब्त की गई ईएमडी एवं उस पर बिलिंग की संख्या

ANNEXURE-B to the INDEPENDENT AUDITOR'S REPORT

REFERRED TO IN PARAGRAPH 2 UNDER "REPORT ON OTHER LEGAL AND REGULATORY REQUIREMENTS" SECTION OF OUR REPORT OF EVEN DATE

I. a. The Company has generally maintained proper records showing full particulars including quantitative details and situation of fixed assets;

b. The Company has not physically verified its Fixed Assets during the year. We are unable to comment on material discrepancies, if any, in book record with physical verification record as no physical verification have been conducted during the year by the management.

II. a. Inventories have been physically verified during the year by the management. In our opinion, the frequency of verification is reasonable.

b. The procedures of physical verification of inventories followed by the management are reasonable and adequate in relation to the size of the Company and the nature of its business.

c. The Company is maintaining proper records of inventories. The discrepancies noticed on verification between the physical stocks and the book records were not material.

III. The Company has neither granted nor taken any loan, secured or unsecured to and from companies, firms or other parties covered in the register maintained under section 189 of the Companies Act, 2013. Therefore, the provisions of clauses 3(a) & 3(b) of the Order are not applicable.

IV. There is no written Internal Control manual available with the Company. However, the Internal Control procedure adopted by the Group are adequate except in the areas as mentioned below of the Holding Company.

i) Weakness in internal control of pledged stock against Sundry Debtors.

ii) Weakness in billing made by regional offices against e-Commerce business, in case of successfully completed E-Auction, wherein the buyers had made payment of Earnest Money Deposit (EMD) only to the principals, and thereafter defaulted in lifting of material, the Company is not in a position to raise its service charge bill due to lack of information as to whether EMD has been forfeited or not. Moreover there are no control points to track number of EMD's

को पता लगाने का कोई नियंत्रण बिंदू नहीं है।

iii) समझौता ज्ञापन, त्रिपक्षीय समझौता एवं सेलिंग एजेंसी समझौता की निगरानी में कमजोरी चूंकि ये मूल समझौता की समाप्ति के पूर्व नियमित रूप से नवीनीकृत नहीं किये गये हैं।

V. कंपनी ने अधिनियम के अर्थों में कोई जमा स्वीकार नहीं किया है। अतः भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी निर्देश एवं धारा 73 से 76 के प्रावधान या अधिनियम के अन्य कोई सम्बद्ध प्रावधान तथा उसके अधीन निर्मित कोई नियम समूह के लिए लागू नहीं है।

VI. जैसा कि हमें एवं सहायक कंपनी के अंकेक्षक को जानकारी दी गई है कि अधिनियम की धारा 148 की उप-धारा (1) के अधीन लागत रिकार्ड को रखना कंपनी के लिए प्रयोज्य नहीं है।

VII. ए. कंपनी के रिकार्ड के अनुसार, समूह नियमित रूप से निर्विवाद वैधानिक बकाया सहित भविष्य निधि, कर्मचारी राज्य बीमा, आयकर, बिक्री कर, वैल्यू एडेड टेक्स, संपत्ति कर, सेवा कर, सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क, सेस एवं अन्य वैधानिक बाकाए जैसा लागू है, उपयुक्त प्राधिकार के पास जमा कर रही है।

बी. बिक्री कर, सेवा कर, उत्पाद शुल्क, प्रवेश कर, आयकर एवं सीमा शुल्क के विवादित बकाए का विवरण जो जमा नहीं किये गये हैं निम्न रूप में हैं :

forfeited during the year and billing thereon.

iii) Weakness in monitoring of Memorandum of Agreement, Tripartite Agreement and Selling Agency Agreement as they are not regularly renewed prior to the expiry of the original Agreement.

V. The Company has not accepted any deposits within the meaning of the Act. Hence, the directives issued by Reserve Bank of India and the provisions of Sections 73 to 76 or any other relevant provisions of the Act and the rules framed there under are not applicable to the Company.

VI. As informed to us and the subsidiary company auditor, the maintenance of cost records under sub-section (1) of Section 148 of the Act is not applicable to the Company.

VII. a. According to the records of the Company, the Company is regular in depositing the undisputed statutory dues including provident fund, employees' state insurance, income tax, sales tax, value added tax, wealth tax, service tax, custom duty, excise duty, cess and any other statutory dues as applicable, with the appropriate authorities.

b. The details of disputed dues of Sales Tax, Service Tax, Excise Duty, Entry Tax, Income Tax and Custom Duty, which have not been deposited, are given below :

संविधि का नाम	बकाया राशि की प्रकृति		राशि रु.लाख में	जिस फोरम में विवाद लंबित
उत्तर प्रदेश वैल्यू एडेड टेक्स अधिनियम 2008	बिक्री कर प्राधिकरण द्वारा दावा	2001-02 2003-04 2004-05 2007-08	3.85 25.00 4.97 12.89	उच्च न्यायालय/बिक्री कर ट्रिब्यूनल/बिक्री कर प्राधिकरण के समक्ष लंबित
जम्मू व कश्मीर सामान्य बिक्री कर अधिनियम 1962	बक्री कर प्राधिकरण द्वारा दावा	2008-09	2.56	बिक्री कर प्राधिकरण के समक्ष लंबित
पश्चिम बंगाल वैल्यू एडेड टेक्स अधिनियम 2003	बिक्री कर प्राधिकरण द्वारा दावा	2009 -10 2011 - 12	4.26 1.39	बिक्री कर प्राधिकरण के समक्ष लंबित
आंध्र प्रदेश वैल्यू एडेड टेक्स अधिनियम उच्च 2005	बिक्री कर प्राधिकरण द्वारा दावा	1982 - 83 1984- 85 1998 - 99 1999 - 00 2002 - 03 2004 - 05 2005 - 06 2006 - 07 2007 - 08 2008 - 13	9.33 54.17 22.53 44.42 31.18 9.08 3.70 0.76 27.46 1016.66	बिक्री कर ट्रिब्यूनल/बिक्री कर प्राधिकरण/ न्यायालय के समक्ष लंबित
ओडिशा बिक्री कर अधिनियम	बिक्री कर प्राधिकरण द्वारा दावा	1986- 87	269.00	उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित
गुजरात वैल्यू एडेड टेक्स अधिनियम 2003	बिक्री कर प्राधिकरण द्वारा दावा	2002 - 03 2003 - 04 2004 - 05	52.25 369.45 495.77	बिक्री कर प्राधिकरण के समक्ष लंबित
सीमा शुल्क अधिनियम 1962	सीमा शुल्क विभाग द्वारा दावा	1995 - 96	240.00	बिक्री कर प्राधिकरण के समक्ष लंबित
सीमा शुल्क अधिनियम 1962	सीमा शुल्क विभाग द्वारा दावा	2001 - 02 2012 - 13 2013 - 14	203.81 1542.49 83.55	उच्च न्यायालय/बिक्री कर प्राधिकरण के समक्ष लंबित
आयकर अधिनियम, 1961	आयकर की मांग	2002 - 03	51.56	उच्च न्यायालय, कलकत्ता में लंबित
आयकर अधिनियम, 1961	आयकर की मांग	2004 - 05	1.06	अपीलीय प्राधिकरण के समक्ष लंबित
आयकर अधिनियम, 1961	आयकर की मांग	2005 - 06	31.19	अपीलीय प्राधिकरण के समक्ष लंबित
आयकर अधिनियम, 1961	आयकर की मांग	2008 - 09	67.62	आयकर ट्रिब्यूनल के समक्ष लंबित
आयकर अधिनियम, 1961	आयकर की मांग	2009 - 10	464.25	आकलन प्राधिकरण के समक्ष लंबित
आयकर अधिनियम, 1961	आयकर की मांग	2010 - 11	40.39	अपीलीय प्राधिकरण के समक्ष लंबित
आयकर अधिनियम,, 1961	आयकर की मांग	2011 - 12	21.34	अपीलीय प्राधिकरण के समक्ष लंबित
वित्त अधिनियम 1994	सेवा कर की मांग	2003-04 से 2004-05 2002-03 से 2004-05 2005-06 से 2007-08	23.81 83.53 1505.12	अपीलीय प्राधिकरण के समक्ष लंबित
		कुल	**6820.40**	

Name of the Statute	Nature of Dues	Period to which the amount relates Financial Year	Amount (₹ in Lacs)	Forum where dispute is pending
Uttar Pradesh Value Added Tax Act, 2008	Claim by Sales Tax Authority	2001-02 2003-04 2004-05 2007-08	3.85 25.00 4.97 12.89	Pending before HC/ST Tribunal/ ST Authority
Jammu & Kashmir General Sales Tax Act, 1962	Claim by Sales Tax Authority	2008-09	2.56	Pending before ST Authority
West Bengal Value Added Tax Act, 2003	Claim by Sales Tax Authority	2009 – 10 2011 – 12	4.26 1.39	Pending before ST Authority
Andhra Pradesh Value Added TaxAct 2005	Claim by Sales Tax Authority	1982 – 83 1984 – 85 1998 - 99 1999 - 00 2002 – 03 2004 – 05 2005 – 06 2006 – 07 2007 – 08 2008 - 13	9.33 54.17 22.53 44.42 31.18 9.08 3.70 0.76 27.46 1016.66	Pending before ST Tribunal/ ST Authority/HC
Odisha Sales Tax Act	Claim by Sales Tax Authority	1986 – 87	269.00	Pending before High Court
Gujrat Value Added TaxAct 2003	Claim by Sales Tax Authority	2002 – 03 2003 – 04 2004 - 05	52.25 369.45 495.77	Pending before ST Authority
Customs Act 1962	Claim by Customs Department	1995 – 96	240.00	Pending before ST Authority
Customs Act 1962	Claim by Customs Department	2001 – 02 2012 – 13 2013 – 14	203.81 1542.49 83.55	Pending before High Court ST Tribunal
Income Tax Act, 1961	Income Tax Demand	2002 – 03	51.56	Pending with HC Calcutta
Income Tax Act, 1961	Income Tax Demand	2004 – 05	1.06	Pending with Appellate Authority
Income Tax Act, 1961	Income Tax Demand	2005 – 06	31.19	Pending with Appellate Authority
Income TaxAct, 1961	Income Tax Demand	2008 – 09	67.62	Pending with IT Tribunal
Income Tax Act, 1961	Income Tax Demand	2009 – 10	464.25	Pending with Assessing Authority
Income Tax Act, 1961	Income Tax Demand	2010 – 11	40.39	Pending with Appellate Authority
Income Tax Act, 1961	Income Tax Demand	2011 – 12	21.34	Pending with Appellate Authority
Finance Act 1994	Service Tax Demand	2003 –04 to 2004 -05 2002 –03 to 2004 -05 2005 –06 to 2007 -08	23.81 83.53 1505.12	Pending with Appellate Authority
		TOTAL	**6820.40**	

सी. वह राशि जो अधिनियम के सम्बद्ध प्रावधानों एवं उसके अधीन बनाए गए नियमों के संबंध में निवेशक एडुकेशन एवं संरक्षण कोष को अंतरण करने के लिए अपेक्षित थी को समयानुसार ऐसे कोष में अंतरण नहीं किया गया है सिवाय धारित कंपनी केमामलों को छोड़ कर, जिसमें वर्ष 2006-07 के बिना दावा लाभांश के बाबत 9 मामलों में ₹ 6.53 लाख की राशि 32 दिन विलम्ब से अंतरण की गई।

VIII. कंपनी का वित्तीय वर्ष के अन्त में कोई संचित हानि नहीं है और वित्तीय वर्ष तथा वित्तीय वर्ष के ठीक पूर्व के दौरान किसी भी तरह का कोई नकद नुकसान नहीं हुआ है।

IX. कंपनी बैंकों के बकाए के पुनर्भुगतान में डिफॉल्टेड नहीं है सिवाय ₹ 138 लाख इंडियन ओवरसीज बैंक से एवं ₹ 14362 लाख चार्टर्ड बैंक से ऋण हेतु मामले में जैसा लेखा पर टिप्पणी के टिप्पणी सं. 5(ए) एवं 5(बी) में निर्दिष्ट है। कंपनी के पास किसी वित्तीय संस्थान एवं डेंवेंचर धारकों का कोई बकाया राशि नहीं है।

X. कंपनी ने बैंक या वित्तीय संस्थानों से किसी अन्य को ऋण लेने के लिए कोई गारंटी नहीं दिया है।

XI. कंपनी ने वर्ष के दौरान कोई सावधि ऋण प्राप्त नहीं लिया था।

XII. हमारे लेखा परीक्षा के दौरान कंपनी द्वारा या को किसी प्रकार की सामग्री की धोड़ाधड़ी देखी नहीं गयी है या उसकी कोई सूचना नहीं मिली है।

वास्ते राय एवं कं.
सनदी लेखाकार
एफआरएन. 313124ई

सीए.एस.पी. बसु
पार्टनर
एम नं. 05029

स्थान : कोलकाता
दिनांक : 17.07.2015

c. The amount which were required to be transferred to the Investor Education and Protection Fund in accordance with the relevant provisions of the Act and rules made thereunder has not been transferred to such fund within time, except in case of Holding Company, there is a delay of transfer of 32 days amounting to ₹ 6.53 lacs in 9 cases towards unclaimed dividend for the year 2006-07.

VIII. The Company has no accumulated losses at the end of the financial year and it has not incurred any cash losses during the financial year and in the immediately preceding financial year;

IX. The Company has not defaulted in repayment of dues to banks except for the loan from Indian Overseas Bank ₹ 138 lacs and Standard Chartered Bank ₹ 14362 lacs as mentioned in Note No. 5(a) and 5(b) of the Notes on Account. The Company did not have any amount outstanding to the financial institutions and debenture holders;

X. The Company has not given any guarantee for loans taken by others from bank or financial institutions.

XI. No term loan was obtained during the year by the Company.

XII. No material fraud on or by the Company has been noticed or reported during the course of our audit.

For Ray & Co.
Chartered Accountants
FRN. 313124E

CA. S P Basu
Partner
M no. 050209

Place : Kolkata
Date : 17.07.2015

अनुलग्नक सी

सभी कानूनी/पंचाट मामलों का सारांश 31.03.2015 को
अवधिवार विश्लेषण

अंक रु. लाख में

विषय वस्तु	कुल		एक वर्ष से कम		1 - 2 वर्ष		2 - 3 वर्ष		3 - 5 वर्ष		पाँच वर्षों से अधिक	
	मामलों की संख्या	शामिल राशि	मामलों की संख्या	शामिल राशि	मामलों की संख्या	शामिल राशि	मामलों की संख्या	शामिल राश	मामलों की संख्या	शामिल राशि	मामलों की संख्या	शामिल राशि
बिक्री कर	22	2460.68	0	0	2	975.39	2	6.82	1	12.89	17	1465.58
सेवा कर	4	1612.46							2	1505.12	2	107.34
आय कर	7	677.41	1	21.34	1	40.39	3	496.50	2	119.18		
कस्टम्स	4	2069.85	2	1626.04							2	443.81
निर्यातित स्वर्ण गहनों के विदेशी क्रेताओं के विरुद्ध मामला	46	88402.00							46	88402.00		
अन्य पार्टियां	287	165436.00	43	36376	28	52629.00	34	4472.00	40	23804.00	142	48155.00
कुल	370	260658.40	46	38023.38	31	53644.78	39	4975.32	91	113843.19	163	50171.73

Annexure C

Summary of all Pending/Arbitration cases as on 31.03.2015
Age-wise Analysis

Fig in ₹ Lacs

Subject Matter	Total		Less than one year		1 - 2 year		2 - 3 year		3 - 5 year		More Than Five Years	
	No. of Cases	Amount Involved	No. of Cases	Amount Involved	No. of Cases	Amount Involved	No. of Cases	Amount Involved	No. of Cases	Amount Involved	No. of Cases	Amount Involved
Sales Tax	22	2460.68	0	0	2	975.39	2	6.82	1	12.89	17	1465.58
Service Tax	4	1612.46							2	1505.12	2	107.34
Income Tax	7	677.41	1	21.34	1	40.39	3	496.50	2	119.18		
Customs	4	2069.85	2	1626.04							2	443.81
Case against foreign buyers of Gold Jewellery Export	46	88402.00							46	88402.00		
Other Parties	287	165436.00	43	36376	28	52629.00	34	4472.00	40	23804.00	142	48155.00
Total	370	260658.40	46	38023.38	31	53644.78	39	4975.32	91	113843.19	163	50171.73

सभी कर सम्बद्ध मामलों का विवरण

क्र.सं.	विधान का नाम	प्रारम्भ होने का वर्ष	ब्यौरा	राशि (रु. लाख में)	अवधि वित्तीय वर्ष	वर्तमान स्थिति	लंबित होने का कारण	निम्नांकित में लंबित
1	उप्र वैट अधिनियम 2008	2004-05	ब्याज	3.85	2001-02	उच्च न्यायालय इलाहाबाद में लंबित	कार्यवाही में विलम्ब	उच्च न्यायालय इलाहाबाद
2	उप्र वैट अधिनियम 2008	2006-07	कर का अंतर दर एवं फार्म्स का दाखिल नहीं किया जाना	25.00	2003-04	एसेसिंग अथॉरिटी को प्रेषित ह्न	आदेश प्रतीक्षित	सीटीओ गाजियाबाद
3	उप्र वैट अधिनियम 2008	2007-08	कर का अंतर दर एवं फार्म्स का दाखिल नहीं किया जाना	4.97	2004-05	वाणिज्यिक टैक्स ट्रिब्यूनल गाजियाबाद में लंबित	सुनवाई की तारीख अब तक निर्धारित नहीं	वाणिज्यिक कर ट्रिब्यूनल गाजियाबाद
4	उप्र वैट अधिनियम 2008	2010-11	कर का अंतर दर एवं फार्म्स का दाखिल नहीं किया जाना	12.89	2007-08	असेसिंग अथॉरिटी को प्रेषित	आदेश प्रतीक्षित	सीटीओ गाजियाबाद
5	जम्मू व कश्मीर बिक्री कर अधिनियम 1962	2011-12	कर का अंतर दर एवं फार्म्स का दाखिल नहीं किया जाना	2.56	2008-09	फरवरी, 2012 में असेसिंग अथॉरिटी को प्रेषित	आदेश प्रतीक्षित	सीटीओ जम्मू
6	पबं वैट अधिनियम 2003	2011-12	फार्म्स का दाखिल नहीं किया जाना	4.26	2009-10	3.11.14 को अपीलीय रीविजन बोर्ड के पास अपील दायर	सुनवाई की तारीख अब तक निर्धारित नहीं	अपीलेट रीविजन बोर्ड कोलकाता
7	पबं वैट अधिनियम 2003	2013-14	फार्म्स का दाखिल नहीं किया जाना	1.39	2011-12	16.9.14 को अपीलीय प्राधिकार के पास अपील दायर	सुनवाई की तारीख अब तक निर्धारित नहीं	आयुक्त अपील्स कोलकाता
8	अप्र वैट अधिनियम 2005	1999-00	हाई सी सेल्स	9.33	1982-83	एसटीएटी के पास लंबित	कार्यवाही में विलम्ब	एसटीएटी विजाग
9	अप्र वैट अधिनियम 2005	1999-00	हाई सी सेल्स	54.17	1984-85	एसटीएटी के पास लंबित	कार्यवाही में विलम्ब	एसटीएटी विजाग
10	अप्र वैट अधिनियम 2005	2001-02	हमारी ओर से संग्रह किया ब्रिकी कर जमा नहीं किया गया	22.53	1998-99	31.10.12 को असेसिंग अथॉरिटी को प्रेषित	आदेश प्रतीक्षित	सीटीओ विजाग
11	अप्र वैट अधिनियम 2005	2002-03	हमारी ओर से संग्रह किया ब्रिकी कर जमा नहीं किया गया	44.42	1999-00	31.10.12 को असेसिंग अथॉरिटी को प्रेषित	आदेश प्रतीक्षित	सीटीओ विजाग
12	अप्र वैट अधिनियम 2005	2007-08	विवादित टर्नओवर	31.18	2002-03	एसटीएटी के पास लंबित	सुनवाई की तारीख अब तक निर्धारित नहीं	एसटीएटी विजाग
13	अप्र वैट अधिनियम 2005	2007-08	विवादित टर्नओवर	9.08	2004-05	एसटीएटी के पास लंबित	सुनवाई की तारीख अब तक निर्धारित नहीं	एसटीएटी विजाग
14	अप्र वैट अधिनियम 2005	2007-08	कर का अंतर दर	3.70	2005-06	एसटीएटी के पास लंबित	सुनवाई की तारीख अब तक निर्धारित नहीं	एसटीएटी विजाग
15	अप्र वैट अधिनियम 2005	2007-08	कर का अंतर दर	0.76	2006-07	एसटीएटी के पास लंबित	सुनवाई की तारीख अब तक निर्धारित नहीं	एसटीएटी विजाग
16	अप्र वैट अधिनियम 2005	2013-14	विवादित टर्नओवर	974.00	2008-13	उच्च न्यायालय अप्र के पास अपील दायर	सुनवाई की तारीख अब कर निर्धारित नहीं	उच्छ न्यायालय अप्र

Details of all pending tax related cases

Sl No	Name of the Statute	Year of commencement	Particulars	Amount (₹ in lacs)	Period FY	Present status	Reason for pendency	Pending with
1	UP VAT Act 2008	2004-05	Interest	3.85	2001-02	Pending with High Court Allahabad	Procedural delay	High Court Allahabad
2	UP VAT Act 2008	2006-07	Differential rate of tax & non submission of Forms	25.00	2003-04	Remanded to Assessing Authority	Order awaited	CTO Ghaziabad
3	UP VAT Act 2008	2007-08	Differential rate of tax & non submission of Forms	4.97	2004-05	Pending with Commercial Tax Tribunal Ghaziabad	Hearing date not yet fixed	Commercial Tax Tribunal Ghaziabad
4	UP VAT Act 2008	2010-11	Differential rate of tax & non submission of Forms	12.89	2007-08	Remanded to Assessing Authority	Order awaited	CTO Ghaziabad
5	J&K Sales Tax Act 1962	2011-12	Differential rate of tax & non submission of Forms	2.56	2008-09	Remanded to Assessing Authority in Feb. 2012	Order awaited	CTO Jammu
6	WB VAT Act 2003	2011-12	Non submission of Forms	4.26	2009-10	Appeal filed with Appellate Revision Board on 3.11.14	Hearing date not yet fixed	Appellate Revision Board Kolkata
7	WB VAT Act 2003	2013-14	Non submission of Forms	1.39	2011-12	Appeal filed with Appellate Authority on 16.9.14	Hearing date not yet fixed	Commissioner Appeals Kolkata
8	AP VAT Act 2005	1999-00	High sea sales	9.33	1982-83	Pending with STAT	Procedural delay	STAT Vizag
9	AP VAT Act 2005	1999-00	High sea sales	54.17	1984-85	Pending with STAT	Procedural delay	STAT Vizag
10	AP VAT Act 2005	2001-02	Sales Tax collected on our behalf not deposited	22.53	1998-99	Remanded to Assessing Authority on 31.10.12	Order awaited	CTO Vizag
11	AP VAT Act 2005	2002-03	Sales Tax collected on our behalf not deposited	44.42	1999-00	Remanded to Assessing Authority on 31.10.12	Order awaited	CTO Vizag
12	AP VAT Act 2005	2007-08	Disputed turnover	31.18	2002-03	Pending with STAT	Hearing date not yet fixed	STAT Vizag
13	AP VAT Act 2005	2007-08	Disputed turnover	9.08	2004-05	Pending with STAT	Hearing date not yet fixed	STAT Vizag
14	AP VAT Act 2005	2007-08	Differential rate of tax	3.70	2005-06	Pending with STAT	Hearing date not yet fixed	STAT Vizag
15	AP VAT Act 2005	2007-08	Differential rate of tax	0.76	2006-07	Pending with STAT	Hearing date not yet fixed	STAT Vizag
16	AP VAT Act 2005	2013-14	Disputed turnover	974.00	2008-13	Appeal filed with High Court AP	Hearing date not yet fixed	High Court AP

सभी कर सम्बद्ध मामलों का विवरण

क्र.सं.	विधान का नाम	प्रारम्भ होने का वर्ष	ब्यौरा	राशि (रु. लाख में)	अवधि वित्तीय वर्ष	वर्तमान स्थिति	लंबित होने का कारण	निम्नांकित में लंबित
17	ओडीसा बिक्री कर अधिनियम	1995-96	हाई सी सेल्स	269.00	1986-87	उच्च न्यायालय ओड़ीसा में लंबित	कार्यवाही में विलम्ब	उच्च न्यायालय ओड़ीसा
18	गुजरात वैट अधिनियम 2003	2005-06	कागजात का दाखिल नहीं किया जाना	52.25	2002-03	डीसी (अपील) के पास लंबित	सुनवाई की तारीख अब तक निर्धारित नहीं	डीसी (अपील) वडोदरा
19	गुजरात वैट अधिनियम 2003	2006-07	कागजात का दाखिल नहीं किया जाना	369.45	2003-04	डीसी (अपील) के पास लंबित	सुनवाई की तारीख अब तक निर्धारित नहीं	डीसी (अपील) वडोदरा
20	गुजरात वैट अधिनियम 2003	2007-08	कागजात का दाखिल नहीं किया जाना	495.77	2004-05	डीसी (अपील) के पास लंबित	सुनवाई की तारीख अब तक निर्धारित नहीं	डीसी (अपील) वडोदरा
21	कस्टम्स अधिनियम 1962	2001-02	कागजात का दाखिल नहीं किया जाना	240.00	1995-96	30.1.12 को असेसिंग अथॉरिटी को प्रेषित	आदेश प्रतीक्षित	कमिश्नर कस्टम्स चेन्नई
22	कस्टम्स अधिनियम 1962	2007-08	कागजात का दाखिल नहीं किया जाना	203.81	2001-02	उच्च न्यायालय कलकत्ता में लंबित	कार्यवाही में विलम्ब	उच्च न्यायालय कलकत्ता
23	वित्त अधिनियम 1994 (सेवा कर)	2011-12	ट्रेडिंग कार्यकलाप हेतु सेनवैट की अनियमित उपलब्धता	15.02	2005-08	27.9.13 को सीईएसटीएटी कोलकाता के पास अपील दायर	सुनवाई की तारीख अब तक निर्धारित नहीं	सीईएसटीएटी कोलकाता
24	वित्त अधिनियम 1994 (सेवा कर)	2011-12	हाई सी सेल्स	1490.10	2005-07	2.2.12 को सीईएसटीएटी कोलकाता के पास अपील दायर	सुनवाई की तारीख अब तक निर्धारित नहीं	सीईएसटीएटी कोलकाता
25	वित्त अधिनियम 1994 (सेवा कर)	2009-10	सेवा कर के क्रियान्वयन की विवादित तारीख	23.81	2003-05	अपील अथॉरिटी के पास लंबित	सुनवाई की तारीख अब तक निर्धारित नहीं	आयुक्त अपील्स कोलकाता
26	वित्त अधिनियम 1994 (सेवा कर)	2009-10	सेवा कर के क्रियान्वयन की विवादित तारीख	83.53	2002-05	28.7.14 को सीईएसटीएटी दिल्ली के पास अपील दायर	सुनवाई की तारीख अब तक निर्धारित नहीं	सीईएसटीएटी दिल्ली
27	आय कर अधिनियम 1961	2012-13	संशोधित आकलित आय	1.06	2004-05	21.1.13 को अपीलेट अथॉरिटी के पास अपील दायर	सुनवाई की तारीख अब तक निर्धारित नहीं	आयुक्त अपील्स कोलकाता
28	आय कर अधिनियम 1961	2012-13	जुर्माना	31.19	2005-06	11.4.12 को अपीलेट अथॉरिटी के पास अपील दायर	सुनवाई की तारीख अब तक निर्धारित नहीं	आयुक्त अपील्स कोलकाता
29	आय कर अधिनियम 1961	2011-12	आकलित आय	67.62	2008-09	27.5.13 को आईटीएटी कोलकाता के पास अपील दायर	सुनवाई की तारीख अब तक निर्धारित नहीं	आईटीएटी कोलकाता
30	आय कर अधिनियम 1961	2012-13	आकलित आय	464.25	2009-10	17.3.15 को असेसिंग अथॉरिटी को प्रेषित	आदेश प्रतीक्षित	डीसीआईटी कोलकाता
31	आय कर अधिनियम 1961	2013-14	आकलित आय	40.39	2010-11	16.4.14 कोअपीलेट अथॉरिटी के पास अपील दायर	सुनवाई की तारीख अब तक निर्धारित नहीं	आयुक्त अपील्स कोलकाता

Details of all pending tax related cases

Sl No	Name of the Statute	Year of commencement	Particulars	Amount (₹ in lacs)	Period FY	Present status	Reason for pendency	Pending with
17	Orissa Sales Tax Act	1995-96	High sea sales	269.00	1986-87	Pending with High Court Orissa	Procedural delay	High Court Orissa
18	Gujarat VAT Act 2003	2005-06	Non submission of documents	52.25	2002-03	Pending with DC (Appeal)	Hearing date not yet fixed	DC (Appeal) Vadodara
19	Gujarat VAT Act 2003	2006-07	Non submission of documents	369.45	2003-04	Pending with DC (Appeal)	Hearing date not yet fixed	DC (Appeal) Vadodara
20	Gujarat VAT Act 2003	2007-08	Non submission of documents	495.77	2004-05	Pending with DC (Appeal)	Hearing date not yet fixed	DC (Appeal) Vadodara
21	Customs Act 1962	2001-02	Non submission of documents	240.00	1995-96	Remanded to Assessing Authority on 30.1.12	Order awaited	Commissioner Customs Chennai
22	Customs Act 1962	2007-08	Non submission of documents	203.81	2001-02	Pending with High Court Calcutta	Procedural delay	High Court Calcutta
23	Finance Act 1994 (Service Tax)	2011-12	Irregular availment of Cenvat Credit for Trading activities	15.02	2005-08	Appeal filed with CESTAT Kolkata on 27.9.13	Hearing date not yet fixed	CESTAT Kolkata
24	Finance Act 1994 (Service Tax)	2011-12	High sea sales	1490.10	2005-07	Appeal filed with CESTAT Kolkata on 2.2.12	Hearing date not yet fixed	CESTAT Kolkata
25	Finance Act 1994 (Service Tax)	2009-10	Disputed date of applicability of Service Tax	23.81	2003-05	Pending with Appellate Authority	Hearing date not yet fixed	Commissioner Appeals Kolkata
26	Finance Act 1994 (Service Tax)	2009-10	Disputed date of applicability of Service Tax	83.53	2002-05	Appeal filed with CESTAT Delhi 28.7.14	Hearing date not yet fixed	CESTAT Delhi
27	Income Tax Act 1961	2012-13	Revised assessed Income	1.06	2004-05	Appeal filed with Appellate Authority on 21.1.13	Hearing date not yet fixed	Commissioner Appeals Kolkata
28	Income Tax Act 1961	2012-13	Penalty	31.19	2005-06	Appeal filed with Appellate Authority on 11.4.12	Hearing date not yet fixed	Commissioner Appeals Kolkata
29	Income Tax Act 1961	2011-12	Assessed Income	67.62	2008-09	Appeal filed with ITAT Kolkata on 27.5.13	Hearing date not yet fixed	ITAT Kolkata
30	Income Tax Act 1961	2012-13	Assessed Income	464.25	2009-10	Remanded to Assessing Authority on 17.3.15	Order awaited	DCIT Kolkata
31	Income Tax Act 1961	2013-14	Assessed Income	40.39	2010-11	Appeal filed with Appellate Authority on 16.4.14	Hearing date not yet fixed	Commissioner Appeals Kolkata

सभी कर सम्बद्ध मामलों का विवरण

क्र.सं.	विधान का नाम	प्रारम्भ होने का वर्ष	ब्यौरा	राशि (रु. लाख में)	अवधि वित्तीय वर्ष	वर्तमान स्थिति	लंबित होने का कारण	निम्नांकित में लंबित
32	आय कर अधिनियम 1961	2014-15	आकलित आय	21.34	2011-12	17.4.15 को अपीलेट अथॉरिटी के पास अपील दायर	सुनवाई की तारीख अब तक निर्धारित नहीं	आयुक्त अपील्स कोलकाता
33	आय कर अधिनियम 1961	2010-11	आकलित आय	51.56	2002-03	उच्च न्यायालय कलकत्ता में लंबित	सुनवाई की तारीख अब तक निर्धारित नहीं	उच्च न्यायालय कोलकाता
34	अप्र वैट अधिनियम 2005	2007-08	विवादित टर्नओवर	27.46	2007-08	उच्च न्यायालय आंध्र प्रदेश में लंबित	कार्यवाही में विलम्ब	उच्च न्यायालय आप्र
35	अप्र वैट अधिनियम 2005	2008-09	विवादित टर्नओवर	42.66	2008-09	उच्च न्यायालय आंध्र प्रदेश में लंबित	कार्यवाही में विलम्ब	उच्च न्यायालय आप्र
36	कस्टम्स अधिनियम 1962	2014-15	आयातित कोयला का अंतर टैरिफ	1542.49	2012-13	सीईएसटीएटी बंगलोर में अपील दायर	सुनवाई की तारीख अब तक निर्धारित नहीं	सीईएसटीएटी बंगलोर
37	कस्टम्स अधिनियम 1962	2014-15	आयातित कोयला का अंतर टैरिफ	83.55	2012-13	सीईएसटीएटी बंगलोर में अपील दायर	सुनवाई की तारीख अब तक निर्धारित नहीं	सीईएसटीएटी बंगलोर

Details of all pending tax related cases

Sl No	Name of the Statute	Year of commencement	Particulars	Amount (₹ in lacs)	Period FY	Present status	Reason for pendency	Pending with
32	Income Tax Act 1961	2014-15	Assessed Income	21.34	2011-12	Appeal filed with Appellate Authority on 17.4.15	Hearing date not yet fixed	Commissioner Appeals Kolkata
33	Income Tax Act 1961	2010-11	Assessed Income	51.56	2002-03	Pending with High Court Calcutta	Hearing date not yet fixed	High Court Calcutta
34	AP VAT Act 2005	2007-08	Disputed turnover	27.46	2007-08	Pending with High Court AP	Procedural delay	High Court AP
35	AP VAT Act 2005	2008-09	Disputed turnover	42.66	2008-09	Pending with High Court AP	Procedural delay	High Court AP
36	Customs Act 1962	2014-15	Differential tariff of imported coal	1542.49	2012-13	Appeal filed with CESTAT Bangalore	Hearing date not yet fixed	CESTAT Bangalore
37	Customs Act 1962	2014-15	Differential tariff of imported coal	83.55	2012-13	Appeal filed with CESTAT Bangalore	Hearing date not yet fixed	CESTAT Bangalore

3 वर्षों से अधिक एवं 5 वर्ष से कम समय से लंबित स्वर्ण गहनों के विदेशी क्रताओं के विरुद्ध एमएसटीसी लि. द्वारा याचिका दायर (₹ 50 लाख से अधिक के मामले)

क्र. सं.	मामला का प्रकार	प्रारम्भ होने का वर्ष	ब्यौरा	दावा राशि (रु. लाख में)	मामला की वर्तमान स्थिति	लंबित होने का कारण	निम्नांकित में लंबित
1	एमएसटीसी-बनाम-हैदर इंटरनेशनल ट्रेड एजेंसी, अबु धाबी	2011	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	3,000.24	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
2	एमएसटीसी-बनाम-लियो डायमंड एलएलसी दुबई	2011	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	2,760.10	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
3	एमएसटीसी-बनाम-ऐकिन ट्रेडिंग पीटीई लि.	2012	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	547.02	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	सिंगापुर न्यायालय
4	एमएसटीसी -बनाम-मेट्रिक ट्रेडिंग एफजेडई, फुजैराह	2012	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	1,445.53	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही निष्पादन जारी है	न्यायालय यू.ए.ई. में
5	एमएसटीसी-बनान-मेसर्स अल सिद्रा ज्वेलरी (एलएलसी), दुबाई	2011	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	1,433.14	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
6	एमएसटीसी-बनाम-सुपीरियर जनरल ट्रेडिंग एफजेडई, अजमान यूएई	2011	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	1,424.66	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
7	एमएसटीसी-बनाम-अल सेहेम जनरल ट्रेडिंग अजमान यूएई	2012	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	1,747.85	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
8	एमएसटीसी-बनाम-एएसबी 121 हार्डवेयर ट्रेडिंग (एलएलसी) दुबई, यूएई	2012	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	1,185.55	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
9	एमएसटीसी-बनाम- हादिर प्रोजेक्ट्स एवं इनवायरमेंट सिस्टम एलएलसी, अबु धाबी यूएई	2012	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	1,626.63	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
10	एमएसटीसी-बनाम-ग्लेमर डायमंड्स एंड ज्वेलरी, एलएलसी दुबई, यूएई	2012	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	2,890.53	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
11	एमएसटीसी-बनाम-गोल्डेन प्लेस ज्वेलरी एलएलसी	2012	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	2,151.63	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
12	एमएसटीसी-बनाम-मून राइस जनरल ट्रेडिंग	2012	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	1,433.13	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में

LITIGATION FILED BY MSTC LTD against foreign buyer of Gold Jewellary pending for more than 3 years and less than 5 years (More than ₹ 50 lacs cases)

Sl No	Type of case	Year of commencement	Particulars	Claim Amount (₹ in lacs)	Present status of case	Reason for pendency	Pending with
1	MSTC- Versus- Hadar International Trade Agency, Abu Dhabi	2011	Execution of Award for recovery of dues	3,000.24	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
2	MSTC- Versus- Leo Diamond LLC, Dubai	2011	Execution of Award for recovery of dues	2,760.10	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
3	MSTC- Versus- Eakin Trading Pte Ltd	2012	Execution of Award for recovery of dues	547.02	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Singapore Court
4	MSTC- Versus- Metric Trading FZE, Fujairah	2012	Execution of Award for recovery of dues	1,445.53	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
5	MSTC- Versus- M/s. Al Sidra Jewellery (LLC), Dubai	2011	Execution of Award for recovery of dues	1,433.14	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
6	MSTC- Versus- Superior General Trading FZE, Ajman UAE	2011	Execution of Award for recovery of dues	1,424.66	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
7	MSTC- Versus- Al Sehem General Trading, Ajman UAE	2012	Execution of Award for recovery of dues	1,747.85	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
8	MSTC- Versus- ASB 121 Hardware Trading (LLC) Dubai, UAE	2012	Execution of Award for recovery of dues	1,185.55	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
9	MSTC- Versus- Hadir Projects & Environment Systems LLC, Abu Dhabi, UAE	2012	Execution of Award for recovery of dues	1,626.63	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
10	MSTC- Versus- Glamour Diamonds & Jewellery, LLC, Dubai, UAE	2012	Execution of Award for recovery of dues	2,890.53	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
11	MSTC- Versus- Golden Place Jewellery LLC	2012	Execution of Award for recovery of dues	2,151.63	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
12	MSTC- Versus- Moon Rise General Trading	2012	Execution of Award for recovery of dues	1,433.13	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E

3 वर्षों से अधिक एवं 5 वर्ष से कम समय से लंबित स्वर्ण गहनों के विदेशी क्रताओं के विरुद्ध एमएसटीसी लि. द्वारा याचिका दायर (₹ 50 लाख से अधिक के मामले)

क्र. सं.	मामला का प्रकार	प्रारम्भ होने का वर्ष	ब्यौरा	दावा राशि (रु. लाख में)	मामला की वर्तमान स्थित	लंबित होने का कारण	निम्नांकित में लंबित
13	एमएसटीसी-बनाम-हिमालया डायमंड एफजेडसीओ	2012	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	2,894.11	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
14	एमएसटीसी-बनाम-जस्मिन ज्वेलरी एलएलसी	2012	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	1,169.93	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
15	एमएसटीसी-बनाम-मोबिकॉन इंटरनेशनल एफजेडई	2012	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	2,163.30	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
16	एमएसटीसी-बनाम-मिआकॉम जनरल ट्रेडिंग एलएलसी	2012	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	2,211.27	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
17	एमएसटीसी-बनाम-हालया जनरल ट्रेडिंग कं. एलएलसी	2012	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	415.82	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
18	एमएसटीसी-बनाम-श्याम जनरल ट्रेडिंग कं. एलएलसी	2012	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	1,731.15	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
19	एमएसटीसी-बनाम-जीबा जेम्स एलएलसी	2012	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	2,760.68	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
20	एमएसटीसी-बनाम-ट्रेंड स्टार ज्वेलर्स एलएलसी	2012	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	288.45	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
21	एमएसटीसी-बनाम-प्रिसटाइन डायमंडम्स एंड ज्वेल्स एलएलसी	2012	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	1,333.04	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
22	एमएसटीसी-बनाम घानिम ट्रेडिंग	2012	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	1,825.03	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
23	एमएसटीसी-बनाम-अल अनूद जनरल ट्रेडिंग	2013	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	2,998.67	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
24	एमएसटीसी-बनाम-अपोलो ट्रेडिंग एलएलसी	2014	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	1,556.87	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
25	एमएसटीसी-बनाम-फ्यूचर ऑयकन ट्रेडिंग एफजेडई	2013	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	2,480.03	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
26	एमएसटीसी-बनाम-सन एवं मून ज्वेलरी एलएलसी	2013	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	3,403.48	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. म

LITIGATION FILED BY MSTC LTD against foreign buyer of Gold Jewellary pending for more than 3 years and less than 5 years (More than ₹ 50 lacs cases)

Sl No	Type of case	Year of commencement	Particulars	Claim Amount (₹ in lacs)	Present status of case	Reason for pendency	Pending with
13	MSTC- Versus- Himalaya Diamonds FZCO	2012	Execution of Award for recovery of dues	2,894.11	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
14	MSTC- Versus- Jasmine Jewellery LLC	2012	Execution of Award for recovery of dues	1,169.93	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
15	MSTC- Versus- Mobicon International FZE	2012	Execution of Award for recovery of dues	2,163.30	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
16	MSTC- Versus- Miacomm General Trading LLC	2012	Execution of Award for recovery of dues	2,211.27	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
17	MSTC- Versus- Halya Genreal Trading Co. LLC	2012	Execution of Award for recovery of dues	415.82	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
18	MSTC- Versus- Shyam General Trading Co. LLC	2012	Execution of Award for recovery of dues	1,731.15	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
19	MSTC- Versus- Zeeba Gems LLC	2012	Execution of Award for recovery of dues	2,760.68	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
20	MSTC- Versus- Trend Star Jewellers LLC	2012	Execution of Award for recovery of dues	288.45	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
21	MSTC- Versus- Pristine Diamonds & Jewels LLC	2012	Execution of Award for recovery of dues	1,333.04	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
22	MSTC- Versus- Ghanim Trading	2012	Execution of Award for recovery of dues	1,825.03	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
23	MSTC- Versus- Al Anood General Trading	2013	Execution of Award for recovery of dues	2,998.67	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
24	MSTC- Versus- Apollo Trading LLC	2014	Execution of Award for recovery of dues	1,556.87	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
25	MSTC- Versus- Future Icon Trading FZE	2013	Execution of Award for recovery of dues	2,480.03	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
26	MSTC- Versus- Sun & Moon Jewellery LLC	2013	Execution of Award for recovery of dues	3,403.48	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E

3 वर्षों से अधिक एवं 5 वर्ष से कम समय से लंबित स्वर्ण गहनों के विदेशी क्रताओं के विरुद्ध एमएसटीसी लि. द्वारा याचिका दायर (₹ 50 लाख से अधिक के मामले)

क्र. सं.	मामला का प्रकार	प्रारम्भ होने का वर्ष	ब्यौरा	दावा राशि (रु. लाख में)	मामला की वर्तमान स्थित	लंबित होने का कारण	निम्नांकित में लंबित
27	एमएसटीसी-बनाम-माट्ज इंटरनेशनल एफजेडई	2013	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	2,908.78	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
28	एमएसटीसी-बनाम-सालाह जनरल ट्रेडिंग एफजेडई	2013	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	1,049.53	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
29	एमएसटीसी-बनाम-मिनरल रीफ एफजेडई	2013	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	1,315.25	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
30	एमएसटीसी-बनाम-लबधी इंटरनेशनल एफजेडई	2013	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	1,277.08	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
31	एमएसटीसी-बनाम-कैस्टेलो सेरामिक एफजेडई	2013	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	1,236.20	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
32	एमएसटीसी-बनाम-स्टार एयॉलज एलएलसी एफजेडई	2013	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	2,138.05	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
33	एमएसटीसी-बनाम-समरल जनरल ट्रेडिंग एलएलसी	2014	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	2,174.02	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
34	एमएसटीसी-बनाम-बोडरा ट्रेडिंग कं. एलएलसी	2014	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	1,479.99	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
35	एमएसटीसी-बनाम-एक्सपैन डायमंड्स एलएलसी	2014	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	1,497.65	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
36	एमएसटीसी-बनाम-जाहलाह जनरल ट्रेडिंग एलएलसी	2014	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	1,752.65	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
37	एमएसटीसी-बनाम-एचपीके इंटरनेशनल एलएलसी	2014	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	626.71	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
38	एमएसटीसी-बनाम-रेड डील्स जनरल ट्रेडिंग एलएलसी	2014	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	2,890.04	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
39	एमएसटीसी-बनाम-पार्को जनरल ट्रेडिंग एलएलसी	2014	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	1,466.31	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
40	एमएसटीसी-बनाम-साजगयान डिआम एलएलसी	2014	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	2,890.53	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में

LITIGATION FILED BY MSTC LTD against foreign buyer of Gold Jewellary pending for more than 3 years and less than 5 years (More than ₹ 50 lacs cases)

Sl No	Type of case	Year of commencement	Particulars	Claim Amount (₹ in lacs)	Present status of case	Reason for pendency	Pending with
27	MSTC- Versus- Matz International FZE	2013	Execution of Award for recovery of dues	2,908.78	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
28	MSTC- Versus- Salah General Trading FZE	2013	Execution of Award for recovery of dues	1,049.53	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
29	MSTC- Versus- Mineral Reef FZE	2013	Execution of Award for recovery of dues	1,315.25	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
30	MSTC- Versus- Labdhi International FZE	2013	Execution of Award for recovery of dues	1,277.08	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
31	MSTC- Versus- Castelo Ceramic FZE	2013	Execution of Award for recovery of dues	1,236.20	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
32	MSTC- Versus- Star Alloys LLC FZE	2013	Execution of Award for recovery of dues	2,138.05	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
33	MSTC- Versus- Smarl General Trading LLC	2014	Execution of Award for recovery of dues	2,174.02	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
34	MSTC- Versus- Bodra Trading Co LLC	2014	Execution of Award for recovery of dues	1,479.99	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
35	MSTC- Versus- Xpan Diamonds LLC	2014	Execution of Award for recovery of dues	1,497.65	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
36	MSTC- Versus- Zahlah General Trading LLC	2014	Execution of Award for recovery of dues	1,752.65	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
37	MSTC- Versus- HPK International LLC	2014	Execution of Award for recovery of dues	626.71	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
38	MSTC- Versus- Red Deals General Trading LLC	2014	Execution of Award for recovery of dues	2,890.04	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
39	MSTC- Versus- Parco General Trading LLC	2014	Execution of Award for recovery of dues	1,466.31	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
40	MSTC- Versus- Sajgyan Diam LLC	2014	Execution of Award for recovery of dues	2,890.53	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E

3 वर्षों से अधिक एवं 5 वर्ष से कम समय से लंबित स्वर्ण गहनों के विदेशी क्रताओं के विरुद्ध एमएसटीसी लि. द्वारा याचिका दायर (₹ 50 लाख से अधिक के मामले)

क्र. सं.	मामला का प्रकार	प्रारम्भ होने का वर्ष	ब्यौरा	दावा राशि (रु. लाख में)	मामला की वर्तमान स्थित	लंबित होने का कारण	निम्नांकित में लंबित
41	एमएसटीसी-बनाम-हसन मजिद ट्रेडिंग	2014	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पदान	1,743.80	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई में
42	एमएसटीसी-बनाम-गोल्डेन स्टॉक इलेक्ट्रॉनिक्स एलएलसी	2014	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पदान	2,955.25	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई में
43	एमएसटीसी-बनाम-नूरजहां जनरल ट्रेडिंग एलएलसी	2014	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पदान	2,948.36	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई में
44	एमएसटीसी-बनाम-साउथ गोल्ड डस्ट जनरल ट्रेडिंग एलएलसी	2014	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पदान	3,042.51	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई में
45	एमएसटीसी-बनाम-माइन गोल्ड एंड ज्वेलरी	2014	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पदान	2,847.89	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई में
46	एमएसटीसी-बनाम-नखिल अल कुवैत ट्रेडिंग	2014	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पदान	1,283.18	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	कुवैत न्यायालय

LITIGATION FILED BY MSTC LTD against foreign buyer of Gold Jewellary pending for more than 3 years and less than 5 years (More than ₹ 50 lacs cases)

Sl No	Type of case	Year of commencement	Particulars	Claim Amount (₹ in lacs)	Present status of case	Reason for pendency	Pending with
41	MSTC- Versus- Hassan Majid Trading	2014	Execution of Award for recovery of dues	1,743.80	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
42	MSTC- Versus- Golden Stock Electronics LLC	2014	Execution of Award for recovery of dues	2,955.25	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
43	MSTC- Versus- Noorjahan General Trading LLC	2014	Execution of Award for recovery of dues	2,948.36	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
44	MSTC- Versus- South Gold Dust General Trading LLC	2014	Execution of Award for recovery of dues	3,042.51	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
45	MSTC- Versus- Mine Gold & Jewellery	2014	Execution of Award for recovery of dues	2,847.89	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
46	MSTC- Versus- Nakhil Al Kuwait Trading	2014	Execution of Award for recovery of dues	1,283.18	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Kuwait Court

एमएसटीसी लि. के विरुद्ध पंचाट दायर 5 वर्षों से अधिक समय से लंबित (₹ 50 लाख से अधिक के मामले)

क्र. सं.	मामला का प्रकार	प्रारम्भ होने का वर्ष	ब्यौरा	राशि (रु. लाख में)	मामला की वर्तमान स्थिति	लंबित होने का कारण	निम्नांकित में लंबित
1	अजमेर स्टील्स प्रा. लि. बनाम इंद्रप्रस्थ पावर जेनरेशन कम्पनी लिमिटेड एवं एमएसटीसी	2007	ऑक्शन हुई सामग्रियों के संबंध में विवाद	485.00	सुनवाई की परवर्ती तारीख 29/08/2015	पंचाट सुनवाई स्तर में	पंचाट अधिकारी
2	इस्सके ओवरसीज आईएनसी-बनाम एमएसटीसी	27.07.2007	आयरन ओर फिन्स के निर्यात के संबंध में विवाद	764.67	आदेश हेतु सुरक्षित	आदेश हेतु सुरक्षित	पंचाट अधिकारी
3	ताहा ट्रेडर्स-बनाम इंडियन आयल कार्पोरेशन लिमिटेड एवं एमएसटीसी	05.04.2006	प्रिंसिपल द्वारा ऑक्शन हुई सामग्री की गैर-आपूर्ति	188.76	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 23/07/2015	पंचाट अंतिम बहस स्तर में है	पंचाट अधिकारी
4	एमवी आर्मकोमोबिल ड्रिलिंग प्लेटफार्म, एमवी डॉलफिन टाइटन रिग, एमवी रोया, एमवी दुबई हार्स बनाम एमएसटीसी	1987	विश्वासघात का दावा	93.89	पंचाट जारी	पंचाट जारी	पंचाट अधिकारी

एमएसटीसी लि. के विरुद्ध पंचाट दायर 1 वर्ष से अधिक परन्तु 2 वर्ष से कम समय से लंबित (₹ 50 लाख से अधिक के मामले)

5	आर.एस. कंस्ट्रक्शन-बनाम-बिहार स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड एवं एमएसटीसी	19.04.2014	समय के भत्ते से सम्बद्ध विवाद	2,525.71	सुनवाई की अंतिम तारीख 03/07/2015. नई तारीख निर्धारित होनी है।	दावेदार के गवाहों का जिरह चल रहा है	पंचाट अधिकारी

एमएसटीसी लि. के विरुद्ध पंचाट दायर 1 वर्ष से कम समय से लंबित (₹ 50 लाख से अधिक के मामले)

6	मुक्ति क्रेडिट प्रा. लि.	2015	विलंबित भुगतान दंड एवं ग्राउण्ड किराए का छूट	600.00	मामला अनिश्चितकालीन हेतु स्थगित है	मामला अनिश्चितकालीन हेतु स्थगित है	पंचाट अधिकारी

ARBITRATION FILED AGAINST MSTC LTD. pending for more than 5 years (More than ₹ 50 lacs cases)							
Sl No	**Type of case**	**Year of commencement**	**Particulars**	**Amount (₹ in lacs)**	**Present status of the case**	**Reason for pendency**	**Pending with**
1	Ajmera Steels Pvt. Ltd. -VS- Indraprstha Power Generaion Company Limited & MSTC	2007	Dispute with regard to auctioned material.	485.00	Next date of hearing 29/08/2015	Arbitration at hearing stage	Arbitrator
2	Esskay overseas INC -VS- MSTC	27.07.2007	Dispute with regard to export of iron ore fines.	764.67	Reserved for Award	Reserved for Award	Arbitrator
3	Taha Traders -VS- Indian Oil Corporation Limited & MSTC	05.04.2006	Non-Supply of Auctioned material by the principal	188.76	Next date of hearing 23/07/2015	Arbitration is at final argument stage.	Arbitrator
4	MV Armcomobile Drilling Platform, MV Dolphin Titan Rig, MV Roya, MV Dubai Horse Vs MSTC	1987	Claim for breach of contract	93.89	Arbitration continuing	Arbitration continuing	Arbitrator
ARBITRATION FILED AGAINST MSTC LTD. pending for more than 1 year but less than 2 years (More than ₹ 50 lacs cases)							
5	R.S. Construction -VS- Bihar State Electricity Board & MSTC	19.04.2014	Dispute related to allowance of time.	2,525.71	Last date of hearing 03/07/2015.New date yet to be fixed.	Cross Examination of claimant's witness going on	Arbitrator
ARBITRATION FILED AGAINST MSTC LTD. pending for less than 1 year (More than ₹ 50 lacs cases)							
6	Mukti Credit Pvt. Ltd	2015	Waiver of Late payment penalty and ground rent.	600.00	The matter is adjourned sine die	The matter is adjourned sine die	Arbitrator

एमएसटीसी लि. द्वारा पंचाट दायर 5 वर्षों से अधिक समय से लंबित (₹ 50 लाख से अधिक के मामले) अनुलग्नक सी

क्र. सं.	मामला का प्रकार	प्रारम्भ होने का वर्ष	ब्यौरा	राशि (रु. लाख में)	मामला की वर्तमान स्थिति	लंबित होने का कारण	निम्नांकित में लंबित
1	एमएसटीसी-बनाम-गीस्कोल एलॉय लिमिटेड	03.08.2010	बकाए ऋण की वसूली	1,008.92	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 07/08/2015	पंचाट कार्यवाही में बिलम्ब एवं पंचाट अधिकारी का परिवर्तन	पंचाट अधिकारी
2	एमएसटीसी लि.-बनाम-सेसा इंटरनेशनल	10.09.2009	बकाए ऋण की वसूली	5,708.44	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 16/07/2015	पंचाट कार्यवाही में बिलम्ब एवं पंचाट अधिकारी का परिवर्तन	पंचाट अधिकारी
3	एमएसटीसी लि.-बनाम-बोनिटो इम्पेक्स पीवीवाई लि./इंडो बोनिटो मल्टिनेशनल लि.	11.01.2010	बकाए की वसूली	7,451.99	आदेश हेतु आरक्षित	आदेश हेतु आरक्षित	पंचाट अधिकारी
4	एमएसटीसी लि.-बनाम-उष्मा ज्वेलर्स पैकेजिंग एक्सपोर्ट प्रा. लि.	27.01.2010	बकाए की वसूली	13,798.63	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 21/07/2015	पंचाट अतिविवादास्पद स्थिति में	पंचाट अधिकारी
5	एमएसटीसी लि.-बनाम-के.ए. माले फर्मास्युटिकल्स लि.	29.01.2010	बकाए की वसूली	9,417.11	अंतिम सुनवाई 19/06/2015, कोई नई तारीख नहीं	पंचाट का निष्कर्ष शीघ्र	पंचाट अधिकारी
6	एमएसटीसी लि.-बनाम-जेना इंटरप्राइज	19.06.2006	बकाए ऋण की वसूली	651.34	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 20/07/2015	पंचाट अतिविवादास्पद स्थिति में	पंचाट अधिकारी
7	एमएसटीसी लि.-बनाम-जीटीएस इंडस्ट्रीज लि.	18.03.2007	बकाए ऋण की वसूली	295.95	आदेश हेतु आरक्षित	आदेश हेतु आरक्षित	पंचाट अधिकारी
8	एमएसटीसी लि.-बनाम-रिलायंस सिलिकॉन इंडस्ट्रीज लि.	16.06.2004	बकाए ऋण की वसूली	606.37	माननीय उच्च न्यायालय, बम्बे के निर्देशानुसार मामला स्थगित किया गया है।	माननीय उच्च न्यायालय, बम्बे के निर्देशानुसार मामला स्थगित किया गया है।	पंचाट अधिकारी
एमएसटीसी लि. द्वारा पंचाट दायर 2 वर्ष से अधिक परन्तु 3 वर्षों से कम समय से लंबित (₹ 50 लाख से अधिक के मामल)							
9	एमएसटीसी लि.-बनाम-महेश्वरी इस्पात लिमिटेड	19.08.2013	बकाए ऋण की वसूली	337.83	सुनवाई की परिवर्तित तारीख 11/08/2015	पंचाट साक्ष्य हेतु आ रहे हैं	पंचाट अधिकारी
एमएसटीसी लि. द्वारा पंचाट दायर 1 वर्ष से कम समय से लंबित (₹ 50 लाख से अधिक के मामल)							
10	एमएसटीसी लि.-बनाम-मेहेरकिरण इंटरप्राइज लिमिटेड	22.09.2014	बकाए ऋण की वसूली	9,208.93	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 10/07/2015	पंचाट एमएसटीसी के गवाहों के पुनः जांच हेतु आ रहे हैं।	पंचाट अधिकारी
11	एमएसटीसी लि.-बनाम-कृष्णा कोक (इण्डिया) प्रा. लि.	22.09.2014	बकाए ऋण की वसूली	2,589.89	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 22/07/2015	एमएसटीसी के गवाहों की जांच चल रही है	पंचाट अधिकारी
12	एमएसटीसी लि.-बनाम-मार्मागोवा स्टील्स लि.	09.02.2015	बकाए ऋण की वसूली	2,384.59	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 10/07/2015	पंचाय की नियमित सुनवाई हो रही है	पंचाट अधिकारी
13	एमएसटीसी लि.-बनाम-इंडो आर्या सेण्ट्रल ट्रान्सपोर्ट लि.	22.02.2014	बकाए ऋण की वसूली	341.07	उच्छ न्यायालय के आदेशानुसार पंचाट स्थगित	उच्च न्यायालय के आदेशानुसार पंचाट स्थगित	पंचाट अधिकारी
14	एमएसटीसी लि.-बनाम-टॉपवर्थ स्टील्स एंड पावर प्रा. लि.	24.11.2014	बकाए ऋण की वसूली बकाए ऋण की वसूली	12,710.66	आदेश हेतु आरक्षित	माननीय बम्बे उच्च न्यायालय के आदेशानुसार पंचाट निलम्बन रखा गया है	पंचाट अधिकारी
15	एमएसटीसी लि.-बनाम-क्रीस्ट स्टील एंड पावर प्रा. लि.	24.11.2014	बकाए ऋण की वसूली	4,890.16	आदेश हेतु आरक्षित	आदेश हेतु आरक्षित	पंचाट अधिकारी

ARBITRATION FILED BY MSTC LTD. pending for more than 5 years (More than ₹ 50 lacs cases) — Annexure C

Sl No	Type of case	Year of commencement	Particulars	Amount (₹ in lacs)	Present status of the case	Reason for pendency	Pending with
1	MSTC Ltd. -VS- Gyscoal Alloys Limited	03.08.2010	Recovery of Outstanding dues.	1,008.92	Next date of hearing 07/08/2015	Arbitral procedural delay and change of Arbitrator	Arbitrator
2	MSTC Ltd. -VS- Sesa International	10.09.2009	Recovery of Outstanding dues.	5,708.44	Next date of hearing 16/07/2015	Arbitral procedural delay and change of Arbitrator	Arbitrator
3	MSTC Ltd. -VS- Bonito Impex Pvy. Ltd/Indo Bonito Multinational Ltd	11.01.2010	Recovery of dues.	7,451.99	Reserved for Award	Reserved for award.	Arbitrator
4	MSTC Ltd. -VS- Ushma Jewellers Packaging Export Pvt. Ltd.	27.01.2010	Recovery of dues.	13,798.63	Next date of hearing 21/07/2015	Arbitration being heavily contested.	Arbitrator
5	MSTC Ltd. -VS- K.A. Malle Pharmaceuticals Ltd.	29.01.2010	Recovery of dues.	9,417.11	Last hearing 19/06/2015, no new date	Arbitration to conclude soon.	Arbitrator
6	MSTC Ltd. -VS- Jena Enterprises	19.06.2006	Recovery of Outstanding dues.	651.34	Next date of hearing 20/07/2015	Arbitration being heavily contested.	Arbitrator
7	MSTC Ltd. -VS- GTS Industries Ltd.	18.03.2007	Recovery of Outstanding dues.	295.95	Reserved for Award	Reserved for Award	Arbitrator
8	MSTC Ltd.-VS- Reliance Silicone Industries Ltd.	16.06.2004	Recovery of Outstanding dues.	606.37	Matter has been stayed as per the direction of the Hon'ble high court, Bombay .	Matter has been stayed as per the direction of the Hon'ble high court, Bombay.	Arbitrator
ARBITRATION FILED BY MSTC LTD. pending for more than 2 years but less than 3 years (More than ₹ 50 lacs cases)							
9	MSTC Ltd. -VS- Maheshwari Ispat Limited.	19.08.2013	Recovery of Outstanding dues.	337.83	Next date of hearing 11/08/2015	Arbitration is coming up for evidence.	Arbitrator
ARBITRATION FILED BY MSTC LTD. pending for less than 1 year (More than ₹ 50 lacs cases)							
10	MSTC Ltd. -VS- Meherkiran Enterprise Limited	22.09.2014	Recovery of Outstanding dues.	9,208.93	Next date of hearing 10/07/2015	Arbitration is coming up for cross examination of MSTC's witness.	Arbitrator
11	MSTC Ltd. -VS- Krishna Coke (India) Pvt. Ltd.	22.09.2014	Recovery of Outstanding dues.	2,589.89	Next date of hearing 22/07/2015	Examination of MSTCs witness is going on.	Arbitrator
12	MSTC Ltd. -VS- Marmagoa steels Ltd.	09.02.2015	Recovery of Outstanding dues.	2,384.59	Next date of hearing 10/07/2015	Arbitration being heard regulary.	Arbitrator
13	MSTC Ltd. -VS- Indo Arya Central Transport Ltd.	22.02.2014	Recovery of Outstanding dues.	341.07	Arbitration adjourned as per the order of High Court	Arbitration adjourned as per the order of High Court	Arbitrator
14	MSTC Ltd. -VS- Topworth Steels and Power Pvt. Ltd.	24.11.2014	Recovery of Outstanding dues.	12,710.66	Reserved for award	Arbitration kept in abeyance as per the order of Hon'ble Bombay High Court	Arbitrator
15	MSTC Ltd. -VS- Crest Steel and Power Pvt. Ltd.	24.11.2014	Recovery of Outstanding dues.	4,890.16	Reserved for award	Reserved for award	Arbitrator

एमएसटीसी लि.के विरुद्ध याचिका दायर 5 वर्षों से अधिक समय से लंबित(₹ 50 लाख से अधिक के मामले)

क्र. सं.	मामला का किस्म	प्रारम्भ वर्ष	विवरण	राशि (रु. लाख में)	मामला की वर्तमान स्थिति	लंबित का कारण	लंबित
1	सेसा बनाम आईओबी एवं एमएसटीसी	2009	सामग्रियों के स्वामी के रूप में आईओबी की घोषणा एवं सेसा से राशि की वसूली से एमएसटीसी एवं आईओबी को प्रतिबंध	149.00	अभी तक पोस्ट नहीं किया गया	अभी तक पोस्ट नहीं	माननीय उच्च न्यायालय, कलकत्ता
2	सेसा बनाम एमएसटीसी एवं अन्य	2010	सामग्रियों के स्वामी के रूप में आईओबी की घोषणा एवं सेसा से राशि की वसूली से एमएसटीसी एवं आईओबी को प्रतिबंध	230.00	अभी तक पोस्ट नहीं किया गया	अभी तक पोस्ट नहीं किया गया	माननीय उच्च न्यायालय, कलकत्ता
3	निमित्या प्रोप बनाम एमएसटीसी	2008	राजपुरा में भूमि बिक्री से सम्बद्ध विवाद	250.00	सुनवाई की अंतिम तारीख 25.10.2013	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	दिल्ली उच्च न्यायालय
4	मेसर्स नैक टेक्नो इंडिया-बनाम-एमएसटीसी	2006	सामग्रियों को उठाने से सम्बद्ध विवाद	64.91	सुनवाई की अंतिम तारीख 14.12.2013	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	सिविल कोर्ट बारासात
5	मेसर्स हिन्दुस्तान स्टील इंडस्ट्रीज-बनाम स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लि. एवं एमएसटीसी	1992		93.77	सूचीबद्ध किया जाना है।	सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाना है।	उच्च न्यायालय, कलकत्ता
6	सननाराएन सीवेज आईएनसी, मोनरोविया बनाम-एमएसटीसी	2009	पंचाट अधिकारी द्वारा आदेश का निष्पादन	180.00	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 06.10.2015	न्यायालय की कार्यवाही जारी है एवं सुनवाई की स्थिति में है	दिल्ली उच्च न्यायालय
7	जिंदल स्ट्रिप्स लि.-बनाम-एमएसटीसी लि. (रु. 98774024.00 की राशि हेतु एमएसटीसी के पक्ष में मुख्य मनी सूट में डिक्री तदुपरांत जिंडल स्ट्रिप्स लि. द्वारा आवेदन निवारक दायर)	1984	सामग्री के गुणवत्ता के संबंध में विवाद 0	987.74	सुनवाई की अंतिम तारीख 06.06.2015	एमएसटीसी के गवाहों की पुनः जांच जारी।	4थे सिविल जज का न्यायालय(सीनियर डिवी.)अलीपुर, कोलकाता

LITIGATION FILED AGAINST MSTC LTD. pending for more than 5 years (More than ₹ 50 lacs cases)

Sl No	Type of case	Year of commencement	Particulars	Amount (₹ in lacs)	Present status of the case	Reason for pendency	Pending with
1	Sesa VS IOB and MSTC	2009	Declaring IOB as owner of the materials and restraining MSTC and IOB from recovering the amounts from SESA	149.00	not yet posted	not yet posted	Hon'ble High Court of Calcutta
2	Sesa VS MSTC & Ors	2010	Declaring IOB as owner of the materials and restraining MSTC and IOB from recovering the amounts from SESA	230.00	not yet posted	not yet posted	Hon'ble High Court of Calcutta
3	Nimitaya Prop vs MSTC	2008	Dispute related to land sale in Rajpura	250.00	Last date of hearing 25.10.2013	Court's proceeding continuing	Delhi High Court
4	M/s. Nac Techno India -VS- MSTC	2006	Dispute related to lifting of material	64.91	Last date of hearing 14.12.2013	Court's proceeding continuing	Civil court Barasat
5	M/s Hindusthan Steel Industries -VS- Steel Authority of India Ltd. & MSTC Ltd.	1992		93.77	Yet to be posted	Yet to be listed for hearing.	High Court of Calcutta
6	Sunnaraen Seaways INC, Monrovia -VS- MSTC	2009	Execution of award passed by arbitrator	180.00	Next Date of hearing 06.10.2015	Court's proceeding continuing and is at hearing stage.	Delhi High Court.
7	Jindal Strips Ltd. -VS- MSTC Ltd (Main Money suit decreed in MSTC's favour for an amount of ₹ 98774024.00 thereafter setting aside application filed by Jindal strips Ltd)	1984	Dispute related to quality of material.	987.74	Last date of hearing 06.06.2015	Cross Examination of MSTC witness going on.	Court of 4th Civil Judge (senior Div) at Alipore, Kolkata

क्र. सं.	मामला का प्रकार	प्रारम्भ होने का वर्ष	ब्यौरा	राशि (रु. लाख में)	मामला की वर्तमान स्थिति	लंबित होने का कारण	निम्नांकित में लंबित
8	मेसर्स आशा इंजीनियरिंग एवं ट्रेडिंग कार्पोरेशन-बनाम-एमएसटीसी एवं एनजेएमसी	2000	सामग्री की डेलीवरी से सम्बद्ध विवाद	100.00	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 09.07.2015.	साक्ष्य हेतु न्यायालय की कार्यवाही जारी	सिविल जज का न्यायालय(सीनि. डिवी) अलीपुर, कोलकाता
9	महिमा बैरेल्स-बनाम-आईओसीएल एवं एमएसटीसी			57.00	सुनवाई के लिए नहीं आर रहे हैं	सुनवाई के लिए नहीं आ रहे है	बम्बे उच्च न्यायालय
10	आरसीपीएल-बनाम-यूनियन बैंक ऑफ इंडिया एवं एमएसटीसी			140.00	अब तक पोस्ट नहीं किया गया	सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाना	बम्बे उच्च न्यायालय
11	महाराश्ता वेयरहाउसिंग कार्पोरेशन बनाम- एमएसटीसी	2007	स्टॉक यार्ड किराए का विवाद	29.37	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 09.07.2015	न्यायालय की कार्यवाही जारी	बम्बे उच्च न्यायालय
12	ओमेगा पेट्रो प्रोडटक्स बनाम एमएसटीसी	2002	पुनरुद्धार हेतु मामला	306.00	अब तक निर्णित नहीं	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	बम्बे उच्च न्यायालय
एमएसटीसी लि.के विरुद्ध याचिका दायर 3 वर्षों से अधिक परन्तु 5 वर्षों से कम समय से लंबित(₹ 50 लाख से अधिक के मामले)							
13	महेश्वरी इस्पात लिमिटेड-बनाम एमएसटीसी लि. एवं ट्रांसेफ सर्विसेज लिमिटेड	2011	बकाया ऋण की वसूली	92.90	मामले को माननीय उच्च न्यायालय द्वारा पंचाट को पुनः लौट दिया गया है।	न्यायालय की कार्यवाही जारी	उच्च न्यायालय कलकत्ता
14	स्टेट ट्रेडिंग कार्पोरेशन-बनाम-एमएसटीसी लि., सीएसपीएल एंड	2012		540.02	सुनवाई जारी	न्यायालय की कार्यवाही जारी	सिविल कोर्ट, एसएनआर डिवी., पनवेल
15	स्टेट ट्रेडिंग कार्पोरेशन-बनाम-एमएसटीसी लि., कॉनरोस स्टील एंड पावर लिमिटेड एंड, सेण्ट्रल वेयरहासिंग कार्पोरेशन, ट्रान्सेफ सर्विसेज लिमिटेड	2012	पनवेल कोर्ट के आदेश के विरुद्ध एसटीसी द्वारा अपील दायर यथा स्थिति जैसा	540.02	सुनवाई की अंतिम तारीख 23.01.2013	न्यायालय की कार्यवाही जारी है एवं एसटीसी गवाहों का पुनः परीक्षा चल रहा है	बम्बे उच्च न्यायालय
16	स्टैण्डर्ड चार्टर्ड बैंक-बनाम-एमएसटीसी लि.	2012	प्राप्ययोग्य क्रय समझौता के लिए ऋण	5,509.00	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 13.07.2015	न्यायालय की कार्यवाही जारी	ऋण वसूली ट्रिब्यूनल

Sl No	Type of case	Year of commencement	Particulars	Amount (₹ in lacs)	Present status of the case	Reason for pendency	Pending with
8	M/s. Asha Engineering and Trading Corporation -VS- MSTC and NJMC	2000	Dispute related to delivery of material	100.00	Next Date of hearing 09.07.2015.	Court's proceeding continuing for appearance	Court of Civil Judge (Sr. Div.) at Alipore, Kolkata
9	Mahima Barrels -VS- IOCL & MSTC			57.00	Not coming up for hearing.	Not coming up for hearing.	Bombay High Court
10	RCPL -VS- Union Bank of India and MSTC			140.00	Not yet posted	Not yet posted	Bombay High Court
11	Maharashta Warehousing Corporation-VS- MSTC	2007	Dispute of stock yard rent	29.37	Next Date of hearing . 09.07.2015	Court's proceeding continuing	Bombay City Civil Court
12	Omega Petro Products VS MSTC	2002	Suit for revival	306.00	not yet posted	Court's proceeding continuing	Bombay High Court
LITIGATION FILED AGAINST MSTC LTD. pending for more than 3 years but less than 5 years (More than ₹ 50 lacs cases)							
13	Maheshwari Ispat Limited-VS MSTC Ltd. & Transafe Services Limited	2011	Recovery of Outstanding dues	92.90	The matter has been revert back to arbitration by the Hon'ble High Court	Court's proceeding continuing	High Court of Calcutta
14	State Trading Corporation -VS- MSTC Ltd, CSPL &	2012		540.02	Hearing Continuing.	Court's proceeding continuing.	Civil Court, Snr. Div at Panvel
15	Transafe Services Limited State Trading Corporation-VS- MSTC Ltd, Conros Steel & Power Limited &, Central Warehousing Corporation, Transafe Services Limited	2012	Appeal filed by STC against order of Panvel Court vacating status Quo	540.02	Last date of hearing 23.01.2013	Court's proceeding continuing and cross examination of STC witness going on	Bombay High Court
16	Standard Chartered bank -VS-MSTC Ltd.	2012	Dues for Receivable purchase agreement	5,509.00	Next Date of hearing 13.07.2015	Court's proceeding continuing	Debts Recovery Tribunal

क्र. सं.	मामला का प्रकार	प्रारम्भ होने का वर्ष	ब्यौरा	राशि (रु. लाख में)	मामला की वर्तमान स्थिति	लंबित होने का कारण	निम्नांकित में लंबित
17	पेन को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड बनाम- एमएसटीसी लि. एवं अन्य	2012	सावधि जमा (एफडी) पर ब्याज की वापसी	1,294.53	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 22.07.2015	न्यायालय की कार्यवाही जारी	सिविल जज, सीनि. डिवी., का कोर्ट, अलीबाग
18	श्रीभूमि स्टील प्रा. लि. -बनाम- आईजीएम एवं एमएसटीसी	2012	जमा बयाना राशि(ईएमडी) के जब्त किये से सम्बद्ध विवाद	127.27	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 16.08.2012	न्यायालय की कार्यवाही जारी	उच्च न्यायालय, कलकत्ता
19	जेमिनी आयरन एंड मेटल कं.-बनाम- एमएसटीसी और डब्ल्यूए, न्यूजर्सी यूएसए के निर्यातकों-बनाम-एमएसटीसी (रु. 21863500/- जेमिनी आयरन ओर एंड मेटल कं. एवं रु. 27333019/- डब्ल्यूए, न्यू जर्सी यूएसए के निर्यातकों)	2012	जमा बयाना राशि(ईएमडी) के जब्त किये से सम्बद्ध विवाद	491.97	सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाना है।	न्यायालय की कार्यवाही जारी	अलीपुर कोर्ट, कोलकाता
20	टॉवर स्टील्स लिमिटेड-बनाम- एमएसटीसी(रु. 1.27 हेतु प्रदान करने हेतु पंचाट में सीआरएस पारित जिसका पार्टी द्वारा उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई है)	2011		127.00		न्यायालय की कार्यवाही जारी	उच्च न्यायालय, मद्रास
एमएसटीसी द्वारा याचिका दायर 2 वर्षों से अधिक परन्तु 3 वर्षों से कम समय से लंबित (रु. 50 लाख से अधिक का मामला)							
21	मेसर्स आलंग मेटल एक्जिम प्रा. लि. -बनाम- एमएसटीसी एवं अन्य	2013	ईएमडी का जब्त किया जाना	68.00		न्यायालय की कार्यवाही जारी	एडिशनल सिटी सिविल एवं सेशन जज बंगलोर
एमएसटीसी द्वारा याचिका दायर 1 वर्ष से अधिक परन्तु 2 वर्षों से कम समय से लंबित (रु. 50 लाख से अधिक का मामला)							
22	इंडो आर्या सेण्ट्रल ट्रान्सपोर्ट लिमिटेड -बनाम-एमएसटीसी	2014	हल्दिया स्टाकयार्ड के सबलीज से सम्बद्ध विवाद	861.21	माननीय उच्च न्यायालय द्वारा मामला पंचाट को पुनः वापस कर दिया गया है।	माननीय उच्च न्यायालय द्वारा मामला पंचाट को पुनः वापस कर दिया गया है।	उच्च न्यायालय कलकत्ता
एमएसटीसी द्वारा याचिका दायर 1 वर्ष से कम समय लंबित (रु. 50 लाख से अधिक का मामला)							
23	मेसर्स आलंग मेटल एक्जिम प्रा. लि. -बनाम-एमएसटीसी एवं अन्य	2015		68.00	सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाना है।	अभी तक पोस्ट नहीं किया गया	उच्च न्यायालय कर्नाटका, बंगलोर

Sl No	Type of case	Year of commencement	Particulars	Amount (₹ in lacs)	Present status of the case	Reason for pendency	Pending with
17	Pen Cooperative Urban Bank Limited -VS MSTC Ltd. & Ors	2012	Refund of Interest on FD.	1,294.53	Next Date of hearing 22.07.2015	Court's proceeding continuing	Court of Civil Judge, Snr Div, at Alibaug
18	Sreebhumi Steel Pvt. Ltd. -VS- IGM & MSTC	2012	Dispute related to forfeiture of EMD	127.27	Last date of hearing 16.08.2012	Court's proceeding continuing	High Court of Calcutta
19	Gemini Iron & Metal Co. -VS- MSTC & Exporters of WA, Newjersy USA -VS MSTC (Rs. 21863500/- - Gemini Iron Ore & Metal Co. and Rs. 27333019/- -Exporters of WA, New Jersy USA)	2012	Dispute related to forfeiture of EMD	491.97	Not yet posted	Court's proceeding continuing	Alipore Court, Kolkata
20	Tower steels Limited -VS- MSTC (Award for Rs. 1.27 CRS passed in arbitration which has been challenged in High Court by Party)	2011		127.00		Court's proceeding continuing	High Court of Madras
LITIGATION FILED BY MSTC LTD. pending for more than 2 years but less than 3 years (More than ₹ 50 lacs cases)							
21	M/s Alang Metal Exim Pvt. Ltd. -VS- MSTC & Ors	2013	Forfeiture of EMD	68.00		Court's proceeding continuing	Addl City Civil & Sessions Judge at Bangalore
LITIGATION FILED AGAINST MSTC LTD. pending for more than 1 year and less than 2 years (More than ₹ 50 lacs cases)							
22	Indo Arya Central Transport Limited -VS- MSTC	2014	Dispute related to sublease of Haldia Stockyard	861.21	The matter has been revert back to arbitration by the Hon'ble High Court	The matter has been revert back to arbitration by the Hon'ble High Court	High Court of Calcutta
LITIGATION FILED BY MSTC LTD. pending for less than 1 year (More than ₹ 50 lacs cases)							
23	M/s Alang Metal Exim Pvt. Ltd. -VS- MSTC & Ors	2015		68.00	not yet posted	not yet posted	High court of Karnataka Bangalore

एमएसटीसी लि.द्वारा याचिका दायर 5 वर्षों से अधिक समय से लंबित(₹ 50 लाख से अधिक के मामले)

क्र. सं.	मामला का प्रकार	प्रारम्भ होने का वर्ष	ब्यौरा	राशि (रु. लाख में)	मामला की वर्तमान स्थिति	लंबित होने का कारण	निम्नांकित में लंबित
1	एमएसटीसी बनाम गाइसकोल एलॉयज लि. एवं अन्य	02.01.2010	बकाए की वसूली	975.85	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 05.08.2015	न्यायालय की कार्यवाही जारी	अहमदाबाद कोर्ट कोर्ट नं. 30 में मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट
2	एमएसटीसी-बनाम-पंजाब कानकास्ट	1999	बकाए ऋण की वसूली	100.75	सुनवाई की अंतिम तारीख 12.05.2015	न्यायालय की कार्यवाही जारी	दिल्ली उच्च न्यायालय
3	एमएसटीसी-एएससी/2एफओडी-बनाम मार्स ट्रेडर्स (नौसाद अली)	2006	बकाए ऋण की वसूली	74.30	सुनवाई की अंतिम तारीख 29.12.2011	न्यायालय की कार्यवाही जारी	श्रीनगर न्यायालय
4	एमएसटीसी-बनाम-श्रीनिवास स्मेल्टर्स	2000	बकाए ऋण की वसूली	573.00	न्यायालय की कार्यवाही जारी	न्यायालय की कार्यवाही जारी	उच्च न्यायालय, मद्रास
5	एमएसटीसी-बनाम-सुमंगला स्टील्स लि.	2000	बकाए ऋण की वसूली	62.21	सुनवाई के लिए अभी सूचीबद्ध किया जाना है।	न्यायालय की कार्यवाही जारी	उच्च न्यायालय, मद्रास
6	एमएसटीसी -बनाम-तामिलनाडु स्टील्स लि.	2000	बकाए ऋण की वसूली	380.00	दायर दावे का ब्यौरा	न्यायालय की कार्यवाही जारी	ऑफिसियल लिक्विडेटर
7	एमएसटीसी-बनाम-विराज एलॉय	1999	बकाए ऋण की वसूली	319.70	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 01.09.2015	न्यायालय की कार्यवाही जारी	बम्बे सिटी सिविल कोर्ट
8	एमएसटीसी-बनाम-सिंघल स्वरूप	2003	बकाए ऋण की वसूली	1,811.20	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 07.07.2015	न्यायालय की कार्यवाही जारी	सीएमएम, कोर्ट मुम्बई
	एमएसटीसी लि.द्वारा याचिका दायर 3 वर्षों से अधिक लेकिन 5 वर्षों से कम समय से लंबित(₹ 50 लाख से अधिक के मामले)						
9	एमएसटीसी बनाम बालाजी काके इंडस्ट्रीज प्रा. लि. एवं अन्य (दावा राशि असम्मानित राशि है।)	30.05.2012	चेक डिसऑनर	9,100.00	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 24.07.2015	न्यायालय की कार्यवाही जारी	न्यायिक मजिस्ट्रैट अलीपुर, कोलकाता का 4था कोर्ट
10	एमएसटीसी-बनाम-बालाजी कोक इंडस्ट्री प्रा. लि., तिरुपति फ्यूल्स प्रा. लि. एवं अन्य	30.03.2012	चेक डिसऑनर	1,000.00	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 19.09.2015	न्यायालय की कार्यवाही जारी	न्यायिक मजिस्ट्रैट अलीपुर, कोलकाता का पहला कोर्ट
11	एमएसटीसी बनाम इंडियन ओवरसीज बैंक	2012	एमएसटीसी के खाते में आईओबी द्वारा भूलवश डेबिट किये गये के रिवर्सल हेतु	3,657.00	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 07.07.2015	न्यायालय की कार्यवाही जारी	कलकत्ता उच्च न्यायालय
12	एमएसटीसी-बनाम-कोनरॉस स्टील प्रा. लि.	2012	प्रतिज्ञित स्टॉक के उठाने हेतु कानूनी सुरक्षा की मांग	540.02	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 23.01.2013.	न्यायालय की कार्यवाही जारी	बम्बे उच्च न्यायालय

LITIGATION FILED BY MSTC LTD. pending for more than 5 years (More than ₹ 50 lacs cases)

Sl No	Type of case	Year of commencement	Particulars	Amount (₹ in lacs)	Present status of the case	Reason for pendency	Pending with
1	MSTC VS Gyscoal Alloys Ltd & Ors	02.01.2010	Recovery of dues	975.85	Next date of hearing 05.08.2015	Court's proceeding continuing	Ahmedabad Court.in Court No. 30 Metropolitan Magistrate
2	MSTC -VS- Punjab Concast	1999	Recovery of outstanding dues	100.75	Last Date of hearing 12.05.2015	Court's proceeding continuing	Delhi High Court.
3	MSTC-ASC/2FOD -VS- Mars Traders [Naushad Ali)	2006	Recovery of outstanding dues	74.30	Last Date of hearing 29.12.2011	Court's proceeding continuing	Srinagar Court
4	MSTC -VS- Srinivasa Smelters	2000	Recovery of outstanding dues	573.00	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	High Court at Madras
5	MSTC -VS-Sumangala Steels Ltd.	2000	Recovery of outstanding dues	62.21	Not yet posted	Court's proceeding continuing	High Court at Madras
6	MSTC -VS- Tamil nadu Steels Ltd.	2000	Recovery of outstanding dues	380.00	Statement of claim filed.	Court's proceeding continuing	Official Liquidator
7	MSTC -VS- Viraj Alloy	1999	Recovery of Outstanding	319.70	Next Date of Hearing 01.09.2015	Court's proceeding continuing	Bombay City Civil Court
8	MSTC -VS- Singhal Swaroop	2003	Recovery of Outstanding	1,811.20	Next date of hearing 07.07.2015	Court's proceeding continuing	CMM, Court, MUMBAI
LITIGATION FILED BY MSTC LTD. pending for more than 3 years but less than 5 years (More than ₹ 50 lacs cases)							
9	MSTC Vs Balaji Coke Industry Pvt. Ltd. & Ors. (Claim amount is dishonoured amount)	30.05.2012	Dishonour of Cheque	9,100.00	Next date of hearing 24.07.2015	Court's proceeding continuing	4th Court of Judicial Magistrate Alipore, Kolkata
10	MSTC VS Balaji Coke Industry Pvt. Ltd., Tirupati Fuels Pvt. Ltd. & Ors	30.03.2012	Dishonour of Cheque	1,000.00	Next date of hearing 19.09.2015	Court's proceeding continuing	1st Court of Judicial Magistrate Alipore, Kolkata
11	MSTC VS Indian Overseas Bank	2012	For reversal of wrongful . debits made by IOB in MSTC's account	3,657.00	Next date of hearing 07.07.2015	Court's proceeding continuing	Calcutta high Court
12	MSTC -VS- Conros Steel Pvt Ltd	2012	Seeking legal protection for . lifting up of pledged stock	540.02	Last date of hearing 23.01.2013.	Court's proceeding continuing	Bombay High Court

क्र. सं.	मामला का प्रकार	प्रारम्भ होने का वर्ष	ब्यौरा	राशि (रु. लाख में)	मामला की वर्तमान स्थिति	लंबित होने का कारण	निम्नांकित में लंबित
13	एमएसटीसी-बनाम-यूनियन ऑफ इंडिया एवं अन्य	2011	मांग सूचना के निरस्त हेतु मैरीटाइम आयुक्त के विरुद्ध मामला दायर।	203.81	स्टे आर्डर प्राप्त किया गया। आगे सुनवाई हेतु फिर से सूचीबद्ध किया जाना।	न्यायालय कार्यवाही जारी	कलकत्ता उच्च न्यायालय
14	एमएसटीसी-बनाम-यूनियन ऑफ इंडिया	2011	डीजीएफटी द्वारा जारी कारण बताओ सूचना के विरुद्ध डब्ल्यूपी दायर।	203.81	स्टे आर्डर प्राप्त किया गया। आगे सुनवाई हेतु फिर से सूचीबद्ध किया जाना।	न्यायालय कार्यवाही जारी	कलकत्ता उच्च न्यायालय
15	एमएसटीसी बनाम श्री इशर एलॉय	2012	बकाए ऋण की वसूली	248.00	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 23.07.2015	न्यायालय कार्यवाही जारी	सीएमएम कोर्ट मुम्बई
एमएसटीसी लि.द्वारा याचिका दायर 2 वर्ष से अधिक परन्तु 3 वर्षों से कम समय से लंबित(₹ 50 लाख से अधिक के मामले)							
16	एमएसटीसी-बनाम-कॉनरोस स्टील प्राइवेट लि.	2013	संपत्ति का अटैचमेंट	540.02	सुनवाई की अंतिम तारीख 07.05.2015.	न्यायालय की कार्यवाही जारी	बम्बे उच्च न्यायालय
17	एमएसटीसी-बनाम-स्टैण्डर्ड चार्टर्ड बैंक	2013	बकाए की वसूली	3,500.00	सुवाई की परिवर्ती तारीख 08.07.2015	न्यायालय की कार्यवाही जारी	पहला सिविल जज सीनियर डिवीजन, अलीपुर, कोलकाता
एमएसटीसी लि.द्वारा याचिका दायर 1 वर्ष से अधिक परन्तु 2 वर्षों से कम समय से लंबित(₹ 50 लाख से अधिक के मामले)							
18	एमएसटीसी-बनाम एसपीएस स्टील रोलिंग मिल्स लिमिटेड एवं अन्य	30.04.2014	चेक डिसऑनर	3,123.87	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 14.07.2015	न्यायालय की कार्यवाही जारी	चीफ जुडिसियल मजिस्ट्रेट कोर्ट, अलीपुर, कोलकाता
19	एमएसटीसी-बनाम-कृष्णा कोक (इंडिया) प्रा. लि. एवं अन्य	14.05.2014	चेक डिसऑनर	1,031.70	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 17.08.2015	न्यायालय की कार्यवाही जारी	17 मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट कोर्ट बैंकशैल, कोलकाता
20	एमएसटीसी-बनाम-टॉपवर्थ ऊर्जा एंड मेटल लि. एवं अन्य	23.06.2014	बकाए की वसूली	570.00	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 14.09.2015	न्यायालय की कार्यवाही जारी	28 मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट एस्प्लानेड कोर्ट, मुम्बई
21	एमएसटीसी-बनाम-टॉपवर्थ स्टील्स एंड पावर प्रा. लि. एवं अन्य	23.06.2014	बकाए की वसूली	2,550.00	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 14.09.2015	न्यायालय की कार्यवाही जारी	28वां एम.एम एस्प्लानेड कोर्ट, मुम्बई

Sl No	Type of case	Year of commencement	Particulars	Amount (₹ in lacs)	Present status of the case	Reason for pendency	Pending with
13	MSTC- VS- Union of India & Others	2011	Suit filed against Maritime commissioner for quashing of notice of demand.	203.81	Stay order obtained . Yet to be listed for further hearing.	Court's proceeding continuing	Calcutta High Court
14	MSTC- Versus- Union of India	2011	WP has been filed against the show cause notice issued by DGFT.	203.81	Stay order obtained . Yet to be listed for further hearing.	Court's proceeding continuing	Calcutta High Court
15	MSTC v Shri Ishar alloys	2012	Recovery of Outstanding	248.00	Next Date of Hearing 23.07.2015	Court's proceeding continuing	CMM COURT MUMBAI
LITIGATION FILED BY MSTC LTD. pending for more than 2 years and less than 3 years (More than ₹ 50 lacs cases)							
16	MSTC -VS- Conros Steel pvt ltd	2013	Attachment of property	540.02	last date of hearing 07.05.2015.	Court's proceeding continuing	Bombay High Court
17	MSTC -VS- Standard Chartered Bank	2013	Recovery of dues	3,500.00	Next date of hearing 08.07.2015	Court's proceeding continuing	1ST CIVIL JUDGE SENIOR DIVISION at Alipore, Kolkata
LITIGATION FILED BY MSTC LTD. pending for more than 1 years and less than 2 years (More than ₹ 50 lacs cases)							
18	MSTC VS SPS Steel Rolling Mills Limited & Ors	30.04.2014	Dishonour of cheques	3,123.87	Next Date of hearing 14.07.2015	Court's proceeding continuing	Chief Judicial Magistrate Court, at Alipore, Kolkata
19	MSTC VS Krishna Coke (India) Pvt. Ltd. & Ors	14.05.2014	Dishonour of cheques	1,031.70	Next Date of hearing 17.08.2015	Court's proceeding continuing	17th Metropolitan Magistrate Court, Bankshall, Kolkata
20	MSTC-VS- Topworth Urja & Metal Ltd.& Ors	23.06.2014	Recovery of Dues	570.00	Date of Next hearing 14.09.2015	Court's proceeding continuing	28th Metropolitan Magistrate Esplanade Court, Mumbai
21	MSTC-VS- Topworth Steels & Power Pvt. Ltd. & Ors	23.06.2014	Recovery of Dues	2,550.00	Date of Next hearing 14.09.2015	Court's proceeding continuing	28th M.M. Esplanade Court, Mumbai

क्र. सं.	मामला का प्रकार	प्रारम्भ होने का वर्ष	ब्यौरा	राशि (रु. लाख में)	मामला की वर्तमान स्थित	लंबित होने का कारण	निम्नांकित में लंबित
22	एमएसटीसी बनाम जय बालाजी इंडस्ट्रीज लिमिटेड एवं अन्य	23.06.2014	चेक का डिसऑनर	236.23	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 22.07.2015	न्यायालय की कार्यवाही जारी	3सरा जुडिसियल मजिस्ट्रेट, अलीपुर कोलकाता
23	एमएसटीसी-बनाम-ईसीजीसी	2014	नेशनल काउंसिल फोरम द्वारा पारित आदेश के विरुद्ध अपील दायर	40,100.00	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 31.07.2015.	न्यायालय की कार्यवाही जारी	सर्वोच्च न्यायालय, भारत
24	एमएसटीसी-बनाम-फिर्थ इंडिया	2014	चेक्स का डिसऑनर	1,617.50	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 09.09.2015	न्यायालय की कार्यवाही जारी	सीएमएम,कोर्ट,मुम्बई

Sl No	Type of case	Year of commencement	Particulars	Amount (₹ in lacs)	Present status of the case	Reason for pendency	Pending with
22	MSTC VS Jai Balaji Industries Limited. & Ors	23.06.2014	Dishonour of cheques	236.23	Date of Next hearing 22.07.2015	Court's proceeding continuing	3rd Judicial Magistrate, at Alipore, Kolkata
23	MSTC –vs- ECGC	2014	Appeal filed against the order passed by the National Consumer Forum.	40,100.00	Next hearing date 31.07.2015.	Court's proceeding continuing	Supreme Court of India
24	MSTC -VS- Firth India	2014	Dishonour of cheques	1,617.50	Date of Next hearing 09.09.2015	Court's proceeding continuing	CMM, Court, MUMBAI

एमएसटीसी लि.द्वारा याचिका दायर 1 वर्षों से कम समय से लंबित(₹ 50 लाख से अधिक के मामले)ह

क्र. सं.	मामला का प्रकार	प्रारम्भ होने का वर्ष	ब्यौरा	राशि (रु. लाख में)	मामला की वर्तमान स्थिति	लंबित होने का कारण	निम्नांकित में लंबित
25	एमएसटीसी-बनाम-तिरुपति फ्यूएल्स (प्रा.) लि. अन्य	11.02.2015	चेक डिसऑनर	401.50	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 13.08.2015	क्षेत्राधिकार पर हाल के सर्वोच्च न्याय के फैसले के अनुसार एक कोर्ट से दूसरे कोर्ट में स्थानांतरण	17वां एम.एम. कोर्ट बैंकशैल, कोलकाता
26	एमएसटीसी-बनाम-कॉनकास्ट स्टील एवं पावर लि.	09.02.2015	चेक डिसऑनर	515.00	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 01.09.2015	न्यायालय कार्यवाही । विलंब	10 मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट कोर्ट बैंकशैल, कोलकाता
27	एमएसटीसी लि.-बनाम-के रघु राम एवं अन्य (मेसर्स मेहरकिरन इंटरप्राइजेज लिमिटेड)	2014	बंधक सम्पत्ती की बिक्री हेतु आवेदन	200.00	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 08.07.2015	न्यायालय कार्यवाही जारी।	प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट जज, महबूबनगर, तेलंगना।
28	एमएसटीसी-बनाम-कॉनरोस स्टील प्रा. लि.	2014	बकाए की वसूली	540.02	सुनवाई की अंतिम तारीख 07.05.2015	न्यायालय कार्यवाही जारी।	बम्बई उच्च न्यायालय
29	एमएसटीसी-बनाम-कॉनरोस स्टील लि.	2014	बकाए की वसूली	150.00	सुनवाई की अंतिम तारीख 02.07.2015	न्यायालय कार्यवाही जारी।	बालार्ड पीयर कोर्ट, मुम्बई
30	एमएसटीसी लि.-बनाम-स्टेट ट्रेडिंग कार्पोरेशन	2014	कॉनरोस सामग्री की बिक्री	540.02	सुनवाई की अंतिम तारीख 09.07.2015	न्यायालय कार्यवाही जारी।	बम्बे उच्च न्यायालय
31	एमएसटीसी-बनाम-कॉनरोस स्टील प्रा. लि.	2015	बकाए की वसूली	540.02	सुनवाई की अंतिम तारीख 24.06.2015	न्यायालय कार्यवाही जारी।	बम्बे उच्च न्यायालय
32	एमएसटीसी-बनाम-रिलायंस सिलिकॉन्स एवं 4 अन्य	2015	बकाए की वसूली	593.01	सुनवाई की अंतिम तारीख 25.09.2015	न्यायालय कार्यवाही जारी।	सीएमएम कोर्ट मुम्बई
33	एमएसटीसी-बनाम-पंजाब स्टील कार्पोरेशन	2014	एमएसटीसी के पक्ष में पारित डिक्री के विरुद्ध आवेदन का निष्पादन।	69.42	सुनवाई की अंतिम तारीख 01.06.2015	न्यायालय कार्यवाही जारी।	बातला कोर्ट

LITIGATION FILED BY MSTC LTD. pending for less than 1 year (More than ₹ 50 lacs cases)

Sl No	Type of case	Year of commencement	Particulars	Amount (₹ in lacs)	Present status of the case	Reason for pendency	Pending with
25	MSTC VS Tirupati fuels (P) Ltd.& Ors	11.02.2015	Dishonour of cheques	401.50	Next hearing date 13.08.2015	Transferred to one court to another as per recent Supreme Court judgement on jurisdiction	17th M.M. Court Bankshall, Kolkata
26	MSTC-VS- Concast Steel & Power Ltd.	09.02.2015	Dishonour of cheques	515.00	Next hearing date 01.09.2015	Court's procedural delay	10th Metropolitan Magistrate court, Bankshall, Kolkata
27	MSTC Ltd. VS K. Raghu Ram & Ors. (M/s Meherkiran Enterprises Limited)	2014	Application for sale of the mortgaged property	200.00	Next hearing date 08.07.2015	Court's proceeding continuing	The Principal District Judge, Mahaboobnagar, Telangana
28	MSTC -VS- Conros Steel Pvt Ltd.	2014	Recovery of dues	540.02	Last date of hearing 07.05.2015	Court's proceeding continuing	Bombay High Court
29	MSTC -VS- Conros Steel PvtLtd.	2014	Recovery of dues	150.00	Last date of hearing 02.07.2015	Court's proceeding continuing	Ballard Pier Court, Mumbai
30	MSTC Ltd. -VS- State Trading Corporation	2014	Sale of Conros Material	540.02	Next date of hearing 09.07.2015	Court's proceeding continuing	Bombay High Court
31	MSTC -VS- Conros Steel PvtLtd.	2015	Recovery of dues	540.02	Last date of hearing 24.06.2015	Court's proceeding continuing	Bombay High Court
32	MSTC -VS- Reliance Silicones & 4 Others	2015	Recovery of dues	593.01	Next date of hearing 25.09.2015	Court's proceeding continuing	CMM COURT MUMBAI
33	MSTC -VS- Punjab Steel Corpn	2014	Execution application against the decree passed in favour of MSTC.	69.42	Last date of hearing 01.06.2015	Court's proceeding continuing	Batala Court

31 मार्च, 2015 को समाप्त वर्ष हेतु एमएसटीसी लिमिटेड के वित्तीय विवरण पर कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(6)(बी) के अधीन भारत के महालेखा परीक्षक एवं नियंत्रक की टिप्पणी

कम्पनी अधिनियम, 2013 के अधीन निर्धारित वित्तीय प्रतिवेदन रूपरेखा के अनुसार 31 मार्च, 2015 को समाप्त वर्ष हेतु एमएसटीसी लिमिटेड के वित्तीय विवरण को तैयार करना कम्पनी के प्रबन्धन की जिम्मेवारी है। अधिनियम की धारा 139(5) के अधीन भारत के महालेखा एवं नियंत्रक द्वारा नियुक्त किये गये सांविधिक लेखा परीक्षक अधिनियम की धारा 143(10) के अधीन निर्धारित लेखा परीक्षा के मानकों के अनुसार स्वतंत्र लेखा परीक्षा पर आधारित अधिनियम की धारा 143 के अधीन वित्तीय विवरण पर विचार प्रस्तुत करने के लिए जिम्मेवार हैं। यह उनकी ऑडिट रिपोर्ट दिनांक 17 जुलाई, 2015 के तहत किया गया है।

भारत के महालेखा परीक्षक एवं नियंत्रक की ओर से मैंने 31 मार्च, 2015 को समाप्त वर्ष हेतु एमएसीसी लिमिटेड के वित्तीय विवरण के अधिनियम की धारा 143 (6)(ए) के अंतर्गत अनुपूरक लेखा परीक्षा संचालित किया है। अनुरूपरक लेखा परीक्षा स्वतंत्र रूप से सांविधिक लेखा परीक्षक के कार्यरत कागजों की प्राप्ति के वगैर सम्पन्न किया गया है तथा सांविधिक लेखा परीक्षक एवं कम्पनी परसोनेल तथा कतिपय लेखा रिकार्ड्स की चयनित परीक्षा की जांच के अनुसार प्राथमिक रूप से समीति है। मेरे लेखा परीक्षा के आधार पर मेरे संज्ञान में कोई भी महत्वपूर्ण तथ्य नहीं आया है जिसे सांविधिक लेखा परीक्षक प्रतिवेदन पर कोई टिप्पणी अथवा पूरक प्रदान किया जा सके।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक
और उनकी ओर से

(प्रवीर कुमार)
वाणिज्यिक लेखा परीक्षा के प्रधान निदेशक और
पदेन सदस्य, लेखा परीक्षा पार्षद-1
कोलकाता

स्थान कोलकाता
दिनांक : 11.08.2015

COMMENTS OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA UNDER SECTION 143(6)(b) OF THE COMPANIES ACT, 2013 ON THE FINANCIAL STATEMENTS OF MSTC LIMITED FOR THE YEAR ENDED 31 MARCH, 2015

The preparation of Financial Statements of MSTC Limited for the year ended 31 March, 2015 in accordance with the financial reporting framework prescribed under the Companies Act, 2013 is the responsibility of the management of the company. The statutory auditor appointed by the Comptroller and Auditor General of India under Section 139(5) of the Act is responsible for expressing opinion on the financial statements under Section 143 of the Act based on independent audit in accordance with standards on auditing prescribed under section 143(10) of the Act. This is stated to have been done by them vide their Audit Report dated 17 July 2015.

I, on behalf of the Comptroller and Auditor General of India, have conducted a supplementary audit under Section 143(6)(a) of the Act of the financial statements of MSTC Limited for the year ended 31st March, 2015. This supplementary audit has been carried out independently without access to the working papers of the statutory auditor and is limited primarily to inquiries of the statutory auditor and company personnel and a selective examination of some of the accounting records. On the basis of my audit nothing significant has come to my knowledge which would give rise to any comment upon or supplement to statutory auditors' report.

For and on behalf of the
Comptroller & Auditor General of India

(Praveer Kumar)
Principal Director of Commercial Audit
& Ex-officio Member, Audit Board-I
Kolkata

Place : Kolkata
Date : 11.08.2015

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों का प्रतिवेदन

एमएसटीसी लिमिटेड के सदस्यों के प्रति

समेकित वित्तीय विवरण पर प्रतिवेदन

हमने 31 मार्च, 2015 को समेकित तुलन पत्र को शामिल कर एमएसटीसी लिमिटेड (तदुपरांत यहां "नियंत्री कंपनी' के रूप में संदर्भित) एवं इसकी सहायक कंपनी (नियंत्री कंपनी एवं इसकी सहायक कंपनी को एक साथ "समूह" के रूप में संदर्भित) के समेकित वित्तीय विवरण के साथ लेखा परीक्षण किया गया जिसमें उसी तारीख को समाप्त हुए वर्ष के लाभ एवं हानि, समेकित नकद प्रवाह विवरण, एवं महत्वपूर्ण लेखा नीतियां तथा अन्य व्याख्यात्मक जानकारियां (तदुपरान्त यहाँ "समेकित वित्तीय विवरण" के रूप में संदर्भित) शामिल की गई हैं।

समेकित वित्तीय विवरण हेतु प्रबन्धन का उत्तरदायित्व

नियंत्री कंपनी के निदेशक मंडल कंपनी अधिनियम, 2013 की अपेक्षिताओं के संदर्भ में इस समेकित वित्तीय विवरण को तैयार करने के लिए उत्तरदायी हैं जो समेकित वित्तीय स्थिति, समेकित वित्तीय कार्यकलाप एवं भारत में सामान्यतया स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के सम्बन्ध में समूह का समेकित नकद प्रवाह सहित कम्पनीज (लेखा) नियमों, 2014 के नियम 7 के साथ पठित अधिनियम की धारा 133 के अधीन लेखा मानक विशिष्ट का सत्य और स्पष्ट तस्वीर प्रस्तुत करता है। समूह में शामिल कंपनियों के सम्बन्धित निदेशक मंडल की जिम्मेदारी है कि समूह की परिसम्पत्तियों की सुरक्षा के लिए एवं धोड़ाधड़ी को रोकने व पता लगाने तथा अन्य अनियमितताओं के लिए अधिनियम के प्रावधानों के सम्बन्ध में पर्याप्त लेखा रिकार्ड्स रखें, उपयुक्त लेखा नीतियों का चयन एवं लागू करना, उचित एवं विवेकपूर्ण निर्णय एवं अनुमान करना, एवं पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की डिजाइन, लागू करना एवं बनाए रखना, जो लेखा रिकार्ड्स की सटिकता एवं पूर्णता को सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी ढंग से संचालित थे, तथ्यात्मक वित्तीय विवरण को तैयार एवं प्रस्तुत करना जो सत्य एवं स्पष्ट तस्वीर प्रस्तुत करता हो एवं सामग्रियों के गलत विवरण, चाहे वो धोखा या त्रुटी के कारण हो, जो पूर्वोक्त के रूप में नियंत्री कंपनी के निदेशक द्वारा समेकित वित्तीय विवरण के तैयार करने के उद्देश्य हेतु व्यवहार किये गये हैं।

लेखा परीक्षक का उत्तरदायित्व

हमारी जिम्मेदारी हमारे लेखा परीक्षा के आधार पर इन समेकित वित्तीय विवरण पर अपना विचार प्रस्तुत करना है। जब लेखा परीक्षा संचालित होती है, हम अधिनियम के प्रावधानों, लेखा एवं लेखा परीक्षा मानकों एवं ऐसे विषय जो अधिनियम के प्रावधानों एवं उसके अन्तर्गत बने नियमों के अधीन लेखा परीक्षा रिपोर्ट में शामिल करना आवश्यक है को ध्यान में रखते हैं।

हमलोगों ने अधिनियम की धारा 143(10) के अधीन निर्दिष्ट अंकेक्षण के मानकों के अनुसार लेखा परीक्षा संचालित किया। उन मानकों में इस बात की जरूरत होती है कि हम नैतिक आवश्यकता व योजना को पूरा करें तथा वित्तीय विवरण गलत बयानी से मुक्त है के बारे में उचित आश्वास प्राप्त कर लेखा परीक्षा निष्पादित करें।

एक लेखा परीक्षा में शामिल होता है रकमों एवं समेकित वित्तीय विवरण के खुलासे के बारे में अंकेक्षण साक्ष्य को प्राप्त कर प्रक्रियाओं को निष्पादित करना। चुनी गई प्रक्रियाएं लेखा परीक्षकों के निर्णय पर निर्भर करता है, जिसमें

INDEPENDENT AUDITORS' REPORT

To the Members of MSTC LIMITED

Report on the Consolidated Financial Statements

We have audited the accompanying consolidated financial statements of MSTC LIMITED (hereinafter referred to as "the Holding Company") and its subsidiary (the Holding Company and its subsidiary together referred to as " the Group"), comprising of the Consolidated Balance Sheet as at 31st March, 2015, the Consolidated Statement of Profit and Loss, the Consolidated Cash Flow Statement for the year then ended, and a summary of significant accounting policies and other explanatory information (hereinafter referred to as "the consolidated financial statements").

Management's Responsibility for the Consolidated Financial Statements

The Holding Company's Board of Directors is responsible for the preparation of these consolidated financial statements in terms of the requirement of the Companies Act, 2013 (hereinafter referred to as "the Act") that give a true and fair view of the consolidated financial position, consolidated financial performance and consolidated cash flows of the Group in accordance with the accounting principles generally accepted in India, including the Accounting Standards specified under Section 133 of the Act, read with Rule 7 of the Companies (Accounts) Rules, 2014. The respective Board of Directors of the companies included in the Group are responsible for maintenance of adequate accounting records in accordance with the provisions of the Act for safeguarding the assets of the Group and for preventing and detecting frauds and other irregularities; the selection and application of appropriate accounting policies; making judgements and estimates that are reasonable and prudent; and the design, implementation and maintenance of adequate internal financial controls, that were operating effectively for ensuring the accuracy and completeness of the accounting records, relevant to the preparation and presentation of the financial statements that give a true and fair view and are free from material misstatement, whether due to fraud or error, which have been used for the purpose of preparation of the consolidated financial statements by the Directors of the Holding Company, as aforesaid.

Auditor's Responsibility

Our responsibility is to express an opinion on these consolidated financial statements based on our audit. While conducting the audit, we have taken into account the provisions of the Act, the accounting and auditing standards and matters which are required to be included in the audit report under the provisions of the Act and the Rules made thereunder.

We conducted our audit in accordance with the Standards on Auditing specified under Section 143(10) of the Act. Those Standards require that we comply with ethical requirements and plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the consolidated financial statements are free from material misstatement.

An audit involves performing procedures to obtain audit evidence about the amounts and the disclosures in the

समेकित वित्तीय विवरणों व झूठे वक्तव्यों के जोखिम का आकलन भी शामिल है, चाहे वह धोड़ाधड़ी से हो या गलती से। उन जोखिमों का आकलन करने में लेखा परीक्षक समेकित वित्तीय विवरण की नियंत्री कंपनी की तैयारी हेतु सम्बद्ध आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर विचार करता है जो अंकेक्षण प्रक्रिया की डिजाइन करने के क्रम में सत्य एवं स्पष्ट तस्वीर प्रस्तुत करता है जो परिस्थितियों के लिए उपयुक्त हैं लेकिन विचार प्रस्तुत करने के उद्देश्य हेतु नहीं चाहे नियंत्री कंपनी के पास वित्तीय रिपोर्टिंग पर पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली एवं ऐसे नियंत्रणों का प्रभावशाली परिचालन ही क्यों न हो। एक लेखा परीक्षा में नियंत्री कंपनी के निदेशक मंडल द्वारा बनाई गयी लेखा अनुमानं का व्यवहृत लेखा नीतिया एवं तर्कसंगत उनकी उपयुक्तता का मूल्यांकन के साथ ही साथ समेकित वित्तीय विवरण की सम्पूर्ण प्रस्तुति का मूल्यांकन भी शामिल होता है।

हमें विश्वास है कि हमारे द्वारा प्राप्त लेखा साक्ष्य एवं नीचे अन्य विषय के पैराग्राफ के उप-पैराग्राम (ए) से सम्बद्ध उनके रिपोर्ट के अर्थों में अन्य अंकेक्षक द्वारा प्राप्त लेखा परीक्षा साक्ष्य समेकित वित्तीय विवरण पर हमारे योग्य अंकेक्षण रिपोर्ट विचार हेतु आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त एवं उपयुक्त हैं।

योग्य विचार के आधार

i. लेखा पर टिप्पणी की टिप्पणी सं 15 (ए) हेतु संदर्भ आमंत्रित किया जाता है, निर्यात पर विदेशी मुद्र में उतार-चढ़ाव पर लाभ/हानि एएस-11 के अनुसार लेखांकित नहीं किया गया है। यदि कंपनी एएस-11 का पालन करती तो वर्ष हेतु विनियम लाभ ₹ 3555 लाख बढ़ा जाता (दिनांक 31.03.2015 तक ₹ 26074 संचित)। परिणामस्वरूप व्यापार प्राप्य ₹ 26074 लाख कम दिखाया गया है। समझौते के अनुसार, उपरोक्त से सम्बद्ध विनिमय लाभ/हानि को सहयोगी आपूर्तिकर्ता को उन्हें देय राशि तक पारित कर दिया गया है। इस प्रकार व्यापार देय 25683 लाख कम दिखाया गया और उपर्युक्त लाभ का शुद्ध प्रभाव से कंपनी का लाभ ₹ 53 लाख वर्ष हेतु कम दिखाया गया है (31.03.2015 तक संचित ₹ 391 लाख)।

ii. व्यापार प्राप्य एवं व्यापार देय तथा उसका अनुवर्ती समायोजन जो मिलान से सृष्टि हो सकता है की शेष राशि के लंबित पुष्टिकरण/मिलान से सम्बद्ध लेखा टिप्पणी की टिप्पणी सं. 28 हेतु संदर्भ आमंत्रित किया जाता है।

iii. लेखा पर टिप्पणी की टिप्पणी सं. 15(बी) में उल्लेखानुसार, व्यापार प्राप्य जिसमें शामिल वर्ष 2008-09 में किए गए स्वर्ण अलंकार के निर्यात व्यापार प्राप्य हेतु ₹ 59863 लाख जिसमें 46 पार्टियां शामिल हैं एवं जिसकी वसूली विभिन्न स्तर पर न्यायिक प्रक्रिया के अधीन है। सीबीआई एवं ईडी ने 26.10.2010 से मामले की जांच कर रही है। ईसीजीसी के पास ₹ 45075 लाख का दावा दायर किया गया है लेकिन ईसीजीसी ने दावे को खारिज कर दिया है। कंपनी ने ईसीजीसी के विरुद्ध राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग से उनके द्वारा बीमाकृत क्रेताओं के विरुद्ध बकाए के लिए मामला प्रारम्भ किया गया जिसने कंपनी को 16.04.2014 के आदेश के तहत कंपनी को आदेश दिया है कि यह मामला न्याय करने के लिए उसके क्षेत्राधिकार में नहीं है। कंपनी ने मामले को मंत्रालय स्तर में ले गये हैं एवं इस आदेश के विरुद्ध माननीय सर्वोच्च न्यायालय में अपील किया है। मामला अभी तक विचाराधीन है।

consolidated financial statements. The procedures selected depend on the auditor's judgement, including the assessment of the risks of material misstatement of the consolidated financial statements, whether due to fraud or error. In making those risk assessments, the auditor considers internal financial control relevant to the Holding Company's preparation of the consolidated financial statements that give a true and fair view in order to design audit procedures that are appropriate in the circumstances but not for the purpose of expressing an opinion on whether the Holding Company has an adequate internal financial controls system over financial reporting in place and the operating effectiveness of such controls. An audit also includes evaluating the appropriateness of the accounting policies used and the reasonableness of the accounting estimates made by the Holding Company's Board of Directors, as well as evaluating the overall presentation of the consolidated financial statements.

We believe that the audit evidence obtained by us and audit evidence obtained by the other auditor in terms of their report referred to in sub-paragraph (a) of the Other Matters paragraph below, is sufficient and appropriate to provide a basis for our qualified audit opinion on the consolidated financial statements.

Basis for Qualified Opinion

i. Reference is invited to Note No. 15 (a) of Notes on Account, Gain / Loss on Foreign Exchange Fluctuation on exports are not accounted for as per AS-11. Had the Company complied with AS-11, exchange gain would have been increased by ₹ 3555 lacs for the year (cumulative ₹ 26074 lacs upto 31.03.2015). Consequently Trade Receivables are understated by ₹ 26074 lacs. As per agreement, exchange gain / loss relating to above is passed on to associate suppliers upto the amount payable to them. Thus Trade Payables are understated by ₹ 25683 lacs and net effect of the above gain leads to understatement of profit of the Company by ₹ 53 lacs for the year (cumulative ₹ 391 lacs upto 31.03.2015).

ii. Reference is invited to Note no. 28 of Notes on Account relating to pending confirmation / reconciliation of balances of Trade Receivables and Trade Payables and its consequential adjustment that may arise on reconciliation.

iii. As stated in Note no. 15(b) of Notes on Account, Trade Receivables includes ₹ 59863 lacs for export trade receivable of gold jewellery done in the year 2008-09 involving 46 parties and recovery of which are under litigation at various levels. CBI and ED have been investigating the matter since 26.10.2010. Claims have been lodged with ECGC for ₹ 45075 lacs but the claims have been repudiated by the ECGC. The Company has initiated the cases against ECGC for the dues against buyers insured by them with National Consumer Disputes Redressal Commission (NCDRC) who has ordered the Company vide order on 16.04.2014 that it has no jurisdiction to judge the matter. The Company has taken up the matter at Ministry level and has filed statutory appeal to Hon'ble Supreme Court against this order. The matter is still pending before the Court.

कम्पनी ने यूएई, सिंगापुर एवं कुवैत में विदेशी क्रेताओं के विरुद्ध 46 कानूनी मामले दायर किये। सभी 46 फैसले एमएसटीसी के पक्ष में दिये गये तथा सभी निष्पादन के अधीन है। अब तक इन आदेशों के बाबत कोई रकम वसूली नहीं जा सकी है।

मेसर्स उषमा ज्वेलरी पैकेजिंग एक्सपोर्ट्स (प्रा.) लि. नामक एक सहयोगी ने 12400 लाख कीमत की भूमि संपत्ति (सरकारी पंजीकृत मूल्यांकनकर्ता द्वारा वर्ष 2014 में मूल्यांकन) गिरवी रखी है। मुंबई उच्च न्यायालय में गिरवी रखी गई उक्त संपत्ति की बिक्री/हस्तांतरण के लिए एक रिट याचिका दायर की गई है। मामले की जांच कर रही सीबीआई एवं ईडी ने ₹ 24040 लाख की परिसम्पत्ति एवं सम्पत्तियो (जिसमें शामिल भूमि ₹ 12400 लाख एवं ₹ 3979 लाख की चल परिसम्पत्ति) को जब्त किया है। एमएसटीसी ने ₹ 900 लाख की रकम जो विगत वर्ष के दौरान प्राप्त किया गया के अंतरण की अनुमति हेतु अनुरोध करने के लिए सीबीआई न्यायालय में सम्पर्क किया है। ₹ 3079 लाख की चल सम्पत्ति के रूप में सीबीआई/ईडी द्वारा जब्त शेष राशि के अंतरण हेतु आवेदन किया गया है।

हालांकि, विगत वर्षों के दौरान किए गए ₹ 900 लाख के प्रावधान के अलावा पिछले वर्ष के दौरान अशोध्य एवं संदिग्ध कर्ज के रूप में ₹ 22678 लाख की राशि का प्रावधान किया गया है। हमलोग उक्त व्यापार प्राप्य की वसूली के प्रति संदिग्ध हैं जो 6 वर्षों से भी ज्यादा समय से बकाया है तथा हमारे विचार से ₹ 35385 लाख का आगे प्रावधान किया जाना चाहिए। इसके परिणामस्वरूप लाभ अधिक दिखाया गया है एवं ₹ 35385 लाख का भी प्रावधान कम दिखाया गया है।

iv. व्यापार प्राप्यों से संबंधित लेखों पर द्रष्टव्य की टिप्पणी सं. 15(सी) के उल्लेखानुसार वित्तीय वर्ष 2008-09 के दौरान सामानों की आपूर्ती के लिए ₹ 6055 लाख की रकम शेसा इंटरनेशनल लि. (सेसा) से बकाया है, जिसके खिलाफ कंपनी द्वारा पंचाट प्रक्रिया शुरू की गयी है वह प्रगति पर है। कंपनी ने कलकत्ता उच्च न्यायालय में इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) के विरुद्ध ₹ 3656 लाख की रकम का एमएसटीसी खाते से उनके द्वारा गलत डेबिट किए जाने के लिए मामला दायर किया है। बंदरगाह में पड़े हुए सम्पूर्ण माल को ₹ 102 लाख में बिक्री की गई जो न्यायालय के आदेशानुसार स्टॉक को रीसिवर के पास रखी गई है। हम उक्त व्यापार प्राप्य की वसूली के बारे में संदिग्ध हैं। यद्यपि, कंपनी ने पिछले वर्ष के दौरान ₹ 3000 लाख का एक प्रावधान किया है और हमारी राय में शेष ₹ 2953 लाख राशि के लिए आगे प्रावधान किया जाना चाहिए। परिणामस्वरूप लाभ अधिक दिखाया गया और ₹ 2953 लाख का प्रावधान कम किया गया है।

v. व्यापार प्राप्य जिसमें शामिल है विगत तीन वर्षों से बिना उठाई गई पड़ी हुई सामग्री के लिए मेसर्स जय बालाजी इंडस्ट्रीज लिमिटेड (जेबीआईएल) से बकाया ₹ 12546 लाख। माननीय उच्च न्यायालय, कलकत्ता ने वर्ष 2017-18 तक वार्षिक किश्तों में 31.03.2014 तक ब्याज के साथ मूल के भुगतान आपसी समौझते हेतु कम्पनी द्वारा दायर वाइंडिंग अप याचिका के बाबत 14.07.2014 को फैसला दिया है एवं आगे ब्याज तदुपरान्त किश्तमें चुकता करना होगा। जेबीआईएल को वर्ष 2014-15 हेतु न्यूनतम 200 लाख प्रति माह के साथ 2000 लाख भुगतान करना था परन्तु कम्पनी ने न्यायालय में प्रतिबद्धता के बावजूद वर्ष 2014-15 के दौरान मात्र 340 लाख चुकता किया है। वसूली की उम्मीद संदिग्ध है। प्रतिज्ञित स्टॉक के वसूली योग्य लागत पर विचार करने के उपरान्त हमारे विचार में वर्ष के दौरान ₹ 6273 लाख का

The Company has filed 46 legal cases against the foreign buyers in UAE, Singapore and Kuwait. All the 46 judgements have been awarded in favour of MSTC and all the same are under execution. Till now no money has been recovered against these awards.

One of the associates, namely, M/s Ushma Jewellery & Packaging Exports (P) Ltd. has mortgaged landed property worth ₹ 12400 lacs (valuation done in 2014 by Govt. Registered valuer). A writ petition for sale/transfer of the said mortgaged property has been filed at the Mumbai High Court. CBI and ED investigating the matter have seized assets and properties worth ₹ 24040 lacs (including land valued ₹ 12400 lacs and liquid assets worth ? 3979 lacs). MSTC have approached CBI court requesting for permission to transfer of an amount of ₹ 900 lacs which had been received during the previous year. Applications are being made for transfer of remaining amount seized by CBI/ED in the form of liquid assets worth ₹ 3079 lacs.

However, a provision has been made for an amount of ₹ 22678 lacs as bad and doubtful debts during the previous year in addition to ₹ 900 lacs provision made during the earlier years. We are doubtful about the recovery of the above Trade Receivable which are due for more than 6 years and in our opinion, a further provision should be made for ₹ 35385 lacs. This has resulted in overstatement of profit and also understatement of provision by ₹ 35385 lacs.

iv. As stated in Note No. 15(c) of Notes on Account relating to Trade Receivables amounting to ₹ 6055 lacs from Sesa International Ltd (Sesa) for supply of materials during the F.Y. 2008-09 against which arbitration proceeding has been initiated by the Company and is in progress. The Company has also filed a suit in Calcutta High Court against Indian Overseas Bank (IOB) for their wrong debit to MSTC account for an amount of ₹ 3656 lacs. Stock of entire material lying at port was sold at ₹ 102 lacs which are kept with the receiver as per Court order. We are doubtful about the recovery of the above Trade Receivables. However, the Company has made a provision for ₹ 3000 lacs during the previous year and in our opinion further provision should be made for the balance amount of ₹ 2953 lacs. This has resulted in overstatement of profit and understatement of provision by ₹ 2953 lacs.

v. Trade Receivable includes ₹ 12546 lacs due from M/S. Jai Balaji Industries Limited (JBIL) for which material lying un-lifted for last three years. The Hon'ble High Court, Calcutta has given judgement on 14.07.2014 against winding up petition filed by the Company for amicable settlement with payment of principal alongwith interest till 31.03.2014 payable in annual installments upto 2017-18 and further interest to be paid in installments thereafter. JBIL was to pay ₹ 2000 lacs with a minimum of ₹ 200 lacs per month for the year 2014-15 but the company paid only ₹ 340 lacs during 2014-15. Due to such recurring defaults in payment despite commitment in Court, the chance of recovery is doubtful. After considering the realizable value of pledged stock, in our opinion provision should be made of ₹ 6273 lacs during the year. This has

प्रावधान करना चाहिए। इसके परिणामस्वरूप लाभ अधिक दिखाया गया है एवं ₹ 6273 लाख का प्रावधान कम दिखाया गया है।

vi. व्यापार प्राय जिसमें शामिल है अमेरिकन इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (आईएईएल) से बकाया ₹ 796 लाख। माननीय उच्च न्यायालय, कलकत्ता के दिनांक 10.02.14 के निपटारे और व्यवस्था के निर्देशों के अनुसार आईएईएल को प्रति माह ₹ 80 लाख का भुगतान करना है, लेकिन जनवरी 2015 से भूगतान बंद कर दिया गया। कम्पनी ने वर्ष के दौरान ₹ 720 लाख प्राप्त किया है, जबकि किश्तों में ₹ 960 लाख भुगतान प्राप्त करना था, अतः वर्ष के दौरान ₹ 240 लाख का भुगतान नहीं हुआ है जो माननीय उच्च न्यायालय, कलकत्ता के निपटान आदेश का उल्लंघन करना है। कम्पनी ने आईएईएल के बाबत वाइंडिंग अप याचिका के पुनः चालू करने की कार्रवाई का पहल किया है। हमारे विचार में बकाया राशि की वसूली संदिग्ध है, इसलिए पूर्ण बकाया राशि अर्थात ₹ 796 लाख के लिए प्रावधान वर्ष के दौरान किया जाना चाहिए। जिसके परिणामस्वरूप लाभ अधिक दिखाया गया एवं एवं ₹ 796 लाख का प्रावधान कम दिखाया गया है।

योग्य विचार

हमारे विचार एवं अधिकतम जानकारी में तथा हमें दी गई व्याख्यान के अनुसार, योग्य विचार हेतु आधार के पैराग्राफ (**i**) से (**vi**) में विवरणित विषयों के प्रभाव को छोड़कर, जिसका सम्पूर्ण प्रभाव ₹ 45354 लाख लाभ का अधिक विवरण है, उपरोक्त समेकित वित्तीय विवरण अधिनियम द्वारा अपेक्षित जानकारी अपेक्षित तरीके में देता है तथा समूह, इसकी सहायिकाएं के समेकित मामले के 31 मार्च, 2015 के अनुसार भारत में आमतौर पर लेखा सिद्धांतों के अनुपालन में तथा उसी तारीख को समाप्त वर्ष हेतु उनका समेकित लाभ एवं समेकित नगद प्रभाव सत्य एवं स्पष्ट रूप प्रस्तुत करता है।

बल देने वाले मामले

हम समेकित वित्तीय विवरण की टिप्पणी में निम्नलिखित विषयों की ओर ध्यान आकर्षित करते हैं :

ए) लेखा की टिप्पणी की टिप्पणी सं. 15 (डी) में दिये गये अनुसार, हल्दिया पेट्रोकेमिकल्स द्वारा सामग्रियों का प्रतिज्ञित स्टॉक का अनाधिकृत रूप से उठाया जाना कम्पनी का प्रतिज्ञित स्टॉक तंत्र की निगरानी में कमी की ओर इंगित करता है एवं बकाए राशि के रूप में ऋण की वसूली की अनिश्चितता प्रतिज्ञित स्टॉक द्वारा वापस नहीं होती है तथा सहमति भुगतान की अनुसूची दीर्घकालीन होती है।

बी) लेखा की टिप्पणी की टिप्पणी सं. 15(ई) में दिये गये अनुसार, मेसर्स एसपीएस स्टील रोलिंग मिल्स का निर्धारित भुगतान के अनुसार वर्ष 2014-15 के दौरान ₹ 1650 लाख चुकता करना अपेक्षित था जबकि उन्होंने मात्र ₹ 1200 लाख का भुगतान किया है। परिणामस्वरूप पंचाट के आदेश के अनुसार ₹ 450 लाख का भगुतान नहीं किया है।

सी) लेखा पर टिप्पणी की टिप्पणी सं. 7 में दिये गये अनुसार कुल जमा बयाना राशि ₹ 76070 लाख में से जो कम्पनी द्वारा ठेका/ऑक्शन के पूरा होने पर पुनर्भुगतान के दायित्व का प्रतिनिधित्व करता है, ₹ 144 लाख हेतु पार्टिवार विवरण कम्पनी द्वारा हमें दिया नहीं सका।

डी) लेखा पर टिप्पणी की टिप्पणी सं. 9 (बी) में दिए गए अनुसार, लेखा मानक 6 के अनुसार, ह्रास गणना पद्धति में बेहतर प्रतिनिधित्व के लिए रिटेन डाउन वैल्यू पद्धति से स्ट्रेट लाइन पद्धति में परिवर्तित किया गया है, जिसके परिणामस्वरूप संग्रहित मूल्य ह्रास ₹ 359 लाख कम हो जाता है।

हमारी राय इन मामलों में सुधारयोग्य नहीं है।

resulted in overstatement of profit and understatement of provision by ₹ 6273 lacs.

vi. Trade receivables include ₹ 796 lacs due from Indo American Electricals Limited (IAEL). As per the terms of settlement and order of Hon'ble High Court, Calcutta dt. 10.02.14, IAEL has to pay ₹ 80 lacs per month, but stopped payment since January 2015. The Company has received ₹ 720 lacs during the year against installment payable of ₹ 960 lacs, thereby default in payment of ₹ 240 lacs during the year, violating the settlement order as per Hon'ble High Court, Calcutta. The Company initiated action to revive winding up petition against IAEL. In our opinion the recovery of outstanding amount is doubtful, therefore provision for full outstanding amount i.e. ₹ 796 lacs should be made during the year. This has resulted in overstatement of profit and understatement of provision by ₹ 796 lacs.

Qualified Opinion

In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, except for the effects of the matter described in paragraph (i) to (vi) of Basis for Qualified Opinion, the overall effect of which is overstatement of profit by ₹ 45354 lacs, the aforesaid consolidated financial statements give the information required by the Act in the manner so required and give a true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India, of the consolidated state of affairs of the Group, its subsidiary as at 31st March, 2015, and their consolidated profit and their consolidated cash flows for the year ended on that date.

Emphasis of matters :-

We draw attention to the following matters in the Notes to the consolidated financial statements :

a) As stated in Note no. 15(d) of Notes on Account, Unauthorized lift of pledged stock of materials by Haldia Petrochemicals Ltd. indicates lacuna in supervision of pledged stock mechanism of the company and the uncertainty of recovery of debts as outstanding amount is not backed by pledged stock and the agreed payment schedule is very long.

b) As stated in Note No. 15(e) of Notes on Account, as per the payment schedule M/s SPS Steel Rolling Mills was required to pay ₹ 1650 lacs during the FY 2014-15 against which they have paid only ₹ 1200 lacs. As a result, defaulted in paying ₹ 450 lacs as per Arbitration order.

c) As stated in Note No. 7 of Notes on Account, out of total Earnest Money Deposits amounting to ₹ 76070 lacs which represent a liability repayable on completion of a contract/ auction by the Company, party-wise detail for ₹ 144 lacs could not be provided to us by the Company.

d) As stated in Note No 9 (b) of Notes on Account, according to Accounting Standard 6, there is change in depreciation calculation method from written down value method to straight line method for better representation, due to which accumulated depreciation has been reduced by ₹ 359 lacs.

Our opinion is not modified in respect of these matters.

अन्य मामले

ए) हमलोगों ने एक पूर्णतया स्वामित्व सहायिका के वित्तीय विवरण/वित्तीय जानकारियों का लेखा अंकेक्षण नहीं किया है, जिसका वित्तीय विवरण/ वित्तीय जानकारी 31 मार्च, 2015 के अनुसार ₹ 30179 लाख की कुल परिसम्पत्तियों, कुल राजस्व ₹ 27578 लाख एवं उसकी तारीख को समाप्त वर्ष हेतु ₹ 11333 लाख का लेखा नकद प्रभाव को प्रतिबिंबित करता है, जैसा कि समेकित वित्तीय विवरण में विचार किया गया है। समेकित वित्तीय विवरण में 31 मार्च, 2015 को समाप्त वर्ष हेतु ₹ 1710 लाख के लाभ के शेयर भी शामिल है चूंकि एक सहायिका के सम्बन्ध में समेकित विवरण में विचार किया है जिसका वित्तीय विवरण/वित्तीय जानकारी हमारे द्वारा अंकेक्षित नहीं की गई है। यह वित्तीय विवरण/वित्तीय जानकारी अन्य लेक्षा परीक्षकों द्वारा की गई है जिनका प्रतिवेदन प्रबन्धन द्वारा हमे दिया गया है एवं हमारा विचार समेकित वित्तीय विवरण पर है, अब तक यह लेखा एवं इस सहायिका के सम्बन्ध में शामिल खुलासे से संबंधित है एवं अधिनियम की धारा 143 की उप धारा (3) एवं (11) के अर्थों में हमारा प्रतिवेदन अब तक उपरोक्त सहायिका से सम्बन्ध है जो अन्य लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट पर पूर्णतया आधारित है।

समेकित वित्तीय विवरण पर हमारा विचार, एवं निम्न अन्य विधिक व अन्य आवश्यक नियामक काम पर हमारी निर्भरता एवं अन्य़ लेखा परीक्षक के सम्बन्ध में उपरोक्त मामले के सम्बन्ध में संशोधित नहीं है।

अन्य विधिक एवं नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट

1. अन्य मामलों के सम्बन्ध में अधिनिमय की धारा 143(5) के अधीन भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) के निर्देशों के अर्थों में लेखा परीक्षा रिपोर्ट में शामिल करना होगा एवं हमारे द्वारा समूह के खातों एवं रिकार्ड की परीक्षा भारत में आमतौर पर स्वीकृत सिद्धांतों तथा जानकारी और हमें दिये गए व्याख्यान के अनुसार सम्पन्न किया गया है, हमलोगों ने कैग के निर्देशों एवं उप निर्देशो में निर्दिष्ट मामले पर विवरण अनुलग्न ए में दिया है।

2. अधिनियम की धारा 143 की उप धारा (11) के अर्थों में भारत के केन्द्र सरकार द्वारा जारी किया गया कम्पनीज (लेखा परीक्षक रिपोर्ट) आदेश, 2015 ('आदेश') द्वारा अपेक्षितानुसार भारत में नियंत्री कंपनी, सहायक कंपनी के सम्बन्ध में लेखा परीक्षक के रिपोर्ट में टिप्पणी आधार पर एवं भारत में किये जा रहे आमतौर पर स्वीकृत अंकेक्षण के अनुसार हमारे द्वारा कम्पनी खातों एवं रिकार्ड की जांच के आधार पर तथा हमे दी गई जानकारियां एवं व्याख्यान के आधार पर सम्पन्न किया गया, हमने वर्तमान में लागू आदेश के पैराग्राम 3 एवं 4 में निर्दिष्ट मामले पर विवरण अनुलग्नक बी में दिये हैं।

3. अधिनियम की धारा 143 (3) के अपेक्षितानुसार हमने वर्तमान लागू के अनुसार रिपोर्ट की है कि :

   ए. हमने सभी जानकारी एवं व्याख्यान जो हमारे अधिकतम ज्ञान एवं विश्वास में उपरोक्त समेकित वित्तीय विवरण के हमारे अंकेक्षण के उद्देश्य हेतु हमारे आवश्यक थे की मांग की एवं प्राप्त किया।

   बी. उपरोक्त पैराग्राफ योग्य विचार के आधार पर विवरणित मामला के प्रभाव को छोड़ कर, हमारे विचार में, उपरोक्त समेकित वित्तीय विवरण को

Other Matters

a) We did not audit the financial statements/ financial information of one wholly owned subsidiary, whose financial statements/ financial information reflect total assets of ₹ 30179 lacs as at 31st March 2015, total revenue of ₹ 27578 lacs and net cash flows amounting to ₹ 11333 lacs for the year ended on that date, as considered in the consolidated financial statements. The consolidated financial statements also include the share of profits of ₹ 1710 lacs for the year ended 31st March 2015 as considered in the consolidated financial statements in respect of one subsidiary whose financial statements/ financial information has not been audited by us. This financial statements/ financial information has been audited by other auditor whose reports has been furnished to us by the Management and our opinion on the consolidated financial statements, in so far as it relates to the amounts and disclosures included in respect of this subsidiary and our report in terms of sub-sections (3) and (11) of Section 143 of the Act, in so far as it relates to the aforesaid subsidiary, is based solely on the report of the other auditor.

Our opinion on the consolidated financial statements, and our report on Other Legal and Regulatory Requirements below, is not modified in respect of the above matters with respect to our reliance on the work done and the report of the other auditor.

Report on Other Legal and Regulatory Requirements

1. With respect to the other matters to be included in the Auditor's Report in terms of the directions of the Comptroller and Auditor General of India (CAG) under Section 143(5) of the Act, and on the basis of our examination of the books and records of the Group carried out in accordance with the generally accepted principles in India and according to the information and explanations given to us, we give in the Annexure A, statement on the matters specified in the directions and sub-directions of CAG.

2. As required by the Companies (Auditor's Report) Order, 2015 ("the Order") issued by the Central Government of India in terms of sub-section (11) of Section 143 of the Act, based on the comments in the auditor's reports of the Holding company, subsidiary company incorporated in India, and on the basis of our examination of the books and records of the company carried out in accordance with the generally accepted auditing practices in India and according to the information and explanations given to us, we give in the Annexure B a statement on the matters specified in paragraphs 3 and 4 of the Order, to the extent applicable.

3. As required by Section 143 (3) of the Act, we report, to the extent applicable, that :

   a. We have sought and obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit of the aforesaid consolidated financial statements.

   b. In our opinion, except for the effects of the matters described in the Basis for Qualified Opinion paragraph above, proper books of account as

तैयार करने हेतु विधि सम्मत अपेक्षितानुसार लेखों का समुचित खाता रखा गया है जो उन खाता एवं अन्य लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट्स की हमारी जांच से जहां तक पता चलता हैं।

सी. इस रिपोर्ट के साथ व्यवहृत समेकित तुलन पत्र, समेकित लाभ व हानि विवरण एवं समेकित नकद प्रवाह समेकित वित्तीय विवरण को तैयार करने के उद्देश्य हेतु लेखा के सम्बद्ध खाते रखे हुए हैं।

डी. उपरोक्त पैराग्राफ योग्य विचार के आधार पर विवरणित मामला के प्रभाव को छोड़ कर, हमारे विचार में, उपरोक्त समेकित वित्तीय विवरण कम्पनीज (लेखा) नियम, 2014 के नियम 7 के साथ पठित अधिनियम की धारा 133 के अधीन निर्दिष्ट लेखा मानकों का अनुपालन किया गया है।

ई. उपरोक्त पैराग्राम योग्य विचार के आधार पर विवरणित मामले, हमारे विचार में, समूह के कामकाज पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

एफ. लेखा के रखरखाव से सम्बद्ध योग्यता एवं उससे सम्बद्ध अन्य मामले उपरोक्त पैराग्राम योग्य विचार के आधार में दिये गये हैं।

जी. अन्य मामलों के सम्बन्ध में जो कम्पनीज (अंकेक्षण एवं अंकेक्षक) नियम, 2014 के नियम 11 के अनुसार अंकेक्षक रिपोर्ट में शामिल करना होगा, हमारे विचार में एवं हमारी अधिकमत जानकारी तथा हमे दिये गये व्याख्यानों के अनुसार निम्न रूप में हैं :

i. समूह के समेकित वित्तीय स्थिति पर लंबित याचिकाओं का समेकित वित्तीय विवरण प्रकटीकरण प्रभाव-समेकित विवरण का संदर्भ टिप्पणी सं. 30 देखें।

ii. समूह को व्यत्पन्न अनुबंध सहित दीर्घ कालीन ठेका पर कोई सामग्री नुकसान नहीं हुआ है।

iii. नियंत्री कंपनी द्वारा निवेशक एडुकेशन एवं सुरक्षा निधि को अंतरण की जानेवाली अपेक्षित राशि के अंतरण में विलम्ब के कतिपय उदाहरण निम्न रूप में हैं :

स्वरूप	घोषणा की तारीख	अंतरण की निर्धारित तारीख	अंतरण की तारीख	राशि (₹ लाख में)
दावारहित लाभांश	15.09.2007	20.10.2014	22.11.2014	6.53

सहायक कंपनी द्वारा निवेशक शिक्षा एवं सुरक्षा निधि को अंतरण की जानेवाली अपेक्षित राशि के अंतरण में विलम्ब नहीं हुआ है।

वास्ते राय एंड कं.
सनदी लेखाकार
एफआरएन 313124ई
सीए. एसपी बसु
साझेदार
मो. नं. 050209

स्थान : कोलकाता
दिनांक : 17.07.2015

required by law relating to the preparation of the aforesaid consolidated financial statements have been kept so far as it appears from our examination of those books and the reports of the other auditors.

c. The Consolidated Balance Sheet, the Consolidated Statement of Profit and Loss, and the Consolidated Cash Flow Statement dealt with by this Report are in agreement with the relevant books of account maintained for the purpose of preparation of the consolidated financial statements.

d. In our opinion, except for the effect of the matters described in the Basis for Qualified opinion paragraph above, the aforesaid consolidated financial statements comply with the Accounting Standards specified under Section 133 of the Act, read with Rule 7 of the Companies (Accounts) Rules, 2014.

e. The matter described in the Basis for Qualified Opinion paragraph above, in our opinion, may have an adverse effect on the functioning of the Group.

f. The qualification relating to the maintenance of accounts and other matters connected therewith are as stated in the Basis for Qualified Opinion paragraph above.

g. With respect to the other matters to be included in the Auditor's Report in accordance with Rule 11 of the Companies (Audit and Auditor's) Rules, 2014, in our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us :

i. The consolidated financial statements disclose the impact of pending litigations on the consolidated financial position of the Group – Refer Note no. 30 to the consolidated financial statements.

ii. The Group did not have any material foreseeable losses on long-term contracts including derivative contracts.

iii. Following is the instance of delay in transferring amount, required to be transferred, to the Investor Education and Protection Fund by the Holding Company.

Nature	Date of Declaration	Due Date of transfer	Transferred on	Amount (₹ in lacs)
Unclaimed Dividend	15/09/2007	20/10/2014	22/11/2014	6.53

There has been no delay in transferring amounts, required to be transferred, to the Investor Education and Protection Fund by the subsidiary company.

For Ray & Co.
Chartered Accountants
FRN. 313124E

CA. S P Basu
Partner
M no. 050209

Place : Kolkata
Date : 17.07.2015

अनुलग्नक-ए / Annexure-A

कम्पनी अधिनियम 2013 की धारा 143 (5) के अधीन निदेश
Directions under section 143(5) of the Companies Act 2013

क्र.सं. Sl. No.	निदेश Direction	अंकेक्षक का उत्तर Auditor's Reply
1.	यदि कम्पनी ने परिस्मपत्तियों (अमूर्त अस्थियां एवं भूमि सहित) तथा दायित्व (प्रतिबद्ध एवं साधारण आरक्षण सहित) के मूल्यांकन के अर्थों में विनिवेश की परिपूर्ण स्थित रिपोर्ट के लिए चयनित किया है जिसका विनिवेश प्रक्रिया पद्धति एवं वर्तमान स्थित सहित जांच की जा सकती है। If the Company has been selected for disinvestment a complete status report in terms of valuation of Assets (including intangible assets and land) and Liabilities (including Committed & General Reserves) may be examined including the mode and present stage of disinvestment process.	हमलोगों को जानकारी दी है कि अंकेक्षण वर्ष के दौरान विनिवेश हेतु कम्पनी का चयन नहीं किया गया है। We are informed that the Company has not been selected for disinvestment during the year of audit.
2.	कृपया रिपोर्ट करें कि क्या किसी देनदारी/ऋण/ब्याज आदि के वेवर/राइट ऑफ का कोई मामल है। यदि है, उसका कारण एवं उसमें शामिल राशि का उल्लेख करें। Please report whether there are any cases of waiver/ write off of debts/loan/interest etc. If yes, the reason there for and amount involved	नियंत्री कंपनी के मामले में :- वर्ष के दौरान ₹ 112.69 लाख कार्यगत पूंजी का राइट ऑफ किया गया है जो प्रोजेक्ट के लागू करने में अनिश्चितता के कारण आटो श्रेडिंग संयंत्र की संस्थापना हेतु डीपीआर, आदि को तैयार करने के लिए व्यय हेतु प्रतिनिधित्व कर रहा है-संदर्भ वित्तीय विवरण की टिप्पणी सं. 9 (एफ) In case of Holding Company :- During the year there is a write off of Capital Work-In-Progress amounting to ₹ 112.69 lacs representing expenses for preparation of DPR, etc for setting up of Auto-Shredding Plant due to uncertainty in implementation of the project - Refer Note no. 9(f) to the consolidated financial statements. सहायक कंपनी के मामले में : कम्पनी ने वर्ष 2014-15 में लेखा के खातों में ₹ 33.72 लाख के अशोध्य एवं संदिग्ध ऋण हेतु प्रावधान किया गया है। In case of Subsidiary :- The Company has made a provision for Bad & Doubtful Debt of ₹ 33.72 lacs in the books of account in the FY 2014-15.
3.	क्या थर्ड पार्टियों के पास पड़ी इन्वेंटरियों एवं सरकार या किसी अन्य प्राधिकार से उपहार के रूप में प्राप्त सम्पत्तियों का समुचित रिकार्ड रखा गया है। Whether proper records are maintained for inventories lying with third parties & assets received as gift from Government or other authorities	नियंत्री कम्पनी ने थर्ड पार्टियों के पास पड़ी इंवेन्टरियों हेतु समुचित रिकार्ड रखा है। समूह ने सरकारी या किसी अन्य प्राधिकरण से उपहार के रूप में कोई परिसम्पत्ति प्राप्त नहीं किया है। The Holding Company has maintained proper records for inventories lying with third parties. The Group has not received any assets as gift from Govt. or any other authorities.
4.	लंबित विधि/पंचाट मामले का आयुवार विश्लेषण पर रिपार्ट साथ ही विलम्ब होने का कारण एवं सभी मामलें (विदेश एवं स्थानीय) पर व्यय हेतु निगरानी तंत्र का वर्तमान/प्रभावी रिपोर्ट दें।	नियंत्री कंपनी के मामले में :- सभी प्रमुख लंबित विधिक/पंचाट मामले का आयुवार विश्लेषण के साथ प्रबन्धन द्वारा प्रमाणित लंबित होने के कारण अनुलग्नक सी में दिये गये हैं।

क्र.सं. Sl. No.	निर्देश Direction	अंकेक्षक का उत्तर Auditor's Reply
	A report on age-wise analysis of pending legal/ arbitration cases including the reasons of pendency and existence/effectiveness of a monitoring mechanism for expenditure on all legal cases (foreign and local) may be given	कम्पनी का अपना विधिक प्रकोष्ट मौजूद है जो कम्पनी द्वारा/विरुद्ध दायर कानूनी/पंचाट मामले पर निगरानी रखता है। यह ऐसे सभी मामले (विदेश एवं स्थानीय पर होने वाले पर भी निगरानी रखता है। सभी कानूनी मामलों में सामान्यतः निगरानी तंत्र मौजूद है जो 10 वर्षों से अधिक समय से पुराने मामलों को छोड़ कर प्रभावी पाया गया है। In case of Holding Company :- The age-wise analysis of all major pending legal/arbitration cases including the reasons of pendency as certified by the Management of the Holding Company are given in Annexure C. There exist in-house legal cell of the Company which monitors all the legal/arbitration cases filed against/by the Company. It also monitors expenditure on all such cases filed (foreign and local). There exist monitoring mechanism generally in all legal cases (foreign and local) which is found to be effective except for some old cases which are more than 10 years. सहायक कंपनी के मामले में :- प्रावधान के अनुसार लंबित/पंचाट पर रिपोर्ट अनुलग्नक-डी के अनुसार संलग्न है। भुगतान/व्यय पर कम्पनी के वरिष्ठ कार्यपालकों द्वारा नियमित रूप से निगरानी रखी जाती है। In case of Subsidiary :- A report on Pending legal/arbitration cases as provided, is enclosed as Annexure-D Payment/expenditure are being regularly monitored by senior executives of the Company.

सहायक कम्पनी की कम्पनी अधिनियम 2013 की धारा 143(5) के अधीन भारत के नियंत्रक एवं महालेखाकार के उप-निदेश

Sub-Direction of Comptroller and Auditor General of India under Section 143(5) of the Companies Act 2013 of Subsidiary Company

सं. Sl. No.	उप-निदेश Sub-Directions	उत्तर Reply
1.	भूमि	हमलोगों नें 33 वर्षों के स्थायी पट्टे पर सेल-बीएसपी से अर्जित पट्टा पर दिये गये भूमि के पटटे की टाईटिल की जांच की है। भूमि किसी विवाद एवं भूमि अतिक्रमण के अधीन नहीं है। कम्पनी ने वर्ष के दौरान भूमि का भौतिक सर्वेक्षण नहीं किया है।
ए)	फ्रीहोल्ड एवं पट्टे पर दिये गये भूमि हेतु टाइटिल/पट्टे की जांच एवं फ्रीहोल्ड एवं पट्टे पर दिये गये भूमि पर रिपोर्ट जिसका टाइटिल दस्तावेज उपलब्ध नहीं है, विवाद एवं अतिक्रम के अधीन है।	
बी)	बताएं कि क्या कम्पनी ने वर्ष के दौरान भूमि का भौतिक सर्वेक्षण किया है, क्या कम्पनी द्वारा धारित भूमि के क्षेत्र के साथ सर्वेक्षण का प्रमाणपत्र/ रिपोर्ट की तुलना मिलान कराया गया है तथा अतिक्रम हटाने के लिए कम्पनी द्वारा कोई प्रभावी कदम उठाए गए हैं?	
	Land	
a)	Examine the title/lease deeds for freehold and leasehold land and report area of freehold and leasehold land for which title deeds are not available, in dispute, and under encroachment.	We have examined the title of lease of leasehold land acquired from SAIL-BSP on perpetual lease of 33 years, The land is not under any dispute and land encroachment.
b)	State whether the Company has physically surveyed the land during the year, whether the certificate/report of the survey matches with the area of land held by the Company and effective steps taken by the Company to remove encroachment?	The company has not physically surveyed the land during the year.
2.	व्यापार एवं अन्य प्राप्य	31.03.15 को व्यापार प्राप्य पुष्टिकृत किये गए और/या तदुपरांत संग्रह से मिलान किया गया, विवरण अनुलग्न ई में दिए गये हैं। बिना पुष्टिकृत कुल शेष राशि ₹ 85.18 लाख है।
ए)	व्यापार एवं अन्य प्राप्य के मिलान की जांच करें एवं उसका रिपोर्ट करें क्या वह मिलान एवं बिना मिलान सामग्री थे। क्या खातों में पर्याप्प विवरण एवं समायोजित किया गया है। बिना पुष्टिकृत अवशिष्ट की कुल राशि एवं तीन वर्षों व पांच वर्षों से अधिक समय से बकाये पर भी रिपोर्ट करें ।	सेल बीएसपी से प्राप्त राशि ₹ 33.72 लाख तीन वर्षों से अधिक समय से बकाया था। तथापि, कम्पनी ने वित्तीय वर्ष 2014-15 में लेखा खातों में ₹ 33.72 लाख का अशोध्य एवं संदिग्ध ऋण हेतु प्रावधान किया है।
	Trade and Other receivables	
a)	Examine the balances of trade and other receivables and report whether the same were reconciled and un-matched items were adequately explained and adjusted in the accounts. Also report the total amount of unconfirmed balances and those outstanding for more than three years and more than five years.	Trade receivable as on 31.03.15 have been confirmed and/ or reconciled from subsequent collections, details given in Annexure E Total amount of unconfirmed balance is ₹ 85.18 lacs. An amount receivable from SAIL BSP of ₹ 33.72 lacs was outstanding for more than three years. However, company made a provision for Bad & doubtful Debt of ? 33.72 lacs in the books of account in the F.Y. 2014-15

सं. Sl. No.	Sub-Directions	Reply
	बी) जहाँ ऐसी शेष राशियों का संबंधित पार्टियों ने पुष्टि की हैं, क्या वे वित्तीय विवरण में सम्बद्ध शीर्षों के अधीन प्रतिबिंबित राशियों से व्यापक रूप से भिन्न हैं, और यदि ऐसा है, अंतर का खुलासा किया जाना चाहिए।	शेष राशि या तो पुष्टिकृत है और/या अनुवर्ती संग्रहों से मिलाए गये हैं, विवरण अनुलग्नक ई में दिये गये हैं।
	b) Where such balances have been confirmed by respective parties, whether it varies widely from the amounts reflected under respective heads in the financial statements, and if so, difference to be disclosed.	Balance have either been confirmed and/or reconciled from subsequent collections, details given in Annexure E
	3. कर्मचारियों को भुगतान एवं भत्ता एवं अन्य अधिकार	ग्रेच्युटी भारतीय जीवन बीमा निगम से वित्त पोषित है। मूल्यांकन भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा स्वयं किया जाता है एवं कम्पनी प्रति वर्ष भारतीय जीवन बीमा निगम की मांग के आधार पर प्रिमियम चुकता करती है।
	3. Employees pay and allowances and other entitlements	कम्पनी निम्नलिखित हेतु बीमांकिक मूल्यांकन के जरिए अपने कर्मचारी के लाभ का मूल्यांकन करती है:
	ए) ग्रेच्युटी एवं अन्य कर्मचारी लाभ के बाबत बीमांकिक दायित्व की गणना हेतु प्रबन्धन द्वारा स्वीकृत वेतन में वृद्धि प्रतिशत का जांच करें क्या वे समुचित थे, एवं बीमांकिक मूल्यांकन हेतु बीमांकिक हेतु कम्पनी द्वारा स्रोत आंकड़े वास्तविक, परिपूर्ण एवं वैध थे।	i) छुट्टी योजना ii) मेडिक्लेम इंश्योरेंश iii) समझौता भत्ता iv) वर्तमान एवं अवकाशप्राप्त कर्मचारियों हेतु उपहार का भुगतान v) कर्मचारी परिवार लाभ योजना समझ के आधार पर, कम्पनी ने बीमांकिक मूल्यांकन हेतु बीमांकिक का समुचित एवं पर्याप्त आंकड़े प्रस्तुत किये है।
	a) Examine the percentage escalation in salary assumed by management for computation of actuarial liability against gratuity and other employee benefits and report whether the same was reasonable, and source data provided by the company to the Actuaries for actuarial valuation were correct, complete and valid.	The Gratuity is funded with Life Insurance Corporation of India. The valuation itself done by Life Insurance Corporation of India and company pays premium on the basis of demand of Life Insurance Corporation of India every year. The company evaluate its employee benefits through Actuarial Valuation for the following: i) Leave Scheme ii) Mediclaim Insurance iii) Settlement Allowance iv) Gifts paid to existing and retired employees v) Employee Family Benefit Scheme Based on the understanding, the company has provided appropriate and adequate data to actuaries for actuarial valuation.
	बी) तुलन पत्र की तारीख को सभी नॉन मूविंग स्टोर्स की समीक्षा करें एवं अप्रचलन तथा मूल्य में कमी हेतु प्रावधान की पर्याप्तता का आकलन करें।	सामग्रियां, जो तीन वर्षों से अधिक समय से नहीं ली गई है उन्हें नॉन मूविंग इंवेन्टरीज के रूप में माना गया है एवं कम्पनी ने अनुरूप प्रावधान किया है (अर्थात वर्ष 2001-02 से प्रत्येक वर्ष लागत का दस प्रतिशत) नॉन मूविंग इन्वेंटरी की सकल लागत 31 मार्च, 2015 को ₹ 265.01 लाख है जिसके बाबत कम्पनी ने ₹ 131.95 लाख का प्रावधान किया है। इसके अलावा, प्रबन्धन की भीतरी तकनीकी समीक्षा कमिटी ने कुल ₹ 23.42 लाख नॉन मूविंग इन्वेंटरी में से अप्रचलित इन्वेंटरी को चिह्नित किया है।

सं. Sl. No.	Sub-Directions	Reply
		कमिटी ने अप्रचलित इन्वेंटरी के बाबत ₹ 8.08 लाख का शुद्ध शोध्य मूल्य का अनुमान किया है। कम्पनी ने वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान अप्रचलित इन्वेंटरी के बाबत ₹ 15.34 लाख प्रदान की गई है। अप्रचलित इन्वेंटरी का निपटान निदेशक मंडल से आवश्यक अनुमोदन के उपरान्त कमिटी द्वारा संचालित सर्वेक्षण के आधार पर सुनिश्चित किया जाता है।
b)	Review all the non-moving stores on the balance sheet date and assess the adequacy of provision for obsolescence and value reduction.	The items, which have not moved for more than three years are considered as non-moving inventories and the Company has made corresponding provision (i.e. ten percent of cost every year from year 2001-02) The gross value of non-moving inventory is ₹ 265.01 lacs as at 31st March 2015 against which company has made provision of ₹ 131.95 lacs. Moreover, Internal technical review committee of the management identified obsolete inventory out of the total non-moving inventory amounting to ₹ 23.42 lacs. The committee has also estimated net realizable value of ₹ 8.08 lacs against obsolete inventory. The company has provided for ₹ 15.34 lacs against obsolete inventory during F.Y 2013-14 Disposal of obsolete inventory is determined on the basis of survey conducted by a committee after necessary approval from board of directors.

स्वतंत्र लेखा परीक्षक के प्रतिवेदन का अनुलग्नक-बी

आज की तारीख के हमारे प्रतिवेदन के खण्ड "अन्य विधिक एवं नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट" के अधीन पैराग्राफ 2 के संदर्भ में।

I. ए. कंपनी ने उचित अभिलेख रखे हैं जिसमें इसकी स्थायी परिसंपत्तियों की स्थित एवं मात्रात्मक विवरण सहित पूरे विवरण दर्शाए गए हैं।

ख. वर्ष के दौरान नियंत्री कंपनी ने स्थायी परिसंपत्तियों का कोई भौतिक सत्यापन नहीं किया है। यदि पुस्तक अभिलेख से कोई ठोक विसंगतियाँ पायी जाती हैं तो हम कोई टिप्पणी करने में असमर्थ हैं, क्योंकि प्रबंधन द्वारा वर्ष के दौरान स्थायी परिसंपत्तियों का भौतिक सत्यापन नहीं किया गया है।

सहायक कंपनी के मामले में, समुचित अंतराल पर प्रबन्धन द्वारा सहायक कंपनी की स्थायी संपत्तियों का भौतिक सत्यापन किया गया एवं पुस्तक अभिलेखों एवं भौतिक सत्यापन के बीच कोई गंभीर भिन्नता नहीं पायी गयी। सहायक कंपनी के अंकेक्षक के विचार के अनुसार भौतिक सत्यापन का अवधि अंतराल समुचित है जैसा कंपनी का आकार एवं उसकी स्थायी परिसम्पत्तियो के स्वरूप का संबंध है।

II. ए इन्वेंटरीज का प्रबंधन द्वारा वर्ष के दौरान भौतिक सत्यापन किया गया। हमारे विचार में सत्यापन की आवृत्ति पर्याप्त है।

बी. प्रबंधन द्वारा अनुसरित इन्वेंटरीज के भौतिक सत्यापन की प्रक्रिया समूहे के आकार एवं उसके व्यापार के स्वरूप से संबंध में समुचित एवं पर्याप्त है।

सी. समूह ने इन्वेंटरीज का उचित अभिलेख रखा है। भौतिक स्टॉक्स एवं पुस्तक अभिलेखों के बीच सत्यापन में ध्यान में आई भिन्नता महत्वपूर्ण नहीं थे।

III. कंपनी ने कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 189 के अधीन रखे गए रजिस्टर में सूचीबद्ध कंपनियों, फर्मों तथा अन्य पार्टियों से तथा पार्टियों को सुरक्षित अथवा गैर सुरक्षित ऋण न तो दिया है और न ही लिया है। अतः आदेश के खंड 3(ए) एवं 3(बी) लागू नहीं है।

IV. नियंत्री कंपनी के पास कोई लिखित आंतरिक नियंत्रण मैनुअल उपलब्ध नही है। तथापि, समूह द्वारा अपनायी गयी आंतरिक नियंत्रण प्रक्रिया पर्याप्त है सिवाय नियंत्री कंपनी के निम्न निर्दिष्ट क्षेत्रों को छोड़करः

i) विविध देनदारों के बाबत बंधक स्टॉक के नियंत्रण में कमजोरी।

ANNEXURE-B to the INDEPENDENT AUDITOR'S REPORT

REFERRED TO IN PARAGRAPH 2 UNDER "REPORT ON OTHER LEGAL AND REGULATORY REQUIREMENTS" SECTION OF OUR REPORT OF EVEN DATE

I. a. The Group has generally maintained proper records showing full particulars including quantitative details and situation of fixed assets;

b. The Holding Company has not physically verified its Fixed Assets during the year. We are unable to comment on material discrepancies, if any, in book record with physical verification record as no physical verification have been conducted during the year by the management.

In case of subsidiary, the fixed assets of the subsidiary company have been physically verified by the management at reasonable intervals and no serious discrepancies between the book records and physical verification were noticed. As per the opinion of the subsidiary company's auditor, this periodicity of physical verification is reasonable having regards to the size of the company and the nature of its fixed assets.

II. a. Inventories have been physically verified during the year by the management. In our opinion, the frequency of verification is reasonable.

b. The procedures of physical verification of inventories followed by the management are reasonable and adequate in relation to the size of the Group and the nature of its business.

c. The Group is maintaining proper records of inventories. The discrepancies noticed on verification between the physical stocks and the book records were not material.

III. The Group has neither granted nor taken any loan, secured or unsecured to and from companies, firms or other parties covered in the register maintained under section 189 of the Companies Act, 2013. Therefore, the provisions of clauses 3(a) & 3(b) of the Order are not applicable.

IV. There is no written Internal Control manual available with the Holding Company. However, the Internal Control procedure adopted by the Group are adequate except in the areas as mentioned below of the Holding Company.

i) Weakness in internal control of pledged stock against Sundry Debtors.

ii) क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा ई-कामर्स व्यवसाय के बाबत, ई-ऑक्शन सफलतापूर्वक पूरा होने के मामले में, बिलिंग करने में कमजोरी, जिसमें क्रेताओं ने प्रधानों को मात्र जमा बयाना राशि (ईएमडी) भुगतान किया है, और तदुपरान्त सामग्रियों को नहीं उठाया है, कंपनी जानकारी के अभाव में कि ईएमडी जब्त किया गया है या नहीं अपना सेवा प्रभार बिल बनाने की स्थिति में नहीं होती है। इसके अलावा वर्ष के दौरान जब्त की गई ईएमडी एवं उस पर बिलिंग की संख्या को पता लगाने का कोई नियंत्रण बिंदू नहीं है।

iii) समझौता ज्ञापन, त्रिपक्षीय समझौता एवं सेलिंग एजेंसी समझौता की निगरानी में कमजोरी चूंकि ये मूल समझौता की समाप्ति के पूर्व नियमित रूप से नवीनीकृत नहीं किये जाते हैं।

V समूह ने अधिनियम के अर्थों में कोई जमा स्वीकार नहीं किया है। अतः भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी निर्देश एवं धारा 73 से 76 के प्रावधान या अधिनियम के अन्य कोई सम्बद्ध प्रावधान तथा उसके अधीन निर्मित कोई नियम समूह के लिए लागू नहीं है।

VI. जैसा कि हमें एवं सहायक कंपनी के अंकेक्षक को जानकारी दी गई है कि अधिनियम की धारा 148 की उप-धारा (1) के अधीन लागत रिकार्ड को रखना समूह के लिए प्रयोज्य नहीं है।

VII. ए. समूह के रिकार्ड के अनुसार, समूह नियमित रूप से निर्विवाद वैधानिक बकाया सहित भविष्य निधि, कर्मचारी राज्य बीमा, आयकर, बिक्री कर, वैल्यू एडेड टेक्स, संपत्ति कर, सेवा कर, सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क, सेस एवं अन्य वैधानिक बाकाए जैसा लागू है, उपयुक्त प्राधिकार के पास जमा कर रही है।

बी. बिक्री कर, सेवा कर, उत्पाद शुल्क, प्रवेश कर, आयकर एवं सीमा शुल्क के विवादित बकाए का विवरण जो जमा नहीं किये गये हैं निम्न रूप में हैं :

ii) Weakness in billing made by regional offices against e-Commerce business, in case of successfully completed E-Auction, wherein the buyers had made payment of Earnest Money Deposit (EMD) only to the principals, and thereafter defaulted in lifting of material, the Company is not in a position to raise its service charge bill due to lack of information as to whether EMD has been forfeited or not. Moreover there are no control points to track number of EMD's forfeited during the year and billing thereon.

iii) Weakness in monitoring of Memorandum of Agreement, Tripartite Agreement and Selling Agency Agreement as they are not regularly renewed prior to the expiry of the original Agreement.

V. The Group has not accepted any deposits within the meaning of the Act. Hence, the directives issued by Reserve Bank of India and the provisions of Sections 73 to 76 or any other relevant provisions of the Act and the rules framed there under are not applicable to the Group.

VI. As informed to us and the subsidiary company auditor, the maintenance of cost records under sub-section (1) of Section 148 of the Act is not applicable to the Group.

VII. a. According to the records of the Group, the Group is regular in depositing the undisputed statutory dues including provident fund, employees' state insurance, income tax, sales tax, value added tax, wealth tax, service tax, custom duty, excise duty, cess and any other statutory dues as applicable, with the appropriate authorities.

b. The details of disputed dues of Sales Tax, Service Tax, Excise Duty, Entry Tax, Income Tax and Custom Duty, which have not been deposited, are given below :

नियंत्री कंपनी के मामले में

संविधि का नाम	बकाया राशि की प्रकृति	वित्तीय वर्ष के अवधि	राशि रु.लाख में	जिस फोरम में विवाद लंबित
उत्तर प्रदेश वैल्यू एडेड टेक्स अधिनियम 2008	बिक्री कर प्राधिकरण द्वारा दावा	2001-02 2003-04 2004-05 2007-08	3.85 25.00 4.97 12.89	उच्च न्यायालय/बिक्री कर ट्रिब्यूनल/बिक्री कर प्राधिकरण के समक्ष लंबित
जम्मू व कश्मीर सामान्य बिक्री कर अधिनियम 1962	बिक्री कर प्राधिकरण द्वारा दावा	2008-09	2.56	बिक्री कर प्राधिकरण के समक्ष लंबित
पश्चिम बंगाल वैल्यू एडेड टेक्स अधिनियम 2003	बिक्री कर प्राधिकरण द्वारा दावा	2009 -10 2011 - 12	4.26 1.39	बिक्री कर प्राधिकरण के समक्ष लंबित
आंध्र प्रदेश वैल्यू एडेड टेक्स अधिनियम 2005	बिक्री कर प्राधिकरण द्वारा दावा	1982 - 83 1984- 85 1998 - 99 1999 - 00 2002 - 03 2004 - 05 2005 - 06 2006 - 07 2007 - 08 2008 - 13	9.33 54.17 22.53 44.42 31.18 9.08 3.70 0.76 27.46 1016.66	बिक्री कर ट्रिब्यूनल/बिक्री कर प्राधिकरण/उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित
ओडिशा बिक्री कर अधिनियम	बिक्री कर प्राधिकरण द्वारा दावा	1986- 87	269.00	उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित
गुजरात वैल्यू एडेड टेक्स अधिनियम 2003	बिक्री कर प्राधिकरण द्वारा दावा	2002 - 03 2003 - 04 2004 - 05	52.25 369.45 495.77	बिक्री कर प्राधिकरण के समक्ष लंबित
सीमा शुल्क अधिनिमय 1962	सीमा शुल्क विभाग द्वारा दावा	1995 - 96	240.00	बिक्री कर प्राधिकरण के समक्ष लंबित
सीमा शुल्क अधिनिमय 1962	सीमा शुल्क विभाग द्वारा दावा	2001 - 02 2012 - 13 2013 - 14	203.81 1542.49 83.55	उच्च न्यायालय/बिक्री कर ट्राईबूनल के समक्ष लंबित
आयकर अधिनियम, 1961	आयकर की मांग	2002 - 03	51.56	उच्च न्यायालय, कलकत्ता में लंबित
आयकर अधिनियम, 1961	आयकर की मांग	2004 - 05	1.06	अपीलीय प्राधिकरण के समक्ष लंबित
आयकर अधिनियम, 1961	आयकर की मांग	2005 - 06	31.19	अपीलीय प्राधिकरण के समक्ष लंबित
आयकर अधिनियम, 1961	आयकर की मांग	2008 - 09	67.62	आयकर ट्रिब्यूनल के समक्ष लंबित
आयकर अधिनियम, 1961	आयकर की मांग	2009 - 10	464.25	आकलन प्राधिकरण के समक्ष लंबित
आयकर अधिनियम, 1961	आयकर की मांग	2010 - 11	40.39	अपीलीय प्राधिकरण के समक्ष लंबित
आयकर अधिनियम,, 1961	आयकर की मांग	2011 - 12	21.34	अपीलीय प्राधिकरण के समक्ष लंबित
वित्त अधिनियम 1994	सेवा कर की मांग	2003-04 से 2004-05 2002-03 से 2004-05 2005-06 से 2007-08	23.81 83.53 1505.12	अपीलीय प्राधिकरण के समक्ष लंबित
		कुल	**6820.40**	

In case of Holding Company :-

Name of the Statute	Nature of Dues	Period to which the amount relates Financial Year	Amount ₹ in Lacs	Forum where dispute is pending
Uttar Pradesh Value Added Tax Act, 2008	Claim by Sales Tax Authority	2001-02 2003-04 2004-05 2007-08	3.85 25.00 4.97 12.89	Pending before HC/ST Tribunal/ ST Authority
Jammu & Kashmir General Sales Tax Act, 1962	Claim by Sales Tax Authority	2008-09	2.56	Pending before ST Authority
West Bengal Value Added Tax Act, 2003	Claim by Sales Tax Authority	2009 – 10 2011 – 12	4.26 1.39	Pending before ST Authority
Andhra Pradesh Value Added TaxAct 2005	Claim by Sales Tax Authority	1982 – 83 1984 – 85 1998 - 99 1999 - 00 2002 – 03 2004 – 05 2005 – 06 2006 – 07 2007 – 08 2008 - 13	9.33 54.17 22.53 44.42 31.18 9.08 3.70 0.76 27.46 1016.66	Pending before ST Tribunal/ ST Authority/HC
Odisha Sales Tax Act	Claim by Sales Tax Authority	1986 – 87	269.00	Pending before High Court
Gujrat Value Added TaxAct 2003	Claim by Sales Tax Authority	2002 – 03 2003 – 04 2004 - 05	52.25 369.45 495.77	Pending before ST Authority
Customs Act 1962	Claim by Customs Department	1995 – 96	240.00	Pending before ST Authority
Customs Act 1962	Claim by Customs Department	2001 – 02 2012 – 13 2013 – 14	203.81 1542.49 83.55	Pending before High Court ST Tribunal
Income Tax Act, 1961	Income Tax Demand	2002 – 03	51.56	Pending with HC Calcutta
Income Tax Act, 1961	Income Tax Demand	2004 – 05	1.06	Pending with Appellate Authority
Income Tax Act, 1961	Income Tax Demand	2005 – 06	31.19	Pending with Appellate Authority
Income TaxAct, 1961	Income Tax Demand	2008 – 09	67.62	Pending with IT Tribunal
Income Tax Act, 1961	Income Tax Demand	2009 – 10	464.25	Pending with Assessing Authority
Income Tax Act, 1961	Income Tax Demand	2010 – 11	40.39	Pending with Appellate Authority
Income Tax Act, 1961	Income Tax Demand	2011 – 12	21.34	Pending with Appellate Authority
Finance Act 1994	Service Tax Demand	2003 –04 to 2004 -05 2002 –03 to 2004 -05 2005 –06 to 2007 -08	23.81 83.53 1505.12	Pending with Appellate Authority
		TOTAL	**6820.40**	

सहायक कंपनी के मामले में

संविधि का नाम	बकाया राशि की प्रकृति		राशि रु.लाख में	जिस फोरम में विवाद लंबित
वित्त अधिनियम 1994 (सेवा कर का प्रावधान) (अद्यतन संशोधन जैसा)	अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, जयपुर द्वारा मांग के के अनुसार डुबुरी यूनिट में 'कार्गो हैण्डलिंग सर्विसेज' पर सेवा कर **(निवल भुगतान)**	नवम्बर 2002 से अप्रैल, 2004	63.57	अपीलीय अथॉरिटी , (सीईएसटीएटी, कोलकाता)
वित्त अधिनियम 1994 (सेवा कर का प्रावधान) (अद्यतन संशोधन जैसा)	आयुक्त, उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क, रांची द्वारा आदेशानुसार बोकारो में 'व्यापार पूरक सेवाओं' पर सेवा कर	मार्च 2005 से जनवरी 2008	1699.25	अयुक्त, रांची एवं अपीलीय अथॉरीटी (सीईएसटीएटी, कोलकाता)
वित्त अधिनियम 1994 (सेवा कर का प्रावधान) (अद्यतन संशोधन जैसा)	अतिरिक्त आयुक्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क बोलपुर तथा सहायक आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क आसनसोल द्वारा आदेशानुसार बर्नपुर यूनिट में 'व्यापार पूरक सेवा' पर सर्विस टेक्स	सितम्बर 2004 से फरवरी 2005 एवं अप्रैल 2005 से सितम्बर 2006	97.00	आयुक्त (अपीलीय), कोलकाता
वित्त अधिनियम 1994 (सेवा कर का प्रावधान) के (अद्यतन संशोधन जैसा)	अतिरिक्त आयुक्त, संयुक्त आयुक्त, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क द्वारा आदेशनुसार बर्नपुर यूनिट में 'व्यापार पूरक सेवाओ' पर सेवा कर	सितम्बर 2004 से फरवरी 2005	114.96	अपीलीय प्राधिकरण, (सीईएसटीएटी, कोलकाता) आयुक्त (अपील) द्वारा कंपनी पक्ष में पारित आदेश को सेवा कर विभाग द्वारा सीईएसटीएटी के समक्ष अपील दायर।
वित्त अधिनियम 1994 (सेवा कर का प्रावधान) (अद्यतन संशोधन जैसा)	आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क, रायपुर द्वारा मांग के अनुसार भिलाई यूनिट में 'कार्गो हैण्डलिंग सर्विसेज' पर सेवा कर	अगस्त 2002 से जून, 2005	259.48	अपीलीय प्राधिकरण (सीईएसटीएटी, नई दिल्ली)
वित्त अधिनियम 1994 (सेवा कर का प्रावधान) (अद्यतन संशोधन जैसा)	आयुक्त, उत्पाद शुल्क, भुवनेश्वर द्वारा मांग के अनुसार डुबरी यूनिट में 'कार्गो हैण्डलिंग सर्विसेज' पर सेवा कर	मई 2004 से मार्च, 2007	374.25	अपीलीय प्राधिकरण (सीईएसटीएटी, कोलकाता)
वित्त अधिनियम 1994 (सेवा कर का प्रावधान) (अद्यतन संशोधन जैसा)	आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद, भुवनेश्वर द्वारा मांग के अनुसार डुबुरी यूनिट में 'कार्गो हैण्डलिंग सर्विसेज' पर सेवा कर	अप्रैल 2007 से मार्च 2009	226.06	अपीलीय प्राधिकरण (सीईएसटीएटी, कोलकाता)
वित्त अधिनियम 1994 (सेवा कर का प्रावधान) (अद्यतन संशोधन जैसा)	दुर्गापुर स्टील प्लांट एवं एलॉय स्टील प्लांट में 'कार्गो हैंडलिंग सर्विसेज' एवं 'व्यापार पूरक सर्विसेज' पर सेवा कर	अप्रैल 2003 से मार्च, 2008 एवं अक्टूबर, 2003 से नवंबर, 2008	2362.50	अपीलीय प्राधिकरण (सीईएसटीएटी, कोलकाता)
वित्त अधिनियम 1994 (सेवा कर का प्रावधान) (अद्यतन संशोधन जैसा)	दुर्गापुर स्टील प्लांट में 'कार्गो हैंडलिंग सर्विसेज' एवं 'व्यापार पूरक सर्विसेज' पर सेवा कर	अप्रैल 2008 से मई 2009 एवं से सितम्बर, 2009	690.48	अपीलीय प्राधिकरण (सीईएसटीएटी, कोलकाता)
वित्त अधिनियम 1994 (सेवा कर का प्रावधान) (अद्यतन संशोधन जैसा)	आयुक्त, भुवनेश्वर द्वारा मांग के अनुसार डुबरी में 'कार्गो हैंडलिंग सर्विसेज' पर सेवा कर	अप्रैल 2009 से मार्च 2010	163.09	अपीलीय प्राधिकरण (सीईएसटीएटी, कोलकाता)
वित्त अधिनियम 1994 (सेवा कर का प्रावधान) (अद्यतन संशोधन जैसा)	आयुक्त, सीमा शुल्क बोलपुर द्वारा मांग के अनुसार दुर्गापुर यूनिट में "व्यापार पूरक सेवाओं" पर सेवा कर	अक्टूबर 2009 से मार्च 2010	178.30	अपीलीय प्राधिकरण (सीईएसटीएटी, कोलकाता)
ओडिशा बिक्री कर अधिनियम. 1947	ओडिशा बिक्र कर विभाग द्वारा मांग के अनुसार राउरकेला यूनिट में बिक्री कर एवं प्रवेश कर हेतु	2002-2003	46.50	बिक्री कर ट्रिब्यूनल, कटक
ओडिशा नगरपालिका अधिनियम, 1950	अधिसूचित क्षेत्र परिषद, राउकेला (इस्पात नगरीय) द्वारा डम्परों डोजरों आदि जैसे भारी भू-उपस्करों पर चूंगी		3.24	ओडिशा उच्च न्यायालय
		कुल	**6278.68**	

In case of Subsidiary :-

Name of the Statute	Nature of Dues	Period to which the amount relates Financial Year	Amount ₹ in Lacs	Forum where dispute is pending
Finance Act 1994 (Service Tax Provisions) (As amended upto date)	Service tax on "Cargo Handling Services" at Duburi unit as demanded by Suptd. Of Central Excise, Jaipur (net of payment made)	November 2002 to April 2004	63.57	Appellate Authorities, (CESTAT, Kolkata)
Finance Act 1994 (Service Tax Provisions) (As amended upto date)	Service tax on "Business Auxilliary Services" at Bokaro unit as ordered by Commissioner Central Excise and Customs, Ranchi	March 2005 to January 2008	1699.25	Commissioner, Ranchi and Appellate Authorities, (CESTAT, Kolkata)
Finance Act 1994 (Service Tax Provisions) (As amended upto date)	Service tax on "Business Auxilliary Services" at Burnpur unit as ordered by Additional Commissioner Central Excise and Customs, Bolpur and Assistant Commissioner, Central Excise and Custom, Asansol	September 2004 to February 2005 and April 2005 to September 2006	97.00	Commissioner (Appeals), Kolkata
Finance Act 1994 (Service Tax Provisions) (As amended upto date)	Service tax on "Business Auxilliary Services" at Burnpur unit as ordered by Additional Commissioner, Joint Commissioner of Central Excise, Bolpur	September 2004 to February 2005	114.96	Appellate Authorities, (CESTAT) Kolkata (Order passed in favour of company by Commissioner (Appeal) has been appealed by service tax department before CESTAT)
Finance Act 1994 (Service Tax Provisions) (As amended upto date)	Service Tax on "Cargo Handling Services" at Bhillai unit as demanded by Commissioner, Central Excise and Customs, Raipur	August 2002 to June 2003	259.48	Appellate Authorities (CESTAT, New Delhi)
Finance Act 1994 (Service Tax Provisions) (As amended upto date)	Service Tax on "Cargo Handling Services" at Duburi unit as demanded by Commissioner, Central Excise , Bhubaneswar	May 2004 to March 2007	374.25	Appellate Authorities (CESTAT, Kolkata)
Finance Act 1994 (Service Tax Provisions) (As amended upto date)	Service Tax on "Cargo Handling Services" at Duburi unit as demanded by Commissioner, Central Excise , Bhubaneswar	April 2007 to March 2009	226.06	Appellate Authorities (CESTAT, Kolkata)
Finance Act 1994 (Service Tax Provisions) (As amended upto date)	Service Tax on "Cargo Handling Services" and "Business Auxiliary Services" at Durgapur steel plant and Alloy Steel Plant	April 2003 to March 2008 and October 2003 to November 2008	2362.50	Appellate Authorities (CESTAT, Kolkata)
Finance Act 1994 (Service Tax Provisions) (As amended upto date)	Service Tax on "Cargo Handling Services" and "Business Auxiliary Services" at Durgapur steel plant	April 2008 to May 2009 and June 2009 to September 2009	690.48	Appellate Authorities (CESTAT, Kolkata)
Finance Act 1994 (Service Tax Provisions) (As amended upto date)	Service Tax on "Cargo Handling Services" at Duburi unit as demanded by Commissioner, Bhubaneswar	April 2009 to March 2010	163.09	Appellate Authorities (CESTAT, Kolkata)
Finance Act 1994 (Service Tax Provisions) (As amended upto date)	Service Tax on "Business Auxiliary Services" at Durgapur unit as demanded by Commissioner, Central Excise Bolpur	October 2009 to March 2010	178.30	Appellate Authorities (CESTAT, Kolkata)
Orissa Sales Tax Act, 1947	For Sales Tax and Entry tax at Rourkela unit as demanded by Orissa Sales Tax Department	2002-2003	46.50	Sales Tax Tribunal, Cuttack
Orissa Municipal Act, 1950	Octroi on heavy earthmoving equipment like Dumpers, Dozers etc. by notified Area Council, Rourkela (Steel Township)		3.24	Orissa high Court
		TOTAL	**6278.68**	

सी. वह राशि जो अधिनियम के सम्बद्ध प्रावधानों एवं उसके अधीन बनाए गए नियमों के संबंध में निवेशक एडुकेशन एवं संरक्षण कोष को अंतरण करने के लिए अपेक्षित थी को समयानुसार ऐसे कोष में अंतरण कर दी गई है सिवाय धारित कंपनी के मामलों को छोड़ कर, जिसमें वर्ष 2006-07 के बिना दावा लाभांश के बाबत 9 मामलों में ₹ 6.53 लाख की राशि 32 दिन विलम्ब से अंतरण की गई।

VIII. समूह का वित्तीय वर्ष के अन्त में कोई संचित हानि नहीं है और वित्तीय वर्ष तथा वित्तीय वर्ष के ठीक पूर्व के दौरान किसी भी तरह का कोई नकद नुकसान नहीं हुआ है।

IX. समूह बैंकों के बकाए के पुनर्भुगतान में डिफॉल्टेड नहीं है सिवाय ₹ 138 लाख इंडियन ओवरसीज बैंक से एवं ₹ 14362 लाख स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक से ऋण हेतु धारित कंपनी के मामले में जैसा लेखा पर टिप्पणी के टिप्पणी सं. 5(ए) एवं 5(बी) में निर्दिष्ट है। समूह के पास किसी वित्तीय संस्थान एवं डेंवेंचर धारकों का कोई बकाया राशि नहीं है।

X. समूह ने बैंक या वित्तीय संस्थानों से किसी अन्य को ऋण लेने के लिए कोई गारंटी नहीं दिया है।

XI. समूह ने वर्ष के दौरान कोई सावधि ऋण नहीं लिया था।

XII. हमारे लेखा परीक्षा के दौरान समूह द्वारा या को किसी प्रकार की सामग्री की धोखाधड़ी देखी नहीं गयी है या उसकी कोई सूचना नहीं मिली है।

वास्ते राय एवं कं.
सनदी लेखाकार
एफआरएन. 313124ई

सीए.एस.पी. बसु
पार्टनर
एम नं. 050209

स्थान : कोलकाता
दिनांक : 17.07.2015

c. The amount which were required to be transferred to the Investor Education and Protection Fund in accordance with the relevant provisions of the Act and rules made thereunder has been transferred to such fund within time, except in case of Holding Company, there is a delay of transfer of 32 days amounting to ₹ 6.53 lacs in 9 cases towards unclaimed dividend for the year 2006-07.

VIII. The Group has no accumulated losses at the end of the financial year and it has not incurred any cash losses during the financial year and in the immediately preceding financial year;

IX. The Group has not defaulted in repayment of dues to banks except in case of Holding Company for the loan from Indian Overseas Bank ₹ 138 lacs and Standard Chartered Bank ₹ 14362 lacs as mentioned in Note No. 5(a) and 5(b) of the Notes on Account. The Group did not have any amount outstanding to the financial institutions and debenture holders;

X. The Group has not given any guarantee for loans taken by others from bank or financial institutions.

XI. No term loan was obtained during the year by the Group.

XII. No material fraud on or by the Group has been noticed or reported during the course of our audit.

For Ray & Co.
Chartered Accountants
FRN. 313124E

CA. S P Basu
Partner
M no. 050209

Place : Kolkata
Date : 17.07.2015

अनुलग्नक सी

सभी कानूनी/पंचाट मामलों का सारांश 31.03.2015 को
अवधिवार विश्लेषण

अंक रु. लाख में

विषय वस्तु	कुल		एक वर्ष से कम		1 - 2 वर्ष		2 - 3 वर्ष		3 - 5 वर्ष		पाँच वर्ष से अधिक	
	मामलों की संख्या	शामिल राशि	मामलों की संख्या	शामिल राशि	मामलों की संख्या	शामिल राशि	मामलों की संख्या	शामिल राश	मामलों की संख्या	शामिल राशि	मामलों की संख्या	शामिल राशि
बिक्री कर	22	2460.68	0	0	2	975.39	2	6.82	1	12.89	17	1465.58
सेवा कर	4	1612.46							2	1505.12	2	107.34
आय कर	7	677.41	1	21.34	1	40.39	3	496.50	2	119.18		
कस्टम्स	4	2069.85	2	1626.04							2	443.81
निर्यातित स्वर्ण गहनों के विदेशी क्रेताओं के विरुद्ध मामला	46	88402.00							46	88402.00		
अन्य पार्टियां	287	165436.00	43	36376	28	52629.00	34	4472.00	40	23804.00	142	48155.00
कुल	370	260658.40	46	38023.38	31	53644.78	39	4975.32	91	113843.19	163	50171.73

Annexure C

Summary of all Pending/Arbitration cases as on 31.03.2015
Age-wise Analysis

Fig in ₹ Lacs

Subject Matter	Total		Less than one year		1 - 2 year		2 - 3 year		3 - 5 year		More Than Five Years	
	No. of Cases	Amount Involved	No. of Cases	Amount Involved	No. of Cases	Amount Involved	No. of Cases	Amount Involved	No. of Cases	Amount Involved	No. of Cases	Amount Involved
Sales Tax	22	2460.68	0	0	2	975.39	2	6.82	1	12.89	17	1465.58
Service Tax	4	1612.46							2	1505.12	2	107.34
Income Tax	7	677.41	1	21.34	1	40.39	3	496.50	2	119.18		
Customs	4	2069.85	2	1626.04							2	443.81
Case against foreign buyers of Gold Jewellery Export	46	88402.00							46	88402.00		
Other Parties	287	165436.00	43	36376	28	52629.00	34	4472.00	40	23804.00	142	48155.00
Total	370	260658.40	46	38023.38	31	53644.78	39	4975.32	91	113843.19	163	50171.73

सभी कर सम्बद्ध मामलों का विवरण

क्र.सं.	विधान का नाम	प्रारम्भ होने का वर्ष	ब्यौरा	राशि (रु. लाख में)	अवधि वित्तीय वर्ष	वर्तमान स्थिति	लंबित होने का कारण	निम्नांकित में लंबित
1	उप्र वैट अधिनियम 2008	2004-05	ब्याज	3.85	2001-02	उच्च न्यायालय इलाहाबाद में लंबित	कार्यवाही में विलम्ब	उच्च न्यायालय इलाहाबाद
2	उप्र वैट अधिनियम 2008	2006-07	कर का अंतर दर एवं फार्म्स का दाखिल नहीं किया जाना	25.00	2003-04	असेसिंग अथॉरिटी को प्रेषित ह्न	आदेश की प्रतीक्षा	सीटीओ गाजियाबाद
3	उप्र वैट अधिनियम 2008	2007-08	कर का अंतर दर एवं फार्म्स का दाखिल नहीं किया जाना	4.97	2004-05	वाणिज्यिक टैक्स ट्रिब्यूनल गाजियाबाद में लंबित	सुनवाई की तारीख अब तक निर्धारित नहीं	वाणिज्यिक कर ट्रिब्यूनल गाजियाबाद
4	उप्र वैट अधिनियम 2008	2010-11	कर का अंतर दर एवं फार्म्स का दाखिल नहीं किया जाना	12.89	2007-08	असेसिंग अथॉरिटी को प्रेषित	आदेश प्रतीक्षित	सीटीओ गाजियाबाद
5	जम्मू व कश्मीर बिक्री कर अधिनियम 1962	2011-12	कर का अंतर दर एवं फार्म्स का दाखिल नहीं किया जाना	2.56	2008-09	असेसिंग अथॉरिटी को प्रेषित फरवरी, 2012 में	आदेश प्रतीक्षित	सीटीओ जम्मू
6	पबं वैट अधिनियम 2003	2011-12	फार्म्स का दाखिल नहीं किया जाना	4.26	2009-10	अपीलीय रीविजन बोर्ड के पास अपील दायर 3.11.14 को	सुनवाई की तारीख अब तक निर्धारित नहीं	अपीलेट रीविजन बोर्ड कोलकाता
7	पबं वैट अधिनियम 2003	2013-14	फार्म्स का दाखिल नहीं किया जाना	1.39	2011-12	अपीलीय प्राधिकार के पास अपील दायर 16.9.14 को	सुनवाई की तारीख अब तक निर्धारित नहीं	आयुक्त अपील्स कोलकाता
8	अप्र वैट अधिनियम 2005	1999-00	हाई सी सेल्स	9.33	1982-83	एसटीएटी के पास लंबित	कार्यवाही में विलम्ब	एसटीएटी विजाग
9	अप्र वैट अधिनियम 2005	1999-00	हाई सी सेल्स	54.17	1984-85	एसटीएटी के पास लंबित	कार्यवाही में विलम्ब	एसटीएटी विजाग
10	अप्र वैट अधिनियम 2005	2001-02	हमारी ओर से संग्रह किया ब्रिकी कर जमा नहीं किया गया	22.53	1998-99	असेसिंग अथॉरिटी को प्रेषित 31.10.12 को	आदेश प्रतीक्षित	सीटीओ विजाग
11	अप्र वैट अधिनियम 2005	2002-03	हमारी ओर से संग्रह किया ब्रिकी कर जमा नहीं किया गया	44.42	1999-00	असेसिंग अथॉरिटी को प्रेषित 31.10.12 को	आदेश प्रतीक्षित	सीटीओ विजाग
12	अप्र वैट अधिनियम 2005	2007-08	विवादित टर्नओवर	31.18	2002-03	एसटीएटी के पास लंबित	सुनवाई की तारीख अब तक निर्धारित नहीं	एसटीएटी विजाग
13	अप्र वैट अधिनियम 2005	2007-08	विवादित टर्नओवर	9.08	2004-05	एसटीएटी के पास लंबित	सुनवाई की तारीख अब तक निर्धारित नहीं	एसटीएटी विजाग
14	अप्र वैट अधिनियम 2005	2007-08	कर का अंतर दर	3.70	2005-06	एसटीएटी के पास लंबित	सुनवाई की तारीख अब तक निर्धारित नहीं	एसटीएटी विजाग
15	अप्र वैट अधिनियम 2005	2007-08	कर का अंतर दर	0.76	2006-07	एसटीएटी के पास लंबित	सुनवाई की तारीख अब तक निर्धारित नहीं	एसटीएटी विजाग
16	अप्र वैट अधिनियम 2005	2013-14	विवादित टर्नओवर	974.00	2008-13	उच्च न्यायालय अप्र के अपील दायर	सुनवाई की तारीख अब कर निर्धारित नहीं	उच्छ न्यायालय अप्र

e-assuring INDIA
50 GOLDEN YEARS MSTC 1964 - 2014

DETAILS OF ALL PENDING TAX RELATED CASES

Sl No	Name of the Statute	Year of commencement	Particulars	Amount (₹ in lacs)	Period FY	Present status	Reason for pendency	Pending with
1	UP VAT Act 2008	2004-05	Interest	3.85	2001-02	Pending with High Court Allahabad	Procedural delay	High Court Allahabad
2	UP VAT Act 2008	2006-07	Differential rate of tax & non submission of Forms	25.00	2003-04	Remanded to Assessing Authority	Order awaited	CTO Ghaziabad
3	UP VAT Act 2008	2007-08	Differential rate of tax & non submission of Forms	4.97	2004-05	Pending with Commercial Tax Tribunal Ghaziabad	Hearing date not yet fixed	Commercial Tax Tribunal Ghaziabad
4	UP VAT Act 2008	2010-11	Differential rate of tax & non submission of Forms	12.89	2007-08	Remanded to Assessing Authority	Order awaited	CTO Ghaziabad
5	J&K Sales Tax Act 1962	2011-12	Differential rate of tax & non submission of Forms	2.56	2008-09	Remanded to Assessing Authority in Feb. 2012	Order awaited	CTO Jammu
6	WB VAT Act 2003	2011-12	Non submission of Forms	4.26	2009-10	Appeal filed with Appellate Revision Board on 3.11.14	Hearing date not yet fixed	Appellate Revision Board Kolkata
7	WB VAT Act 2003	2013-14	Non submission of Forms	1.39	2011-12	Appeal filed with Appellate Authority on 16.9.14	Hearing date not yet fixed	Commissioner Appeals Kolkata
8	AP VAT Act 2005	1999-00	High sea sales	9.33	1982-83	Pending with STAT	Procedural delay	STAT Vizag
9	AP VAT Act 2005	1999-00	High sea sales	54.17	1984-85	Pending with STAT	Procedural delay	STAT Vizag
10	AP VAT Act 2005	2001-02	Sales Tax collected on our behalf not deposited	22.53	1998-99	Remanded to Assessing Authority on 31.10.12	Order awaited	CTO Vizag
11	AP VAT Act 2005	2002-03	Sales Tax collected on our behalf not deposited	44.42	1999-00	Remanded to Assessing Authority on 31.10.12	Order awaited	CTO Vizag
12	AP VAT Act 2005	2007-08	Disputed turnover	31.18	2002-03	Pending with STAT	Hearing date not yet fixed	STAT Vizag
13	AP VAT Act 2005	2007-08	Disputed turnover	9.08	2004-05	Pending with STAT	Hearing date not yet fixed	STAT Vizag
14	AP VAT Act 2005	2007-08	Differential rate of tax	3.70	2005-06	Pending with STAT	Hearing date not yet fixed	STAT Vizag
15	AP VAT Act 2005	2007-08	Differential rate of tax	0.76	2006-07	Pending with STAT	Hearing date not yet fixed	STAT Vizag
16	AP VAT Act 2005	2013-14	Disputed turnover	974.00	2008-13	Appeal filed with High Court AP	Hearing date not yet fixed	High Court AP

सभी कर सम्बद्ध मामलों का विवरण

क्र.सं.	विधान का नाम	प्रारम्भ होने का वर्ष	ब्यौरा	राशि (रु. लाख में)	अवधि वित्तीय वर्ष	वर्तमान स्थिति	लंबित होने का कारण	निम्नांकित में लंबित
17	ओडीसा बिक्री कर अधिनियम	1995-96	हाई सी सेल्स	269.00	1986-87	उच्च न्यायालय ओड़ीसा में लंबित	कार्यवाही में विलम्ब	उच्च न्यायालय ओड़ीसा
18	गुजरात वैट अधिनियम 2003	2005-06	कागजात का दाखिल नहीं किया जाना	52.25	2002-03	डीसी (अपील) के पास लंबित	सुनवाई की तारीख अब तक निर्धारित नहीं	डीसी (अपील) वडोदरा
19	गुजरात वैट अधिनियम 2003	2006-07	कागजात का दाखिल नहीं किया जाना	369.45	2003-04	डीसी (अपील) के पास लंबित	सुनवाई की तारीख अब तक निर्धारित नहीं	डीसी (अपील) वडोदरा
20	गुजरात वैट अधिनियम 2003	2007-08	कागजात का दाखिल नहीं किया जाना	495.77	2004-05	डीसी (अपील) के पास विचाराधीन	सुनवाई की तारीख अब तक निर्धारित नहीं	डीसी (अपील) वडोदरा
21	कस्टम्स अधिनियम 1962	2001-02	कागजात का दाखिल नहीं किया जाना	240.00	1995-96	असेसिंग अथॉरिटी को प्रेषित 30.1.12 को	आदेश प्रतीक्षित	कमिश्नर कस्टम्स चेन्नई
22	कस्टम्स अधिनियम 1962	2007-08	कागजात का दाखिल नहीं किया जाना	203.81	2001-02	उच्च न्यायालय कलकत्ता में विचाराधीन	कार्यवाही में विलम्ब	उच्च न्यायालय कलकत्ता
23	वित्त अधिनियम 1994 (सेवा कर)	2011-12	ट्रेडिंग कार्यकलाप हेतु सेनवैट की अनियमित उपलब्धता	15.02	2005-08	सीईएसटीएटी कोलकाता के पास अपील दायर 27.9.13 को	सुनवाई की तारीख अब तक निर्धारित नहीं	सीईएसटीएटी कोलकाता
24	वित्त अधिनियम 1994 (सेवा कर)	2011-12	हाई सी सेल्स	1490.10	2005-07	सीईएसटीएटी कोलकाता के पास अपील दायर 2.2.12 को	सुनवाई की तारीख अब तक निर्धारित नहीं	सीईएसटीएटी कोलकाता
25	वित्त अधिनियम 1994 (सेवा कर)	2009-10	सेवा कर के क्रियान्वयन की विवादित तारीख	23.81	2003-05	अपील अथॉरिटी के पास विचाराधीन	सुनवाई की तारीख अब तक निर्धारित नहीं	आयुक्त अपील्स कोलकाता
26	वित्त अधिनियम 1994 (सेवा कर)	2009-10	सेवा कर के क्रियान्वयन की विवादित तारीख	83.53	2002-05	सीईएसटीएटी दिल्ली के पास अपील दायर 28.7.14 को	सुनवाई की तारीख अब तक निर्धारित नहीं	सीईएसटीएटी दिल्ली
27	आय कर अधिनियम 1961	2012-13	संशोधित आकलित आय	1.06	2004-05	अपीलेट अथॉरिटी के पास अपील दायर 21.1.13 को	सुनवाई की तारीख अब तक निर्धारित नहीं	आयुक्त अपील्स कोलकाता
28	आय कर अधिनियम 1961	2012-13	जुर्माना	31.19	2005-06	अपीलेट अथॉरिटी के पास अपील दायर 11.4.12 को	सुनवाई की तारीख अब तक निर्धारित नहीं	आयुक्त अपील्स कोलकाता
29	आय कर अधिनियम 1961	2011-12	आकलित आय	67.62	2008-09	आईटीएटी कोलकाता के पास अपील दायर 27.5.13 को	सुनवाई की तारीख अब तक निर्धारित नहीं	आईटीएटी कोलकाता
30	आय कर अधिनियम 1961	2012-13	आकलित आय	464.25	2009-10	असेसिंग अथॉरिटी को प्रेषित 17.3.15 को	आदेश प्रतीक्षित	डीसीआईटी कोलकाता
31	आय कर अधिनियम 1961	2013-14	आकलित आय	40.39	2010-11	अपीलेट अथॉरिटी के पास अपील दायर 16.4.14 को	सुनवाई की तारीख अब तक निर्धारित नहीं	आयुक्त अपील्स कोलकाता

DETAILS OF ALL PENDING TAX RELATED CASES

Sl No	Name of the Statute	Year of commencement	Particulars	Amount (₹ in lacs)	Period FY	Present status	Reason for pendency	Pending with
17	Orissa Sales Tax Act	1995-96	High sea sales	269.00	1986-87	Pending with High Court Orissa	Procedural delay	High Court Orissa
18	Gujarat VAT Act 2003	2005-06	Non submission of documents	52.25	2002-03	Pending with DC (Appeal)	Hearing date not yet fixed	DC (Appeal) Vadodara
19	Gujarat VAT Act 2003	2006-07	Non submission of documents	369.45	2003-04	Pending with DC (Appeal)	Hearing date not yet fixed	DC (Appeal) Vadodara
20	Gujarat VAT Act 2003	2007-08	Non submission of documents	495.77	2004-05	Pending with DC (Appeal)	Hearing date not yet fixed	DC (Appeal) Vadodara
21	Customs Act 1962	2001-02	Non submission of documents	240.00	1995-96	Remanded to Assessing Authority on 30.1.12	Order awaited	Commissioner Customs Chennai
22	Customs Act 1962	2007-08	Non submission of documents	203.81	2001-02	Pending with High Court Calcutta	Procedural delay	High Court Calcutta
23	Finance Act 1994 (Service Tax)	2011-12	Irregular availment of Cenvat Credit for Trading activities	15.02	2005-08	Appeal filed with CESTAT Kolkata on 27.9.13	Hearing date not yet fixed	CESTAT Kolkata
24	Finance Act 1994 (Service Tax)	2011-12	High sea sales	1490.10	2005-07	Appeal filed with CESTAT Kolkata on 2.2.12	Hearing date not yet fixed	CESTAT Kolkata
25	Finance Act 1994 (Service Tax)	2009-10	Disputed date of applicability of Service Tax	23.81	2003-05	Pending with Appellate Authority	Hearing date not yet fixed	Commissioner Appeals Kolkata
26	Finance Act 1994 (Service Tax)	2009-10	Disputed date of applicability of Service Tax	83.53	2002-05	Appeal filed with CESTAT Delhi 28.7.14	Hearing date not yet fixed	CESTAT Delhi
27	Income Tax Act 1961	2012-13	Revised assessed Income	1.06	2004-05	Appeal filed with Appellate Authority on 21.1.13	Hearing date not yet fixed	Commissioner Appeals Kolkata
28	Income Tax Act 1961	2012-13	Penalty	31.19	2005-06	Appeal filed with Appellate Authority on 11.4.12	Hearing date not yet fixed	Commissioner Appeals Kolkata
29	Income Tax Act 1961	2011-12	Assessed Income	67.62	2008-09	Appeal filed with ITAT Kolkata on 27.5.13	Hearing date not yet fixed	ITAT Kolkata
30	Income Tax Act 1961	2012-13	Assessed Income	464.25	2009-10	Remanded to Assessing Authority on 17.3.15	Order awaited	DCIT Kolkata
31	Income Tax Act 1961	2013-14	Assessed Income	40.39	2010-11	Appeal filed with Appellate Authority on 16.4.14	Hearing date not yet fixed	Commissioner Appeals Kolkata

सभी कर सम्बद्ध मामलों का विवरण

क्र.सं.	विधान का नाम	प्रारम्भ होने का वर्ष	ब्यौरा	राशि (रु. लाख में)	अवधि वित्तीय वर्ष	वर्तमान स्थिति	लंबित होने का कारण	निम्नांकित में लंबित
32	आय कर अधिनियम 1961	2014-15	आकलित आय	21.34	2011-12	अपीलेट अथॉरिटी के पास अपील दायर 17.4.15 को	सुनवाई की तारीख अब तक निर्धारित नहीं	आयुक्त अपील्स कोलकाता
33	आय कर अधिनियम 1961	2010-11	आकलित आय	51.56	2002-03	उच्च न्यायालय कलकत्ता में लंबित	सुनवाई की तारीख अब तक निर्धारित नहीं	उच्च न्यायालय कोलकाता
34	अप्र वैट अधिनियम 2005	2007-08	विवादित टर्नओवर	27.46	2007-08	उच्च न्यायालय आंध्र प्रदेश में लंबित	कार्यवाही में विलम्ब	उच्च न्यायालय आप्र
35	अप्र वैट अधिनियम 2005	2008-09	विवादित टर्नओवर	42.66	2008-09	उच्च न्यायालय आंध्र प्रदेश में लंबित	कार्यवाही में विलम्ब	उच्च न्यायालय आप्र
36	कस्टम्स अधिनियम 1962	2014-15	आयातित कोयला का अंतर टैरिफ	1542.49	2012-13	सीईएसटीएटी बंगलोर में अपील दायर	सुनवाई की तारीख अब तक निर्धारित नहीं	सीईएसटीएटी बंगलोर
37	कस्टम्स अधिनियम 1962	2014-15	आयातित कोयला का अंतर टैरिफ	83.55	2012-13	सीईएसटीएटी बंगलोर में अपील दायर	सुनवाई की तारीख अब तक निर्धारित नहीं	सीईएसटीएटी बंगलोर

DETAILS OF ALL PENDING TAX RELATED CASES

Sl No	Name of the Statute	Year of commencement	Particulars	Amount (₹ in lacs)	Period FY	Present status	Reason for pendency	Pending with
32	Income Tax Act 1961	2014-15	Assessed Income	21.34	2011-12	Appeal filed with Appellate Authority on 17.4.15	Hearing date not yet fixed	Commissioner Appeals Kolkata
33	Income Tax Act 1961	2010-11	Assessed Income	51.56	2002-03	Pending with High Court Calcutta	Hearing date not yet fixed	High Court Calcutta
34	AP VAT Act 2005	2007-08	Disputed turnover	27.46	2007-08	Pending with High Court AP	Procedural delay	High Court AP
35	AP VAT Act 2005	2008-09	Disputed turnover	42.66	2008-09	Pending with High Court AP	Procedural delay	High Court AP
36	Customs Act 1962	2014-15	Differential tariff of imported coal	1542.49	2012-13	Appeal filed with CESTAT Bangalore	Hearing date not yet fixed	CESTAT Bangalore
37	Customs Act 1962	2014-15	Differential tariff of imported coal	83.55	2012-13	Appeal filed with CESTAT Bangalore	Hearing date not yet fixed	CESTAT Bangalore

3 वर्षों से अधिक एवं 5 वर्ष से कम समय से लंबित स्वर्ण गहनों के विदेशी क्रताओं के विरुद्ध एमएसटीसी लि. द्वारा याचिका दायर
(₹ 50 लाख से अधिक के मामले)

क्र. सं.	मामला का प्रकार	प्रारम्भ होने का वर्ष	ब्यौरा	दावा राशि (रु. लाख में)	मामला की वर्तमान स्थिति	लंबित होने का कारण	निम्नांकित में लंबित
1	एमएसटीसी-बनाम-हैदर इंटरनेशनल ट्रेड एजेंसी, अबु धाबी	2011	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	3,000.24	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
2	एमएसटीसी-बनाम-लियो डायमंड एलएलसी दुबई	2011	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	2,760.10	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
3	एमएसटीसी-बनाम-ऐकिन ट्रेडिंग पीटीई लि.	2012	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	547.02	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	सिंगापुर न्यायालय
4	एमएसटीसी -बनाम-मेट्रिक ट्रेडिंग एफजेडई, फुजैराह	2012	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	1,445.53	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही निष्पादन जारी है	न्यायालय यू.ए.ई. में
5	एमएसटीसी-बनान-मेसर्स अल सिद्रा ज्वेलरी (एलएलसी), दुबाई	2011	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	1,433.14	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
6	एमएसटीसी-बनाम-सुपीरियर जनरल ट्रेडिंग एफजेडई, अजमान यूएई	2011	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	1,424.66	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
7	एमएसटीसी-बनाम-अल सेहेम जनरल ट्रेडिंग अजमान यूएई	2012	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	1,747.85	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
8	एमएसटीसी-बनाम-एएसबी 121 हार्डवेयर ट्रेडिंग (एलएलसी) दुबई, यूएई	2012	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	1,185.55	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
9	एमएसटीसी-बनाम- हादिर प्रोजेक्ट्स एवं इनवायरमेंट सिस्टम एलएलसी, अबु धाबी यूएई	2012	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	1,626.63	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
10	एमएसटीसी-बनाम-ग्लेमर डायमंड्स एंड ज्वेलरी, एलएलसी दुबई, यूएई	2012	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	2,890.53	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
11	एमएसटीसी-बनाम-गोल्डेन प्लेस ज्वेलरी एलएलसी	2012	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	2,151.63	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
12	एमएसटीसी-बनाम-मून राइस जनरल ट्रेडिंग	2012	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	1,433.13	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में

LITIGATION FILED BY MSTC LTD against foreign buyer of Gold Jewellary pending for more than 3 years and less than 5 years (More than ₹ 50 lacs cases)

Sl No	Type of case	Year of commencement	Particulars	Claim Amount (₹ in lacs)	Present status of case	Reason for pendency	Pending with
1	MSTC- Versus- Hadar International Trade Agency, Abu Dhabi	2011	Execution of Award for recovery of dues	3,000.24	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
2	MSTC- Versus- Leo Diamond LLC, Dubai	2011	Execution of Award for recovery of dues	2,760.10	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
3	MSTC- Versus- Eakin Trading Pte Ltd	2012	Execution of Award for recovery of dues	547.02	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Singapore Court
4	MSTC- Versus- Metric Trading FZE, Fujairah	2012	Execution of Award for recovery of dues	1,445.53	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
5	MSTC- Versus- M/s. Al Sidra Jewellery (LLC), Dubai	2011	Execution of Award for recovery of dues	1,433.14	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
6	MSTC- Versus- Superior General Trading FZE, Ajman UAE	2011	Execution of Award for recovery of dues	1,424.66	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
7	MSTC- Versus- Al Sehem General Trading, Ajman UAE	2012	Execution of Award for recovery of dues	1,747.85	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
8	MSTC- Versus- ASB 121 Hardware Trading (LLC) Dubai, UAE	2012	Execution of Award for recovery of dues	1,185.55	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
9	MSTC- Versus- Hadir Projects & Environment Systems LLC, Abu Dhabi, UAE	2012	Execution of Award for recovery of dues	1,626.63	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
10	MSTC- Versus- Glamour Diamonds & Jewellery, LLC, Dubai, UAE	2012	Execution of Award for recovery of dues	2,890.53	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
11	MSTC- Versus- Golden Place Jewellery LLC	2012	Execution of Award for recovery of dues	2,151.63	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
12	MSTC- Versus- Moon Rise General Trading	2012	Execution of Award for recovery of dues	1,433.13	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E

3 वर्षों से अधिक एवं 5 वर्ष से कम समय से लंबित स्वर्ण गहनों के विदेशी क्रताओं के विरुद्ध एमएसटीसी लि. द्वारा याचिका दायर (₹ 50 लाख से अधिक के मामले)

क्र. सं.	मामला का प्रकार	प्रारम्भ होने का वर्ष	ब्यौरा	दावा राशि (रु. लाख में)	मामला की वर्तमान स्थिति	लंबित होने का कारण	निम्नांकित में लंबित
13	एमएसटीसी-बनाम-हिमालया डायमंड एफजेडसीओ	2012	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	2,894.11	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
14	एमएसटीसी-बनाम-जस्मिन ज्वेलरी एलएलसी	2012	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	1,169.93	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
15	एमएसटीसी-बनाम-मोबिकॉन इंटरनेशनल एफजेडई	2012	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	2,163.30	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
16	एमएसटीसी-बनाम-मिआकॉम जनरल ट्रेडिंग एलएलसी	2012	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	2,211.27	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
17	एमएसटीसी-बनाम-हालया जनरल ट्रेडिंग कं. एलएलसी	2012	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	415.82	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
18	एमएसटीसी-बनाम-श्याम जनरल ट्रेडिंग कं. एलएलसी	2012	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	1,731.15	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
19	एमएसटीसी-बनाम-जीबा जेम्स एलएलसी	2012	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	2,760.68	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
20	एमएसटीसी-बनाम-ट्रेंड स्टार ज्वेलर्स एलएलसी	2012	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	288.45	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
21	एमएसटीसी-बनाम-प्रिसटाइन डायमंडम्स एंड ज्वेल्स एलएलसी	2012	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	1,333.04	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
22	एमएसटीसी-बनाम घानिम ट्रेडिंग	2012	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	1,825.03	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
23	एमएसटीसी-बनाम-अल अनूद जनरल ट्रेडिंग	2013	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	2,998.67	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
24	एमएसटीसी-बनाम-अपोलो ट्रेडिंग एलएलसी	2014	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	1,556.87	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
25	एमएसटीसी-बनाम-फ्यूचर ऑयकन ट्रेडिंग एफजेडई	2013	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	2,480.03	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
26	एमएसटीसी-बनाम-सन एवं मून ज्वेलरी एलएलसी	2013	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	3,403.48	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. म

LITIGATION FILED BY MSTC LTD against foreign buyer of Gold Jewellary pending for more than 3 years and less than 5 years (More than ₹ 50 lacs cases)

Sl No	Type of case	Year of commencement	Particulars	Claim Amount (₹ in lacs)	Present status of case	Reason for pendency	Pending with
13	MSTC- Versus- Himalaya Diamonds FZCO	2012	Execution of Award for recovery of dues	2,894.11	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
14	MSTC- Versus- Jasmine Jewellery LLC	2012	Execution of Award for recovery of dues	1,169.93	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
15	MSTC- Versus- Mobicon International FZE	2012	Execution of Award for recovery of dues	2,163.30	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
16	MSTC- Versus- Miacomm General Trading LLC	2012	Execution of Award for recovery of dues	2,211.27	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
17	MSTC- Versus- Halya Genreal Trading Co. LLC	2012	Execution of Award for recovery of dues	415.82	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
18	MSTC- Versus- Shyam General Trading Co. LLC	2012	Execution of Award for recovery of dues	1,731.15	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
19	MSTC- Versus- Zeeba Gems LLC	2012	Execution of Award for recovery of dues	2,760.68	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
20	MSTC- Versus- Trend Star Jewellers LLC	2012	Execution of Award for recovery of dues	288.45	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
21	MSTC- Versus- Pristine Diamonds & Jewels LLC	2012	Execution of Award for recovery of dues	1,333.04	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
22	MSTC- Versus- Ghanim Trading	2012	Execution of Award for recovery of dues	1,825.03	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
23	MSTC- Versus- Al Anood General Trading	2013	Execution of Award for recovery of dues	2,998.67	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
24	MSTC- Versus- Apollo Trading LLC	2014	Execution of Award for recovery of dues	1,556.87	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
25	MSTC- Versus- Future Icon Trading FZE	2013	Execution of Award for recovery of dues	2,480.03	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
26	MSTC- Versus- Sun & Moon Jewellery LLC	2013	Execution of Award for recovery of dues	3,403.48	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E

3 वर्षों से अधिक एवं 5 वर्ष से कम समय से लंबित स्वर्ण गहनों के विदेशी क्रताओं के विरुद्ध एमएसटीसी लि. द्वारा याचिका दायर (₹ 50 लाख से अधिक के मामले)

क्र. सं.	मामला का प्रकार	प्रारम्भ होने का वर्ष	ब्यौरा	दावा राशि (रु. लाख में)	मामला की वर्तमान स्थिति	लंबित होने का कारण	निम्नांकित में लंबित
27	एमएसटीसी-बनाम-माट्ज इंटरनेशनल एफजेडई	2013	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	2,908.78	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
28	एमएसटीसी-बनाम-सालाह जनरल ट्रेडिंग एफजेडई	2013	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	1,049.53	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
29	एमएसटीसी-बनाम-मिनरल रीफ एफजेडई	2013	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	1,315.25	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
30	एमएसटीसी-बनाम-लबधी इंटरनेशनल एफजेडई	2013	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	1,277.08	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
31	एमएसटीसी-बनाम-कैस्टेलो सेरामिक एफजेडई	2013	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	1,236.20	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
32	एमएसटीसी-बनाम-स्टार एयॉलज एलएलसी एफजेडई	2013	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	2,138.05	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
33	एमएसटीसी-बनाम-समरल जनरल ट्रेडिंग एलएलसी	2014	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	2,174.02	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
34	एमएसटीसी-बनाम-बोडरा ट्रेडिंग कं. एलएलसी	2014	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	1,479.99	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
35	एमएसटीसी-बनाम-एक्सपैन डायमंड्स एलएलसी	2014	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	1,497.65	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
36	एमएसटीसी-बनाम-जाहलाह जनरल ट्रेडिंग एलएलसी	2014	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	1,752.65	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
37	एमएसटीसी-बनाम-एचपीके इंटरनेशनल एलएलसी	2014	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	626.71	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
38	एमएसटीसी-बनाम-रेड डील्स जनरल ट्रेडिंग एलएलसी	2014	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	2,890.04	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
39	एमएसटीसी-बनाम-पार्को जनरल ट्रेडिंग एलएलसी	2014	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	1,466.31	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में
40	एमएसटीसी-बनाम-साजगयान डिआम एलएलसी	2014	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पादन	2,890.53	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई. में

LITIGATION FILED BY MSTC LTD against foreign buyer of Gold Jewellary pending for more than 3 years and less than 5 years (More than ₹ 50 lacs cases)

Sl No	Type of case	Year of commencement	Particulars	Claim Amount (₹ in lacs)	Present status of case	Reason for pendency	Pending with
27	MSTC- Versus- Matz International FZE	2013	Execution of Award for recovery of dues	2,908.78	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
28	MSTC- Versus- Salah General Trading FZE	2013	Execution of Award for recovery of dues	1,049.53	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
29	MSTC- Versus- Mineral Reef FZE	2013	Execution of Award for recovery of dues	1,315.25	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
30	MSTC- Versus- Labdhi International FZE	2013	Execution of Award for recovery of dues	1,277.08	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
31	MSTC- Versus- Castelo Ceramic FZE	2013	Execution of Award for recovery of dues	1,236.20	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
32	MSTC- Versus- Star Alloys LLC FZE	2013	Execution of Award for recovery of dues	2,138.05	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
33	MSTC- Versus- Smarl General Trading LLC	2014	Execution of Award for recovery of dues	2,174.02	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
34	MSTC- Versus- Bodra Trading Co LLC	2014	Execution of Award for recovery of dues	1,479.99	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
35	MSTC- Versus- Xpan Diamonds LLC	2014	Execution of Award for recovery of dues	1,497.65	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
36	MSTC- Versus- Zahlah General Trading LLC	2014	Execution of Award for recovery of dues	1,752.65	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
37	MSTC- Versus- HPK International LLC	2014	Execution of Award for recovery of dues	626.71	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
38	MSTC- Versus- Red Deals General Trading LLC	2014	Execution of Award for recovery of dues	2,890.04	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
39	MSTC- Versus- Parco General Trading LLC	2014	Execution of Award for recovery of dues	1,466.31	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
40	MSTC- Versus- Sajgyan Diam LLC	2014	Execution of Award for recovery of dues	2,890.53	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E

3 वर्षों से अधिक एवं 5 वर्ष से कम समय से लंबित स्वर्ण गहनों के विदेशी क्रताओं के विरुद्ध एमएसटीसी लि. द्वारा याचिका दायर (₹ 50 लाख से अधिक के मामले)

क्र. सं.	मामला का प्रकार	प्रारम्भ होने का वर्ष	ब्यौरा	दावा राशि (रु. लाख में)	मामला की वर्तमान स्थिति	लंबित होने का कारण	निम्नांकित में लंबित
41	एमएसटीसी-बनाम-हसन मजिद ट्रेडिंग	2014	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पदान	1,743.80	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई में
42	एमएसटीसी-बनाम-गोल्डेन स्टॉक इलेक्ट्रॉनिक्स एलएलसी	2014	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पदान	2,955.25	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई में
43	एमएसटीसी-बनाम-नूरजहां जनरल ट्रेडिंग एलएलसी	2014	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पदान	2,948.36	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई में
44	एमएसटीसी-बनाम-साउथ गोल्ड ड्रस्ट जनरल ट्रेडिंग एलएलसी	2014	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पदान	3,042.51	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई में
45	एमएसटीसी-बनाम-माइन गोल्ड एंड ज्वेलरी	2014	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पदान	2,847.89	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	निष्पादन न्यायालय यू.ए.ई में
46	एमएसटीसी-बनाम-नखिल अल कुवैत ट्रेडिंग	2014	बकाए की वसूली हेतु आदेश का निष्पदान	1,283.18	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	कुवैत न्यायालय

LITIGATION FILED BY MSTC LTD against foreign buyer of Gold Jewellary pending for more than 3 years and less than 5 years (More than ₹ 50 lacs cases)

Sl No	Type of case	Year of commencement	Particulars	Claim Amount (₹ in lacs)	Present status of case	Reason for pendency	Pending with
41	MSTC- Versus- Hassan Majid Trading	2014	Execution of Award for recovery of dues	1,743.80	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
42	MSTC- Versus- Golden Stock Electronics LLC	2014	Execution of Award for recovery of dues	2,955.25	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
43	MSTC- Versus- Noorjahan General Trading LLC	2014	Execution of Award for recovery of dues	2,948.36	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
44	MSTC- Versus- South Gold Dust General Trading LLC	2014	Execution of Award for recovery of dues	3,042.51	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
45	MSTC- Versus- Mine Gold & Jewellery	2014	Execution of Award for recovery of dues	2,847.89	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Execution Court in U.A.E
46	MSTC- Versus- Nakhil Al Kuwait Trading	2014	Execution of Award for recovery of dues	1,283.18	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	Kuwait Court

क्र. सं.	मामला का प्रकार	प्रारम्भ होने का वर्ष	ब्यौरा	राशि (रु. लाख में)	मामला की वर्तमान स्थिति	लंबित होने का कारण	निम्नांकित में लंबित
एमएसटीसी लि. के विरुद्ध पंचाट दायर 5 वर्षों से अधिक समय से लंबित (₹ 50 लाख से अधिक के मामले)							
1	अजमेर स्टील्स प्रा. लि. बनाम इंद्रप्रस्थ पावर जेनरेशन कम्पनी लिमिटेड एवं एमएसटीसी	2007	ऑक्शन हुई सामग्रियों के संबंध में विवाद	485.00	सुनवाई की परवर्ती तारीख 29/08/2015	पंचाट सुनवाई स्तर में	पंचाट अधिकारी
2	इस्सके ओवरसीज आईएनसी-बनाम एमएसटीसी	27.07.2007	आयरन ओर फिन्स के निर्यात के संबंध में विवाद	764.67	आदेश हेतु सुरक्षित	आदेश हेतु सुरक्षित	पंचाट अधिकारी
3	ताहा ट्रेडर्स-बनाम इंडियन आयल कार्पोरेशन लिमिटेड एवं एमएसटीसी	05.04.2006	प्रिंसिपल द्वारा ऑक्शन हुई सामग्री की गैर-आपर्ति	188.76	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 23/07/2015	पंचाट अंतिम बहस स्तर में है	पंचाट अधिकारी
4	एमवी आर्मकोमोबिल ड्रिलिंग प्लेटफार्म, एमवी डॉलफिन टाइटन रिग, एमवी रोया, एमवी दुबई हार्स बनाम एमएसटीसी	1987	विश्वासघात का दावा	93.89	पंचाट जारी	पंचाट जारी	पंचाट अधिकारी
एमएसटीसी लि. के विरुद्ध पंचाट दायर 1 वर्ष से अधिक परन्तु 2 वर्ष से कम समय से लंबित (₹ 50 लाख से अधिक के मामले)							
5	आर.एस. कंस्ट्रक्शन-बनाम-बिहार स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड एवं एमएसटीसी	19.04.2014	समय के भत्ते से संबंधित विवाद	2,525.71	सुनवाई की अंतिम तारीख 03/07/2015. नई तारीख निर्धारित होनी है।	दावेदार के गवाहों का जिरह चल रहा है	पंचाट अधिकारी
एमएसटीसी लि. के विरुद्ध पंचाट दायर 1 वर्ष से कम समय से लंबित (₹ 50 लाख से अधिक के मामले)							
6	मुक्ति क्रेडिट प्रा. लि.	2015	विलंबित भुगतान दंड एवं ग्राउण्ड किराए का छूट	600.00	मामला अनिश्चितकालीन हेतु स्थगित है	मामला अनिश्चितकालीन हेतु स्थगित है	पंचाट अधिकारी

ARBITRATION FILED AGAINST MSTC LTD. pending for more than 5 years (More than ₹ 50 lacs cases)							
Sl No	**Type of case**	**Year of commencement**	**Particulars**	**Amount (₹ in lacs)**	**Present status of the case**	**Reason for pendency**	**Pending with**
1	Ajmera Steels Pvt. Ltd. -VS- Indraprstha Power Generaion Company Limited & MSTC	2007	Dispute with regard to auctioned material.	485.00	Next date of hearing 29/08/2015	Arbitration at hearing stage	Arbitrator
2	Esskay overseas INC -VS- MSTC	27.07.2007	Dispute with regard to export of iron ore fines.	764.67	Reserved for Award	Reserved for Award	Arbitrator
3	Taha Traders -VS- Indian Oil Corporation Limited & MSTC	05.04.2006	Non-Supply of Auctioned material by the principal	188.76	Next date of hearing 23/07/2015	Arbitration is at final argument stage.	Arbitrator
4	MV Armcomobile Drilling Platform, MV Dolphin Titan Rig, MV Roya, MV Dubai Horse Vs MSTC	1987	Claim for breach of contract	93.89	Arbitration continuing	Arbitration continuing	Arbitrator
ARBITRATION FILED AGAINST MSTC LTD. pending for more than 1 year but less than 2 years (More than ₹ 50 lacs cases)							
5	R.S. Construction -VS- Bihar State Electricity Board & MSTC	19.04.2014	Dispute related to allowance of time.	2,525.71	Last date of hearing 03/07/2015.New date yet to be fixed.	Cross Examination of claimant's witness going on	Arbitrator
ARBITRATION FILED AGAINST MSTC LTD. pending for less than 1 year (More than ₹ 50 lacs cases)							
6	Mukti Credit Pvt. Ltd	2015	Waiver of Late payment penalty and ground rent.	600.00	The matter is adjourned sine die	The matter is adjourned sine die	Arbitrator

एमएसटीसी लि. द्वारा पंचाट दायर 5 वर्षों से अधिक समय से लंबित (₹ 50 लाख से अधिक के मामले)

अनुलग्नक सी

क्र. सं.	मामला का प्रकार	प्रारम्भ होने का वर्ष	ब्यौरा	राशि (रु. लाख में)	मामला की वर्तमान स्थिति	लंबित होने का कारण	निम्नांकित में लंबित
1	एमएसटीसी-बनाम-गीस्कोल एलॉय लिमिटेड	03.08.2010	बकाए ऋण की वसूली	1,008.92	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 07/08/2015	पंचाट कार्यवाही में बिलम्ब एवं पंचाट अधिकारी का परिवर्तन	पंचाट अधिकारी
2	एमएसटीसी लि.-बनाम-सेसा इंटरनेशनल	10.09.2009	बकाए ऋण की वसूली	5,708.44	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 16/07/2015	पंचाट कार्यवाही में बिलम्ब एवं पंचाट अधिकारी का परिवर्तन	पंचाट अधिकारी
3	एमएसटीसी लि.-बनाम-बोनिटो इम्पेक्स पीवीवाई लि./इंडो बोनिटो मल्टिनेशनल लि.	11.01.2010	बकाए की वसूली	7,451.99	आदेश हेतु आरक्षित	आदेश हेतु आरक्षित	पंचाट अधिकारी
4	एमएसटीसी लि.-बनाम-उष्मा ज्वेलर्स पैकेजिंग एक्सपोर्ट प्रा. लि.	27.01.2010	बकाए की वसूली	13,798.63	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 21/07/2015	पंचाट अतिविवादास्पद स्थिति में	पंचाट अधिकारी
5	एमएसटीसी लि.-बनाम-के.ए. माले फर्मास्युटिकल्स लि.	29.01.2010	बकाए की वसूली	9,417.11	अंतिम सुनवाई 19/06/2015, कोई नई तारीख नहीं	पंचाट का निष्कर्ष शीघ्र	पंचाट अधिकारी
6	एमएसटीसी लि.-बनाम-जेना इंटरप्राइज	19.06.2006	बकाए ऋण की वसूली	651.34	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 20/07/2015	पंचाट अतिविवादास्पद स्थिति में	पंचाट अधिकारी
7	एमएसटीसी लि.-बनाम-जीटीएस इंडस्ट्रीज लि.	18.03.2007	बकाए ऋण की वसूली	295.95	आदेश हेतु आरक्षित	आदेश हेतु आरक्षित	पंचाट अधिकारी
8	एमएसटीसी लि.-बनाम-रिलायंस सिलिकॉन इंडस्ट्रीज लि.	16.06.2004	बकाए ऋण की वसूली	606.37	माननीय उच्च न्यायालय, बम्बे के निर्देशानुसार मामला स्थगित किया गया है।	माननीय उच्च न्यायालय, बम्बे के निर्देशानुसार मामला स्थगित किया गया है।	पंचाट अधिकारी
एमएसटीसी लि. द्वारा पंचाट दायर 2 वर्ष से अधिक परन्तु 3 वर्षों से कम समय से लंबित (₹ 50 लाख से अधिक के मामल)							
9	एमएसटीसी लि.-बनाम-महेश्वरी इस्पात लिमिटेड	19.08.2013	बकाए ऋण की वसूली	337.83	सुनवाई की परिवर्तित तारीख 11/08/2015	पंचाट साक्ष्य हेतु आ रहे हैं	पंचाट अधिकारी
एमएसटीसी लि. द्वारा पंचाट दायर 1 वर्ष से कम समय से लंबित (₹ 50 लाख से अधिक के मामल)							
10	एमएसटीसी लि.-बनाम-मेहेरकिरण इंटरप्राइज लिमिटेड	22.09.2014	बकाए ऋण की वसूली	9,208.93	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 10/07/2015	पंचाट एमएसटीसी के गवाहों के पुनः जांच हेतु आ रहे हैं।	पंचाट अधिकारी
11	एमएसटीसी लि.-बनाम-कृष्णा कोक (इण्डिया) प्रा. लि.	22.09.2014	बकाए ऋण की वसूली	2,589.89	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 22/07/2015	एमएसटीसी के गवाहों की जांच चल रही है	पंचाट अधिकारी
12	एमएसटीसी लि.-बनाम-मार्मागोवा स्टील्स लि.	09.02.2015	बकाए ऋण की वसूली	2,384.59	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 10/07/2015	पंचाय की नियमित सुनवाई हो रही है	पंचाट अधिकारी
13	एमएसटीसी लि.-बनाम-इंडो आर्या सेण्ट्रल ट्रान्सपोर्ट लि.	22.02.2014	बकाए ऋण की वसूली	341.07	उच्छ न्यायालय के आदेशानुसार पंचाट स्थगित	उच्च न्यायालय के आदेशानुसार पंचाट स्थगित	पंचाट अधिकारी
14	एमएसटीसी लि.-बनाम-टॉपवर्थ स्टील्स एंड पावर प्रा. लि.	24.11.2014	बकाए ऋण की वसूली बकाए ऋण की वसूली	12,710.66	आदेश हेतु आरक्षित	माननीय बम्बे उच्च न्यायालय के आदेशानुसार पंचाट निलम्बन रखा गया है	पंचाट अधिकारी
15	एमएसटीसी लि.-बनाम-क्रीस्ट स्टील एंड पावर प्रा. लि.	24.11.2014	बकाए ऋण की वसूली	4,890.16	आदेश हेतु आरक्षित	आदेश हेतु आरक्षित	पंचाट अधिकारी

ARBITRATION FILED BY MSTC LTD. pending for more than 5 years (More than ₹ 50 lacs cases) — Annexure C

Sl No	Type of case	Year of commencement	Particulars	Amount (₹ in lacs)	Present status of the case	Reason for pendency	Pending with
1	MSTC Ltd. -VS- Gyscoal Alloys Limited	03.08.2010	Recovery of Outstanding dues.	1,008.92	Next date of hearing 07/08/2015	Arbitral procedural delay and change of Arbitrator	Arbitrator
2	MSTC Ltd. -VS- Sesa International	10.09.2009	Recovery of Outstanding dues.	5,708.44	Next date of hearing 16/07/2015	Arbitral procedural delay and change of Arbitrator	Arbitrator
3	MSTC Ltd. -VS- Bonito Impex Pvy. Ltd/Indo Bonito Multinational Ltd	11.01.2010	Recovery of dues.	7,451.99	Reserved for Award	Reserved for award.	Arbitrator
4	MSTC Ltd. -VS- Ushma Jewellers Packaging Export Pvt. Ltd.	27.01.2010	Recovery of dues.	13,798.63	Next date of hearing 21/07/2015	Arbitration being heavily contested.	Arbitrator
5	MSTC Ltd. -VS- K.A. Malle Pharmaceuticals Ltd.	29.01.2010	Recovery of dues.	9,417.11	Last hearing 19/06/2015, no new date	Arbitration to conclude soon.	Arbitrator
6	MSTC Ltd. -VS- Jena Enterprises	19.06.2006	Recovery of Outstanding dues.	651.34	Next date of hearing 20/07/2015	Arbitration being heavily contested.	Arbitrator
7	MSTC Ltd. -VS- GTS Industries Ltd.	18.03.2007	Recovery of Outstanding dues.	295.95	Reserved for Award	Reserved for Award	Arbitrator
8	MSTC Ltd.-VS- Reliance Silicone Industries Ltd.	16.06.2004	Recovery of Outstanding dues.	606.37	Matter has been stayed as per the direction of the Hon'ble high court, Bombay .	Matter has been stayed as per the direction of the Hon'ble high court, Bombay.	Arbitrator
ARBITRATION FILED BY MSTC LTD. pending for more than 2 years but less than 3 years (More than ₹ 50 lacs cases)							
9	MSTC Ltd. -VS- Maheshwari Ispat Limited.	19.08.2013	Recovery of Outstanding dues.	337.83	Next date of hearing 11/08/2015	Arbitration is coming up for evidence.	Arbitrator
ARBITRATION FILED BY MSTC LTD. pending for less than 1 year (More than ₹ 50 lacs cases)							
10	MSTC Ltd. -VS- Meherkiran Enterprise Limited	22.09.2014	Recovery of Outstanding dues.	9,208.93	Next date of hearing 10/07/2015	Arbitration is coming up for cross examination of MSTC's witness.	Arbitrator
11	MSTC Ltd. -VS- Krishna Coke (India) Pvt. Ltd.	22.09.2014	Recovery of Outstanding dues.	2,589.89	Next date of hearing 22/07/2015	Examination of MSTCs witness is going on.	Arbitrator
12	MSTC Ltd. -VS- Marmagoa steels Ltd.	09.02.2015	Recovery of Outstanding dues.	2,384.59	Next date of hearing 10/07/2015	Arbitration being heard regulary.	Arbitrator
13	MSTC Ltd. -VS- Indo Arya Central Transport Ltd.	22.02.2014	Recovery of Outstanding dues.	341.07	Arbitration adjourned as per the order of High Court	Arbitration adjourned as per the order of High Court	Arbitrator
14	MSTC Ltd. -VS- Topworth Steels and Power Pvt. Ltd.	24.11.2014	Recovery of Outstanding dues.	12,710.66	Reserved for award	Arbitration kept in abeyance as per the order of Hon'ble Bombay High Court	Arbitrator
15	MSTC Ltd. -VS- Crest Steel and Power Pvt. Ltd.	24.11.2014	Recovery of Outstanding dues.	4,890.16	Reserved for award	Reserved for award	Arbitrator

एमएसटीसी लि.के विरुद्ध याचिका दायर 5 वर्षों से अधिक समय से लंबित(₹ 50 लाख से अधिक के मामले)

क्र. सं.	मामला का किस्म	प्रारम्भ वर्ष	विवरण	राशि (रु. लाख में)	मामला का वर्तमान स्थिति	लंबित का कारण	लंबित
1	सेसा बनाम आईओबी एवं एमएसटीसी	2009	सामग्रियों के स्वामी के रूप में आईओबी की घोषणा एवं सेसा से राशि की वसूली से एमएसटीसी एवं आईओबी को प्रतिबंध	149.00	अभी तक पोस्ट नहीं किया गया	अभी तक पोस्ट नहीं	माननीय उच्च न्यायालय, कलकत्ता
2	सेसा बनाम एमएसटीसी एवं अन्य	2010	सामग्रियों के स्वामी के रूप में आईओबी की घोषणा एवं सेसा से राशि की वसूली से एमएसटीसी एवं आईओबी को प्रतिबंध	230.00	अभी तक पोस्ट नहीं किया गया	अभी तक पोस्ट नहीं किया गया	माननीय उच्च न्यायालय, कलकत्ता
3	निमित्या प्रोप बनाम एमएसटीसी	2008	राजपुरा में भूमि बिक्री से सम्बद्ध विवाद	250.00	सुनवाई की अंतिम तारीख 25.10.2013	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	दिल्ली उच्च न्यायालय
4	मेसर्स नैक टेक्नो इंडिया-बनाम-एमएसटीसी	2006	सामग्रियों को उठाने से सम्बद्ध विवाद	64.91	सुनवाई की अंतिम तारीख 14.12.2013	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	सिविल कोर्ट बारासात
5	मेसर्स हिन्दुस्तान स्टील इंडस्ट्रीज-बनाम स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लि. एवं एमएसटीसी	1992		93.77	पोस्ट किया जाना है।	सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाना है।	उच्च न्यायालय, कलकत्ता
6	सननाराएन सीवेज आईएनसी, मोनरोविया बनाम-एमएसटीसी	2009	पंचाट अधिकारी द्वारा आदेश का निष्पादन	180.00	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 06.10.2015	न्यायालय की कार्यवाही जारी है एवं सुनवाई की स्थिति में है।	दिल्ली उच्च न्यायालय
7	जिंडल स्ट्रिप्स लि.-बनाम-एमएसटीसी लि. (रु. 98774024.00 की राशि हेतु एमएसटीसी के पक्ष में मुख्य मनी सूट में डिग्री तदुपरांत जिंडल स्ट्रिप्स लि. द्वारा आवेदन निवारक दायर)	1984	सामग्री के गुणवत्ता के संबंध में विवाद	987.74	सुनवाई की अंतिम तारीख 06.06.2015	एमएसटीसी के गवाहों की पुनः जांच जारी।	4थे सिविल जज का न्यायालय(सीनियर डिवी.)अलीपुर, कोलकाता

LITIGATION FILED AGAINST MSTC LTD. pending for more than 5 years (More than ₹ 50 lacs cases)

Sl No	Type of case	Year of commencement	Particulars	Amount (₹ in lacs)	Present status of the case	Reason for pendency	Pending with
1	Sesa VS IOB and MSTC	2009	Declaring IOB as owner of the materials and restraining MSTC and IOB from recovering the amounts from SESA	149.00	not yet posted	not yet posted	Hon'ble High Court of Calcutta
2	Sesa VS MSTC & Ors	2010	Declaring IOB as owner of the materials and restraining MSTC and IOB from recovering the amounts from SESA	230.00	not yet posted	not yet posted	Hon'ble High Court of Calcutta
3	Nimitaya Prop vs MSTC	2008	Dispute related to land sale in Rajpura	250.00	Last date of hearing 25.10.2013	Court's proceeding continuing	Delhi High Court
4	M/s. Nac Techno India -VS- MSTC	2006	Dispute related to lifting of material	64.91	Last date of hearing 14.12.2013	Court's proceeding continuing	Civil court Barasat
5	M/s Hindusthan Steel Industries -VS- Steel Authority of India Ltd. & MSTC Ltd.	1992		93.77	Yet to be posted	Yet to be listed for hearing.	High Court of Calcutta
6	Sunnaraen Seaways INC, Monrovia -VS- MSTC	2009	Execution of award passed by arbitrator	180.00	Next Date of hearing 06.10.2015	Court's proceeding continuing and is at hearing stage.	Delhi High Court.
7	Jindal Strips Ltd. -VS- MSTC Ltd (Main Money suit decreed in MSTC's favour for an amounr of ₹ 98774024.00 thereafter setting aside application filed by Jindal strips Ltd)	1984	Dispute related to quality of material.	987.74	Last date of hearing 06.06.2015	Cross Examination of MSTC witness going on.	Court of 4th Civil Judge (senior Div) at Alipore, Kolkata

क्र. सं.	मामला का प्रकार	प्रारम्भ होने का वर्ष	ब्यौरा	राशि (रु. लाख में)	मामला की वर्तमान स्थिति	लंबित होने का कारण	निम्नांकित में लंबित
8	मेसर्स आशा इंजीनियरिंग एवं ट्रेडिंग कार्पोरेशन-बनाम-एमएसटीसी एवं एनजेएमसी	2000	सामग्री की डेलीवरी से सम्बद्ध विवाद	100.00	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 09.07.2015.	साक्ष्य हेतु न्यायालय की कार्यवाही जारी	सिविल जज का न्यायालय(सीनि. डिवी) अलीपुर, कोलकाता
9	महिमा बैरेल्स-बनाम-आईओसीएल एवं एमएसटीसी			57.00	सुनवाई के लिए नहीं आर रहे हैं	सुनवाई के लिए नहीं आ रहे है	बम्बे उच्च न्यायालय
10	आरसीपीएल-बनाम-यूनियन बैंक ऑफ इंडिया एवं एमएसटीसी			140.00	अब तक पोस्ट नहीं किया गया	अभी तक पोस्ट नहीं किया गया	बम्बे उच्च न्यायालय
11	महाराश्ता वेयरहाउसिंग कार्पोरेशन बनाम- एमएसटीसी	2007	स्टॉक यार्ड किराए का विवाद	29.37	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 09.07.2015	न्यायालय की कार्यवाही जारी	बम्बे उच्च न्यायालय
12	ओमेगा पेट्रो प्रोडटक्स बनाम एमएसटीसी	2002	पुनरुद्धार हेतु मामला	306.00	अब तक पोस्ट नहीं किया गया।	न्यायालय की कार्यवाही जारी है	बम्बे उच्च न्यायालय
एमएसटीसी लि.के विरुद्ध याचिका दायर 3 वर्षों से अधिक परन्तु 5 वर्षों से कम समय से लंबित(₹ 50 लाख से अधिक के मामले)							
13	महेश्वरी इस्पात लिमिटेड-बनाम एमएसटीसी लि. एवं ट्रांसेफ सर्विसेज लिमिटेड	2011	बकाया ऋण की वसूली	92.90	मामले को माननीय उच्च न्यायालय द्वारा पंचाट को पुनः लौट दिया गया है।	न्यायालय की कार्यवाही जारी	उच्च न्यायालय कलकत्ता
14	स्टेट ट्रेडिंग कार्पोरेशन-बनाम-एमएसटीसी लि., सीएसपीएल एंड ट्रांसेफ सर्विसेज लिमिटेड	2012		540.02	सुनवाई जारी	न्यायालय की कार्यवाही जारी	सिविल कोर्ट, एसएनआर डिवी., पैनवेल
15	स्टेट ट्रेडिंग कार्पोरेशन-बनाम-एमएसटीसी लि., कॉनरोस स्टील एंड ावर लिमिटेड एंड, सेण्ट्रल वेयरहासिंग कार्पोरेशन, ट्रान्सेफ सर्विसेज लिमिटेड	2012	पैनेवल कोर्ट के आदेश के विरुद्ध एसटीसी द्वारा अपील दायर यथा स्थिति जैसा	540.02	सुनवाई की अंतिम तारीख 23.01.2013	न्यायालय की कार्यवाही जारी है एवं एसटीसी गवाहों का पुनः परीक्षा चल रहा है	बम्बे उच्च न्यायालय
16	स्टैण्डर्ड चार्टर्ड बैंक-बनाम-एमएसटीसी लि.	2012	प्राप्ययोग्य क्रय समझौता के लिए ऋण	5,509.00	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 13.07.2015	न्यायालय की कार्यवाही जारी	ऋण वसूली ट्रिब्यूनल

Sl No	Type of case	Year of commencement	Particulars	Amount (₹ in lacs)	Present status of the case	Reason for pendency	Pending with
8	M/s. Asha Engineering and Trading Corporation -VS- MSTC and NJMC	2000	Dispute related to delivery of material	100.00	Next Date of hearing 09.07.2015.	Court's proceeding continuing for appearance	Court of Civil Judge (Sr. Div.) at Alipore, Kolkata
9	Mahima Barrels -VS- IOCL & MSTC			57.00	Not coming up for hearing.	Not coming up for hearing.	Bombay High Court
10	RCPL -VS- Union Bank of India and MSTC			140.00	Not yet posted	Not yet posted	Bombay High Court
11	Maharashta Warehousing Corporation-VS- MSTC	2007	Dispute of stock yard rent	29.37	Next Date of hearing . 09.07.2015	Court's proceeding continuing	Bombay City Civil Court
12	Omega Petro Products VS MSTC	2002	Suit for revival	306.00	not yet posted	Court's proceeding continuing	Bombay High Court
LITIGATION FILED AGAINST MSTC LTD. pending for more than 3 years but less than 5 years (More than ₹ 50 lacs cases)							
13	Maheshwari Ispat Limited-VS MSTC Ltd. & Transafe Services Limited	2011	Recovery of Outstanding dues	92.90	The matter has been revert back to arbitration by the Hon'ble High Court	Court's proceeding continuing	High Court of Calcutta
14	State Trading Corporation -VS- MSTC Ltd, CSPL & Transafe Services Limited	2012		540.02	Hearing Continuing.	Court's proceeding continuing.	Civil Court, Snr. Div at Panvel
15	State Trading Corporation-VS- MSTC Ltd, Conros Steel & Power Limited &, Central Warehousing Corporation, Transafe Services Limited	2012	Appeal filed by STC against order of Panvel Court vacating status Quo	540.02	Last date of hearing 23.01.2013	Court's proceeding continuing and cross examination of STC witness going on	Bombay High Court
16	Standard Chartered bank -VS-MSTC Ltd.	2012	Dues for Receivable purchase agreement	5,509.00	Next Date of hearing 13.07.2015	Court's proceeding continuing	Debts Recovery Tribunal

क्र. सं.	मामला का प्रकार	प्रारम्भ होने का वर्ष	ब्यौरा	राशि (रु. लाख में)	मामला की वर्तमान स्थिति	लंबित होने का कारण	निम्नांकित में लंबित
17	पेन को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड बनाम- एमएसटीसी लि. एवं अन्य	2012	सावधि जमा (एफडी) पर ब्याज की वापसी	1,294.53	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 22.07.2015	न्यायालय की कार्यवाही जारी	सिविल जज, सीनि. डिवी., का कोर्ट, अलीबाग
18	श्रीभूमि स्टील प्रा. लि. -बनाम- आईजीएम एवं एमएसटीसी	2012	जमा बयाना राशि(ईएमडी) के जब्त किये से सम्बद्ध विवाद	127.27	सुनवाई की अंतिम तारीख 16.08.2012	न्यायालय की कार्यवाही जारी	उच्च न्यायालय, कलकत्ता
19	जेमिनी आयरन एंड मेटल कं.-बनाम- एमएसटीसी और डब्ल्यूए, न्यूजर्सी यूएसए के निर्यातकों-बनाम-एमएसटीसी (रु. 21863500/- जेमिनी आयरन ओर एंड मेटल कं. एवं रु. 27333019/- डब्ल्यूए, न्यू जर्सी यूएसए के निर्यातकों)	2012	जमा बयाना राशि(ईएमडी) के जब्त किये से सम्बद्ध विवाद	491.97	अभी तक पोस्ट नहीं किया गया है	न्यायालय की कार्यवाही जारी	अलीपुर कोर्ट, कोलकाता
20	टॉवर स्टील्स लिमिटेड-बनाम- एमएसटीसी(रु. 1.27 हेतु प्रदान करने हेतु पंचाट में सीआरएस पारित जिसका पार्टी द्वारा उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई है)	2011		127.00		न्यायालय की कार्यवाही जारी	उच्च न्यायालय, मद्रास
एमएसटीसी द्वारा याचिका दायर 2 वर्षों से अधिक परन्तु 3 वर्षों से कम हेतु लंबित (रु. 50 लाख से अधिक का मामला)							
21	मेसर्स आलंग मेटल एक्जिम प्रा. लि. -बनाम- एमएसटीसी एवं अन्य	2013	ईएमडी का जब्त किया जाना	68.00		न्यायालय की कार्यवाही जारी	एडिशनल सिटी सिविल एवं सेशन जज बंगलोर
एमएसटीसी द्वारा याचिका दायर 1 वर्ष से अधिक परन्तु 2 वर्षों से कम हेतु लंबित (रु. 50 लाख से अधिक का मामला)							
22	इंडो आर्या सेण्ट्रल ट्रान्सपोर्ट लिमिटेड -बनाम-एमएसटीसी	2014	हल्दिया स्टाकयार्ड के सबलीज से सम्बद्ध विवाद	861.21	माननीय उच्च न्यायालय द्वारा मामला पंचाट को पुनः वापस कर दिया गया है।	माननीय उच्च न्यायालय द्वारा मामला पंचाट को पुनः वापस कर दिया गया है।	उच्च न्यायालय कलकत्ता
एमएसटीसी द्वारा याचिका दायर 1 वर्ष से कम हेतु लंबित (रु. 50 लाख से अधिक का मामला)							
23	मेसर्स अलंग मेटल एक्जिम प्रा. लि. -बनाम-एमएसटीसी एवं अन्य	2015		68.00	अभी तक पोस्ट नहीं किया गया	अभी तक पोस्ट नहीं किया गया	उच्च न्यायालय कर्नाटका, बंगलोर

Sl No	Type of case	Year of commencement	Particulars	Amount (₹ in lacs)	Present status of the case	Reason for pendency	Pending with
17	Pen Cooperative Urban Bank Limited -VS MSTC Ltd. & Ors	2012	Refuund of Interest on FD.	1,294.53	Next Date of hearing 22.07.2015	Court's proceeding continuing	Court of Civil Judge, Snr Div, at Alibaug
18	Sreebhumi Steel Pvt. Ltd. -VS- IGM & MSTC	2012	Dispute related to forfeiture of EMD	127.27	Last date of hearing 16.08.2012	Court's proceeding continuing	High Court of Calcutta
19	Gemini Iron & Metal Co. -VS- MSTC & Exporters of WA, Newjersy USA -VS MSTC (Rs. 21863500/- - Gemini Iron Ore & Metal Co. and Rs. 27333019/- -Exporters of WA, New Jersy USA)	2012	Dispute related to forfeiture of EMD	491.97	Not yet posted	Court's proceeding continuing	Alipore Court, Kolkata
20	Tower steels Limited -VS- MSTC (Award for Rs. 1.27 CRS passed in arbitration which has been challenged in High Court by Party)	2011		127.00		Court's proceeding continuing	High Court of Madras
LITIGATION FILED BY MSTC LTD. pending for more than 2 years but less than 3 years (More than ₹ 50 lacs cases)							
21	M/s Alang Metal Exim Pvt. Ltd. -VS- MSTC & Ors	2013	Forfeiture of EMD	68.00		Court's proceeding continuing	Addl City Civil & Sessions Judge at Bangalore
LITIGATION FILED AGAINST MSTC LTD. pending for more than 1 year and less than 2 years (More than ₹ 50 lacs cases)							
22	Indo Arya Central Transport Limited -VS- MSTC	2014	Dispute related to sublease of Haldia Stockyard	861.21	The matter has been revert back to arbitration by the Hon'ble High Court	The matter has been revert back to arbitration by the Hon'ble High Court	High Court of Calcutta
LITIGATION FILED BY MSTC LTD. pending for less than 1 year (More than ₹ 50 lacs cases)							
23	M/s Alang Metal Exim Pvt. Ltd. -VS- MSTC & Ors	2015		68.00	not yet posted	not yet posted	High court of Karnataka Bangalore

एमएसटीसी लि.द्वारा याचिका दायर 5 वर्षों से अधिक हेतु लंबित(₹ 50 लाख से अधिक के मामले)

क्र. सं.	मामला का प्रकार	प्रारम्भ होने का वर्ष	ब्यौरा	राशि (रु. लाख में)	मामला की वर्तमान स्थिति	लंबित होने का कारण	निम्नांकित में लंबित
1	एमएसटीसी बनाम गाइसकोल एलॉयज लि. एवं अन्य	02.01.2010	बकाए की वसूली	975.85	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 05.08.2015	न्यायालय की कार्यवाही जारी	अहमदाबाद कोर्ट कोर्ट नं. 30 में मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट
2	एमएसटीसी-बनाम-पंजाब कानकास्ट	1999	बकाए ऋण की वसूली	100.75	सुनवाई की अंतिम तारीख 12.05.2015	न्यायालय की कार्यवाही जारी	दिल्ली उच्च न्यायालय
3	एमएसटीसी-एएससी/2एफओडी-बनाम मार्स ट्रेडर्स (नौसाद अली)	2006	बकाए ऋण की वसूली	74.30	सुनवाई की अंतिम तारीख 29.12.2011	न्यायालय की कार्यवाही जारी	श्रीनगर न्यायालय
4	एमएसटीसी-बनाम-श्रीनिवास स्मेल्टर्स	2000	बकाए ऋण की वसूली	573.00	न्यायालय की कार्यवाही जारी	न्यायालय की कार्यवाही जारी	उच्च न्यायालय, मद्रास
5	एमएसटीसी-बनाम-सुमंगला स्टील्स लि.	2000	बकाए ऋण की वसूली	62.21	अभी तक पोस्ट नहीं किया गया	न्यायालय की कार्यवाही जारी	उच्च न्यायालय, मद्रास
6	एमएसटीसी -बनाम-तामिलनाडु स्टील्स लि.	2000	बकाए ऋण की वसूली	380.00	दायर दावे का ब्यौरा	न्यायालय की कार्यवाही जारी	ऑफिसियल लिक्विडेटर
7	एमएसटीसी-बनाम-विराज एलॉय	1999	बकाए ऋण की वसूली	319.70	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 01.09.2015	न्यायालय की कार्यवाही जारी	बम्बे सिटी सिविल कोर्ट
8	एमएसटीसी-बनाम-सिंघल स्वरूप	2003	बकाए ऋण की वसूली	1,811.20	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 07.07.2015	न्यायालय की कार्यवाही जारी	सीएमएम, कोर्ट मुम्बई
एमएसटीसी लि.द्वारा याचिका दायर 3 वर्षों से अधिक और 5 वर्षों से कम हेतु लंबित (₹ 50 लाख से अधिक के मामले)							
9	एमएसटीसी बनाम बालाजी को इंडस्ट्रीज प्रा. लि. एवं अन्य (दावा राशि असम्मानित राशि है।)	30.05.2012	चेक डिसऑनर	9,100.00	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 24.07.2015	न्यायालय की कार्यवाही जारी	ज्यूडिसियल मजिस्ट्रैट अलीपुर, कोलकाता का 4था कोर्ट
10	एमएसटीसी-बनाम-बालाजी कोक इंडस्ट्री प्रा. लि., तिरुपति फ्यूल्स प्रा. लि. एवं अन्य	30.03.2012	चेक डिसऑनर	1,000.00	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 19.09.2015	न्यायालय की कार्यवाही जारी	ज्यूडिसियल मजिस्ट्रैट अलीपुर, कोलकाता का पहला कोर्ट
11	एमएसटीसी बनाम इंडियन ओवरसीज बैंक	2012	एमएसटीसी के खाते में आईओबी द्वारा भूलवश डेबिट किये गये के रिवर्सल हेतु	3,657.00	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 07.07.2015	न्यायालय की कार्यवाही जारी	कलकत्ता उच्च न्यायालय
12	एमएसटीसी-बनाम-कोनरॉस स्टील प्रा. लि.	2012	प्रतिज्ञित स्टॉक के उठाने हेतु कानूनी सुरक्षा की मांग	540.02	सुनवाई की अंतिम तारीख 23.01.2013.	न्यायालय की कार्यवाही जारी	बम्बे उच्च न्यायालय

LITIGATION FILED BY MSTC LTD. pending for more than 5 years (More than ₹ 50 lacs cases)

Sl No	Type of case	Year of commencement	Particulars	Amount (₹ in lacs)	Present status of the case	Reason for pendency	Pending with
1	MSTC VS Gyscoal Alloys Ltd & Ors	02.01.2010	Recovery of dues	975.85	Next date of hearing 05.08.2015	Court's proceeding continuing	Ahmedabad Court.in Court No. 30 Metropolitan Magistrate
2	MSTC -VS- Punjab Concast	1999	Recovery of outstanding dues	100.75	Last Date of hearing 12.05.2015	Court's proceeding continuing	Delhi High Court.
3	MSTC-ASC/2FOD -VS- Mars Traders [Naushad Ali)	2006	Recovery of outstanding dues	74.30	Last Date of hearing 29.12.2011	Court's proceeding continuing	Srinagar Court
4	MSTC -VS- Srinivasa Smelters	2000	Recovery of outstanding dues	573.00	Court's proceeding continuing	Court's proceeding continuing	High Court at Madras
5	MSTC -VS-Sumangala Steels Ltd.	2000	Recovery of outstanding dues	62.21	Not yet posted	Court's proceeding continuing	High Court at Madras
6	MSTC -VS- Tamil nadu Steels Ltd.	2000	Recovery of outstanding dues	380.00	Statement of claim filed.	Court's proceeding continuing	Official Liquidator
7	MSTC -VS- Viraj Alloy	1999	Recovery of Outstanding	319.70	Next Date of Hearing 01.09.2015	Court's proceeding continuing	Bombay City Civil Court
8	MSTC -VS- Singhal Swaroop	2003	Recovery of Outstanding	1,811.20	Next date of hearing 07.07.2015	Court's proceeding continuing	CMM, Court, MUMBAI
LITIGATION FILED BY MSTC LTD. pending for more than 3 years but less than 5 years (More than ₹ 50 lacs cases)							
9	MSTC Vs Balaji Coke Industry Pvt. Ltd. & Ors. (Claim amount is dishonoured amount)	30.05.2012	Dishonour of Cheque	9,100.00	Next date of hearing 24.07.2015	Court's proceeding continuing	4th Court of Judicial Magistrate Alipore, Kolkata
10	MSTC VS Balaji Coke Industry Pvt. Ltd., Tirupati Fuels Pvt. Ltd. & Ors	30.03.2012	Dishonour of Cheque	1,000.00	Next date of hearing 19.09.2015	Court's proceeding continuing	1st Court of Judicial Magistrate Alipore, Kolkata
11	MSTC VS Indian Overseas Bank	2012	For reversal of wrongful . debits made by IOB in MSTC's account	3,657.00	Next date of hearing 07.07.2015	Court's proceeding continuing	Calcutta high Court
12	MSTC -VS- Conros Steel Pvt Ltd	2012	Seeking legal protection for . lifting up of pledged stock	540.02	Last date of hearing 23.01.2013.	Court's proceeding continuing	Bombay High Court

क्र. सं.	मामला का प्रकार	प्रारम्भ होने का वर्ष	ब्यौरा	राशि (रु. लाख में)	मामला की वर्तमान स्थित	लंबित होने का कारण	निम्नांकित में लंबित
13	एमएसटीसी-बनाम-यूनियन ऑफ इंडिया एवं अन्य	2011	मांग सूचना के निरस्त हेतु मैरीटाइम आयुक्त के विरुद्ध मामला दायर।	203.81	स्टे आर्डर प्राप्त किया गया। आगे सुनवाई हेतु फिर से सूचीबद्ध किया जाना।	न्यायालय कार्यवाही जारी	कलकत्ता उच्च न्यायालय
14	एमएसटीसी-बनाम-यूनियन ऑफ इंडिया	2011	डीजीएफटी द्वारा जारी कारण बताओ सूचना के विरुद्ध डब्ल्यूपी दायर।	203.81	स्टे आर्डर प्राप्त किया गया। आगे सुनवाई हेतु फिर से सूचीबद्ध किया जाना।	न्यायालय कार्यवाही जारी	कलकत्ता उच्च न्यायालय
15	एमएसटीसी बनाम श्री इशर एलॉय	2012	बकाए ऋण की वसूली	248.00	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 23.07.2015	न्यायालय कार्यवाही जारी	सीएमएम कोर्ट मुम्बई
एमएसटीसी लि.द्वारा याचिका दायर 2 वर्ष से अधिक परन्तु 3 वर्षों से कम हेतु लंबित(₹ 50 लाख से अधिक के मामले)							
16	एमएसटीसी-बनाम-कॉनरोस स्टील प्राइवेट लि.	2013	संपत्ति का अटैचमेंट	540.02	सुनवाई की अंतिम तारीख 07.05.2015.	न्यायालय की कार्यवाही जारी	बम्बे उच्च न्यायालय
17	एमएसटीसी-बनाम-स्टैण्डर्ड चार्टर्ड बैंक	2013	बकाए की वसूली	3,500.00	सुवाई की परिवर्ती तारीख 08.07.2015	न्यायालय की कार्यवाही जारी	पहला सिविल जज सीनियर डिवीजन, अलीपुर, कोलकाता
एमएसटीसी लि.द्वारा याचिका दायर 1 वर्ष से अधिक परन्तु 2 वर्षों से कम हेतु लंबित(₹ 50 लाख से अधिक के मामले)							
18	एमएसटीसी-बनाम एसपीएस स्टील रोलिंग मिल्स लिमिटेड एवं अन्य	30.04.2014	चेक डिसऑनर	3,123.87	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 14.07.2015	न्यायालय की कार्यवाही जारी	चीफ जुडिसियल मजिस्ट्रेट कोर्ट, अलीपुर, कोलकाता
19	एमएसटीसी-बनाम-कृष्णा कोक (इंडिया) प्रा. लि. एवं अन्य	14.05.2014	चेक डिसऑनर	1,031.70	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 17.08.2015	न्यायालय की कार्यवाही जारी	17 मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट कोर्ट बैंकशैल, कोलकाता
20	एमएसटीसी-बनाम-टॉपवर्थ ऊर्जा एंड मेटल लि. एवं अन्य	23.06.2014	बकाए की वसूली	570.00	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 14.09.2015	न्यायालय की कार्यवाही जारी	28 मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट एस्प्लानेड कोर्ट, मुम्बई
21	एमएसटीसी-बनाम-टॉपवर्थ स्टील्स एंड पावर प्रा. लि. एवं अन्य	23.06.2014	बकाए की वसूली	2,550.00	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 14.09.2015	न्यायालय की कार्यवाही जारी	28वां एम.एम एस्प्लानेड कोर्ट, मुम्बई

Sl No	Type of case	Year of commencement	Particulars	Amount (₹ in lacs)	Present status of the case	Reason for pendency	Pending with
13	MSTC- VS- Union of India & Others	2011	Suit filed against Maritime commissioner for quashing of notice of demand.	203.81	Stay order obtained . Yet to be listed for further hearing.	Court's proceeding continuing	Calcutta High Court
14	MSTC- Versus- Union of India	2011	WP has been filed against the show cause notice issued by DGFT.	203.81	Stay order obtained . Yet to be listed for further hearing.	Court's proceeding continuing	Calcutta High Court
15	MSTC v Shri Ishar alloys	2012	Recovery of Outstanding	248.00	Next Date of Hearing 23.07.2015	Court's proceeding continuing	CMM COURT MUMBAI
LITIGATION FILED BY MSTC LTD. pending for more than 2 years and less than 3 years (More than ₹ 50 lacs cases)							
16	MSTC -VS- Conros Steel pvt ltd	2013	Attachment of property	540.02	last date of hearing 07.05.2015.	Court's proceeding continuing	Bombay High Court
17	MSTC -VS- Standard Chartered Bank	2013	Recovery of dues	3,500.00	Next date of hearing 08.07.2015	Court's proceeding continuing	1ST CIVIL JUDGE SENIOR DIVISION at Alipore, Kolkata
LITIGATION FILED BY MSTC LTD. pending for more than 1 years and less than 2 years (More than ₹ 50 lacs cases)							
18	MSTC VS SPS Steel Rolling Mills Limited & Ors	30.04.2014	Dishonour of cheques	3,123.87	Next Date of hearing 14.07.2015	Court's proceeding continuing	Chief Judicial Magistrate Court, at Alipore, Kolkata
19	MSTC VS Krishna Coke (India) Pvt. Ltd. & Ors	14.05.2014	Dishonour of cheques	1,031.70	Next Date of hearing 17.08.2015	Court's proceeding continuing	17th Metropolitan Magistrate Court, Bankshall, Kolkata
20	MSTC-VS- Topworth Urja & Metal Ltd.& Ors	23.06.2014	Recovery of Dues	570.00	Date of Next hearing 14.09.2015	Court's proceeding continuing	28th Metropolitan Magistrate Esplanade Court, Mumbai
21	MSTC-VS- Topworth Steels & Power Pvt. Ltd. & Ors	23.06.2014	Recovery of Dues	2,550.00	Date of Next hearing 14.09.2015	Court's proceeding continuing	28th M.M. Esplanade Court, Mumbai

क्र. सं.	मामला का प्रकार	प्रारम्भ होने का वर्ष	ब्यौरा	राशि (रु. लाख में)	मामला की वर्तमान स्थिति	लंबित होने का कारण	निम्नांकित में लंबित
22	एमएसटीसी बनाम जै बालाजी इंडस्ट्रीज लिमिटेड एवं अन्य	23.06.2014	चेक का डिसऑनर	236.23	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 22.07.2015	न्यायालय की कार्यवाही जारी	3सरा जुडिसियल मजिस्ट्रेट, अलीपुर कोलकाता
23	एमएसटीसी-बनाम-ईसीजीसी	2014	नेशनल काउंसिल फोरम द्वारा पारित के विरुद्ध अपील दायर	40,100.00	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 31.07.2015.	न्यायालय की कार्यवाही जारी	सर्वोच्च न्यायालय, भारत
24	एमएसटीसी-बनाम-फर्थ इंडिया	2014	चेक्स का डिसऑनर	1,617.50	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 09.09.2015	न्यायालय की कार्यवाही जारी	सीएमएम,कोर्ट,मुम्बई

Sl No	Type of case	Year of commencement	Particulars	Amount (₹ in lacs)	Present status of the case	Reason for pendency	Pending with
22	MSTC VS Jai Balaji Industries Limited. & Ors	23.06.2014	Dishonour of cheques	236.23	Date of Next hearing 22.07.2015	Court's proceeding continuing	3rd Judicial Magistrate, at Alipore, Kolkata
23	MSTC –vs- ECGC	2014	Appeal filed against the order passed by the National Consumer Forum.	40,100.00	Next hearing date 31.07.2015.	Court's proceeding continuing	Supreme Court of India
24	MSTC -VS- Firth India	2014	Dishonour of cheques	1,617.50	Date of Next hearing 09.09.2015	Court's proceeding continuing	CMM, Court, MUMBAI

एमएसटीसी लि.द्वारा याचिका दायर 1 वर्षों से कम हेतु लंबित(₹ 50 लाख से अधिक के मामले)ह्न

क्र. सं.	मामला का प्रकार	प्रारम्भ होने का वर्ष	ब्यौरा	राशि (रु. लाख में)	मामला की वर्तमान स्थिति	लंबित होने का कारण	निम्नांकित में लंबित
25	एमएसटीसी-बनाम-तिरुपति फ्यूएल्स (प्रा.) लि. अन्य	11.02.2015	चेक डिसऑनर	401.50	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 13.08.2015	क्षेत्राधिकार पर हाल के सर्वोच्च न्याय के फैसले के अनुसार एक कोर्ट से दूसरे कोर्ट में स्थानांतरण	17वां एम.एम. कोर्ट बैंकशैल, कोलकाता
26	एमएसटीसी-बनाम-कॉनकास्ट स्टील एवं पावर लि.	09.02.2015	चेक डिसऑनर	515.00	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 01.09.2015	न्यायालय कार्यवाही जारी।	10 मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट कोर्ट बैंकशैल, कोलकाता
27	एमएसटीसी लि.-बनाम-के रघु राम एवं अन्य (मेसर्स मेहरकिरन इंटरप्राइजेज लिमिटेड)	2014	बंधक सम्पत्ती की बिक्री हेतु आवेदन	200.00	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 08.07.2015	न्यायालय कार्यवाही जारी।	प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट जज, महबूबनगर, तेलंगना।
28	एमएसटीसी-बनाम-कॉनरोस स्टील प्रा. लि.	2014	बकाए की वसूली	540.02	सुनवाई की अंतिम तारीख 07.05.2015	न्यायालय कार्यवाही जारी।	बम्बई उच्च न्यायालय
29	एमएसटीसी-बनाम-कॉनरोस स्टील लि.	2014	बकाए की वसूली	150.00	सुनवाई की अंतिम तारीख 02.07.2015	न्यायालय कार्यवाही जारी।	बालार्ड पीयर कोर्ट, मुम्बई
30	एमएसटीसी लि.-बनाम-स्टेट ट्रेडिंग कार्पोरेशन	2014	कॉनरोस सामग्री की बिक्री	540.02	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 09.07.2015	न्यायालय कार्यवाही जारी।	बम्बे उच्च न्यायालय
31	एमएसटीसी-बनाम-कॉनरोस स्टील प्रा. लि.	2015	बकाए की वसूली	540.02	सुनवाई की अंतिम तारीख 24.06.2015	न्यायालय कार्यवाही जारी।	बम्बे उच्च न्यायालय
32	एमएसटीसी-बनाम-रिलायंस सिलिकॉन्स एवं 4 अन्य	2015	बकाए की वसूली	593.01	सुनवाई की परिवर्ती तारीख 25.09.2015	न्यायालय कार्यवाही जारी।	सीएमएम कोर्ट मुम्बई
33	एमएसटीसी-बनाम-पंजाब स्टील कार्पोरेशन	2014	एमएसटीसी के पक्ष में पारित डिक्री के विरुद्ध आवेदन का निष्पादन।	69.42	सुनवाई की अंतिम तारीख 01.06.2015	न्यायालय कार्यवाही जारी।	बातला कोर्ट

LITIGATION FILED BY MSTC LTD. pending for less than 1 year (More than ₹ 50 lacs cases)

Sl No	Type of case	Year of commencement	Particulars	Amount (₹ in lacs)	Present status of the case	Reason for pendency	Pending with
25	MSTC VS Tirupati fuels (P) Ltd.& Ors	11.02.2015	Dishonour of cheques	401.50	Next hearing date 13.08.2015	Transferred to one court to another as per recent Supreme Court judgement on jurisdiction	17th M.M. Court Bankshall, Kolkata
26	MSTC-VS- Concast Steel & Power Ltd.	09.02.2015	Dishonour of cheques	515.00	Next hearing date 01.09.2015	Court's procedural delay	10th Metropolitan Magistrate court, Bankshall, Kolkata
27	MSTC Ltd. VS K. Raghu Ram & Ors. (M/s Meherkiran Enterprises Limited)	2014	Application for sale of the mortgaged property	200.00	Next hearing date 08.07.2015	Court's proceeding continuing	The Principal District Judge, Mahaboobnagar, Telangana
28	MSTC -VS- Conros Steel Pvt Ltd.	2014	Recovery of dues	540.02	Last date of hearing 07.05.2015	Court's proceeding continuing	Bombay High Court
29	MSTC -VS- Conros Steel PvtLtd.	2014	Recovery of dues	150.00	Last date of hearing 02.07.2015	Court's proceeding continuing	Ballard Pier Court, Mumbai
30	MSTC Ltd. -VS- State Trading Corporation	2014	Sale of Conros Material	540.02	Next date of hearing 09.07.2015	Court's proceeding continuing	Bombay High Court
31	MSTC -VS- Conros Steel PvtLtd.	2015	Recovery of dues	540.02	Last date of hearing 24.06.2015	Court's proceeding continuing	Bombay High Court
32	MSTC -VS- Reliance Silicones & 4 Others	2015	Recovery of dues	593.01	Next date of hearing 25.09.2015	Court's proceeding continuing	CMM COURT MUMBAI
33	MSTC -VS- Punjab Steel Corpn	2014	Execution application against the decree passed in favour of MSTC.	69.42	Last date of hearing 01.06.2015	Court's proceeding continuing	Batala Court

लंबित कानूनी/पंचाट मामलों का विवरण

अनुलग्नक-डी

विधान का नाम	बकाये का स्वरूप	राशि (रु. लाख में)	सम्बद्ध राशि की अवधि	फोरम जहाँ विवाद लंबित है	राशि का पृथकिकरण	एससीएन नं.	एससीएन तारीख	लेखा तारीख	अवधिवार
वित्त अधिनियम,1994 (सेवा कर प्रावधान) (अद्यतन संशोधन के अनुसार)	सेण्ट्रल एक्साइज, जयपुर के सुपरिटें. द्वारा किये गये मांग के अनुसार दुबुरी इकाई में कार्गो परिचालन सेवाओं पर सेवा कर(किये गये भुगतान का सकल)	63.57	नवंबर 2002 से अप्रैल 2004	अपीलीय प्राधिकरण, (सीईएसटीएटी, कोलकाता)	63.57	जेपीआर/ 01/30	18/01/2005	31/03/2015	10 वर्ष 2 माह
वित्त अधिनियम,1994 (सेवा कर प्रावधान) (अद्यतन संशोधन के अनुसार)	आयुक्त सेण्ट्रल एक्साइज एवं कस्टम्स, रांची द्वारा दिए गये आदेश के अनुसार बोकारो इकाई में बिजनेस ऑक्जिलरी सेवाओं पर सेवा कर।	1699.25	01.03.2005 से 31.01.2008	आयुक्त, रांची एवं अपीलीय प्राधिकारियों, (सीईएसटीएटी, कोलकाता)	147.55	डीजीसीईआई/167/ केजेडयू/जेएसआर/ 2523	03/05/2006	31/03/2015	8 वर्ष, 10 माह
			01.03.2005 से 31.01.2008	आयुक्त, रांची एवं अपीलीय प्राधिकारियों, (सीईएसटीएटी, कोलकाता)	1551.70	3268	15/04/2004	31/03/2015	10 वर्ष, 11 माह
वित्त अधिनियम,1994 (सेवा कर प्रावधान) (अद्यतन संशोधन के अनुसार)	अतिरिक्त आयुक्त सेण्ट्रल एक्साइज एंड कस्टम्स, बोलपुर एवं सहायक आयुक्त, बोलपुर तथा सहायक आयुक्त, सेण्ट्रल एक्साइज एंड कस्टम्स, आसनसोल द्वारा आदेश के अनुसार बर्नपुर इकाई में बिजनेस ऑक्जिलरी सर्विजेस पर सेवा कर	97.00	सितम्बर 2004 से फरवरी 2005 एवं अप्रैल 2005 से सित. 2006	आयुक्त (अपील), कोलकाता	57.38	एएसएन-1/07	26/06/2006	31/03/2015	8 वर्ष, 9 माह
			सितम्बर 2004 से फरवरी 2005 एवं अप्रैल 2005 से सितम्बर 2006	आयुक्त (अपीलीय), कोलकाता	39.62	3353	08/10/2010	31/03/2015	4 वर्ष, 5 माह
वित्त अधिनियम,1994 (सेवा कर प्रावधान) (अद्यतन संशोधन के अनुसार)	अतिरिक्त आयुक्त, संयुक्त आयुक्त सेण्ट्रल एक्साइज एंड कस्टम्स, बोलपुर द्वारा आदेश के अनुसार बोलपुर में बिजनेस ऑक्जिलरी सर्विसेज पर सेवा कर।	114.96	सितम्बर 2004 से फरवरी 2005	अपीलीय प्राधिकारियों, सीईएसटीएटी, कोलकाता (आयुक्त (अपील) द्वारा कम्पनी के पक्ष में आदेश पारित सीईएसटीएटी के पूर्व सेवा कर विभाग द्वारा अपील किया गया)	114.96	20/सीओओएमआर/ एसटी-06	21/04/2006	31/03/2015	8 वर्ष, 11 माह
वित्त अधिनियम,1994 (सेवा कर प्रावधान) (अद्यतन संशोधन के अनुसार)	आयुक्त, सेण्ट्रल एक्साइज एवं कस्टम्स, रायपुर द्वारा मांग के अनुसार भिलाई इकाई में कार्गो हैण्डलिंग सर्विसेज पर सेवा कर	259.48	अगस्त 2002 से जून 2003	अपीलीय प्राधिकारियों, (सीईएसटीएटी, नई दल्ली)	259.48	1372	22/04/2004	31/03/2015	10 वर्ष, 11 माह

Details of all pending legal/arbitration cases

Annexure D

Name of the Statute	Nature of dues	Amount (₹ in lacs)	Period to which the amount relates	Forum where dispute is pending	Segregation of amount	SCN No.	SCN Date	Accounting Date	Agewise
Finance Act, 1994 (Service Tax Provisions) (As amended upto date)	Service tax on "Cargo Handling Services" at Duburi unit as demanded by Suptd. Of Central Excise, Jaipur. (net of payment made)	63.57	Nov. 2002 to Apr. 2004	Appellate Authorities, (CESTAT, Kolkata)	63.57	JPR/01/30	18/01/2005	31/03/2015	10 years, 2 months
Finance Act, 1994 (Service Tax Provisions) (As amended upto date)	Service tax on "Business Auxiliary Services" at Bokaro unit as ordered by Commissioner Central Excise and Customs, Ranchi	1699.25	01.03.2005 to 31.01.2008	Commissioner, Ranchi and Appellate Authorities (CESTAT, Kolkata)	147.55	DGCEI/167 /KZU/JSR/ 2523	03/05/2006	31/03/2015	8 years, 10 months
			01.03.2005 to 31.01.2008	Commissioner, Ranchi and Appellate Authorities (CESTAT, Kolkata)	1551.70	3268	15/04/2004	31/03/2015	10 years, 11 months
Finance Act, 1994 (Service Tax Provisions) (As amended upto date)	Service tax on "Business Auxiliary Services" at Burnpur unit as ordered by Additional Commissioner Central Excise & Customs, Bolpur and Assistant Commissioner, Central Excise and Custom, Asansol	97.00	Sept. 2004 to Feb. 2005 & Apr. 2005 to Sept. 2006	Commissioner, (Appeals), Kolkata	57.38	ASN-1/07	26/06/2006	31/03/2015	8 years, 9 months
			Sept. 2004 to Feb. 2005 & Apr. 2005 to Sept. 2006	Commissioner, (Appeals), Kolkata	39.62	3353	08/10/2010	31/03/2015	4 years, 5 months
Finance Act, 1994 (Service Tax Provisions) (As amended upto date)	Service tax on "Business Auxiliary services" at Burnpur unit as ordered by Additional Commissioner, Joint Commissioner of Central Excise Bolpur	114.96	Sept. 2004 to Feb. 2005	Appellate Authorities, (CESTAT, Kolkata) (Order passed in favour of company by Commissioner (Appeal) has been appealed by service tax department before CESTAT)	114.96	20/COOMR/ ST-06	21/04/2006	31/03/2015	8 years, 11 months
Finance Act, 1994 (Service Tax Provisions) (As amended upto date)	Service tax on "Cargo Handling Services" at Bhilai unit as demanded by Commissioner, Central Excise and Customs Raipur	259.48	Aug. 2002 to June 2003	Appellate Authorities, (CESTAT, New Delhi)	259.48	1372	22/04/2004	31/03/2015	10 years, 11 months

विधान का नाम	बकाये का स्वरूप	राशि (रु.लाख में)	सम्बद्ध राशि की अवधि	फोरम जहाँ विवाद लंबित है	राशि का पृथकिकरण	एससीएन नं.	एससीएन तारीख	लेखा तारीख	अवधिवार
वित्तीय अधिनियम 1994 (सेवा कर प्रावधान) (अद्यतन संशोधन जैसा)	दुबुरी इकाई में कार्गो हैण्डलिंग सर्विसेज पर सेवा कर। आयुक्त सेण्ट्रल एक्साइज, भुवनेश्वर द्वारा मांग किया जाना।	374.25	मई 2004 से मार्च 2007	अपीलीय प्राधिकारियों, (सीईएसटीएटी, कोलकाता)	374.25	36213ए	02.03.2009	31.03.2015	6 वर्ष, 0 माह
वित्तीय अधिनियम 1994 (सेवा कर प्रावधान) (अद्यतन संशोधन जैसा)	दुबुरी इकाई में कार्गो हैण्डलिंग सर्विसेज पर सेवा कर। आयुक्त सेण्ट्रल एक्साइज, भुवनेश्वर द्वारा मांग किया जाना।	226.06	अप्रैल 2007 से मार्च 2009	अपीलीय प्राधिकारियों, (सीईएसटीएटी, कोलकाता)	226.06	17171ए	20.10.2009	31.03.2015	5 वर्ष, 5 माह
वित्तीय अधिनियम 1994 (सेवा कर प्रावधान) (अद्यतन संशोधन जैसा)	दुर्गापुर स्टील प्लांट एवं एलॉय स्टील प्लांट में कार्गो हैण्डलिंग सर्विसेज एवं बिजनेस ऑक्जिलरी सेवाओं पर सेवा कर।	2362.50	अप्रैल2003 से मार्च 2008 एवं अक्टू 2003 से नव. 2008	अपीलीय प्राधिकारियों, (सीईएसटीएटी, कोलकाता)	14.07	804	06.04.2009	31.03.2015	5 वर्ष, 11 माह
			अप्रैल 2003 से मार्च 2008 एवं 2003 से नव. 2008	अपीलीय प्राधिकारियों, (सीईएसटीएटी, कोलकाता)	2348.43	1746	26.09.2008	31.03.2015	6 वर्ष, 6माह
वित्तीय अधिनियम 1994 (सेवा कर प्रावधान) (अद्यतन संशोधन जैसा)	दुर्गापुर स्टील प्लांट में कार्गो हैण्डलिंग सर्विसेज एवं बिजनेस ऑक्जिलरी सर्विसेज पर सेवा कर।	690.48	अप्रैल 2008 से मई 2009 व जून 2009 से सित.2009	आयुक्त, कोलकाता एवं अपीलेट अथॉरिटी (सीईएसटीएटी,कोलकाता)	590.57	9	13.10.2009	31.03.2015	5 वर्ष, 5 माह
			अप्रैल 2008 से मई 2009 एवं जून 2009 से सित. 2009	आयुक्त, कोलकाता एवं अपीलेट अथॉरिटी, (सीईएसटीएटी कोलकाता)	99.91	78	14.07.2010	31.03.2015	4 वर्ष, 8 माह
वित्तीय अधिनियम 1994 (सेवा कर प्रावधान) (अद्यतन संशोधन जैसा)	आयुक्त भुवनेश्वर द्वारा मांग के अनुसार दुबुरी इकाई में कार्गो हैण्डलिंग सर्विसेज पर सेवा कर।	163.09	अप्रैल 2009 से मार्च 2010	अपीलीय प्राधिकारियों, (सीईएसटीएटी, कोलकाता)	163.09	27759-ए	12.10.2010	31.03.2015	4 वर्ष, 5 माह
वित्तीय अधिनियम 1994 (सेवा कर प्रावधान) (अद्यतन संशोधन जैसा)	आयुक्त, सेण्ट्रल एक्साइज बोलपुर द्वारा मांग के अनुसार दुर्गापुर इकाई में बिजनेस ऑक्जिलरी सर्विसेज पर सेवा कर ।	178.30	अक्टुबर 2009 से मार्च 2010	अपीलीय प्राधिकारियों, (सीईएसटीएटी, कोलकाता)	178.30	17/सीओएमएम/ बीओएल/11	04.03.2011	31.03.2015	4 वर्ष, 5 माह

Name of the Statute	Nature of dues	Amount (₹ in lacs)	Period to which the amount relates	Forum where dispute is pending	Segregation of amount	SCN No.	SCN Date	Accounting Date	Agewise
Finance Act, 1994 (Service Tax Provisions) (As amended upto date)	Service tax on "Cargo Handling Services" at Duburi unit demanded by Commissioner, Central Excise, Bhubaneswar	374.25	May 2004 to March 2007	Appellate Authorities, (CESTAT, Kolkata)	374.25	36213A	02/03/2009	31/03/2015	6 years, 0 months
Finance Act, 1994 (Service Tax Provisions) (As amended upto date)	Service tax on "Cargo Handling Services" at Duburi unit demanded by Commissioner, Central Excise, Bhubaneswar	226.06	April 2007 to March 2009	Appellate Authorities, (CESTAT, Kolkata)	226.06	17171A	20/10/2009	31/03/2015	5 years, 5 months
Finance Act, 1994 (Service Tax Provisions) (As amended upto date)	Service tax on "Cargo Handling Services and Business Auxiliary Services" at Durgapur Steel Plant and Alloy Steel Plant	2362.50	Apr. 2003 to Mar 2008 & Oct. 2003 to Nov. 2008	Appellate Authorities, (CESTAT, Kolkata)	14.07	804	06/04/2009	31/03/2015	5 years, 11 months
			Apr. 2003 to Mar 2008 & Oct. 2003 to Nov. 2008	Appellate Authorities, (CESTAT, Kolkata)	2348.43	1746	26/09/2008	31/03/2015	6 years, 6 months
Finance Act, 1994 (Service Tax Provisions) (As amended upto date)	Service tax on "Cargo Handling Services "and" Business Auxiliary Services" at Durgapur Steel Plant	690.48	Apr 2008 to May 2009 & June 2009 to Sep 2009	Commissioner, Kolkata and Appellate Authorities, (CESTAT, Kolkata)	590.57	9	13/10/2009	31/03/2015	5 years, 5 months
			Apr 2008 to May 2009 & June 2009 to Sep 2009	Commissioner, Kolkata and Appellate Authorities, (CESTAT, Kolkata)	99.91	78	14/07/2010	31/03/2015	4 years, 8 months
Finance Act, 1994 (Service Tax Provisions) (As amended upto date)	Service tax on "Cargo Handling Services" at Duburi unit as demanded by Commissioner, Bhubaneswar	163.09	April 2009 to March 2010	Appellate Authorities, (CESTAT, Kolkata)	163.09	27759-A	12/10/2010	31/03/2015	4 years, 5 months
Finance Act, 1994 (Service Tax Provisions) (As amended upto date)	Service tax on "Business Auxiliary Services" at Durgapur unit as demanded by Commissioner, Central Excise Bolpur	178.30	Oct 2009 to Mar 2010	Appellate Authorities, (CESTAT, Kolkata)	178.30	17/COMM/ BOL/11	04/03/2011	31/03/2015	4 years, 5 months

विधान का नाम	बकाये का स्वरूप	राशि (रु. लाख में)	सम्बद्ध राशि की अवधि	फोरम जहाँ विवाद लंबित है	अलग-अलग राशि	एससीएन नं.	एससीएन तारीख	लेखाकृत तारीख	अवधिवार
ओडीसा बिक्री कर अधिनियम, 1947	ओडीसा बिक्री कर विभाग द्वारा मांग के अनुसार राउरेकेला में बिक्री कर एवं प्रवेश कर हेतु	46.50	2002-03	बिक्री कर ट्रिब्यूनल कटक	46.50		25/09/2006	31/03/2015	8 वर्ष 6 माह
ओडीसा म्युनिसिपल अधिनियम, 1950	अधिसूचित एरिया परिषद, राउरकेला (स्टील टाउनशिप) द्वारा हेवी अर्थमुविंग उपकरण यथा डम्पर्स, डोजर्स आदि पर चुंगी	3.24		ओडीसा उच्च न्यायालय	3.24		01/04/1992	31/03/2015	22 वर्ष 11 माह

कानूनी मालमों का अवधिवार विश्लेषण

अवधि	शामिल राशि (रु. लाख में)
1 वर्ष से कम	0.00
1 वर्ष से 2 वर्ष	0.00
2 वर्ष से 3 वर्ष	0.00
3 वर्ष से 4 वर्ष	0.00
4 वर्ष से 5 वर्ष	480.92
5 वर्ष से 6 वर्ष	830.70
6 वर्ष से 7 वर्ष	2722.68
7 वर्ष से 8 वर्ष	0.00
8 वर्ष से 9 वर्ष	366.39
9 वर्ष से 10 वर्ष	0.00
10 वर्ष से 11 वर्ष	1874.75
11 वर्ष से 12 वर्ष	0.00
12 वर्ष से अधिक	3.24
कुल	**6278.68**

Name of the Statute	Nature of dues	Amount (₹ in lacs)	Period to which the amount relates	Forum where dispute is pending	Segregation of amount	SCN No.	SCN Date	Accounting Date	Agewise
Orissa Sales Tax Act, 1947	For Sales Tax and Entry Tax at Rourkela unit as demanded by Orissa Sales Tax Department	46.50	2002-03	Sales Tax Tribunal, Cuttack	46.50		25/09/2006	31/03/2015	8 years, 6 months
Orissa Municipal Act, 1950	Octrol on heavy earthmoving equipment like Dumpers, Dozers etc. by notified Area Council, Rourkela (Steel Township)	3.24		Orissa High Court	3.24		01/04/1992	31/03/2015	22 years, 11 months

Agewise Analysis of Legal Cases

Period	Amount Involved (₹ in lacs)
Less than 1 year	0.00
1 year to 2 year	0.00
2 year to 3 year	0.00
3 year to 4 year	0.00
4 year to 5 year	480.92
5 year to 6 year	830.70
6 year to 7 year	2722.68
7 year to 8 year	0.00
8 year to 9 year	366.39
9 year to 10 year	0.00
10 year to 11 year	1874.75
11 year to 12 year	0.00
More than 12 year	3.24
Total	**6278.68**

विविध देनदार शेष पुष्टिकरण

अनुलग्नक -ई

क्र. सं.	इकाई का नाम	देनदारों का नाम	खातों के अनुसार शेष (रु.)			देनदारों से पुष्टिकरण के अनुसार शेष	अंतर (रु.)
			सेवा प्रभार (रु.)	सेवा कर (रु.)	कुल	सेवा कर सहित (रु.)	
1	राउरकेला	आरएसपी, राउरकेला	2413,22,295.00	304,98,505.00	2718,20,800.00	2779,16,240.82	– 60,95,440.82
2	बर्नपुर	आईएसपी बर्नपुर	1021,45,212.74	127,30,013.00	1148,75,225.74	942,58,701.75	206,16,523.99
3	भिलाई	सेल, भिलाई	493,06,450.00	60,24,797.00	553,31,247.00	545,76,949.46	7,54,297.54
4	बोकारो	सेल, बोकारो	2298,23,189.00	284,09,205.00	2582,32,394.00	2582,29,335.27	3,058.73
5	विजाग	आरआईएनएल, विजाग	1312,61,707.00	165,60,749.00	1478,22,456.00	1505,47,380.74	– 27,24,924.74
6	दुर्गापुर	डीएसपी, दुर्गापुर	641,47,797.00	85,67,086.00	727,14,883.00	815,49,404.51	– 88,34,521.51
7	दुबुरी	एनआईएनआई, दुबुरी	260,44,642.00	24,73,784.00	285,18,426.00	285,18,427.00	– 1.00
8	हरिद्वार	भेल, हरिद्वार	95,62,475.00	12,06,042.00	107,68,517.00	109,63,671.00	– 1,95,154.00
9	भद्रावती	वीआईएसएल, भद्रावती	20,47,646.00	2,55,977.00	23,03,623.00	24,63,181.76	– 1,59,558.76
10	आरडब्ल्यूएफ	आरडब्ल्यूएफ-बेंगलुरु	12,403.00	1,533.00	13,936.00	अपुष्टिकृत	
11	दुर्गापुर	कस्टोडियन सर्विसेज	75,69,782.00	9,34,324.00	85,04,106.00	अपुष्टिकृत	
		कुल	**8632,43,598.74**	**1076,62,015.00**	**9709,05,613.74**	**9590,23,293.32**	**33,64,279.42**

*** देनदारों द्वारा प्रदान किया गया पुष्टिकृत ब्यौरा सेवा कर को छोड़कर है, जिसे तुलान के लिए समाविष्ट किया गया है।**

Sundry Debtor Balance Confirmation

Annexure E

Sl. No.	Name of the Unit	Name of the Debtors	Balance as per Books (₹)			Balance as per Confirmation from debtors (₹)	Difference (₹)
			Service Charge (₹)	Service Tax (₹)	Total (₹)	Inclusive of Service Tax (₹)	
1	Rourkela	RSP, Rourkela	2413,22,295.00	304,98,505.00	2718,20,800.00	2779,16,240.82	– 60,95,440.82
2	Burnpur	ISP, Burnpur	1021,45,212.74	127,30,013.00	1148,75,225.74	942,58,701.75	206,16,523.99
3	Bhilai	SAIL, Bhilai	493,06,450.00	60,24,797.00	553,31,247.00	545,76,949.46	7,54,297.54
4	Bokaro	SAIL, Bokaro	2298,23,189.00	284,09,205.00	2582,32,394.00	2582,29,335.27	3,058.73
5	Vizag	RINL, Vizag	1312,61,707.00	165,60,749.00	1478,22,456.00	1505,47,380.74	– 27,24,924.74
6	Durgapur	DSP, Durgapur	641,47,797.00	85,67,086.00	727,14,883.00	815,49,404.51	– 88,34,521.51
7	Duburi	NINI, Duburi	260,44,642.00	24,73,784.00	285,18,426.00	285,18,427.00	– 1.00
8	Haridwar	BHEL, Haridwar	95,62,475.00	12,06,042.00	107,68,517.00	109,63,671.00	– 1,95,154.00
9	Bhadravati	VISL, Bhadravati	20,47,646.00	2,55,977.00	23,03,623.00	24,63,181.76	– 1,59,558.76
10	RWF	RWF-Bengaluru	12,403.00	1,533.00	13,936.00	Unconfirmed	
11	Durgapur	Custodian service	75,69,782.00	9,34,324.00	85,04,106.00	Unconfirmed	
		Total	**8632,43,598.74**	**1076,62,015.00**	**9709,05,613.74**	**9590,23,293.32**	**33,64,279.42**

*** The confirmation statement provided by Dobtors are exclusive of service tax, the same has been grossed up for the sake of comparison.**

एमएसटीसी लिमिटेड के 31 मार्च, 2015 को समाप्त हुए वर्ष के समेकित वित्तीय विवरण पर कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 129(4) के साथ पठित धारा 143(6)(ख) के तहत् भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियाँ

कंपनी अधिनियम, 2013 के अंतर्गत विनिर्दिष्ट वित्तीय प्रतिवेदन के अधीन प्रदान रूपरेखा के अनुसार 31 मार्च, 2015 को समाप्त हुए वर्ष के लिए एमएसटीसी लिमिटेड का समेकित वित्तीय विवरण तैयार करना कंपनी के प्रबंधन का उत्तरदायित्व है। कंपनी अधिनियम की धारा 129(4) के साथ पठित धारा 139(5) के अंतर्गत भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक द्वारा नियुक्ति किए गए सांविधिक लेखा परीक्षक अधिनियम की धारा 143(10) के अधीन विनिर्धारित लेखांकन मानदण्डों के अनुसार स्वतंत्र लेखा परीक्षा के आधार पर कंपनी अधिनियम की धारा 129 (4) के साथ पठित धारा 143 के अंतर्गत इन वित्तीय विवरण पर विचार प्रकट करने के लिए उत्तरदायी हैं। यह उनकी ऑडिट रिपोर्ट दिनांक 17 जुलाई, 2015 के अनुसार उनके द्वारा किया गया बताया गया है।

मैंने, भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की ओर से 31 मार्च, 2015 को समाप्त वर्ष के लिए एमएसटीसी लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरणों का कंपनी अधिनियम की धारा 129(4) के साथ पठित धारा 143(6)(क) के अंतर्गत अनुपूरक लेखा परीक्षा का संचालन किया है। हमने उक्त तारीख को समाप्त वर्ष के लिए एमएसटीसी एवं उसकी सहायिकी कंपनी यानी फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड के वित्तीय परिणामों का अनुपूरक लेखा परीक्षा किया है। संविधिक लेखा परीक्षक के कार्यकारी कागजात को देखे बगैर यह अनुपूरक लेखा परीक्षा स्वतंत्र रूप से की गई है और मुख्यतः सांविधिक लेखा परीक्षकों एवं कंपनी के कार्मिकों की पूछताछ और कुछ लेखांकन अभिलेखों की चुनिंदा परीक्षा तक सीमित है।

मेरे लेखा परीक्षा के आधार पर मेरे संज्ञान में कोई भी महत्वपूर्ण तथ्य नहीं आया, जिससे कि सांविधिक लेखा परीक्षक प्रतिवेदन पर कोई टिप्पणी अथवा पूरक प्रदान किया जा सके।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक
और उनकी ओर से

(प्रवीर कुमार)
वाणिज्यिक लेखा परीक्षा के प्रधान निदेशक और
पदेन सदस्य, लेखा परीक्षा पार्षद-1
कोलकाता

स्थान : कोलकाता
दिनांक : 12.08.2015

COMMENTS OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA UNDER SECTION 143(6)(b) READ WITH SECTION 129(4) OF THE COMPANIES ACT, 2013 ON THE CONSOLIDATED FINANCIAL STATEMENTS OF MSTC LIMITED FOR THE YEAR ENDED 31 MARCH, 2015

The preparation of Consolidated financial statements of MSTC Limited for the year ended 31 March, 2015 in accordance with the financial reporting framework prescribed under the Companies Act, 2013 is the responsibility of the management of the company. The statutory auditor appointed by the Comptroller and Auditor General of India under Section 139(5) read with section 129(4) of the Act is responsible for expressing opinion on the financial statements under Section 143 read with section 129(4) of the Act based on independent audit in accordance with the standards on auditing prescribed under section 143(10) of the Act. This is stated to have been done by them vide their Audit Report dated 17 July 2015.

I, on behalf of the Comptroller and Auditor General of India, have conducted a supplementary audit under Section 143(6)(a) read with section 129(4) of the Act of the consolidated financial statements of MSTC Limited for the year ended 31st March, 2015. We have conducted a supplementary audit of the financial statements of MSTC and its subsidiary viz. Ferro Scrap Nigam Limited for the year ended on that date. This supplementary audit has been carried out independently without access to the working papers of the statutory auditor and is limited primarily to inquiries of the statutory auditor and company personnel and a selective examination of some of the accounting records.

On the basis of my audit nothing significant has come to my knowledge which would give rise to any comment upon or supplement to statutory auditors' report.

For and on behalf of the
Comptroller & Auditor General of India

(Praveer Kumar)
Principal Director of Commercial Audit
& Ex-officio Member, Audit Board-I
Kolkata

Place : Kolkata
Date : 12.08.2015

वार्षिक लेखा

ANNUAL ACCOUNTS

एमएसटीसी लिमिटेड MSTC LIMITED

तुलन पत्र : 31 मार्च 2015 BALANCE SHEET AS AT 31 MARCH, 2015

(रु. लाख में)/(₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	टिप्पणी सं. Note No.	As at 31.03.2015 को	As at 31.03.2014 को
I. ईक्विटी एवं देयताएं	**I. EQUITY AND LIABILITIES**			
1. शेयरधारकों की निधियां	**1. Shareholders' funds**			
(क) शेयर पूंजी	(a) Share Capital	2	880	880
(ख) आरक्षित एवं अधिशेष	(b) Reserves and Surplus	3	68,543	61,721
2 अप्रचलित देयताएं	**2. Non-current liabilities**			
(क) अन्य दीर्घावधि देयताएं	(a) Other Long term liabilities	4	941	696
3 चालू देयताएं	**3. Current Liabilities**			
(क) अल्पावधि ऋण	(a) Short-term Borrowings	5	1,08,589	86,218
(ख) व्यापारगत देय	(b) Trade Payables	6	3,00,604	3,18,547
(ग) अन्य चालू देयताएं	(c) Other Current Liabilities	7	90,422	52,055
(घ) अल्पावधि प्रावधान	(d) Short-term Provisions	8	4,064	1,521
कुल	**TOTAL**		**5,74,043**	**5,21,638**
II. परिसंपत्तियां	**II. ASSETS**			
1. गैर मौजूदा परिसंपत्तियां	**1. Non-Current Assets**			
(क) अचल परिसंपत्तिया	(a) Fixed Assets	9		
(i) भौतिक परिसंपत्तियां	(i) Tangible Assets		1,639	1,538
(ii) अमूर्त परिसंपत्तियां	(ii) Intangible assets		–	–
(iii) पूंजी कार्य जारी	(iii) Capital Work-in-Progress		–	84
(ख) अप्रचलित निवेश	(b) Non-Current Investments	10	1,581	1,581
(ग) आस्थगित कर परिसंपत्तियां (शुद्ध)	(c) Deferred Tax Assets (Net)	11	16,248	13,507
(घ) दीर्घावधि ऋण एवं अग्रिम	(d) Long-term Loans and Advances	12	1,875	1,281
(ङ) अन्य गैर मौजूदा परिसंपत्तियां	(e) Other Non-Current Assets	13	44	102
2. चालू परिसंपत्तियां	**2. Current Assets**			
(क) स्टॉक	(a) Inventories	14	14,683	3,605
(ख) व्यापारगत प्राप्य	(b) Trade Receivables	15	4,05,691	3,82,997
(ग) नकद एवं नकदी समतुल्य	(c) Cash and Cash Equivalents	16	1,23,698	1,09,604
(घ) अल्पावधि ऋण एवं अग्रिम	(d) Short-term Loans and Advances	17	7,815	6,414
(ङ) अन्य चालू परिसंपत्तियां	(e) Other Current Assets		769	925
कुल	**TOTAL**		**5,74,043**	**5,21,638**
महत्त्वपूर्ण लेखा नीतियां	Significant Accounting Policies	1		

संलग्न टिप्पणियां 1 से 32 वित्तीय विवरण के अभिन्न अंग हैं। The accompanying notes numbering 1 to 32 are an integral part of the Financial Statements.
यह तुलन पत्र सम तारीख के हमारे प्रतिवेदन के संदर्भ में है। This is the Balance Sheet referred to in our report of even date.

कृते एमएसटीसी लिमिटेड For MSTC Limited

कृते राय एंड कं.
सनदी लेखापाल
पंजीकरण सं. 313124ई

सीए एस पी बसु
साझेदार
एम नं. 050209

तारीख : 17-07-2015
स्थान : कोलकाता

For Ray & Co.
Chartered Accountants
Regn. No. 313124E

CA S P. Basu
Partner
M no. 050209

Dated : 17.07.2015
Place : Kolkata

(एस के त्रिपाठी)
अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक
(S. K. Tripathi)
Chairman-cum-Managing Director

(आर के चौधुरी)
महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा)
(R. K. Chaudhuri)
General Manager (Finance & Accounts)

(ए के बसु)
निदेशक (वित्त)
(A. K. Basu)
Director (Finance)

(सुब्रत कुमार राय)
कंपनी सचिव
(Subrata Kumar Ray)
Company Secretary

एमएसटीसी लिमिटेड MSTC LIMITED

31 मार्च 2015 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ एवं हानि का विवरण

STATEMENT OF PROFIT & LOSS FOR THE YEAR ENDED 31 MARCH, 2015

(रु. लाख में)/(₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	टिप्पणी सं. Note No.	2014-2015	2013-2014
I. परिचालन से राजस्व	I. Revenue from Operations	18	5,42,497	5,23,030
II. अन्य आय	II. Other Income	19	8,151	9,997
III. **कुल राजस्व** (I+II)	**III. Total Revenue (I + II)**		**5,50,648**	**5,33,027**
IV. **व्ययः**	IV. Expenses :			
व्यापारगत माल की खरीददारी	Purchases of Stock-in-Trade	20	5,26,674	4,89,424
स्टॉक में बदलाव	Changes in Inventories	14	(11,078)	3,770
कर्मचारी हितलाभ पर व्यय	Employee Benefits Expense	21	3,889	3,670
वित्तीय व्यय	Finance Costs	22	8,649	13,378
मूल्यह्रास एवं परिशोधन व्यय	Depreciation and Amortization Expense	9	(128)	195
अन्य व्यय	Other Expenses	23	9,495	10,649
कुल व्यय	**Total Expenses**		**5,37,501**	**5,21,086**
V. अतिविशिष्ट मद एवं कर से पूर्व लाभ (III-IV)	**V. Profit before Exceptional Items and Tax (III – IV)**		13,147	11,941
VI. अतिविशिष्ट मद	**VI. Exception Item**		–	22,678
VII. **कर पूर्व लाभ (V-VI)**	**VII. Profit before Tax (V – VI)**		13,147	(10,737)
कर व्ययः	**VIII.** Tax Expense :			
(1) चालू कर	(1) Current Tax		6,789	7,432
(2) आस्थगित कर	(2) Deferred Tax		(2,741)	(11,166)
IX. अवधि के लिए लाभ (हानि) (VII-VIII)	**IX. Profit (Loss) for the period (VII – VIII)**		**9,099**	**(7,003)**
X. प्रति इक्विटी शेयर अर्जनः	X. Earnings per Equity Share :			
(i) बेसिक	(1) Basic		103	(80)
(ii) डायलूटेड	(2) Diluted		103	(80)
महत्त्वपूर्ण लेखा नीतियां	Significant Accounting Policies	1		

संलग्न टिप्पणियां 1 से 32 वित्तीय विवरण के अभिन्न अंग हैं। The accompanying notes numbering 1 to 32 are an integral part of the Financial Statements.
यह लाभ एवं हानि विवरण सम तारीख के हमारे प्रतिवेदन के संदर्भ में है। This is the Profit & Loss Statement referred to in our report of even date.

कृते एमएसटीसी लिमिटेड For MSTC Limited

कृते राय एंड कं.
सनदी लेखापाल
पंजीकरण सं. 313124ई

सीए एस पी बसु
साझेदार
एम नं. 050209

तारीख : 17-07.2015
स्थान : कोलकाता

For Ray & Co.
Chartered Accountants
Regn. No. 313124E

CA S P. Basu
Partner
M no. 050209

Dated : 17.07.2015
Place : Kolkata

(एस के त्रिपाठी)
अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक
(S. K. Tripathi)
Chairman-cum-Managing Director

(आर के चौधुरी)
महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा)
(R. K. Chaudhuri)
General Manager (Finance & Accounts)

(ए के बसु)
निदेशक (वित्त)
(A. K. Basu)
Director (Finance)

(सुब्रत कुमार राय)
कंपनी सचिव
(Subrata Kumar Ray)
Company Secretary

31 मार्च, 2015 को समाप्त वर्ष के लिए वित्तीय विवरणों से संबंधित टिप्पणियां

1. महत्त्वपूर्ण लेखा नीतियां

1.1 लेखा का आधार

कंपनी ने अपना लेखा कंपनी अधिनियम, 2013 के संबंधित प्रावधानों के अधीन निर्धारित लेखा मानकों तथा कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुरूप साधारण रूप से स्वीकृत लेखा नीतियों ("जीएएपी") के अनुसार पारंपरिक पद्धति के अनुसार तैयार किया है।

1.2 आंकलन का उपयोग

वित्तीय विवरणों की तैयारी के लिए जरूरत है आंकलन एवं अनुमानों, जो आस्तियों और देयताओं के उल्लिखित राशि को तथा वित्तीय विवरणों की तिथि को संभावित आस्तियों और दायित्व से संबंधित उद्घोषणाओं को तथा उल्लिखित आय और व्यय की उल्लिखित राशि को प्रभावित करता है। वास्तिवक परिणाम एवं आंकलन के अंतर को उसी अवधि में स्वीकृत किया गया है, जिस अवधि में वह ज्ञात/कार्यान्वित हुआ है।

1.3 आस्तियां एवं मूल्यह्रास

स्थाई आस्तियों को योग्य मोडवैट/सेनवैट की शुद्ध लागत से संचित मूल्यह्रास एवं क्षति, यदि कोई है, को घटाकर दिखाया गया है।

लीज पर ली गई जमीन को लीज अवधि तक दिखाया गया है।

सॉफ्टवेयर को, जहां यह संभावित है कि वह भविष्य में आर्थिक लाभ देगा, पूंजी में परिणत किया गया है तथा उसे अमूर्त आस्तियां के रूप में दिखाया गया है।

स्थाई आस्तियों पर मूल्यह्रास का प्रावधान कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची II में निर्धारित प्रारूप में सीधी-रेखा विधि के आधार पर किया गया है।

1.4 निवेश

जो निवेश एक वर्ष से अधिक लिए हैं/किए जाने हैं, उन्हें दीर्घकालीन निवेश माना जाता है। निवेशों की गणना लागत के अनुसार की जाती है। लाभ-हानि को केवल बिक्री के वक्त आय/खर्च के रूप में जोड़ा जाता है। वर्तमान निवेश की लागत कम आंका जाता है तथा उचित मूल्य का निर्धारण व्यक्तिगत निवेश के आधार पर किया जाता है।

1.5 स्टॉक

मार्गस्थ सामान सहित व्यापारगत स्टॉक की मूल्य गणना उसके लागत मूल्य या अनुमानित शुद्ध उगाहीयोग्य मूल्य, दोनों में जो भी कम हो, के आधार पर की जाती है।

1.6 राजस्व गणना

राजस्व की गणना वृद्धि के आधार पर किया जाता है एवं इसमें आईसीएआई द्वारा जारी एएस-9 के प्रावधानों के अनुसार नीचे उल्लेखित मदों को छोड़कर किया जाता है जिनकी गणना वास्तविक प्राप्ति पर की जाती है, चूंकि उन वस्तुओं की वसूली अनिश्चित है।

NOTES TO FINANCIAL STATEMENTS FOR THE YEAR ENDED 31st MARCH, 2015

1. SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES

1.1 BASIS OF ACCOUNTING

The Company maintains its accounts on accrual basis following the historical cost convention in accordance with generally accepted accounting principles ["GAAP"], in compliance with the provisions of the Companies Act, 2013 and the Accounting Standards as specified under the relevant provisions of the Companies Act , 2013.

1.2 USE OF ESTIMATES

The preparation of financial statements requires estimates and assumptions to be made that affect the reported amount of assets and liabilities on the date of the financial statements and the reported amount of revenues and expenses during the reporting period. The difference between the actual results and estimates, if any, are recognised in the period in which the results are known / materialised.

1.3 ASSETS AND DEPRECIATION

Fixed Assets are stated at cost net of eligible modvat / cenvat less accumulated depreciation and impairments, if any.

Leasehold land is amortised over the lease period.

Software is capitalized where it is expected to provide future enduring economic benefits and same is shown under Intangible Assets.

Depreciation on fixed assets has been provided on Straight-line method in the manner prescribed in Schedule II of Companies Act, 2013.

1.4 INVESTMENTS

Investments held / intended to be held for a period exceeding one year are classified as long term investments and the same are stated at cost. Gains / losses on long term investments are considered as income/expenditure at the time of sale only. Current investments are stated at lower of cost and fair value determined on an individual investment basis.

1.5 INVENTORIES

Stock in trade including Material-in-transit is valued at cost or estimated net realisable value whichever is less.

1.6 REVENUE RECOGNITION

Revenue is recognized on accrual basis except in the following items which are accounted on actual realization since realizability of such items is uncertain in accordance with the provisions of AS-9 issued by ICAI.

i) निष्पादन के लिए लंबित आदेश/विवादित बकाया एवं उस पर ब्याज, यदि कोई है।

ii) अप्रतिदेय प्राप्य पर ब्याज, जहां पर वसूसी अनिश्चित है।

iii) आपूर्तिकर्त्ताओं अथवा ठेकेदारों पर परिसमापन क्षति।

iv) आयकर/विक्रय कर/वैट तथा उस पर ब्याज की वापसी

v) बीमा कंपनी द्वारा स्वीकार किए जाने पर दावा किए गए बीमा की गणना की जाती है।

vi) लाभांश पाने के अधिकार स्थापित होने पर लाभांश आय की गणना की जाती है।

क्रय

i) आयातित सामग्री को लदान-बिल की तारीख के आधार पर क्रय के रूप में लेखा में शामिल किया जाता है। जहां तक मूल्य का संबंध है, की गई खरीद को वास्तविक प्रेषण के आधार परंतु एवं जहां इस तरह का प्रेषण वित्त वर्ष के अंत तक नहीं हुआ हो, पर माल बुक किया गया हो वहां पहले से तय अग्रेषण विनिमय दरों या एफईडीएआई स्पॉट विनिमय दर अगर अग्रेषण पत्र नहीं लिया गया हो तो वित्त वर्ष के आखिरी दिन को लागू तत्कालीन विनिमय दरों पर, यथास्थिति, लेखा में सी एंड एफ/सीआईएफ के साथ दर्ज किया जाता है एवं तत्पश्चात अंतिम समायोजन अगले वित्त वर्ष में वास्तविक भुगतान पर किया जाता है।

ii) स्वदेशी सामग्री के मामले में, खरीददारी को परिवहन दस्तावेज एवं विक्रेता के चालान की तारीख के आधार पर लेखा में डाला जाता है। जहां तक मूल्य का संबंध है, चालानों पर अंकित मूल्य को ही खरीद मूल्य माना जाता है।

विक्रय

i) हाई-सी बिक्री को हाई-सी विक्रय पत्र निर्गत होने की तारीख के आधार पर लेखे में बुक किया जाता है। जहां तक लागत का संबंध है, यदि माल बुक किया गया हो तो, पहले से तय अग्रेषण-विनिमय दरों पर या अंनतिम रूप से बुक किया गया हो तो वित्त वर्ष के समापन की तारीख पर एफईडीएआई प्रचलित उपलब्ध विनिमय दरों पर, जहां अग्रेषण पत्र नहीं लिया गया है, मूल्य की गणना सी एंड एफ/सीआईएफ के साथ की जाती है तथा अंतिम समायोजन अगले वित्त वर्ष में भुगतान की तय तारीख पर कर दिया जाता है।

ii) स्वदेशी सामग्री के मामले में, की गई बिक्री को परिवहन दस्तावेज की तारीख के आधार पर तथा जहां तक मूल्य का संबंध है, चालान के मूल्य के आधार लेखा में शामिल किया जाता है। डोर डिलीवरी आधारित बिक्री के मामले में बिक्रय को बिक्रय के चालान की तारीख के आधार पर लेखा में शामिल किया जाता है।

iii) निर्यात के मामले में बिक्री को शिपमेंट की तारीख के आधार पर लेखा दर्ज किया जाता है। जहां तक मूल्यों का संबंध है, बिक्री या तयशुदा विनिमय दरों पर यदि बुक की गई है, या माल की निकासी दस्तावेज के अनुसार शिपमेंट की तारीख पर एफईडीएआई दरों में निर्यात के वास्तविक वसूली पर अंतिम समायोजन के बाद लेखे में लिया जाता है।

i) Decrees pending for execution/contested dues and interest thereon, if any.

ii) Interest on overdue recoverables where realizability is uncertain.

iii) Liquidated damages on suppliers or contractors.

iv) Refund of Income-Tax/Sales Tax/VAT and interest thereon.

v) Insurance claims are accounted for on being accepted by the Insurance Company.

vi) Dividend income is recognized when right to receive dividend is established

PURCHASES

i) Imported materials are accounted for as purchase on the basis of date of bill of lading. As regards value, purchase are booked on the basis of actual remittance and where such remittance are outstanding at the close of the year, on the basis of contracted forward exchange rates, if booked, or FEDAI spot exchange rates prevailing on the last date of the financial year, in case forward cover was not taken, as the case may be, which includes C&F / CIF price and usance interest followed by final adjustments on actual payment in subsequent financial year.

ii) In case of indigenous materials, purchases are booked on the basis of transport documents and as regards value, based on the value of invoices.

SALES

i) High sea sales are booked on the basis of date of issuance of high sea sale letter. As regards value, sales are booked either at contracted forward exchange rates, if booked, or provisionally on the basis of FEDAI spot exchange rates prevailing on the last date of the financial year, where forward cover was not taken, which includes C&F / CIF price, usance interest followed by final adjustment on due date of payment in subsequent financial year.

ii) In case of indigenous material, sales are accounted for on the basis of date of transport documents and as regards value,based on the value of invoices.In Case of sale on door delivery basis sales are booked on sales invoice dates.

iii) In case of export, sales are accounted for on the basis of date of shipment. As regards value, sales are booked either at contracted forward exchange rates, if booked, or at the FEDAI rate on the date of shipment as per custom clearance document, followed by final adjustment on actual realization of export proceeds.

सेवा शुल्क

फेसिलिटेटर मोड के माध्यम से विपणन विभाग में लेनदेन के लिए, प्रिंसिपलों की ओर से नीलामी, निविदा या अन्य विधियों से बिक्री/खरीददारी कार्य करने के कार्य के वास्ते प्राप्त पारिश्रमिक को सेवा-शुल्क के रूप में लेखा में लिया जाता है।

(क) सेवा शुल्क को तयशुदा दरों पर आय के रूप में निम्नलिखित रूप से लेखा में शामिल किया जाता है :

(i) सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, रक्षा एवं अन्य सरकारी विभागों की ओर से की गई नीलामी-बिक्री/निविदाओं के मामले में, बिक्री आदेशों/डिलीवरी आदेशों के जारी होने पर।

(ii) ई-विक्रय की संतोषजनक समाप्ति पर।

उपरोक्त (i) एवं (ii) के संबंध में ऑक्शन के बोली मूल्य पर सेवा शुल्क लेखे में लिया जाता है समायोजन के साथ, अगर है, प्रिंसिपल द्वारा वास्तविक प्रेषण के आधार पर।

(iii) कार्यक्रम होने पर, अगर कार्यक्रम के आधार पर सेवा संविदा है।

(iv) ई-प्रोक्योरमेंट के मामले में सेवा शुल्क निम्न रूप में गणना की जाती है:

पुराने संस्करण में, कार्यक्रम सम्पूर्ण होने पर, प्रिंसिपल से सेवा शुल्क संग्रहणीय है तथा नए संस्करण में बोलीदाताओं से प्राप्त रसीद पर लेन देन शुल्क लेखादेय है।

(ख) कार्यक्रम के सफलतापूर्वक संचालन पर ई प्रोक्योरमेंट लेनदेन शुल्क गणना की जाती है।

(ग) मध्यस्थ के रूप में क्रय से प्राप्त सेवा शुल्क को तयशुदा दर पर लदान बिल की/रेलवे रसीद/लॉरी रसीद की तारीख के आधार पर, यथा स्थिति, लेखा में लिया जाता है। आयातित सामग्री के लिए मूल्य-निर्धारण या तो अग्रेषण आवरणपत्र में अंकित दर या वित्तीय वर्ष के अंतिम तारीख को प्रचलित एफईडीएआई स्पॉट दर पर किया जाता है। अंतिम समायोजन वास्तविक भुगतान के आधार पर किया जाता है। स्वदेशी सामान के मामले में, मूल्य निर्धारण तयशुदा दर पर किए गए वास्तविक भुगतान के आधार पर किया जाता है।

ई-नीलामी पंजीकरण

ई-नीलामी पंजीकरण के लिए क्रेताओं से पंजीकरण शुल्क लिया जाता है। अगर पंजीयन की वैधता एक वर्ष के लिए तो इसे चालू वर्ष की आय के रूप में माना जाता है। अगर पंजीकरण आजीवन अवधि के लिए है तो पंजीयन शुल्क की प्राप्त राशि को समान रूप से पांच वर्षों में बांट दिया जाता है।

1.7 आय पर कर

i) आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधान के अनुसार गणना किए गए कर योग्य आय के आधार पर चालू कर का निर्धारण किया जाता है।

ii) आस्थिगत कर की स्वीकृति निर्भर करता है, समय के अंतर के विवेचना से एक ही अवधि के कर योग्य आय और लेखा आय के भेद पर एवं एक या अधिक अवधि में पलटने में सक्षम है।

SERVICE CHARGES

Remuneration for transaction in Marketing Department through facilitator mode and for conducting sales/procurement on behalf of Principals, by way of auctions, tenders, or any other means, are accounted for as service charges.

(a) Service charges are accounted for as income at contracted rates on:

i) Tender/Auction sale on behalf of Public Sector Undertakings, Defence and other Government Departments on issuance of sale orders / delivery orders.

ii) On satisfactory completion of e-sales.

In respect of (i) & (ii), service charges are accounted for on bid price of auction with adjustments, if any, on the basis of actual delivery by the Principals.

iii) On occurrence of event , in case of service contract on event basis.

iv) In case of E -Procurement Service charges are booked :

In old version where service charges are collectable from the Principal, on completion of event, and in the new version, transaction fees are accountable on receipt from the bidders.

(b) E Procurement transaction fees are accounted on successful conduct of event.

(c) Service charges accrued in respect of purchase as facilitator are accounted for at the contracted rate on the basis of date of bill of lading / railway receipt / lorry receipt as the case may be. For imported materials, value is ascertained either at forward cover rate or at FEDAI spot rate prevailing on the last date of the Financial Year. Final adjustment is made on actual payment. In case of indigenous materials, value is ascertained on the basis of actual payment at contracted rate.

E-AUCTION REGISTRATION

E-auction Registration fees collected from buyers is considered as income of the current year if the validity of registration is upto one year. In case of life long registration, the amount so collected is distributed in five years equally.

1.7 TAXES ON INCOME

i) Current tax is determined on the basis of taxable income computed in accordance with the provisions of the Income Tax Act, 1961.

ii) Deferred tax is recognised on timing differences between taxable and accounting income/expenditure that originates in one period and are capable of reversal in one or more subsequent period(s).

iii) आस्थिगत कर आस्तियों की आगे ले जाने वाली रकम की समीक्षा प्रत्येक तुलन पत्र की तारीख को की जाती है।

1.8 पूर्व अवधि समायोजन

भारत के सनदी लेखापाल संस्थान द्वारा जारी एएस-5 के प्रावधानों के अनुसार "पूर्व अवधि समायोजन लेखा" शीर्षक के अधीन लेखाओं में पूर्ववर्ती वर्ष से संबंधित आय/व्यय को दर्शाया गया है।

1.9 प्रावधान एवं आकस्मिक देयताएं

परिमाप में आंकलन की पर्याप्त डिग्री सम्मिलित प्रावधानों की स्वीकृति तब दी जाती है जब पूर्ववर्ती घटनाओं के परिणाम स्वरूप वर्तमान दायित्व होता है एवं ऐसी संभावना हो कि संसाधनों का बहिर्प्रवाह होगा एवं दायित्व की रकम पर एक विश्वसनीय अनुमान बयाना जा सकते। प्रत्येक तुलन पत्र की तिथि को इनकी समीक्षा की गई है तथा वर्तमान श्रेष्ठ आंकलन को प्रतिबिम्बित करने के लिए समायोजित किया गया है। आकस्मिक देयताओं, यदि है, का बर्हिप्रकाश टिप्पणियों द्वारा किया जाता है। प्रत्येक तुलन पत्र की तिथि को इनकी समीक्षा की गई है तथा प्रबंधन के वर्तमान आंकलन को प्रतिबिम्बित करने के लिए समायोजित किया गया है।

1.10 संदिग्ध ऋणों/अग्रिमों के लिए प्रावधान

साधारण तौर पर, बकाया राशि की अवधि की अपेक्षा किए बिना जहां पर वसूली की अनिश्चितता होती है संदिग्ध ऋणों/अग्रिमों के लिए प्रावधान किया जाता है।

विपणन ग्राहकों के लिए जहां पर बकाया राशि को साधारणतः बंधक स्टॉक द्वारा सुरक्षित किया जाता है, वहां उनकी वसूली के मद्देनजर प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में बकाया शेष राशि की वार्षिक समीक्षा की जाती है एवं तद्नुसार पर्याप्त प्रावधान किया जाता है।

ई-कॉमर्स ग्राहकों के लिए जिसमें मुख्य रूप से सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम तथा सरकारी विभाग शामिल होते हैं, जहां वसूली में साधारणतः अधिक समय लगता है। यद्यपि डिलीवरी आर्डरों के जारी होने पर बिल जमा किया जाता है परंतु वास्तविक रूप से डिलीवरी के समापन होने पर भुगतान किया जाता है। इस तरह के देनदारों के लिए तीन वर्षों से अधिक समय के बकाया के लिए पूरा प्रावधान किया जाता है जब तक न रकम को वसूली योग्य माना जाता है।

1.11 कर्मचारी लाभ

लघु अवधि लाभ

लघु अवधि कर्मचारी हित का लेखा उनके अनडिस्काउंटेड राशि के लिए उस वर्ष में ही किया जाता है, जिस वर्ष में सेवाएं प्रदान की गई हैं।

क) भविष्य निधि :

आयकर प्राधिकारियों द्वारा मान्यताप्राप्ता न्यास द्वारा भविष्य निधि की देखरेख की जाती है एवं इस निधि में योगदान को राजस्व के लिए प्राभारित किया जाता है। पेंशनभोगी लाभों को कर्मचारी पेंशन योजना 1995 के जरिए सुरक्षित किया जाता है।

ख) सेवा ग्रेच्युटी :

सेवा ग्रेच्युटी खाते की देयता भारतीय जीवन बीमा निगम की ग्रुप ग्रेच्युटी लाइफ एश्योरेंस स्कीम के तहत रक्षित है एवं कंपनी द्वारा इस उद्देश्य के

iii) The Carrying amount of Deferred tax assets are reviewed at each balance Sheet date.

1.8 PRIOR PERIOD ADJUSTMENT

Expenditure/Income relating to previous year is shown in the accounts under the head " Prior period adjustment account" as per the provisions of AS-5 issued by the Institute of Chartered Accountants of India.

1.9 PROVISIONS AND CONTINGENT LIABILITIES

Provisions involving substantial degree of estimation in measurement (are recognized when there is a present obligation as a result of past events and it is probable that there will be an outflow of resources and a reliable estimate can be made of the amount of the obligation. These are reviewed at each balance sheet date and adjusted to reflect the current best estimate. Contingent liabilities,if material, are disclosed by way of notes. These are reviewed at each balance sheet date and are adjusted to reflect the current estimate of management.

1.10 PROVISIONS FOR DOUBTFUL DEBTS/ADVANCES

In general, provision for doubtful debts/advances is made where there is uncertainty of realization irrespective of the period of its dues.

For Marketing customers where dues are generally secured by pledged stock, outstanding balances are reviewed annually towards the end of each financial year with respect to their realisability and accordingly adequate provisions are made in the books.

For e-Commerce customers which mainly comprise of public sector undertakings and Govt. departments, the realization normally takes more time, although bills are raised on issuing delivery orders but payments are made on completion of actual delivery. For such debtors outstanding over three years full provision is made unless the amount is considered recoverable.

1.11 EMPLOYEE BENEFITS

Short term benefits

Short term employee benefits are accounted for at their undiscounted amount in the accounting period in which the services are rendered.

a) Provident Fund :

Provident Fund is administered by a Trust recognized by Income Tax Authorities and contribution to this Fund is charged to revenue. Pensioners Benefits are secured through Employees' Pension Scheme 1995.

(b) Service Gratuity :

Liability on account of service gratuity is covered under Group Gratuity Life Assurance Scheme of Life Insurance

लिए गठित एक पृथक स्थिर न्यास के जरिए प्रबंधित किया जाता है। इस योजना में योगदान को राजस्व के लिए प्राभारित किया जाता है।

(ग) अस्पताल में दाखिला जैसी सेवानिवृत्ति के पश्चात चिकित्सा सुविधाएं इस उद्देश्य के लिए गठित एक न्यास द्वारा संचालित बीमा पॉलिसी के अंतर्गत रक्षित है। कंपनी द्वारा कोषित कॉरपोस फंड द्वारा न्यास संचालित होता है।

अवकाश प्राप्ति के पश्चात डोमिसिलीयरी चिकित्सा के लिए समय-समय पर निर्धारित अधिकार के अनुसार वास्तविक भुगतान पर चिकित्सा खर्चे लेखे में लिया गया है।

(घ) अवकाश प्राप्ति पर छुट्टियों का नकदीकरण भारतीय जीवन बीमा निगम के ग्रुप लीव इंकैशमेंट स्कीम पॉलिसी के तहत रक्षित है।

1.12 संपत्तियों की हानि

आय स्त्रोत एवं संपत्तियों की लागत पर हानि निर्धारित की गई है तथा हानि को तभी माना जाता है जब प्राप्त राशि की तुलना में मूल लागत अधिक हो। शुद्ध प्राप्त राशि अथवा वर्तमान मूल्य में जो भी अधिक है वही प्राप्य राशि है। हानि को वर्ष में लाभ एवं हानि खाते में दिखाया जाता है, जिसमें सम्पत्ति को हानि के रूप में चिन्हित किया जाता है।

1.13 विदेशी मुद्रा अंतरण

विदेशी मुद्रा में लेनदेन को या तो वादया बुकिंग दर या हाजिर दर के अनुसार लेखे में लिया जाता है, एवं जहां वर्ष के समापन के वक्त ऐसी रकम (वसूली योग्य बकाया राशि जिसकी वसूली संदिग्ध है को छोड़कर) बकाया है वहां तयशुदा वायदा विनिमय दरों पर या फिर वित्त वर्ष की आखिरी तारीख को प्रचलित हाजिर विनिमय दरों के आधार पर, यथास्थिति, लेखा में लिया जाता है, अगले वर्ष में वास्तविक भुगतान के समायोजन के साथ। निर्यात के मामले में विदेशी मुद्रा में लेनदेन को फॉरवर्ड बुकिंग दर के आधार पर अथवा कस्टम के क्लीयरेंस प्रमाणपत्र के अनुसार शिपमेंट की तारीख को हाजिर दर पर रिकॉर्ड किया जाता है और वर्ष के अंत में अगर इस तरह की राशि बकाया है तो अगले वर्ष निर्यात के लिए वास्तविक रूप से मिली राशि का समायोजन किया जाता है।

स्पॉट दर एफईडीएआई दरों के अनुसार होती है। ग्राहकों के साथ किए गए अनुबंध के अनुसार विदेशी मुद्रा में उतार-चढ़ाव के कारण होने वाले अंतर का वहन ग्राहकों को करना होगा। विदेशी मुद्रा के लाभ/हानि को कंपनी के खाते में नहीं दिखाया जाता है।

1.14 कर्ज की लागत

(i) अधिग्रहण और विशेष आस्तियों के निर्माण के लिए ली गई निधि का पूंजीकरण उस आस्तियों को इस्तेमाल करने की तिथि तक तथा (ii) अन्य उद्देश्यों से ली गयी निधि से संबंधित ऋण लागत को लाभ एवं हानि लेखा में दिखाया गया है।

1.15 खंडावर रिपोर्टिंग

एएस-17 के नियमों के अनुसार कंपनी के पास विपणन एवं ई-कॉमर्स दो प्राथमिक रिपोर्ट करने योग्य व्यवसायिक खंड हैं। कोई भी सेकेंडरी खंड नहीं है।

Corporation of India and is administered through a separate irrevocable trust created by the Company for this purpose. Contribution to the scheme is charged to revenue.

(c) Post Retirement medical benefit for hospitalistion is covered by Insurance Policy administered by a trust formed for the purpose. The trust is managed with the corpus funded once by the Company.

Medical expenses on account of post retirement domiciliary treatment are reimbursed by the said trust as per entitlement fixed from time to time.

(d) Leave Encashment on retirement are covered by Group Leave Encashment Scheme Policy of Life Insurance Corporation of India.

1.12 IMPAIRMENT OF ASSETS

Impairment of cash generating units / assets is ascertained and considered where the carrying cost exceeds the recoverable amount being the higher of net realisable amount and value in use. An impairment loss is charged to the profit & loss account in the year in which an asset is identified as impaired.

1.13 FOREIGN CURRENCY TRANSLATION

Transaction in foreign currency are recorded either on forward booking rate or on spot rate and where such remittance are outstanding at the close of the year (except for overdue recoverables where realisability is uncertain), on the basis of contracted forward exchange rates or spot exchange rates prevailing on the last date of the financial year, as the case may be,with an adjustment on actual remittance in subsequent year. In case of export, transaction in foreign currency are recorded either on forward booking rate or on spot rate on shipment date as per custom clearance document and where such remittance are outstanding at the close of the year, it is adjusted in the subsequent year on actual realization of export proceeds.

The spot rate is as per FEDAI rates. Wherever foreign exchange fluctuations are to be borne by the customers as per agreement with them, foreign exchange gain/ loss are not recognized in the books of the Company.

1.14 BORROWING COST

Borrowing Cost relating to (i) funds borrowed for acquisition/construction of qualifying assets are capitalized upto the dates the assets are put to use, and (ii) funds borrowed for other purposes are charged to Profit & Loss Account.

1.15 SEGMENT REPORTING

In terms of AS-17 the Company has identified Marketing and E-Commerce as its two Primary Reportable Business Segments. There is no Secondary Segment.

टिप्पणी 2 : शेयर पूंजी

Note 2 : Share Capital

(₹ in Lacs) / (रु. लाख में)

शेयर पूंजी Share Capital		31 मार्च, 2015 को As at 31 March 2015 संख्या Number	₹	31 मार्च, 2014 को As at 31 March 2014 संख्या Number	₹
प्राधिकृत प्रत्येक रु. 10/- के इक्विटी शेयर	**Authorised** Equity Shares of ₹10/- each	5,00,00,000	5,000	5,00,00,000	5,000
जारी, अभिदत्त एवं पूर्णतः प्रदत्त प्रत्येक रु. 10/- के इक्विटी शेयर	**Issued, Subscribed & fully Paid up** Equity Shares of ₹ 10/- each	88,00,000	880	88,00,000	880
कुल	**Total**	**88,00,000**	**880**	**88,00,000**	**880**

टिप्पणी 2(ए) : प्रतिवेदित अवधि के आरम्भ और समाप्ति पर बकाया शेयरों की संख्या के मिलान का प्राधिकृत विवरण

Note 2(a) : Reconciliation of the number of shares outstanding at the beginning and at the end of the reporting period :

विवरण Particulars		31 मार्च, 2015 को As at 31 March 2015 संख्या Number	₹	31 मार्च, 2014 को As at 31 March 2014 संख्या Number	₹
वर्ष के आरम्भ में बकाया शेयर	Shares outstanding at the beginning of the year	88,00,000	880	22,00,000	220
वर्ष की समाप्ति पर बकाया शेयर	Shares outstanding at the end of the year	88,00,000	880	88,00,000	880

टिप्पणी 2 (बी) : कंपनी में केवल एक ही श्रेणी का सामान्य शेयर (ईक्विटी शेयर) है, जिसकी कीमत प्रति शेयर रु. 10/- है। सामान्य शेयर (ईक्विटी शेयर) के प्रत्येक धारक प्रति शेयर के लिए एक वोट के हकदार और लाभांश के हकदार हैं तथा बंद किए जाने की स्थिति में अधिशेष यदि है, के भागीदार हैं।

Note 2(b) : The Company has only one class of ordinary shares ('Equity Shares') having a par value of ₹10 each. Each holder of ordinary shares ('Equity Shareholders') is entitled to one vote per share and are entitled to dividend and to participate in surplus, if any, in the event of winding up.

टिप्पणी 2 (सी) : कंपनी के शेयरों की कुल मात्रा का 5 प्रतिशत से ज्यादा शेयर रखने वाले शेयर धारक:

Note 2(c) : Shares in the company held by each shareholder holding more than 5 percent shares:

शेयरधारक का नाम Name of Shareholder		31 मार्च, 2015 को As at 31 March 2015 धारित शेयरों की संख्या No. of Shares held	धारण का % प्रतिशत % of Holding	31 मार्च, 2014 को As at 31 March 2014 धारित शेयरों की संख्या No. of Shares held	धारण का % प्रतिशत % of Holding
भारत के राष्ट्रपति	President of India	79,06,400	89.85%	79,06,400	89.85%

टिप्पणी 2(डी) : वर्ष 2012-13 के दौरान 3:1 के अनुपात में 66,00,000 बोनस शेयरों को जारी किया गया।

Note 2(d) : 66,00,000 bonus shares has been issued during Financial Year 2012-13 in the ratio of 3:1.

टिप्पणी 3 : आरक्षित एवं अधिशेष :

Note 3 : Reserves and Surplus :

(रु. लाख में)/(₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	31 मार्च 31 March 2015	31 मार्च 31 March 2014
ए. सामान्य आरक्षित	**a. General Reserve**		
आरम्भिक जमा	Opening Balance	61,721	68717
(+/–) वर्तमान वर्ष का अंतरण	(+/–) Current Year Transfer	6,906	(7003)
(-) दिनांक 1.4.14 को इस्तेमाल योग्य जीवन काल समाप्त होने वाली सम्पत्तियों पर शेष मूल्यह्रास	(-) Balance depreciation on assets whose useful life is over as on 1.4.14	(84)	0
(+) रिटेन बैक डीडीटी के लिए अतिरिक्त प्रावधान	(+) Excess provision for DDT written back	0	7
अंतिम शेष	**Closing Balance**	**68,543**	**61721**
बी. अधिशेष	**b. Surplus**		
आरम्भिक जमा	Opening balance	–	–
चालू वर्ष के लिए (+) शुद्ध लाभ/शुद्ध हानि	(+) Net Profit/(Net Loss) For the current year	9,099	(7003)
(-) प्रस्तावित लाभांश	(-) Proposed Dividends	1,822	
(-) लाभांश वितरण कर	(-) Dividend Distribution Tax	371	
(-) आरक्षित में अंतरण	(-) Transfer to Reserves	6,906	(7003)
अंतिम शेष	Closing Balance	–	–
कुल	**Total**	**68,543**	**61,721**

टिप्पणी 4: अन्य दीर्घावधि देयताएं

Note 4 : Other Long Term Liabilities:

विवरण	Particulars	31 मार्च 31 March 2015	31 मार्च 31 March 2014
(ए) व्यापारगत देय	(a) Trade Payable	2	2
(बी) ई-नीलामी पंजीकरण से अग्रिम प्राप्त आय	(b) Income received in advance - E auction Registration	291	286
(सी) कर्मचारी हित के लिए देयताएं	(c) Liability for staff benefit	198	123
(डी) ग्राहकों से जमा	(d) Deposit from customers	424	259
(ई) अन्य	(e) Others	26	26
कुल	**Total**	**941**	**696**

दिनांक 31.03.2015 को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों से कोई भी बकाया नहीं हैं (पिछला वर्ष कुछ नहीं)।

There are no outstanding with Micro, Small and Medium Enterprises as at 31.03.15.(Perevious year Nil).

टिप्पणी 5 : अल्पावधि कर्ज :

Note 5 : Short Term Borrowings :

विवरण	Particulars	31 मार्च 31 March 2015	31 मार्च 31 March 2014
प्रतिभूत	**Secured**		
मांग पर ऋण प्रतिदेय	**Loans repayable on demand**		
बैंकों से (मियादी जमा रसीद पर लियेन द्वारा प्रतिभूत रु. 71,326 लाख, गत वर्ष रु. 76,354 लाख)	From Banks (Secured by lien on FDR ₹ 71326 Lacs, Previous year ₹ 76,354 Lacs)	41,786	31,570
कार्यशील पूंजी ऋण (चालू आस्तियों के बदले में प्रतिभूत) टिप्पणी (ए)	Working Capital loan (Secured against Current Assets) Note(a)	42,441	40,232
		84,227	71,802
अप्रतिभूत	**Unsecured**		
मांग पर ऋण प्रतिदेय	**Loans repayable on demand**		
बैंकों से टिप्पणी (बी)	From Bank Note(b)	24,362	14,416
		24,362	14,416
कुल	**Total**	**1,08,589**	**86,218**

उपरोक्त में शामिल है :

क) इंडियन ओवरसिज बैंक (आईओबी) से ऋण राशि रु. 138 लाख (दिनांक 19.9.2011 से पड़ा हुआ)

यह राशि बैंक अपने दावे की प्रतिरक्षा के लिए कानूनी कार्यवाही शुल्क के रूप में भुगतान किया है। यह कंपनी इसका बैंक के समक्ष प्रतिवाद कर रही है। इसके अतिरिक्त एमएसटीसी ने माननीय कोलकाता उच्च न्यायालय के पास आईओबी के विरुद्ध रु. 3656 लाख (जिसमें रु. 2798 लाख एलसी मूल्य डेबिट हेतु एवं रु. 858 लाख कानूनी खर्च के लिए डेबिट शामिल है) के लिए मामला दायर किया है।

ख) स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक से रु. 14362 लाख का ऋण :

वित्तीय वर्ष 2008-09 के दौरान स्वर्ण आभूषण के निर्यात का कुल प्राप्य रु. 63821 लाख में से स्टैंडर्ड चार्डर्ड बैंक (एससीबी) ने रिसिवल परचेज एग्रीमेंट के तहत रु. 18466 लाख का प्राप्य खरीदा था। इस खाते में बकाया राशि रु. 16916 लाख के तहत, एससीबी ने रु. 2500 लाख एवं रु. 54 लाख का समायोजन किया तथा दिनांक 31.3.2015 को बकाया शेष राशि रु. 14362 लाख है। एससीबी ने विदेशी ग्राहकों से इस राशि को डेबिट किया एवं प्रारंभिक रूप से प्रत्येक ग्राहकों के लेखे के विरुद्ध एमएसटीसी में क्रेडिट किया है एवं ग्राहकों से प्राप्त भुगतान डेबिट के विरुद्ध है। वर्ष 2009 में इन सभी भुगतान की देय तिथि समाप्त हो चुकी है। चूंकि तब से ग्राहकों से भुगतान नहीं आ रहा था, मार्च, 2012 में एससीबी ने कुल शेष को बकाया बीजक में अंतरण किया है। ब्याज सहित कुल रु.19,158 लाख एमएसटीसी का ऋण है एवं एमएसटीसी के विरुद्ध डीआरटी, मुंबई में मामला दर्ज किया है। एससीबी ने खरीदारों द्वारा भुगतान करने में असमर्थ होने के लिए आईसीआईसीआई लॉम्बार्ड के साथ प्राप्य क्रय करार के तहत उनके द्वारा कुल खरीदी गई राशि के तहत बीमा किया है। हालांकि, एससीबी ने तदुपरांत बीमा कंपनी आईसीआईसीआई लॉम्बार्ड के विरुद्ध बम्बई उच्च न्यायालय में मामला दायर किया है।

उनके दावे को इंकार किए जाने से संबंधित मामला उच्च न्यायालय में लंबित है। आईसीआईसीआई लॉम्बार्ड के विरुद्ध मामला दर्ज करने के बदले एससीबी ने पहले अवैध रूप से बकाया को एससीबी के पास एमएसटीसी के ऋण में अंतरण किया है और जैसे कि ऊपर में बताया गया है कि एमएससीटी के विरुद्ध डीआरटी में प्रक्रिया किया है। एमएसटीसी ने इसको डीआरटी में आपत्ति की एवं आईसीआईसीआई लॉम्बार्ड एवं एससीबी के विरुद्ध अलीपुर कोर्ट में मामला दर्ज किया है कि उनके प्राप्य को एससीबी द्वारा ऋण में परिवर्तन करने की रोकथाम में तथा एससीबी को बीमाकर्त्ता से उनके दावे को प्राप्त करने के लिए लगे रहना चाहिए।

कंपनी ने इसके बुक में एससबी के रु. 27760 लाख के कुल दावे के विरुद्ध ब्याज सहित रु. 22251 लाख देयताओं में दर्शाया है। रु. 5509 लाख शेष दावे को आकस्मिक देयताओं में दर्शाया गया है, कानूनी मामले का निर्णय लंबित है।

Above includes :

a) Loan from Indian Overseas Bank (IOB) amounting to ₹ 138 lacs: (lying since 19.9.2011)

This amount represents legal fees paid by the bank in defending their claims to which the Company has lodged its protest with the Bank. MSTC has filed a case in Hon'ble High Court of Calcutta against IOB for ₹ 3656 lacs (which includes ₹ 2798 lacs towards debit of LC value & ₹ 858 lacs as debit towards legal expenses).

b) Loan from Standard Chartered Bank of ₹ 14362 lacs :

Out of the total export of ₹ 63821 lacs on account of export of gold jewellery during FY 2008-09, Standard Chartered Bank (SCB) had purchased receivables amounting to ₹ 18466 lacs under a Receivable Purchase Agreement. Against amount outstanding ₹ 16916 lacs on this account, SCB has adjusted ₹ 2500 lacs and ₹ 54 lacs,balance amount of ₹ 14362 lacs remains outstanding as on 31.3.2015. SCB had debited this amount to the foreign buyer and credited the amount to MSTC against each individual buyer's account initially and set off the payments received from the buyers against the debit. The due dates of all these payments expired by 2009. As payments were not forthcoming from the buyers since then, in March 2012, SCB converted the total balance against the outstanding invoices including interest aggregating to ₹ 19158 lacs into debt of MSTC and filed a case against MSTC in DRT, Mumbai. SCB had also insured the total amount purchased by them against the Receivable Purchase Agreement with ICICI Lombard for default in payment by the buyers. SCB has subsequently filed a suit against ICICI Lombard, the Insurance Co. in hon'ble Bombay.

High Court for repudiation of their claim which is pending. Instead of initiating a legal case against ICICI Lombard, SCB first illegally converted the outstanding as debt of MSTC to SCB and proceeded in DRT against MSTC as stated above. MSTC challenged this in DRT and also filed a case against SCB and ICICI Lombard in Alipore Court to stop giving effect of converting their receivables into debt by SCB and also that SCB should pursue its claim with the insurer.

Against the total claim of ₹ 27760 lacs of SCB, the Company has already shown as liability in its books for ₹ 22251 lacs inclusive of interest. Balance claim of ₹ 5509 lacs has been shown as contingent liability, pending the outcome of the legal cases.

टिप्पणी 6 : व्यापारगत देयताएं :

Note 6 : Trade Payables :

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

	विवरण Particulars	31 मार्च, 2015 31 March 2015	31 मार्च, 2014 31 March 2014
व्यापारगत देय	Trade Payables	300604	318547
कुल	**Total**	**300604**	**318547**

दिनांक 31.03.2015 तक (पिछला वर्ष कुछ नहीं) ऐसा कोई भी माइक्रो, छोटे एवं मझले इंटरप्राइजेज के पास कोई राशि बकाया नहीं है।

There are no outstanding with Micro, Small and Medium Enterprises as at 31.03.15 (Previous year Nil).

टिप्पणी 7 : अन्य चालू देयताएं :

Note 7 : Other Current Liabilities :

विवरण	Particulars	31 मार्च 31 March 2015	31 मार्च 31 March 2014
(ए) ब्याज प्रद्भूत लेकिन उधार पर देय नहीं	(a) Interest accrued but not due on borrowings	7889	7889
(बी) ब्याज प्रद्भूत एवं उधार पर देय	(b) Interest accrued and due on borrowings	101	–
(सी) ई-नीलामी पंजीकरण से अग्रिम आय प्राप्ति	(c) Income received in advance - E auction Registration	206	204
(डी) अप्रदत्त लाभांश	(d) Unpaid dividends	59	68
(ई) अन्य देय	(e) Other payables		
i) लेखा परीक्षकों का पारिश्रमिक	i) Auditor's Remuneration	5	4
ii) देय बिक्री कर	ii) Sales Tax Payable	1758	273
iii) देय टीडीएस	iii) TDS Payable	630	547
iv) पार्टियों से अग्रिम	iv) Advance from parties	434	269
v) ईएमडी/सुरक्षा जमा	v) EMD/Security Deposit	76070	41316
vi) अन्य*	vi) Others*	3270	1485
कुल	**Total**	**90422**	**52055**

* पार्टियों से प्राप्त की गई राशि, बकाया खर्चे आदि शामिल हैं।

* Includes amount received from Parties, Outstanding Expenses etc.

टिप्पणी 8 : अल्पावधि प्रावधान :

Note 8 : Short Term Provisions :

विवरण	Particulars	31 मार्च 31 March 2015	31 मार्च 31 March 2014
(ए) कर्मचारी हित के लिए प्रावधान	**(a) Provision for employee benefits**	1871	1521
(बी) अन्य-	**(b) Others -**		
i) लाभांश पर कर के लिए प्रावधान	i) Provision for Tax on Dividend	371	–
ii) प्रस्तावित लाभांश	ii) Proposed Dividend	1822	–
कुल	**Total**	**4064**	**1521**

टिप्पणी 9 : अचल सम्पत्तियां
Note 9 : Fixed Assets

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

अचल सम्पत्तियाँ / Fixed Asset	सकल सम्पत्ति / Gross Block			संचित मूल्यह्रास / Accumulated Depreciation				शुद्ध सम्पत्ति / Net Block	
	1 अप्रैल 2014 को शेष Balance as at 1 April 2014	जोड़/ (निपटान) Addition/ (Disposals)	31 मार्च 2015 को शेष Balance as at 31 March 2015	1 अप्रैल 2014 को शेष Balance as at 1 April 2014	वर्ष के लिए मूल्यह्रास Depreciation for the year	निपटान समायोजन Disposals Adjustments	31 मार्च 2015 को शेष Balance as at 31 March 2015	31 मार्च 2015 को शेष Balance as at 31 March 2015	31 मार्च 2014 को शेष Balance as at 31 March 2014
गैर भौतिक सम्पत्तियां Intangible Asset									
ई-कॉमर्स एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर e-Commerce Application Software	0	0	0	0	0	0	0	0	0
भौतिक सम्पत्तियां Tangible Assets									
पट्टे वाली भूमि एवं बिल्डिंग Leasehold Land & Buildings	1258	27	1285	170	62	0	232	1053	1088
कंपनी के फ्लैट्स Company Flats	170	1	171	120	(54)	0	66	105	50
एयर कंडीशनर एवं वाटर कूलर Air Conditioner & Water Cooler	75	2	77	48	(12)	4	40	37	27
फर्निचर एवं फिक्सचर Furniture and Fixtures	324	2	326	226	(29)	10	207	119	98
कार्यालय के साज-सामान Office equipments	190	(3)	187	133	(11)	45	167	20	57
पार्टिशन एवं क्यूबिकल्स Partition & Cubicles	235	21	256	170	(15)	0	155	101	65
मोटर वाहन Motor vehicles	16	0	16	7	(1)	0	6	10	9
ईडीपी EDP equipments	768	(74)	694	624	(54)	(70)	500	194	144
कुल Total	**3036**	**(24)**	**3012**	**1498**	**(114)**	**(11)**	**1373**	**1639**	**1538**
विगत वर्ष Previous Year	3003	33	3036	1307	195	(4)	1498	1538	1696
पूंजी डब्ल्यूआईपी Capital WIP	84	(84)	0					0	84
विगत वर्ष Previous Year	34	50	84					84	

(ए) : पट्टेवाली भूमि एवं भवन का परिशोधन 2010-11 से प्रारंभ हुआ, जो भूमि एवं भवन के उपयोग पर पट्टे की शेष अवधि तक चलेगा।

(बी) : कंपनी ने बेहतर प्रस्तुति के लिए मूल्य ह्रास मूल्य पद्धति को सीधी रेखा पद्धति में स्थानांतरित कर मूल्यह्रास से संबंधित अपनी नीति में बदलाव किया है, जिसकी वजह से समेकित मूल्यह्रास में रु.359 लाख की कमी आई है।

(सी) : कंपनी अधिनियम 2013 के अध्यादेश के अनुपालन के तहत कंपनी ने उक्त अधिनियम की अनुसूची II में किए गए निर्धारण के अनुसार अनुमानित उपयोगी जीवनकाल का प्रयोग किया है। फलस्वरूप, सम्पत्तियां, जिनकी उपयोगी जीवन काल दिनांक 01.04.2014 को समाप्त हो चुकी है, की आगे ले जाने वाली राशि (कुल अवशिष्ट मूल्य) को रु. 84 लाख तक आरक्षित एवं अधिशेष रकम के तहत समायोजित किया गया है।

(डी) : मूल्यह्रास में पट्टाधारी जमीन एवं भवनों पर पिछले वर्ष से संबंधित रु. 14 लाख शामिल है, जिसे पूर्व अवधि मदों के रूप में दर्शाया गया है (टिप्पणी सं. 23)। शेष राशि को वर्तमान वर्ष हेतु मूल्यह्रास राशि के रूप में दिखाया गया है।

(ई) : अमूर्त सम्पत्तियों के अंतर्गत दर्शाया गया ई-कॉमर्स अप्लीकेशन सॉफ्टवेयर घरेलू रूप से विकसित सॉफ्टवेयर अप्लीकेशन के दर्शाता है, जिसके लिए लागत का निर्धारण नहीं किया जा सका है।

(एफ) : ऑटो श्रेडिंग प्लांट के कार्यान्वयन में अनिश्चितता होने की वजह से सीडब्ल्यूआईपी के तहत दर्शाया गया एवं डीपीआर इत्यादि की तैयारी के तहत किए गए खर्च को बंद खाते में डाल दिया गया है।

(a) : Amortisation of leasehold land and building has started w.e.f. 2010-11 on use of land and building over the remaining period of lease.

(b) : The company has changed its policy regarding depreciation by shifting from written down value method to straight line method for better representation, due to which accumulated depreciation has been reduced by ₹ 359 lacs.

(c) : Pursuant to enactment of the Companiies Act 2013, the company has applied the estimated useful lives as specified in Schedule II of the said Act. Accordingly, the carrying amount (net of residual value) of the assets, whose useful life has expired as at 01.04.2014 have been adjusted against the Reserves & Surplus amounting to ₹ 84 lacs.

(d) : The depreciation amount consists of ₹ 14 lacs pertaining to prior years on leasehold land & buildings which has been disclosed as prior period items (Note no. 23). Balance amount has been shown as depreciation for current year.

(e) : e-Commerce application software shown under intangible assets represents software application developed in house for which cost couldnot be ascertained.

(f) : Due to uncertainity in implementation of auto shredding plant,the expenditure incurred towards preparation of DPR etc.and shown under CWIP have been written off.

टिप्पणी 10 : गैर-पारंपरिक निवेश :

Note 10 : Non- Current Investment :

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

	विवरण Particulars	31 मार्च 31 March 2015	31 मार्च 31 March 2014
व्यापार निवेश (निम्नांकित संदर्भ में)	**Trade Investments (Refer below)**		
इक्विटी इंस्ट्रूमेंट में निवेश	Investment in Equity instruments	1581	1581
कुल	**Total**	**1581**	**1581**

व्यापार निवेश का विवरण

Details of Trade Investments

कारपोरेट बॉडी का नाम Name of the Body Corporate	शेयरों की सं. No. of Shares		रकम (रु लाख में) Amount (₹ in lacs)		क्या लागत बताया गया है Whether stated at Cost
	2015	2014	2015	2014	
पूर्ण प्रदत्त, अनकोटेड, पूर्ण निजी सहायक कंपनी के इक्विटी शेयर में निवेश Investement in Equity Shares of Wholly Owned Subsidiary Company, Unquoted, Fully paid up					
फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड (अंकित मूल्य रु. 1000/- प्रत्येक) Ferro Scrap Nigam Limited Face Value ₹1000/- each)	20000	20000	1581	1581	हां Yes
कुल / Total			**1581**	**1581**	

टिप्पणी 11 : आस्थिगत कर परिसंपत्तियों (देयताओं) निम्न हैं : (रु. लाख में)

Note 11 : Deferred Tax Assets/(Liabilities) are as under: (₹ in lacs) :

विवरण	Particulars	31.03.2014 को As on 31.03.2014	वर्ष के लिए प्रभावी कर / Tax effect for the year	31.03.2015 को As on 31.03.2015
संदिग्ध व्यापारगत प्राप्य के लिए प्रावधान	Provision for Doubtful Trade Receivables	12262	2777	15039
अन्य व्यय 40(ए), 43बी के तहत प्रावधान	Provision against other expenses 40(a), 43B	1258	23	1281
मूल्यह्रास में अंतर	Difference in depreciation	(13)	(59)	(72)
	कुल / Total	**13507**	**2741**	**16248**

टिप्पणी 12 : दीर्घावधि ऋण एवं अग्रिम :

Note 12 : Long Term Loans and Advances :

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	31 मार्च 31 March 2015	31 मार्च 31 March 2014
ए. जमा	**a. Deposits**		
अनारक्षित असंदेहात्मक*	Unsecured, considered good *	671	662
बी. अन्य ऋण एवं अग्रिम	**b. Other loans and advances**		
प्रतिभूत, असंदेहात्मक - कर्मचारी अग्रिम	Secured, considered good - Staff advances	508	453
आयकर एवं टीडीएस का अग्रिम भुगतान (शुद्ध प्रावधान)	Advance Payment of Income Tax & TDS (net of provisions)	690	153
अनारक्षित, असंदेहात्मक - पार्टी को अग्रिम	Unsecured, considered good - Advance to parties	6	13
कुल	**Total**	**1875**	**1281**

* केएमपी से बकाया राशि रु. 1 लाख (पिछले वर्ष रु. 2 लाख)

* बिक्री कर प्राधिकरण के पास जमा रु. 478 लाख (रु. 463 लाख) शामिल है। यह जमा उनके द्वारा उठाए गए दावे के विरुद्ध है। लेकिन कंपनी ने इसका विरोध किया है।

* Amount due from KMP ₹ 1 lac (Previous year ₹ 2 lac)

* Includes ₹ 478 lac (₹ 463 lac) deposit with Sales Tax Authorities against demand raised by them which have been contested by the Company.

टिप्पणी 13 : अन्य गैर-वर्तमान परिसंपत्तियां :

Note 13 : Other Non-Current Assets :

विवरण	Particulars	31 मार्च 31 March 2015	31 मार्च 31 March 2014
सुरक्षित, अच्छा माने जाने वाला - कर्मचारी ऋणों पर बकाया ब्याज	Secured, considered good – Interest due on employee loans	7	10
असुरक्षित, अच्छा माने जाने वाला - पूर्वदत्त व्यय	Unsecured, considered good – prepaid expenses	37	92
कुल	**Total**	**44**	**102**

टिप्पणी 14 : स्टॉक :

Note 14 : Inventories :

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	31 मार्च 31 March 2015	31 मार्च 31 March 2014
भंडारगत-माल (लागत मूल्य)	Stock-in-trade (Valued at cost)		
मार्गस्थ सामग्री	Goods-in transit		
प्रारम्भिक शेष	Opening Balance	3605	7375
(–) अंतिम शेष	(–) Closing Balance	14683	3605
स्टॉक में बदलाव	**Changes in Inventories**	**(11078)**	**3770**

टिप्पणी 15 : व्यापार प्राप्य :

Note 15 : Trade Receivables :

विवरण	Particulars	31 मार्च 31 March 2015	31 मार्च 31 March 2014
भुगतान की देय तिथि से छह महीने से ज्यादा अवधि के लिए बकाया व्यापार प्राप्त	Trade receivables outstanding for a period exceeding six months from the date they are due for payment		
प्रतिभूत, असंदेहात्मक	Secured, considered good	109982	73180
अनारक्षित, असंदेहात्मक	Unsecured, considered good	76968	66964
अनारक्षित, संदेहात्मक	Unsecured, considered doubtful	43454	36074
घटाएं : संदेहात्मक ऋण के लिए प्रावधान	Less: Provision for doubtful debts	43454	36074
		186950	140144
भुगतान की देय तिथि से छह महीने कम अवधि के लिए बकाया व्यापार प्राप्त	Trade receivables outstanding for a period less than six months from the date they are due for payment		
प्रतिभूत, असंदेहात्मक	Secured, considered good	216954	241316
अनारक्षित, असंदेहात्मक	Unsecured, considered good	1787	1537
		218741	242853
कुल	**Total**	**405691**	**382997**

15 (ए) : 31.03.2015 को वर्ष समाप्ति पर अप्राप्त निर्यात ऋण यूएस डॉलर 137,498,823.73 (वित्तीय वर्ष 2008-09 के दौरान रु. 59863 लाख के बराबर) था, इतना ही वित्त वर्ष की शुरुआत में था। वित्त वर्ष के अंतिम दिन पर व्याप्त विनिमय दर (यूएसडी 1 = रु. 62.50) को लेते हुए ऋण का वर्षांत शेष रु. 26074 लाख बढ़ कर रु. 85937 लाख हो गया होता तथा लेनदारी में रु. 25683 लाख का इजाफा होता। इस खाते में अनुमानित रु. 391 लाख की आय होती जिसमें स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक द्वारा क्रय किए गए प्राप्यों के खाते में रु. 111 लाख शामिल है। लेखा नीति की पैरा 1.13 के तहत विचाराधीन होने के चलते बकाया राशि की वसूली में अनिश्चितता के कारण शुद्ध लाभ रु. 280 लाख का लेखा नहीं किया गया है।

15 (बी) : वित्त वर्ष 2008-09 में कुल निर्यात राशि यूएस डॉलर 146,971,624.00 (रु. 63821 लाख के बराबर) में से 31.03.2014 को बकाया राशि यूएसडी 137,498,823.73 (रु. 82832 लाख के बराबर) था एवं इस वर्ष के लिए लेखाबंद तारीख यानी 31.03.2015 को वही है। (दिनांक 31.03.2015 को व्याप्त विनिमय दर यूएसडी 1 = रु. 6.50 में रु. 85937 लाख के बराबर है)। ईसीजीसी के पास रु. 45075 लाख का दावा किया गया है। इसी प्रकार स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक ने आईसीआईसीआई लॉम्बर्ड जनरल इंश्योरेंस कंपनी के पास यूएसडी 36762828.14 (वित्त वर्ष के अंतिम दिन व्याप्त विनिमय दर यूएसडी 1 = रु. 62.50 में रु. 22976 लाख के बराबर है)। निर्दिष्ट इंश्योरेंस कंपनी द्वारा दोनों दावाएं इंकार कर दिए गए हैं। एमएसटीसी ने क्रेताओं के ऋण के लिए ईसीजीसी द्वारा बीमाकृत क्रेताओं के लिए ईसीजीसी के विरुद्ध 36 मामले राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग, दिल्ली (एनसीडीआरसी) के पास आरम्भ किए हैं। राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग, दिल्ली (एनसीडीआरसी) द्वारा दिनांक 16.4.2014 को दिए गए आदेश के अनुसार मामले को सिविल कोर्ट अथवा अन्य उपयुक्त फोरम में जाने को कहा गया है। एमएसटीसी ने इस आदेश के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय में एक अपील दायर की है। मामल अब भी न्यायालय के अधीन लंबित है। एमएसटीसी ने यूएई, सिंगापुर एवं कुवैत में विदेशी क्रेताओं के विरुद्ध 46 कानूनी मामले दायर किए हैं। एमएसटीसी के पक्ष में 46 निर्णय दिए गए हैं, जिसके लिए उक्त अदालतों को निष्पादन के लिए आग्रह किया गया है।

एशोसिएट्स सप्लायर्स द्वारा नामित विदेशी क्रेताओं के बकाया भुगतान की क्षतिपूर्ति के लिए सभी छह एशोसिएट सप्लायर्स के विरुद्ध पंचाट कार्रवाही भी जारी है। बाद में ईसीजीसी एवं आईसीआईसीआई लॉम्बार्ड जनरल इंश्योरेंस कंपनी द्वारा अनुमोदित है। तीन मामले में, एमएसटीसी के पक्ष में अवार्ड मिला है, जो निष्पादन की प्रक्रिया में है।

एशोसिएट्स में से एक मेसर्स उस्मा ज्वेलरी एण्ड पैकेजिंग एक्सपोर्ट्स (प्रा.) लि. ने रु. 12400 लाख (सरकार पंजीकृत मूल्यांनकर्त्ता द्वारा वर्ष 2014 में मूल्यांकन) मूल्य का स्थावर संपत्ति गिरवी रखा है। उक्त गिरवी संपत्ति के विक्रय/हस्तांतरण के लिए मुंबई उच्च न्यायालय में रिट याचिका दायर की गई है। सीबीआई एवं ईडी विषय की जांच कर रहे हैं तथा रु. 24040 लाख (रु. 12400 लाख मूल्य

15 (a) : At the year end 31.03.2015 unrealized export debtors remains USD 137498823.73 (equivalent to ₹ 59863 lacs during the FY 2008-09) which were the same as were at the beginning of the financial year. Considering the exchange rate (i.e. USD 1 = ₹ 62.50) prevailing on the last day of the financial year, the closing balance of debtors would have been increased by ₹ 26074 lacs to ₹ 85937 lacs and the creditors would have increased by ₹ 25683 lacs. There would have been a notional gain of ₹ 391 lacs on this account which includes an amount of ₹ 111 lacs on account of receivables purchased by Standard Chartered Bank. The net gain of ₹ 280 lacs has not been accounted for due to uncertainty in realisation of the dues in terms of para 1.13 of accounting policy. This is also sub-judice.

15 (b) : Out of total export of USD 146971624.00 (equivalent to ₹ 63821 lacs) during the financial year 2008-09, there was an outstanding balance of USD 137498823.73 (equivalent to ₹ 82832 lacs) as on 31.3.2014 and the same is continued for this year on closing date i.e 31.3.2015 (equivalent to ₹ 85937 lacs at the exchange rate of USD 1 = ₹ 62.50 prevailing on 31.03.2015). Claims have been lodged with ECGC for ₹ 45075 lacs. Similarly Standard Chartered Bank has also lodged claims with ICICI Lombard General Insurance Company for USD 36762828.14 (equivalent to ₹ 22976 lacs considering the exchange rate as USD 1 = ₹ 62.50 prevailing on the last day of the financial year). Both the claims have been repudiated by the respective Insurance Companies. MSTC has initiated 36 cases against ECGC for the dues against buyers insured by them with National Consumer Disputes Redressal Commission (NCDRC), Delhi. National Consumer Disputes Redressal Commission (NCDRC) by an order dated 16.04.2014 has referred the matter to Civil Court or in other appropriate forum. MSTC has filled an appeal to Hon'ble Supreme Court against this order. The matter is still pending before Court. MSTC has filed 46 legal cases against the foreign buyers in UAE, Singapore and Kuwait. All the 46 judgments have been awarded in favour of MSTC and all the same are under execution.

Arbitration proceedings have also been initiated against all the six associate suppliers for indemnifying against the failure in payment by the foreign buyers nominated by them and later on approved by ECGC and ICICI Lombard General Insurance Co. Award has been received in favour of MSTC in three cases,which is also in the process of execution.

One of the Associates, namely, M/s Ushma Jewellery & Packaging Exports (P) Ltd has mortgaged landed property worth ₹ 12400 lacs (valuation done in 2014 by Govt Registered valuer). A writ petition for sale/transfer of the said mortgaged property has been filed at the Mumbai High Court. CBI and ED investigating the matter have seized assets and properties

की जमीन एवं रु. 3979 लाख की चल संपत्ति सहित) की परिसंपत्तियां तथा संपत्तियां जब्त कर लिया है। एमएसटीसी ने रु. 900 लाख मूल्य को अपने पक्ष में हस्तांतरण की अनुमति के लिए सीबीआई कोर्ट में अनुरोध किया, यह रकम वर्ष के दौरान प्राप्त हो गई।

प्रबंधन विदेशी क्रेताओं/इंश्योरेंस कंपनियों/एशोसिएट सप्लायरों से यथासंभव ब्याज, कानूनी खर्चे सहित कर्ज वसूली के लिए हर संभव कदम उठा रहा है। तथापि, बकाया राशि के पांच वर्ष पुरानी हो जाने की वजह से वास्तव रूप में वसूली के लिए लंबित अशोध्य एवं संदिग्ध कर्ज के रूप में रु. 23578 लाख रकम के लिए प्रावधान किया गया है।

15 (सी) : व्यापार प्राप्त में शामिल रु. 6055 लाख, जो सेसा इंटरनेशनल के पास बकाया है। पार्टी ने दस्तावेज में विसंगतियों के कारण इसको स्वीकार करने से इंकार किया है। एमएसटीसी द्वारा तद्नुरूप इंडियन ओवरसीज बैंक (बैंक) को सूचित किया गया है। बैंक पर विदेशी अदालतों के आदेश अनुसार विभिन्न तिथियों पर बैंक ने आदेश के तहत एमएसटीसी खाते से डेबिट कर सप्लायर्स के बैंक को रकम भेज दी है। चूंकि यह समझौता ज्ञापन की शर्तों के अनुसार अदालत के आदेश के विरुद्ध है, सेसा इंटरनेशनल एमएसटीसी की क्षतिपूर्ति के लिए बाध्य है।

तद्नुसार, एमएसटीसी ने सेसा इंटरनेशनल के विरुद्ध मध्यस्थम कार्रवाई शुरू किया है, जो प्रक्रियाधीन है। अतएवं प्रबंधन रकम वसूली के प्रति आशान्वित है। पोर्ट में स्थित सामग्रियों के निपटान के विरुद्ध कोर्ट ने रु. 223 लाख प्राप्त किए हैं, जिसे व्यापारगत प्राप्य के तहत समायोजित कर दिया गया है। कोर्ट के आदेश के अनुसार रु. 102 लाख की शेष सामग्री की विक्रय प्रक्रिया प्रापक के पास मियादी जमा के रूप में रखा गया है। एमएसटीसी ने आईओबी के विरुद्ध एमएसटीसी खाते में रु. 3656 लाख गलत डेबिट किए जाने के खिलाफ भी मामला दायर किया है, जिसमें एमएमटीसी की स्थिति काफी मजबूत है।

15 (डी) : व्यापार से प्राप्य में हल्दिया पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एचपीएल) से बकाया रु. 35912 लाख शामिल है। इसके विरुद्ध कोई भी गिरवी स्टॉक उपलब्ध नहीं है। एचपीएल ने वित्त वर्ष 2013-14 में एमएसटीसी से बिना कोई स्वीकृति प्राप्त किए गिरवी रखे गए स्टॉक 74655 एमटी नैप्था उठा लिया। एचपीएल संयंत्र दिनांक 06.07.2014 से 30.01.2015 तक बंद था। एचपीएल एवं कंपनी के बीच पारस्परिक सहमति के अनुसार, माननीय कलकत्ता उच्च न्यायालय ने दिनांक 05.05.2015 को अनुमोदित, एचपीएल बकाया शेष राशि फरवरी, 2021 तक चुकाने को सहमति जताई है। एचपीएल ने फरवरी, 2015 में अपने संयंत्र दोबारा खोला है एवं न्यायालय के आदेश के अनुसार अप्रैल, 2015 से भुगतान आरम्भ कर दिया है।

15 (ई) : मेसर्स एसपीएस स्टील रोलिंग मिल्स लिमिटेड से व्यापार से प्राप्य रु. 26482 लाख बकाया है। माननीय न्यायाधीश ने जून 2018 तक मूल राशि भुगतान करने के संबंध में दिनांक 19.07.2014 को जारी एक आदेश किया है तथा उस पर ब्याज की राशि उसके उपरांत 12 महीने के अंदर भुगतान करने का आदेश दिया है। वित्त वर्ष 2014-15 के दौरान पार्टी ने रु. 1200 लाख का भुगतान किया है।

15 (एफ) : कंपनी के पास गिरवी रखे गए /लेनदारों द्वारा प्रत्याभूत स्टॉक, जो लागू हो, के लिए संबंधित पार्टियों की बकाया शेष राशि के आधार पर व्यापार से प्राप्त की सिक्योरिटी पर विचार किया गया है।

worth ₹ 24040 lacs (including land valued ₹ 12400 lacs & liquid assets worth ₹ 3979 lacs). MSTC had approached CBI Court requesting for permission to transfer of an amount of ₹ 900 lacs which had been received during the previous year.

The Management is taking all possible steps to recover the dues as much as possible along with interest, legal expenses, etc. from the foreign buyers/Insurance Cos/Associate suppliers.However,since the dues have become very old, a provision has already been made for an amount of ₹ 23578 lacs as bad and doubtful debts pending actual realisation.

15 (c) : Trade Receivables includes ₹ 6055 lacs due from Sesa International. The party had refused to accept the documents due to discrepancy therein, which have been intimated to Indian Overseas Bank ('Bank') accordingly by MSTC. But pursuant to Foreign Court order on Bank, they have remitted to supplier's Bank by debiting MSTC's account on various dates. As it is against Court order, as per MOA terms Sesa International is bound to indemnify MSTC.

Accordingly, MSTC have invoked arbitration proceeding against Sesa International which is under process and the management is hopeful to recover the amount. Against disposal of goods lying at port through Court receiver an amount of ₹ 223 lacs has been received which has been adjusted against Trade Receivables. Sale proceeds for balance material amounting to ₹ 102 lacs is kept with the receiver as fixed deposit as per Court order. MSTC has also filed a suit against IOB for their wrong debit to MSTC account for an amount of ₹ 3656 lacs in which MSTC is in a very strong.

15 (d) : Trade Receivables includes ₹ 35912 lacs due from Haldia Petrochemicals Ltd(HPL). No pledged stock is available against this. HPL had lifted the pledged stock of Naptha of 74655 MT without any authorisation from MSTC in the F.Y 2013-14.The plant of HPL remained closed from 06.07.2014 to 30.01.2015. As per mutual settlement between HPL and the company, as approved by the Honb'le Calcutta Highcourt on 05.05.2015, HPL have agreed to liquidate the outstanding balance by February 2021. HPL has reopened their plant in February 2015 and started making payment from April 2015 as per court order.

15 (e) : Trade Receivable includes ₹ 26482 lacs due from M/s SPS Steel Rolling Mills Ltd. Ld. Arbitrator passed an award on 19.07.2014 for payment of principal amount within June 2018 and accrued interest thereafter within 12 months.During the F.Y 2014-15 the party have paid ₹ 1200 lac.

15 (f) : Security of Trade Receivables has been considered based on the balance outstanding of respective parties for the stock pledged with the company/secured by creditors wherever applicable.

टिप्पणी 16 : नकद एवं नकद समान :
Note 16: Cash & Cash equivalents :

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	31 मार्च 31 March 2015		31 मार्च 31 March 2014	
ए. बैंक शेष	a. Balances with banks				
चालू खाता में*	In Current Accounts*		34586		23155
लाभांश लेखा में	In Dividend Accounts		59		68
सावधि जमा खाता में	In Term Deposit Accounts				
स्थायी जमा	Fixed Deposit		89052		86380
समाहित :	This includes :				
ऋण के विरुद्ध सिक्योरिटी	Security against borrowings	71327		76354	
गारंटी	Guarantees	4706		906	
एलसी मार्जिन	LC Margin	4986		0	
12 महीने से अधिक अवधि की परिपक्वता हेतु बैंक में जमा	Bank deposits with more than 12 months maturity	504		17352	
बी. नकद राशि हाथ में	b. Cash and Stamps in hand		1		1
कुल	**Total**		**123698**		**109604**

टिप्पणी 17 : अल्पावधि ऋण एवं अग्रिम :
Note 17 : Short-term loans and advances :

विवरण	Particulars	31 मार्च 31 March 2015	31 मार्च 31 March 2014
प्रतिभूत, असंदेहात्मक - कर्मचारी अग्रिम*	Secured, considered good - Staff advances*	243	172
अनारक्षित, असंदेहात्मक - अन्य	Unsecured, considered good - Others	1007	948
बिक्री कर एवं वैट पर अग्रिम भुगतान	Advance Payment of Sales Tax & VAT	24	25
जमानत जमा	Security Deposits	6539	5261
आगत सेवा कर	Input Service Tax	2	8
कुल	**Total**	**7815**	**6414**

* केएमपी से बकाया रकम रु. 1 लाख (विगत वर्ष रु. 1 लाख)।
*Amount due from KMP ₹ 1lac (previous year ₹ 1lac).

टिप्पणी 18 : परिचालन से राजस्व :

Note 18 : Revenue from operations :

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	2014-2015	2013-2014
सामग्री की बिक्री	Sale of Goods	518052	497311
सेवा शुल्क	Service Charges	16627	16942
अन्य परिचालित राजस्व	Other Operating Revenues	7818	8777
कुल	**Total**	**542497**	**523030**

(ए) वर्ष के दौरान ई-नीलामी पंजीकरण हेतु रु. 264 लाख (विगत वर्ष रु. 205 लाख) संग्रह किया गया था। चालू वर्ष के समय संग्रह से रु. 211 लाख (विगत वर्ष रु. 164 लाख) देयताओं के पास रखा गया है, जो चार वर्षों में वितरित किया जाएगा, क्योंकि यह पंजीकरण आजीवन वैध है। अवितरित शेषों का संचयन 31.03.2015 को रु. 497 लाख (विगत वर्ष रु. 490 लाख) है। शेष राशि, जिसके लिए पंजीकरण एक वर्ष के लिए वैध है उसको चालू वर्ष के आय के रूप में लिया जाता है।

(बी) अन्य परिचालित राजस्वों में पार्टियों से ब्याज रु. 6453 लाख (विगत वर्ष रु. 8364 लाख) शामिल है।

(सी) सेवा शुल्क पर कर की कटौती एवं ब्याज आय रु. 1597 लाख (विगत वर्ष रु. 1585 लाख) है।

(a) During the year, an amount of ₹ 264 lacs (previous year ₹ 205 lacs) was collected towards E-auction Registration. Out of total collection of current year, an amount of ₹ 211 lacs (previous year ₹ 164 lacs) has been kept in liabilities to be distributed in subsequent four years, since that registration is valid for life long. Accumulated undistributed balance standing as on 31.03.2015 is ₹ 497 lacs (previous year ₹ 490 lacs). Balance amount for which registration is valid upto one year is accounted for as income during the current year.

(b) Other Operating Revenues includes Interest from parties ₹ 6453 lacs (previous yr. ₹ 8364 lacs).

(c) Tax deducted at source on Service Charge and Interest income amounts to ₹ 1597 lacs (previous year ₹ 1585 lacs).

टिप्पणी 19 : अन्य आय

Note 19 : Other Income :

विवरण	Particulars	2014-2015	2013-2014
ब्याज से आय	Interest Income		
i) स्थायी जमा पर ब्याज	i) Interest on fixed deposit	7644	8841
ii) कर्मचारी द्वारा लिए गए अग्रिम पर ब्याज	ii) Interest on Employee Advances	36	28
iii) अन्य ब्याज	iii) Interest others	1	3
लाभांश आय	Dividend Income	468	40
पुनः लिखी गई देयताएँ	Liability written back	–	1083
विविध आय	Miscellaneous Income	2	2
कुल	**Total**	**8151**	**9997**

बैंक जमा के ऊपर ब्याज से स्रोत पर कर कटौती रु. 663 लाख (विगत वर्ष रु. 856 लाख)।

Tax deducted at source from interest on bank deposits amounted to ₹ 663 lacs (previous year ₹ 856 lacs).

टिप्पणी 20 : भंडारगत माल का क्रय :

Note 20 : Purchase of Stock-in-Trade :

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	2014-2015	2013-2014
सामग्री की खरीद	Purchase of goods	526120	488445
अन्य सीधे आय	Other Direct Expenses		
बैंक शुल्क	Bank Charges	554	979
कुल	**Total**	**526674**	**489424**

टिप्पणी 21 : कर्मचारी हितलाभ व्यय :

Note 21 : Employee Benefits Expense :

विवरण	Particulars	2014-2015	2013-2014
(ए) वेतन एवं इनसेंटिव	(a) Salaries and incentives	3001	2970
(बी) पीएफ में नियोक्ता का अंशदान	(b) Employer Contribution to PF	211	216
(सी) ग्रेच्यूटी निधि में अंशदान	(c) Gratuity fund contributions	44	40
(डी) कर्मचारी कल्याण पर व्यय	(d) Staff welfare expenses	442	214
(ई) अवकाश नकदीकरण	(e) Leave encashment	191	230
कुल	**Total**	**3889**	**3670**

उपरोक्त में दिनांक 01.01.2012 से कार्यान्वित कर्मचारियों के वेतन संशोधन के लिए प्रावधान के तहत रु. 200 लाख (विगत वर्ष रु. 142 लाख) शामिल है। निर्दिष्ट लाभ दायित्वों के संबंध में "कर्मचारी लाभों" पर लेखा मानक - 15 (संशोधन 2005) के अंतर्गत आवश्यक प्रकटीकरण:-

The above includes ₹ 200 lacs (previous year ₹ 142 lacs) towards provision for wage revision of employees implemented w.e.f. 01.01.2012. Disclosure as required under Accounting Standard – 15 (Revised 2005) on "Employees Benefits" in respect of Defined Benefit obligations:-

Table showing changes in present value of obligation as on 31.03.15

विवरण	Particulars	उपदान Gratuity	छुट्टी वेतन Leave Salary
वर्षारंभ में दायित्व की वर्तमान स्थिति	Present value of obligations as at beginning of year	1287	1050
ब्याज लागत	Interest cost	103	84
वर्तमान सेवा लागत	Current service cost	31	100
चुकाए गए हित	Benefits paid	(190)	(106)
दायित्व पर बीमांकिक (लाभ/हानि)	Acturial (Gain)/Loss on obligations	(18)	(6)
वर्षांत में दायित्व की वर्तमान स्थिति	Present value of obligations as at end of the year	1213	1122

तालिका 31.03.2015 तक की योजना संपत्ति के उचित मूल्य में परिवर्तन को प्रकट कर रही है।

Table showing changes in the fair value of plan assets as on 31.03.15

विवरण	Particulars	उपदान Gratuity	छुट्टी वेतन Leave Salary
वर्ष के प्रारम्भ में योजना संपत्ति का उचित मूल्य	Fair value of plan assets at beginning of year	1432	1027
योजना संपत्ति पर संभावित आय	Expected return on plan assets	123	93
अंशदान	Contributions	40	65
चुकाए गए हित	Benefits paid	(190)	(106)
योजना संपत्ति पर बीमांकिक (लाभ/हानि)	Acturial gain/(loss) on plan assets	–	–
वर्षांत में योजना संपत्ति का उचित मूल्य	Fair value of plan assets at the end of year	1405	1079
निधिक स्थिति	Funded status	192	(43)

31.03.2015 को बीमांकित लाभ/हानि के रूप में पहचान।

Acturial Gain/Loss recognized as on 31.03.15

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	उपदान Gratuity	छुट्टी वेतन Leave Salary
दायित्व पर बीमांकिक (लाभ)/हानि	Actuarial (gain)/loss on obligations	18	6
वर्ष की योजना संपत्ति के लिए बीमांकिक (लाभ)/हानि	Actuarial (gain)/loss for the year – plan assets	–	–
दायित्व पर बीमांकिक (लाभ)/हानि	Actuarial (gain)/loss on obligations	(18)	(6)
वर्ष में बीमांकिक (लाभ)/हानि के रूप में पहचान	Actuarial (gain)/loss recognized in the year	(18)	(6)

तुलन-पत्र एवं लाभ हानि लेखा के विवरण में स्वीकृत राशि।

The amounts to be recognized in the balance sheet and statements of profit and loss.

विवरण	Particulars	उपदान Gratuity	छुट्टी वेतन Leave Salary
वर्षांत में दायित्व का वर्तमान मूल्य	Present value of obligations as at the end of the year	1213	1122
वर्षांत में योजना संपत्ति का उचित मूल्य	Fair value of plan assets as at the end of the year	1405	1079
निधिक स्थिति	Funded status	192	(43)
तुलन-पत्र में स्वीकृत निवल आस्तियां (देयताएं)	Net asset/(liability) recognized in balance sheet	192	43

लाभ एवं हानि लेखा विवरण में स्वीकृत खर्च

Expenses recognized in statement of Profit and loss.

विवरण	Particulars	उपदान Gratuity	छुट्टी वेतन Leave Salary
वर्तमान सेवा लागत	Current service cost	31	100
ब्याज लागत	Interest cost	103	84
योजना संपत्तियों पर संभावित आय	Expected return on plan assets	(123)	(93)
वर्ष में बीमांकिक निवल (लाभ)/हानि	Net actuarial (gain)/loss recognized in the year	(18)	(6)
स्वीकृत खर्च लाभ-हानि लेखा विवरण में	Expenses recognized in statement of profit and loss	(7)	85

टिप्पणी : 22 : वित्त लागत :

Note 22 : Finance Costs :

विवरण	Particulars	2014-2015	2013-2014
ब्याज व्यय	Interest expense	8649	13378
कुल	**Total**	**8649**	**13378**

टिप्पणी : 23 : अन्य व्यय :
Note 23 : Other Expenses :

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	2014-2015	2013-2014
मरम्मत एवं रखरखाव	Repairs and Maintenance	347	272
बीमा	Insurance	1	2
किराया	Rent	294	296
दर एवं कर	Rates and Taxes	54	28
बैंक शुल्क	Bank Charges	12	12
यात्रा व्यय	Travelling Expenses	317	419
बैठक एवं सम्मेलन	Meeting and Conference	19	121
प्रशिक्षण	Training	8	12
निदेशक बैठक शुल्क	Directors' Sitting Fees	2	3
लेखा परीक्षा शुल्क*	Audit Fees*	6	4
आउट ऑफ पॉकेट व्यय (सांविधिक लेखा परीक्षक)	Out-of-Pocket Expenses (Statutory Auditor)	3	8
स्टॉक यार्ड व्यय	Stock Yard Expenses	27	119
टेलेक्स, पोस्टेज एवं टेलीग्राम	Telex, Postage and Telegram	48	48
इलेक्ट्रिसिटी	Electricity	115	104
प्रिंटिंग एवं स्टेशनरी	Printing and Stationery	40	45
मनोरंजन	Entertainment	18	16
टेलीफोन शुल्क	Telephone Charges	38	39
विज्ञापन	Advertisement	74	164
संविधिक व्यय**	Legal Expenses **	261	399
कंसलटैंसी शुल्क	Consultancy Charges	158	62
आंतरिक लेखा परीक्षा शुल्क	Internal Audit fees	2	2
आउट ऑफ पॉकेट व्यय (आंतरिक लेखा परीक्षक)	Out-of-Pocket Expenses (Internal Auditor)	3	3
विविध व्यय	Miscellaneous Expenses	15	16
कर्मचारी नियुक्ति व्यय	Staff Recruitment Expenses	6	12
समाचारपत्र, किताब एवं पत्रिकाएं	Newspaper, Books and Periodicals	4	4
नैगमिक सामाजिक दायित्व	Corporate Social Responsibility	128	228
दान	Donation	0	260
नीलामी/निविदा व्यय	Auction/Tender Expenses	101	68
संदेहात्मक ऋण के लिए प्रावधान	Provision for Doubtful Debts	7380	7882
परिसंपत्ति की बिक्री से हानि	Loss on sale of Assets	0	1
पूर्व अवधि उत्पाद	Prior Period Items (Depreciation on land building)	14	0
कुल	**Total**	**9495**	**10649**

*कर लेखा परीक्षा शुल्क रु. 1 लाख शामिल है (विगत वर्ष रु. 1 लाख)।
**स्वर्ण आभूषण निर्यात से संबंधित मामले के लिए रु. 53 लाख (लगभग) शामिल है। विगत वर्ष के लिए रु. 147 लाख (लगभग) है।
* Includes Tax Audit fees of ₹ 1 lac (previous yr. ₹ 1 lac)
** Includes ₹ 53 lacs (approx.) prev.yr ₹ 147 lacs (approx.) pertains to cases relating to Gold Jewellary Export.

टिप्पणी : 24 (ए) : विदेशी मुद्रा में व्यय :
Note 24 (a) : Expenditure incurred in Foreign Currency :

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	2014-2015	2013-2014
सामग्री का आयात	Import of Goods	160334	314580
यात्रा व्यय एवं अन्य	Travelling Expenses & other	14	14
कुल	**Total**	**160348**	**314594**

टिप्पणी : 24 (बी) : विदेशी मुद्रा में व्यय :

Note 24 (b) : Earnings in Foreign Currency :

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	2014-2015	2013-2014
ई-नीलामी पंजीयन शुल्क	E-auction Registration fees	13	1
कुल	**Total**	**13**	**1**

टिप्पणी : 25 : प्रबंधकीय पारिश्रमिक :

Note 25 : (a) Managerial Remuneration :

(क) प्रबंधकीय पारिश्रमिक

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	2014-2015	2013-2014
निदेशकों के वेतन एवं भत्ते	Director's Salaries & Allowances	94	136
भविष्य निधि में कंपनी का योगदान	Company's Contribution to Provident Fund	7	6
चिकित्सा व्यय की प्रतिपूर्ति	Reimbursement of Medical expenses	2	1

बी) चूंकि निदेशकों को कंपनी द्वारा लिमिटेड माइलेज के लिए कार के निजी व्यवहार की सुविधा प्रदान किए गए हैं, उस सुविधा को हित लाभ/अनुलाभ के रूप में नहीं लिया गया है।

सी) ग्रुप इंश्योरेंस/ग्रुप ग्रैच्यूटी स्कीम की मॉस्टर पॉलिसी के लिए प्रीमियम का भुगतान किया है, जो निदेशकों के लिए भी किया जाता है, अनुलाभ के रूप में नहीं लिया गया है क्योंकि यह अनिश्चित है।

डी) उपरोक्त में वास्तविक भुगतान के आधार पर कार्यनिष्पादन से संबंधित भुगतान शामिल है।

b) Since the facility of private use of car for limited mileage is provided by the Company to Directors, such facility has not been considered as benefit / perquisite.

c) Premium paid for Master policy of Group Gratuity Scheme / Group Insurance which also covers Directors has not been considered as perquisite since it is unascertainable.

d) The above includes Performance related pay on actual payment basis.

टिप्पणी : 26 : संबंधित पार्टी का प्रकटीकरण

Note 26 : Related party disclosure

1.ए) शीर्ष प्रबंधकीय कार्मिक -

श्री एस के त्रिपाठी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
श्री ए के बसु, निदेशक (वित्त)
श्री बी बी सिंह, निदेशक (वाणिज्य)
श्री एस.के. राय - कंपनी सचिव

1.a) Key Managerial Personnel (KMP) :

Shri S K Tripathi – Chairman-cum-Managing Director
Shri A.K.Basu – Director (Finance)
Shri B.B. Singh – Director (Commercial)
Shri S.K. Ray – Company Secretary

बी) वर्ष के दौरान संबंधित पार्टियों से लेनदेन :

b) Transaction with related party during the year :

लेनदेन की प्रकृति	केएमपी
Nature of Transaction	KMP
प्रदत्त प्रबंधकीय पारिश्रमिक	₹ 125 लाख
Managerial Remuneration Paid	₹ 125 lacs
	₹ 171 लाख
	(₹ 171 lacs)
सी) शेष बकाया	₹ 2 लाख
c) Balance outstanding:	₹ 2 lac
	(₹ 3 लाख)
	(₹ 3 lac)

2. फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड (कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली आनुषंगिक कंपनी)

2.ए. कंपनी को सीएमडी के लिए व्यय की प्रतिपूर्ति के रूप में एफएसएनएल से रु. 7 लाख (विगत वर्ष : शून्य) प्राप्त हुआ है।

2.बी. कंपनी को एफएसएनएल से ई-नीलामी के सेवा शुल्क के रूप में रु. 4 लाख (विगत वर्ष : रु. 7 लाख) प्राप्त हुआ है।

2.सी. कंपनी ने माल गोदाम के प्रबंधन के लिए संरक्षण सेवाओं के तहत एफएसएनएल को रु. 310 लाख (विगत वर्ष : रु. 291 लाख) का भुगतान किया।

2. Ferro Scrap Nigam Limited (Wholly owned subsidiary company)

2.a. The company has received ₹ 7 lacs (Previous Year : NIL) as reimbursement of expenses for CMD from FSNL.

2.b. The company has received service charges for e-auction from FSNL ₹ 4 lacs (Previous Year : ₹ 7 lacs)

2.c. The company has paid ₹ 310 lacs (Previous Year : ₹ 291 lacs) towards custodian services for ware house management to FSNL.

टिप्पणी : 27 : एएस-17 के अनुसार विभाजित रिपोर्टिंग :

Note 27: Segmental Reporting as per AS – 17:

कंपनी ने एएस-17 की शर्तों के अनुसार ई-कॉमर्स एवं विपणन को अपने दो प्राथमिक व्यवसाय प्रभाग के रूप में चिन्हित किया है। यहां कोई गौण क्षेत्र नहीं है।

In terms of AS-17 the Company has identified Marketing and E-Commece as its two Primary Reportable Business Segments. There is no Secondary Segment

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs) / (विगत वर्ष) / (previous year)

विवरण **Particulars**	विपणन **Marketing**	ई-कॉमर्स **E-Commerce**	अन्य (अनाबंटित) **Others (unallocated)**	कुल **Total**
कुल राजस्व	535637	13694	1317	550648
Total Revenue	(519495)	(12367)	(1165)	(533027)
कुल व्यय	524245	301	12955	537501
Total Expenses	(506572)	(208)	(36984)	(543764)
परिणाम (कर पूर्व लाभ/हानि (-)	11392	13393	– 11638	13147
Result (Profit/Loss(-) before Tax)	(12923)	(12159)	(–35819)	(–10737)
कर व्यय				4048
Tax expenses				(–3734)
अवधि के लिए लाभ/हानि (-)				9099
Profit/ Loss(-) for the period				(–7003)

आस्तियों एवं देयताओं के अनाबंटित प्रकृति के कारण विभाजित नहीं किया जा सका।

Assets & liabilities could not be segmented due to their unallocable nature.

टिप्पणी : 28 : व्यापार से प्राप्य का शेष, व्यापारगत भुगतेय एवं अग्रिमों में शामिल शेष पुष्टिकरण/मिलान एवं परिणाम स्वरूप समायोजन का विषय है। यदि कोई हो, मिलान को जारी आधार पर लिया गया है। प्रावधान, जहां पर जरूरी है, किया गया है।

Note 28 : Balances of Trade Receivables, Trade Payables and Advances include balances subject to confirmation/reconcilliation and consequential adjustment, if any. Reconciliations are carried out on on-going basis. Provisions, wherever considered necessary, have been made.

टिप्पणी : 29 : प्रति शेयर आय की गणना निम्नानुसार किया है:-

Note 29 : Earning per share has been computed as under :-

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	2014-2015	2013-2014
करोपरांत-लाभ (रु. लाख में)	Profit after Tax (₹ in lacs)	9099	(7003)
शेयरों की संख्या (अदद)	No. of shares (Nos.)	8800000	8800000
करोपरांत लाभ पर प्रति शेयर आय (प्रति शेयर अंकित मूल्य रु.10/-) बेसिक/डाइलूटेड (रु.)*	Earnings per share on profit after tax (face value ₹ 10/- per share) – Basic/Diluted (₹)*	103	(80)

टिप्पणी : 30 : **आकस्मिक देयताएं एवं प्रतिबद्धता (सीमा तक प्रदान नहीं किया गया)**

आकस्मिक देयताओं में शामिल कंपनी के विरुद्ध दावे को ऋण के रूप में नहीं लिया गया :-

Note 30 : **Contingent Liabilities and Commitments (to the extent not provided for)**

Contingent Liabilities include claims against the Company not acknowledged as debt :-

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	2014 - 2015	2013 - 2014
बिक्री कर एवं सीमा शुल्क	Sales Tax & Customs	4531	1871
नौवहन वाद	Money Suits	12875	8750
विवाचन	Arbitration	4717	2178
विधि व्यय	Legal Expenses	325	325
आयकर	Income Tax	677	456
सेवा कर	Service Tax	1612	1711
कुल	**Total**	**24737**	**15291**

टिप्पणी : 31 (ए) : 31 मार्च 2015 को समाप्त वर्ष के लिए शुरुआती स्टॉक, क्रय, विक्रय एवं समाप्त स्टॉक का विवरण :

Note 31 (a) : Statement of Opening Stock, Purchases, Sales and Closing Stock for the year ended 31st March, 2015

(विगत वर्ष) / (previous year) / (मात्रा '000 टन) / (Qty '000 Tonnes) / (रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

सामग्री का विवरण **Description of material**	शुरुआती स्टॉक **Opening Stock**		क्रय **Purchases**		विक्रय **Sales**		बंद स्टॉक **Closing Stock**	
	मात्रा **Qty.**	मूल्य **Value**	मात्रा **Qty.**	मूल्य **Value**	मात्रा **Qty.**	मूल्य **Value**	मात्रा **Qty.**	मूल्य **Value**
क्रूड ऑयल	0	0	155	55066	155	55754	0	0
Crude Oil	0	0	(1002)	(69777)	(1002)	(70650)	0	0
नेप्था	0	0	0	0	0	0	0	0
Naptha	0	0	(127)	(70256)	(127)	(71508)	0	0
कोक/कोल	86	3605	11240	470809	10989	461983	337	14683
Coke / Coal	(194)	(7375)	(6670)	(335102)	(6778)	(341529)	(86)	(3605)
जूट	0	0	0	0	0	0	0	0
Jute	0	0	(10)	(2894)	(10)	(2916)	0	0
				525875		517737		
				(478029)		(486603)		
जोड़ :		अंतिम बिल समायोजन		245		315		
Add :		Final Bill Adj.		(10416)		(10708)		
				526120		518052		
				(488445)		(497311)		

टिप्पणी 31 (बी) : ऊपर के अलावा कंपनी ने फेसिलेटर के रूप में निम्नोक्त के अनुसार सामग्री खरीदी है :

Note 31 (b) : In addition to above the Company have also purchased material as facilitator as per details below :

(विगत वर्ष) / (previous year) / (मात्रा '000 टन) / (Qty '000 Tonnes) / (रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

सामग्री का विवरण Description of material	मात्रा Qty	खरीद मूल्य Purchase Value	अर्जित सेवा प्रभार Service Charges Earned
एच आर क्वायल्स H R Coils	1 (60)	394 (22300)	8 (492)
कोक/कोल Coke / Coal	629 (1094)	66748 (114568)	1378 (2291)
बिलेट्स Billets	6 (25)	2294 (9113)	43 (173)
नेफ्था Naptha	95 (142)	65376 (96712)	1409 (1647)
आयरन ओर Iron Ore	503 (102)	27506 (5726)	514 (114)
मैंगेनीज ओर Manganese Ore	44 (26)	3872 (3093)	93 (93)
पिग आयरन Pig Iron	7 (55)	2212 (6984)	43 (133)
फेरो स्क्रैप Ferro scrap		0 (1874)	0 (35)
कुल / Total	**1285**	**168402**	**3488**
	(1504)	**(260370)**	**(4978)**

टिप्पणी 32 : विगत वर्ष के आकडों को जहां जरूरत है वहां पुनः व्यवस्थित एवं पुनः समूहित किया गया है।

Note 32 : Figures for the previous year have been rearranged and regrouped wherever necessary to make it comparable.

कृते एमएसटीसी लिमिटेड For MSTC Limited

कृते राय एंड कं.
सनदी लेखापाल
पंजीकरण सं. 313124ई

सीए एस पी बसु
साझेदार
एम नं. 050209

तारीख : 17-07.2015
स्थान : कोलकाता

For Ray & Co.
Chartered Accountants
Regn. No. 313124E

CA S P. Basu
Partner
M no. 050209

Dated : 17.07.2015
Place : Kolkata

(एस के त्रिपाठी)
अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक
(S. K. Tripathi)
Chairman-cum-Managing Director

(आर के चौधुरी)
महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा)
(R. K. Chaudhuri)
General Manager (Finance & Accounts)

(ए के बसु)
निदेशक (वित्त)
(A. K. Basu)
Director (Finance)

(सुब्रत कुमार राय)
कंपनी सचिव
(Subrata Kumar Ray)
Company Secretary

एमएसटीसी लिमिटेड MSTC LIMITED

31 मार्च, 2015 को समाप्त वर्ष के लिए नकद प्रवाह विवरण

CASH FLOW STATEMENT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2015

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

		2014-15	2013-14
परिचालन गतिविधियों से नकद प्रवाह	**Cash Flow from Operating Activities :**		
कराधन पूर्व निवल लाभ	Net Profit before Taxation	13147	(10737)
मूल्यह्रास हेतु समायोजन	Adjustment for Depreciation	(128)	195
पूर्वावधि मूल्यह्रास हेतु समायोजन	Adjustment for Prior period depreciation	14	0
लाभांश से आय हेतु समायोजन	Adjustment for Dividend Income	(468)	(40)
समाप्त सीडब्ल्यूआईपी के लिए समायोजन	Adjustment for writing off CWIP	84	0
संपत्तियों की बिक्री से हानि हेतु समायोजन	Adjustment for loss on sale of Assets	0	1
ब्याज से आय हेतु समायोजन	Adjustment for Interest Income	(7681)	(8869)
कार्यकारी पूंजी परिवर्तन से पूर्व परिचालन लाभ	**Operating Profit before Working Capital Changes**	**4968**	**(19450)**
व्यापार प्राप्य में (वृद्धि)/कमी	(Increase)/Decrease Trade Receivables	(22694)	67183
अन्य चालू /गैर चालू आस्थियों में (वृद्धि)/कमी	(Increase)/Decrease in Other Current/Non Current Assets	214	104
दीर्घावधि/अल्पावधि ऋण एवं अग्रिम में (वृद्धि)/कमी	(Increase)/Decrease in Long term/Short term Loans & Advances	(1458)	(6148)
स्टॉक/इनवेंटरी में (वृद्धि)/कमी	(Increase)/Decrease in Stock/Inventories	(11078)	3770
व्यापार देय/चालू/गैर चालू देयताएं/ प्रावधानों में (वृद्धि)/कमी	Increase/(Decrease) in Trade Payables/ Current/Non Current Liabilities/Provisions	21019	(45975)
प्रचालन से नकद प्राप्ति	**Cash Generated from Operation**	**(9029)**	**(516)**
अग्रिम आयकर भुगतान	Advance Income Tax Paid	(7326)	(7541)
प्रचालन गतिविधियों से शुद्ध नकद प्रवाह : (ए)	**Net Cash Flow from Opertaing Activities : (A)**	**(16355)**	**(8057)**
निवेश गतिविधियों से नकद प्रवाह	**Cash Flow from Investing Activities :**		
अचल परिसम्पत्तियों/सीडब्ल्यूआईपी की खरीद	Purchase of Fixed Assets/CWIP	(71)	(88)
प्राप्त लाभांश	Dividend Received	468	40
प्राप्त ब्याज	Interest Received	7681	8869
निवेश गतिविधियों से निवल नकद प्राप्ति (बी)	**Net Cash generated from Investing Activities (B)**	**8078**	**8821**
वित्तीय गतिविधियों से नकद प्रवाह :	**Cash Flow from Financing Activities :**		
अल्पावधि उधार से प्राप्ति	Proceeds from Short Term Borrowings	22371	(15545
प्रदत्त लाभांश	Dividend Paid	0	(2631)
लाभांश पर कर	Tax on Dividend	(88)	(441)
वित्तीय गतिविधियों में लगा निवल नकद (सी)	**Net Cash used in Financing Activites (C)**	**22371**	**(18617)**
नकद एवं नकद समानक में निवल वृद्धि (ए+बी+सी)	**Net Increase in Cash & Cash Equivalent (A+B+C)**	**14094**	**(17853)**
नकद एवं नकद समानक-प्रारम्भिक	**Cash & Cash Equivalent – Opening**	109604	127457
नकद एवं नकद समानक-अंतिम	**Cash & Cash Equivalent – Closing**	**123698**	**109604**
टिप्पणी 16 के अनुसार नकद एवं नकद समानक	**Cash & Cash Equivalent as per Note 16**		
नकद एवं स्टैम्प हाथ में	Cash and Stamp on hand	1	1
चालू खाता	Current Accounts	34586	23155
लाभांश खाता	Divident Accounts	59	68
जमा खाता	Deposit Accounts	89052	86380
		123698	**109604**

टिप्पणी : अवधि के अंत में नकदी एवं नकदी समानक में शामिल दावा नहीं किए गए लाभांश रु. 59 लाख एवं दावे के विरुद्ध सावधि जमा रु. 4706 लाख प्रतिभूति (गारंटी) स्वरूप रखे गए हैं, जो कंपनी के प्रयोग के लिए उपलब्ध नहीं है।

Note : Cash and Cash equivalents at the end of the period include Unclaimed Dividend of ₹ 59 lakh Term Deposit of ₹ 4706 lakh furnished as guarantee against claims which are not available for use to the Company.

सम तारीख के हमारे प्रतिवेदन के संदर्भ में है।

In terms of our report of even date.

कृते एमएसटीसी लिमिटेड For MSTC Limited

कृते राय एंड कं.
सनदी लेखापाल
पंजीकरण सं. 313124ई

सीए एस पी बसु
साझेदार
एम नं. 050209

तारीख : 17-07.2015
स्थान : कोलकाता

For Ray & Co.
Chartered Accountants
Regn. No. 313124E

CA S P. Basu
Partner
M no. 050209

Dated : 17.07.2015
Place : Kolkata

(एस के त्रिपाठी)
अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक

(S. K. Tripathi)
Chairman-cum-Managing Director

(आर के चौधुरी)
महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा)

(R. K. Chaudhuri)
General Manager (Finance & Accounts)

(ए के बसु)
निदेशक (वित्त)

(A. K. Basu)
Director (Finance)

(सुब्रत कुमार राय)
कंपनी सचिव

(Subrata Kumar Ray)
Company Secretary

समेकित वार्षिक लेखा
CONSOLIDATED ANNUAL ACCOUNTS

एमएसटीसी लिमिटेड MSTC LIMITED

समेकित तुलन पत्र : 31 मार्च 2015 CONSOLIDATED BALANCE SHEET AS AT 31 MARCH, 2015

(रु. लाख में)/(₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	टिप्पणी सं. Note No.	As at 31.03.2015 को	As at 31.03.2014 को
I. ईक्विटी एवं देयताएं	**I. EQUITY AND LIABILITIES**			
1. शेयरधारकों की निधियां	**1. Shareholders' funds**			
(क) शेयर पूंजी	(a) Share Capital	2	880	880
(ख) आरक्षित एवं अधिशेष	(b) Reserves and Surplus	3	68,543	61,721
2 अप्रचलित देयताएं	**2. Non-current liabilities**			
(क) अन्य दीर्घावधि देयताएं	(a) Other Long term liabilities	4	1,287	1,066
(ख) दीर्घायु प्रावधान	(b) Long term provisions	4a	4,399	3,044
3 चालू देयताएं	**3. Current Liabilities**			
(क) अल्पावधि ऋण	(a) Short-term Borrowings	5	1,10,612	87,272
(ख) व्यापारगत देय	(b) Trade Payables	6	3,02,949	3,20,099
(ग) अन्य चालू देयताएं	(c) Other Current Liabilities	7	92,382	53,742
(घ) अल्पावधि प्रावधान	(d) Short-term Provisions	8	7,212	3,111
कुल	**TOTAL**		**6,02,641**	**5,44,148**
II. परिसंपत्तियां	**II. ASSETS**			
1. गैर मौजूदा परिसंपत्तियां	**1. Non-Current Assets**			
(क) अचल परिसंपत्तिया	(a) Fixed Assets	9		
(i) भौतिक परिसंपत्तियां	(i) Tangible Assets		7,314	6,816
(ii) अमूर्त परिसंपत्तियां	(ii) Intangible assets		5	7
(iii) पूंजी कार्य जारी	(iii) Capital Work-in-Progress		124	168
(iv) विकास के अंतर्गत अमूर्त आस्तियाँ	(iv) Intangible assets under development		67	67
(ख) अप्रचलित निवेश	(b) Non-Current Investments	10	0	0
(ग) आस्थगित कर परिसंपत्तियां (शुद्ध)	(c) Deferred Tax Assets (Net)	11	16,852	13,934
(घ) दीर्घावधि ऋण एवं अग्रिम	(d) Long-term Loans and Advances	12	2,549	2,311
(ङ) अन्य गैर मौजूदा परिसंपत्तियां	(e) Other Non-Current Assets	13	258	423
2. चालू परिसंपत्तियां	**2. Current Assets**			
(क) स्टॉक	(a) Inventories	14	15,029	3,951
(ख) व्यापारगत प्राप्य	(b) Trade Receivables	15	4,12,061	3,84,387
(ग) नकद एवं नकदी समतुल्य	(c) Cash and Cash Equivalents	16	1,35,031	1,19,656
(घ) अल्पावधि ऋण एवं अग्रिम	(d) Short-term Loans and Advances	17	8,040	6,596
(ङ) अन्य चालू परिसंपत्तियां	(e) Other Current Assets	17a	5,311	5,832
कुल	**TOTAL**		**6,02,641**	**5,44,148**
महत्त्वपूर्ण लेखा नीतियां	Significant Accounting Policies	1		

संलग्न टिप्पणियां 1 से 51 वित्तीय विवरण के अभिन्न अंग हैं। The accompanying notes numbering 1 to 51 are an integral part of the Financial Statements.

यह तुलन पत्र सम तारीख के हमारे प्रतिवेदन के संदर्भ में है। This is the Balance Sheet referred to in our report of even date.

कृते एमएसटीसी लिमिटेड For MSTC Limited

कृते राय एंड कं.
सनदी लेखापाल
पंजीकरण सं. 313124ई

सीए एस पी बसु
साझेदार
एम नं. 050209

तारीख : 17-07-2015
स्थान : कोलकाता

For Ray & Co.
Chartered Accountants
Regn. No. 313124E

CA S P. Basu
Partner
M no. 050209

Dated : 17.07.2015
Place : Kolkata

(एस के त्रिपाठी)
अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक
(S. K. Tripathi)
Chairman-cum-Managing Director

(आर के चौधुरी)
महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा)
(R. K. Chaudhuri)
General Manager (Finance & Accounts)

(ए के बसु)
निदेशक (वित्त)
(A. K. Basu)
Director (Finance)

(सुब्रत कुमार राय)
कंपनी सचिव
(Subrata Kumar Ray)
Company Secretary

एमएसटीसी लिमिटेड MSTC LIMITED

31 मार्च 2015 को समाप्त वर्ष के लिए समेकित लाभ एवं हानि का विवरण

CONSOLIDATED OF PROFIT & LOSS FOR THE YEAR ENDED 31 MARCH, 2015

(रु. लाख में)/(₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	टिप्पणी सं. Note No.	2014-2015	2013-2014
I. परिचालन से राजस्व	I. Revenue from Operations	18	5,68,903	5,45,437
II. अन्य आय	II. Other Income	19	8,851	11,330
III. **कुल राजस्व** (I+II)	III. **Total Revenue (I + II)**		**5,77,754**	**5,56,767**
IV. **व्ययः**	IV. Expenses :			
उपभोग की गई सामग्रियों की लागत	Cost of Materials Consumed	34	3,003	3,177
व्यापारगत माल की खरीददारी	Purchases of Stock-in-Trade	20	5,26,674	4,89,424
स्टॉक में बदलाव	Changes in Inventories	14	(11,078)	3,770
कर्मचारी हितलाभ पर व्यय	Employee Benefits Expense	21	14,675	11,974
वित्तीय व्यय	Finance Costs	22	8,773	13,501
मूल्यह्रास एवं परिशोधन व्यय	Depreciation and Amortization Expense	9	839	1484
अन्य व्यय	Other Expenses	23	19,638	20,246
कुल व्यय	**Total Expenses**		**5,62,524**	**5,43,576**
V. अतिविशिष्ट मद एवं कर से पूर्व लाभ (III-IV)	**V. Profit before Exceptional Items and Tax (III – IV)**		15,230	13,191
VI. अतिविशिष्ट मद	**VI. Exception Item**		15	22,727
VII. **कर पूर्व लाभ (V-VI)**	**VII. Profit before Tax (V – VI)**		15,215	(9536)
कर व्ययः	**VIII.** Tax Expense :			
(1) चालू कर	(1) Current Tax		7,793	7,831
(2) आस्थगित कर	(2) Deferred Tax		(2,919)	(11,165)
IX. अवधि के लिए लाभ (हानि) (VII-VIII)	**IX. Profit (Loss) for the period (VII – VIII)**		**10,341**	**(6,202)**
X. प्रति इक्विटी शेयर अर्जनः	X. Earnings per Equity Share :			
(i) बेसिक	(1) Basic		118	(70)
(ii) डायलूटेड	(2) Diluted		118	(70)
महत्त्वपूर्ण लेखा नीतियां	Significant Accounting Policies	1		

संलग्न टिप्पणियां 1 से 51 वित्तीय विवरण के अभिन्न अंग हैं। The accompanying notes numbering 1 to 51 are an integral part of the Financial Statements.
यह लाभ एवं हानि विवरण तारीख के हमारे प्रतिवेदन के संदर्भ में है। This is the Profit & Loss Statement referred to in our report of even date.

कृते एमएसटीसी लिमिटेड For MSTC Limited

कृते राय एंड कं.
सनदी लेखापाल
पंजीकरण सं. 313124ई

सीए एस पी बसु
साझेदार
एम नं. 050209

तारीख : 17-07.2015
स्थान : कोलकाता

For Ray & Co.
Chartered Accountants
Regn. No. 313124E

CA S P. Basu
Partner
M no. 050209

Dated : 17.07.2015
Place : Kolkata

(एस के त्रिपाठी)
अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक
(S. K. Tripathi)
Chairman-cum-Managing Director

(आर के चौधुरी)
महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा)
(R. K. Chaudhuri)
General Manager (Finance & Accounts)

(ए के बसु)
निदेशक (वित्त)
(A. K. Basu)
Director (Finance)

(सुब्रत कुमार राय)
कंपनी सचिव
(Subrata Kumar Ray)
Company Secretary

एमएसटीसी लिमिटेड MSTC LIMITED

31 मार्च, 2015 को समाप्त वर्ष के लिए नकद प्रवाह विवरण

CASH FLOW STATEMENT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2015

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

		2014-15	2013-14
परिचालन गतिविधियों से नकद प्रवाह	**Cash Flow from Operating Activities :**		
कराधन एवं असाधरण मद पूर्व निवल लाभ	Net Profit before Taxation and Extraordinary items	15215	(9536)
मूल्यह्रास हेतु समायोजन	Adjustment for Depreciation	839	1484
पूर्वावधि मूल्यह्रास हेतु समायोजन	Adjustment for Prior period depreciation	14	0
लाभांश से आय हेतु समायोजन	Adjustment for writing off CWIP	84	0
संपत्तियों की बिक्री से हानि हेतु समायोजन	Adjustment for loss on sale of Assets	0	1
ब्याज से आय हेतु समायोजन	Adjustment for Interest Income	(8652)	(9847)
कार्यकारी पूंजी परिवर्तन से पूर्व परिचालन लाभ	**Operating Profit before Working Capital Changes**	7500	(17898)
विविध देनदार व्यापार प्राप्य में (वृद्धि)/कमी	(Increase)/Decrease in Sundry Debtors/Trade Receivables	(27674)	67389
अन्य चालू /गैर चालू आस्थियों में (वृद्धि)/कमी	(Increase)/Decrease in Other Current/Non Current Assets	686	2476
दीर्घावधि/अल्पावधि ऋण एवं अग्रिम में (वृद्धि)/कमी	(Increase)/Decrease in Long term/Short term Loans & Advances	(1145)	(6215)
स्टॉक/इनवेंटरी में (वृद्धि)/कमी	(Increase)/Decrease in Stock/Inventories	(11078)	3861
विविध लेनदार/व्यापार देय/चालू, गैर चालू देयताएं/प्रावधानों में (वृद्धि)/कमी	Increase/(Decrease) in Sundry Creditors/Trade Payables/ Current/Non Current Liabilities/Provisions	24994	(45180)
प्रचालन से नकद प्राप्ति	**Cash Generated from Operation**	(6717)	4433
अग्रिम आयकर भुगतान	Advance Income Tax Paid	(8330)	(7940)
प्रचालन गतिविधियों से शुद्ध नकद प्रवाह (ए)	**Net Cash Flow from Opertaing Activities : (A)**	**(15047)**	**(3507)**
निवेश गतिविधियों से नकद प्रवाह	**Cash Flow from Investing Activities :**		
अचल परिसम्पत्तियों/सीडब्ल्यूआईपी का संयोजन	Additions of Fixed Assets/CWIP-Net	(1482)	(1293)
प्राप्त ब्याज	Interest Received	8652	9847
निवेश गतिविधियों से निवल नकद प्राप्ति (बी)	**Net Cash generated from Investing Activities (B)**	**7170**	**8554**
अल्पावधि उधार से प्राप्ति	Proceeds from Short Term Borrowings	23340	(15366)
प्रदत्त लाभांश	Dividend Paid	0	(2631)
लाभांश पर कर	Tax on Dividend	(88)	(448)
वित्तीय गतिविधियों में लगा निवल नकद (सी)	**Net Cash used in Financing Activites (C)**	**23252**	**(18445)**
नकद एवं नकद समानक में निवल वृद्धि (ए+बी+सी)	**Net Increase in Cash & Cash Equivalent (A+B+C)**	**15375**	**(13398)**
नकद एवं नकद समानक-प्रारम्भिक	**Cash & Cash Equivalent – Opening**	119656	133054
नकद एवं नकद समानक-अंतिम	**Cash & Cash Equivalent – Closing**	**135031**	**119656**
टिप्पणी 16 के अनुसार नकद एवं नकद समानक	**Cash & Cash Equivalent as per Note 16**		
नकद एवं स्टैम्प हाथ में	Cash and Stamp on hand	5	4
चालू खाता	Current Accounts	35192	23205
लाभांश खाता	Divident Accounts	59	68
जमा खाता	Deposit Accounts	99775	96379
		135031	**119656**

टिप्पणी : अवधि के अंत में नकदी एवं नकदी समानक में शामिल दावा नहीं किए गए लाभांश रु. 68 लाख एवं दावे के विरुद्ध सावधि जमा रु. 906 लाख प्रतिभूति (गारंटी) स्वरूप रखे गए हैं एवं स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक के पास रु. 54 लाख का चालू खाता शेष, जो कंपनी के प्रयोग के लिए उपलब्ध नहीं है।

Note : Cash and Cash equivalents at the end of the period include Unclaimed Dividend of ₹ 68 lakh Term Deposit of ₹ 906 lakh furnished as guarantee against claims and ₹ 54 lakh current account balance with Standard Chartered Bank which are not available for use to the Company.

सम तारीख के हमारे प्रतिवेदन के संदर्भ में है।

In terms of our report of even date.

कृते एमएसटीसी लिमिटेड For MSTC Limited

कृते राय एंड कं.
सनदी लेखापाल
पंजीकरण सं. 313124ई

सीए एस पी बसु
साझेदार
एम नं. 050209

तारीख : 17-07.2015
स्थान : कोलकाता

For Ray & Co.
Chartered Accountants
Regn. No. 313124E

CA S P. Basu
Partner
M no. 050209

Dated : 17.07.2015
Place : Kolkata

(एस के त्रिपाठी)
अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक

(S. K. Tripathi)
Chairman-cum-Managing Director

(आर के चौधुरी)
महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा)

(R. K. Chaudhuri)
General Manager (Finance & Accounts)

(ए के बसु)
निदेशक (वित्त)

(A. K. Basu)
Director (Finance)

(सुब्रत कुमार राय)
कंपनी सचिव

(Subrata Kumar Ray)
Company Secretary

1. समेकित खातों पर महत्त्वपूर्ण लेखा नीतियां

1.1 समेकित विवरण की तैयारी का आधार

क) कंपनी का यह समेकित वित्तीय विवरण कंपनी अधिनियम, 2013 के संबंधित प्रावधानों के अधीन निर्दिष्ट लेखा मानकों के साथ भारत में साधारण रूप से स्वीकृत लेखा नीतियों (जीएएपी) के अनुसार तैयार किया गया है।

ख) समेकित वित्तीय विवरण एमएसटीसी लिमिटेड (कंपनी) तथा फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड इसकी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायिकी कंपनी से संबंधित है। समेकित वित्तीय विवरण निम्नलिखित आधार पर तैयार किया गया है :

क) लेख मानक (एएस) 21 - समेकित वित्तीय विवरण के अनुसार कंपनी एवं इसकी सहायिकी का वित्तीय विवरण लाइन-बाई-लाइन आधार पर संयुक्त रूप से तैयार किया गया है, इसमें आस्तियों, देयताओं, आय एवं व्यय, अंतः-समूह शेष तथा अंतः-समूह लेनदेनों को पूरी तरह से समाप्त कर जैसे मदों के खाता मूल्यों को एक साथ संयोजन किया गया है।

ख) सहायिकियों में शेयर अधिग्रहण के समय निवल आस्तियों पर साहयिकी में निवेश की लागत के बीच के अंतर को स्थिति के अनुसार वित्तीय विवरण में साख अथवा पूंजी आरक्षित के रूप में दिखाया गया है।

ग) जहां तक संभव हो सका है, समान लेनदेनों तथा समतुल्य परिस्थितियों में अन्य मुद्दों के लिए एक समरूप लेखा नीतियों का इस्तेमाल कर समेकित वित्तीय विवरण तैयार किया गया है एवं कंपनी के पृथक वित्तीय विवरण के जैसा ही उसी प्रारूप में प्रस्तुत किया गया है।

1.2 लेखा की तैयारी का आधार

समूह अपना खाता कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों तथा कंपनी अधिनियम, 2013 के संबंधित प्रावधानों के अधीन निर्दिष्ट लेखा मानकों के अनुसार साधारण रूप से स्वीकृत लेखा नीतियों (जीएएपी) के अनुसार रखरखाव करता है।

1.2 आंकलन का उपयोग

वित्तीय विवरणों की तैयारी के लिए जरूरत है कंपनी के प्रबंधन द्वारा किए गए आंकलन एवं अनुमानों, जो वित्तीय विवरण की तिथि को आस्तियों और देयताओं के उल्लिखित राशि को तथा रिपोर्टिंग अवधि के दौरान राजस्व एवं व्यय की उल्लिखित राशि को प्रभावित करता है। वास्तिवक परिणाम एवं आंकलन के अंतर, यदि कोई हो, को उसी अवधि में स्वीकृत किया गया है, जिस अवधि में वह ज्ञात/कार्यान्वित हुआ है।

1.3 आस्तियां एवं मूल्यह्रास

स्थाई आस्तियों को क्रय मूल्य से संचित मूल्यह्रास तथा नुकसान, यदि है, को घटाकर संशोधित मूल्य योजित कर/केंद्रीय मूल्य योजित कर के निवल लागत पर दिखाया गया है।

1. SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES ON CONSOLIDATED ACCOUNTS

1.1 BASIS OF PREPARATION OF CONSOLIDATED STATEMENTS

A) These consolidated financial statements have been prepared to comply with the Generally Accepted Accounting Principles in India (Indian GAAP), including the Accounting Standards notified under the relevant provisions of the Companies Act, 2013.

B) The consolidated financial statements relate to MSTC Limited ('the Company') and Ferro Scrap Nigam Limited its wholly owned Subsidiary Company. The consolidated financial statements have been prepared on the following basis :

a) The financial statement of the Company and its subsidiary combined on a line-by-line basis by adding together the book values of like items of assets, liabilities, income and expenses, after fully eliminating intra-group balances and intra-group transactions in accordance with Accounting Standard (AS) 21- "Consolidated Financial Statements".

b) The difference between the cost of investment in the subsidiary, over the net assets at the time of acquisition of shares in the subsidiaries is recognised in the financial statements as Goodwill or Capital REserve, as the case may be.

c) As far as possible, the consolidated financial statements are prepared using uniform accounting policies for like transactions and other events in similar circumstances and are presented in the same manner as the Company's separate financial statements.

1.2 BASIS OF ACCOUNTING

The Group maintains its accounts on accrual basis following the historical cost convention in accordance with generally accepted accounting principles ["GAAP"], in compliance with the provisions of the Companies Act, 2013 and the Accounting Standards as specified under the relevant provisions of the Companies Act , 2013.

1.2 USE OF ESTIMATES

The preparation of financial statements requires estimates and assumptions to be made that affect the reported amount of assets and liabilities on the date of the financial statements and the reported amount of revenues and expenses during the reporting period. The difference between the actual results and estimates, if any, are recognised in the period in which the results are known/materialised.

1.3 ASSETS AND DEPRECIATION

Fixed Assets are stated at cost net of eligible modvat / cenvat less accumulated depreciation and impairments, if any.

लीज पर ली गई जमीन को लीज अवधि में परिशोधित है।

सॉफ्टवेयर को, जहां यह संभावित है कि वह भविष्य में आर्थिक लाभ देगा, पूंजी में परिणत किया गया है तथा उसे अमूर्त आस्तियां के रूप में दिखाया गया है।

स्थाई आस्तियों पर मूल्यह्रास का प्रावधान कंपनी अधिनियन, 2013 की अनुसूची II में निर्धारित प्रारूप में सीधे तौर-तरीके पर किया गया है। तथापि, सहायिकी कंपनी के मामले में नीचे उल्लेखित आस्तियों की श्रेणी के लिए मूल्यह्रास तकनीकी रूप से आंकलित अनुमानित इस्तेमाल के योग्य जीवन काल के आधार पर सुनिश्चित एवं प्रभारित किया गया है। हॉट स्लैग के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले संयंत्र एवं मशीनरी - 5 वर्ष। डोजर - 7 वर्ष। एक्सकेवटर 1.2 से 5 घन मी - 7 वर्ष। क्रेन - 15 वर्ष। मैग्नेटिक सेपरेटर -15 वर्ष। उपरोक्त-9 में उल्लेखित आस्तियों को छोड़कर "संयंत्र एवं मशीनरी" के अधीन सभी आस्तियाँ - 19 वर्ष। रु. 5 हजार से कम मूल्य की आस्तियां - सौ प्रतिशत। सौर्य संयंत्र - 10 वर्ष। अमूर्त आस्ति के रूप में वर्गीकृत कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर - 6 वर्ष।

सहायिकी के मामले में :

(i) पूंजी जारी कार्य को लागत पर मूल्यांकित किया गया है एवं उसमें पारगमन में उपकरण तथा स्थाई आस्तियों जो निर्दिष्ट तिथि को अपने इच्छुक प्रयोग के लिए अब तक तैयार नहीं है की लागत शामिल है। रद्दी/व्यर्थ स्थाई आस्तियों का मूल्यांकन शुद्ध खाता मूल्य तथा अनुमानित शुद्ध प्राप्य मूल्य से कम किया गया है।

(ii) निपटाने के लिए प्रतीक्षारत स्थाई आस्तियों को "अन्य गैर-चालू आस्तियां" के अधीन उनके शुद्ध अवलेखित मूल्य पर वर्गीकृत किया गया है, चूंकि संबंधित आस्तियां को सामान्य नियमित परिचालन के लिए पहले ही हटा दिया गया है एवं सिर्फ बिक्री/नीलामी के लिए रखा गया है। इसके अलावा, प्रबंधन को कथित आस्ति के किसी भी अंश के प्रति यह संभावना है कि तुलन पत्र की तारीख के एक वर्ष के अंदर निपटान करना होगा, उसे चालू आस्तियों के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

1.4 निवेश

जो निवेश एक वर्ष से अधिक के लिए हैं/किए जाने हैं, उन्हें दीर्घकालीन निवेश माना जाता है। निवेशों की गणना लागत के अनुसार की जाती है। लाभ-हानि को केवल बिक्री के वक्त आय/खर्च के रूप में जोड़ा जाता है। वर्तमान निवेश की लागत कम आंका जाता है तथा उचित मूल्य का निर्धारण व्यक्तिगत निवेश के आधार पर किया जाता है।

1.5 स्टॉक

मार्गस्थ सामान सहित व्यापारगत स्टॉक की मूल्य गणना उसके लागत मूल्य या अनुमानित शुद्ध प्राप्य कीमत, दोनों में जो भी कम हो, के आधार पर की जाती है। सहायिकी कंपनी के मामले में :

i) स्टॉक मदों, जिसे तीन वर्षों से अधिक समय से अविचल है को स्थिर स्टॉक के रूप में दिखाया गया है। इन्हें लागत पर मूल्यांकित किया गया है एवं वर्ष 2001-2002 से प्रत्येक वर्ष लागत पर दस प्रतिशत कटौती की गई है।

ii) रद्द/व्यर्थ भंडार मदों का मूल्यांकन लागत अथवा अनुमानित कुल प्राप्त मूल्य, जो कम है, के आधार पर किया गया है।

Leasehold land is amortised over the lease period.

Software is capitalized where it is expected to provide future enduring economic benefits and same is shown under Intangible Assets.

Depreciation on fixed assets has been provided on Straight-line method in the manner prescribed in Schedule II of Companies Act, 2013. However in case of subsidiary, for the following class of assets depreciation has been determined and charged on the basis of technically assessed estimated useful life. Plant and Machinery used for hot slag handling - 5 years. Dozer - 7 years. Excavators 1.2 to 5 Cum - 7 years. Cranes - 15 years. Magnetic Separators-15 years. All assets under "Plant and Machinery" except assets mentioned above-9.19 years. Assets with value less than Rs. 5 Thousand - Hundred percent. Solar Plant - 10 years. Computer Software classified as Intangible Asset-6 years.

In case of subsidiary :

(i) Capital Work-in-Progress is valued at cost and includes equipment in transit and the cost of fixed assets that are not yet ready for their intended use at the reporting date. The Scraped/redundant fixed assets are valued at lower of the net book value and estimated net realizable value.

(ii) Fixed Assets Awaiting Disposal is classified under "Other non-current Assets" at their net written down value since these assets have already been retired from normal continuing operations and is held only for sale/auction. Further, where the management expects that any part of said asset is likely to be disposed off within one year on the Balance Sheet date, the same are classified as current assets.

1.4 INVESTMENTS

Investments held / intended to be held for a period exceeding one year are classified as long term investments and the same are stated at cost. Gains / losses on long term investments are considered as income/expenditure at the time of sale only. Current investments are stated at lower of cost and fair value determined on an individual investment basis.

1.5 INVENTORIES

Stock in trade including Material-in-transit is valued at cost or estimated net realisable value whichever is less. In case of subsidiary :

i) The inventory items, which have not moved for more than three years, are considered as nonmoving inventory. These are valued at cost reduced by ten percent of cost every year from the year 2001-2002.

ii) The scraped/redundant stores items are valued at cost or estimated net realizable value whichever is lower.

1.6 राजस्व गणना

राजस्व की गणना संग्रहण आधार पर किया जाता है, सिर्फ नीचे उल्लिखित मदों को छोड़कर जो वास्तविक वसूली पर लेखांकित किया जाता है। चूंकि आईसीएआई द्वारा जारी एएस-9 के प्रावधान के अनुसार इन मदों की वसूली अनिश्चित है।

i) निष्पादित/विवादित बकाया एवं उस पर ब्याज, यदि कोई है, के लिए निर्णय लंबित है।

ii) अतिशोध्य वसूलीयोग्य रकम पर ब्याज, जिसकी वसूली संदिग्ध है।

iii) आपूर्तिकर्त्ताओं अथवा ठेकेदारों पर परिसमाप्त क्षति

iv) आयकर/विक्रय कर/वैट तथा उस पर ब्याज की वापसी।

v) बीमा कंपनी द्वारा स्वीकार किए जाने पर बीमा दावे को लेखा में शामिल किया जाता है।

vi) लाभांश प्राप्ति का अधिकार प्राप्त होने पर लाभांश आय की गणना की जाती है।

क्रय

i) आयातित सामग्री को लदान-बिल की तारीख के आधार पर क्रय के रूप में लेखा में शामिल किया जाता है। जहां तक मूल्य का संबंध है, की गई खरीद को वास्तविक प्रेषण के आधार परंतु एवं जहां इस तरह का प्रेषण वित्त वर्ष के अंत तक नहीं हुआ हो, पर माल बुक किया गया हो वहां पहले से तय एफईडीएआई स्पॉट विनिमय दरों या अगर अग्रेषण पत्र नहीं लिया गया हो तो वित्त वर्ष के आखिरी दिन को लागू तत्कालीन विनिमय दरों पर, यथास्थिति, लेखा में सी एंड एफ/ सीआईएफ के साथ दर्ज किया जाता है एवं तत्पश्चात अंतिम समायोजन अगले वित्त वर्ष में वास्तविक भुगतान पर किया जाता है।

ii) स्वदेशी सामग्री के मामले में, खरीददारी को परिवहन दस्तावेज के आधार पर लेखा में डाला जाता है। जहां तक मूल्य का संबंध है, चालानों पर अंकित मूल्य को ही खरीद मूल्य माना जाता है।

(2) विक्रय

i) हाई-सी बिक्री को हाई-सी विक्रय पत्र निर्गत होने की तारीख के आधार पर लेखे में बुक किया जाता है। जहां तक लागत का संबंध है, यदि माल बुक किया गया हो तो, पहले से तय एफईडीएआई स्पॉट विनिमय दरों पर या अंनतिम रूप से बुक किया गया हो तो वित्त वर्ष के समापन की तारीख पर प्रचलित उपलब्ध विनिमय दरों पर, जहां अग्रेषण पत्र नहीं लिया गया है, मूल्य की गणना सी एंड एफ/ सीआईएफ के साथ की जाती है तथा अंतिम समायोजन अगले वित्त वर्ष में भुगतान की तय तारीख पर कर दिया जाता है।

ii) स्वदेशी सामग्री के मामले में, बिक्री को परिवहन दस्तावेज के आधार पर लेखा में डाला जाता है। जहां तक मूल्य का संबंध है, चालानों पर अंकित मूल्य के आधार पर लेखा में शामिल किया जाता है। डोर डिलीवरी पर बिक्री के मामले में बिक्री के चालान तिथियों पर बिक्री को लेखा में शामिल किया जाता है।

iii) निर्यात के मामले में बिक्री को शिपमेंट की तारीख के आधार पर लेखा दर्ज किया जाता है। जहां तक मूल्यों का संबंध है, बिक्री या तयशुदा अग्रेषण विनिमय दरों पर यदि बुक की गई है, या माल की निकासी

1.6 REVENUE RECOGNITION

Revenue is recognized on accrual basis except in the following items which are accounted on actual realization since realizability of such items is uncertain in accordance with the provisions of AS-9 issued by ICAI.

i) Decrees pending for execution/contested dues and interest thereon, if any.

ii) Interest on overdue recoverables where realizability is uncertain./

iii) Liquidated damages on suppliers or contractors.

iv) Refund of Income-Tax/Sales Tax/VAT and interest thereon.

v) Insurance claims are accounted for on being accepted by the Insurance Company.

vi) Dividend income is recognized when right to receive dividend is established

PURCHASES

i) Imported materials are accounted for as purchase on the basis of date of bill of lading. As regards value, purchase are booked on the basis of actual remittance and where such remittance are outstanding at the close of the year, on the basis of contracted forward exchange rates, if booked, or FEDAI spot exchange rates prevailing on the last date of the financial year, in case forward cover was not taken, as the case may be, which includes C&F / CIF price and usance interest followed by final adjustments on actual payment in subsequent financial year.

ii) In case of indigenous materials, purchases are booked on the basis of transport documents and as regards value, based on the value of invoices.

SALES

i) High sea sales are booked on the basis of date of issuance of high sea sale letter. As regards value, sales are booked either at contracted forward exchange rates, if booked, or provisionally on the basis of FEDAI spot exchange rates prevailing on the last date of the financial year, where forward cover was not taken, which includes C&F / CIF price, usance interest followed by final adjustment on due date of payment in subsequent financial year.

ii) In case of indigenous material, sales are accounted for on the basis of date of transport documents and as regards value, based on the value of invoices. In Case of sale on door delivery basis sales are booked on sales invoice dates.

iii) In case of export, sales are accounted for on the basis of date of shipment. As regards value, sales are booked either at contracted forward exchange

दस्तावेज के अनुसार शिपमेंट की तारीख पर एफईडीएआई दरों में निर्यात के वास्तविक वसूली पर अंतिम समायोजन के बाद लेखे में लिया जाता है।

सेवा शुल्क

फेसिलिटेटर मोड के माध्यम से विपणन विभाग में लेनदेन के लिए, प्रिंसिपलों की ओर से नीलामी, निविदा या अन्य विधियों से बिक्री/अधिप्राप्ति कार्य करने के वास्ते प्राप्त पारिश्रमिक को सेवा-शुल्क के रूप में लेखा में लिया जाता है।

(क) सेवा शुल्क को तयशुदा दरों पर आय के रूप में निम्नलिखित रूप से लेखा में शामिल किया जाता है:

i) सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, रक्षा एवं अन्य सरकारी विभागों की ओर से की गई निविदा/नीलामी-बिक्री के मामले में, बिक्री आदेशों/डिलीवरी आदेशों के जारी होने पर।

(ii) ई-विक्रय की संतोषजनक समाप्ति पर।

उपरोक्त (i) एवं (ii) के संबंध में ऑक्शन के बोली मूल्य पर सेवा शुल्क लेखे में लिया जाता है समायोजन के साथ, अगर है, प्रिंसिपल द्वारा वास्तविक प्रेषण के आधार पर।

(iii) कार्यक्रम होने पर, अगर कार्यक्रम के आधार पर सेवा संविदा है।

(iv) ई-प्रोक्योरमेंट के मामले में सेवा शुल्क निम्न रूप में गणना की जाती है:

पुराने संस्करण में, कार्यक्रम सम्पूर्ण होने पर, प्रिंसिपल से सेवा शुल्क संग्रहणीय है तथा नए संस्करण में बोलीदाताओं से प्राप्त रसीद पर लेन देन शुल्क लेखादेय है।

(ख) कार्यक्रम के सफलतापूर्वक संचालन पर ई प्रोक्योरमेंट लेनदेन शुल्क गणना की जाती है।

(ग) मध्यस्थ के रूप में क्रय से प्राप्त सेवा शुल्क को तयशुदा दर पर लदान बिल की/रेलवे रसीद/लॉरी रसीद की तारीख के आधार पर, यथा स्थिति, लेखा में लिया जाता है। आयातित सामग्री के लिए मूल्य-निर्धारण या तो अग्रेषण आवरणपत्र में अंकित दर या वित्तीय वर्ष के अंतिम तारीख को प्रचलित एफईडीएआई स्पॉट दर पर किया जाता है। अंतिम समायोजन वास्तविक भुगतान के आधार पर किया जाता है। स्वदेशी सामान के मामले में, मूल्य निर्धारण तयशुदा दर पर किए गए वास्तविक भुगतान के आधार पर किया जाता है।

(घ) सहायिकी कंपनी के मामले में सेवा शुल्क संबंधित इस्पात संयंत्रों द्वारा प्रस्तावित/उनके साथ तय दरों पर कंपनी द्वारा रद्दी की बिक्री तथा विविध कार्यों के लिए अर्जित आय को दर्शाता है।

ई-नीलामी पंजीकरण

ई-नीलामी पंजीकरण के लिए क्रेताओं से पंजीकरण शुल्क लिया जाता है। अगर पंजीयन की वैधता एक वर्ष के लिए तो इसे चालू वर्ष की आय के रूप में माना जाता है। अगर पंजीकरण आजीवन अवधि के लिए है तो पंजीयन शुल्क की प्राप्त राशि को समान रूप से पांच वर्षों में बांट दिया जाता है।

1.7 आय पर कर

i) आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार गणना किए गए करयोग्य आय के आधार पर चालू कर निर्धारित किया जाता है।

rates, if booked, or at the FEDAI rate on the date of shipment as per custom clearance document, followed by final adjustment on actual realization of export proceeds.

SERVICE CHARGES

Remuneration for transaction in Marketing Department through facilitator mode and for conducting sales/procurement on behalf of Principals, by way of auctions, tenders, or any other means, are accounted for as service charges.

(a) Service charges are accounted for as income at contracted rates on:

i) Tender/Auction sale on behalf of Public Sector Undertakings, Defence and other Government Departments on issuance of sale orders / delivery orders.

ii) On satisfactory completion of e-sales.

In respect of (i) & (ii), service charges are accounted for on bid price of auction with adjustments, if any, on the basis of actual delivery by the Principals.

iii) On occurrence of event , in case of service contract on event basis.

iv) In case of E–Procurement Service charges are booked :

In old version where service charges are collectable from the Principal, on completion of event, and in the new version, transaction fees are accountable on receipt from the bidders.

(b) E Procurement transaction fees are accounted on successful conduct of event.

(c) Service charges accrued in respect of purchase as facilitator are accounted for at the contracted rate on the basis of date of bill of lading / railway receipt / lorry receipt as the case may be. For imported materials, value is ascertained either at forward cover rate or at FEDAI spot rate prevailing on the last date of the Financial Year. Final adjustment is made on actual payment. In case of indigenous materials, value is ascertained on the basis of actual payment at contracted rate.

(d) In case of subsidiary service charges represent the income earned for processing of scrap and miscellaneous jobs done by the Company at the rates agreed with/offered to the respective Steel Plants.

E-AUCTION REGISTRATION

E-auction Registration fees collected from buyers is considered as income of the current year if the validity of registration is upto one year. In case of life long registration, the amount so collected is distributed in five years equally.

1.7 TAXES ON INCOME

i) Current tax is determined on the basis of taxable income computed in accordance with the provisions of the Income Tax Act, 1961.

ii) आस्थिगत कर की स्वीकृति निर्भर करता है, समय के अंतर के विवेचना से एक ही अवधि के कर योग्य आय और लेखा आय के भेद पर एवं एक या अधिक अवधि में पलटने में सक्षम है।

iii) आस्थिगत कर आस्तियों की आगे ले जाने वाली रकम की समीक्षा प्रत्येक तुलन पत्र तिथि को की जाती है।

1.8 पूर्व-अवधि समायोजन

भारत के सनदी लेखापाल संस्तान द्वारा जारी एएस-5 के प्रावधानों के अनुसार पूर्व वर्ष से संबंधित आय और व्यय को "पूर्व-अवधि समायोजन लेखा" शीर्षक के अधीन लेखा में लिया गया है। सहायिकी कंपनी के मामले में प्रत्येक स्थिति में रकम दस हजार रूपये से कम रहने पर उसे इस नीति से दूर रखा जाता है।

1.9 प्रावधान एवं आकस्मिक देयताएं

मात्रा के आंकलन का पर्याप्त डिग्री जिसे तब रेखांकित किया गया है जब वर्तमान दायित्व गत घटना का परिणाम है, को प्रावधान में शामिल किया गया है एवं संभव है कि संसाधन का बहिर्प्रवाह होगा एवं दायित्व राशि के आधार पर एक विश्वसनीय आंकलन किया जा सके। इन सबों पर पुनर्विचार प्रत्येक तुलन-पत्र की तारीख पर किया गया है और वर्तमान उचित आंकलन के सामने इसका समायोजन किया गया है। प्रबंधन/स्वतंत्र विशेषज्ञ के निर्णय के आधार पर आकस्मिक देयताओं का निर्णय किया जाता है। इन सबों पर प्रत्येक तुलन-पत्र की तारीख पर विचार किया गया और प्रबंधन के वर्तमान आंकलन के सामने समायोजन किया गया।

1.10 संदिग्ध ऋणों/अग्रिमों के लिए प्रावधान

साधारण तौर पर, बकाया राशि की अवधि की अपेक्षा किए बिना जहां पर वसूली की अनिश्चितता होती है संदिग्ध ऋणों/अग्रिमों के लिए प्रावधान किया जाता है।

विपणन ग्राहकों के लिए जहां पर बकाया राशि को साधारणतः बंधक स्टॉक द्वारा सुरक्षित किया जाता है, वहां उनकी वसूली के मद्देनजर प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में बकाया शेष राशि की वार्षिक समीक्षा की जाती है एवं तद्नुसार खाते में पर्याप्त प्रावधान किया जाता है।

ई-कॉमर्स ग्राहकों के लिए जिसमें मुख्य रूप से सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम तथा सरकारी विभाग शामिल होते हैं, जहां वसूली में साधारणतः अधिक समय लगता है। यद्यपि डिलीवरी आर्डरों के जारी होने पर बिल जमा किया जाता है परंतु वास्तविक रूप से डिलीवरी के समापन होने पर भुगतान किया जाता है। इस तरह के देनदारों के लिए तीन वर्षों से अधिक समय के बकाया के लिए पूरा प्रावधान किया जाता है जब तक न रकम को वसूली योग्य माना जाता है।

1.11 कर्मचारी का हित

लघु अवधि लाभ

लघु अवधि कर्मचारी हित का लेखा उनके अनडिस्काउंटेड राशि के लिए उस वर्ष में ही किया जाता है, जिस वर्ष में सेवाएं प्रदान की गई हैं।

क) भविष्य निधि

भविष्य निधि का संचालन आयकर प्राधिकारी द्वारा मान्यताप्राप्त न्यास द्वारा किया जाता है तथा इस निधि के लिए अंशदान को राजस्व के रूप में लिया जाता है। पेंशनभोगियों के लिए लाभ को कर्मचारी पेंशन योजना 1995 के

ii) Deferred tax is recognised on timing differences between taxable and accounting income/expenditure that originates in one period and are capable of reversal in one or more subsequent period(s).

iii) The Carrying amount of Deferred tax assets are reviewed at each Balance Sheet date.

1.8 PRIOR PERIOD ADJUSTMENT

Expenditure/Income relating to previous year is shown in the accounts under the head " Prior period adjustment account" as per the provisions of AS-5 issued by the Institute of Chartered Accountants of India. In case of subsidiary amount less than rupees ten thousand in each case is kept out of this policy.

1.9 PROVISIONS AND CONTINGENT LIABILITIES

Provisions involving substantial degree of estimation in measurement are recognized when there is a present obligation as a result of past events and it is probable that there will be an outflow of resources and a reliable estimate can be made of the amount of the obligation. These are reviewed at each balance sheet date and adjusted to reflect the current best estimate. Contingent liabilities,if material, are disclosed by way of notes. These are reviewed at each balance sheet date and are adjusted to reflect the current estimate of management.

1.10 PROVISIONS FOR DOUBTFUL DEBTS/ADVANCES

In general, provision for doubtful debts/advances is made where there is uncertainty of realization irrespective of the period of its dues.

For Marketing customers where dues are generally secured by pledged stock, outstanding balances are reviewed annually towards the end of each financial year with respect to their realisability and accordingly adequate provisions are made in the books.

For E-Commerce customers which mainly comprise of public sector undertakings and Govt. departments, the realization normally takes more time, although bills are raised on issuing delivery orders but payments are made on completion of actual delivery. For such debtors outstanding over three years full provision is made unless the amount is considered recoverable.

1.11 EMPLOYEE BENEFITS

Short term benefits

Short term employee benefits are accounted for at their undiscounted amount in the accounting period in which the services are rendered.

a) Provident Fund :

Provident Fund is administered by a Trust recognized by Income Tax Authorities and contribution to this Fund is charged to revenue. Pensioners Benefits are secured through Employees' Pension Scheme 1995.

जरिए सुरक्षित रखा गया है।

(ख) **सेवा ग्रेच्युटी**

सेवा ग्रेच्युटी खाते के तहत देयताएं भारतीय जीवन बीमा निगम की ग्रुप ग्रेच्युटी लाइफ एश्योरेंस स्कीम के तहत रक्षित की गई है तथा कंपनी द्वारा इस उद्देश्य के लिए गठित एक पृथक स्थिर न्यास द्वारा संचालित किया जाता है। इस स्कीम के लिए अंशदान राजस्व के लिए प्रभारित किया गया है।

(ग) अस्पताल में दाखिला जैसी सेवानिवृत्ति के पश्चात चिकित्सा सुविधाएं इस उद्देश्य के लिए गठित एक न्यास द्वारा परिचालित की जाती है। न्यास का प्रबंधन कंपनी द्वारा एक प्रदत्त कॉरपस फंड द्वारा किया जाता है।

अवकाश प्राप्ति के पश्चात डोमिसिलीयरी चिकित्सा के लिए रकम की प्रतिपूर्ति उक्त न्यास द्वारा समय-समय पर निर्धारित अधिकार के अनुसार की जाती है। सहायिकी के मामले में बीमांकित मूल्यांकन के आधार पर प्रावधान किया गया है।

(घ) अवकाश प्राप्ति पर छुट्टियों का नकदीकरण भारतीय जीवन बीमा निगम के ग्रुप लीव इंकैशमेंट स्कीम पॉलिसी के तहत रक्षित है। सहायिकी के मामले में वर्ष के अंत में बीमांकित मूल्यांकन के आधार पर प्रावधान किया गया है तथा बीमांकित लाभ/हानि के साथ लाभ एवं हानि खाते में प्रभारित किया गया है।

(ङ) सहायिकी कंपनी के मामले में, कर्मचारी परिवार लाभ योजना के अधीन विकलांग कर्मचारी/मृत कर्मचारियों के संविधिक उत्तराधिकारियों को भावी भुगतान, दीर्घायु सेवा पुरस्कार एवं अन्य सेवानिवृत्ति के उपरांत निपटान लाभ का प्रावधान वर्ष के अंत में बीमांकित मूल्य के आधार पर किया जाता है तथा बीमांकित लाभ/हानि के साथ लाभ एवं हानि खाते में प्रभारित किया गया है।

1.12 संपत्तियों की हानि

आय स्रोत इकाइयों/संपत्तियों की लागत पर हानि का निर्धारण एवं सुनिश्चित तभी किया जाता है कि जब प्राप्त राशि की तुलना में मूल लागत अधिक हो। इस हानि को संबंधित वर्ष के लाभ एवं हानि खाते में दिखाया जाता है, जिस वर्ष में हानि के रूप में संपत्ति को चिन्हित किया गया हो।

सहायिकी कंपनी के मामले में, पूर्ववर्ती वर्षों में, निर्धारित हानि की राशि, यदि कोई हो, को उलट कर दिया जाता है, जब यह संकेत हो कि सम्पत्ति की ज्ञात हानियां अब आगे नहीं होगी अथवा कम हो जाएगी। हालांकि, सम्पत्ति की हानि के उलट के चलते सम्पत्ति की आगे ले जाने वाली रकम में वृद्धि को उस सीमा तक अनुमोदित किया जाता है, जो निर्धारित (शुद्ध मूल्यह्रास) आगे ले जाने वाली रकम से अधिक न हो एवं पूर्व वर्षों में सम्पत्ति के लिए कोई भी सम्पत्ति की हानि न हो।

1.13 विदेशी मुद्रा अंतरण

विदेशी मुद्रा में लेनदेन को या तो वादया बुकिंग दर या हाजिर दर के अनुसार लेखे में लिया जाता है, एवं जहां वर्ष के समापन के वक्त ऐसी रकम (वसूली योग्य बकाया राशि जिसकी वसूली संदिग्ध है को छोड़कर) बकाया है वहां तयशुदा वायदा विनिमय दरों पर या फिर वित्त वर्ष की आखिरी तारीख को प्रचलित हाजिर विनिमय दरों के आधार पर, यथास्थिति, लेखा में लिया जाता है, अगले वर्ष में वास्तविक

(b) Service Gratuity :

Liability on account of service gratuity is covered under Group Gratuity Life Assurance Scheme of Life Insurance Corporation of India and is administered through a separate irrevocable trust created by the Company for this purpose. Contribution to the scheme is charged to revenue.

(c) Post Retirement medical benefit for hospitalistion is covered by Insurance Policy administered by a trust formed for the purpose. The trust is managed with the corpus funded once by the Company.

Medical expenses on account of post retirement domiciliary treatment are reimbursed by the said trust as per entitlement fixed from time to time. In case of subsidiary the provision is made based on actuarial valuation.

(d) Leave Encashment on retirement are covered by Group Leave Encashment Scheme Policy of Life Insurance Corporation of India. In case of subsidiary the provision is made based on actuarial valuation, as at the end of the year and charged to the profit and loss account along with actuarial gains/losses.

(e) In case of subsidiary the provision towards, future payments to the disabled employee/legal heirs of deceased employees under the Employees Family Benefit Scheme, long term service award and other post retirement settlement benefits, are made based on the actuarial valuation as at the end of the year and charged to the profit and loss account along with actuarial gains/losses.

1.12 IMPAIRMENT OF ASSETS

Impairment of cash generating units / assets is ascertained and considered where the carrying cost exceeds the recoverable amount being the higher of net realisable amount and value in use**.** An impairment loss is charged to the profit & loss account in the year in which an asset is identified as impaired.

In case of subsidiary, impairment losses recognized in prior years, if any, are reversed when there is an indication that the recognized impairment lossess for the asset, no longer exist or have decreased. However, the increase in carrying amount of an asset due to reversal of an impairment loss is recognized to the extent it does not exceed the carrying amount that would have been determined (net of depreciation) had no impairment loss been recognized for the asset in prior years.

1.13 FOREIGN CURRENCY TRANSLATION

Transaction in foreign currency are recorded either on forward booking rate or on spot rate and where such remittance are outstanding at the close of the year (except for overdue recoverables where realisability is uncertain), on the basis of contracted forward exchange rates or spot exchange rates prevailing on the last date of the financial year, as the case may be, with an adjustment on actual remittance in subsequent year. In

भुगतान के समायोजन के साथ। निर्यात के मामले में विदेशी मुद्रा में लेनदेन को फॉरवर्ड बुकिंग दर के आधार पर अथवा कस्टम के क्लीयरेंस प्रमाणपत्र के अनुसार शिपमेंट की तारीख को हाजिर दर पर रिकॉर्ड किया जाता है और वर्ष के अंत में अगर इस तरह की राशि बकाया है तो अगले वर्ष निर्यात के लिए वास्तविक रूप से मिली राशि का समायोजन किया जाता है।

स्पॉट दर एफईडीएआई दरों पर के अनुसार होती है। ग्राहकों के साथ किए गए अनुबंध के अनुसार विदेशी मुद्रा में उतार-चढ़ाव के कारण होने वाले अंतर का वहन ग्राहकों को करना होगा। विदेशी मुद्रा के लाभ/हानि को कंपनी के खाते में नहीं दिखाया जाता है।

1.14 कर्ज की लागत

(i) अधिग्रहण और विशेष आस्तियों के निर्माण के लिए ली गई निधि का पूंजीकरण उस आस्तियों को इस्तेमाल करने की तिथि तक तथा (ii) अन्य उद्देश्यों से ली गयी निधि से संबंधित ऋण लागत को लाभ एवं हानि लेखा में दिखाया गया है।

1.15 खंडवार रिपोर्टिंग

एएस-17 के तहत कंपनी ने विपणन एवं ई-कॉमर्स को दो मुख्य रिपोर्टेबल व्यवसायिक खंडों के रूप में चिन्हित किया है। इसके अलावा, सहायिकी द्वारा प्रबंधित रद्दी की वसूली एवं संबंधित कार्यों को तीसरा रिपोर्टेबल व्यवसायिक खंड के रूप में चिन्हित किया गया है। इसका कोई भी सेकेंडरी खंड नहीं है।

1.16 प्रति शेयर उपार्जन

मूल प्रति शेयर अर्जन की गणना अवधि के लिए बकाया इक्विटी शेयरों की औसत संख्या द्वारा इक्विटी शेयरधारकों की आरोप्य अवधि के लिए निवल लाभ अथवा हानि को विभाजित कर दिया जाता है।

डाइलूटेड प्रति शेयर उपार्जन की गणना के लिए, अवधि के लिए बकाया इक्विटी शेयरों की औसत संख्या द्वारा इक्विटी शेयरधारकों की आरोप्य अवधि के लिए निवल लाभ अथवा हानि को सभी डाइलूटिव भावी इक्विटी शेयरों के प्रभाव के लिए समाजोयित किया जाता है।

case of export, transaction in foreign currency are recorded either on forward booking rate or on spot rate on shipment date as per custom clearance document and where such remittance are outstanding at the close of the year, it is adjusted in the subsequent year on actual realization of export proceeds.

The spot rate is as per FEDAI rates. Wherever foreign exchange fluctuations are to be borne by the customers as per agreement with them, foreign exchange gain/ loss are not recognized in the books of the Company.

1.14 BORROWING COST

Borrowing Cost relating to (i) funds borrowed for acquisition/construction of qualifying assets are capitalized upto the dates the assets are put to use, and (ii) funds borrowed for other purposes are charged to Profit & Loss Account.

1.15 SEGMENT REPORTING

In terms of AS-17 the Company has identified Marketing and E-Commerce as its two Primary Reportable Business Segments. In addition to this the business of recovery of scrap and allied jobs handled by subsidiary has been identified as third reportable business segment. There is no Secondary Segment.

1.16 EARNINGS PER SHARE

Basic earnings per share is computed by dividing net profit or loss for the period attributable to equity shareholders by the weighted average number of equity shares outstanding for the period.

For the purpose of calculating diluted earnings per share, the net profit or loss for the period attributable to equity shareholders and the weighted average number of shares outstanding during the period are adjusted for the effects of all dilutive potential equity shares.

MSTC LTD.

NOTES ON CONSOLIDATED FINANCIAL STATEMENTS FOR THE YEAR ENDED 31st MARCH, 2015

एमएसटीसी लिमिटेड

31 मार्च 2015 को समाप्त वर्ष के लिए समेकित वित्तीय प्रतिवेदन पर टिप्पणी

टिप्पणी 2 : शेयर पूंजी

Note 2 : Share Capital

(₹ in Lacs) / (रु. लाख में)

शेयर पूंजी Share Capital		मार्च, 2015 को As at 31 March 2015 संख्या Number	₹	मार्च, 2014 को As at 31 March 2014 संख्या Number	₹
प्राधिकृत प्रत्येक रु. 10/- के इक्विटी शेयर	**Authorised** Equity Shares of ₹10/- each	5,00,00,000	5,000	5,00,00,000	5,000
जारी, अभिदत्त एवं पूर्णतः प्रदत्त प्रत्येक रु. 10/- के इक्विटी शेयर	**Issued, Subscribed & fully Paid up** Equity Shares of ₹ 10/- each	88,00,000	880	88,00,000	880
कुल	**Total**	**88,00,000**	**880**	**88,00,000**	**880**

टिप्पणी 2(ए) : प्रतिवेदित अवधि के आरम्भ और समाप्ति पर बकाया शेयरों की संख्या के मिलान का प्राधिकृत विवरण:

Note 2(a) : Reconciliation of the number of shares outstanding at the beginning and at the end of the reporting period :

विवरण Particulars		मार्च, 2015 को As at 31 March 2015 संख्या Number	₹	मार्च, 2014 को As at 31 March 2014 संख्या Number	₹
वर्ष के आरम्भ में बकाया शेयर	Shares outstanding at the beginning of the year	88,00,000	880	88,00,000	880
वर्ष की समाप्ति पर बकाया शेयर	Shares outstanding at the end of the year	88,00,000	880	88,00,000	880

टिप्पणी 2 (बी) : कंपनी में केवल एक ही श्रेणी का सामान्य शेयर (ईक्विटी शेयर) है। सामान्य शेयर (ईक्विटी शेयर) के प्रत्येक धारक प्रति शेयर के लिए एक वोट के हकदार और लाभांश के हकदार हैं तथा बंद किए जाने की स्थिति में अधिशेष यदि है, के भागीदार हैं।

Note 2(b) : The Company has only one class of ordinary shares ('Equity Shares'). Each holder of ordinary shares ('Equity Shareholders') is entitled to one vote per share and are entitled to dividend and to participate in surplus, if any, in the event of winding up.

टिप्पणी 2 (सी) : कंपनी के शेयरों की कुल मात्रा का 5 प्रतिशत से ज्यादा शेयर रखने वाले शेयर धारक:

Note 2(c) : Shares in the company held by each shareholder holding more than 5 percent shares:

शेयरधारक का नाम Name of Shareholder		मार्च, 2015 को As at 31 March 2015 धारित शेयरों की संख्या No. of Shares held	धारण का % प्रतिशत % of Holding	मार्च, 2014 को As at 31 March 2014 धारित शेयरों की संख्या No. of Shares held	धारण का % प्रतिशत % of Holding
भारत के राष्ट्रपति	President of India	79,06,400	89.85%	79,06,400	89.85%

टिप्पणी 2(डी) : वर्ष 2012-13 के दौरान 3:1 के अनुपात में 66,00,000 बोनस शेयरों को जारी किया गया।

Note 2(d) : 66,00,000 bonus shares has been issued during Financial Year 2012-13 in the ratio of 3:1.

टिप्पणी 3 : आरक्षित एवं अधिशेष :

Note 3 : Reserves and Surplus :

(रु. लाख में)/(₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	31 मार्च 31 March 2015	31 मार्च 31 March 2014
ए. सामान्य आरक्षित	**a. Capital Reserve**		
आरम्भिक जमा	Opening Balance	3,416	3,416
अंतिम शेष	Closing Balance	**3,416**	**3,416**
बी. सामान्य आरक्षित	**b. General Reserve**		
आरम्भिक जमा	Opening Balance	71,518	77,741
(+) वर्तमान वर्ष का अंतरण	(+) Current Year Transfer	8,079	(6,230)
(-) आस्तियों पर शेष मूल्यह्रास जिनका उपयोगी जीवन कालन दिनांक 1.4.14 को समाप्त हो गया	(-) Balance depreciation on assets whose useful life is over as on 1.4.14	93	0
(+) रिटेन बैक डीडीटी के लिए अतिरिक्त प्रावधान	(+) Excess provision for DDT written back	0	7
अंतिम शेष	**Closing Balance**	**79,504**	**71,518**
सी. अधिशेष	**c. Surplus**		
आरम्भिक जमा	Opening balance	0	1
चालू वर्ष के लिए (+) शुद्ध लाभ/शुद्ध हानि	(+) Net Profit/(Net Loss) For the current year	10,341	(6,202)
(-) प्रस्तावित लाभांश	(-) Proposed Dividends	1,822	0
(-) लाभांश वितरण कर	(-) Dividend Distribution Tax	440	29
(-) आरक्षित में अंतरण	(-) Transfer to Reserves	8,079	(6,230)
अंतिम शेष	Closing Balance	**0**	**0**
कुल	**Total**	**82,920**	**74,934**

टिप्पणी 4: अन्य दीर्घावधि देयताएं :

Note 4 : Other Long Term Liabilities:

विवरण	Particulars	31 मार्च 31 March 2015	31 मार्च 31 March 2014
(ए) व्यापारगत देय	(a) Trade Payable	2	2
(बी) ई-नीलामी पंजीकरण से अग्रिम प्राप्त आय	(b) Income received in advance - E auction	291	286
(सी) कर्मचारी हित के लिए देयताएं	(c) Liability for staff benefit	198	123
(डी) ग्राहकों से जमा	(d) Deposit from customers	424	259
(ई) अन्य	(e) Others	26	26
	(f) Deposits under EFBS Scheme	346	370
कुल	**Total**	**1,287**	**1,066**

दिनांक 31.03.2014 को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों से कोई भी बकाया नहीं हैं (पिछला वर्ष कुछ नहीं)।

There are no outstanding with Micro, Small and Medium Enterprises as at 31.03.15.(Perevious year Nil).

टिप्पणी 4(ए): दीर्घावधि

Note 4(a) : Long Term Provisions :

विवरण	Particulars	31 मार्च 31 March 2015	31 मार्च 31 March 2014
कर्मचारी लाभ के लिए प्रावधान	Provision for employee benefits		
सेवानिवृत्ति	Superannuation	38	36
छुट्टी का नकदीकरण	Leave Encashment	1,952	1,556
सेवानिवृत्ति के उपरांत चिकित्सा लाभ	Post Retirement Medical Benefit	1,883	903
दीर्घायु सेवा पुरस्कार	Long Service Award	4	5
कर्मचारी परिवार लाभ योजना	Employee Family Benefit Scheme	275	308
अन्य	Others		
वृद्धि दावे के तहत विक्रेता को भुगतेय दावा	Claim payable to vendor against escalation claim	247	236
कुल	**Total**	**4,399**	**3,044**

टिप्पणी 5 : अल्पावधि कर्ज :

Note 5 : Short Term Borrowings :

विवरण	Particulars	31 मार्च 31 March 2015	31 मार्च 31 March 2014
प्रतिभूत	**Secured**		
मांग पर ऋण प्रतिदेय	**Loans repayable on demand**		
बैंकों से (मियादी जमा रसीद पर लियेन द्वारा प्रतिभूत रु. 71,326 लाख, गत वर्ष रु. 76,354 लाख)	From Banks (Secured by lien on FDR ₹ 71326 Lacs, Previous year ₹ 76,354 Lacs)	41,786	31,570
कार्यशील पूंजी ऋण (चालू आस्तियों के बदले में प्रतिभूत) टिप्पणी (ए)	Working Capital loan (Secured against Current Assets) Note(a)	44,464	41,286
		86,250	72,856
अप्रतिभूत	**Unsecured**		
मांग पर ऋण प्रतिदेय	**Loans repayable on demand**		
बैंकों से टिप्पणी (बी)	From Bank Note(b)	24,362	14,416
		24,362	14,416
कुल	**Total**	**1,10612**	**87,272**

उपरोक्त में शामिल है :

क) इंडियन ओवरसिज बैंक (आईओबी) से ऋण राशि रु. 138 लाख (दिनांक 19.9.2011 से पड़ा हुआ)

यह राशि बैंक अपने दावे की प्रतिरक्षा के लिए कानूनी कार्यवाही शुल्क के रूप में भुगतान किया है। यह कंपनी इसका बैंक के समक्ष प्रतिवाद किया है। इसके अतिरिक्त एमएसटीसी ने माननीय कोलकाता उच्च न्यायालय के पास आईओबी के विरुद्ध रु. 3656 लाख (जिसमें रु. 2798 लाख एलसी मूल्य डेबिट हेतु एवं रु. 858 लाख कानूनी खर्च के लिए डेबिट शामिल है) के लिए मामला किया है।

ख) स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक से रु. 14362 लाख का ऋण :

वित्तीय वर्ष 2008-09 के दौरान स्वर्ण आभूषण के निर्यात का कुल प्राप्य रु. 63821 लाख में से स्टैंडर्ड चार्डर्ड बैंक (एससीबी) ने रिसिवेबल परचेज एग्रीमेंट के तहत रु. 18466 लाख का प्राप्य खरीदा था। इस खाते में बकाया राशि रु. 16916 लाख के तहत, एससीबी ने रु. 2500 लाख का समायोजन किया तथा दिनांक 31.03.2014 को बकाया शेष राशि रु. 14362 लाख है। एससीबी ने विदेशी ग्राहकों से इस राशि को डेबिट किया एवं प्रारंभिक रूप से प्रत्येक ग्राहकों के लेखे के विरुद्ध एमएसटीसी में क्रेडिट किया है एवं ग्राहकों से प्राप्त भुगतान डेबिट के विरुद्ध है। वर्ष 2009 में इन सभी भुगतान की देय तिथि समाप्त है। चूंकि तब से ग्राहकों से भुगतान नहीं आ रहा था, मार्च, 2012 में एससीबी ने कुल शेष को बकाया बीजक में अंतरण किया है। ब्याज सहित कुल रु.19,158 लाख एमएसटीसी का ऋण है एवं एमएसटीसी के विरुद्ध डीआरटी मुंबई में मामला दर्ज किया है। एससीबी ने खरीदारों द्वारा भुगतान करने में असमर्थ होने के लिए आईसीआईसीआई लॉम्बार्ड के साथ प्राप्य क्रय करार के तहत उनके द्वारा कुल खरीदी गई राशि के तहत बीमा किया है। हालांकि, बीमा कंपनी द्वारा ऊपर उल्लिखित बकाया प्राप्य के लिए उनके दावे को इंकार करने के कारण एससीबी ने तदुपरांत बीमा कंपनी आईसीआईसीआई लॉम्बार्ड के विरुद्ध बम्बई उच्च न्यायालय में मामला दायर किया है, जो लंबित है। आईसीआईसीआई लॉम्बार्ड के विरुद्ध मामला दर्ज करने के बदले एससीबी ने पहले अवैध रूप से बकाया को एससीबी के पास एमएसटीसी के ऋण में अंतरण किया है और जैसे कि ऊपर में बताया गया है कि एमएससीटी के विरुद्ध डीआरटी में प्रक्रिया किया है। एमएसटीसी ने इसको डीआरटी में आपत्ति की एवं आईसीआईसीआई लॉम्बार्ड

Above includes :

a) Loan from Indian Overseas Bank (IOB) amounting to ₹ 138 lacs: (lying since 19.9.2011)

This amount represents legal fees paid by the bank in defending their claims to which the Company has lodged its protest with the Bank. MSTC has filed a case in Hon'ble High Court of Calcutta against IOB for ₹ 3656 lacs (which includes ₹ 2798 lacs towards debit of LC value & ₹ 858 lacs as debit towards legal expenses).

b) Loan from Standard Chartered Bank of ₹ 14362 lacs :

Out of the total export of ₹ 63821 lacs on account of export of gold jewellery during FY 2008-09, Standard Chartered Bank (SCB) had purchased receivables amounting to ₹ 18466 lacs under a Receivable Purchase Agreement. Against amount outstanding ₹ 16916 lacs on this account, SCB has adjusted ₹ 2500 lacs and ₹ 54 lacs,balance amount of ₹ 14362 lacs remains outstanding as on 31.3.2015. SCB had debited this amount to the foreign buyer and credited the amount to MSTC against each individual buyer's account initially and set off the payments received from the buyers against the debit. The due dates of all these payments expired by 2009. As payments were not forthcoming from the buyers since then, in March 2012, SCB converted the total balance against the outstanding invoices including interest aggregating to ₹ 19158 lacs into debt of MSTC and filed a case against MSTC in DRT, Mumbai. SCB had also insured the total amount purchased by them against the Receivable Purchase Agreement with ICICI Lombard for default in payment by the buyers. SCB has subsequently filed a suit against ICICI Lombard, the Insurance Co. in hon'ble Bombay High Court for repudiation of their claim which is pending. Instead of initiating a legal case against ICICI Lombard, SCB first illegally converted the outstanding as debt of MSTC to SCB and proceeded in DRT against MSTC as stated above. MSTC challenged this in DRT and also filed

एवं एससीबी के विरुद्ध अलीपुर कोर्ट में मामला दर्ज किया है कि उनके प्राप्य को एससीबी द्वारा ऋण में परिवर्तन करने की रोकथाम में तथा एससीबी को बीमाकर्त्ता से उनके दावे को प्राप्त करने के लिए लगे रहना चाहिए।

कंपनी ने इसके बुक में एससबी के रु. 27760 लाख के कुल दावे के विरुद्ध ब्याज सहित रु. 22251 लाख देयताओं में दर्शाया है। रु. 5509 लाख शेष दावे को आकस्मिक देयताओं में दर्शाया गया है, कानूनी मामले का निर्णय लंबित है।

सहायिकी कंपनी के मामले में : उपरोक्त ऋणों को कंपनी की स्थाई जमाओं को गिरवी रख कर सुरक्षित किया गया है, जो बैंकर के पास गिरवी है। तुलन पत्र की तारीख के अनुसार स्थाई जमा के परिपक्व होने की अवधि एक वर्ष से भी कम है।

a case against SCB and ICICI Lombard in Alipore Court to stop giving effect of converting their receivables into debt by SCB and also that SCB should pursue its claim with the insurer.

Against the total claim of ₹ 27760 lacs of SCB, the Company has already shown as liability in its books for ₹ 22251 lacs inclusive of interest. Balance claim of ₹ 5509 lacs has been shown as contingent liability, pending the outcome of the legal cases.

In case of Subsidiary : The above loans are secured by pledge on fixed deposits of the company held with the banker. The maturity period of fixed deposit is less than one year as on the balance sheet date.

टिप्पणी 6 : व्यापारगत देयताएं :
Note 6 : Trade Payables :

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	31 मार्च, 2014 31 March 2015	31 मार्च, 2013 31 March 2014
अन्य के लिए बकाया	Due to Others	302949	320096
एमएसएमई के लिए बकाया	Due to MSME's	0	3
कुल	**Total**	**302949**	**320099**

दिनांक 31.03.2015 तक (पिछला वर्ष ₹ 3 कुछ नहीं) ऐसा कोई भी माइक्रो, छोटे एवं मझले इंटरप्राइजेज के पास कोई राशि बकाया नहीं है।
There are no outstanding with Micro, Small and Medium Enterprises as at 31.03.15 (Previous year ₹ in 3 Lacs for Subsidiary).

टिप्पणी 7 : अन्य चालू देयताएं :
Note 7 : Other Current Liabilities :

विवरण	Particulars	31 मार्च 31 March 2015	31 मार्च 31 March 2014
(ए) ब्याज प्रदभूत लेकिन उधार पर देय नहीं	(a) Interest accrued but not due on borrowings	7889	7889
(बी) ब्याज प्रदभूत एवं उधार पर देय	(b) Interest accrued and due on borrowings	101	–
(सी) ई-नीलामी पंजीकरण से अग्रिम आय प्राप्ति	(c) Income received in advance - E auction Registration	206	204
(डी) अप्रदत्त लाभांश	(d) Unpaid dividends	59	68
(ई) अन्य देय	(e) Other payables		
i) लेखा परीक्षकों का पारिश्रमिक	i) Auditor's Remuneration	5	4
ii) देय बिक्री कर	ii) Sales Tax Payable	1758	273
iii) देय टीडीएस	iii) TDS Payable	630	547
iv) पार्टियों से अग्रिम	iv) Advance from parties	434	269
v) ईएमडी/सुरक्षा जमा	v) EMD/Security Deposit	76070	41316
vi) अन्य*	vi) Others*	3270	1485
vii) कर्मचारी से संबंधित देयताएं	vii) Employees Related Liabilities	491	473
viii) संविधिक बकाया	viii) Statutory Dues	440	321
ix) अन्य देयताएं	ix) Other Liabilities	1029	893
कुल	**Total**	**92,382**	**53,742**

* पार्टियों से प्राप्त की गई राशि, बकाया खर्चे आदि शामिल हैं।
* Includes amount received from Parties, Outstanding Expenses etc.

टिप्पणी 8 : अल्पावधि प्रावधान :

Note 8 : Short Term Provisions :

विवरण	Particulars	31 मार्च 31 March 2015	31 मार्च 31 March 2014
(ए) कर्मचारी हित के लिए प्रावधान	**(a) Provision for employee benefits**	4574	2762
सेवानिवृत्ति उपरांत लाभ योजना के तहत	**Towards Post Retirement Benefit Scheme**		
छुट्टी नकदीकरण	Leave Encashment	124	54
सेवानिवृत्ति के उपरांत चिकित्सा लाभ	Post Retirement Medical Benefit	49	30
दीर्घायु सेवा पुरस्कार	Long Service Award	2	1
कर्मचारी के परिवार लाभ योजना	Employee Family Benefit Scheme	76	78
सेवानिवृत्ति	Superannuation	3	2
(बी) अन्य-	**(b) Others -**		
i) लाभांश पर कर के लिए प्रावधान	i) Provision for Tax on Dividend	380	29
ii) प्रस्तावित लाभांश	ii) Proposed Dividends	1822	
iii) अन्य प्रावधान	iii) Other Provisions	182	155
कुल	**Total**	**7212**	**3111**

टिप्पणी 9 : अचल सम्पत्तियां
Note 9 : Fixed Assets

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

अचल सम्पत्तियाँ / Fixed Asset	सकल सम्पत्ति / Gross Block			संचित मूल्यह्रास / Accumulated Depreciation					शुद्ध सम्पत्ति / Net Block	
	1 अप्रैल 2014 को शेष Balance as at 1 April 2014	जोड़/ (निपटान) Addition/ (Disposals)	31 मार्च 2015 को शेष Balance as at 31 March 2015	1 अप्रैल 2014 को शेष Balance as at 1 April 2014	वर्ष के लिए मूल्यह्रास Depreciation charge for the year	Additional Depreciation	निपटान पर Adjustment/ (Disposal)/ (Deductions)	31 मार्च 2015 को शेष Balance as at 31 March 2015	31 मार्च 2015 को शेष Balance as at 31 March 2015	31 मार्च 2014 को शेष Balance as at 31 March 2014
क. गैर भौतिक सम्पत्तियां										
a. Intangible Asset										
Intangible Asset	16	0	16	9	2	0	0	11	5	7
ख. भौतिक सम्पत्तियां										
b. Tangible Assets										
पट्टे वाली भूमि एवं बिल्डिंग Leasehold Land & Buildings	1644	27	1671	318	71	0	0	389	1282	1326
कंपनी के फ्लैट्स Company Flats	170	1	171	120	(54)	0	0	66	105	50
एयर कंडीशनर एवं वाटर कूलर Air Conditioner & Water Cooler	75	2	77	48	(12)	0	4	40	37	27
संयंत्र एवं उपकरण Plant & Equipment	17509	(551)	16958	12692	895	0	(1873)	11714	5244	4817
फर्निचर एवं फिक्सचर Furniture and Fixtures	397	2	399	283	(24)	0	10	269	130	114
कार्यालय के साज-सामान Office equipment	457	10	467	289	27	0	52	368	99	168
पार्टिशन एवं क्यूबिकल्स Partition & Cubicles	235	21	256	170	(15)	0	0	155	101	65
मोटर वाहन Motor vehicles	391	16	407	286	17	0	(18)	285	122	105
ईडीपी EDP equipments	768	(74)	694	624	(54)	0	(70)	500	194	144
कुल Total	**21662**	**(546)**	**21116**	**14839**	**853**	**0**	**(1895)**	**13797**	**7319**	**6823**
विगत वर्ष Previous Year	21778	(115)	21663	14807	1193	291	(1451)	14840	6823	6971
पूंजी डब्ल्यूआईपी c. Capital WIP	235	(43)	191							
विगत वर्ष Previous Year	273	(38)	235							

पूंजी जारी कार्य
Capital Work in Progress

Particulars	Balance as at 31st March, 2015	Balance as at 31st March, 2014
Capital Work in Progress	124	168
Intangible Assets under Development	67	67

(ए) : पट्टेवाली भूमि एवं भवन का परिशोधन 2010-11 से प्रारंभ हुआ, जो भूमि एवं भवन के उपयोग पर पट्टे की शेष अवधि तक चलेगा।

(बी) : कंपनी ने बेहतर प्रस्तुति के लिए मूल्य ह्रास मूल्य पद्धति को सीधी रेखा पद्धति में स्थानांतरित कर मूल्यह्रास से संबंधित अपनी नीति में बदलाव किया है, जिसकी वजह से समेकित मूल्यह्रास में रु. 359 लाख की कमी आई है।

(सी) : कंपनी अधिनियम 2013 के अध्यादेश के अनुपालन के तहत कंपनी ने उक्त अधिनियम की अनुसूची II में किए गए निर्धारण के अनुसार अनुमानित उपयोगी जीवनकाल का प्रयोग किया है। फलस्वरूप, सम्पत्तियां, जिनकी उपयोगी जीवन काल दिनांक 01.04.2014 को समाप्त हो चुकी है, की आगे ले जाने वाली राशि (कुल अवशिष्ट मूल्य) को रु. 84 लाख तक आरक्षित एवं अधिशेष रकम के तहत समायोजित किया गया है।

(डी) : मूल्यह्रास में पट्टाधारी जमीन एवं भवनों पर पिछले वर्ष से संबंधित रु. 14 लाख शामिल है, जिसे पूर्व अवधि मदों के रूप में दर्शाया गया है (टिप्पणी सं. 23)। शेष राशि को वर्तमान वर्ष हेतु मूल्यह्रास राशि के रूप में दिखाया गया है।

(ई) : अमूर्त सम्पत्तियों के अंतर्गत दर्शाया गया ई-कॉमर्स अप्लीकेशन सॉफ्टवेयर घरेलू रूप से विकसित सॉफ्टवेयर अप्लीकेशन को दर्शाता है, जिसके लिए लागत का निर्धारण नहीं किया जा सका है।

सहायिकी के मामले में

(एफ) : राऊरकेला, बर्नपुर, भिलाई, बोकारो, वाइजैग, दुर्गापुर एवं डुबुरी में स्थित कंपनी के संयंत्र एवं भवन की जमीन न तो पूर्ण स्वामित्व और न ही पट्टे पर ली गई है। सेवा अनुबंध के एक अंग के रूप में कंपनी को पट्टेधारकों से मुफ्त इस्तेमाल का अधिकार प्राप्त है। हालांकि कंपनी के पास सेल-बी.एस.पी से 29 दिसम्बर, 1988 से 33 वर्षों के लिए स्थाई पट्टे पर ली गई जमी है, जिस पर पंजीकृत कार्यालय भवन का निर्माण किया गया है, पट्टे धारी जमीन का पट्टे की अवधि के लिए परिशोधन किया गया है, हालांकि पट्टे धारी जमीन पर निर्मित पंजीकृत कार्यालय भवन का मूल्यह्रास कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची II के अधीन निर्धारित दर पर किया गया है। इस संबंध में उपरोक्त उल्लेखित पट्टा विलेख की अनुच्छेद 6 के अनुसार और 33 वर्षों की अवधि के लिए स्थाई पट्टा अनुबंध को नवीकरण कराए जो को ध्यान में रखा गया है।

(जी) महत्वपूर्ण लेखा नीति की पैरा 1.3 के संदर्भ में, जहां एफएसएनएल की सम्पत्तियों की वर्णित श्रेणी के मूल्यह्रास ज्ञात किया गया है एवं तकनीकी रूप से आंकलित अनुमानित उपयोगी जीवनकाल पर प्रभारित है, कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची -II के संबंध में मूल्य का अंतर ज्ञात नहीं किया जा सका है।

(a) : Amortisation of leasehold land and building has started w.e.f. 2010-11 on use of land and building over the remaining period of lease.

(b) : The company has changed its policy regarding depreciation by shifting from written down value method to straight line method for better representation, due to which accumulated depreciation has been reduced by ₹ 359 lacs.

(c) : Pursuant to enactment of the Companies Act 2013, the company has applied the estimated useful lives as specified in Schedule II of the said Act. Accordingly, the carrying amount (net of residual value) of the assets, whose useful life has expired as at 01.04.2014 have been adjusted against the Reserves & Surplus amounting to ₹ 84 lacs.

(d) : The depreciation amount consists of ₹ 14 lacs pertaining to prior years on leasehold land & buildings which has been disclosed as prior period items (Note no. 23). Balance amount has been shown as depreciation for current year.

(e) : e-Commerce application software shown under intangible assets represents software application developed in house for which cost could not be ascertained.

In case of Subsidiary

(f) : The land on which the plant and building of the company are situated at Rourkela, Burnpur, Bhilai, Bokaro, Vizag, Durgapur and Duburi are neither freehold nor leasehold. The company has acquired right of free use from landholders as a part of service agreement. The company has however, acquired leasehold land from SAIL – B.S.P, on perpetual lease of 33 years w.e.f. 29th December 1988 on which the Registered Office Building has been constructed, the lease hold land has been amortised over the lease period, however Registered office building constructed on the lease hold land has been depreciated at rate prescribed under Schedule II of Companies Act, 2013 considering that perpetual lease agreement shall be renewed for a further period of 33 years pursuant to clause 6 of lease deed referred above.

(g) : Ref para 1.3 of the Significant Accounting policy, wherein depreciation of the mentioned class of assets of FSNL has been determined and charged on the basis of technically assessed estimated useful life, the difference in value in regard to Schedule-II of the Companies Act, 2013 could not be ascertained.

टिप्पणी 10 : गैर-चालू निवेश - सहायिकी में निवेश

मेसर्स फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड के कुल 15000 अदद इक्विटी शेयरों में से एमएसटीसी ने वित्त वर्ष 1979-80 के दौरान 9000 अदद इक्विटी शेयरों का अधिग्रहण किया, जिसके जरिए यह एमएसटीसी लिमिटेड की सहायिकी कंपनी बनी। तदुपरांत मेसर्स फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड के 20000 अदद इक्विटी शेयरों में एमएसटीसी ने वित्त वर्ष 1984-85 के दौरान (कुल धारित शेयर - 12000 अदद इक्विटी शेयर) 3000 इक्विटी शेयर अधिग्रहण किया। शेष 8000 अदद इक्विटी शेयरों का अधिग्रहण एमएसटीसी द्वारा वित्त वर्ष 2002-03 में किया गया, जो मेसर्स फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड को 100 प्रतिशत सहायिकी कंपनी बनाती है।

Note 10 : Non- Current Investments – Investments in Subsidiary

MSTC had acquired 9000 no. of equity shares during F.Y. 1979-80 out of the total 15000 no. of equity shares of M/s Ferro Scrap Nigam Limited, making it subsidiary Company of MSTC Limited. Subsequently MSTC acquired 3000 no. of equity shares during F.Y. 1984-85 (Total holding - 12000 no. of equity shares) out of the 20000 no. of equity shares of M/s Ferro Scrap Nigam Limited. Balance 8000 no. of equity shares were acquired by MSTC in the F.Y. 2002-03, making M/s Ferro Scrap Nigam Limited 100% Subsidiary Company.

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

	अवधि Period	प्रदत्त इक्विटी शेयर की सं. Paid up no. of Equity Share	एमएसटीसी शेयर MSTC Shares	प्रतिशत % Age	निवेश की लागत एमएसटीसी बुक Cost of Investment MSTC books
31 मार्च, 1980 को	As on 31st March, 1980	15000	9000	60%	90
31 मार्च, 1985 को	As on 31st March, 1985	20000	12000	60%	120
31 मार्च, 2003 को	As on 31st March, 2003	2000	20000	100%	1581

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	31 मार्च, को 1980 As on 31st March, 1980	31 मार्च, 1985 As on 31st March, 1985	को 31 मार्च, 2003 As on 31st March, 2003	कुल Total
एफएसएनएल के खाता पुस्तिका में	**In FSNL books of account**				
इक्विटी शेयर	Equity Share	150	200	200	200
आरक्षित एवं अधिशेष	Reserves & Surplus	45	631	11596	11596
निवल मूल्य	**Net Worth**	**195**	**831**	**11796**	**11795**
एमएसटीसी की इक्विटी हिस्सा	**MSTC Portion of equity**	**117**	**125**	**4718**	**4960**
घटाव : निवेश की लागत	Less : Cost of Investment	90	30	1461	1581
आरक्षित पूंजी	**Capital Reserve**	**(27)**	**(95)**	**(3257)**	**(3379)**

आरक्षित पूंजी टिप्पणी सं. 3 में आरक्षित एवं अधिशेष में शामिल है

Capital Reserve is included in 'Reserves and Surplus' in Note No.3

टिप्पणी 11 : आस्थिगत कर परिसंपत्तियों (देयताओं) निम्न हैं :

Note 11 : Deferred Tax Assets/(Liabilities) are as under :

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	31.03.2014 को As on 31.03.2014	वर्ष के लिए प्रभावी कर / Tax effect for the year	31.03.2015 को As on 31.03.2015
संदिग्ध व्यापारगत प्राप्य के लिए प्रावधान	Provision for Doubtful Trade Receivables	12262	2777	15039
अन्य व्यय 40(ए), 43बी के तहत प्रावधान	Provision against other expenses 40(a), 43B	1258	23	1281
मूल्यह्रास में अंतर	Difference in depreciation	(13)	(59)	(72)
आस्थिगत कर परिसंपत्तियों	Deferred Tax-Assets	427	178	604
कुल	**Total**	**13934**	**2919**	**16852**

टिप्पणी 12 : दीर्घावधि ऋण एवं अग्रिम :

Note 12 : Long Term Loans and Advances :

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	31 मार्च 31 March 2015	31 मार्च 31 March 2014
ए. जमा	**a. Deposits**		
अनारक्षित असंदेहात्मक*	Unsecured, considered good *	759	755
बी. अन्य ऋण एवं अग्रिम	**b. Other loans and advances**		
प्रतिभूत, असंदेहात्मक - कर्मचारी अग्रिम	Secured, considered good - Staff advances	508	453
आयकर एवं टीडीएस का अग्रिम भुगतान (शुद्ध प्रावधान)	Advance Payment of Income Tax & TDS (net of provisions)	1276	1090
अनारक्षित, असंदेहात्मक - पार्टी को अग्रिम	Unsecured, considered good - Advance to parties	6	13
कुल	**Total**	**2549**	**2311**

* केएमपी से बकाया राशि रु. 1 लाख (विगत वर्ष रु. 2 लाख)

* बिक्री पर प्राधिकरण के पास जमा रु. 478 लाख (रु. 463 लाख) शामिल है। यह जमा उनके द्वारा उठाए गए दावे के विरुद्ध है। लेकिन कंपनी ने इसका विरोध किया है।

* Amount due from KMP ₹ 1 lac (Previous year ₹ 2 lac)

* Includes ₹ 478 lac (₹ 463 lac) deposit with Sales Tax Authorities against demand raised by them which have been contested by the Company.

टिप्पणी 13 : अन्य गैर-वर्तमान परिसंपत्तियां :

Note 13 : Other Non-Current Assets :

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	31 मार्च 31 March 2015	31 मार्च 31 March 2014
अचल वस्तुसूची का स्टॉक (3 वर्षों से अधिक अवधि के लिए धारित)	Stock of non-moving inventory (held for period more than 3 years)	265	343
घटाव, अचल वस्तुसूची के मूल्य में कमी के लिए प्रावधान	Less, Provision for Diminution in the value of Non-Moving Inventory	132	152
		133	**191**
खराब वस्तुसूची का स्टॉक	Stock of Obsolete Inventory	23	23
घटाव, खराब वस्तुसूची के लिए प्रावधान	Less, Provision for Obsolete Inventory	15	15
		8	**8**
मुख्य परियोजनाओं के लिए वस्तुसूची	Inventory for Capital Projects	0	83
निपटान के लिए प्रतीक्षारत स्थाई सम्पत्तियां	Fixed Assets Awaiting Disposal	56	16
प्राप्य दावा एवं अन्य अग्रिम	Claim Recoverable & Other Advances	17	10
दीर्घायु बैंक जमा* (12 महीने से अधिक की मूल परिपक्वता के साथ)	Long Term Bank Deposits* (with Original Maturity of more than 12 months)	0	13
प्रत्याभूत, असंदेहात्मक - कर्मचारी ऋण पर बकाया ब्याज	Secured, considered good – Interest due on employee loans	7	10
अनारक्षित, असंदेहात्मक - पूर्वदत्त खर्च	Unsecured, considered good – prepaid expenses	37	92
कुल	**Total**	**258**	**423**

* उपरोक्त जमा में बैंक गारंटी एवं ओवरड्राफ्ट सुविधाओं के तहत भारतीय बैंक में एनआईएल (पीवाई रु. 13.16 लाख) गिरवी शामिल है।

* The above deposits includes NIL (PY ₹ 13.16 Lacs) pledged with Indian Bank against Bank Guarantee & overdraft facilities.

टिप्पणी 14 : स्टॉक :

Note 14 : Inventories :

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	31 मार्च 31 March 2015	31 मार्च 31 March 2014
भंडारगत-माल (लागत मूल्य)	Stock-in-trade (Valued at cost)		
प्रारम्भिक शेष	Opening Balance	3605	7375
(–) अंतिम शेष	(–) Closing Balance	14683	3605
भंडार एवं अतिरिक्त पुर्जे साथ में खुदरा यंत्र	Stores & Spare parts including loose tools	269	319
जोड़, पारगमन में माल	Add, Goods in transit	49	1
जोड़, लंबित समायोजन की कुल कमी*	Add, Net shortage pending adjustments*	13	13
		331	**333**
मुद्रण एवं लेखन सामग्रियां	Printing & Stationery items	11	9
रद्दी (निपटान के लिए लंबित)	Scrap (pending for disposal)	4	4
स्टॉक में बदलाव	**Changes in Inventories**	**(11078)**	**3770**
अंतिम शेष	**Closing Balance**	**15029**	**3951**

* सहायिकी कंपनी के मामले में : स्टॉक कमी लंबित समायोजन के तहत प्रावधान को टिप्पणी सं. 8 में 'अन्य प्रावधान में' शामिल किया गया है।

* In case of Subsidiary : Provision against inventory shortage pending adjustment is included 'in Other Provision' in Note No.8.

टिप्पणी 15 : व्यापार प्राप्य :

Note 15 : Trade Receivables :

विवरण	Particulars	31 मार्च 31 March 2015	31 मार्च 31 March 2014
भुगतान की देय तिथि से छह महीने से ज्यादा अवधि के लिए बकाया व्यापार प्राप्त	Trade receivables outstanding for a period exceeding six months from the date they are due for payment		
प्रतिभूत, असंदेहात्मक	Secured, considered good	109982	73180
अनारक्षित, असंदेहात्मक	Unsecured, considered good	77040	67056
अनारक्षित, संदेहात्मक	Unsecured, considered doubtful	43488	36074
घटाएं : संदेहात्मक ऋण के लिए प्रावधान	Less: Provision for doubtful debts	43488	36074
		187022	140236
भुगतान की देय तिथि से छह महीने कम अवधि के लिए बकाया व्यापार प्राप्त	Trade receivables outstanding for a period less than six months from the date they are due for payment		
प्रतिभूत, असंदेहात्मक	Secured, considered good	216954	241316
अनारक्षित, असंदेहात्मक	Unsecured, considered good	8085	2835
		225039	244151
कुल	**Total**	**412061**	**384387**

15 (ए) : 31.03.2015 को वर्ष समाप्ति पर अप्राप्त निर्यात ऋण यूएस डॉलर 137498823.73 (वित्तीय वर्ष 2008-09 के दौरान रु. 59863 लाख के बराबर) था, इतना ही वित्त वर्ष की शुरुआत में था। वित्त वर्ष के अंतिम दिन पर व्याप्त विनिमय दर (यूएसडी 1 = रु. 62.50) को लेते हुए ऋण का वर्षांत शेष रु. 26074 लाख बढ़ कर रु. 85937 लाख हो गया होता तथा लेनदारी में रु. 25683 लाख का इजाफा होता। इस खाते में अनुमानित रु. 391 लाख की आय होती जिसमें स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक द्वारा क्रय किए गए प्राप्यों के खाते में रु. 111 लाख शामिल है। विचाराधीन होने के चलते लेखा नीति की पैरा 1.13 के तहत बकाया राशि की वसूली में अनिश्चितता के कारण शुद्ध लाभ रु. 280 लाख का लेखा नहीं किया गया है।

15 (बी) : वित्त वर्ष 2008-09 में कुल निर्यात राशि यूएस डॉलर 146971624.00 (रु. 63821 लाख के बराबर) में से 31.03.2014 को बकाया राशि यूएसडी 137498823.73 (रु. 82832 लाख के बराबर) था एवं इस वर्ष के लिए लेखाबंद तारीख यानी 31.03.2015 को वही है। (दिनांक 31.03.2015 को व्याप्त विनिमय दर यूएसडी 1 = रु. 62.50 में रु. 85937 लाख के बराबर है)। ईसीजीसी के पास रु. 45075 लाख का दावा किया गया है। इसी प्रकार स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक ने आईसीआईसीआई लॉम्बर्ड जनरल इंश्योरेंस कंपनी के पास यूएसडी 36762828.14 (वित्त वर्ष के अंतिम दिन व्याप्त विनिमय दर यूएसडी 1 = रु. 62.50 में रु. 22976 लाख के बराबर है)। निर्दिष्ट इंश्योरेंस कंपनी द्वारा दोनों दावाएं इंकार कर दिए गए हैं। एमएसटीसी ने क्रेताओं के ऋण के लिए ईसीजीसी द्वारा बीमाकृत क्रेताओं के लिए ईसीजीसी के विरुद्ध 36 मामले राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग, दिल्ली (एनसीडीआरसी) के पास आरम्भ किए हैं। राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग, दिल्ली (एनसीडीआरसी) द्वारा दिनांक 16.4.2014 को दिए गए आदेश के अनुसार मामले को सिविल कोर्ट अथवा अन्य उपयुक्त फोरम में जाने को कहा गया है।

एमएसटीसी ने यूएई, सिंगापुर एवं कुवैत में विदेशी क्रेताओं के विरुद्ध 46 कानूनी मामले दायर किए हैं। एमएसटीसी के पक्ष में सभी 46 निर्णय दिए गए हैं, जिसके लिए उक्त अदालतों को निष्पादन के लिए आग्रह किया गया है।

एशोसिएट्स सप्लायर्स द्वारा नामित विदेशी क्रेताओं के बकाया भुगतान की क्षतिपूर्ति के लिए सभी छह एशोसिएट सप्लायर्स के विरुद्ध पंचाट कार्रवाही भी जारी है। बाद में ईसीजीसी एवं आईसीआईसीआई लॉम्बार्ड जनरल इंश्योरेंस कंपनी द्वारा अनुमोदित है। तीन मामले में, एमएसटीसी के पक्ष में निर्णय मिला है, जो निष्पादन की प्रक्रिया में है।

एशोसिएट्स में से एक मेसर्स उस्मा ज्वेलरी एण्ड पैकेजिंग एक्सपोर्ट्स (प्रा.) लि. ने रु. 12400 लाख (सरकार पंजीकृत मूल्यांनकर्त्ता द्वारा वर्ष 2014 में मूल्यांकन) मूल्य का स्थावर संपत्ति गिरवी रखा है। उक्त गिरवी संपत्ति के विक्रय/हस्तांतरण के लिए मुंबई उच्च न्यायालय में रिट याचिका दायर की गई है। सीबीआई एवं ईडी विषय की जांच कर रहे हैं तथा रु. 24040 लाख (रु. 12400 लाख मूल्य की जमीन एवं रु. 3979 लाख की चल संपत्ति सहित) की परिसंपत्तियां तथा संपत्तियां जब्त कर लिया है। एमएसटीसी ने रु. 900 लाख मूल्य को अपने पक्ष में हस्तांतरण की अनुमति के लिए सीबीआई कोर्ट में अनुरोध किया, यह रकम विगत वर्ष के दौरान प्राप्त हो गई।

प्रबंधन विदेशी क्रेताओं/इंश्योरेंस कंपनियों/एशोसिएट सप्लायरों से यथासंभव ब्याज, कानूनी खर्चे सहित कर्ज वसूली के लिए हर संभव कदम उठा रहा है। तथापि, बकाया राशि के काफी पुरानी हो जाने की वजह से वास्तव रूप में वसूली

15 (a) : At the year end 31.03.2015 unrealized export debtors remains USD 137498823.73 (equivalent to ₹ 59863 lacs during the FY 2008-09) which were the same as were at the beginning of the financial year. Considering the exchange rate (i.e. USD 1 = ₹ 62.50) prevailing on the last day of the financial year, the closing balance of debtors would have been increased by ₹ 26074 lacs to ₹ 85937 lacs and the creditors would have increased by ₹ 25683 lacs. There would have been a notional gain of ₹ 391 lacs on this account which includes an amount of ₹ 111 lacs on account of receivables purchased by Standard Chartered Bank. The net gain of ₹ 280 lacs has not been accounted for due to uncertainty in realisation of the dues in terms of para 1.13 of accounting policy. This is also sub-judice.

15 (b) : Out of total export of USD 146971624.00 (equivalent to ₹ 63821 lacs) during the financial year 2008-09, there was an outstanding balance of USD 137498823.73 (equivalent to ₹ 82832 lacs) as on 31.3.2014 and the same is continued for this year on closing date i.e 31.3.2015 (equivalent to ₹ 85937 lacs at the exchange rate of USD 1 = ₹ 62.50 prevailing on 31.03.2015). Claims have been lodged with ECGC for ₹ 45075 lacs. Similarly Standard Chartered Bank has also lodged claims with ICICI Lombard General Insurance Company for USD 36762828.14 (equivalent to ₹ 22976 lacs considering the exchange rate as USD 1 = ₹ 62.50 prevailing on the last day of the financial year). Both the claims have been repudiated by the respective Insurance Companies. MSTC has initiated 36 cases against ECGC for the dues against buyers insured by them with National Consumer Disputes Redressal Commission (NCDRC), Delhi. National Consumer Disputes Redressal Commission (NCDRC) by an order dated 16.04.2014 has referred the matter to Civil Court or in other appropriate forum.

MSTC has filed46 legal cases against the foreign buyers in UAE, Singapore and Kuwait. All the 46 judgments have been awarded in favour of MSTC for which the appropriate Courts are being approached for execution. Arbitration proceedings have also been initiated against all the six associate suppliers for indemnifying against the failure in payment by the foreign buyers nominated by them and later on approved by ECGC and ICICI Lombard General Insurance Co. Award has been received in favour of MSTC in three cases,which is also in the process of execution.

One of the Associates, namely, M/s Ushma Jewellery & Packaging Exports (P) Ltd has mortgaged landed property worth ₹ 12400 lacs (valuation done in 2014 by Govt Registered valuer). A writ petition for sale/transfer of the said mortgaged property has been filed at the Mumbai High Court. CBI and ED investigating the matter have seized assets and properties worth ₹ 24040 lacs (including land valued ₹ 12400 lacs & liquid assets worth ₹ 3979 lacs). MSTC had approached CBI Court requesting for permission to transfer of an amount of ₹ 900 lacs which had been received during the previous year.

The Management is taking all possible steps to recover the dues as much as possible along with interest, legal expenses, etc. from the foreign buyers/Insurance Cos/Associate

के लिए लंबित अशोध्य एवं संदिग्ध कर्ज के रूप में रु. 23578 लाख रकम के लिए प्रावधान किया गया है।

15 (सी) : व्यापार प्राप्त में शामिल रु. 6055 लाख, जो सेसा इंटरनेशनल के पास बकाया है। पार्टी ने दस्तावेज में विसंगतियों के कारण इसको स्वीकार करने से इंकार किया है। एमएसटीसी द्वारा तद्नुरूप इंडियन ओवरसीज बैंक (बैंक) को सूचित किया गया है। बैंक पर विदेशी अदालतों के आदेश अनुसार विभिन्न तिथियों पर बैंक ने आदेश के तहत एमएसटीसी खाते से डेबिट कर सप्लायर्स के बैंक को रकम भेज दी है। चूंकि यह समझौता ज्ञापन की शर्तों के अनुसार अदालत के आदेश के विरुद्ध है, सेसा इंटरनेशनल एमएसटीसी की क्षतिपूर्ति के लिए बाध्य है।

तद्नुसार, एमएसटीसी ने सेसा इंटरनेशनल के विरुद्ध मध्यस्थम कार्रवाई शुरू किया है, जो प्रक्रियाधीन है। अतएवं प्रबंधन रकम वसूली के प्रति आशान्वित है। पोर्ट में पड़ी हुई सामग्रियों के निपटान के विरुद्ध कोर्ट ने रु. 223 लाख प्राप्त किए हैं, जिसे व्यापारगत प्राप्य के तहत समायोजित कर दिया गया है। कोर्ट के आदेश के अनुसार रु. 102 लाख की शेष सामग्री की विक्रय प्रक्रिया प्रापक के पास मियादी जमा के रूप में रखा गया है। एमएसटीसी ने आईओबी के विरुद्ध एमएसटीसी खाते में रु. 3656 लाख की रकम गलत डेबिट किए जाने के खिलाफ भी मामला दायर किया है। इसमें एमएसटीसी की स्थिति काफी मजबूत है। लंबित पंचाट/कानूनी मामले के निपटान के लिए रु. 3000 लाख का प्रावधान अशोध्य और संदिग्ध अग्रिम के रूप में खाते में प्रावधान किया गया है।

15 (डी) : व्यापार से प्राप्य में हल्दिया पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एचपीएल) से बकाया रु. 35912 लाख शामिल है। इसके विरुद्ध कोई भी गिरवी स्टॉक उपलब्ध नहीं है। एचपीएल ने वित्त वर्ष 2013-14 में एमएसटीसी से बिना कोई स्वीकृति प्राप्त किए गिरवी रखे गए स्टॉक 74655 एमटी नैफ्था उठा लिया। एचपीएल संयंत्र दिनांक 06.07.2014 से 30.01.2015 तक बंद था। एचपीएल एवं कंपनी के बीच पारस्परिक सहमति के अनुसार, माननीय कलकत्ता उच्च न्यायालय ने दिनांक 05.05.2015 को अनुमोदित, एचपीएल बकाया शेष राशि फरवरी, 2021 तक चुकाने को सहमति जताई है। एचपीएल ने फरवरी, 2015 में अपने संयंत्र दोबारा खोला है एवं न्यायालय के आदेश के अनुसार अप्रैल, 2015 से भुगतान आरम्भ कर दिया है।

15 (ई) : मेसर्स एसपीएस स्टील रोलिंग मिल्स लिमिटेड से व्यापार से प्राप्य रु. 26482 लाख बकाया है। माननीय न्यायाधीश ने जून 2018 तक मूल राशि भुगतान करने के संबंध में दिनांक 19.07.2014 को जारी एक आदेश किया है तथा उस पर ब्याज की राशि उसके उपरांत 12 महीने के अंदर भुगतान करने का आदेश दिया है। वित्त वर्ष 2014-15 के दौरान पार्टी ने रु. 1200 लाख का भुगतान किया है।

15 (एफ) : कंपनी के पास गिरवी रखे गए/लेनदारों द्वारा प्रत्याभूत स्टॉक, जो लागू हो, के लिए संबंधित पार्टियों की बकाया शेष राशि के आधार पर व्यापार से प्राप्त की सिक्योरिटी पर विचार किया गया है।

सहायिकी कंपनी के मामले : 15(जी) : कंपनी सावधिक रूप से संग्रह के लिए कंपनी के प्रति सभी ग्राहकों के बकाया राशि का मूल्यांकन करती है। निर्धारित बकाया राशि के संग्रहण, ग्राहक जिस उद्योग में व्यवसाय करते हैं उसमें जोखिम के अनुभव, साधारण आर्थिक अवयव, जो ग्राहकों की निपटान क्षमता को प्रभावित कर सकता है, सम्मिलित विभिन्न तथ्यों के आधार पर प्रावधान की जरूरतों का आंकलन किया जाता है। कंपनी बकाया राशि की वसूली आंशिक अथवा पूरी तरह से प्राप्त करने का प्रयास करती है। कंपनी साधारण तौर पर तुलन पत्र की तारीख को तीन वर्षों अथवा बीजक तिथि से तीन वर्षों अथवा अधिक समय के लिए देनदारों के बकाया राशि के लिए प्रावधान करती है।

suppliers.However,since the dues have become very old, a provision has already been made for an amount of ₹ 23578 lacs as bad and doubtful debts pending actual realisation.

15 (c) : Trade Receivables includes ₹ 6055 lacs due from Sesa International. The party had refused to accept the documents due to discrepancy therein, which have been intimated to Indian Overseas Bank ('Bank') accordingly by MSTC. But pursuant to Foreign Court order on Bank, they have remitted to supplier's Bank by debiting MSTC's account on various dates. As it is against Court order, as per MOA terms Sesa International is bound to indemnify MSTC.

Accordingly, MSTC have invoked arbitration proceeding against Sesa International which is under process and the management is hopeful to recover the amount. Against disposal of goods lying at port through Court receiver an amount of ₹ 223 lacs has been received which has been adjusted against Trade Receivables. Sale proceeds for balance material amounting to ₹ 102 lacs is kept with the receiver as fixed deposit as per Court order. MSTC has also filed a suit against IOB for their wrong debit to MSTC account for an amount of ₹ 3656 lacs in which MSTC is in a very strong position. Pending disposal of arbitration/legal suit an amount of ₹ 3000 lacs has already been provided in accounts as bad & doubtful advance.

15 (d) : Trade Receivables includes ₹ 35912 lacs due from Haldia Petrochemicals Ltd(HPL). No pledged stock is available against this. HPL had lifted the pledged stock of Naptha of 74655 MT without any authorisation from MSTC in the F.Y 2013-14. The plant of HPL remained closed from 06.07.2014 to 30.01.2015. As per mutual settlement between HPL and the company, as approved by the Honb'le Calcutta Highcourt on 05.05.2015, HPL have agreed to liquidate the outstanding balance by February 2021. HPL has reopened their plant in February 2015 and started making payment from April 2015 as per court order.

15 (e) : Trade Receivable includes ₹ 26482 lacs due from M/s SPS Steel Rolling Mills Ltd. Ld. Arbitrator passed an award on 19.07.2014 for payment of principal amount within June 2018 and accrued interest thereafter within 12 months. During the F.Y 2014-15 the party have paid ₹ 1200 lac.

15 (f) : Security of Trade Receivables has been considered based on the balance outstanding of respective parties for the stock pledged with the company/secured by creditors wherever applicable.

In case of Subsidiary : 15(g) : Periodically the company evaluates all customer dues to the company for collectibility. The need for provision is assessed based on various factors including collectibility of specific dues, risk perception of the industry in which the customer operates, general economic factors which could affect the customers ability to settle. The company pursues the recovery of the dues, in part or full. The Company normally provides for debtors dues outstanding for three years or longer from the invoice date, as at the Balance Sheet date.

टिप्पणी 16 : नकद एवं नकद समान :
Note 16: Cash & Cash equivalents :

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	Particulars		31 मार्च 31 March 2015		31 मार्च 31 March 2014
ए. बैंक शेष	a. Balances with banks				
चालू खाता में*	In Current Accounts*		35192		23205
लाभांश लेखा में	In Dividend Accounts		59		68
सावधि जमा खाता में	In Term Deposit Accounts		0		0
स्थायी जमा	Fixed Deposit		99775		96379
समाहित :	This includes :				
ऋण के तहत सिक्योरिटी	Security against borrowings	71327		76354	
गारंटी	Guarantees	4706		906	
एलसी मार्जिन	LC Margin	4986		0	
12 महीने से अधिक अवधि की परिपक्वता हेतु बैंक में जमा	Bank deposits with more than 12 months maturity	504		17352	
3 महीने से अधिक की मूल परिवक्वता के साथ जमा	Deposits with Original maturity of more than 3 months	0		449	
3 महीने से अधिक परंतु 12 महीने से कम की मूल परिपक्वता के साथ जमा*	Deposits with Original maturity of more than 3 months but less than 12 months*	10723		9550	
बी. हाथ में चेक	b. Cheques in hand		0		0
सी. हाथ में नकद	c. Cash in hand		5		4
कुल	**Total**		**135031**		**119656**

टिप्पणी 17 : अल्पावधि ऋण एवं अग्रिम :
Note 17 : Short-term loans and advances :

विवरण	Particulars	31 मार्च 31 March 2015	31 मार्च 31 March 2014
प्रतिभूत, असंदेहात्मक - कर्मचारी अग्रिम*	Secured, considered good - Staff advances*	362	270
अनारक्षित, असंदेहात्मक - अन्य	Unsecured, considered good - Others	1113	1032
बिक्री कर एवं वैट पर अग्रिम भुगतान	Advance Payment of Sales Tax & VAT	24	25
जमानत जमा	Security Deposits	6539	5261
आगत सेवा कर	Input Service Tax	2	8
कुल	**Total**	**8040**	**6596**

* केएमपी से बकाया रकम रु. 1 लाख (विगत वर्ष रु. 1 लाख)।

*Amount due from KMP ₹ 1lac (previous year ₹ 1lac).

टिप्पणी 17(ए) : अन्य चालू सम्पत्तियां :
Note 17(a) : Other Current Assets :

विवरण	Particulars	31 मार्च 31 March 2015	31 मार्च 31 March 2014
निपटान के लिए प्रतीक्षारत अचल सम्पत्तियां	Fixed Assets awaiting Disposal	217	200
बिना बिल का राजस्व	Unbilled revenue	3339	3558
वसूलीयोग्य दावा एवं अन्य अग्रिम बिना बिल का राजस्व	Claim Recoverable & Other Advance Unbilled revenue	0	6
प्रतिभूत, असंदेहात्मक माल	Unsecured, Considered Good	81	61
घटाव, संदिग्ध	Less, Considered Doubtful	34	0
		47	**61**
मियादी जमा पर उपार्जित ब्याज	Interest Accured on Term Deposit	1101	1645
सेवा कर सेट ऑफ	Service Tax Set Off	236	244
इस्पात संयंत्रों एवं अन्य पार्टियों के पास जमानती जमा	Security Deposit with Steel plants & Other Parties	293	32
कर्मचारी अग्रिमों पर बकाया ब्याज	Interest due on staff advances	3	5
पूर्वदत्त व्यय	Prepaid Expenses	75	81
कुल	**Total**	**5311**	**5832**

टिप्पणी 18 : परिचालन से राजस्व :
Note 18 : Revenue from operations :

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	2014-2015	2013-2014
सामग्री की बिक्री	Sale of Goods	518052	497311
सेवा शुल्क	Service Charges	16627	16935
अन्य परिचालित राजस्व	Other Operating Revenues	7818	8777
रद्दी एवं अन्य विविध कार्यों के संसाधन से सेवा शुल्क	Service Charges from processing of Scrap & other miscellaneous jobs	26097	22101
गोदाम प्रबंधन सेवा के लिए अभिरक्षक सेवाओं से आय	Income from Custodian Services for Warehouse Management Service	313	313
कुल	**Total**	**568903**	**545437**

(ए) वर्ष के दौरान ई-नीलामी पंजीकरण हेतु रु. 264 लाख (विगत वर्ष रु. 205 लाख) संग्रह किया गया था। चालू वर्ष के समय कुल संग्रह से रु. 211 लाख (विगत वर्ष रु. 164 लाख) देयताओं के पास रखा गया है, जो चार वर्षों में वितरित किया जाएगा, क्योंकि यह पंजीकरण आजीवन वैध है। अवितरित शेषों का संचयन 31.03.2015 को रु. 497 लाख (विगत वर्ष रु. 490 लाख) है। शेष राशि, जिसके लिए पंजीकरण एक वर्ष के लिए वैध है उसको चालू वर्ष के आय के रूप में लिया जाता है।

(बी) अन्य परिचालित राजस्वों में पार्टियों से ब्याज रु. 6453 लाख (विगत वर्ष रु. 8364 लाख) शामिल है।

(सी) सेवा शुल्क पर स्रोत पर कर की कटौती एवं ब्याज आय रु. 1597 लाख (विगत वर्ष रु. 1585 लाख) है।

(a) During the year, an amount of ₹ 264 lacs (previous year ₹ 204 lacs) was collected towards E-auction Registration. Out of total collection of current year, an amount of ₹ 211 lacs (previous year ₹ 164 lacs) has been kept in liabilities to be distributed in subsequent four years, since that registration is valid for life long. Accumulated undistributed balance standing as on 31.03.2015 is ₹ 497 lacs (previous year ₹ 490 lacs). Balance amount for which registration is valid upto one year is accounted for as income during the current year.

(b) Other Operating Revenues includes Interest from parties ₹ 6453 lacs (previous yr. ₹ 8364 lacs).

(c) Tax deducted at source on Service Charge and Interest income amounts to ₹ 1597 lacs (previous year ₹ 1585 lacs).

टिप्पणी 19 : अन्य आय

Note 19 : Other Income :

विवरण	Particulars	2014-2015	2013-2014
ब्याज से आय	Interest Income		
i) स्थायी जमा पर ब्याज	i) Interest on fixed deposit	8615	9819
ii) कर्मचारी द्वारा लिए गए अग्रिम पर ब्याज	ii) Interest on Employee Advances	36	28
iii) अन्य ब्याज	iii) Interest others	2	4
विविध आय	Miscellaneous Income	36	23
रिटेन बैक देयता	Liability written back	0	1083
परिसमापित नुकसान एवं अन्य वसूली	Liquidated damages & other recoveries	19	11
कभी भी वापस नहीं लिखे जाने वाला प्रावधान	Provision no longer required written back	143	362
कुल	**Total**	**8851**	**11330**

बैंक जमा के ऊपर ब्याज से स्रोत पर कर कटौती रु. 663 लाख (विगत वर्ष रु. 856 लाख)।

Tax deducted at source from interest on bank deposits amounted to ₹ 663 lacs (previous year ₹ 856 lacs).

टिप्पणी 20 : भंडारगत माल का क्रय :

Note 20 : Purchase of Stock-in-Trade :

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	2014-2015	2013-2014
सामग्री की खरीद	Purchase of goods	526120	488445
अन्य सीधे आय	Other Direct Expenses		
बैंक शुल्क	Bank Charges	554	979
कुल	**Total**	**526674**	**489424**

टिप्पणी 21 : कर्मचारी हितलाभ व्यय :

Note 21 : Employee Benefits Expense :

विवरण	Particulars	2014-2015	2013-2014
(ए) वेतन एवं इनसेंटिव	(a) Salaries and incentives*	9118	8926
(बी) पीएफ में नियोक्त का अंशदान	(b) Employer Contribution to PF	814	806
(सी) ग्रेच्यूटी निधि में अंशदान	(c) Gratuity fund contributions	544	440
(डी) कर्मचारी कल्याण पर व्यय	(d) Staff welfare expenses	4008	1572
(ई) अवकाश नकदीकरण	(e) Leave encashment	191	230
कुल	**Total**	**14675**	**11974**

* इसमें दिनांक 01.01.2012 को कार्यान्वित कर्मचारियों के वेतन संशोधन को सुनिश्चित करने के प्रावधान के लिए रु. 1170 लाख (विगत वर्ष रु. 734 लाख) शामिल है।

* This includes ₹ 1170 lacs (previous year ₹ 734 lacs) towards provision for ensuring wage revision of employees implemented w.e.f. 01.01.2012.

परिभाषित लाभ दायित्वों के संबंध में कर्मचारी लाभ पर लेखा मानक - 15 (संशोधित 2005) के अंतर्गत वांछित प्रकटीकरण :-
तालिका दिनांक 31.03.15 को दायित्वों के वर्तमान मूल्य में परिवर्तन प्रकट कर रही है।

Disclosure as required under Accounting Standard – 15 (Revised 2005) on "Employees Benefits" in respect of Defined Benefit obligations :-

Table showing changes in present value of obligation as on 31.03.15

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	उपदान Gratuity	छुट्टी वेतन Leave Salary
वर्षारंभ में दायित्व की वर्तमान स्थिति	Present value of obligations as at beginning of the year	1287	1050
ब्याज लागत	Interest cost	103	84
वर्तमान सेवा लागत	Current service cost	31	100
चुकाए गए हित	Benefits paid	(190)	(106)
दायित्व पर बीमांकिक (लाभ/हानि)	Acturial (Gain)/Loss on obligations	(18)	(6)
वर्षांत में दायित्व की वर्तमान स्थिति	Present value of obligations as at end of the year	1213	1122

तालिका 31.03.2015 तक की योजना संपत्ति के उचित मूल्य में परिवर्तन को प्रकट कर रही है।

Table showing changes in the fair value of plan assets as on 31.03.15

विवरण	Particulars	उपदान Gratuity	छुट्टी वेतन Leave Salary
वर्ष के प्रारम्भ में योजना संपत्ति का उचित मूल्य	Fair value of plan assets at beginning of the year	1432	1027
योजना संपत्ति पर संभावित आय	Expected return on plan assets	123	93
अंशदान	Contributions	40	65
चुकाए गए हित	Benefits paid	(190)	(106)
योजना संपत्ति पर बीमांकिक (लाभ/हानि)	Acturial gain/(loss) on plan assets	–	–
वर्षांत में योजना संपत्ति का उचित मूल्य	Fair value of plan assets at the end of the year	1405	1079
निधिक स्थिति	Funded status	192	(43)

31.03.2015 को बीमांकित लाभ/हानि के रूप में पहचान।

Acturial Gain/Loss recognized as on 31.03.15

विवरण	Particulars	उपदान Gratuity	छुट्टी वेतन Leave Salary
दायित्व पर बीमांकिक (लाभ)/हानि	Actuarial (gain)/loss on obligations	18	6
वर्ष की योजना संपत्ति के लिए बीमांकिक (लाभ)/हानि	Actuarial (gain)/loss for the year – plan assets	–	–
दायित्व पर बीमांकिक (लाभ)/हानि	Actuarial (gain)/loss on obligations	(18)	(6)
वर्ष में बीमांकिक (लाभ)/हानि के रूप में पहचान	Actuarial (gain)/loss recognized in the year	(18)	(6)

तुलन-पत्र एवं लाभ हानि लेखा के विवरण में स्वीकृत राशि।

The amounts to be recognized in the balance sheet and statements of profit and loss.

विवरण	Particulars	उपदान Gratuity	छुट्टी वेतन Leave Salary
वर्षांत में दायित्व का वर्तमान मूल्य	Present value of obligations as at the end of the year	1213	1122
वर्षांत में योजना संपत्ति का उचित मूल्य	Fair value of plan assets as at the end of the year	1405	1079
निधिक स्थिति	Funded status	192	(43)
तुलन-पत्र में स्वीकृत निवल आस्तियां (देयताएं)	Net asset/(liability) recognized in balance sheet	192	43

लाभ एवं हानि लेखा विवरण में स्वीकृत खर्च

Expenses recognized in statement of Profit and loss.

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	उपदान Gratuity	छुट्टी वेतन Leave Salary
वर्तमान सेवा लागत	Current service cost	31	100
ब्याज लागत	Interest cost	103	84
योजना संपत्तियों पर संभावित आय	Expected return on plan assets	(123)	(93)
वर्ष में बीमांकिक निवल (लाभ)/हानि	Net actuarial (gain)/loss recognized in the year	(18)	(6)
स्वीकृत खर्च लाभ-हानि लेखा विवरण में	Expenses recognized in statement of profit and loss	(7)	85

सहायिकी कंपनी के मामले में

परिभाषित लाभ दायित्वों के संबंध में कर्मचारी लाभों पर लेखा मानक - 15 (संशोधित 2005) के अंतर्गत वांछित प्रकटीकरण (ग्रेच्युटी को छोड़कर जिसके लिए प्रकटीकरण नहीं किया गया है) :-

क) अनुमानित लाभ दायित्वों के वर्तमान मूल्य का मिलान :-

In case of Subsidiary

Disclosure as required under Accounting Standard – 15 (Revised 2005) on "Employees Benefits" in respect of Defined Benefit obligations (Except Gratuity for which disclosure has not been made).

a) Reconciliation of present value of projected benefit obligations :-

क्रमांक Sr.	विवरण Particulars	अवकाश नकदीकरण Leave Encashment	सेवानिवृत्ति उपरांत चिकित्सा लाभ Post retirement Medical Benefit	सेवानिवृत्ति निपटान लाभ Post retirement Settlement Benefit	दीर्घकालीन उपरांत पुरस्कार Long Term Service Award	कर्मचारी सेवा परिवार लाभ योजना Employees Family Benefit Scheme	कुल Total
i	1 अप्रैल, 2014 को अनुमानित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य Present Value of projected benefit obligation as at 1st April, 2014	1609	932	39	5	386	2972
ii	सेवा लागत Service Cost	210	65	2	0	0	277
iii	ब्याज लागत Interest Cost	136	85	3	1	32	257
iv	बीमांकित (लाभ)/हानि Actuarial (Gain)/Loss	389	886	6	0	8	1289
v	विगत सेवा लागत Past Service Cost	0	0	0	0	0	0
vi	भुगतान किया हुआ लाभ Benefit Paid	(268)	(36)	(7)	(0)	(76)	(387)
vii	अधिग्रहण लागत/(उधार) Acquisition Cost/(credit)	0	0	0	0	0	0
viii	31 मार्च, 2015 को अनुमानित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य (i)+(ii)+(iii)+(iv)+(v)+(vi)+(vii) Present Value of projected benefit obligation as on 31st March, 2015 (i)+(ii)+(iii)+(iv)+(v)+(vi)+(vii)						

ख) 31 मार्च, 2015 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ एवं हानि लेखा के विवरण में स्वीकृत व्यय

b) Expenses recognized in the statement of Profit and Loss Account for the year ended 31st March, 2015

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

क्रमांक Sr.	विवरण Particulars	अवकाश नकदीकरण Leave Encashment	सेवानिवृत्ति उपरांत चिकित्सा लाभ Post retirement Medical Benefit	सेवानिवृत्ति निपटान लाभ Post retirement Settlement Benefit	दीर्घकालीन उपरांत पुरस्कार Long Term Service Award	कर्मचारी सेवा परिवार लाभ योजना Employees Family Benefit Scheme
i	सेवा लागत Service Cost	210	65	2	0	0
ii	ब्याज लागत Interest Cost	136	85	3	1	32
iii	बीमांकित (लाभ)/हानि Actuarial (Gain)/Loss	389	886	6	0	8
iv	विगत सेवा लागत Past Service Cost	0	0	0	0	0
v	योजना सम्पत्ति पर संभावित आय Expected return on plan asset	0	0	0	0	0
vii	कर्मचारी लाभ व्ययों के लिए प्रभारित रकम Amount charged to Employee Benefit Expenses	**735**	**1036**	**11**	**1**	**40**

ग) बीमांकिक द्वारा पुष्टीकरण के आधार पर दिनांक 31.03.2015 को 5.00 प्रतिशत की दर से चिकित्सा मुद्रास्फीति स्वीकृत किया गया है, चूँकि सेवानिवृत्ति उपरांत चिकित्सा लाभ योजना मेडिक्लेम पॉलिसी द्वारा रक्षित है।

घ) बीमांकित द्वारा स्वीकृति दी गई है

c) The medical inflation assumed @ 5.00% as on 31.03.2015 as confirmed by actuary since the post retirement medical benefit scheme is covered by Mediclaim Policy.

d) Assumption considered by Actuary

क्रमांक Sr.	विवरण Description	31 मार्च 2015 को As at 31st March 2015
i	रियायत दर Discount Rate	7.8%
ii	वेतन एवं पारिश्रमिक में वृद्धि की दर Rate of Escalation in Salaries & Wages	गैर-कार्यपालक - प्रथम वर्ष के लिए 10.00 प्रतिशत एवं तदुपरांत 6.00 प्रतिशत Non-Executive - 10.00% for first year & 6.00% thereafter
iii	मृत्यु दर और वापसी Mortality and withdrawal	भारतीय बीमाकृत जीवन मृत्युदर (2006-08) (सशोधित) सर्वश्रेष्ठ Indian Assured Lives Mortality (2006-08) (Modified) ultimate
iv	मुद्रास्फीति, वरिष्ठता पदोन्नति एवं अन्य संबंधित उपादानों को ध्यान में रखते हुए भविष्य की वेतन वृद्धि का अनुमान बीमांकित मूल्यों पर किया गया है The estimate of future salary increase is considered in actuarial valuation taking account of inflation, seniority promotion and other relevant factors	

टिप्पणी : 22 : वित्त लागत :

Note 22 : Finance Costs :

विवरण	Particulars	2014-2015	2013-2014
ब्याज व्यय	Interest expense	8771	13499
बैंक शुल्क	Bank Charges	2	2
कुल	**Total**	**8773**	**13501**

टिप्पणी : 23 : अन्य व्यय :
Note 23 : Other Expenses :

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	2014-2015	2013-2014
मरम्मत एवं रखरखाव	Repairs and Maintenance	402	325
मशीनरी की मरम्मत	Repairs to Machinery	274	248
बीमा	Insurance	38	38
किराया	Rent	294	296
उपकरण एवं अन्य किराया	Equipment & Other Rent	6477	5804
जल, ऊर्जा एवं ऑक्सीजन	Water, Power & Oxygen	362	295
ठेकेदार के जरिए सेवाओं की लागत	Cost of Services through Contractor	1994	1943
सुरक्षा सेवाएं	Security Services	362	351
दर एवं कर	Rates and Taxes	154	50
बैंक शुल्क	Bank Charges	12	12
यात्रा व्यय	Travelling Expenses	425	530
बैठक एवं सम्मेलन	Meeting and Conference	19	121
प्रशिक्षण	Training	8	12
निदेशक बैठक शुल्क	Directors' Sitting Fees	2	3
लेखा परीक्षा शुल्क*	Audit Fees*	7	5
आउट ऑफ पॉकेट व्यय (सांविधिक लेखा परीक्षक)	Out-of-Pocket Expenses (Statutory Auditor)	4	9
स्टॉक यार्ड व्यय	Stock Yard Expenses	27	119
टेलेक्स, पोस्टेज एवं टेलीग्राम	Telex, Postage and Telegram	48	48
इलेक्ट्रिसिटी	Electricity	115	104
प्रिंटिंग एवं स्टेशनरी	Printing and Stationery	40	45
मनोरंजन	Entertainment	18	16
टेलीफोन शुल्क	Telephone Charges	38	39
विज्ञापन	Advertisement	74	164
संविधिक व्यय**	Legal Expenses **	261	399
कंसलटैंसी शुल्क	Consultancy Charges	158	62
आंतरिक लेखा परीक्षा शुल्क	Internal Audit fees	2	2
आउट ऑफ पॉकेट व्यय (आंतरिक लेखा परीक्षक)	Out-of-Pocket Expenses (Internal Auditor)	3	3
विविध व्यय	Miscellaneous Expenses	385	520
कर्मचारी नियुक्ति व्यय	Staff Recruitment Expenses	6	12
समाचारपत्र, किताब एवं पत्रिकाएं	Newspaper, Books and Periodicals	4	4
नैगमिक सामाजिक दायित्व	Corporate Social Responsibility	128	228
दान	Donation	0	260
नीलामी/निविदा व्यय	Auction/Tender Expenses	101	68
संदेहात्मक ऋण के लिए प्रावधान	Provision for Doubtful Debts	7380	7882
अशोध्य कर्ज समापन	Bad Debts written off	0	220
परिसंपत्ति की बिक्री से हानि	Loss on sale of Assets	0	1
पूर्व अवधि उत्पाद	Prior Period Items	16	8
कुल	**Total**	**19638**	**20246**

*कर लेखा परीक्षा शुल्क रु. 1 लाख शामिल है (विगत वर्ष रु. 1 लाख)।
**स्वर्ण आभूषण निर्यात से संबंधित मामले के लिए रु. 53 लाख (लगभग) शामिल है। विगत वर्ष के लिए रु. 147 लाख (लगभग) है।
* Includes Tax Audit fees of ₹ 1 lac (previous yr. ₹ 1 lac)
** Includes ₹ 53 lacs (approx.) prev.yr ₹ 147 lacs (approx.) pertains to cases relating to Gold Jewellary Export.

टिप्पणी : 24 (ए) : विदेशी मुद्रा में व्यय :

Note 24 (a) : Expenditure incurred in Foreign Currency :

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	2014-2015	2013-2014
सामानों का आयात	Import of Goods	160334	314580
यंत्र एवं पुर्जे (एफओबी)	Components & Spares (FOB)	0	7
यात्रा खर्च एवं अन्य	Travelling Expenses & other	14	16
कुल	**Total**	**160348**	**314603**

टिप्पणी : 24 (बी) : विदेशी मुद्रा में व्यय :

Note 24 (b) : Earnings in Foreign Currency :

विवरण	Particulars	2014-2015	2013-2014
ई-नीलामी पंजीयन शुल्क	E-auction Registration fees	13	1
	Total	**13**	**1**

टिप्पणी : 25 : प्रबंधकीय पारिश्रमिक :

Note 25 : Managerial Remuneration :

(ए) (a)

विवरण	Particulars	2014-2015	2013-2014
निदेशकों के वेतन एवं भत्ते	Director's Salaries & Allowances	97	136
भविष्य निधि में कंपनी का योगदान	Company's Contribution to Provident Fund	7	6
चिकित्सा व्यय की प्रतिपूर्ति	Reimbursement of Medical expenses	2	1

बी) चूंकि निदेशकों को कंपनी द्वारा लिमिटेड माइलेज के लिए कार के निजी व्यवहार की सुविधा प्रदान किए गए हैं, उस सुविधा को हित लाभ/अनुलाभ के रूप में नहीं लिया गया है।

सी) ग्रुप इंश्योरेंस/ग्रुप ग्रैच्यूटी स्कीम की मॉस्टर पॉलिसी के लिए प्रीमियम का भुगतान किया है, जो निदेशकों के लिए भी किया जाता है, अनुलाभ के रूप में नहीं लिया गया है क्योंकि यह अनिश्चित है।

डी) उपरोक्त में वास्तविक भुगतान के आधार पर कार्यनिष्पादन संबंधी वेतन शामिल है

b) Since the facility of private use of car for limited mileage is provided by the Company to Directors, such facility has not been considered as benefit / perquisite.

c) Premium paid for Master policy of Group Gratuity Scheme / Group Insurance which also covers Directors has not been considered as perquisite since it is unascertainable.

d) The above includes Performance related pay on actual payment basis

टिप्पणी : 26 : संबंधित पार्टी का प्रकटीकरण

Note 26 : Related party disclosure

1.ए) शीर्ष प्रबंधकीय कार्मिक (केएमपी) -

श्री एस के त्रिपाठी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
श्री ए के बसु, निदेशक (वित्त)
श्री बी बी सिंह, निदेशक (वाणिज्य)
श्री एस. के. राय, कंपनी सचिव
श्री राजीब भट्टाचार्य, प्रबंध निदेशक, एफएसएनएल (दिनांक 09/02/2015 को कार्यभार ग्रहण किया)

1.a) Key Managerial Personnel (KMP) :

Shri S K Tripathi – Chairman-cum-Managing Director
Shri A.K.Basu – Director (Finance)
Shri B.B. Singh – Director (Commercial)
Shri S.K. Ray – Company Secretary
Shri Rajib Bhattacharya – Managing Director, FSNL (Taken over change on 09/02/2015)

बी) वर्ष के दौरान संबंधित पार्टियों से लेनदेन :

b) Transaction with related party during the year :

लेनदेन की प्रकृति Nature of Transaction	सीवाई CY	केएमपी KMP	पीवाई PY
प्रदत्त प्रबंधकीय पारिश्रमिक Managerial Remuneration Paid	₹ 128 लाख ₹ 128 lacs		₹ 187 लाख ₹ 187 lacs
सी) शेष बकाया c) Advance Balance outstanding :	(₹ 2 लाख) ₹ 2 lac		(₹ 3 लाख) (₹ 3 lac)

डी) अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के लिए खर्च की प्रतिपूर्ति के तौर पर कंपनी को एफएसएनएल से रु. 7 लाख (विगत वर्ष कुछ नहीं) प्राप्त हुए हैं। एफएसएनएल के मामले में कंपनी अधिनियम 2013 के अधीन वांछनीय कंपनी सचिव के विवरण को केएमपी के रूप में प्रकट नहीं किया गया है।

टिप्पणी : 27 : एएस-17 के अनुसार विभाजित रिपोर्टिंग :

Note 27: Segmental Reporting as per AS – 17:

कंपनी ने एएस-17 की शर्तों के अनुसार ई-कॉमर्स एवं विपणन को अपने दो प्राथमिक व्यवसाय प्रभाग के रूप में चिन्हित किया है। यहां कोई गौण क्षेत्र नहीं है।

In terms of AS-17 the Company has identified Marketing, E-Commece and Scrap Recovery & Allied Jobs as its three Primary Reportable Business Segments. There is no Secondary Segment.

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs) / (विगत वर्ष) / (previous year)

विवरण Particulars	विपणन Marketing	ई-कॉमर्स E-Commerce	अन्य (अनाबंटित) Others (unallocated)	Scrap Recovery & Allied Jobs	कुल Total
कुल राजस्व	535637	13694	849	27574	577754
Total Revenue	(519495)	(12367)	(1125)	(23780)	(556767)
कुल व्यय	524245	301	12955	25038	562539
Total Expenses	(506572)	(208)	(36984)	(22539)	(566303)
परिणाम (कर पूर्व लाभ/हानि (-)	11392	13393	– 12106	2536	15215
Result (Profit/Loss(-) before Tax)	(12923)	(12159)	(–35859)	(1241)	(–9536)
कर व्यय			4048	826	4874
Tax expenses			(–3734)	(400)	(–3334)
अवधि के लिए लाभ/हानि (-)			8631	1710	10341
Profit/ Loss(-) for the period			(–7043)	(841)	(–6202)

आस्तियों एवं देयताओं के अनाबंटित प्रकृति के कारण विभाजित नहीं किया जा सका।

Assets & liabilities could not be segmented due to their unallocable nature.

टिप्पणी : 28 : व्यापार से प्राप्य का शेष, व्यापारगत भुगतेय एवं अग्रिमों में शामिल शेष पुष्टिकरण/मिलान एवं परिणाम स्वरूप समायोजन का विषय है। यदि कोई हो, मिलान को जारी आधार पर लिया गया है। प्रावधान, जहां पर जरूरी है, किया गया है।

Note 28 : Balances of Trade Receivables, Trade Payables and Advances include balances subject to confirmation/reconcilliation and consequential adjustment, if any. Reconciliations are carried out on on-going basis. Provisions, wherever considered necessary, have been made.

टिप्पणी : 29 : प्रति शेयर आय की गणना निम्नानुसार किया है:-

Note 29 : Earning per share has been computed as under :-

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	2014-2015	2013-2014
करोपरांत-लाभ (रु. लाख में)	Profit after Tax (₹ in lacs)	10341	(6202)
शेयरों की संख्या (अदद)	No. of shares (Nos.)	8800000	8800000
करोपरांत लाभ पर प्रति शेयर आय (प्रति शेयर अंकित मूल्य रु.10/-) बेसिक/डाइलूटेड (रु.)*	Earnings per share on profit after tax (face value ₹ 10/- per share) – Basic/Diluted (₹)*	118	(70)

टिप्पणी : 30 : **आकस्मिक देयताओं एवं प्रतिबद्धता (इसके लिए सीमा तक प्रावधान नहीं किया गया)**

आकस्मिक देयताओं में शामिल कंपनी के विरुद्ध दावे को ऋण के रूप में नहीं लिया गया :-

Note 30 : **Contingent Liabilities and Commitments (to the extent not provided for)**

Contingent Liabilities include claims against the Company not acknowledged as debt :-

(i) आकस्मिक देयताओं / Contingent Liabilities

विवरण	Particulars	2014 - 2015	2013 - 2014
बिक्री कर एवं सीमा शुल्क	Sales Tax & Customs	4581	1921
धन संबंधी वाद	Money Suits	12875	8750
नौवहन वाद	Admiralty Suits	91	86
विवाचन	Arbitration	4717	2178
विधि व्यय	Legal Expenses	325	325
आयकर	Income Tax	677	456
बकाया बीजी/एलसी	Outstanding BG/LC	59	49
सेवा कर	Service Tax	7841	7358
कुल	**Total**	**31166**	**21123**

(ii) प्रतिबद्धता / Commitments

पूंजी खाते पर निष्पादन होने वाले शेष ठेके की अनुमानित रकम एवं प्रदत्त नहीं किया गया (निवल अग्रिम)	Estimated amount of contracts remaining to be executed on capital account and not provided for (net of advance)	**40**	**270**

टिप्पणी : 31 (ए) : 31 मार्च 2015 को समाप्त वर्ष के लिए शुरुआती स्टॉक, क्रय, विक्रय एवं समाप्त स्टॉक का विवरण :

Note 31 (a) : Statement of Opening Stock, Purchases, Sales and Closing Stock for the year ended 31st March, 2015

(विगत वर्ष) / (previous year) / (मात्रा '000 टन) / (Qty '000 Tonnes) / (रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

सामग्री का विवरण **Description of material**	शुरुआती स्टॉक **Opening Stock**		क्रय **Purchases**		विक्रय **Sales**		बंद स्टॉक **Closing Stock**	
	मात्रा **Qty.**	मूल्य **Value**	मात्रा **Qty.**	मूल्य **Value**	मात्रा **Qty.**	मूल्य **Value**	मात्रा **Qty.**	मूल्य **Value**
क्रूड ऑयल	0	0	155	55066	155	55754	0	0
Crude Oil	0	0	(1002)	(69777)	(1002)	(70650)	0	0
नेप्था	0	0	0	0	0	0	0	0
Naptha	0	0	(127)	(70256)	(127)	(71508)	0	0
कोक/कोल	86	3605	11240	470809	10989	461983	337	14683
Coke / Coal	194	7375	(6670)	(335102)	(6778)	(341529)	(86)	(3605)
जूट	0	0	0	0	0	0	0	0
Jute	0	0	(10)	(2894)	(10)	(2916)	0	0
				525875		517737		
				(478029)		(486603)		
जोड़ :		अंतिम बिल समायोजन		245		315		
Add :		Final Bill Adj.		(10416)		(10708)		
				526120		518052		
				(488445)		(497311)		

टिप्पणी 31 (बी) : ऊपर के अलावा कंपनी ने फेसिलेटर के रूप में निम्नोक्त के अनुसार सामग्री खरीदी है :

Note 31 (b) : In addition to above the Company have also purchased material as facilitator as per details below :

(विगत वर्ष) / (previous year) / (मात्रा '000 टन) / (Qty '000 Tonnes) / (रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

सामग्री का विवरण Description of material	मात्रा Qty	खरीद मूल्य Purchase Value	अर्जित सेवा प्रभार Service Charges Earned
एच आर क्वायल्स	1	394	8
H R Coils	(60)	(22300)	(492)
कोक/कोल	629	66748	1378
Coke / Coal	(1094)	(114568)	(2291)
बिलेट्स	6	2294	43
Billets	(25)	(9113)	(173)
नेफ्था	95	65376	1409
Naptha	(142)	(96712)	(1647)
आयरन ओर	503	27506	514
Iron Ore	(102)	(5726)	(114)
मैंगेनीज ओर	44	3872	93
Manganese Ore	(26)	(3093)	(93)
पिग आयरन	7	2212	43
Pig Iron	(55)	(6984)	(133)
फेरो स्क्रैप		0	0
Ferro scrap		(1874)	(35)
कुल / Total	**1285**	**168402**	**3488**
	(1504)	**(260370)**	**(4978)**

टिप्पणी 32 : तुलनात्मक बनाने के लिए विगत वर्ष के आकडों को जहां जरूरत है वहां पुनर्व्यवस्थित एवं पुनः समूहित किया गया है।

Note 32 : Figures for the previous year have been rearranged and regrouped wherever necessary to make it comparable.

टिप्पणी 33 : टिप्पणी 33 : कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची III के अधीन सहायिकी के रूप में उद्यमों समेकित के लिए आवश्यक अतिरिक्त सूचना।

Note 33 : Additional Information, as required under Schedule III to the Companies Act, 2013 of enterprises consolidated as Subsidiary.

उद्यम का नाम Name of the Enterprise		निवल सम्पत्तियां यानी कुल सम्पत्तियां Net Assets i.e. Total Assets		लाभ या हानि का अंश Share in Profit or Loss	
		समेकित निवल सम्पत्तियों के प्रतिशत के रूप में As % of Consolidated net assets	रकम Amount	समेकित लाभ या हानि के प्रतिशत के रूप में As % of Consolidated profit or loss	रकम Amount
प्रधान	**Parent**				
एमएसटीसी लिमिटेड	MSTC Limited	81.20	68042	83.46	8631
सहायिकी	**Subsidiary**				
फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड	Ferro Scrap Nigam Limited	18.80	15758	16.54	1710

टिप्पणी 34 से टिप्पणी 51 : सहायक कंपनी के मामले में
Note 34 to Note 51 : In case of Subsidiary

टिप्पणी 34 : प्रयुक्त सामग्रियों की लागत
Note 34 : Cost of Material consumed

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	प्रारम्भिक स्टॉक	क्रय	समाप्ति स्टॉक	प्रयुक्त	प्रयुक्त
लैंसिंग ट्यूब्स	14	47	12	49	51
ऑक्सीजन एवं एसिटिलीन	0	39	0	39	52
लुब्रिकेंट्स	39	185	24	200	207
डीजल व गासोलेन	36	1902	34	1903	1984
स्टोर्स एवं स्पेयर पार्ट्स	657	618	463	812	883
कुल	**746**	**2791**	**534**	**3003**	**3177**

Particulars	Opening Stock	Purchase	Closing Stock	Consumption	Consumption
Lancing Tubes	14	47	12	49	51
Oxygen & Acetylene	0	39	0	39	52
Lubricants	39	185	24	200	207
Diesel & Gasolene	36	1902	34	1903	1984
Stores & Spare parts	657	618	463	812	883
Total	**746**	**2791**	**534**	**3003**	**3177**

टिप्पणी 35 : .वर्तमान परिसम्पत्तियां, ऋण एवं अग्रिम अच्छे एवं वसूलीयोग्य है तथा लागत के करीब हैं, यदि व्यापार के सामान्य अवधि में वसूली जाती है और जहाँ तक लेखों में उल्लिखित है। व्यापार देयता की शेष राशि, व्यापार प्राप्य, ऋण एवं अग्रिम मिलान एवं पुष्टिकरण के अधीन है।

Note 35 : The current assets, loans and advances are good and recoverable and are approximately of the values, if realized in the ordinary course of business unless and to the extent stated otherwise in the accounts. Banances of trade payables, trade receivable, loans and advances are subject to reconciliation and confirmation.

टिप्पणी 36 : तुलन पत्र एवं लाभ व हानि खाता उस पर दी गई टिप्पणी के साथ पढ़े, कम्पनी अधिनियम, 2013 के अधीन आवश्यक जानकारियों के खुलासा की ओर ध्यानाकर्षित करने के साथ ही वर्ष के अंत में कंपनी मामले के विवरण तथा आलोच्य वर्ष के अधीन कंपनी का परिणाम की साफ-सुथरी तस्वीर प्रस्तुत करता है।

Note 36 : Balance Sheet and Profit & Loss Account read together with the notes thereon, are drawn up so as to disclose the information required under the Companies Act, 2013 as well as give a true and fair view of the statement of affairs of the Company as at the end of the year and results of the Company for the year under review.

टिप्पणी 37 (ए) : आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद, रायपुर ने अप्रैल, 08 से सितम्बर, 08 की अवधि हेतु भिलाई यूनिट में स्क्रैप की वसूली एवं प्रसंस्करण की कार्य हेतु "कार्गो हैंडलिंग सवाओं" पर सेवा कर के बाबत ₹ 152.05 लाख के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया है। उपरोक्त कारण बताओ नोटिस का प्रत्युत्तर कम्पनी द्वारा पहले दाखिल कर दिया गया है, मामले में व्यक्तिगत सुनवाई संचालित हो रही है हलांकि आदेश अभी तक प्राप्त होने का है।

बी) आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, रायपुर ने अक्टूबर, 2009 से मार्च, 2010 की अवधि हेतु भिलाई यूनिट में स्क्रैप की वसूली एवं प्रसंस्करण के कार्य हेतु "कार्गो हैंडलिंग सेवाओं" पर सेवा कर के बाबत ₹ 181.68 लाख का कारण बताओ नोटिस जारी किया है। कारण बताओ नोटिस का प्रत्युत्तर आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क को दाखिल कर दिया गया है, हालांकि व्यक्तिगत सुनावाई लंबित है।

सी) आयुक्त, केन्द्रीय उप्ताद शुल्क, रायपुन ने अक्टूबर, 2008 से सितम्बर, 2009 की अवधि हेतु भिलाई यूनिट में स्क्रैप की वसूली एवं प्रसंस्करण के कार्य हेतु "कार्गो हैंडलिंग सेवाओं" पर सेवा कर के बाबत ₹ 245.72 लाख का कारण बताओ नोटिस जारी किया है। उपरोक्त कारण बताओ नोटिस का प्रत्युत्तर कम्पनी ने पहले ही दाखिल कर दिया है, मामले में व्यक्तिगत सुनवाई संचालित हो रही है, हालांकि आदेश अभी तक प्राप्त होने का है।

डी) आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, रांची ने फरवरी, 2008 से मार्च, 2010 की अवधि हेतु बोकारो यूनिट में स्क्रैप की वसूली एवं प्रसंस्करण के कार्य हेतु '"व्यापार पूरक सेवाओं' पर सेवा कर के बाबत ₹ 146.96 लाख का कारण बताओ नोटिस जारी किया है। उपरोक्त कारण बताओ नोटिस का प्रत्युत्तर कम्पनी ने पहले ही दाखिल कर दिया है, हालांकि व्यक्तिगत सुनवाई लंबित है।

ई) अतिरिक्त आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, बोलपुर ने अक्टूबर, 2008 से सितम्बर, 2009 तक की अवधि हेतु दुर्गापुर यूनिट में स्क्रैप की वसूली एवं प्रसंस्करण के कार्य हेतु "व्यापार पूरक सेवाओं" पर सेवा कर के बाबत ₹ 22.20 लाख का कारण बताओ नोटिस जारी किया है। उपरोक्त कारण बताओ नोटिस का प्रत्युत्तर कंपनी द्वारा पहले ही दाखिल कर दिया गया है, हालांकि व्यक्तिगत सुनवाई लंबित है।

एफ) अतिरिक्त आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवा कर, रायगढ़ आयुक्तालय ने वर्ष 2009-10, 2010-11 एवं 2012-13 हेतु डोल्वी यूनिट में स्क्रेप की वसूली एवं प्रसंस्करण के कार्य हेतु '"व्यापार समर्थन सेवा' पर सेवा कर के बाबत ₹ 44.40 लाख का कारण बताओ नोटिस जारी किया है। उपरोक्त कारण बताओ नोटिस का प्रत्युत्तर कम्पनी द्वारा पहले ही दाखिल कर दिया गया है, हालांकि व्यक्तिगत सुनवाई लंबित है.

Note 37 : (a) The Commissioner, Central Excise of Raipur has issued show cause notice for ₹ 152.05 lakhs towards service tax on "Cargo Handling Services" for the jobs of recovery and processing of scrap at Bhilai unit for the period April'08 to September'08. The reply of above show cause notice is already submitted by the company, personal hearing in the matter is being conducted however order is yet to be received.

(b) The Commissioner, Central Excise of Raipur has issued show cause notice of ₹ 181.68 lakhs towards ervice tax on "Cargo Handling Services" for the job of recovery and processing of scrap at Bhilai unit for the period Oct'2009 to March'2010. The reply to the show cause notice has been submitted to Commissioner, Central Excise, Raipur, however personal hearing is pending.

(c) The Commissioner, Central Excise of Raipur has issued show cause notice of ₹ 245.72 lakhs towards service tax on "Cargo Handling Services" for the job of recovery and processing of scrap at Bhilai unit for the period Oct'2008 to September'2009. The reply of above show cause notice is already submitted by the company, personal hearing in the matter is being conducted however order is yet to be received.

(d) The Commissioner, Central Excise of Ranchi has issued show cause notice of ₹ 146.96 lakhs towards service tax on "Business Auxiliary Services" for the job of recovery and processing of scrap at Bokaro unit for the period February'2008 to March'2010. The reply of above show cause notice is already submitted by the compnay, however personal hearing is pending.

(e) The Addl. Commissioner, Central Excise of Bolpur has issued show cause notice of ₹ 22.20 lakhs towards service tax on "Business Auxiliary Services" for the job of recovery and processing of scrap at Durgapur unit for the period October'2008 to September'2009. The reply of above show cause notice is already submitted by the company, however personal hearing is pending.

(f) The Addl. Commissioner, Central Excise & Service Tax, Raigad Commissionerate issued show cause notice of ₹ 44.40 lakhs towards service tax on "Business Support Service" for the job of recovery and processing of scrap at Dolvi unit for the year 2009-10, 2010-11 and 2012-13. The reply of the above show cause notice already submitted by the company, however personal hearing is pending.

टिप्पणी 38 : .कम्पनी की समीक्षा उसके स्थायी परिसम्पत्तियों की राशि को शामिल कर सम्पूर्ण कंपनी को कैश जेनरेटिंग यूनिट (सीजीयू) के रूप में की जाती है। अतः कम्पनी (सीजीयू के रूप में) ने भविष्य के नकद प्रवाह का वर्तमान मूल्य के साथ अपनी परिसम्पत्तियों की शामिल राशि का तुलना किया है और जिसमें कोई नुकसान नहीं दिखता है।

Note 38 : The company reviews the carrying amount of its fixed assets treating the entire company as a Cash Generating Unit (CGU). Hence, the company (being a CGU) has compared the carrying amount of its fixed assets with present value of future cash flows and it does not show any impairment.

टिप्पणी 39 : एमएसएमई के बकाया राशि (टिप्पणी 7 में खुलासे के अनुसार) का बहुत हद तक ऐसे उपक्रमों की पहचान की गई है। कम्पनी ने एमएसएमई यूनिट्स को सामान्यतया ऐसा भुगतान निर्धारित समय में किये हैं एवं पार्टियों से ब्याज या अतिरिक्त बकाया भुगतान हेतु कोई दावा नहीं है।

Note 39 : The amount due to MSME (as disclosed in Note 7) is to the extent such undertakings have been identified. The company has normally made payment to MSME units in due time and there are no claim from the parties for interest or overdue payment.

टिप्पणी 40 : हरिद्वारा यूनिट में अंतरिम आय ₹ शून्य है (विगत वर्ष ₹ 6.01 लाख था)

Note 40 : Provisional income at Haridwar Unit has been considered as ₹ NIL (Previous Year ₹ 6.01 Lakhs).

टिप्पणी 41 : गैर कार्यपालक कर्मचारियों के वेतन संशोधन का समझौता 31 दिसम्बर, 2011 को समाप्त हो गया है। 1 जनवरी, 2012 से नये समझौते को अंतिम रूप देना लंबित है, वेतन संशोधन के बाबत वर्ष हेतु ₹ 969.51 लाख का प्रावधान का अनुमान है और प्रदान की गई है।

Note 41 : The Agreement for Wage revision of Non executive employees expired on 31st December 2011. Pending finalization of the fresh agreement w.e.f. 1st January 2012, a provision of ₹ 969.51 lakhs for the year towards wage revision has been estimated and provided.

टिप्पणी 42 : आरआईएनएल, वाईजाग के साथ दीर्घ कालीन समझौता 31 अक्टूबर, 2014 को समाप्त हो गया। नवंबर, 2014 से मार्च 2015 के लिए सेवा प्रभार 31.10.2014 को समाप्त समझौते में जैसा प्रचलित दर पर विचार किया गया है।

Note 42 : Long term agreement with RINL, Vizag has been expired on 31st October,2014. The service charges for the period Nov'2014 to March'2015 has been considered with the rate prevailing as on 31.10.2014 in the expired agreement.

टिप्पणी 43 : अप्रचलित इन्वेंटरी सामग्रियों की पहचान प्रबंधन द्वारा विधिवत गठित आंतरिक तकनीकी समीक्षा कमिटी द्वारा की गई है। कमिटी ने वित्तीय वर्ष 2013-14 में सभी यूनिट्स हेतु रिपोर्ट दाखिल कर दिया है। कमिटी ने कम्पनी के कुल इन्वेंटरी में से ₹ 23.42 लाख के अप्रचलित इन्वेंटरी की पहचान किया है। आगे कमिटी ने इन अप्रचलित इन्वेंटरियों से ₹ 8.08 लाख के शुद्ध वसूलीयोग्य मूल्य का आकलन किया है।

Note 43 : Obsolete inventory items are identified by internal technical review committee duly constituted by the management. The committee submitted the report in the FY 2013-14 for all the units. The committee has identified obsolete inventory amount to ₹ 23.42 lacs out of the total inventory of the company. Further committee has estimated net realizable value of ₹ 8.08 lacs against these obsolete inventories.

टिप्पणी 44 : कंपनी भारत में विविध इस्पात संयंत्र में स्क्रैप वसूली एवं सम्बद्ध कार्य के व्यापार में लगी हुई है, आरडब्ल्यूएफ-बेंगलुरू एवं भेल-हरिद्वार, जो कंपनी का प्रधान व्यापार गतिविधि है। स्क्रैप वसूली एवं सम्बद्ध कार्य के साथ ही कंपनी वेयरहाउस प्रबन्धन की सेवाएं भी देती हैं। तथापि, एएस 17 अर्थात "सेगमेंट रिपोर्टिंग" के पैरा 27 (ए) के अनुसार, एक व्यापार क्षेत्र जिसे उल्लेखनीय क्षेत्र के रूप में पहचान किया जाना चाहिए यदि इसका राजस्व बाह्य ग्राहकों को बिक्री एवं अन्य क्षेत्र के साथ लेनदेन से सभी क्षेत्र के कुल राजस्व, बाहरी एवं आंतरिक, का 10 प्रतिशत या अधिक है। वेयरहाउस प्रबंधन से कुल सेवा प्रभार अर्जित राजस्व के दस प्रतिशत से कम है, अतःपूर्व का एक उल्लेखनीय क्षेत्र गठन नहीं है।

आगे जैसा भौगोलिक क्षेत्र का सम्बन्ध है, लेखा मानकों में उल्लिखित अनुसार प्राथमिक मानदंड पर विचार किया जा रहा है जिसका विवरण निम्न रूप में है:

* आर्थिक एवं राजनीतिक स्थितियों की समानता
* विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में परिचालन के बीच संबंध
* परिचालन सन्निकटता
* विशेष क्षेत्र में परिचालन से सम्बद्ध विशेष जोखिम
* विदेशी मुद्रा नियंत्रण नियमावली
* अंतर्निहित मुद्रा जोखिम

चूंकि कंपनी यूनिट्स को सेवाएं दे रही हैं जो एक जैसी आर्थिक एवं राजनीतिक स्थितियों के अधीन हैं एवं इसलिए परिचालन जोखिम यथा, विदेशी मुद्रा नियंत्रण नियमावली, अंतर्निहित मुद्रा जोखिम, परिचालन सन्निकटता आदि को उजागर करता है। तद्नुसार विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में परिचालन का संबंध एक दूसरे से अंतर नहीं करता है और अतः कंपनी या प्रबन्धन के लिए प्रासंगिक नहीं है।

Note 44 : Company is engaged in the business of Scrap Recovery and Allied Jobs in various Steel Plants in India, RWF – Bengaluru and BHEL – Haridwar, whichis the principal business activityof the company. Beside scrap recovery and allied jobs, company has rendered services of warehouse management. However, as per Para 27(a) of AS 17 i.e. "Segmental Reporting", a business segment shoud be identified as a reportable segment if it's revenue from sales to external customers and from transactions with other segments is 10 percent or more of the total revenue, external and internal, of all segments. Total service charges received against warehouse management is less than ten percent of the revenue earned; hence the former does not constitute a reportable segment.

Further as regards to geographical segment, the primary criteria as envisaged in the accounting standard are being considered of which details are as follows :

* Similarity of economic and political conditions
* Relationship between operations in different geographical areas
* Proximity of operations
* Special risks associated with operations in particular area
* Exchange control regulations
* Underlying currency risks

Since the company is rendering services to units that are subject to same economical and political conditions and are therefore exposed to same operational risks viz, exchange control regulations, underlying currency risks, proximity of operations etc. Accordingly relationship between operations in different geographical areas does not differ from eachother and therefore is not relevant for the company or the management.

टिप्पणी 45 : .कंपनी ने 04 नंबर, 2014 को 3 वर्षों हेतु वैध दीर्घ कालीन समझौते के अधीन भद्रावती में सेल, वीआईएसएल के साथ स्क्रैप वसूली हेतु नए व्यापार का प्रारम्भ किया है एवं इसका परिचालन गतिविधियां जनवरी, 2015 से प्रारम्भ हो गया है।

Note 45 : The company has started a new business for scrap recovery with SAIL, VISL at Bhadravati under long term agreement made on 04th November, 2014 valid for 3 years and commenced its operational activities from January'2015.

टिप्पणी 46 : कंपनी अधिनियम, 2013 के लागू होने के तहत, कम्पनी ने अनुसूची II में, अवमूल्यन/परिशोधन पर लेखा नीति में खुलासे के अनुसार कतिपय परिसम्पत्तियों के सम्बन्ध को छोड़कर, निर्दिष्ट अनुमानित महत्वपूर्ण मुद्दों को लागू किया है। तद्नुसार मूल्यों में शामिल गैरपरिशोधित का संशोधित/शेष बचे हुए पर अवमूल्यन/परिशोधन महत्वपूर्ण अंग है। स्थायी परिसम्पत्तियों का ह्रास मूल्य जिनका जीवन 1 अप्रैल, 2014 को समाप्त हो गया है के ₹ 9.04 लाख की राशि को लाभ व हानि खाते में प्रारम्भिक शेष राशि में समायोजित किया गया है।

Note 46 : Pursuant to the enactment of Companies Act, 2013, the company has applied the estimated useful lives as specified in Schedule II, except in respect of certain assets as disclosed in Accounting Policy on Depreciation/Amortization. Accordingly the unamortized carrying valueis being depreciated/amortized over the revised/remaining useful lives. The depreciated value of Fixed Assets whose lives have expired as at 1st April, 2014 have been adjusted in the opening belance of Profit and Loss Account amounting to ₹ 9.04 lakhs.

टिप्पणी 47 : डोजर, क्रेन एवं मैगनेटिक सेपरेटर के गैरपरिशोधित मूल्यह्रास राशि जिसे कंपनी अपनी उपयोगिता हेतु संशोधित किया है जो वित्तीय वर्ष 2013-14 में एएस-6 के अनुसार सम्पत्तियों के संशोधित बचे हुए जीवन के स्थान पर सम्पत्तियों के प्रारम्भ होने की तारीख से मूल्यांकित किया है। वित्तीय वर्ष 2014-15 में एएस-6 के अनुसार उन सम्पत्तियों का मूल्यह्रास गणना किया गया है एवं लेखा के पुस्तकों में 92.60 लाख का पूर्व अवधि आय एवं 94.40 लाख पूर्व अवधि व्यय पर प्रभाव पड़ा है।

Note 47 : The unamortized depreciable amount of Dozer, Excavator, Crane and Magnetic Separator which company revised its useful life, was evaluated in FY 2013-14 from date of commissioning of the assets instead of revised remaining life of assets as per AS-6. In the FY 2014-15, the depreciation calculated for those assets as per AS-6 and the impact considered in the books of account as Prior Period Income of ₹ 92.60 lakhs and Prior Period Expenditure of ₹ 94.40 lakhs.

टिप्पणी 48 : गैर कार्यपालक कर्मचारियों हेतु 01.10.2014 से 31.03.2015 तक 9% एमजीबी यानी ₹ 310.12 लाख तथा कार्यपालक हेतु 01.10.2014 से 31.03.2015 तक की अवधि हेतु 20% एमजीबी यानी ₹ 138.82 लाख का वित्तीय निहितार्थ अनुमानित किया गया एवं प्रदान किया गया।

Note 48 : The financial implication of 9% MGB for Non-Executive employees for the period 01.10.2014 to 31.03.2015 amounting to ₹ 310.12 lakhs and 20% MGB for Executive for the period 01.10.2014 to 31.03.2015 amounting to ₹ 138.82 lakhs has been estimated and provided.

टिप्पणी 49 : .कर्मचारी लाभ : परिभाषित लाभ योजना का संक्षिप्त विवरण :

(ए) अवकाश का नकदीकरण -पात्र कर्मचारियों के विनियोजन पर देय 300 दिनों (अर्जित अवकाश एवं अर्द्ध-वेतन अवकाश संयुक्त) तक सीमित की गई है, एवं एचपीएल की गणना 300 दिनों की सीमा के गणना हेतु डीपीई दिशानिर्देश के अनुसार नहीं किया जाएगा। संचित अर्जित अवकाश का नकदीकरण भी एक कलेंडर वर्ष में एक बार में 30 दिनों तक ही स्वीकृति होगी।

(बी) अवकाशप्राप्त करने के उपरान्त चिकित्सा लाभ-अवकाशप्राप्त कर्मचारियों को किसी अस्पताल में मेडिक्लेम इंश्योरेंस पॉलिसी के अधीन उपलब्ध होगा।

(सी) अवकाशप्राप्त करने के उपरान्त निपटान लाभ- अवकाशप्राप्त कर्मचारी की देय राशि का उनके घोषित होम टाउन में निपटान जायेगा।

(डी) दीर्घकालीन सेवा अवार्ड- न्यूनतम 25 वर्षों की सेवा देने एवं सुपरएनुशन पर भी वस्तु के रूप में देय।

(ई) कर्मचारी परिवार लाभ योजना - अपंग विनियोजित कर्मचारी/मृत कर्मचारी के सुपरएनुशन की तारीख तक निर्धारित जमा के स्थान में मृतक कर्मचारी के कानूनी उत्तराधिकारी को मासिक भुगतान।

(एफ) भविष्य निधि : बेसिक एवं मंहगाई भत्ता का 12 प्रतिशत कंपनी द्वारा भविष्य निधि ट्रस्ट को दिया जाता है।

(जी) ग्रेच्युटी ; पात्र कर्मचारियां जिन्होंने न्यूनतम 5 वर्षों एवं 30 वर्ष तक अनवरत सेवा दिया है को सेवा के प्रत्येक वर्ष के पूरा होने पर 15 दिनों की दर से वेतन विनियोजन पर देय होगा। ग्रेच्युटी की गणना 30 वर्ष की सेवा में सेवा के प्रत्येक वर्ष के पूरा होने पर कर्मचारी द्वारा आहरित अंतिम एक माह के वेतन की दर में किया जाएगा। कर्मचारी को अधिकतम ग्रेच्युटी का भुगतान ₹ 10 लाख है।

Note 49 : Employee Benefits : Brief Description of Defined Benefit Scheme :

(a) Leave Encashment – Payable on separation to eligible employees, shall be limited to 300 days (Earned leave and Half-Pay leave combined), and HPL shall not be commuted as per DPE guidelines for calculation of 300 days limit. Encashment of accumulated earned leave is also allowed upto 30 days once in a calendar year.

(b) Post Retirement Medical benefit – Available to retired employees at any hospital under the Mediclaim Insurance Policy.

(c) Post retirement settlement benefit – Payable to retiring employees for settlement at their declared home town.

(d) Long Term Service Award – Payable in kind for rendering minimum 25 years of service and also on Superannuation.

(e) Employees Family Benefit Scheme – Monthly payment to disabled separated employees/legal heirs of deceased employees in lieu of prescribed deposit till the date of superannuation of deceased employees.

(f) Provident Fund – 12% of Basic pay and Dearness Allowance contributed to the Provident Fund must by the company.

(g) Gratuity – Payable on separation at the rate of 15 days pay for each completed year of service to eligible employees who render continuous service for a minimum period of 5 years and upto 30 years. The Gratuity is calculated at the rate of one month's wages last drawn by the employee for every completed year of service in excess of 30 years. The maximum amount of gratuity payable to employee is ₹ 10 lakhs.

टिप्पणी 50 : कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2014-15 में एमएसटीसी लि. के ई-ऑक्शन हेतु सेवा प्रभार ₹ 4.22 लाख (पीवाई ₹ 6.99 लाख) किया है एवं कंपनी ने एमएसटीसी लि. के वेयरहाउस प्रबन्धन हेतु कस्टोडियन सेवा प्रदान करने के बाबत ₹ 310.13 लाख (पीवाई ₹ 290.78 लाख) प्राप्त किया है।

Note 50 : The company has paid service charges for e-auction to MSTC Ltd. in the FY 2014-15 ₹ 4.22 lakhs (PY ₹ 6.99 lakhs) and the company has received ₹ 310.13 lakhs (PY ₹ 290.78 lakhs) awards custodian services for the warehouse management of MSTC Ltd.

टिप्पणी 51 : .वित्तीय वर्ष 2014-15 के दौरान कंपनी ने 300.00 लाख के अंतरिम लाभांश अर्थात शेयरधारकों को पेड-अप इक्विटी शेयर कैपिटल का 150.00% घोषणा किया है एवं चुकता किया है। लाभांश वितरण कर राशि ₹ 59.98 लाख जमा कर दिया गया है।

Note 51 : During the FY 2014-15, the company has declared and paid Interim Dividend of ₹ 300.00 lakhs i.e. 150.00% of paid-up equity share capital to the shareholders. The Dividend Distribution Tax amounting to ₹ 59.98 lakhs has been deposited.

कृते एमएसटीसी लिमिटेड For MSTC Limited

कृते राय एंड कं.
सनदी लेखापाल
पंजीकरण सं. 313124ई

सीए एस पी बसु
साझेदार
एम नं. 050209

तारीख : 17-07.2015
स्थान : कोलकाता

For Ray & Co.
Chartered Accountants
Regn. No. 313124E

CA S P. Basu
Partner
M no. 050209

Dated : 17.07.2015
Place : Kolkata

(एस के त्रिपाठी)
अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक

(S. K. Tripathi)
Chairman-cum-Managing Director

(आर के चौधुरी)
महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा)

(R. K. Chaudhuri)
General Manager (Finance & Accounts)

(ए के बसु)
निदेशक (वित्त)

(A. K. Basu)
Director (Finance)

(सुब्रत कुमार राय)
कंपनी सचिव

(Subrata Kumar Ray)
Company Secretary

एम एस टी सी
लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)

MSTC
LIMITED
(A GOVT. OF INDIA ENTERPRISE)

पंजीकृत एवं मुख्य कार्यालय
225 सी, आचार्य जगदीश चन्द्र बोस रोड, कोलकाता - 700 020
दूरभाष : (+91-33) 2290-0964, 2287-7557 / 0568 / 9627
फैक्स : (+91-33) 2287-8547, 2240-4176
ई-मेल : mstcindia@mstcindia.co.in

उत्तरी क्षेत्रीय कार्यालय
जीवन विकास बिल्डिंग, पहला तल, 30-31 A, आसफ अली रोड, नई दिल्ली - 110 002
दूरभाष : (011) 2321-4201, 2321-3945
फैक्स : 011-2321-6713
ई-मेल : mstcnro@mstcindia.co.in

दक्षिणी क्षेत्रीय कार्यालय
लीलावती बिल्डिंग (दूसरा तल), 69, आरमिनियन स्ट्रीट, चेन्नई - 600 001
दूरभाष : (044)2521-9004, 2522-2842, 2523-1584
फैक्स : 044-25220091
ई-मेल : mstcsro@msctindia.co.in

पूर्वी क्षेत्रीय कार्यालय
225-एफ, आचार्य जगदीश चन्द्र बोस रोड, कोलकाता - 700 020
दूरभाष : (+91-33) 2290-0964, 2287-7557/0568/7716/9627/7568
फैक्स : (+91-33) 2287-4915
ई-मेल : mstccro@mstcindia.co.in

पश्चिमी क्षेत्रीय कार्यालय
607-608 रहेजा सेंटर, नरीमन प्वाईंट, मुम्बई - 400021
दूरभाष : (022)2288-6261/2287 2011/2282 2789
इ-ऑकसन के जानकारी के लिए : (022) 2202-2096
फैक्स : 022-22845130
ई-मेल : mstcwro@mstcindia.co.in

शाखा कार्यालय समूह

बैंगालुरू
करीम टावर, तीसरा तल, 19/5 एंड 19/6, कनिंगहम रोड, बैंगालूरू - 560 052
दूरभाष : (080) 2225-6327, 2226-0054/6417
फैक्स : 080-2225 6367
ई-मेल : mstcblr@mstcindia.co.in

विशाखापत्तनम
जीवन प्रकाश (छठा तल), एलआइसी बिल्डिंग, जीविथा बीमा रोड, विशाखापत्तनम - 530 004
दूरभाष : (0891) 274-6948, 270-1066
फैक्स : 0891-274-7053
ई-मेल : mstcsvzg@mstcindia.co.in

बड़ौदा
कमलांजलि अपार्टमेन्ट (दूसरा तल), टियूब कंपनी के सामने, ओल्ड पडरा रोड, अकोटा, बड़ौदा - 390 020
दूरभाष : (0265) 2339 672, 2310 606, 2330 726
फैक्स : 0265-2351 636
ई-मेल : mstcvda@mstcindia.co.in

क्षेत्रीय कार्यालय समूह

भोपाल
महाराना प्रताप नगर, जोन II, भोपाल - 462001
दूरभाष : (0755) 2552241, 2570 664
फैक्स : (0755) 4075720

त्रिची
क्वाटर नं. के 3/100 एफ टाइप बी के आर सेक्टर, नेहरू नगर, तिरुचिलापल्ली - 620014
दूरभाष : (0481) 252-1009, 9025793464
ई-मेल : natarajan@mstcindia.co.in

हैदराबाद
आकाशगंगा कम्प्लेक्स, अफिस नं. 201, दूसरा तल, डोर नं. 6-3-635 एवं 637, खैरावाद, हैदराबाद - 500 004
दूरभाष : (040) 2330 1039
ई-मेल : hyd@mstcindia.co.in

तिरूपति
टीटीडी विष्णु निवासम कॉम्प्लेक्स, (तिरुपति रेलवे स्टेशन पूर्व के विपरीत), उत्तर पश्चिम व्लाक, प्रथम तल, मिनि हाल नं. 1, तिरूपति, आंध्र प्रदेश - 517501

लखनऊ
जी-25 /26 तेज कुमार प्लाजा, 1, टी. एन. रोड, हॉजरतगंज - 226001
ई-मेल - mstclko@mstcindia.co.in
दूरभाष : 0522 2614445

भुबनेश्वर
तोशाली प्लाजा, तीसरी मंजिल, कक्ष स. टीपी.-बी/1-03 एवं 08,
सत्य नगर, भुबनेश्वर-751 007

Registered & Head Office
225-C, Acharya Jagadish Chandra Bose Road, Kolkata - 700 020
Tel : (+91-33) 2290-0964, 2287-7557 / 0568 / 9627
Fax : (+91-33) 2287-8547, 2240-4176
E-mail : mstcindia@mstcindia.co.in

Northern Regional Office (NRO)
Jeevan Vikas Building, 1st Floor, 30-31 A, Asaf Ali Road (opp : Hamdard), New Delhi - 110 002
Tel : (011) 2321-4201, 2321-3945
Fax : 011-2321-6713
E-mail : mstcnro@mstcindia.co.in

Southern Regional Office (SRO)
Leelavati Building, 2nd Floor, 69, Armenian Street, Chennai - 600 001
Tel : (044)2521-9004, 2522-2842, 2523-1584
Fax : 044-25220091
E-mail : mstcsro@msctindia.co.in

Eastern Regional Office (ERO)
225-F, A.J.C. Bose Road, 3rd Floor, Kolkata - 700 020
Tel : (+91-33) 2290-0964, 2287-7557/0568/7716/9627/7568
Fax : (+91-33) 2287-4915
E-mail : mstccro@mstcindia.co.in

Western Regional Office (WRO)
607-608 Raheja Centre, Nariman Point, Mumbai - 400021
Tel : (022)2288-6261/2287 2011/2282 2789
For e-Auction Registration Enquiry : (022) 2202-2096
Fax : 022-22845130
E-mail : mstcwro@mstcindia.co.in

Branch Offices :

Bangaluru
Kareem Tower, 3rd Floor, 19/5 & 19/6, Cunningham Road, Bangalore - 560 052
Tel : (080) 2225-6327, 2226-0054/6417
Fax : 080-2225 6367
Email : mstcblr@mstcindia.co.in

Visakhapattanam
6th Floor "Jeevan Prakash" LIC Building, Jeevitha Bima Road, Visakhapatnam - 530 004
Tel : (0891) 274-6948, 270-1066
Fax : 0891-274-7053
E-mail : mstcsvzg@mstcindia.co.in

Vadodara
21, Kamalanjali Apartment, 2nd Floor, Opp. Tube Company, Old Padra Road, Akota, Vadodara - 390 020
Tel : (0265) 2339 672, 2310 606, 2330 726
Fax : 0265-2351 636
E-mail : mstcvda@mstcindia.co.in

Field Offices

Bhopal
16-11, Maharana Pratap Nagar, Zone II, Bhopal - 462001
Tel : (0755) 2552241, 2570 664
Fax : (0755) 4075720

Trichy
Quarter No. K3/100F, Type 'B' KR Sector, Nehru Nagar, Tiruchirapally - 620014
Tel : (0481) 252-1009, 9025793464
E-mail : natarajan@mstcindia.co.in

Hyderabad
Akash Ganga Complex, Office No. 201, 2nd Floor, Door No. 6-3-635 & 637, Khairtabad, Hyderabad - 500004
Tel. : (040) 2330 1039
email : hyd@mstcindia.co.in

Tirupati
TTD Vishnu Nivasam Complex, (Oppsosite: Tirupati Railway Station - East), North West Block, 1st Floor, Mini Hall No.1, Tirupati, Andhra Pradesh - 517501

Lucknow
G-25/26, Tej Kumar Plaza, 1, T.N. Road, Hajratganj - 226001
e-mail : mstclko@mstcindia.co.in
Tel. : 0522 2614445

Bhubaneswar
Toshali Plaza, 3rd Floor, Room No.TP-B/1-03&08,
Satya Nagar, Bhubanes

Visit us at : http://www.mstcauction.co.in http://www.mstcindia.co.in

- Mumbai
- New Delhi
- Chennai
- Bangalore
- Visakhapatnam
- Vadodara
- Hyderabad
- Bhopal
- Trivandrum
- Tiruchirapalli
- Lucknow
- Jaipur
- Bhubaneswar

एम एस टी सी
लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)

MSTC
LIMITED
(A GOVT. OF INDIA ENTERPRISE)

225F, A.J.C. BOSE ROAD, KOLKATA - 700 020. INDIA
PHONE : 91-33-2290-0964, 2287-7557 / 0568 / 7716 / 9627 / 7568
website : www.mstcindia.co.in • www.mstcecommerce.com
CIN : U27320WB1964GOI026211

adunique